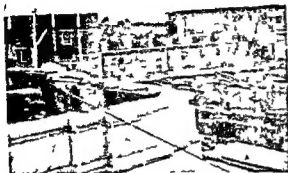


# आत्म कल्याण के मार्ग में हर पल आपके साथ - एक गौरवपूर्ण परम्परा का निर्माण -



भारत का प्रथम श्री उवसगढ़र पार्श्व जिनालय  
निर्माणाधीन



तीर्थ म निर्माणाधीन विशाल उपाश्रय  
एव प्रवचन सभागृह

## यात्रार्थ पधारिये-निर्माण मे सहयोग दीजिए श्री उवसगढ़र पार्श्व तीर्थ

पारस नगर (नगपुरा) जिला बुर्ग (मध्यप्रदेश)  
रेलवे स्टेशन-बुर्ग जक्शन-(एस ई रेलवे)

- तीर्थ निर्माण के अतंप्रेरक महान विभूति सूरिदेव श्री लघ्नि सूरिश्वरजी म. सा  
योगीराज गुरुदेव श्री शांति सूरिश्वरजी म सा
- दिव्य आशीषदाता परम पूज्य आचार्य श्री जयत सूरिश्वरजी म सा  
परम पूज्य आचार्य श्री विक्रम सूरिश्वरजी म सा
- तीर्थ निर्माण सगाती परम पूज्य आचार्य श्री कंलास सागर सूरिश्वरजी म सा  
परम पूज्य श्री अभय सागरजी म सा  
परम पूज्य आचार्य श्री हेमप्रभ सूरिश्वरजी म सा

तीर्थोद्धार मार्गदर्शक एव निश्रादाता

परम पूज्य आचार्य देव श्रीमद् विजय राजयश सूरिश्वरजी म सा

॥ ॐ हं श्री अर्हं नमः ॥

# श्री समग्र जैन चातुर्मास सूची

वर्ष 14

1992

अंक 14



स्थानकवासी



मूर्तिपूजक



तेरापंथी



दिगम्बर

अ. भा. समग्र जैन सम्प्रदायों (श्वे. मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी एवं दिगम्बर सम्प्रदाय) के लगभग दस हजार सभी पूज्य जैन आचार्यों, मुनिराजों एवं साध्वियाँजी म. सा. के सन् 1992 वर्ष के चातुर्मास एवं गिनिज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्ड्स डायरेक्ट्री का बृहद् सूची ग्रंथ

संप्रेरक :

अनुयोम प्रवर्तक, पं. रत्न श्री कठहैयालालजी म. सा. 'कमल'

दिशा निर्देशक :

प्रवर्तक श्री रुपचन्दजी म. सा. 'रजत'

उप-प्रवर्तक, सलाहकार, श्री सुकनमुनिजी म. सा.

सम्पादक-संयोजक

श्री बाबूलाल जैन 'उज्जवल'

बम्बई

**प्रकाशक**

**अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन**

**परिषद्**

105, तिरुपति ऑफाटमेंट्स, आर्कुली ग्रीम रोड नं 1,  
कादिवली (पूर्व), बम्बई 400101 (महा)  
फोन 6881278

**परिषद् द्वारा प्रकाशित साहित्य 1992**

- 1 समग्र जैन चातुर्मास सूची, 1992 पृष्ठ 500 मूल्य 20/-
- 2 स्थानवासी जैन चातुर्मास सूची चाट, भाग प्रथम (हिंदी आवृत्ति) नि शुल्क
- 3 बम्बई महानगर स्या जैन चातुर्मास सूची चाट (हिंदी आवृत्ति) नि शुल्क
- 4 अ भा समग्र जैन पत्र-पत्रिका सूची मूल्य 5/-
- 5 गिनित बक आफ जैन समाज रिवाड डायरेक्टरी मूल्य 5/-

**प्रकाशन ध्य (चौदहवां) 14**

**सहयोग राशि लागत मूल्य 50/- प्रचाराय अल्पमूल्य 20/-**

**वि सवत् 2049 (गुजराती 2048)**

**वीर सवत् 2518**

**ईस्वी सन् 1992**

**मुद्रक पृष्ठ आवरण छायाकार श्री मोरारजी भाई छेडा, बम्बई**

**मुद्रक नईडुनिया-प्रिंटरी, - 60/1, बायू लामबद छजलानी मार्ग,**

**इंदौर-452009 (मप्र)**

**फोन नं 61400-62061-62-63 (कोड 0731)**

**प्राप्तिस्थान -**

- 1 श्री बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल' (संपादक)  
प्रकाशक का पता
- 2 श्री बाबूलाल जैन पोस्टाल (शाखा प्रतिनिधि)  
26-बी, राधा नगर, इंदौर-452002 (मप्र)  
चातुर्मास काल में निम्न स्थाना पर भी उपलब्ध
- 3 नूतन राजमणी ट्रांसपोर्ट प्रा लि  
डारुन भवन, 14, बर्नाब राड, लाकमान्य निवास भाग,  
बम्बई-400003 (महा)  
फोन-3428969-3447709
- 4 श्री शांतिलाल गांधी  
महावीर भवन इमली बाजार,  
इंदौर 452001 (मप्र)
- 5 श्री डी टो नोस्तर (मन्त्री)  
क्वालिटी गारंटेड, गिरगाव चर्च के पास,  
मेजेस्टिक सिनेमा के सामने, बम्बई-400004  
फोन-357755

**समग्र जैन चातुर्मास सूची**

□ सदस्यता शुल्क □

महा मन्त्र, सदस्य	रुपये	11000/-
प्रमुख स्तम सदस्य	रुपये	5000/-
महा संरक्षण सदस्य	रुपये	3000/-
संरक्षण सदस्य	रुपये	2000/-
आजीवन सदस्य	रुपये	1000/-
चातुर्मास सूची वार्षिक शुल्क	रुपये	20/-
पंचवर्षीय ग्राहक शुल्क	रुपये	150/-
जैन एकता म देश वार्षिक शुल्क	रुपये	25/-

**★ विज्ञापन शुल्क की दरें**

(सन् 1993)

**वक्कर पृष्ठ चतुर्थ**

**वक्कर पृष्ठ द्वितीय-तृतीय**

**छह विभाग सम्पूर्ण पृष्ठ**

**सम्पूर्ण पृष्ठ**

**अध पृष्ठ**

**शुभकामनाएं**

**★ समग्र जैन चातुर्मास सूची**

**आफ सट प्रिटिंग**

**(आट पेपर चार रंगा में)**

**(आट पेपर दो रंगा में)**

**(रंगीन पेपर)**

**(साधारण पेपर)**

**(साधारण पेपर)**

**(साधारण पेपर)**

**★ जैन एकता म देश**

**रुपये (साधारण)**

**रुपये**

**रुपये**

**रुपये**

**रुपये**

**रुपये**

**रुपये**

**नोट —** ये स्थानवासी जैन चातुर्मास सूची का हिंदी आवृत्ति चाट एवं बम्बई महानगर स्या जैन सूची चाट (हिंदी आवृत्ति) जैन सभी स्थाना स नि शुल्क प्राप्त करें। चाट को स्थानक भवन में अवश्य लगावें।



# सादर समर्पण

शासन प्रभावक, संघ नायक, प्रसिद्ध वक्ता, व्याख्यान वाचस्पति

नवयुवक धर्म नवचेतन प्रेरक, पं. रत्न, महामहिम पूज्य

**श्री सुदर्शनलालजी स. सा.**

के पवित्र पावन चरण कमलों में सादर समर्पित...

शासन शिरोमणी पूज्य गुरुवर, मुनि सुदर्शनलाल है ।

त्याग तप संयम नियम की, एक सच्ची मिशाल है ॥

तीर्थ है जंगम धरम के, जगत के पूज्य महाराज है ।

मेरे दिल में है बसे, और मेरे शिर के ताज है ॥

उन्नीस सौ तेवीस रोहतक में, पूज्यवर ने लिया शुभ जन्म था ।

“चंदगी” पिता और माता “सुन्दरी”, को किया अति धन्य था ॥

आपके बाबा श्री जगमूलजी, भी महान सच्चे साधक बने ।

पिछे पिछे आप श्री भी, उनके महान आराधक बने ॥

सन् उन्नीस, सौ बयालीस में, नगर संगरूर में दीक्षा गही ।

पूज्य गुरुओं से सभी, शास्त्रों से फिर शिक्षा गही ॥

आपके गुरु मदन मुनिवर, की निराली शान थी ।

सम्पूर्ण जैन समाज में ही, धाक बे अनुमान थी ॥

सन् तिरेसठ में सिधारे, स्वर्ग गुरुवर आपके ।

संघ नायक अपने संघ के, फिर बने तब आप थे ॥

“सेठ” प्रकाशचन्द आपके, गुरु भ्राता महाराज है ।

और रामप्रसाद मुनिवर, कवियों के सर ताज है ॥

शिष्य प्रिय बाईस आपके, पच्चीस का मुनि परिवार है ।

आप सबके पूज्य गुरुवर, परम श्रद्धेय, आधार हैं ॥

शुद्ध संयम पक्ष के, धारक प्रचारक आप हैं ।

कुशल प्रभावी प्रवचनकार, मेटते सबके संताप हैं ॥

बढ़ता रहे, मुनि संघ आपका, ऐसी है हमारी प्रार्थना ।

आप भी युग युग जियें, ऐसी है मंगल कामना ॥

श्री चरणों में करें समर्पण, “चतुर्दश” यह पुष्प अमर ।

वयानवे के चौमासों की है, ‘सूची’ पुस्तक अति सुन्दर ॥

विनीत :

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई के सदस्यगण



# अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई परिषद् के प्रधान, शाखा कार्यालय एवं प्रतिनिधि मण्डल

प्रधान कार्यालय—अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्

संयोजक—श्री बाबूलास जल "अनन्तल" 105, तिर्थपति अपार्टमेंट, आतुरी कास राड नं 1, वादिवनी (पूर्व)  
बम्बई-400 101 (महाराष्ट्र) फोन-6881278

शाखाएं

- 1 मद्रास (तमिलनाडु) शाखा—श्री एम सात्वद बागमार (उपाध्यक्ष), 80 ओयडप्पा नय्यन स्ट्रीट, माद्वारपट्ट, मद्रास-600079 (तमिलनाडु)  
फोन नं 522605, 522066  
निवास 6423271, 6426223
  - 2 दिल्ली शाखा—श्री राधेस्वाम जैन, म रामशाम मल्ल वार्मा, 3228/2 गता, पोचन महादेव चामुख मंदिर के सामने होज काजी दिल्ली-110006  
फोन 3273527, 3264925
  - 3 मालवा-इंदौर शाखा—श्री रावराज जैन परवान, 26-बी, राधा नगर, इंदौर-452002 (मप्र)
- प्रतिनिधि मण्डल
- 1 आगरा (उप्र) प्रतिनिधि श्रीरामस्वरूप जल 22/4, बाग अता, सोहामण्डी, आगरा-282003 (उप्र)
  - 2 छत्तीसगढ़ दुर्ग (मध्यप्रदेश) प्रतिनिधि श्री राणीदान बायरा, शनीश्वर बाजार, दुर्ग-491001 (मप्र)
  - 3 दिल्ली प्रतिनिधि श्री विरग महुता, इए-21, इन्द्रपुरी, नईदिल्ली 110012 फोन नं 371741 5721175
  - 4 जलगाव प्रतिनिधि श्री प्रकाशचंद हुड्डीनाल मे भजेद्र श्लेकट्टीवल स्तोम, पोजरा वाल, मेरी नाका, जलगाव 425001 (महाराष्ट्र)
  - 5 ब्यावर (राज) प्रतिनिधि श्री निरहमल जल, माहपुरा माहल, मातिवगल गली, ब्यावर-305901 जिना अजरम (राज)
  - 6 सवाई माधोपुर (राज) प्रतिनिधि श्री सुवाह्नु मार जैन मराफ मराका बाजार, सवाई माधोपुर (राज) 322021
  - 7 जोधपुर (राज) प्रतिनिधि श्री चचलमल चौरटिया, चौरटिया हाऊस, जालारी गेट के बाहर, जोधपुर (राज) 342001
  - 8 इचलकरजी (महाराष्ट्र) प्रतिनिधि श्री रूपराज बन्ध म सजराज रूपराज बन्ध, वण्डे के बापारी, मन राड इचलकरजी जिला काठहापुर (महाराष्ट्र) 416115
  - 9 कोटा (राजस्थान) प्रतिनिधि श्री हनुमन्त जैन (वरवाडा वाला) पारस भवन दानमलजी का नाहवा, मेहरपाडा, कोटा 6 (राज)
  - 10 अहमदाबाद (गुजरात) प्रतिनिधि श्री जयतीलाल चदुभाई सघवा, 4, गिद्धाय अपार्टमेंट, मानूपितु छाया नारायणपुरा त्रामिग, अहमदाबाद-380013 (गुज)
  - 11 भीलवाडा (राज) प्रतिनिधि श्री शानीलाल खिमनरा मै गोवम कनाथ स्टाम, भाई नगर भीलवाडा 311001 (राज)
  - 12 उत्तरप्रदेश प्रतिनिधि श्री जेडी जैन, मेसग जैन रोला मिन्म बेबी 45, कबिनग, गाजियाबाद (उप्र)-201091 फोन 840001-817205
  - 13 नासिक (महाराष्ट्र) प्रतिनिधि श्री शांतिलाल दुग्ड, 203, मून्डा बिल्डिंग, गांधी राड, नासिक मिर्डी (महाराष्ट्र)-422001
  - 14 उदयपुर (राज) प्रतिनिधि श्री इन्द्रसिंह बाबेल, दिवाकर बांस, 38 सहली नगर, हेमती माग, उदयपुर-313001 (राज) फोन 25453
  - 15 रतलाम (मध्यप्रदेश) प्रतिनिधि श्री मार्गालाल कटारिया, 19/3, पदम रोड, रतलाम (मप्र) 457001 फोन 22681 एवं 20288
  - 16 बयलोर (कर्नाटक) प्रतिनिधि श्री गालमचंद ओस्तवाल नं 53, 1 मजिन 2 रं, मेन रोड, 4 र्थी, त्राम नामदा त्रान, बैंगलोर-560021 (कर्नाटक)
  - 17 राजकोट (गुजरात) प्रतिनिधि श्री रवीबलाल मी. पात्र (जैन धर्म), 31/36, बरगपरा राजकोट-360001 (गुज)
  - 18 सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र) प्रतिनिधि श्री हनुमन्त भाई महुता (मिदानी बाल), चेनना साहायडी सुरेन्द्रनगर-363001 (गुजरात)
  - 19 मुजफ्फर नगर (उप्र) प्रतिनिधि श्री दिनानुभाष जैन, बकम यू मण्डी, मुजफ्फर नगर (उप्र) 251001 फोन 43522 43122  
निवास 45939
  - 20 भुज कच्छ प्रतिनिधि श्री एडी महुता मिदाचल हास्पिटल रोड भुज-कच्छ-370001 (गुज)

नोट—भारत के विभिन्न शहरों में परिषद् के प्रतिनिधि बनने वाले इच्छुक महानुभाव परिषद् के प्रधान कार्यालय से सम्पर्क करें एवं नियमावली प्राप्त करें। इसके अलावा हमारे और कोई प्रतिनिधि नहीं हैं।

# अनुक्रमिका

क्र.सं.	विवरण/सम्प्रदाय का नाम	पृष्ठ संख्या	क्र.सं.	विवरण/सम्प्रदाय का नाम	पृष्ठ संख्या
<b>भाग प्रथम</b>					
	सादर समर्पण	3		आचार्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा.	35
	चातुर्मास सूची भेट योजना सूची	7		आचार्य कल्प श्री शुभचन्द्रजी म.सा.	37
	शाखा कार्यालय सूची	8		आशुकि प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म.सा.	39
	कार्यकारिणी सदस्य परिचय फोटो	9		प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शनलालजी म.सा.	41
	प्रकाशवर्गीय	49		तपस्वी प्र.र. श्री मान मुनिजी म.सा.	43
	सम्पादकीय	53		स्व. उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म.सा. का समुदाय	45
	कार्यकारिणी सदस्य सूची	57		नवज्ञानगच्छ समुदाय	47
	आय-व्यय का लेखा	58		वर्धमान वीतराग संघ	47
	समग्र जैन तालिकाएँ-सारिणियाँ	61		अन्य संत सतियाँजी	48
	विज्ञापनदाताओं की अनुक्रमणिका	81	<b>(3) बृहद् गुजरात सम्प्रदाय</b>		
	गाँवों/शहरों की अनुक्रमणिका	85		गोंडल मोटा पक्ष सम्प्रदाय	51
<b>भाग द्वितीय</b>				छ कोटी लिम्बड़ी मोटा पक्ष सम्प्रदाय	57
<b>(1) श्वे.स्थानकवासी सम्प्रदाय श्रमण सच सम्प्रदाय</b>				दरियापुरी आठ कोटि सम्प्रदाय	63
आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत				लिम्बड़ी गोपाल संघवी सम्प्रदाय	67
सतियाँजी के चातुर्मास स्थल प्रान्त.—				आठ कोटि कच्छ मोटा पक्ष सम्प्रदाय	71
<b>प्रान्त</b>				आठ कोटि कच्छ छोटा पक्ष सम्प्रदाय	75
	राजस्थान	1		खंभात सम्प्रदाय	77
	तमिलनाडु	7		बोटाद सम्प्रदाय	79
	कर्नाटक	8		गोडल संघाणी सम्प्रदाय	81
	महाराष्ट्र	9		वरवाला सम्प्रदाय	83
	उत्तर भारतीय प्रान्त	13		सायला सम्प्रदाय	85
	मध्यप्रदेश	18		हलारी सम्प्रदाय	87
	आन्ध्र प्रदेश	20		वर्धमान सम्प्रदाय	87
	गुजरात	20		अन्य संत सतियाँ	87
	अन्य संत सतियाँ	20	<b>भाग तृतीय</b>		
<b>(2) स्वतन्त्र सम्प्रदाय</b>				श्वे. तेरापंथी एवं स्वतंत्र नवतेरापंथी सम्प्रदाय	
	समता विभूति आचार्य श्री नानालालजी म.सा.	23		श्री श्वेताम्बर तेरापंथ समुदाय	20
	ज्ञान गच्छाधिपति तपस्वीराज श्री चम्पालालजी म.सा.	29		श्री स्वतंत्र नव तेरापंथ समुदाय	207

## भाग चतुर्थ

### श्वे मूर्तिपूजक सम्प्रदाय

आचार्य श्री विजय प्रेम सूरेश्वरजी म सा का समुदाय (भाग "प्रथम")	113
आचार्य श्री विजय प्रेम सूरेश्वरजी म सा का समुदाय (भाग "द्वितीय")	123
आचार्य श्री नमो सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	129
आचार्य श्री सागरानन्द सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	133
पदास श्रीधर विजयजी म सा (देहतावाला) का समुदाय	141
आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	145
आचार्य श्री विजय बुद्धिसार सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	149
आचार्य श्री विजय नीतिसूरेश्वरजी म सा का समुदाय	151
आचार्य श्री विजय लाल सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	157
श्री माहनलालजी म सा का समुदाय	161
आचार्य श्री विजय मोहन सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	163
आचार्य श्री विजय पालि सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	167
आचार्य श्री विजय कनक सूरेश्वरजी म सा (बागडवाला) का समुदाय	171
आचार्य श्री विजय सिद्धि सूरेश्वरजी म सा का (बापजी समुदाय)	175
आचार्य श्री विजय बेशर सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	177
आचार्य श्री विजय हिमाचल सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	179
आचार्य श्री विजय शाहीचन्द्र सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	181

आचार्य श्री विजय अमृत सूरेश्वरजी म सा का समुदाय	183
अचलगच्छ (विधि पत्र) समुदाय	185
यत्तरगच्छ समुदाय	191
त्रिस्तुति समुदाय (भाग प्रथम)	195
त्रिस्तुति समुदाय (भाग द्वितीय)	197
त्रिस्तुति समुदाय (भाग तृतीय)	199
पारवचन्द्र गच्छ समुदाय	201
विमलचन्द्र गच्छ समुदाय	205
अन्य समुदाय के साथ माध्वीपा	207

## भाग पंचम

### दिगम्बर समुदाय

दिगम्बर समुदाय	209
----------------	-----

## भाग षष्ठम्

### अथ जानकारियां

मम जैन पत्र-परिचय	1
मम जैन आचार्य सूची	18
नई दीक्षा सूची एवं तालिका	19
मम जैन नई पदवी प्रदान सूची	27
बाल धर्म सूची एवं तालिका	25
पंचवर्षीय नये आचार्य पद सूची	33
एकादश वष महाप्रदान सूची	35
उच्च शिक्षा प्राप्त मतलबी सूची	39
राष्ट्रीय सभ अध्ययन सूची	41

## भाग सप्तम्

गणित बुक ऑफ जैन समाज विवाह

## भाग अष्टम्

विज्ञापन

# चातुर्मास सूची भेंट योजना-1992

## समग्र जैन चातुर्मास सूची 1992 पुस्तकें भेंटकर्ताओं की नामावली

भेंट पुस्तकों की संख्या

भेंटकर्ता का नाम एवं विवरण

- 225 अ.भा. श्वे. स्था. जैन कान्फेन्स के अध्यक्ष एवं परिषद् के मंत्री श्री पुखराजजी लुंकड़ वम्बई की ओर से श्रमण संघ के संत-सतियों को सप्रेम भेंट।
- 150 अ.भा.श्वे. मूर्तिपूजक जैन कान्फेन्स एवं परिषद् के अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध दानवीर श्रीमान दीपचंद भाई गार्डी वम्बई की ओर से श्वे. मूर्ति. समुदायो के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 100 अ.भा. श्वे. जैन कान्फेन्स के उपाध्यक्ष एवं परिषद् के सहमंत्री श्री नृपराजजी जैन वम्बई की ओर से स्थानकवासी श्रमण संघ के संत-सतियों को सप्रेम भेंट।
- 100 अ.भा. श्वे. जैन कान्फेन्स के उपाध्यक्ष, म.प्र. शाखा के अध्यक्ष एवं परिषद् के सहमंत्री श्री नेमनाथजी जैन इन्दौर की ओर से श्र. सं. उत्तर भारतीय एवं अन्य संत-सतियों को सप्रेम भेंट।
- 100 परिषद् की कार्यकारिणी के सदस्य श्री भाणकचंदजी, रतनलालजी कंवरलालजी, शांतिलालजी, मदनलालजी सांखला (अजमेर वाले) वम्बई की ओर से साधुमार्गी जैन श्री संधों एवं प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म. के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 75 श्री अ.भा. ज्ञान गच्छ श्रावक संघ के अध्यक्ष एवं परिषद् की कार्यकारिणी के सदस्यगण श्री जशवंत भाई एस. शाह (वायोकेम फार्मा) वम्बई की ओर से ज्ञानगच्छ के श्री संधों को सप्रेम भेंट।
- 75 राजकोट स्था. जैन श्री संघ के अध्यक्ष एवं परिषद् के उपाध्यक्ष श्री नंगीनभाई विराणी राजकोट की ओर से गोडल मोटापक्ष एवं गोडल संधाणी पक्ष समुदाय के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 50 श्वे. तपागच्छीय गच्छाधिपति आचार्य देव श्री विजय भुवन भानु सूरेश्वरजी म.सा. के समुदाय के शासन प्रभावक युवक जागृति प्रेरक आचार्य श्री विजय गुणरत्न सूरेश्वरजी म.सा. की सद्प्रेरणा से श्री जैन संघ पिण्डवाडा (राज.) की ओर से समुदाय के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 30 परिषद् के सदस्य एवं समाधोषा-कच्छ निवासी श्री गागजीभाई कुंवरजी भाई वीरा की ओर से स्था. छ कोटी जैन लिम्बड़ी सम्प्रदाय के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 30 माण्डवी कच्छ निवासी (वर्तमान में न्यूयार्क-अमेरिका स्थित) वृहद् कच्छ स्था. छ कोटी जैन लिम्बड़ी सम्प्रदाय के भूतपूर्व संघपति संघरत्न सेठ श्री चुष्मीलाल वेलजी भाई मेहता की ओर से स्था. छ कोटी जैन लिम्बड़ी सम्प्रदाय के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।
- 25 श्वे. तपागच्छीय सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय महोदय सूरेश्वरजी म.सा. की सद्प्रेरणा से गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा. समुदाय के साधु-साध्वियों को जैन श्री संघ नवाडीसा की ओर से सप्रेम भेंट हस्ते श्री चन्द्रेश भाई, कांदिवली।
- 25 श्री व. स्था. जैन-श्रावक संघ (मेवाड़) वम्बई के संस्थापक ट्रस्टी, भूतपूर्व अध्यक्ष एवं परिषद् के सदस्य श्री मोठालालजी सिधवी वम्बई की ओर से श्रमण संघ के साधु-साध्वियों को सप्रेम भेंट।

- 25 भारत जैन महासङ्घ के प्राध्यक्ष एवं धर्मिक के महामंत्री श्री विष्णुनाथजी वर्मा की ओर से निम्नलिखित सभ एवं अन्य माधु-साधिवियों को सन्मेल भेंट।
- 10 श्री कपूरचंदजी पारममलजी कावरिया जैन (भाषातज्ञ वाले) जगदाव की ओर से जैन रत्न हितवी श्रावक सभा को सन्मेल भेंट।
- 21 अचन गच्छ समुदाय के आचार्य श्री कन्याश्रम सागर सूर्यचरजा म मा की सदप्रेरणा से श्री बच्छी वीमा ओगवान जैन महाजनवादी रम्बई की ओर से अल्लगच्छ समुदाय के माधु-साधिवियों का सन्मेल भेंट।
- 25 श्वेताम्बर मध्यागच्छीय श्री सागरानंद सूर्यचरजा म मा के समुदाय के आचार्य श्री भूपाल सागर सूर्यचरजा म मा की सदप्रेरणा से जैन श्वेताम्बर मतिपूजक सभ माटा गाव (वासवान राज) की ओर से सागर समुदाय के माधु-साधिवियों का सन्मेल भेंट।
- 15 श्रमण मधीय महाद्वार उपयोग प्रत्यक्ष श्री ब्रह्मचारीजी म मा की सदप्रेरणा से सूरमागर जोधपुर के चातुर्मास के उपलक्ष्य में म्यानकवासी जैन माधु-साधिवियों को सन्मेल भेंट।
- 25 भारत जैन महासङ्घ के प्राध्यक्ष एवं परिषद् के मार्गदर्शक श्री शांतिप्रसादजी जैन बम्बई की ओर से अल्लगच्छ मध्यागच्छीय माधु-साधिवियों का सन्मेल भेंट।
- 10 श्रमण मधीय ज्ञान प्रचारक श्री विवेकानंद मुनिजी म मा की सदप्रेरणा से श्री ब्रह्म जैन श्रावक सभ हुयली की ओर से माधु-साधिवियों एवं जैन श्री सभा का सन्मेल भेंट।
- 10 श्रमण मधीय प्रवक्तृ श्री अम्बालालजी म मा की सदप्रेरणा से श्री ब्रह्म जैन श्रावक सभ, लोवा मरदार गढ़ (राज) की ओर से सत्तियों को भेंट।

1126 कुनयान

सभी भेंटकर्ताओं का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार

## जैन पत्र-पत्रिका एकता पुरस्कार

आप सभी को सूचित करते हुए पत्रक हय रहा है कि जैन ममप्र जैन चातुर्मास सूचा प्रकाशन परिषद् बम्बई द्वारा सम्पूर्ण जैन समाज में वलमान में प्रकाशित जैन पत्र-पत्रिकाओं के श्रेष्ठ प्रकाशन काय एवं कई छोटे पत्र-पत्रिकाओं का उत्साह बढ़ाने हेतु "एकता पुरस्कार" प्रारम्भ करने का निश्चय किया गया है। यह पुरस्कार पत्र के श्रेष्ठ प्रकाशन, मेकप सुंदर छपाई, अधिक वागज, पानवधन, समाजोत्थान, नव चेतना, एवता संगठन काय, नियमित प्रकाशा अवधि, सुंदर लेख, रचनाओं, प्रसारण मय्या आदि श्रेष्ठ कार्यों के लिए किसी वायप्रम में पुरस्कार राशि, प्रशस्ति पत्र आदि प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। इस वर्ष का पुरस्कार 1-1-92 से 31-12-92 तक की अवधि में प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं को प्रदान किये जायेंगे। पत्र की श्रेष्ठता एवं पुरस्कार प्राप्तकर्ता का ध्यान निर्णायक समिति करेगी।

### एकता पुरस्कार की राशि

प्रथम पुरस्कार	रुपये 500/-	प्रशस्ति पत्र सहित
द्वितीय पुरस्कार	रुपये 300/-	" " "
तृतीय पुरस्कार	रुपये 200/-	" " "
सम्मान पुरस्कार	(पत्र पत्र)	" " "

अतः सम्पूर्ण जैन समाज के सभी पत्र-पत्रिकाओं के माननीय मपादका में नम्र निवेदन है कि आप अपने पत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पत्र की एक प्रति परिषद् के पते पर हमें अवश्य भिजवान का कष्ट करें।

—विनीत—

दीपचंद भाई गाढी, शांतिनाथ छाजेर, बालूनाल जैन  
(जैन) 'उज्जवल'  
महामंत्री मयोजक

## भाग-प्रथम

जीवन-परिचय एवं फोटो  
सारणियां एवं तालिकाएँ  
अनुक्रमणिकाएँ  
अन्य जानकारीयाँ

*With best compliments from*

## Scholarship

Deserving candidates send your handwritten applications for scholarship to

**Shree Surajmal Shrimal Memorial Trust,**  
4F2(A) Court Chambers 35 New Marine Lines  
Bombay-400 020 (INDIA) Phone 299979 311067



# पूज्य गुरुदेव योगीराज श्री रामजीलालजी म.सा. गुरुदेव योगिराजः एक परिचय



साधुत्व प्रतिपन्न व्यक्तित्व समाज, राष्ट्र व विष्व की महान् निधि होता है। क्यों कि सयम, शील, सदाचार से अभिभूत महा-पुरुष की आत्मा का आलोक राष्ट्र एव विष्व के अधिकार को मिटाकर उसे नूतन जीवन प्रदान करता है।

पूज्य गुरुदेव योगिराज श्री रामजीलाल जी महाराज एक ऐसे ही महापुरुष थे, जिन्होंने आत्म-कल्याण के साथ- साथ समाज व राष्ट्र का भी उद्धार किया। उम महापुरुष के 25 वे स्मृति- दिवस पर भारत की जनता श्रद्धाओं में भर कर उन्हें भावार्थ समर्पित कर रही है। आओ! इस अवसर पर उम विमल- विभूति के जीवन-वृत्त को देखे और ममझे।

**जन्म:-**

वीर वसुन्धरा बडौदा ग्राम (हरियाणा) में जनवन्ध पूज्य गुरुदेव योगिराज श्री रामजीलालजी महाराज का मवत् 1947, भाद्रपद कृष्ण 1 को जन्म हुआ था। चौ श्री सुखदयालजी का पितृत्व मसुष्ट हुआ। माता श्रीमती लाडोवाई की गोद पुत्र-रत्न से भरी। पुत्र-रहित कुल धन्य हुआ। रामजीलाल अपने माता-पिता की एकमात्र सन्तान थे। इनका बचपन बड़े लाड-प्यार में बीता।

**दीक्षा:-**

रामजीलाल युवा हुए थे। ये शरीर से बहुत बलवान् थे। गांव में एक युवाजनो की मित्र-मडली थी। उम मित्र मडली के रामजीलाल प्रमुख थे। गांव में तथा आम-पाम के झुलाके में रामजीलाल को कोई चुनौती दे सकने में समर्थ न था।

21 वर्ष की आयु में इनका सम्पर्क परमश्रद्धेय चार्मि चूडामणि श्री मायारामजी महाराज में अप्रत्याशित हुआ। मन वैराग्य में भर उठा। अतत श्री मायारामजी महाराज के लघु शिष्य श्री मुखीरामजी महाराज के चरणों में आपने मदर बाजार दिल्ली वि सवत 1971, मार्ग शीर्ष कृष्णा चतुर्दशी की क्षेम- ब्रेला में मुनि- दीक्षा ग्रहण की।

**अध्ययन:-**

अपने आराध्य गुरुदेव के निर्देशन च पथ-प्रदर्शन में श्रद्धेय मुनि श्री रामजीलालजी ने जैनागमो का विधिवत् अध्ययन किया। ध्यान एव योग आपके प्रिय विषय थे।

स्वाध्याय और योगाम्यास के समन्वय में आत्म- दर्शन के माध्य तक पहुँचकर उन्होंने स्वयं को ही योग-दर्शन का एक प्रमाणिक अध्याय बना लिया था। इसीलिए ये समय भारत में 'योगिराज' के नाम में सुविख्यात हुए।

**संघ नायक:-**

गृही जीवन का मार्ग हो या साधक जीवन का पथ, नायक या नियन्ता की मध-संचालन में अनिवार्य आवश्यकता है। लोग- वन्द्य श्री मायारामजी महाराज के समस्त साधुओं और गृहस्थ समाज ने मन् 1964 में हरियाणा में प्रसिद्ध नगर जीन्द में पूज्य गुरुदेव को अपना धर्म-नायक मानकर निश्चितता का अनुभव किया।

**अमीनगर की मिट्टी:-**

पूज्य गुरुदेव के अंतिम वर्षावास अमीनगर (मेरठ, उ प्र) में था। साधु जीवन की सभी आवश्यक क्रियाएँ, जो देहोत्सर्ग के समय की जानी चाहिए, के सभी सम्यग रूप से कर चुके थे।

गुरुदेव ने अपने अंतिम मदेश में कहा- जीवन को खुली पुस्तक की तरह रखो। छल की कालिमा से मुक्त रहो। जीवन में सरलता होगी, तो आत्म-दर्शन एव मुक्ति सलक्ष्य तुम में कुछ दूर न रहेगा।

अमीनगर की मिट्टी में सवत् 2024 आश्विन कृष्ण 5 को उन्होंने भौतिक देह का विसर्जन किया। आज भी लाखों जन उनका पावन स्मरण कर, श्रद्धावदन में नत होते हैं।

**-विद्वद्भक्त मुनि रामकृष्ण**



# सन्त शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी म सा जीवन परिचय



जन्म नामकरण	विद्याधर
जन्म तिथि	जातिव्रत मुक्ता पूर्णिमा विम 2003 दिनांक 10-10-1946
जन्म स्थल	ग्राम मन्सला (जि बलगाम) बनावट
पितृ नाम	श्री मन्सलानी (मुनिजी मल्लिमारजी)
मातृ नाम	श्री श्रीमतीजी (आयिका समयमनिजी)
मातृभाषा	ब्रज
मुनि दीक्षा	आषाढ शुक्ला पक्षमा विम 2025 दिनांक 30 जून 1965 अजम म
आचार्य पद	मगनिर कृष्ण द्वितीया विम 2029 दिनांक 21 नवम्बर 1972 नमीराबा (गजम्याम) म

शिक्षा-दीक्षा गुरु आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज

विशेष — चरित्र चरित्रांती श्री शान्तिसागर महाराज के उपदेशामृत न बचपन में विरक्ति के बीज जोय और आजीवन ब्रह्मचर्यव्रत आश्री दशभूषणजी से ग्रहण किया। अतीत ज्ञानसागरजी म शिक्षा और मुनि-दीक्षा प्राप्त की।

आश्री विद्यासागरजी को जहाँ प्राचिन सम्भूत अपभ्रंश मगड़ी हिन्दी अथवा बाला ब्रज आदि अनेक भाषाओं में प्रकाण्ड पांडित्य प्राप्त है, वही दर्शन इतिहास सम्बन्धि 'याय व्याकरण साहित्य मनोविज्ञान और योग विज्ञान' में अनुपम वैदुष्य भी उपलब्ध है। आपमें आधुनिकविषय और प्राचिनमनविषय अत्यन्त प्रशस्य गुण हैं।

आचार्य श्री स्वमाधना के साथ निरन्तर नामाभ्यास में 'जन' हैं। आपन भव्य जीवों के आत्मकल्याण हेतु अनेक नाम का प्रयत्न किया है और माँ भारती के भण्डारों को भरा आपके द्वारा प्रेषित एक अनुवादित रचनाओं की मन्थना 25 है। आपन 'प्रेमि' करीब 73 मातृ-माध्वीजी एवं 150 गज बालब्रह्मचारि भाई-बहन हैं।

आप सम्पूर्ण दश में काफी प्रभावशाली आचार्य हैं। आपके एज्य पितान्त एव माताजी न भी दिगम्बर गमुनाय में ही समय ब्रत अणीकार किया है। सम्पूर्ण दिगम्बर जैन समाज में आपके 'मुनाय' के बराबर अथ किसी भी समुदाय में इतनी विशाल मन्थना म शिष्य शिष्याएँ अयथ वही भी नहीं हैं। इस वर्ष आपके शान्तिधर म (17) नई दीक्षाएँ भी सम्पन्न हुई हैं। आपका इस वर्ष समय जीवन टीसा का रजत महोत्सव का आयोजन भी विशाल कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ।

सम्पर्क सूत्र—

सन्त शिरोमणि, आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी

श्री दिगम्बर जैन अनिशय (मिठ) क्षेत्र

—बडलपुरा, म पा कुण्डलपुर, जिना दमोह

म प्र ) 470661 फोन न 30



## संक्षिप्त जीवन परिचय

धन्य हो उठी मलौट मण्डी की भूमि (जिफरीदकोट, पंजाब) कि जिसे आपका जन्म स्थान कहलाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। दिन 18 सितम्बर 1942 पवित्र एव शुभ हो गया।

क्योंकि आपका इस धरा पर पदार्पण हुआ। आपके जन्म से श्री चिरंजीवीलालजी का पितृत्व सन्तुष्ट हुआ एव माता श्रीमती विद्या देवीकी कोंख गौरवान्वित हुई, "होनहार विग्वान के होत चिकने पात" इस उक्ति के अनुसार "यथा गुण तथा नाम" को दृष्टि में रखते हुए आपके ब्राह्म व्यक्तित्व को, आपके भीतर अन्तरंग भावों की अभिव्यक्ति स्वरूप मंगल के अर्थ को लिए हुए "शिवकुमार" इस नाम से नामांकित किया गया।

### साधना पथ पर

एक सच्चे त्यागी बनकर परम पूज्य गुरुदेव बहुश्रुत जैनागम रत्नाकर श्रमण मधीय सलाहकार पूज्य श्री ज्ञान मुनि जी म.सा. के श्री चरणों में 30 वर्षीय जीवन की स्वर्णिम वैला में विकसित यौवन काल में अतर प्रज्ञा की जागृति के आधार पर, अन्य त्रयभगिनिओं के संग 17 मई 1992 के दिन भगवान महावीर के दर्शन हुए सम्यक ज्ञान, दर्शन, चाग्रि के मार्ग का अनुगमन करते हुए वीतरागता की ओर प्रयाण किया।

### समीचीन अध्ययन:

आपश्री जी ने समय ग्रहण करने से पूर्व ही अंग्रेजी एव दर्शन शास्त्र में एम.ए. कर लिया था। दीक्षा लेने के पश्चात् आपने Doctrine of liberation in Indian Religions (with special reference of Jainism) इस विषय में पी.एच.डी. की उपाधि को प्राप्त किया। आप समस्त स्थानकवासी साधु समाज में पी.एच.डी. की उपाधि को प्राप्त करने वाले तो एकमात्र हैं। विविध देशों की मस्कृति उनके आचार-विचार एव आदर्शों के समीचीन अध्ययन हेतु वैराग्यवस्था में आपश्री जी ने जेनेवा, टोरन्टो, कुवैत, अमेरिका आदि स्थानों की विदेश-यात्रा भी की। व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ आगम ज्ञान की प्यास भी आपश्री जी में सदा जागृत रही है। आपके मन में एक अटूट अभीप्सा है सत्य को साक्षात्

करने की। जो किसी भव्य एव आत्मार्थी जीव में ही होती है।

### कृतित्व:

आपश्री जी ने कृतित्व अति सौम्य, सरल, मधुर एव स्नेहमय है। जैसे सुरभित विकसित कमल का फूल। विचारों से आप प्रगतिशील एव सर्वधर्म समाभावी हैं। आप एक ओजस्वी वक्ता एव कुशल लेखक हैं। आपके प्रवचन सूत्रवत सीधे और हृदयस्पर्शी होते हैं, जो भी वे बोलते हैं, करते हैं, वे सभी जीवन की आन्यन्तिक गहराई एवं अनुभूति में उद्भूत होता है। जीवन को उसकी समग्रता में जानने, जीने और प्रयोग करने में आप एक जीवन्त प्रतीक हैं।

### एक पौरुषीय व्यक्तित्व:

आपश्री जी का जीवन एक साकार स्वरूप है। आपका पराक्रम एवं आपकी अप्रमत्तता अत्यन्त विरल है। एक तरफ तो उग्र विहार साथ ही एकान्तर तप का अनुष्ठान, दूसरी ओर उन्नत शिखरों को स्पर्श करती हुई आपकी यह प्रखर ध्यान साधना। बाह्य एव आभ्यान्तर तप का यह अद्भुत सगम शायद ही कही और देखने को मिले। यह उनका पुरुषार्थमय जीवन वास्तव में आज के युवा वर्ग के लिये एक उच्चतम एव जीवन्त आदर्श को स्थापित करता है।

### अन्तरंग साधना:

साधना को स्वयं के अस्तित्व का अभिन्न अंग बनाया है परम पूज्य युवाचार्य श्री जी ने और इसी कारण उनके मुख में उद्भूत होते हुए वचनों के पीछे अनुभूति का बल होता है। जिस कारण उनके संपर्क में आने वाला व्यक्ति उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। इनका समग्र जीवन ध्यान-साधना में इस प्रकार डूब गया है कि वे ध्यान साधना के एक स्वर्णिम अध्ययन बन कर रह गए हैं।

### युवाचार्य पद

सद्गुरु वही होता है जो सत्य प्राप्ति का मार्ग बतलाए। जो केवल सत्य की परिभाषा करके रह जाय, वह सद्गुरु नहीं होता। सत्य के स्वरूप की परिभाषा के साथ-साथ उस स्वरूप को कैसे उपलब्ध किया जाय, यह जो दर्शाए, वही होता है सद्गुरु। ऐसे ही एक सद्गुरु है युवाचार्य प्रवर जो धर्म के सैद्धांतिक पक्ष के साथ-साथ उसके व्यावहारिक पक्ष को भी हमारे समक्ष रखते हैं।

ऐसे अनेकानेक विशिष्ट गुणों में अलंकृत आपके व्यक्तित्व में प्रमुदित होकर पूना के विशाल माधु सम्मेलन में 13-5-87 को परम पूज्य महामहिम राष्ट्र-मन्त्र आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषि जी म.सा. ने आपको श्रमण संघ का युवाचार्य पदवी में मुशोभित किया।

अनेक पुरुषांनी पुण्य हे नवापन हे गमान उषताऱ्या शास्त्र  
विगारद परम प्रभाया ज्ञान ज्ञान्वारी

आचार्य श्री निपुण प्रभ  
सूरीश्वरजी म सा



आपरा जम राजस्थान प्रांत क महाद्व द्वेष क योगी राम  
म जैष्ठ शुक्ला 14 विम 1940 का मुख्यावधी भीमा मरणाजी  
के यहाँ हुआ। आपरा बाबा का नाम श्री तबनमरा बा।  
वहाँ म आप मूक के नाम मरणाजी गिरि म आप पूषमा क  
यहाँ आ गए और वहाँ ही आपकी प्रार्थामिक विद्या पूरा हुई।  
मूक क धर्मनिष्ठा प्रतियोगी मुख्यावधी भीमा मरणाजी राजाजी  
क यहाँ रहकर 16 वर्ष की वह म उन धर्म का प्रमाण मरणा  
प्रत पञ्चमर मरणावधिक पोषध प्रत आदि विराम प्रमाण  
नियता। आपरा मूक गांधीपुरा म पूज्य श्री गंगा मुनिजी मरणा  
र पाव विम 1940 म उपधा विद्या योग पर आपरा आपरा  
मयम नीला लन की वा गयी श्री आपरा माप 17 3 दिम  
1984 म ही पूज्य पन्थाम श्री राज मुनिजी म तारे के नाम  
मरणावधिकतर तीर्थ प्रसार नाम म नीला प्रमाण क सं। श्री त क  
परात आपरा तमा नाम श्री विष्णु मुनिजी मरणा प्रमाण। पूष  
मी माहनलालजी मरणा क गिरि की वन मुनिजी मरणा क  
पाव विद्यावधिक प्रति कर्त वन आपरा मुख्यावधिक गहा  
अध्ययन विद्या। श्री योगी मुनिजी मरणा मरणा मुनिजी मरणा  
आपरा श्री अमर मुनिजी मरणा मरणा मरणा मरणा मरणा  
अध्ययन श्री मरणा

आचार्य श्री गुरुजी महाराज का नाम विष्णु २०१८ म  
बड़ा जीव पुनर् म दि २०१८ म गुरुमास ११ गुरु, श्री

राष्ट्रसत आचार्य

श्री जयत सेन मृगीश्वरजी म मा



अथ वाच—एतं गोपी वा :      इति मय विनाशः  
 अभिप्रायः—      प्रहस्य वाच ।  
 वाच—अथ मयः      इति मय विनाशः ।  
 वि—अथ मयः      इति मय विनाशः ।  
 वाच—अथ मयः      इति मय विनाशः ।  
 वि—अथ मयः      इति मय विनाशः ।

[illegible]

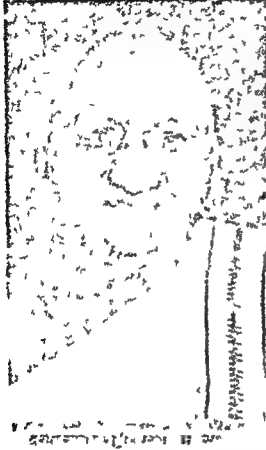
तम वर्धमान तप आश्रय उप शिखरी शान्त विमान  
- गेयकी मूर्ति का काशी-नाम उपा।

पुण्य आचार्य श्री गिरानन्द भूरीडवरजी महाराज गिराय  
जीतिमेव मुनि

श्वे. सूर्ति, तपा गच्छीय सागर समुदाय के संघ नायक गच्छाधिपति,

जिन शासन ज्योतिर्धर, प्रशान्त संयम सूर्ति

## आचार्य प्रवर श्री दर्शन सागर सूरीश्वर जी म. सा.



### संक्षिप्त जीवन परिचय

गच्छाधिपति आचार्य श्री दर्शन सागर सूरीश्वरजी म.सा.

गरवी गुजरात नु ऐ झालावाड़ धाम।

ध्रागंध्रा जिल्लानु ऐ धोली नामनु गाम॥

पिताम्बर दास ऐ पिता नु नाम।

अने हरख बहिन ऐ माता नु नाम॥

पिताजी का नाम—श्री पिताम्बर दास वीशा श्रीमाली  
ओसवाल

माताजी का नाम : श्रीमती हरख बहिन

मूल नाम : श्री देवचन्द भाई

जन्म तिथि : बैशाख बदी 7 वि. सं. 1964

जन्म भूमि : धोली गांव जिला ध्रागंध्रा (सौराष्ट्र)

दीक्षा तिथि : जैष्ठ बदी 14 वि. सं. 1986

दीक्षा भूमि : खंभात (गुजरात)

दीक्षा गुरु : आचार्य श्री सागरानन्द सूरीश्वरजी  
म.सा.

शिष्य : श्री महोदय सागर म. सा.

नूतन नाम : श्री मुनि श्री दर्शन सागर जी म.सा.

समुदाय का नाम : श्वे. सूर्ति.तपागच्छीय सागर समुदाय

गणि पद : कार्तिक बदी 3 वि.सं. 2008 पालीताणा

उपाध्याय पद : साध शुक्ला 11 वि.सं. 2022

उपाध्याय पद प्रदाता : आचार्य श्री माणिक्य सागर  
सूरीश्वरजी म.सा.

आचार्य पद : दिनांक 4-2-1987 गोडीजी पायधुनी,  
बम्बई

आचार्य पद प्रदाता : पन्थाम श्री रेवत सागरजी म.सा.

भाषा ज्ञान : हिन्दी, गुजराती, प्राकृत, संस्कृत, पाली  
आदि

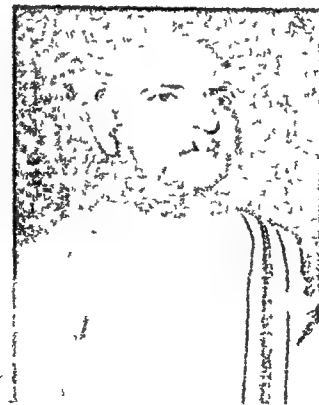
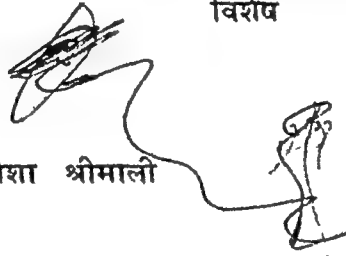
विहार क्षेत्र : राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि

पदयात्रा : लगभग 1 लाख कि.मी. का पैदल विहार  
यात्रा

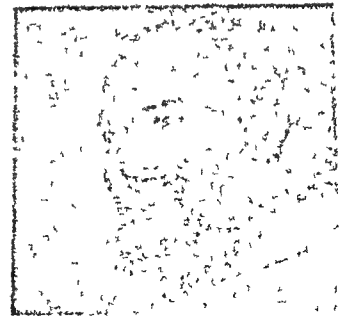
प्रतिष्ठा उपधान : अनेको जगह अनेकों वार

गच्छाधिपति पद : दिनांक 3-3-1991 प्रार्थना समाज, बम्बई  
समुदाय परिवार : लगभग 125, साधु 675, साध्वीयां कुल  
800 साधु साध्वीयों का परिवार

विशेष : लगभग 85 वर्ष की वय में भी शास्त्री  
अगमो का अध्ययन अपने आप करना,  
सागर समुदाय का बडोल संघ नायक  
(प्रमुख) गच्छाधिपति, मधुर वक्ता  
आदि।



आचार्य  
श्री नित्योदय सागर सूरी जी म.



पन्थास  
श्री चन्द्रानन सागर जी म.

परम श्रद्धेय, स्व आचार्य श्री छोटालालजी म सा  
की द्वितीय वार्षिक पुण्य तिथि के अवसर पर  
भाव वंदना श्रद्धाजलि



पुण्य आचार्य गुरुदेव  
श्री छोटालालजी म सा

जन्म म 1903 भाजाय (बल्ह)  
पिता श्री बन्नाय पुंजाय  
माता श्रीमती मता इ  
बीसा म 1944 सुगा (बल्ह)  
पुत्र आचार्य श्री मागधजी म सा  
आचार्य पद म 2040 गाइकी (बल्ह)  
कालधर्म म 2048 धारण व 12 वारी (बल्ह)  
संप्रदाय बल्ह आठ कानी मोटी पन ग्या के

अमर पथना यात्रिक, परम कृपालु  
ओ पू गुरुदेव ।

आपनी मूर्तिमा गररर समय गरवना गय ह। आज दह  
स्वल्प जाय गमारी पाम नयी काळ हूँ री अमारी  
पाथी जाय गह न लई गयो पण लागोता हैयामा आप  
अनन्त पु रूप बिराजी हवा छे। कोहनी पण अ ताराग  
नदी के समूरा अतरमाथी आपन सड गये । गेटेबे

ओ परम उपकारी आचार्य  
गुरुदेवेश ।

आप जेनामा नमामरण मा भुव मम गुरुदेवेश  
अपार अकार न हूँ बरमा आर अकार प्रसाद ।  
उपकार नी हूँ शिरोनी अमन गान आरगुण ।

आपनी प्रेरणा अमान पायेय घने ।  
आपनी आशिष अमने अरिना बनाये ।।  
आपनी भक्ति अमने मुर्ति ।।।  
जायनु चरण अमार ।।  
म प्रार्थना गोये - मो कोशे वागिब पुन  
आपना गिन म मा प्रनयनी नी गानि  
बने पडावति ।।  
बाद । , मा धानुमाग बिराजिन, पुण्यपी  
उमसाद । म मा आरि टाता बति—  
पू मु । पी नशोनचडजी म मा "तपु गिपु" नी शुभ  
प्रेरणाय

श्री देवचंद वेलजी गडा  
दीनचधु स्वीट मार्ट

बाजू गिराम गगा राय मुसुण्ड (ब) बम्बई 400 080  
(मरा)

## श्री चाकण तीर्थ (पूना) में भव्यातिभव्य प्रतिष्ठा महोत्सव

महाराष्ट्र राज्य के पूना जिला के चाकण तीर्थ में शामन प्रभावक पूज्य आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरेश्वर जी महाराज आदि ठाणाओं के सानिध्य में बड़ी धूमधाम में वैशाख शुक्ला 5 वि म 2048 को श्री महावीर परमात्मा श्री आदिनाथ भगवान आदि जिन विम्बों की प्रतिष्ठा लाखों रुपये के चढ़ावे के साथ हुई। प्रतिष्ठा महोत्सव में अध्यक्ष श्री नरपत भाई बदनमल मेहता, उपाध्यक्ष श्री बाबूभाई शिरचंदभाई शाह ने अपनी संपत्ति का मद्ब्यय किया। पूना गोडी जी टेम्पल ट्रस्ट के चेयरमेन श्री चंदुभाई एव सूर्यकान्त भाई ने बहुत बड़ा सहयोग प्रदान किया। आठ दिनों तक तीनों समय नवकारसी एव ग्राम जमण का प्रोग्राम आयोजित किया गया था। यह तीर्थ पूना जिले में 138 वर्ष पुराना तीर्थ है। प्रतिष्ठा महोत्सव के पश्चात् आचार्य श्रीजी को चाकण तीर्थोद्धारक पदवी प्रदान की गई। आप भी इस प्राचीन चमत्कारिक भव्य तीर्थ में दर्शनो हेतु अवश्य पधारें।

विनीत  
ट्रस्टीगण



अप्रतिम प्रतिभाशाली  
आचार्य देव श्री विजय  
सुरेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.

### जीवन-परिचय

आपके पिताजी का नाम श्री रूपचंद भाई एव माता का नाम श्रीमती बली बाई था। आपके बचपन का नाम शिरचंद था। पूर्व जन्म के महाप्रताप एव इस जन्म में माता पिता के उत्कृष्ट संस्कार प्राप्त करके बचपन से ही जीवन को धर्म के रंग में रंगीन किया जिसके परिणामस्वरूप पूज्य श्रीधर्म विजय जी म.सा. (डेहला वाला) के सानिध्य में रहकर सयम जीवन का अभ्यास किया एवं दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आप उनके शिष्य बने। दीक्षा के पश्चात् आपका नूतन नाम मुनिश्री सुरेन्द्र विजयजी म.सा. रखा गया। उसके बाद ज्ञान, ध्यान, तप-त्याग में अग्रसर होने एव कठिन संयम साधना पूर्ण करके के पश्चात् आपको आचार्य पदवी प्रदान की गई। आपके पास कई व्यक्तियों ने दीक्षा ग्रहण करके शिष्य बने। आपका जन्म कार्तिक शुक्ला 2 वि.सं. 1950 को गुजरात प्रांत के वनासकाठा जिले के कुवाला गांव में हुआ। दीक्षा वि.स. 1969 में पाटन शहर में एवं आचार्य पदवी जूनागढ़ (सौराष्ट्र) में प्रदान की गई। अनेक गांव शहरों में विचरण करते हुए अनेक प्रतिष्ठाएँ दीक्षोत्सव उपदान आदि करके बहुत ही शानदार शासन प्रभावना की। आपका महाप्रयाण कार्तिक वदी 5 वि.स. 2006 को डेहला के उपाश्रय में हुआ। आचार्यश्री का जीवन बहुत ही आदर्शमय चारित्र्यशील प्रभावशाली था।

ऐसे पूज्य महापुरुष आचार्य श्री सुरेन्द्र सूरेश्वर जी म.सा. रावन चरणों में कोटीशः वन्दना।



चाकण तीर्थोद्धार सिद्धी तप के  
प्रेरक  
आचार्य श्री विजय  
यशोभद्र सूरेश्वरजी म.सा.

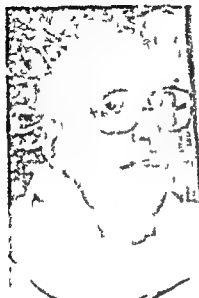
### जीवन परिचय

कोहीनूर रत्न श्री टीलचंद भाई के कुलदीपक एव माता श्रीमती मैना बहिन के होनहार सपूत श्री नटुभाई का जन्म गुजरात प्रान्त के वनासकाठा जिले के कुवाला नामक गांव में हुआ। पूर्व जन्म के पुण्य उदय एव माता-पिता के धार्मिक उच्च संस्कारों में महेमाणा स्थित यशोविजयजी मस्कृत पाठशाला में धार्मिक अभ्यास किया। उसके पश्चात् सयमी जीवन का अभ्यास करने के पश्चात् अप्रतिम प्रतिभाशाली आचार्य श्री सुरेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा. के सानिध्य में जेष्ठ शुक्ला 3 वि म 2002 में राजनगर अहमदाबाद में सयम जीवन अगीकार किया। आपको कोट-वम्बई में वि म 2042 में आचार्य की पदवी प्रदान की गई। आपने गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बंबई, महाराष्ट्र आदि प्रदेशों में विचरण भी किया है। अजन शलाका प्रतिष्ठा, दीक्षोत्सव, उपधान आदि अनेकों आयोजन भी आपके सानिध्य में पूर्ण हुए हैं। एव जिन शामन की शामन प्रभावना करने में आपने जप पताका फहराई है। इस वर्ष आपका चातुर्मास गोडी जी टेम्पल ट्रस्ट पूना मिटी में है। जहाँ पर आपके स्वयं के चार शिष्य रत्नों के साथ जिन शामन की प्रभावना कर रहे हैं। आपको चाकण तीर्थोद्धारक की पदवी भी प्रदान की गई है।

ऐसे महान प्रभावशाली आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरेश्वर जी म.सा. के पावन चरण कमलों में कोटी-कोटी वन्दन।

तीर्थोद्धारक मार्गदर्शक, सामान प्रभावक,  
प्रगति प्रवर्धनकार, तप प्रेरक—

आचार्य श्री विजय राजयश  
सूरीश्वरजी म सा.



सभी पूज्य आचार्यों मुनिराजो को  
कोटी कोटी वन्दन!

धर्मज्ञ राष्ट्रीय सनातनकार  
श्री ज्ञानमुनिजी म सा



प्रेरक कार्य—

- (1) आर्य समाजकार म श्री उद्योगधर गान्ध ने, सं  
वर्ष १९०० (म.प्र.) के तदनुसार  
श्री मन्त्रि का कार्य प्रारम्भ हुआ है।
- (2) सम्पूर्ण भारत म एकमात्र एका आचार्य है जिसकी  
सम्पूर्णता सम्पूर्णता म प्रसिद्धि प्राप्त करने के  
बादुमात्र म सम्पूर्ण भारत म सर्वाधिक सम्पन्न ७५ लाख  
रुपये की रिवाज तदनुसार पूर्ण हुई है। जो एक रिवाज  
है।
- (3) आर्य समाज की काफी प्रभाव है तदनुसार निम्न  
म सर्वाधिक उपस्थिति पाती है।
- (4) आर्य समाज श्री गणेश मुनिजी सम्पूर्ण व प्रभावशाली  
आचार्य है।

आर्य समाज म सर्वाधिक वन्दन करने के लिए प्रार्थना  
समाज सम्पन्न व इस वर्ष १९९२ व बादुमात्र की सम्पन्न की  
मात्र कामगार करने है।

चानुमान स्थिति—

श्री चन्द्रप्रभु स्व मूर्ति जैन देवालय उपाध्यक्ष,  
रामा राममान राम देव प्रार्थना समाज  
बम्बई ४०० ००४ (महाराष्ट्र)

धर्मज्ञ राष्ट्रीय सनातनकार



ज्ञान प्रचारक श्री विचक्षण मुनिजी म सा  
स्वाध्याय प्रिय श्री सौरभ मुनिजी म सा  
ध्यानप्रेमी श्री श्रेणिक मुनिजी म सा

# अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई कार्यकारिणी के माननीय पदाधिकारी सदस्यगण 1992

अध्यक्ष →



श्री दीपचंद भाई गार्डी

**उपाध्यक्ष**



श्री विशनजीभाई  
लखमशीभाई शाह  
बम्बई  
**महामंत्री**



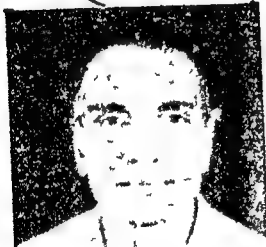
श्री नगीनदासभाई विराणी,  
राजकोट  
**मंत्री**



श्री एम. लालचन्द बाघमार,  
मद्रास  
**मंत्री**



श्री रिखचंद जैन (टी टी )  
दिल्ली  
**मंत्री**



श्री शातीलाल छाजेड, जैन,  
बम्बई



श्री पुखराज लुकड,  
बम्बई

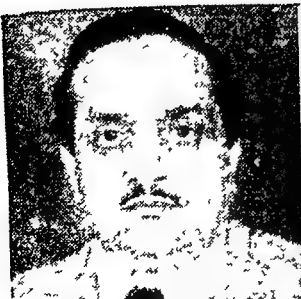


श्री डी टी नीसर,  
बम्बई



जेठमल चौरडिया,  
वैगलौर

**सहमंत्री**



श्री नृपराज जैन,  
बम्बई



श्री नेमनाथ जैन, (प्रेस्टीज)  
इन्दौर



श्री किशोरचन्द्र वर्धन,  
बम्बई



श्री कान्तीलाल जैन,  
बम्बई



## कोषाध्यक्ष

## संयोजक-सम्पादक

## मार्गदर्शक सलाहकार



श्री सम्पतराज खार्वाडया  
बम्बई



श्री चाक्रलान जैन 'उज्जवन'  
बम्बई



श्री सुगलाल कोठारी,  
बार-बम्बई



श्री सुभाषचन्द्र कुलकार  
बम्बई

## मार्गदर्शक सलाहकार



श्री हत्तीमल मुणात  
मिरन्दराबा



श्री प्रतापभाई चानीवान  
बम्बई



श्री मोफतराज मुणात  
बम्बई



श्री ज डी जैन,  
गाजियाबा



श्री जम्भरभाई श्री शाह  
बम्बई



श्री बीजूभाई महता  
बम्बई



श्री अभयराज वलगेटा  
बम्बई



श्री मानकचन्द सालुंखा  
अजमेर बम्बई



श्री सारनराम मुणात  
बम्बई



श्री मानकलाल गवानी  
बम्बई



श्री हसमुखभाई मेहता  
बम्बई

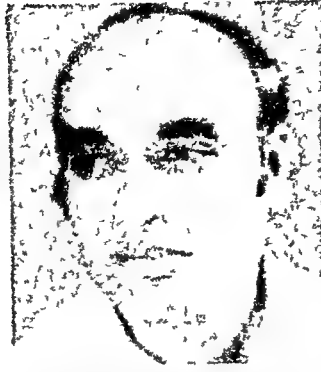


श्री एन ताराचन्द्र दुगड  
मद्रास

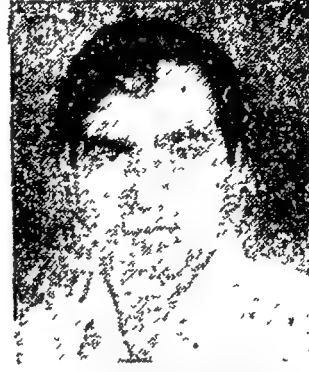
## परिषद् के माननीय सदस्यगण



श्री जे के जैन (सावधान)  
बम्बई



श्री शान्तीलाल दुगड,  
नासिक



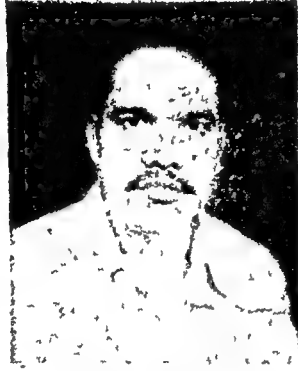
श्री ज्ञानराज मेहता,  
बैंगलोर



श्री वकटलाल कोठारी,  
पूना



श्री भीमराज कछारा,  
बम्बई



श्री मीठालाल मिश्रवी,  
बम्बई



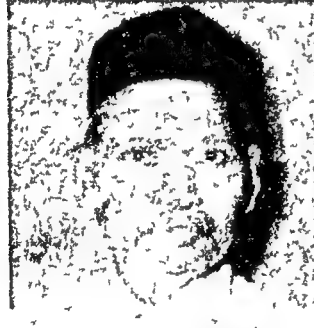
श्री शकरलाल कोठारी,  
बम्बई



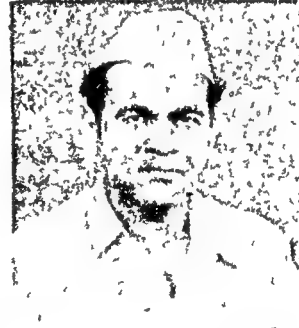
श्री पार्समल मुराना,  
बम्बई



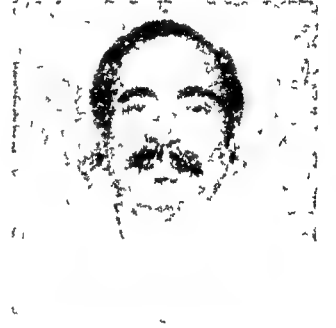
श्री चपालाल कर्नाटक  
बम्बई



श्री इन्द्रचंद हीराबत,  
बम्बई



श्री रतनलालजी मी वाफना  
जलगाँव



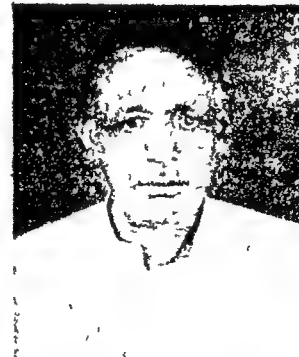
श्री उमरावसिंह मुगना,  
मद्रास



श्री रुपराज साखला,  
बम्बई



श्री उमरावसिंह ओम्तवाल,  
बम्बई



श्री वजरगलाल जैन 'मर्गाफ'  
सवाई माधोपुर

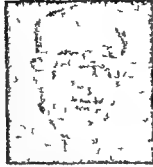


श्री रामदयाल जैन 'मर्गाफ'  
सवाई माधोपुर

## परिषद के माननीय सदस्यगण



श्री चापसीभाई नन्हु  
बम्बई



श्री अमरबन्धु गाला  
(नवनीत) बम्बई



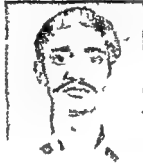
श्री पातुभाई शिवजी गंगा  
बम्बई



श्री गंगजी भाई देडा  
(प्रिन्ट) बम्बई



श्री गंगजी भाई दुबरजी  
योग समाधोधा-बम्बई



श्री रामजीभाई कर्मणभाई  
करीभा ठाणा-बम्बई



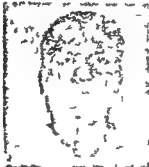
श्री रसिरलाल पणजी भाई  
छाडवा बम्बई



श्री जयूभाई लुभा भाई गदा  
(पोडा) बम्बई



श्री रतनजी नायाभाई मोता  
थाणा-बम्बई



श्री बासूभाई पालनभाई नीमर  
बम्बई



श्री वलजीभाई बी नन्हु  
बम्बई



श्री प्रमजीभाई शाह  
बम्बई



श्री मणीलाल योग  
बम्बई



श्री दामजीभाई  
बम्बई



श्री रमणिकलाल छाडवा  
बम्बई

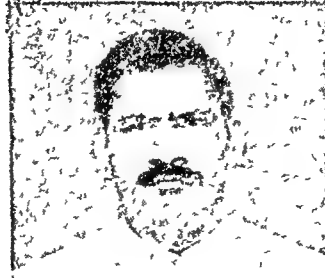


श्री राजेन्द्र ए जैन, बम्बई

## परिषद् के माननीय सदस्यगण



श्री मपतराज बोकडिया,  
मद्रास



श्री उत्तमचन्द बाघमार,  
मद्रास



श्री पन्नालाल सुराना,  
मद्रास



श्री मुरेन्द्रभाई मेहता,  
मद्रास



श्रीजी कन्हैयालाल साहूकार,  
अरकोनम



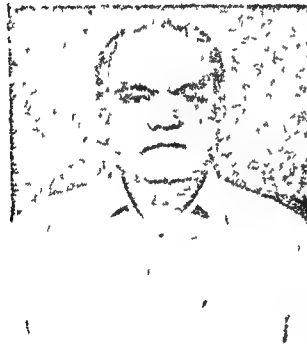
श्री चन्दनमल बोहरा,  
वैगलोर



श्री एन. मुगालचंद जैन,  
मद्रास



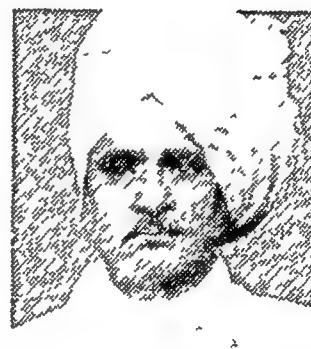
श्री सोहनलाल सिपानी,  
वैगलोर



श्री जवाहरलाल बाघमार,  
मद्रास



श्री एम शेरमल जैन,  
सिकन्द्रावाद



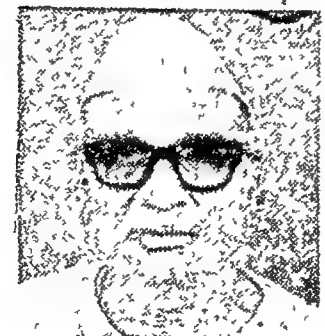
श्री भँवरलाल सियाल,  
वैगलोर



फूलचन्द लुणिया,  
वैगलोर



श्री एव श्रीमती मोहनलाल  
पारख हैदराबाद



श्री भवरलाल श्री श्रीमाल,  
दुर्ग (मप्र)



श्री अमरचन्द भुरट,  
गौहाटी



श्री धेवरचंद भुरट,  
गौहाटी

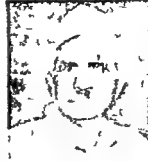
# परिषद् के माननीय सदस्यगण



श्री चरालाल मरवाहा  
जालना



श्री दुनीच जैन  
जलाव



श्री भैरगमल कूलकर्ण 'भगव'  
घोडाणी (पूना)



श्री मुरालाल बापना  
पुनिया (महागष्ट)



श्री मुरणकुमार तालवार  
पूना



श्री किशनलाल कोठारी  
जामनगर



श्री इन्द्रमिह बावेल  
उदयपुर



श्री मुरणकुमार लुणावत  
तिलोरा



श्री कुल्कर्णमल मारवाहा  
इन्दौर



श्री बद्रीलाल जैन पोरवाल  
इन्दौर



श्री भाईलाल भाई तुरलिया  
इन्दौर



श्री मांगीलाल कोठारी,  
इन्दौर



श्री मुरजमल जैन पोरवाल  
इन्दौर



श्री जयनालाल जैन पोरवाल,  
इन्दौर

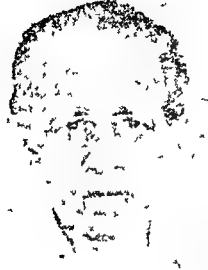


श्री हसमुखभाई मनमखनाल  
शाह मुरदनगर



श्री सुधी पुण्या जैन  
बवाई

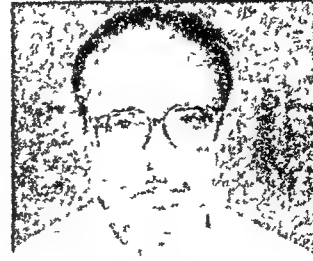
## परिषद् के माननीय सदस्यगण



श्री ताराचन्द सिंघवी,  
पाली-मारवाड



श्री मोहनलाल डागा,  
पाली-मारवाड



श्री शान्तीलाल ललवाणी,  
पाली-मारवाड



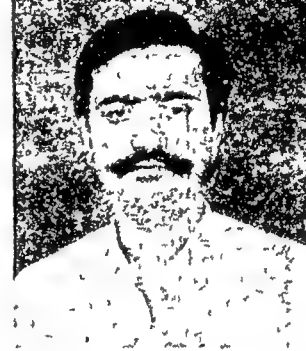
श्री गुमानलाल लुकड,  
पाली-मारवाड



श्री कान्तीलाल एम गाँधी,  
वम्बई



श्री भूपतसिंह ढढा,  
वम्बई



श्री गोतमचद काकरिया,  
मद्रास

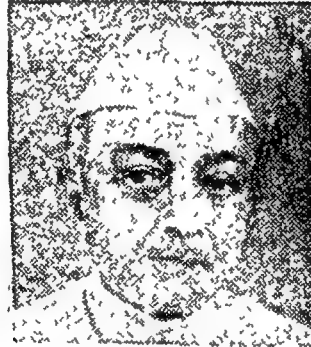


श्री फूलचद जैन पोरवाल,  
इन्दौर

## परिषद् के माननीय सहयोगी सदस्यगण



श्री जिनेन्द्र कुमार जैन,  
जयपुर



श्री एम जे देसाई,  
वम्बई



श्री चन्दनमल "चौद", वम्बई  
(जैन जगत)



श्री रतीलाल सी. शाह  
(धर्मप्रिय), वम्बई



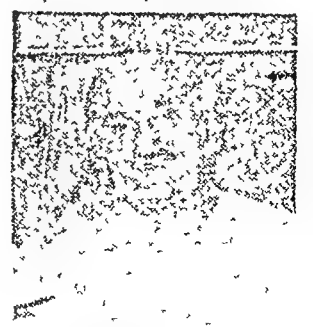
श्री नगीनभाई शाह  
(बावडीकर) वम्बई



श्री महेन्द्रभाई सेठ,  
भावनगर



रमणिक भाई एम. पटनी  
वम्बई



श्री प्रशांत एम. झवेरी,  
वम्बई

# सहयोगी कार्यकर्ता सदस्यगण



श्री हीरालाल चावरी (जैन)  
मईदुनिया प्रिन्टरी इन्टीर



श्री महेंद्र डांगी  
मईदुनिया प्रिन्टरी इन्टीर



श्री फकीरचन्द महना  
इन्टीर



श्री मोतीलाल मुरारा  
इन्टीर



श्री विजयमिह नाहर  
इन्टीर



श्री महेश चव्हाण  
वेगलार् प्रतिनिधि



श्री छोट्टभाई छेडा  
(जयन्त प्रिन्टरी) बम्बई



श्री एन.एस.एन. जैन  
मद्रास

## शाखा प्रतिनिधि सदस्यगण



श्री बालल जैन पोरबाल इन्टीर  
(इन्टीर मालवा प्रतिनिधि)



श्री रणोदान बोधरा दुर्ग (अप्र)  
(छत्तीसगढ़-दुर्ग प्रतिनिधि)



श्री रमोलाल सी पारल  
(जैन ब्रान्ती) (राजकोट प्र नि)



श्री माणिलाल कटारिया  
(रतलाम प्रतिनिधि)



श्री विनोद कुमार जैन  
(मुजफ्फरनगर प्रतिनिधि)



श्री रामस्वाम्य जैन आगगा  
(आगगा प्रतिनिधि)



श्री मुराद कुमार जैन 'मराफ'  
(मवाई माधोपुर प्रतिनिधि)

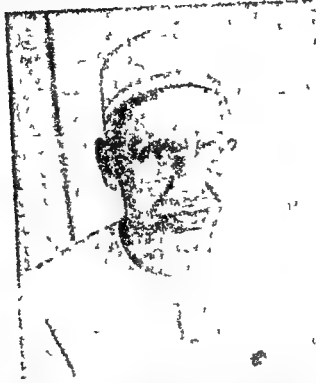


श्री प्रकाशवर हृष्टीवाल  
जलगांव प्रतिनिधि

# परिषद् के माननीय स्व. सदस्यगण



स्व श्री कंवरलाल वेताला,  
गौहाटी



स्व श्री मुन्नालाल लोढा 'मनन',  
पाली-मारवाड



स्व श्री अमृतलाल कावडिया,  
वम्बई



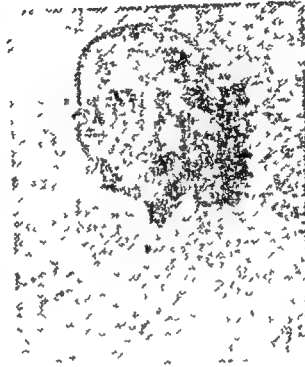
स्व श्री सचयलाल डागा,  
वम्बई



स्व श्री चुन्नीलाल मेहता,  
वम्बई



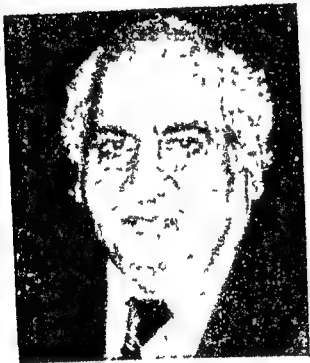
स्व. श्री चपालाल कर्नावट,  
वम्बई



स्व श्री भेरूलाल राका,  
सिकन्दराबाद



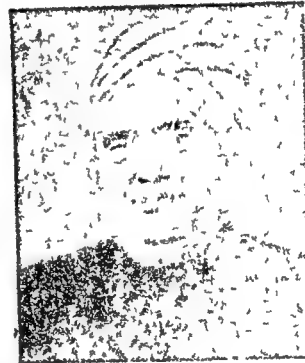
स्व श्री सचयलाल वाफना,  
औरंगाबाद



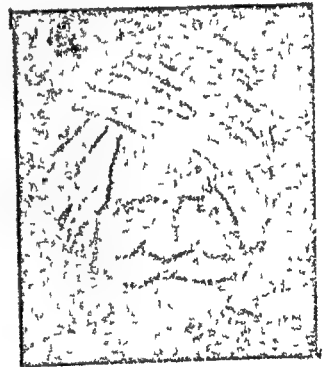
स्व. श्री हरीश जैन (जयसस)  
वम्बई



स्व श्रीमती मुखलाल कोठारी,  
खार-वम्बई



स्व श्री मुगनचन्द श्री श्रीमाल, स्व श्री प्रेमराजजी, कामदार,  
मद्रास वैगलोर



स्व श्री मोहनलाल मेडता  
वाला, पाली-मारवाड



स्व श्री मदनलाल साखला  
(जावला) वम्बई



स्व श्री रतनचद मुराना,  
खार-वम्बई



## गै रितवचद जैन



बापू के सम्बन्ध में स्वभाव से मध्यम भाग में व्यवहार में कुशलता केन्द्र पर है। मन में अग्राह्य धर्म के अति आकर्षण के कारण कर्म कायकता जय प्रसिद्ध टी टी जैनियाँ के उद्योगपति श्रीमान निमज्जजी के जैन का अग्रणी को नेतृत्व में श्रीमान जैनराजजी के यहाँ के प्रारम्भिक पढ़ाई के बाद की एक सत्र 1960 में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की मदद परीक्षा में प्रथम प्राप्त की। उसके पदचक्रों आप कलकत्ता पधारे। वहाँ में 1964 में जीवाम 1966 में सीए एक 1967 में एम बी ए में मरिट लिस्ट प्राप्त किया। उसके बाद में 1967 में कला जैन के भाग आपका विवाह सम्पन्न हुआ। आपने उद्योग नामक एक मुमुक्षु है। सभी अर्थ भार्य्या का अपना अपना अलग उद्योग व्यापार है।

सन् 1960 में ही शिक्षा ग्रहण करने के माध्यम आपकी स्विट्जरलैंड उद्योग की ओर रुख लगी और आपने कलकत्ता में ही सन 1967 से 1970 तक इण्डिया इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के द्वारा बड़े प्रकार के अनुभव प्राप्त किया। इण्डियन मशीन टूल रिमाण वर्क के लिए आपने लगे तरह के निम्न करने भी बताया। आप सम्पूर्ण विश्व में कई कार्यक्रमों में भारत के प्रतिनिधि जाकर भी गया। आपने इल्लि में ही टी टी बनियान-अन्तर नियम ज्ञान का एक छोटा सा उद्योग प्रारम्भ किया जो वर्तमान में तो सम्पूर्ण भारत में सबसे बड़ा बनियान अन्तर नियम बनने का उद्योग है एक आज टी टी के नाम में अपनी विवर्धनीयता के लिए जगप्रसिद्ध है। आज सम्पूर्ण भारत में जहाँ भी दशा वहाँ टी टी मार्का की पूज उठ रही है। आप टी टी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का मालिक एक बता है

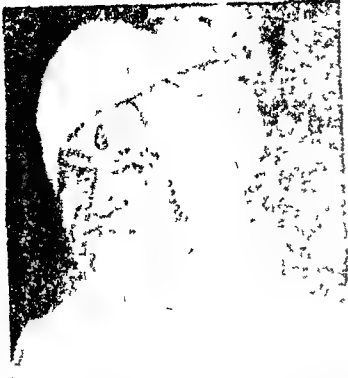
1. यह कि वह सारा सारा भा है।  
2. यह कि वह भी आप भव्य सारा  
3. यह कि वह सारा सारा सारा सारा  
4. यह कि वह सारा सारा सारा सारा

1. यह कि वह सारा सारा सारा सारा  
2. यह कि वह सारा सारा सारा सारा  
3. यह कि वह सारा सारा सारा सारा  
4. यह कि वह सारा सारा सारा सारा

1. यह कि वह सारा सारा सारा सारा  
2. यह कि वह सारा सारा सारा सारा  
3. यह कि वह सारा सारा सारा सारा  
4. यह कि वह सारा सारा सारा सारा

आप समता विभूति आचार्य की नातासन्तों मया के जनपद विशिष्ट अनेकानि प्रतो म म एक है। म वर्ष बीकानेर में 21 मयवती दीपोत्सव के ऐतिहासिक कार्य को मफल बनाने में आपका पूर्ण सहयोग रहा। आप उद्योग दानदाता हैं। आपने यहाँ में कोई आज तक कभी मानी या रिगा होकर नहीं आया है। लिमिटेड में जहाँ भी पूछो वहाँ मिर्र आपका ही नाम सर्वोपरि मिला जान लता है। आप विभिन्न महामानि मृदुभाषी स्वकार कुशल, सुगन्ध प्रदिभा के मतापी भावक रल है। लिमिटेड महानगर एक दश के हज़ करोड़ में कही पर भी किसी भी तरह का यदि कोई कार्यक्रम होता है तो वहाँ प्रमुख अतिथि, अध्यक्ष आदि के रूप में आपका ही नाम आता है। आप सभी जगह जाकर अपनी मेवारी दश समाज को अर्थ करत रहत हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के महाप्रमुख स्वयं मध्यम भाग हैं। परिषद् की ओर में आपका बहुत आभार।



## श्री राजमल लखीचंद जैन, जलगाँव

भाषण दिया था।

आप पक्के राजनेता भी थे आपने कई बार राष्ट्रपिता महात्मा गाँधीजी से प्रत्यक्ष में सम्पर्क कर विचार-विमर्श भी किया था। सेठ साहब श्री लखीचंद के देहावसान के पश्चात बाल्यवस्था में ही व्यापार की बागडोर आपने सभाल ली आप व्याज एवं मनी लेडर का व्यवसाय करने लगे थे। जामनेर जलगाँव में आपके द्वारा स्थापित मेसर्स प्रेमराज मगनराज नामक 135 वर्ष पुरानी पेढी आज भी विद्यमान है। आपके पास जामनगर में 11 हजार एकड़ जमीन थी। आपके एक मात्र एक सुपुत्री श्रीमती माणकवाई है एवं सुपुत्र नहीं होने के कारण आपकी ही जन्मभूमि के आपके ही परिवारजनों में श्री शकरलालजी ललवानी को आप गोद लाये। श्रीमान राजमलजी का जलगाँव एवं जामनेर में काफी प्रभाव एवं उपकार रहा है। जामनेर के सम्पूर्ण जैन परिवारों को आपने काफी योगदान देकर उन्नत बनाया है। सम्पूर्ण जामनेर के जैन परिवार आपके उपकार को कभी भूल नहीं सकते हैं और यही कारण है कि आज भी संपूर्ण जामनेर के सभी जैन परिवारों के घरों में सेठ साहब का फोटू लगा हुआ दिखायी देगा जो सम्पूर्ण जैन समाज में एक कीर्तिमान रिकार्ड्स है कि पूरा शहर ही किमी सेठ साब की फोटो अपने घरों में देवी देवताओं की तरह लगावे। श्रीमान शकरलालजी को आप गोद लेकर आये। वह भी काफी प्रभावशाली पराक्रमी भाग्यशाली है। आप भी काफी धर्मनिष्ठ मौनव्रती वारहव्रतधारी श्रावक रत्न हैं। आपका पूरा परिवार आचार्य श्री हस्तीमलजी म.मा के प्रति भक्ति श्रद्धा वान रहा है। आपने आचार्य श्री के जलगाँव चातुर्मास में 61 दिनों की मौन साधना पूर्ण की है। वर्तमान में जलगाँव में मेसर्स राजमल लखीचंद सराफ नामक फर्म सम्पूर्ण महाराष्ट्र एवं खानदेश में काफी प्रभावशाली विग्वसनीय पुरानी पेढी है। जलगाँव के ही श्री रतनलालजी बाफना सराफ ने भी प्रारंभ में आपके ही सविस की है। आपके तीन सुपुत्र श्री प्रकाशचंदजी जलगाँव, श्री मुरेशचंदजी जामनेर एवं श्री ईश्वरबाबू जलगाँव एवं दो सुपुत्रियाँ हैं। श्री ईश्वरबाबू लालबाणी राजनीतिक धार्मिक सामाजिक आदि सभी क्षेत्रों में काफी प्रभावशाली हैं। राजनीति में भी सक्रिय भाग लेते हैं आप पक्के कांग्रेसी नेता भी हैं कई बार आप चुनाव भी लड़ चुके हैं। आपका पूरा परिवार धर्मप्रिय एवं मुसस्कारी है। पूरा परिवार मत-मतियों की सेवा करने में अपने को धन्य मानते हैं। आप काफी दानवीर भी हैं। आपके यहाँ में आज तक कोई भी खाली हाथ या निराश होकर कभी नहीं लौटा है यह भी एक रिकॉर्ड है।

श्रीमात शकरलालजी सा ललवानी भी इस वर्ष परिपक्व के प्रमुख म्त्भ मदस्य बने हैं।

सम्पूर्ण महाराष्ट्र एवं आसपास के क्षेत्रों में ऐसा कोनसा व्यक्ति होगा जो खानदेश के जामनेर जलगाँव के नगर पति सेठ साहब श्री राजमलजी लखीचंद जी सराफ को नहीं जानता हों। आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के जोधपुर जिले में फलोदी के पास आऊ नामक गाँव में एक गरीब परिवार में हुआ। वहाँ से बाल्यकाल में ही ऊट द्वारा आप सूरत पधार गये एवं सूरत में पैदल चलकर मूडी नामक कस्बे में आकर रहे एवं यहाँ ही आपके स्कूल में कुछ पढ़ाई भी की। जामनेर के नगर में श्रीमान लखीचंद जी के कोई सतान नहीं थी तो उन्होंने किमी बच्चे को गोद लेने हेतु कई लड़कों की परीक्षा की इस तरह एक-एक करके तेरह लड़के उम्मीदवार बनकर आये लेकिन सभी असफल रहे। आपको आश्चर्य होगा कि श्रीगणेशीलाल जी म.सा. खहरधारी भी उन तेरह बच्चों में उम्मीदवार थे आखिर चौदहवें उम्मीदवार के रूप में आपको भी लाया गया और सेठ साहब ने आपके शुभ लक्षणों को देखकर एवं कड़ी परीक्षा करके आपका चयन कर लिया तब आपकी आयु आठ-नौ वर्ष की थी। सेठ साहब श्री लखीचंदजी के दो पत्नियाँ थी इस तरह दो माताएँ आपको मिली। परिवार में सेठ साहब एवं दो पत्नियों के बीच में आप उनके दुलारे बने। आपकी हर तरह में परीक्षा ली गयी लेकिन आप हर कार्य में सफल होते ही गये। आपकी छोटी उम्र में ही पान कुँवर बाई के साथ हैदराबाद में शादी कर दी गयी। आप जब 8-9 वर्ष के थे तब आप श्रीमान लखीचंदजी के गोद आये और जब आप 11 वर्ष के थे तभी सेठ साहब श्री लखीचंदजी का स्वर्गवास हो गया। अब आपकी सहारा दोनों माताएँ श्रीमती भागीरथीबाई एवं राजकुँवर बाई रह गये। सेठ साहब का जब स्वर्गवास हुआ तब आपके लिए वे 5500 सोने की मोहरे, 50 चाँदी की भरी पेटियाँ 2800 तोला सोना की पेटियाँ, इस तरह उस जमाने में 28 लाख के लगभग की सम्पत्ति छोड़कर गये। आप राजनीति में भी सक्रिय रूप में भाग लेते रहते थे। आप कई बार एम.एल.ए. भी बने। आप ही एकमात्र ऐसे निडर स्पष्ट वक्ता एवं राज्य के माने हुए राजनेता थे कि सभी आपको आदर की दृष्टि से देखते थे। सम्पूर्ण एसेम्बली में आपका काफी जबरदस्त प्रभाव विद्यमान था। आप ही एक मात्र ऐसे एम.एल.ए. थे जिन्होंने हिन्दी भाषा में पहला

## श्री राजकुमार जैन दिल्ली



बाणी म मधुरता स्वभाव मे नम्रता हृदय मे उदारता व्यवहार म कुशलता उदारमना उन्माही सरल हृदय हैममुख मिलनसार कार्य मे दक्षता धर्म क प्रति प्रगाढ़ श्रद्धावान कमठ कार्यकता आदि गुणा मे युक्त श्रीमान राजकुमारजी जैन दिल्ली के जानेमाने युवा रत्न हैं। आपका जन्म पाकिस्तान देश क अंजम शहर म 9 11 1927 को श्रीमान मेठ साहय लैंगयतिलालजी क यहां हुआ। बी ए काम होन्मे तक की शिक्षा ग्रहण करने क पश्चात् आपन मन 1949 मे व्यवसाय की ओर अपने कर्म प्रत्येकी रबर उद्योग का उत्पादन करके विदेशो मे नियात करने गया। वर्तमान म मै एनके (इण्डिया) रबर क प्रासि नाम म जग विख्यात प्रतिष्ठान दिल्ली म विद्यमान है। आप रबर एक स्टॉक का सामान उत्पादक एक निमाता हैं। आपका माल विश्वो म भी नियात होता है। आप आल इण्डिया रबर इण्डस्ट्रीज एमोमिएशन उम्बर्ड क अध्यक्ष पद पर हैं एक कमिश्नर एव अलाइड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट प्रमोशन कौमिल क भूतपूर्व अध्यक्ष भी है। रबर उत्पादन म आपका दुनिया भर म नाम है। आपको रबर नियात क लिए कई पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। आपन एक सुपुत्र एव दू सुपुत्रिया हैं। सभी विवाहित हैं। आप धार्मिक सामाजिक अनेक संस्थाओं म अनेक पदा पर रहकर अपनी मेवाएँ समाज एवं देश को दे रहे हैं। दिल्ली स्थित श्री जामवल्लभ स्मारक के निमाण काम म आपका काफी योगदान रहा। अ बा जैन चैताम्बर बाफम वगैरह आप मानद मंत्री श्री आम बन्धन जैन स्मारक रानी दिल्ली क संस्थापक एव मंत्री श्री आरजी कल्याणजी टाट्ट अहमदाबाद क टाट्टी जैन महामन्त्रा दिव्या क उपाध्यक्ष एव जैन समाज नई दिल्ली क अध्यक्ष आदि कई पदो पर कार्यरत हैं। धर्म के प्रति आपका काफी श्रद्धा है। दिल्ली एवं देश के हर कोन म आपका काफी प्रभाव है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सम्मेलन में हैं।

## डॉ रामानन्द जैन दिल्ली



आपका जन्म मन् 1920 म हुआ। शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आपने मन् 1945 म स्टील ट्यूब उद्योग की ओर अपने कदम बढ़ाए एव दिल्ली एव कलकत्ता म जैन ग्राम क नाम मे व्यापार प्रारम्भ किया। व्यापार मे विवमनीयता प्राप्त होने के कारण माल की काफी माँग आन लगी और आपने जैन ट्यूब कंपनी के नाम मे ERW स्टील पाइप मैयुफैक्चरिंग का कार्य प्रारम्भ किया। अच्छी क्वालिटी एव पूर्ण विवमनीयता म आपका व्यापार चहुमुखी प्रगति की ओर भाग बनन लगा। म् 1965-66 म जहाँ आपका टर्न ओवर व्यापार मिर्फ 54 लाख का था वहीं 1988-89 म वह बढ़कर 7000 लाख का हो गया। इसके अलावा इजीनियरिंग केमिकल्स टेक्सटाइल्स एव पत्र व्यवसाय भी चल रहे हैं। जैन ग्रुप आफ कम्पनीज क अलावा अनेक व्यवसाय भी आप करते हैं। उत्तर प्रदेश हरियाणा राजस्थान प्रबई कलकत्ता आदि स्थानो पर आपकी अनेक उद्योग इकाइयाँ कार्यरत हैं। आप वर्तमान म जैन ट्यूब कम्पनी एव अनेक कम्पनियों के मेजिज डायरेक्टर के पद पर कार्य कर रहे हैं। इजीनियरिंग माल के नियात म जैन मा देश की आर्थिक स्थिति काफी सुन्द बनान मे पूर्ण योगदान करते रहें हैं। आपका 1976-77 मे इजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन कौमिल ऑफ इण्डिया का उपाध्यक्ष भी बनाया गया था।

आप कई धार्मिक सामाजिक धैसणिक स्वाध्याय आदि संस्थाओं म कई पदो पर रहकर समाज की काफी मेवाएँ करते रहें हैं। आप उद्यम मिह जैन चरित्रबल ट्रस्ट श्री उद्यम मिह जैन चेरिटयल हॉस्पिटल टाट्ट चरखी दानगी हरियाणा क संस्थापक हैं। इसके अलावा 'वे स्या जैन धार्मिक पत्रिका बोर्ड अहमदनगर क टाट्टी भी हैं। आप काफी उदार मनवीर भी हैं। आप अनेक संस्थाओं मे किसी न किसी पद मे जुड़ हुए हैं। आप सभी कार्यक्रमो मे हिस्सा लेते रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सम्मेलन में हैं।

## श्री पन्नालाल जैन (बुटाना वाले) दिल्ली



मोनीपत जिले के ग्राम बुटाना में पिता लाला रामधारी जैन के घर सन् 1929 में आपका शुभ-जन्म हुआ। आपका परिवार अपनी धर्मभावना, आर्थिक-समृद्धि एवं यश कीर्ति में दूर-दूर प्रसिद्ध रहा है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती वोहती देवी जैन हैं जो कि बहुत उदार, गुण सम्पन्न, ममतामयी एवं धर्म परायण महिला हैं। आपके सात पुत्र हुए जो श्री गणेश्यामजी, रामनिवासजी, जय कुमार जी, नरेश जी, रवीन्द्र जी, प्रमोद जी एवं सुमति जी, बड़ौला निवासी लाला अलमचन्दजी जैन की सुपुत्री तथा सेठ सुकमाल चन्द जी जैन देहली-निवासी की धर्मपत्नी आदर्श सुश्राविका सौभाग्यवती सुदर्शना, जैन को आपने धर्मपुत्री के रूप में स्वीकार किया है। आपकी मानी सतति बड़ी कुलीन, शिष्ट, समझदार तथा धार्मिक भावना में ओतप्रोत हैं।

आपका जीवन सबके लिए प्रेरणादायी है। मर्यादानुसार गृहस्थ के सब कार्य करते हुए भी आपकी दृष्टि सदा परमार्थ में रहती है। सादा जीवन उच्च विचार के तो आप मूर्तिमान रूप हैं।

शासन प्रभावक महामहिम पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शन लालजी महाराज माहव की परंपरा के मुनिराजों के प्रति आप सदा समर्पित रहे हैं। आपने अपने तृतीय सुपुत्र श्री जयकुमार जी को गुरुदेव श्री सुदर्शन लालजी म के चरणों में शिष्य रूप में समर्पित किया, उन्होंने सन् 1973 में दीक्षा ली, तब से लेकर निरन्तर अपनी अगाध विद्वता, शान्ति समाधि, निस्पृहता एवं सेवावृत्ति से वे जिन शासन का तथा अपने मुनिमण्डल का नाम उज्ज्वल कर रहे हैं।

जिनेन्द्र देवों से यही प्रार्थना है कि आपको मुदीर्ध स्वस्थ आयु प्राप्त हो।

आप भी इस वर्ष परिपद के सदस्य बने हैं।

## श्री जगदीश प्रसाद जैन दिल्ली



आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के रिहणा ग्राम में लाला चैतराम जी जैन के घर पर माता मौ वोहरी देवीजी जैन की कुक्षी से सन् 1950 में हुआ। आप तीन भाई एवं पाँच बहनें हैं। आपके स्वयं के दो सुपुत्र एवं एक सुपुत्री हैं। वर्तमान में आप उत्तम नगर दिल्ली में रहते हैं। आप उत्तम नगर जैन समाज के प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। नारायणा दिल्ली विश्व प्रसिद्ध लोहामडी में आपका लोहे का बहुत ही फलता फूलता बिगट व्यवसाय है। आप दिल्ली समाज के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में रुचि रखने वाले और अनेक समाजों में जाने माने सुथावक हैं।

आपकी जन्म भूमि ग्राम एवं अपने परिवार में अनेक दिव्य महाविभूतियों का जन्म हुआ। घोर तपस्वी मथाग साधक श्री बट्टी प्रसादजी म मा प्रज्ञा महर्षि सरलात्मा मेठ श्री प्रकाशचंदजी म मा आपके कुल में जन्म लेकर ही जैन समाज में उज्ज्वल देदीप्यमान ध्रुव नक्षत्र की तरह यत्र तत्र सर्वत्र मुशोभित हो रहे हैं। इनके अतिरिक्त युवा मनीषी श्री मुभद्र मुनिजी म सा कर्मठ तपस्वी, सेवाभावी, कला कुशल श्री सुन्दर मुनिजी म विचक्षण श्री रमेश मुनिजी म सा भी आपके ग्राम की ही विभूतियाँ हैं।

आप प्रारम्भ में ही व्याख्यान वाचस्पति, नवयुवक सुधारक, गुरुदेव श्री मदन लालजी म सा एवं शासन प्रभावक गुरुदेव श्री सुदर्शन लालजी म सा की परम्परा के मुनिराजों के ही श्रावक उपासक और आराधक रहे हैं। आप समय-समय पर अनेकों सस्थाओं को दान राशि प्रदान कर पुण्यार्जन प्राप्त करते रहे। आपका परिवार भी बड़ा धर्मनिष्ठ एवं माधु मेत्री है। आपकी धर्म पत्नी सौ शांतिदेवी बड़ी मुशील, धर्मनिष्ठ एवं विवेकवती महिला रत्न हैं। जिनेश्वर देवों में यही प्रार्थना है कि आपकी धर्म भावना निरन्तर आगे बढ़ती रहे।

आप भी इस वर्ष परिपद के सदस्य बने हैं।

# श्री उमरावमल चौरडिया जयपुर



आपका जन्म राजस्थान की राजधानी एवं राज की एक मात्र विश्वप्रसिद्ध गुलाबी नगरी जयपुर शहर में 24.11.1931 को हुआ। मनु 1954 में राजस्थान विश्वविद्यालय में प्रवेश होने के पश्चात् आपने जयपुर में ममम स्वरूप रॉयल कॉलेजिन के नाम से अपना स्वतंत्र जवाहरान का एकरोट का गल व्यवसाय प्रारंभ किया। आप वचपन में ही धार्मिक प्रवृत्ति एवं समाज सेवा के कार्यों में तन्मग रह हैं। मनु 1961 में अमर जैन मेडिकल ग्रीलीफ सोसायटी जयपुर के ज्वाइंट मेम्बर बन। उमके बाद आप अनेक सम्माओं में विभिन्न पदों पर कार्यरत रह हैं—जिनमें मुख्य इन प्रकार हैं। श्री सुमोघ वाणिज्य विशालय गेटवे क्लब जयपुर अभा मातुमार्गी मध जैवतम एनोमिएशन जयपुर —पु वैद्यम आप कामम लण्ड डण्डम्टीज कल्लर नामायेन राजस्थान सरकार टलीफोन मलाहकार मण राजस्थान व्यापार योग मडल सुबोध स्कूल मण राजस्थान जयपुर फटगन आप इण्डिया में राजस्थान वतारी आड हास्पिटल आदि लाभम मण राजस्थान विमो पने पर कार्य करते रह हैं। इनके बाद राजस्थान श्रावक मध जयपुर के आप अत्यन्त ही श्रमान में मंत्रीपद की शोभा बढ़ा के राजस्थान राजस्थान जाल जी ममा के परम भक्त हैं। एक अनाथ मण राजस्थान में जिम कार्य के लिए राजस्थान नाम विख्यात है। राजस्थान के स्या जैन वाद्य राजस्थान प्रान्त के अथ राजस्थान यशस्वी सेनिहाणि रचनामक काय कर मण राजस्थान में एक नई जागति उगाह उगल कर रह है। यही कारण है कि आपके कार्यों की उपलब्धियों के अलावा एक एवं कार्य में राजस्थान भी आपका ही राजस्थान प्रान्त का अत्यन्त गौरव जिया है। राजस्थान के अथ राजस्थान में जहाँ भी

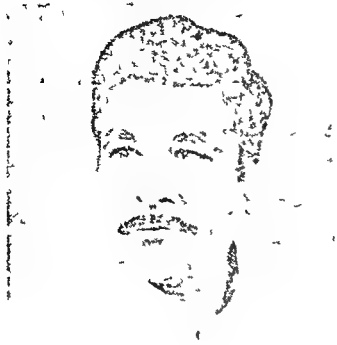
# श्री देवीलाल इटोदिया (मोलेला-मेवाड) बम्बई



आपका राजस्थान प्रान्त के मेवाड क्षेत्र में मोलेला बम्ब में हुआ। आपका पिताजी का नाम मठ गहव धीमान यामीलानजी इटोदिया है। मैट्रिक तक की पढाई पूरा करने के पश्चात् आप 1953 में बम्बई प्रधा गये। वहाँ पर तीन वर्षों तक सक्रिय करने के पश्चात् आपन श्रम का प्रता स्वरूप व्यवसाय प्रारंभ कर लिया। वतपान में बम्बई में आपका पति प्रतिष्ठा है। आपकी वचपन में ही धार्मिक कार्यों की आरंभ रही है। आप यमन मध के प्रवक्त भी प्रख्यातमान में ममा एवं बम्बई युवक जाति गाउन प्रक महामंत्री थे। सोभाय गुर्गरी ममा कुमु जाति के पति भक्त थे। मभी मधुपरा के जन-सत्तियों की सेवा करने में आप अपने आरक्षो धन मानते हैं। प्रवर्तक भी जी एवं महामंत्री जी का मानना चातुंग को भक्त बनाता म अता पूर्ण योगदान रहा। आप अनेक सम्माओं को प्राप्त किया म पूरा योगदान प्रता करते हैं। श्री उमराव श्रावक मध (मेवाड) बम्बई के आप सक्रिय कार्यरता है। स्वयं जतावा मेवाड मोलेला जयपुर मडल में आप व्यवस्थापक एवं मंत्री भी हैं। मेवा के हर कार्य में आप हगता में ही जाग रहन है। मेवाड मध में आपका काफी प्रभाव है। मेवाड मध बम्बई को मुद्र बनाने में आपका योगदान काफी महत्वपूर्ण रहा है। आपकी इस रथ परिणय के सम्मय रहे हैं।

→ कई बड़े कार्यक्रम होते हैं वहाँ आप अवश्य भाग लते रहते हैं। आपका कार्य करने की शैली अतोभी है जो भी आपके मार्ग में एक बार जा जाता है वह हमेशा आपका प्रिय बन जाता है। आप राजस्थान के हर जिले में दौरा करके जैन वाद्यम की नीव मुद्र बनाने में पूर्ण प्रयत्नशील रहते हैं। अभा के स्या जैन वाद्यम गिल्ली के उपाध्यक्ष पद पर भी कार्य कर रहे हैं। आप भी इस वर्ष परिषद के सम्मय बने हैं।

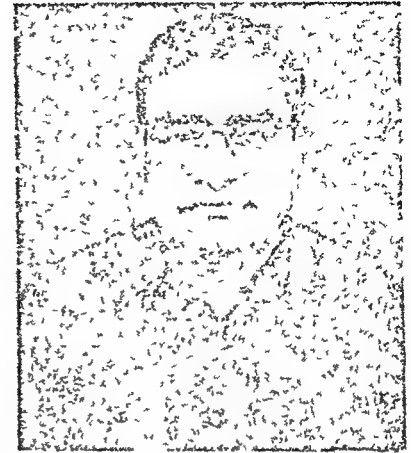
## श्री अशोक (बाबू सेठ) बोरा अहमदनगर



वाणी में मधुरता, व्यवहार में कुशलता, हृदय में उदारता, कार्य में स्फूर्तिता, हसमुख प्रवृत्ति, नम्रता, सहनशीलता, बुद्धिमत्ता, धैर्यता, देवगुरु धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा आदि अनेक गुणों से युक्त अहमदनगर के सुप्रसिद्ध व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री अशोक (बाबू सेठ) बोरा अभा श्वे स्था जैन कान्फ्रेंस युवा शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष हैं। आपका नाम तो अशोक जी बोरा है लेकिन आप बाबू सेठ के नाम से संपूर्ण भारत में प्रसिद्ध हैं। आप अनेक धार्मिक सामाजिक संस्थाओं में किसी न किसी पद से जुड़े हुए हैं। पुना विद्यापीठ से बीकाम करने के पश्चात् आपने अपने कदम कपड़े के व्यवसाय की ओर बढ़ाए वर्तमान में आप अहमदनगर अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक कान्फ्रेंस पश्चिम महाराष्ट्र के भी अध्यक्ष हैं। आप श्रमण संघ एवं आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषीजी म के प्रति अगाध निष्ठा एवं श्रद्धा रखने वाले युवा रत्न शिरोमणि कार्यकर्ता हैं। आचार्य सम्राट के दीक्षा अमृत महोत्सव एवं भव्य दीक्षोत्सव अहमदनगर को सफल बनाने का पूरा श्रेय आपको ही है। इनके अलावा तिलोक रत्न धार्मिक परीक्षा बोर्ड अ नगर आनन्द प्रतिष्ठान पुना, ओमवाल पंचायत सभा अ नगर, आनन्द, जैन धर्मशाला नगर, पिले जैन बोर्डिंग नगर, मानव सेवा समिति नगर, सिद्धाचलम, चेरीटेबल ट्रस्ट पुना आदि अनेक संस्थाओं में किसी न किसी पदों से जुड़े हुए हैं। युवा अध्यक्ष बनाने के बाद देश के कोने कोने में आपने भ्रमण किया है एवं देश में युवा जाग्रति के लिए काफी प्रयत्नशील हैं। समाज को आपसे काफी आशाएँ हैं। जैन काफ्रेस को आप जैसे युवा अध्यक्ष मिलने से कान्फ्रेंस की भी काफी उन्नति होने की संभावना है। आचार्य श्री आनन्द ऋषीजी म के महानिर्वाण के अवसर पर वहाँ की सारी व्यवस्था को व्यवस्थित सफल बनाने में भी आपका पूर्ण सहयोग रहा।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।

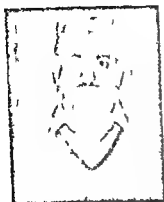
## श्री शांतिलाल सांड बैंगलोर



आपका जन्म बंगला देश के मौलवी नगर में 26-2-1946 को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान चंपालाल जी सांड एण्ड माताजी का नाम श्रीमती सुवती देवी जी है। आपका पैतृक स्थान देशनोक (राजस्थान) में है। आपका विवाह विमला देवी के साथ 5-3-64 को हुआ। सजीवर्स कालेज कलकत्ता में बीएससी तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् बैंगलोर पधारे एवं वहाँ पर पीवीसी, पाईप फैक्ट्री का शुभारंभ किया। आपकी बचपन से ही हमेशा से धार्मिक कार्यों में रुचि रही है। आप आचार्य श्री नानालालजी मसा के पिताश्री के नाम से पुरस्कार भी प्रतिवर्ष प्रदान किए जाते हैं। आप अभा साधुमार्गी जैन संघ के विगत 27 वर्षों से सदस्य एवं कार्यकारिणी के सदस्य भी हैं। वर्तमान में आरवाय क्यू बैंगलोर के अध्यक्ष एवं अभा ममता युवा मंच रतलाम के सह सभापति आदि पदों पर रह कर सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। आप श्री चपालाल सांड साहित्य पुरस्कार से भी सम्मानित किए गए हैं। आपके दो सुपुत्र एवं एक सुपुत्री हैं। बैंगलौर देशनोक कलकत्ता बीकानेर आदि अनेक जगह की अनेक धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं में आप अनेक पदों पर रह कर अपनी सेवाएँ देश व समाज को अर्पण कर रहे हैं। आप धार्मिक सामाजिक कार्यों में हमेशा ही अग्रसर रहे हैं। आप अनेक संस्थाओं को काफी योगदान भी प्रदान करते रहे हैं। बैंगलोर जैन समाज में आपका काफी प्रभाव है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।

सेठ श्री किशोरीलाल जैन  
दिल्ली



आपके परिवार में 3 मुकुट व 2 मुकुटियाँ हैं। आपका व्यवसाय सभी प्रकार का हो सकता है। आप विभिन्न समस्याओं की प्रतिवर्ष समय-समय पर तन मन धन में पूरी तरह सेवा करते हैं। समाज सेवा और पर्यटन का कोई भी अवसर आप हाथ से नहीं जाने देते हैं। साम्प्रदायिक भ्रमात्मक न हो रहकर आप जैन शाखा और पूज्य गुरुओं की भक्ति को ही अपना लक्ष्य मानते हैं। आप स्वभाव में बहुत उदार हैं। परमात्मा ने आपको न जान बैसा अजीब कर्ममार्ग व्यक्तित्व दिया है कि तन मन धन की प्रभावशाली व्यक्ति बना न हो आपके समक्ष एकत्र अभिभूत हो जाता है।

इस वर्ष गुरु महाराज शासन प्रभावक श्री श्री 1008 श्री गुरुनानकजी मा का चानुमान गालीमार बाग म है। इसम आपकी जतरआमा म अनन्त खुशी है। आप अपने परिवार की समृद्धि प्रतिष्ठा और धर्म दृष्टि को गुरु दत्त की कृपा का ही फल मानते हैं। प्रभु से प्रार्थना है कि आपकी धर्मनिष्ठा और गुरुभक्ति इसी तरह बढ़ती रहे।

आप भी इस वर्ष पण्डित के सदस्य बने हैं।

आप भी हम वर्षा-परिषद् के सम्मेलन में हैं।

## श्री सुभाषचंद जैन दिल्ली



## श्री रामकुमार जैन दिल्ली-बम्बई



आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के मोनीपत मडी में 27-1-1955 को सेठ माहव लाला श्री बनवारीलालजी जैन के यहाँ हुआ। मैट्रिक कक्षा तक पढ़ाई करने के पश्चात् आपने अपने कदम खिलौना व्यवसाय की ओर बढ़ाये। दिल्ली मंदर बाजार में जैन ट्रेडिंग क के नाम से खिलौना का थोक में व्यवसाय एवं कई खिलौनों की फैक्ट्रियाँ (ट्रेडिंग एवं मैनुफैक्चरिंग) है एवं देश के अधिकांश भागों बम्बई, इन्दौर, अहमदाबाद, बडौदा, हैदराबाद, बैंगलूर, पूना, नागपुर, जयपुर, भोपाल आदि स्थानों पर भी आपका माल जाता है। आप विभिन्न धार्मिक, सामाजिक मस्थाओं, जैन मस्थानको, अस्पतालों, मदिरों एवं अन्य मस्थाओं को भारी मात्रा में धनराशि प्रदान करते रहते हैं। सोनीपत जैन समाज में आपका काफी प्रतिष्ठित मस्थान है। आप केवल सेवा करने में अपने आपको धन्य मानते हैं। किसी भी तरह के पद की इच्छा आप नहीं रखते हैं। सभी धार्मिक, सामाजिक कार्यों में बड़-चढ़कर सेवा की भावना रखते हैं। आपके पाँच भाई एवं तीन बहनें हैं। आप पूज्य गुरुदेव शासन प्रभावक श्री मुदर्शनलाल जी म मा के चरणों के परम उपासक हैं। उनकी कृपा को ही अपनी सुख-समृद्धि का कारण मानते हैं। आपका एक भ्राता श्री राकेश मुनिजी म वर्तमान में पूज्य गुरुदेव की सेवा में मुनि सयमी जीवन का शुद्ध पालन कर रहे हैं। आपका इतना बड़ा व्यवसाय होने के पश्चात् भी आप धर्मसेवा के प्रति हमेशा अग्रसर रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।

आपका जन्म 65 वर्ष पूर्व मन् 1927 में दिल्ली में हुआ। आपके पिताजी का नाम श्री रामस्वरूपजी जैन है। मैट्रिक तक पढ़ाई करने के पश्चात् आपने कपड़े के व्यवसाय की ओर अपने कदम बढ़ाए और वर्तमान में आपका बम्बई एवं दिल्ली, मूग्त में कपड़े का थोक व्यवसाय एवं निर्माता भी है। आपका धार्मिक रुचि रखने वाले सुश्रावक हैं। कई धार्मिक-सामाजिक मस्थाओं को आपने काफी योगदान प्रदान किया है। श्री मस्था जैन श्रीमध गालीमार बाग के आप संरक्षक हैं एवं अनेक मस्थानों के निर्माण में आपके पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। गालीमार बाग मस्थान के निर्माण में आपने प्रधान रूप में विशेष योगदान प्रदान किया। पजाब जैन भ्रातृ सभा खार बम्बई के भी आप सदस्य हैं। औपधालय के निर्माण में भी आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। आप शासन प्रभावक पूज्य गुरुदेव श्री मुदर्शनलालजी म.सा के परम भक्त हैं। आपका पूरा पन्निवार धर्म के प्रति अगाढ़ श्रद्धा भावना रखता है। आपके 6 मुपुत्र हैं सभी विवाहित हैं। विशेष बात यह है कि आप जाति के अग्रवाल होते हुए भी जैन धर्म का विशिष्ट रूप में पालन करने में अन्य से अग्रसर हैं। आप अनेक छोटी-बड़ी मस्थाओं में किसी न किसी पदों पर कार्य कर रहे हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।



# श्री सत्यकुमार जैन (बुढाना-हरियाणा) सोनीपत



# श्री मंगलसेन जैन (सामडी-हरियाणा) दिल्ली



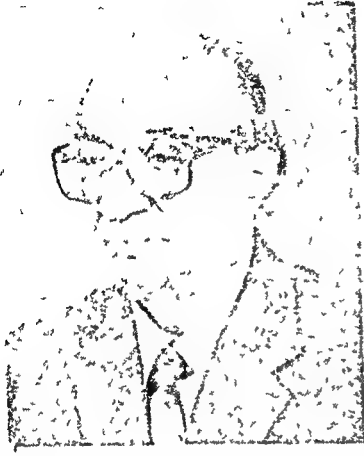
आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के मोतीपत त्रिवे क  
एतिहासिक ग्राम बुढाना में 2 नवम्बर 1932 ईसावसी क पुत्र  
जिनमे भीमान् लाला मोतीरामजी जैन एवं गीमती सीता स्त्री  
जैन के यहां हुआ। बुढाना गांव मे लाला लालमनजी का  
बिनाल गानपत है, जिसकी सैकड़ों शाखाएं उपासकों भात  
वप के मुद्र अनक बन्धो मे पैनी रह हैं। आपके परिवार मे  
पांच भाई एवं दो बहन हैं जिसके नाम श्री मोतीरामजी  
लालमनजी मन्तुमारजी मुलानजी एवं बिनकुमारजी  
(वर्तमान मे श्री बिनय मुनिजी) एवं बहिन अरुणी स्त्री एवं  
जैनमति हैं। आप पूज्य गुरुत्व प्राप्त प्रभावक श्री मुलालाल  
जी ममा के परम भक्त हैं। मन् 1967 मे आपका गेट जाता श्री  
बिनायकुमारजी ने पूज्य गुरुदेव श्री मुदलालालजी ममा के  
चरणों मे जैन लीला प्रथम का जो वर्तमान मे श्री बिनय  
मुनिजी ममा के नाम मे प्रसिद्ध है। आपके चार सुपुत्र एवं छ  
सुपुत्रिया हैं। आपकी वचन मे ही धार्मिक कार्यों मे रुचि रही  
है। आप के जाजीवन चरित्रहार एवं नवकार्यो एवं प्रतिनिधि  
सामायिक करने के लक्ष नियम हैं। आप समाज की हर सेवा के  
विश्वस्यैव अग्रसर रहत हैं। आपकी मुख्य धारा समाज को जान  
देना मतमनिया हा सेवा करना एवं समाज को समष्टि एवं  
प्रेम उल्लाहा हा म उनक कार्यप्रसा मे भाग लन ही रहत  
हैं। 195 मे पूज्य गुरुदेव के सानिध्य मे लीलोमव के आप  
अग्रथ पर पर लिगज था। आपका मोतीपत अहर मे काफी  
मे है। समाज पर आपको काफी रुच है। सभी मस्यावा को  
आप पूर्ण योगदान प्रदान करने रहत हैं।

आप भी इन वप परिषद् के सम्भव बन हैं।

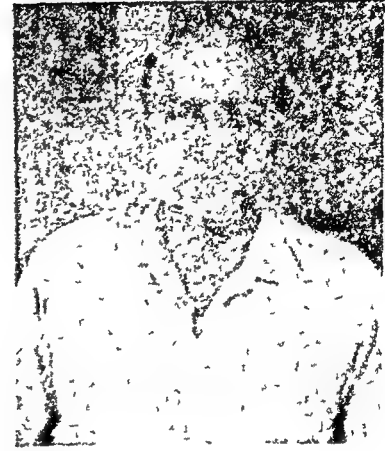
आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के सामडी बन्ध मे विम  
1906 मे श्रीमान मजारावजी जैन के यहां हुआ। मिहिल कम  
सत्र पन्ना पूरा करने के पन्ना आप लिन्नी उधार मप और  
वहां पर अपना स्वयं कर व्यवसाय प्रारंभ कर लिगा। वर्तमान मे  
आपका कुर्से अच्छा व्यापार है। पन्ना व हर काप मे आप  
हमारा उद्योगी रहते हैं। आप हरियाणा एवं दिल्ली के प्रसिद्ध  
कर्मठ कार्यकर्ता हैं। सभी धार्मिक-सामाजिक मागओं व आप  
अल्पी मस्या मे सहया प्रदान करने रहते हैं। सभी माधु  
साधियों की सेवा करने मे आप अपन आपका धन मानत है।  
लिन्नी एवं हरियाणा की जनता मस्याआ व आप किसी न  
किसी पदो पर रहकर समाज की सेवाओं करने रहत है। आपकी  
धर्मपत्नी तपस्या-नपस्या मे सर्वोपरि एवं व्यवहार कुशल  
धार्मिक प्रवर्ति की महिला है। हमेशा तवा मे तन्य रहती है।  
आपके दो सुपुत्र एवं दो सुपुत्रिया हैं। लिन्नी एवं हरियाणा मे  
आपका काफी प्रभाव है। आप कमर कायबता समाजवाक है।  
धार्मिक भारता आपने मन मे प्रमुख स्थान रखती है। पूरा  
परिवार धार्मिक प्रवर्ति का है। अपनी जन्मभूमि सामडी मे भी  
आपका काफी प्रभाव है एवं वहां भी आप काफी अच्छा  
सहयोग योगदान प्रदान करने रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सम्भव बन ह।

## श्री सोमप्रकाश गोयल (जैन) बम्बई



## श्री धर्मपाल जैन (देहरा-हरियाणा) दिल्ली



आपका जन्म पंजाब प्रान्त के तपा मडी शहर मे 25-2-1929 को हुआ। आपके पिताजी का नाम मेठ माहब श्री विलायती रामजी जैन एव माताजी का नाम श्रीमती भगवान देवीजी था। जब आपकी वय एक वर्ष की थी तभी अपने पिताजी का माया उठ गया और माताजी बाल विधवा बन गई। तभी बहुत कठिनाइयों का सामना करके माताजी ने आपका लालन-पालन करके बड़ा किया। कड़ी मेहनत, लगन, बुद्धिमत्ता मे आपने वी काम तक की शिक्षा ग्रहण की उसके पश्चात जब देश आजाद हुआ तभी 1947 मे आपने अपना व्यवसाय प्रारंभ किया। वर्तमान मे आप कपडे के निर्माता एव थोक व्यापारी है। बंबई के अलावा भटिण्डा दिल्ली आदि स्थानों पर आपका व्यवसाय कार्यरत है। आप अपनी कड़ी मेहनत और ईमानदारी मे कार्य करके व्यवसाय मे आगे बढ़े है। आप बंबई दिल्ली एव भटिण्डा की कई संस्थाओं से जुड़े हुए है। भटिण्डा जैन श्री मध के आप प्रधान पद पर रहकर अपनी सेवाएँ अर्पित कर रहे है। आप धार्मिक, सामाजिक सेवाओं मे हमेशा अग्रसर रहते है। अपनी माताजी के हाथों से भटिण्डा शहर मे कुष्ठ रोगियों के रहने के लिए एक विंग का निर्माता भी करवाया। 1986-87 तक दो वर्षों तक आप भटिण्डा गौशाला के पद पर रहकर गौशाला के बाहर एक बड़ा मार्केट बनाया एव गौशाला की अर्थ व्यवस्था काफी सुदृढ़ बनायी। आपने अपनी जन्म भूमि तथा मडी मे अपनी बहुमूल्य कीमती जमीन बेचकर वहाँ भी गौशाला का निर्माण किया। आप दया के प्रति काफी रुचि रखते है। सन् 1990 मे आपने भटिण्डा के कमजोर वर्गों के इलाज के लिए एक अस्पताल का निर्माण करवाया जिसका उद्घाटन पंजाब के मंत्री श्री सुन्दर कपूर ने किया। यहाँ सभी को अपनी ओर मे फ्री दवाई देकर फ्री इलाज होता है। आपकी

आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के देहरा कस्बे मे जून 1942 को श्रीमान् विट्ठललालजी जैन के यहाँ हुआ। मिडिल कक्षा तक पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात आप दिल्ली पधारे गये और अपने कदम व्यापार की ओर बढ़ाए।

वर्तमान मे दिल्ली मे आपका स्वतंत्र व्यवसाय है। सभी माधु-साध्वियों की सेवा करने मे आप अपने आपको धन्य मानते है। समाज के हर कार्य मे आप सदैव अग्रसर रहते है। दिल्ली की विभिन्न संस्थाओं मे आप अनेक पदों पर रहकर समाज की सेवाएँ करते रहते है। आपके कई संस्थाओं को काफी अच्छी मात्रा मे सहयोग भी दिया है। आपकी धर्मपत्नी धर्मनिष्ठ एव अच्छे मस्कारों की महिला है। आपके तीन मुपुत्र एव तीन मुपुत्रियाँ है। दिल्ली जैन समाज मे आपका अच्छा प्रभाव है। सभी धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों मे आप हमेशा ही भाग लेते रहते है। धार्मिक भावना आपके मन मे प्रमुख स्थान रखती है। अपनी जन्मभूमि देहरा मे भी आप काफी प्रभावशाली है एव अनेक संस्थाओं को सहयोग योगदान देने रहते है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने है।



माताजी समाज सेवा एव माधु-साध्वियों की सेवा बहुत लगन मे करती उनकी प्रेरणा से ही आप पर उनका प्रभाव पड़ा। आपका परिवार बम्बई मे रहते हुए भी भटिण्डा दिल्ली आदि संस्थाओं की आप पूरी सेवाएँ करते रहते है। आपके पाँच मुपुत्र एवं दो मुपुत्रियाँ है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने है।

## श्रीमती नगीनादेवी जैन दिल्ली



## श्री सुशीलकुमार जैन दिल्ली



आपका जन्म 18 1915 को दिल्ली में हुआ। आपका पिताजी का नाम मेठ श्री धर्मोमलजी जोहरी एक माताजी का नाम श्रीमती फूलमतीजी था। आप श्रीमान विनयचन्द्रजी चौगड़िया की धर्मपत्नी थी। आपके एक पुत्र श्री महताबचन्द्रजी एक दो पुत्रियाँ श्रीमती विजयकुमारी एक श्रीमती विनयकुमारी हैं। इसके अलावा दो सुपुत्र श्री मन्विन एक श्री साकेत एक एक सुपुत्री श्रीमती आनू चौगड़िया आदि में भग-पूरा परिवार है।

विशेष ज्ञातव्य है कि मेठ साहब श्री धर्मोमलजी के हाथों आचार्य श्री महजमुनिजी ममा की सेवा सम्पन्न हुई थी। वे दिल्ली जैन समाज के पंच थे। परिवार में धर्म चेतना शुरू में ही रही है। आपका माताजी महामनी श्री फूलमतीजी महाराज ने 45 वर्षों में भी ज्ञाना निर्मल समय पाला। आप आम्ना की ज्ञाना है और साधु-साधिका का स्वाध्याय करती रही हैं। अपनी माताजी महामतीजी की पुण्य याद को बनाए रखने हेतु 'जैन पुण्य पुस्तक' का प्रकाशन भी आपने करवाया है। सुप्रसिद्ध वक्ता जैन दिवाकर श्री चौधमलजी ममा की अपूर्व कृपा में आपका अष्टम ज्ञान प्राप्त हुआ। सभी साधु-साधिका असीम कृपा रखती हैं। दिल्ली के सुप्रसिद्ध मयाजमेरी बर्मन कार्यकर्ता श्री जके जैन एडवोकेट आपके बरकरार साहब हैं। सभी साधु-साधिका की सेवा करने में आप हमेशा अग्रसर रहते हैं। आपकी सुपुत्री श्रीमती विनयकुमारी भी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला रहीं हैं। आप धार्मिक क्षेत्र के हर कार्य में हमेशा अग्रसर रहती हैं। महिलाओं को धार्मिक शिक्षण ज्ञान आदि आप काफी लगन से सिखाती हैं।

इस वर्ष आप भी परिष्कार की सम्मेलन करती हैं।

आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के बग्गल जिला के गानीगांव में 27 1962 का श्रीमान जयप्रकाशजी जैन के यहाँ हुआ। दिल्ली में बसित रहने की निष्ठा पूर्ण करने के पश्चात् दिल्ली स्थित तारागंगा की लोहा मही में 1991 में लोहा का व्यवसाय एक भागीदार के साथ प्रारम्भ किया एक इन वर्ष 27-92 में श्री मुत्तान स्टील नाम की फर्म में स्वयं का अपना स्वतंत्र लोहा का व्यवसाय प्रारम्भ कर लिया है। आप गामन प्रभावक पूज्य गुरुजी श्री गुरुर्जनलालजी ममा के परम भक्त हैं। आपके लघु भ्राता बलमान में श्री नरेंद्र कुमारजी ममा में पूज्य गुरुजी के परम 1980 में जब मैं भागवती सेवा ग्रहण की है तभी मैं आपके सुकाव धर्म की ओर रुतब लगाने है। आपकी माताजी स्व श्रीमती चमपाजीजी (24-6-89) भी आपको समय-समय पर धर्म की प्रेरणा देती रहती थी उनकी प्रेरणा में ही आपने कुछ सम्मेलनों को छोड़ा बहुत ज्ञान एक महयाग देना प्रारम्भ कर दिया। आप मान भाई एक दो बहने हैं। आप एक सुपुत्र आदीना जैन हैं। आप सेवा के हर कार्य में हमेशा अग्रसर रहते हैं। दिल्ली एक हरियाणा में आपके काफी प्रभाव है। पूरा परिवार धर्म के प्रति अटका भावना रखने लगा है। आप समाज के कई कार्यक्रमों में समय-समय पर भाग लेते ही रहते हैं। आप काफी परिश्रमी धर्मप्रिय हंसमुख प्रवृत्ति के युवा रत्न हैं। समाज की कई समस्याओं के लिए मददगार हैं।

आप भी इस वर्ष परिष्कार के सम्मेलन करती हैं।

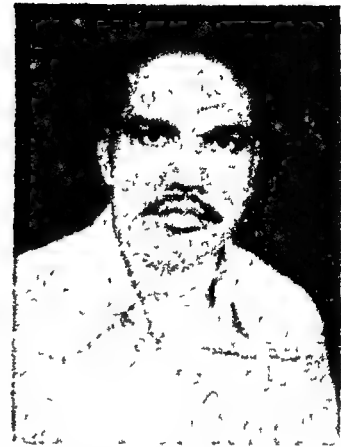
## श्री मीठालाल सुराना (कोठारीया-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र के कोठारीया नामक कस्बे में 18-11-1943 को मेठ साहव श्रीमान् कन्हैयालालजी मुराना के यहाँ हुआ। उदयपुर में बी.ए. तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आपने स्कूल में अध्यापक का कार्य किया। उसके पश्चात् सन् 1966 में बम्बई महानगर में पधरा गये और यहाँ पर व्यवसाय प्रारम्भ किया एवं सन् 1967 में महेश क्लोथ स्टोर्स का व्यवसाय प्रारम्भ किया। अनेक वर्षों तक कपड़े का व्यवसाय करने के पश्चात् सन् 1978 में महेश ज्वैलर्स के नाम से व्यवसाय प्रारम्भ किया। आपकी मूल जन्म भूमि कोठारीया है परन्तु सलोदा में आप अपने काका मा के यहाँ गोद चले गये। आपने अपने ग्राम सलोदा (मेवाड़) में स्थानक भवन के निर्माण में पूर्ण आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। आप श्रमण संघ के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म सा एवं बम्बई युवक जागृति सगठन प्रेरक महामंत्री श्री सौभाग्य मुनिजी म सा 'कुमुद' के अनन्य भक्त हैं। सभी सत-मतियों की सेवा करने में आप अपने आपको धन्य मानते हैं। श्री वस्था जैन श्रावक संघ (मेवाड़) बम्बई के सक्रिय कार्यकर्ता एवं सदस्य हैं। उसके भवन निर्माण क्रय में आपका भी काफी योगदान रहा है। आपकी धर्मपत्नी का नाम श्रीमती कचन देवी है। आपके दो पुत्र श्री अशोक कुमार, प्रवीणकुमार एवं दो पुत्रियाँ कैलाश कुमारी, आशाकुमारी एवं सुपौत्र -पुत्रियाँ हैं। आप समाज के हर कार्य में हमेशा अग्रसर रहते हैं। मेवाड़ संघ में आज आपका काफी प्रभाव है।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।

## श्री मीठालाल सिंघवी बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के भीलवाड़ा जिले में गगापुर शहर में हुआ। उदारमना, कर्मठ समाज सेवा में हर समय अग्रणी उत्साही, सरल हृदय, हसमुख, मिलनसार श्री मीठालालजी मा सिंघवी हर कार्य में हमेशा अग्रसर रहते हैं। आपका वर्तमान में बम्बई, सूरत, गगापुर (भीलवाड़ा) में कपड़े की मिलें एवं थोक में व्यवसाय है। आप श्री वस्था जैन श्रावक संघ (मेवाड़) बम्बई के मस्थापक एवं कई वर्षों तक अध्यक्ष पद पर रहे हैं। वर्तमान में संघ के उपप्रमुख हैं। इनके अलावा अभा. इवे स्था जैन कान्फ्रेंस के कार्यकारिणी के सदस्य, श्री ओसवाल जैन मित्र मण्डल बम्बई के पदाधिकारीगण, श्री वस्था जैन श्रावक संघ सूरत के कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण आदि पदों पर कार्यरत हैं। बम्बई मेवाड़ संघ की स्थापना एवं 7 स्थानक भवनों के निर्माण कार्यों में आपका सहयोग सर्वोपरि है। आप अनेक मस्थाओं में जुड़े हुए हैं एवं अनेक मस्थाओं को काफी मात्रा में दान देने में भी प्रसिद्ध हैं। आप सभी तीन भ्राता बम्बई, सूरत, गगापुर में व्यवसाय कार्य में कार्यरत हैं। आज आपका बम्बई, सूरत एवं मेवाड़ प्रान्तों में काफी प्रभावशाली नाम है। आप अनेक कार्यक्रमों में पूर्ण सक्रिय रूप से भाग भी लेते रहते हैं। आप वैसे तो सभी सत-मतियों की सेवा में अग्रसर रहते हैं परन्तु विशेषकर श्रमण संघ के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म सा. एवं महामंत्री बम्बई युवक जागृति सगठन प्रेरक श्री सौभाग्य मुनिजी म 'कुमुद' के परम भक्तों में से अतिवासी परम सर्वोपरि भक्त हैं।

आप परिषद के सन् 1988 से ही सदस्य बने हुए हैं।

## श्री लक्ष्मीचंद बोहरा (मोलेला-मेवाड) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान के मालवा क्षेत्र में मोलेला (मेवाड) नामक स्थान में 55 वर्ष पूर्व हुआ। मेघराजजी बोहरा के गण्य हूँ। मेडिकल तक की पढ़ाई पूरी करने के पश्चात् आप उम्बई पधारे गये और वहाँ अनेक सविनय सेवाएँ तथा उमर पश्चात् स्वयं का निजी चिकित्सा प्रारम्भ करना किया। प्रकृति में भद्र परिवेश में मानवी व्यवहार में सगुणता और भावना में उदारता का समीकरण ही आपका व्यक्तित्व है। आप कई वर्षों तक ग्राम में सम्पन्न पद पर रहे हैं। उस दौरान आपकी सेवाओं में गाँव के नागरिक रहने प्रभावित हैं। आप समय-समय के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी में सा एक उम्बई युवक जागृति संगठन प्रवर्ग महामंत्री श्री मोसाय्य मुनिजी मसा 'बुमुद' के परम भक्त हैं। पूज्य गुरुत्व का मोलेला चातुर्मास में आपने भूय मेवाड़ की। मालवा महावीर भवन के निमाण कार्य में भी आपकी मेवाड़ अत्यन्त प्रगतिशील रही है। आप उच्च उदारता हैं। आज तक आपने अनेक सम्पादा का काफी दात भी किया है। आप समाज में बड़े सम्पादनीय मरानुभाव हैं। वर्तमान में उम्बई में आपका चार प्रतिष्ठान हैं। आप वर्तमान में कई सम्पादना के कई पदों पर कार्य कर रहे हैं जिनमें प्रमुख हैं—मोलेला जैन श्री मध के अध्यक्ष मेवाड जैन श्री मध के कार्यकारिणी के सदस्य हैं। मेवाड जैन मध बम्बई की स्थापना एक साधना मन्त्रों के निमाण त्रय में आपका काफी योगदान रहा है। इसके अलावा मोलेला में हर वर्ष पानी की प्याऊ पैठाले हैं एव मालवा में ही प्राथमिक स्तर के निमाण में भी आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। श्री भैरवलालजी एवं उद्यमालालजी बोहरा आपके दो भ्राता हैं जो सभी बम्बई में ही व्यवसाय करते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।

## श्री भैरवलाल बोहरा (मोलेला-मेवाड) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान के मोलेला (मेवाड) बम्बई में श्रीमान मेघराजजी बोहरा के यहाँ हुआ। पढ़ाई पूरी करने के पश्चात् आप बम्बई आ गये। आपकी दो अन्य बड़े भ्राता श्री उद्यमालालजी एवं श्री लक्ष्मीचंदजी भी बम्बई में ही व्यवसाय करने हैं। आपके पिताजी उद्यम विद्वान् एवं सगुण भक्त थे। श्री भैरवलाल जी बोहरा आज जैन त्रय में एक ऐसे उज्ज्वल गिता हैं जिनकी क्षमता में समाज के कई कार्यक्रम संप्रति हो रहे हैं। स्वाभाव में विनम्र शांति में मधुर व्यवहार में शान्ति श्री बोहराजी अपने जीवन में भूय में गिवर तक आगे बढ़े हैं। कठिनाइयों में भीना बचपन आज भी इनकी सवटपन्न साई-बहिन की सेवा करने की प्रवृत्ति दत्ता रहता है। आप एक दोहो भ्राता मध और समाज की सेवा एक गुरु भक्ति में सर्वथा अग्रणी रहते हैं। आप मोलेला जैन श्री मध के सहवर्ष पद पर तो हैं ही तबिन श्री वसुधा जैन श्रावक मध (मेवाड) उम्बई के उपाध्यक्ष पद पर हैं तथा मेवाड त्रय शांताश्रम उम्बई के आप सम्पन्न हैं। आपके द्वारा ज्ञान और सेवा की धारा मेवा प्रवाहित होती रहती है। श्रमण मधीय प्रवर्तक श्री अम्बालालजी मसा एक उम्बई युवक जागृति संगठन प्रवर्ग महामंत्री श्री मोसाय्य मुनिजी मसा बुमुद के आप परम भक्त हैं। इनका मोलेला चातुर्मास करने में आपका बहुत बड़ा योगदान रहा। आप महान तपस्वी भी हैं। मालवा चातुर्मास में आपने सामन्तमण की उच्च तपस्या भी की है। आपने मध गौरवावित हैं। बम्बई मेवाड मध के निमाण त्रय कार्य में आपका योगदान काफी सराहनीय है। समाज के हर कार्य में आप अग्रणी रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बन हैं।

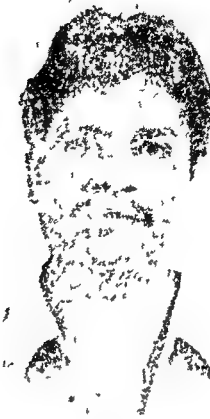
## श्री गणपतलाल कोठारी (जैन) (सेमा-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र के सेमा कस्बे में मेठ माहव श्री रतनलालजी कोठारी के यहाँ 8-11-1953 को हुआ। मैट्रिक तक पढ़ाई करने के पश्चात् आप बम्बई पधारे एवं मन् 1973 में पुष्पम ज्वैलर्स नाम का व्यवसाय विक्रोली-बम्बई में प्रारम्भ किया। श्री वस्था जैन श्रावक मघ (मेवाड़) बम्बई के वर्तमान में आप प्रसार-प्रचार मंत्री हैं। बम्बई में मेवाड़ मघ को मजबूत बनाने में आप काफी सक्रिय रूप में कार्य कर रहे हैं। माधना मदन चार विक्रोली की स्थापना भवन खरीदने में आपका पूर्ण योगदान रहा। आप विक्रोली जैन श्री मघ के मंत्री पद पर भी कार्य कर रहे हैं। आप विक्रोली जैन गुजरात मघ के विगत 17 वर्षों में मंत्री पद पर कार्यरत हैं। आप मेवाड़ श्री मघ बम्बई के द्वितीय बार प्रचार-प्रसार मंत्री बनाये गये हैं। बम्बई में विचरण करने वाले अधिकांश साधु-माध्वियाँ आपसे परिचित हो जाते हैं एवं उन सभी की आप काफी सेवा करते रहते हैं। विक्रोली भाण्डुप घाटकोपर आदि क्षेत्रों के गुजराती समाज में भी आप काफी प्रभावशाली हैं। घाटकोपर एवं भाण्डुप के बीच विक्रोली माधना मदन रास्ते में होने के कारण विहार करने वाले मत-मतियों वहाँ ठहरते हैं और उनकी आप काफी सेवाएँ करते रहते हैं। मेवाड़ जैन मघ के बम्बई में 19 जगह मघ बने हुए हैं। उनकी एक-एक मघ की हर रविवार को मीटिंग बुलाकर उनकी समस्याओं पर विचार करके मुझाव आदि प्राप्त करके मघ में नयी जाग्रति उत्पन्न करते हैं। आप श्रमण मघ के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म.सा. एवं बम्बई युवक जाग्रति मगठन प्रेरक महामंत्री श्री मौभाग्य मुनिजी म. के परम भक्त हैं। सम्पूर्ण बम्बई के मेवाड़ एवं गुजराती समाज में आपका काफी प्रभाव है। आप अच्छे वक्ता भी हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के सरल बने हैं।

## श्री नवलसिंह सुराना (कोठारिया-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र में कोठारिया कस्बे में 4-4-1956 को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान् प्रतापसिंहजी सुराना एवं माताजी का नाम श्रीमती धापूर्वाई सुराना है। नाथद्वारा में बी.ए. तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आप अपने अन्य तीन भाइयों के पास बम्बई आ गये। आपके तीन भाई श्री मीठालालजी, औकारसिंहजी एवं हिम्मतसिंहजी एवं तीन बहनें केशवदेवी, शकुन्तला एवं सुमित्रा हैं। सभी तीनों भाई बम्बई में अपने-अपने स्वतंत्र व्यवसाय कर रहे हैं। बम्बई में आने के पश्चात् आपने कोट बम्बई में मिलाप ज्वैलर्स नाम का व्यवसाय प्रारम्भ किया। आप भी श्रमण मघ के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म.सा. एवं महामंत्री श्री मौभाग्य मुनिजी म.सा. कुमुद के परम भक्त हैं। मेवाड़ श्री मघ बम्बई के आप सक्रिय कर्मठ कार्यकर्ता हैं। आप भी अपने भ्राताओं की तरह समाज सेवाओं में सक्रिय रूप में भाग लेते ही रहते हैं। आप श्री वस्था जैन श्रावक मघ (मेवाड़) बम्बई के सदस्य हैं। कोठारिया ग्राम में स्कूल के निर्माण कार्य में धार्मिक कार्यों की ओर विशेष रुचि रही है। सभी सत-मतियों की सेवा करने में आप अपने आपको धन्य मानते हैं। सेवा के प्रत्येक कार्य में आप हमेशा ही अग्रसर रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।

## श्री औंकारसिंह सुराना (कोठारिया-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र के कोठारिया बम्बे में 26-3-50 को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान प्रतापमलजी सुराना एवं माताजी का नाम श्रीमती धांपूबाई सुराना है। मांगवाड़ में विश्वविद्यालय की पढाई पूर्ण करने के पश्चात् मॉडिफिकेशन करने के पश्चात् आप विगत 22 वर्ष पूर्व आप बम्बई पधार एवं यहाँ पर ज्वैलर्स का व्यवसाय प्रारम्भ किया। वर्तमान में आपके बम्बई में मिलन ज्वैलर्स मॉडम सोण पुष्कर ज्वैलर्स एवं मिलाप ज्वैलर्स नाम चार जगह व्यवसाय कार्यरत हैं। आपकी वं स्थानक जैन श्रावक मध (मेवाड़) बम्बई के कायकारिणी मदस्य है। इसके अलावा अपनी जन्मभूमि कोठारिया (मेवाड़) में भी जैन श्री मध के अध्यक्ष हैं। आपने अनेक धार्मिक-सामाजिक मस्याओं में काफी मात्रा में पूर्ण सहयोग भी प्रदान किया है। कोठारिया में स्कूल के हाल निमाण कार्य के लिए 61 हजार का दान दिया। श्री कुमुन् मेटर् हस्पीटाली का निलायाम भी आपके हाथों ही मपन हुआ। आप धर्मण मध के प्रवर्तक श्री अम्बालालजी ममा एवं महामत्री श्री मौभाग्य मुनिजी ममा के अन्वय श्रद्धावान परम भक्त श्रावक रत्न हैं। बम्बई मेवाड़ मध के सभी स्थानक भवनों के निमाण ग्रय कार्यों में भी आपका पूण सहयोग रहा है। आपकी वचपत में ही धार्मिक कार्यों के प्रति रुचि रही है। सभी मत-मतियों की सेवाएँ करके आप अपने आपको ध्रय समर्पित हैं। बम्बई मेवाड़ मध में आपका काफी प्रभाव है। सेवा के कार्य में आप सबसे अग्रसर रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बन हैं।

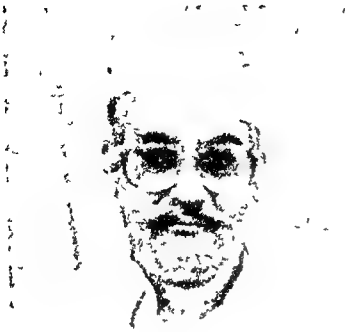
## श्री मनोहरलाल चौरडिया (जैन) (सगरव-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र में भीनवाड़ा जिले के सगरव बम्बे में आश्विन शुक्ला 5 विम 2017 का हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान् नाथूलालजी चौडिया एवं माताजी का नाम श्रीमती मोमनबाई है। आपका जन्म माधारण एवं कमजोर आर्थिक स्थिति में हुआ। आप कुल पाँच भाई एवं चार बहिन हैं। आप आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थिति को अग्रगण्य कर निरंतर तक पढ़ें हैं। सन 1976 में गंगापुर (भीलवाड़ा) से हायर सेकेंडी की शिक्षा पूर्ण कर आप जुलाई माह में ही बम्बई पधार गये एवं यहाँ आकर एक माधारण नीबनी की। अनेक सामाजिक एवं राजनैतिक मस्याओं में सेवाएँ करने की ओर आपका लगाव रहा। धर्मण मध की स्थिति सुदृढ करने एवं समाज में कुछ रचनात्मक कार्य करने की आपकी रुचि रही है। नेतृत्व के साथ-साथ जैन एकता की भावना की ओर आपका विशेष लगाव रहा है। अभी आप अग्रणी बम्बई में ज्वैलर्स का व्यवसाय करते हैं। श्री मेवाड़ मध बम्बई के आप सक्रिय कार्यकर्ता हैं। आप धर्मण मधिय प्रवर्तक श्री अम्बालालजी ममा एवं महामत्री श्री मौभाग्य मुनिजी ममा कुमुन् के परम भक्त हैं। मेवाड़ मध को सुदृढ बनाने में आप हमेशा में ही प्रयत्नशील रहते हैं। आप कई सामाजिक धार्मिक मस्याओं में अनेक पदों पर कार्यरत हैं। बम्बई के सभी माधना भवनों के निमाण में आपका भी काफी योगदान रहा है। आप काफी सक्रिय कर्मठ समाज सेवी हैं। मध समाज में आपकी काफी आशाएँ हैं।

आपभी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।

## श्रीमंगल चन्द सांखला नासिक सिटी



## श्री भँवरलाल बोहरा (मोलेला-मेवाड़) बम्बई



आपका जन्म महाराष्ट्र प्रान्त के जिला नासिक के समीप दावचवाडी गाँव में 4-9-1945 को श्रीमान दगडू मलजी साखला के यहाँ हुआ। एस एस सी तक पढाई करने के पश्चात आपने खेती एवं व्यापार करना प्रारम्भ किया उसके बाद 1976 में आप नासिक पधार गए और वहाँ पर स्टील फर्नीचर का कार्य प्रारम्भ किया थोड़े ही दिनों में स्टील फर्नीचर का कारखाना भी डाल दिया। वर्तमान में आप स्टील फर्नीचर की नासिक में सबसे बड़े निर्माता एवं प्रतिष्ठित व्यापारी गिने जाते हैं॥ गर्वमेन्वट सप्लायर्स एवं दुकान पर भी माल की विक्री होती है। आपकी शुरू से ही धर्म के प्रति रुचि रही है। आप कई धार्मिक सामाजिक संस्थाओं में अनेक पदों पर रह कर कार्य कर रहे हैं। जैन श्री सघ नासिक के आप कोषाध्यक्ष हैं। दावचवाडी जैन श्रीसघ के भी आप कार्यध्यक्ष हैं। दावचवाडी में नवनिर्मित जैन स्थानक भवन के निर्माण में भी आपने पूर्ण योगदान सहयोग दिया है। नासिक सिटी के नव निर्माणित सम्पूर्ण महाराष्ट्र में सबसे बड़ा जैन स्थानक भवन में भी आपने पूर्ण सहयोग दिया है। नासिक एवं आसपास के क्षेत्रों में आपका काफी वर्चस्व एवं प्रभाव है। आपके दो सुपुत्र श्री नवल किशोर जी एवं सुनील कुमार एवं दो सुपुत्रियाँ हैं। श्री नवलकिशोर जी जैन अखिल महाराष्ट्र जैन सघटना नासिक शाखा के अध्यक्ष एवं कर्मठ ममाज सेवक युवा रत्न हैं। सामूहिक विवाह का कार्य यशस्वी रहा। इसके अलावा धर्मार्थ दवाखाना, महावीर जयंती आदि का कार्य आप काफी रुचि से करते हैं। श्री मंगलचंद जी का सम्पूर्ण नासिक में काफी प्रभाव है। सम्पूर्ण महाराष्ट्र में सबसे बड़ा जो जैन स्थानक नासिक सिटी में नव-निर्मित निर्माणित हुआ है उसमें सम्पूर्ण योगदान सिर्फ नासिक सिटी का ही उपयोग में लाया गया। यह कोषाध्यक्ष एवं अन्य कार्यकर्ताओं की कार्य प्रणाली की ही विशेषताएँ हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मेवाड़ क्षेत्र के मोलेला कस्बे में 5-4-1944 को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्री दलीचंदजी बोहरा एवं माताजी का नाम श्रीमती नजगीबाई है। हायर सेकेण्ड्री तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आपने मोलेला स्कूल में अध्यापक का कार्य किया। वहाँ में अपना भाग्य अजमाने हेतु 1965 में बम्बई पधार गये और वहाँ आकर ज्वैलर्स का व्यवसाय प्रारम्भ किया। आप उन युवा बंधुओं में से एक हैं जिनका दृष्टिकोण सर्वदा रचनात्मक रहता है। सक्रियता जिनके जीवन का प्रमुख अंग है। मेवा के क्षेत्र में श्रमशील बने रहना इनका मूल ध्येय है। यही कारण है कि मोलेला एवं मेवाड़ सघ बम्बई के सभी रचनात्मक उपादानों को मूर्तरूप देने में आपका सहयोग सर्वोपरि रहा है। स्वभाव में सहिष्णु विचारों से प्रगतिशील आप बुद्धिमान युवक रत्न हैं। आप वर्तमान में कई पदों पर कार्यरत हैं जिनमें मुख्य इस प्रकार है—मेवाड़ सघ बम्बई के कार्यकारिणी के सदस्य, मोलेला बम्बई शाखा के मंत्री, जैन श्री सघ मोलेला के मंत्री आदि। बम्बई के सभी साधना सदन स्थानकों के निर्माण में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। शिक्षा जगत में भी पूर्ण सहयोग दिया है। मोलेला के महावीर भवन स्थानक के निर्माण में भी पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। मोलेला में स्कूल प्रयोगशाला कक्ष, कमरे, अम्बेडकर गुरु जल घर के निर्माण में भी आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया। आप श्रमण सघ के प्रवर्तक श्री अम्बालाल जी म सा एवं बम्बई युवक जागृति सगठन प्रेरक महामंत्री श्री मौभाग्य मुनिजी म सा 'कुमुद' के परम भक्त हैं। पूज्य गुरुदेव के मोलेला चातुर्मास सत्र मंत्री के साथ चातुर्मास सफल बनाने में आपने पूर्ण योगदान दिया। बम्बई में वर्तमान में आपके कई प्रतिष्ठान हैं। बम्बई एवं मोलेला मेवाड़ में आपका काफी प्रभाव है।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।



## श्री अशोक भण्डारी जयपुर



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त की राजधानी एवं विश्व प्रसिद्ध गुलाबी नगरी जयपुर में 8.11.1951 को श्री रणजीत मिहजी भण्डारी के यहां हुआ। मैट्रिक तक की शिक्षा पूर्ण करने के बाद सन् 1969 में आपने जैन मूर्तियों और रत्नों की मालाएँ नारियल की सम्पूर्ण भारत में जैन कला जीग मालाओं का काम दक्षिणार्धत शल जादि का काम उड़ी कुशलता एवं बागीची में खूबसूरत होंग में किया जाता है। आप समाज के हर कार्यो में सदैव अग्रणी रहकर कार्य करते रहते हैं। आप समाज की शासन प्रभावता के कार्यो में भाग लेते ही रहते हैं। जयपुर स्तर के सभी दान निमाण कार्य में हमेशा सहयोग प्रदान करते रहते हैं। सन् 1974 में मानव रण के तीर्थों की उम ह्राग मध ल जाकर दशन करवाने खु खुपन ही कार्य किया। वहां आपको सघर्ष से सम्मानित भी किया गया। आपने जैन तत्व का विद्यापीठ पूना की पराता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आपके व्यापार के प्रति पूरा भारत में प्रसिद्ध है। आप सभी माधु माधिया में ही श्रद्धा प्रभावना में सेवा करते रहते हैं। समाज में आपकी मूर्तियाँ दान हनु आपके निवाम स्थान पर ही रखे जा पावे मान वगत है। आप जयपुर में ही नव के तीर्थों की पैल जाया भी की है। आपन वर मा माधिया के साथ पैल विहार भी किया है। आप न बागवत राजी जैन के जिय है। आपन डही में मूर्तिया का ता प्राप्त किया है। आपका विवाह बोगवड (नागौर) में है। धार्मिक भावना आपके मन में प्रमुख स्थान रखती है। आपन एवं सुपुत्र नवीन शर्माजी एवं दो सुपुत्रियाँ हमना एवं वीता भण्डारी है। सम्पूर्ण जैन समाज में मूर्तिया के काय में आपका नाम विख्यात है।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बन हें।

## श्री दामजीभाई गेलाभाई शाह बम्बई



आपका जन्म गुजरात प्रान्त के भुज जिलानगरी वाड कच्छ के रामबाब बम्ब में 18 जून 1935 को हुआ। आपका पिताजी का नाम श्री गेलाभाई शाह है। इंटर तक पढाई पूर्ण करने के पचात् आपकी जपन भाषा की अभ्यास हनु उन्वई आ गय और यहाँ आकर आपने 1959 में एकर माइज बुक का व्यवसाय प्रारम्भ किया। उस व्यवसाय में आपकी जपन मामाजी श्री भाई चण भाई का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। आप काफी परिश्रमी स्वरूप कुतूहल, नमस्त्वभाव को मन हृदय के श्रावक रहते हैं। आपन धर्म के प्रति काफी गहरी जाल्सा है। आपने प्रारम्भ में बुक व्यवसाय का जो छोटा सा बीज बोया वह आज विशाल वट वृक्ष का रूप धारण कर चुका है। अनुत्तरहमान स्ट्रीट बम्बई स्थित महाराष्ट्र एजसीज का आज संपूर्ण दण में नाम विख्यात हो रहा है। आपने अनेक सम्पादा को काफी सहया भी प्रदान किया है। बागड कच्छ की अनेक धार्मिक सामाजिक मस्याओं के निमाण काय एवं सुचारु रूप में चालू रखे हनु काफी पूर्ण योगदान प्रदान किया है। निम्बडी समुदाय के प रहते श्री भास्कर मुनि जी मसा महामती की शाना वाई मसा गाडल समुदाय की महामती श्री वनिता वाड मसा आदि आपके परिवारिक मवधी ही है। बागच्छ कच्छ के धर्मो के विवाम कार्यो के लिए आपने काफी योगदान दिया है। बागड की वाडी विवाम गृह के निमाण में आपका सहयोग निरन्तरणीय रहगा। आपके तीन सुपुत्र (दा जमरिका में है) एवं तीन सुपुत्रियाँ है। सभी उच्च शिक्षित है। सप्तम वडा सुपुत्र दादर स्थित मिलन मन्वविद्यर के संचालक है। आप अनेक धार्मिक सामाजिक मस्याओं में किसी-न किसी पर म जुड़ रहे हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के सदस्य बने हैं।

## श्री केशरीचंद खिवसरा बम्बई



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के पाली जिले के मादडी मारवाड में वि.स. 1989 में हुआ। आपके पिताजी का नाम मेठ साहब श्री मूलचंदजी खिवसरा है। मैट्रिक तक पढाई पूर्ण करने के पश्चात् आपने कपडे के व्यवसाय की ओर अपने कदम बढ़ाये। वर्तमान में आपका कपडे का थोक व्यवसाय बम्बई, सोलापुर, मुरत, अहमदाबाद आदि स्थानों पर कार्यरत है। आप उपाध्याय श्री कस्तूरचंद जी मसा के अनन्य अतेवामी परम भक्त हैं। श्री कस्तूरचंद जी मसा जन्म शताब्दी के अवसर पर इस वर्ष रतलाम में भोजन शाला प्रारंभ करने में विशेष रूप में आपने ही सर्वोपरि सहयोग प्रदान किया। इसके अलावा विगत 12 वर्षों से सादडी मारवाड में 24 घंटे पानी उपलब्ध प्याऊ का प्रबंध भी आपने ही किया। उसके संचालन का 12 माह का पूरा खर्चा आप ही देते हैं। दिल्ली में अस्पताल में 31 हजार की राशि दान में दी। इसके अलावा अनेक छोटी-बड़ी मस्थाओं में आप पूर्ण योगदान देते ही रहते हैं। उपाध्याय श्री कस्तूरचंदजी मसा जन्म शताब्दी ग्रंथ के प्रकाशन कार्य में भी आपकी सद्प्रयासों एवं योगदान से ही पूर्ण हो पाया। श्रमण सघ के सत-सतियों के प्रति आपकी अगाढ़ भक्ति श्रद्धा भावना है। आप कई अनेक छोटी-बड़ी मस्थाओं में किमी-न-किमी पद पर कार्य कर रहे हैं। आपके पाँच सुपुत्र एवं एक सुपुत्री हैं। रतलाम में उपाध्याय श्री कस्तूरचंदजी मसा ममाधि स्थल निर्माण में भी पूर्ण योगदान दिया।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।

## श्री दीपचन्द बाफना (भोपालगढ़), जलगाँव



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के जोधपुर जिले के भोपालगढ़ में 3-2-1947 को श्रीमान पारसमलजी बाफना के यहाँ हुआ। हायर सेकेण्ड्री स्कूल तक की पढाई पूर्ण करने के पश्चात् आपका विचार लक्ष्य व्यापार करने का ही रहा। वहाँ से आप 1978 में जलगाँव पधार गये एवं श्रीमान सालेचा साहब के यहाँ सर्विस करने लगे। कई वर्षों तक सर्विस करने के पश्चात् आपने जलगाँव में ही मेसर्स चन्द्रशेखर एगो मिल्स के नाम में स्वयं का दाल मिल का व्यवसाय प्रारंभ कर दिया जो आज जलगाँव में प्रमुख स्थान रखता है। वर्तमान में आप जलगाँव दाल मिल ऑनर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पद पर भी कार्य कर रहे हैं। आपका पूरा परिवार रत्नवशीय आचार्य प्रवर पूज्य गुरुदेव श्री हस्तीमल जी मसा के प्रति प्रारंभ से ही मर्मपित एवं श्रद्धा भावना से प्रख्यात रहा है। आप अनेक मस्थाओं में अनेक पदों पर रहकर समाज सेवा में सक्रिय भाग लेते ही रहे हैं। श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक सघ जलगाँव के आप कार्यकारिणी के सदस्य, जैन श्री सघ जलगाँव के सदस्य, जैन श्री सघ भोपालगढ़ के कार्यकारिणी के सदस्य हैं। सेवा के हर कार्यों में अग्रसर रहना एवं सत सतियों की सेवा करने में आप अपने आपको धन्य मानते हैं। जलगाँव जैन श्री सघ के चातुर्मास व्यवस्था में भोजन समिति के आप इंचार्ज हैं। आपका रत्नवर्ण समुदाय एवं जलगाँव में काफी प्रभाव है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती पारसकुमार सा भी काफी तपस्विनी एवं धर्मप्रिय धर्मानुरागी महिला श्राविका रत्न हैं। आपके दो सुपुत्र श्री अरुण कुमारजी वी कॉम., एवं महेंद्रकुमारजी मैट्रिक भी आपके साथ ही व्यापार में आपका साथ दे रहे हैं। एवं सुपुत्री मजुश्री हैं। आप व्यवहार कुशल उदार दानवीर, मृदुभाषी एवं धर्मप्रिय युवा रत्न हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य बने हैं।

# उत्तर-प्रदेश श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महासभा (रजि.)

मुख्यालय श्री जन स्थानक नया बाजार, पिन 250611 जिला-मुरादाबाद

अध्यक्ष

जे डी जन

के बी 45, कवि नगर, गाजियाबाद-201001 (उ.प्र.)

दूरभाष वापानय 8-780649, 8 731187

निवास 8 40001, 8 712541

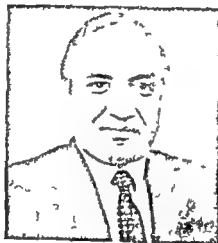
महामंत्री

मुरादाबाद जन

10/63 बहाल भवन, काँधला-247775

जि मुरादाबाद नगर (उ.प्र.)

दूरभाष - 203



जे डी जन

अध्यक्ष, उत्तरप्रदेश श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महासभा (रजि.)

## — ♦ वधाई-सन्देश ♦ —

बड़े हृदय का विषय है कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतीय ममप्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई के माध्यम से "ममप्र जैन चातुर्मास सूची" 1992 का प्रकाशन कर रहे हैं। यह सूची सम्पूर्ण भारतवर्ष के जैन सम्प्रदायों (श्वेताम्बर मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तरायथी एवं दिगम्बर) के लिए बहुत उपयोगी है। इस पुस्तिका में हमें सभी सम्प्रदायों के पूज्य जैन आचार्यों माधु, साध्वियाजी के प्रति वर्ष हान वान चातुर्मासा नई दीक्षाआ, महाप्रयाणो, नई पदवियों एवं समान की सभी गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी आदि प्राप्त हो जाती है। जिससे सभी श्रावक व श्राविकागण धनलाभ लेते हैं।

मैं अपने ही नहीं पूरा विश्वास है कि यह परिषद् समाज को इसी प्रकार की सेवाएँ प्रदान करती रहेगी। मैं अपना आभार तथा उत्तरप्रदेश श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महासभा की ओर से बधाई दे रहा हूँ।

जे डी जन

गाजियाबाद



# टी.टी.

## अन्डरगारमैन्ट्स

अन्डरवियर • बनियान  
ब्रा • पैन्टी • जुराबें • टी-शर्ट

आराम का दूसरा नाम..



*Good Rock*



सतने के अधूषणों क व्यापारी



**दिलीपकुमार हीराचंद अँन्ड कंपनी**



१०८ महुल बजार बनारस ४०१ ००१ (बनारस) फोन २,०३८ २४४३८ जय गन्दाद्वय  
म स नों का जो ह री

भक्तामर स्तोत्र का परमार्थ बोध : रोचक अनुभूति प्रधान शैली में

## भक्तामर स्तोत्र : एक दिव्य दृष्टि

■ भक्ति साहित्य के अद्भुत/अमर स्तोत्र काव्य पर विदुषी विचारक साधनाशील साध्वी डॉ. दिव्य प्रभाजी द्वारा तार्किक एवं वैज्ञानिक दृष्टि युक्त भक्ति और बुद्धि समन्वित विवेचन तथा साधना के अनुभूत प्रयोग । ■

जैन जगत् में एक अभिनव प्रकाशन : भक्ति साहित्य की बेजोड़ कृति  
मूर्धन्य मनीषियों के चिन्तन की कसौटी पर—

- श्री दिव्य प्रभाजी ने प्रतिभा का श्लाघनीय उपयोग करके भक्तामर स्तोत्र के श्लोकों में अन्तर्निहित आध्यात्मिक भावना को प्रस्फुटित किया है ।

—राष्ट्रसन्त कवि श्री अमरमुनि (वीरायतन)

- प्रत्येक श्लोक का सूक्ष्म एवं सरल विवेचन प्रशंसनीय है ।

—आचार्य श्री विजय इन्द्रदित्र सूरि जी महाराज

- साध्वी श्री (दिव्य प्रभा) जी द्वारा किये गये भक्तामर-प्रवचन श्रद्धालुजनों की आस्था को पुष्ट आलम्बन देंगे ।

—आचार्य श्री तुलसी

- महासती जी सरल सुलझे विचारों की विदुषी साध्वीरत्न हैं । इनकी वाणी में जादू का असर है ।

—स्व. आचार्य श्री आनन्द ऋषि जी

- भक्ति प्रिया साध्वी दिव्या ने भक्तामर स्तोत्र की साधना करके जो कुछ आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की है, उस परमार्थ को, सहज बुद्धिगम्य शब्दों में प्रकट कर जनता पर असीम उपकार किया है ।

—डॉ. साध्वी मुक्तिप्रभा

सुन्दर सुरुचिपूर्ण मुद्रण और भावयुक्त कलापूर्ण आवरण के साथ ।  
मूल्य सिर्फ 51/- रुपया । शीघ्र आदेश भेजें ।

### प्राप्ति स्थान

जैन पुस्तक मन्दिर  
भारती भवन, चौड़ा रास्ता  
जयपुर

प्राकृत भारती अकादमी  
यति श्यामलाल जी का उपाश्रय  
मोतीसिंह भौमियों का रास्ता,  
जोहरी बाजार, जयपुर

हार्दिक शुभेच्छा!.....

कर्नालिट

क्लाशेय

❖ संदीप बिल्डर्स अॅन्ड डेव्हलपर्स

❖ संदीप कन्स्ट्रक्शन्स्

❖ संदीप अॅन्ड असोसीअेटस्

❖ संदीप अॅन्टरप्राईजेस्

रेल्वे स्टेशन जवळ, ठाणे (पश्चिम)

फोन - ५०८०६२, ५०३०६६, ५०९२९९

# RUNWAL TOWERS

LAL BAHADUR SHASTRI MARG, NEAR GABRIAL INDIA LTD.  
MULUND (WEST)



**2/3 BEDROOM ULTRA MODERN  
LUXURIOUS FLATS ON OWNERSHIP BASIS**

- TWO 13-STORIED TOWERS • POSH SHOPPING ARCADE
- ATTRACTIVE PODIUM—FIRST OF ITS KIND IN SUBURBS



Developers

**RUNWAL ESTATES PVT. LTD.**

Runwal Chambers, 1st Road, Chembur, Bombay-71.

Tel: 5554462-5555873-5554314

Sales Consultants:

**SHAKTI AGENCY**

Chagpar Khimji Building, 2/A, 1st Floor, 'A' Wing,

R.R.T. Road, Mulund (W), Bombay- 80

Tel: 5645843 • 5644590

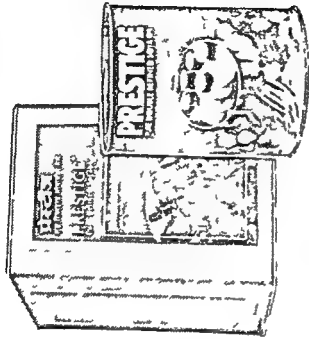
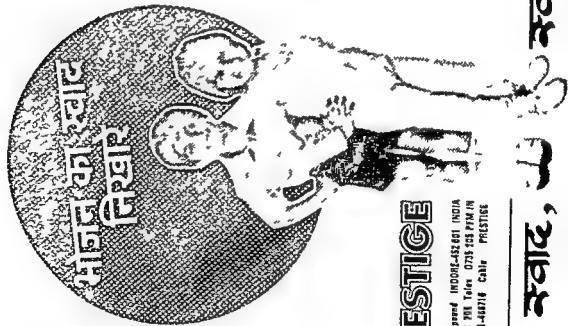
Runwal keeping up a  
tradition of Qualities.  
Punctuality & Reliability.

- Artistically laid out project.
- Aesthetically landscaped gardens.
- Swimming Pool with Filtration Plant.
- Club House with modern facilities
- Common TV Dish Antenna, Cable TV and Point.
- Elegant Entrance Foyer.
- Highspeed Automatic Lifts.
- Servant's Toilet on each floor.
- 24 hours water
- Car Parking in the ground stilt and podium levels.

**Runwal Towers**  
*A Reflection of your  
distinct lifestyle*



1, 2, 5 व 15 किलोग्राम पैक में उपलब्ध



# प्रेस्टीज

शुद्ध सुपर रिफाइंड कुकिंग ऑइल

**PRESTIGE**

39 Jyoti Compound INDORE-462001 INDIA  
Phone 462001 VIL Telco 0735 503 PTA IN  
Telco 0731-468716 Calie PRESTIGE

स्वाद, स्वास्थ्य, बचत की सीमात.

## क्या आप जानते हैं?

कि आज के प्रचलित टूथपेस्टों में उपयोग में लाये जाने वाले फॉस्फेट और जिलेटिन का निर्माण मृत प्राणी की हड्डियों से किया जाता है? कई लोगों को इस का पता नहीं है. मृत प्राणी की हड्डियों का इस्तेमाल जिस टूथपेस्ट या टूथ पाउडर में किया जाता हो, इसको उपयोग में लाना उचित नहीं है.

### अमर टूथपेस्ट — टूथपाउडर में

किसी भी अभक्ष्य पदार्थ का इस्तेमाल नहीं होता. आयुर्वेदिक जड़ी बुट्टियों का इन में बहुत ही सावधानीभरा उपयोग किया जाता है

आयुर्वेदिक

# अमर

टूथपेस्ट - टूथपाउडर

नये युग की हर्बल-लहर  
जो दांतों को निरोगी, मज़बूत और  
चमकता रखे.



भारत का एकमात्र अहिंसक आयुर्वेदिक उत्पादन.

निर्माता स्वामि औषधालय प्रा लि, ४९७, एस.वी.पी रोड, वम्बई-४०० ००४  
फैक्ट्री ४६४, न्यू जी आई डी सी, कतारगाम, सुरत-३९५ ००८

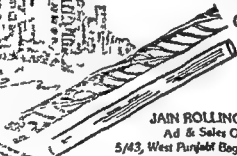
श्री महावीराय नमः



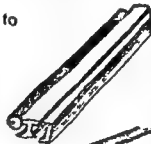
# JAIN ROLLING MILLS

## RE-ROLLERS, ENGINEERS & FABRICATORS

Manufacturers & Govt Approved Suppliers of  
MS ROUNDS, FLATS, ANGLES SQUARES  
& SPECIALISTS IN COLD WORKED  
STEEL HIGH STRENGTH DEFORMED  
BARS FOR CONCRETE REINFORCEMENT



Conforming to  
IS 1786-85



JAIN ROLLING MILLS

Ad & Sales Office

5/43, West Punjabi Bagh, New Delhi

Works: Mukand Nagar, Ghazalabad

Phones: 5439484, 8-731187, 8-730649

Approved Conversion Re Roller  
By Appointment to  
STEEL AUTHORITY OF INDIA LTD  
(A Govt. of India Undertaking)

In order to Preach & Practice  
'AHIMSA' & 'VEGETARIANISM'  
Please do not celebrate  
functions at places  
which do not have 'Separate'  
Vegetarian Kitchens.

J D JAIN

# प्रकाशकीय

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् वस्वई द्वारा प्रकाशित "समग्र जैन चातुर्मास सूची 1992" का चतुर्दश पुष्प आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए परम प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

**विश्व विख्यात प्रमाणिक सूची:—**आपको यह तो भलिभांति विदित ही है कि परिषद् द्वारा विगत 13 वर्षों से स्थानकवासी एव समग्र जैन समुदाय की समग्र जैन चातुर्मास सूची एव चार्ट का प्रतिवर्ष नियमित प्रकाशन करते आये हैं। सम्पूर्ण विश्व के समग्र जैन समाज की असाम्प्रदायिक यही एक मात्र पूर्ण एवं प्रमाणिक विश्व विख्यात चातुर्मास सूची है। जिसे सम्पूर्ण जैन समाज के हर वर्ग ने एक स्वर से स्वीकार भी किया है। आज सम्पूर्ण विश्व का समग्र जैन समाज इस सूची से काफी लाभान्वित हो रहा है और भविष्य में भी काफी लाभान्वित होता रहेगा। चातुर्मास के पश्चात् भी दीक्षोत्सव, पट्टोत्सव, प्रतिष्ठोत्सव, सम्मेलनों एवं अन्य विशाल कार्यक्रमों में समग्र जैन समाज के संपर्क सूत्र एक जगह प्राप्त करने वाली यही एक मात्र सूची है जो बारह महिने ही उपयोग में आती है। अब यह सूची देश विदेश में काफी लोकप्रिय हो चुकी है। इसकी लगभग 300 प्रतियाँ विदेशों में भी जाती हैं।

**संकलन संपादन कार्य:—**विगत 12 वर्षों की भांति इस वर्ष भी संकलन संपादन का कार्य कर्मठ उत्साही कार्यकर्ता जैन श्रृंगार, उत्कृष्ट सेवाभावी समाज सेवी श्री बानूलाल जैन "उज्ज्वल" ने बड़ी कुशलता, तत्परता लगन उत्साह से सही समय पर पूर्ण कर आप तक पहुँचाया है। उनकी समाज सेवा से ही यह कार्य पूर्ण हुआ है। श्री 'उज्ज्वल' सभी कार्यों को छोड़कर अपना एकमात्र ध्यान इसी ओर केन्द्रित करके इसे कार्य में जुट जाते हैं। इन्दौर प्रेस में हर वर्ष 15-20 दिन तक वहाँ ही रहकर भूख प्यास की चिन्ता किये बगैर असह्य कष्ट को सहन करते हुए यह कार्य पूर्ण करके ही दम लेते हैं। सभी समुदायों के चातुर्मास की सूचीयाँ एकत्रित करना, प्रेस कापी तैयार करना, कम्पोजिंग प्रूफ रिडिंग, पुस्तक पोस्ट करना, विज्ञापन सदस्यता बनाना एव परिषद् की आर्थिक स्थिति को बरकरार कायम रखने हेतु सदा प्रयत्नशील रहते हैं। यहाँ तक कि निःस्वार्थ अपार श्रमिक रूप सच्चा समाज सेवा करने हेतु आप अपना व्यापार तक भी 1-11 माह के लिए बन्द रख देते हैं। आपका हमेशा एक ही ध्येय बना रहता है कि जितना जल्दी हो सके यह जल्दी जल्दी से कार्य पूर्ण होवे ताकि समाज सर्वाधिक लाभ प्राप्त कर सके। आपकी समाज सेवा सम्पूर्ण जैन समाज में अद्वितीय है।

## आर्थिक संकट टला नहीं

इस कार्य में गत वर्ष भी हमारी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर ही रही थी। हमारे पास न तो कोई स्थायी फंड है और न ही किसी आचार्य भगवत की छत्र छाया हम तो यह कार्य सिर्फ विज्ञापन, पुस्तक भेंट-योजना, सदस्यता शुल्क आदि से ही विगत वर्षों से पूर्ण करते चले आ रहे हैं। इस वर्ष सूची का कुछ कार्य आफसेट एव कलर में करवाने के कारण इस वर्ष की आर्थिक स्थिति भी काफी कमजोर ही रहेगी। आप सभी से नम्र निवेदन है कि चातुर्मास के उपलक्ष में इस परिषद् को भी फूल नहीं तो पेंखुड़ी ही सही कुछ न कुछ सहयोग अवश्य प्रदान करें। यह परिषद् भी आपकी अपनी ही सस्था है।

**देरी का कारण टला नहीं:—**यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारी विज्ञप्ति सूचना को ध्यान में रखकर कुछ विशाल समुदायों को छोड़कर प्रायः कर सभी समुदायों की सूचियाँ चातुर्मास प्रारंभ होने तक प्राप्त हो गयीं थी फिर भी प्रायः कर श्रमण मंथ, साधुमार्गी संघ, एवं तपागच्छ समुदाय की कुछ सूचियाँ चातुर्मास प्रारंभ होने के 20 दिन बाद प्राप्त होने के कारण देरी का कारण बनी क्योंकि जिसका प्रारंभ हो वह ही देरी से प्राप्त हो

ता काय कसे घागे वढ सने। चानुर्मास प्रारम्भ होन क 40 दिन वाट तक भी कुछ मूर्तिपूजक, एष दिग्मन्त्र समुदाय की पूण सूची कई बार पत्र नार स्मरण पत्र नेने पर भी प्राप्त नहीं हो सकी इस कारण देरी का मकट बिना वर्षों की भांति टम वष भी रहा ही है। फिर भी सभी की सूचियाँ व्यवस्थित रूप से प्राप्त हुई है जिनके लिए हम सभी का आभार प्रगट करते हैं।

**चानुर्मास चाट का प्रकाशन**—हम विगत कई वर्षों से स्थानकवासी समुदाय के तीन गार चाट प्रकाशित करते आ रहे हैं। इस वर्ष सोजयदाताओं के आवास में हम मिक को ही चाट रना सगे हैं। प्रथम चाट बृहद् चम्बई के स्था जन चानुर्मास चाट हिन्दी भाषा में एवं द्वितीय स्थानकवासी समुदाय के अमण सप्त एष स्थानक समुदायों के चानुर्मास चाट हिन्दी भाषियों का हिन्दी भावृति में प्रकाशित किया गया है। प्रथम चाट के मौजय-दाता परिषद् के सस्थापक एवं भूतपूर्व अध्यक्ष श्री मुखनासजी सोडाजी चम्बई एवं द्वितीय चाट के मौजय दाता परिषद् के सस्थापक श्री कानीलानजी जैन (पी एच गेटरी) उम्बई है। दोनों चाट निशुन प्रान्त किये जा रहे हैं। दोनों सोजयदाताओं के हम उहल वटन आभारी हैं।

बड़े खेद एवं आश्चर्य का भाव लिखना पड़ रहा है कि बृहद् गुजरात स्था समुदाय के चाट के सोजय-दाता इस वर्ष हमें प्राप्त नहीं हो सके। कई महानुभावों से विनती करने के पश्चात् भी समाज का काम आने वाला चाट का मौजयदाता तक नहीं मिले यह एक आश्चर्य की बात है। इसलिए बृहद् गुजरात स्था चाट की प्रेस काफी तयार की हुई ऐसे ही रखी रह गयी। सम्पूर्ण भारत के स्था गुजराती समुदाय में एक भी मौजय दाता नहीं मिलना आश्चर्य की ही बात है। एक पन्ना छपाने तक विनती करने पर भी निगमा ही हाथ लगना दुःख की बात है। आशा है भविष्य में इस और अग्रयन ध्यान रखेंगे।

### मैट योजना में निराशा—

हम विगत कई वर्षों से सम्पूर्ण जन समाज के सभी समुदायों के सभी प्रमुख भाषायों, माधु-माधवीयों की सभों, सत्सभाओं को चानुर्मास सूची को पुस्तकें परिषद् की धोर से निशुक्त प्रेषित करते आये हैं परन्तु परिषद् की आधिक स्थिति काफी कमजोर होन से उपर्युक्त सभी को पुस्तकें निशुक्त भेजने में हम तब तक एवं इस वर्ष भी असमर्थ हैं हमने विनापन पत्र में एवं विगति में सूचना जारी कर दी थी कि कोई भी महानुभाव कीसप सत्सभा प्रपनी अपनी समुदायों के लिए पुस्तक मैट योजना में अपना सहयोग प्रदान कर। उनके सहयोग से हमारी आधिक स्थिति सुधर सकती है एवं सभी प्रमुख माधु-माधवीयों को पुस्तक उनकी ओर से प्राप्त हो सकती है।

परन्तु बड़े आश्चर्य एवं दुःख के भाव लिखना पड़ रहा है कि स्थानकवासी समुदाय के अनावा निमी भी समुदाय ने इस और जितकुन भी ध्यान नहीं दिया। अतः हम इस वर्ष मैट योजना में जिन जिन महानुभावों से सहयोग प्राप्त हुआ है उनको समुदायों के अनावा निमी भी समुदाय के माधु-माधवीयों को पुस्तकें निशुक्त भेजने में असमर्थ हैं। सभी समुदायों जैन श्री सबों, सत्सभाओं से नम्र निवेदन है कि यदि आप भी इस पुस्तक को प्राप्त करना चाहते हैं तो रुपये 20/- की शोध भेज कर प्राप्त कर सकते हैं। विवशता के लिए क्षमा।

### मुद्रण का कठिन कार्य—आशा निराशा फिर-आशा

चानुर्मास सूची का तैयार करने में जिनकी अठिनाई चानुर्मास सूचीया एवजित करने, सफल संपादन कार्य करना नहीं हमनी उम्मेद यही ग्यान परेशानी मुद्रण कार्य में होती है। किसी भी प्रकाशन का मुद्रण कार्य समय पर पूरा हो जाये सभी उसका प्रकाशन सफल माना जाता है। हम विगत 10 वर्षों से इस सूची का मुद्रण कार्य सम्पूर्ण मध्यप्रदेश की एकमात्र सबसे बड़ी मुद्रण नई दुनिया प्रेस इन्दौर से हो मुद्रण कार्य पूरा करवाने आ रहे हैं।

गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हम निश्चित थे कि गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी कार्य इन्दौर ही करवायेंगे। चातुर्मास प्रारंभ होने तक जितनी सूचीयां एवं प्रेस मीटर हमारे पास उपलब्ध हो सका उतना प्रेस में बम्बई से इन्दौर नईदुनिया प्रेस को मुद्रण हेतु भेज दिया, लेकिन कुछ दिनों बाद वाकी का पूरा मीटर लेकर “उज्ज्वल” इन्दौर प्रेस में पहुँचा और वहाँ प्रेस मीटर के मुद्रण कार्य के बारे में पूछताछ की तो जवाब मिला कि प्रेस में हेण्ड मोनो कम्पोज का कार्य प्रेस ने बन्द कर दिया है उसकी जगह आफ सेट कम्प्यूटर का कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस उत्तर को सुनते ही संपादक के पैरों की जमीन खिसकने लगी सोचने लगा अब क्या करें हमें तो आशा हमेशा यही रहती है कि कार्य प्रतिवर्ष वहाँ ही होता आया है और इस वर्ष भी वहाँ होगा ही। अब समय भी नहीं रहा। कार्य का किनारा पर्यपण पर्व भी समीप आने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि आफ सेट में कार्य पूर्ण हो सकता है लेकिन उसका चार्ज छपाई दुगुनी है। परिपद की ऐसी स्थिति भी नहीं कि वह यह खर्चा सहन कर सके। अब तो सारी आशाएँ पानी में मिल गयी निराशा से संपादक का चेहरा मुरझा गया। इसी चक्र में दो-तीन दिन बीत गये।

लेकिन कई व्यक्ति ऐसे भी होते हैं जो पैसा को नहीं देखकर समाज सेवा, समाज हित, धर्म जागृति, धार्मिक भावना को ही प्रमुख स्थान देते हैं हम नईदुनिया प्रेस के संचालक मण्डल को जितना धन्यवाद देवे उतना कम है उन्होंने अपना अन्य कार्य को बीच में ही रूकवा कर इस कार्य को सर्वप्रथम प्रमुखता प्रदान की और इतने वर्षों का जो प्रेम व्यवहार बना हुआ है उसे ध्यान में रखते हुए इस कार्य को समय पर पूर्ण करने की पूरी कोशिश की। उन्होंने ज्योहि इस कार्य को पूर्ण करने हेतु प्रारंभ करने का आश्वासन दिया संपादक को मानो अंधे को आँखें मिल गयी हो ऐसा लगा। उनका मन खुशी में झूम उठा। इस तरह पहले आशा फिर निराशा और अन्त में आशा की किरणें प्रगट हुई। आप अगर यह कार्य समय पर पूर्ण करके नहीं देते तो हमारा यह कार्य असफल ही रहता। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उन्होंने सिर्फ 10/15 दिनों में ही यह कार्य पूर्ण करके दिया है। लेकिन गत वर्षों की अपेक्षा ऐसी परिस्थिति में इस वर्ष का कार्य काफी महत्त्व रखता है और उन्होंने पूर्ण करके दिया है कुछ कार्य मोनो कुछ आफसेट आदि जैसे हो पाया, पूर्ण किया है।

अतः इस कार्य के पूर्ण सफल प्रकाशन के लिए नई दुनिया प्रेस इन्दौर के संचालक मण्डल एवं कर्मचारी मण्डल के हम बहुत आभारी हैं सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए बहुत-बहुत आभार प्रगट करते हैं।

हार्दिक आभारः—अतः हम सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजों, साध्वियों जी म.सा. जैन श्री संघों, हितेपी महा नुभावों, विज्ञापन दाताओं, भेंटकर्ताओं, नये सदस्यों, चतुर्विध संघों, नई दुनिया प्रेस मण्डल, एवं जयंत प्रिन्टर्स आदि का हम बहुत-बहुत आभार प्रगट करते हुए सभी से यही आशाएँ करते हैं कि भविष्य में भी इसी तरह का पूर्ण सहयोग प्रदान करते रहेंगे—इसी आशाओं के साथ।

—हम हैं आपके—

बम्बई . 25/8/82

दीपचंद भाई गार्डो  
अध्यक्ष

शांतीलाल छाजेड़ (जैन)  
महामंत्री

सम्पतराज कावडिया  
कोषाध्यक्ष



# सम्पादकोय

अ० भा० समग्र जैन चातुर्मास सूची 1992 का चतुर्दशपुष्प आपके सन्मुख प्रस्तुत करते हुए परम संतोप का अनुभव कर रहा हूँ।

इस वर्ष इस प्रकाशन के लिए मई माह में ही सूचनाएं एवं विज्ञप्ति जारी कर दी थी कि सभी पूज्य आचार्य साधु-साध्वीयों जैन श्री संघ अपने अपने होने वाले चातुर्मासों की सूचनाएं हमें शीघ्र भिजवावे। मैंने भी अवकी वार यही प्रयास किया कि चातुर्मास प्रारम्भ होने तक यह पुस्तक सभी के पास पहुँचे परन्तु इस बार भी वही हुआ जो विगत वर्षों में होता आया है। मैं चाहे कितनी ही लाख कोशिश करूँ परन्तु किसी न किसी कारण से इसका हल नहीं निकलता और यह मैंने विगत कई वर्षों से देखा भी है। कई समुदाय चातुर्मास प्रारम्भ होने के एक माह बाद तक भी अपनी सूचियाँ नहीं भेज पाते या देर से भेजते हैं तो फिर आप ही बताइये कि मैं पुस्तक कहाँ से शीघ्र प्रकाशित कर आप तक पहुँचाऊँ? क्या मुद्रण कार्य में समय नहीं लगता। फिर भी मुझे पूर्ण संतोप है कि चाहे कुछ देर से ही प्राप्त हो सभी समुदायों की सूचियाँ तो प्राप्त हो रही हैं और प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी पर्युषण तक आप तक पुस्तक प्रेषित करने में सफल हो पाया हूँ।

- \* इस वर्ष सभी समुदायों के साधु-साध्वीयों के सम्पर्क सूत्र स्थानकवासी समुदाय की तरह सभी का दिया गया है, ताकि सीधे उसी की फोटो कापियाँ करवा कर पोस्ट करने में सुविधा रहती है।
- \* अवकी वार प्रूफ रिडिंग में पूरा ध्यान दिया गया है गत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष अशुद्धियाँ बहुत कम देखने को मिलेगी।
- \* गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी आय-व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया गया है।
- \* सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजों, परिषद् के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के फोटो आफ सेट में प्रकाशित किये गये हैं।
- \* इस वर्ष कई तरह की हृदयस्पर्शी जानकारीया प्रकाशित की गयी हैं।
- \* इस वर्ष सम्पूर्ण जैन समाज की वर्तमान में प्रकाशित जैन पत्र-पत्रिकाओं की सूची पत्र अच्छी तरह से सम्पर्क सूत्र के साथ प्रकाशित की गयी है इसके साथ साथ जैन पत्र-पत्रिका सूची अलग से पुस्तक रूप में भी प्रकाशित की गयी है ताकि सूची पुस्तक के अभाव में इससे समाज अधिक लाभ प्राप्त कर सके।
- \* हमने गत वर्ष सूची पुस्तक में एक नया अध्याय "गिनिज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्ड्स" का एक उदाहरण के रूप में प्रकाशित किया था। सम्पूर्ण जैन समाज के हर वर्ग ने इस कार्य को काफी सराहनीय कार्य कदम बताया है एवं अपने अपने रिकार्ड्स भी इसमें सम्मिलित करने हेतु भिजवाये हैं। और उन्होंने इस बार भी आग्रह किया है कि इस विभाग के सभी रिकार्ड्स इस बार भी प्रकाशित करे अतः सभी के आग्रह को ध्यान में रखकर स्थानाभाव एवं समयाभाव के होते हुए भी इस बार भी स्थान दिया गया है। एवं इसकी एक अलग से भी पुस्तक प्रकाशित की गयी है ताकि सूची पुस्तक के अभाव में अधिक से अधिक महानुभाव इन्तसे लाभ प्राप्त कर सकें।
- \* मेरे इस कार्य के शुरु से ही प्रेरक अनुयोग प्रवर्तक श्रमण संघीय सलाहकार श्री कन्हैयालालजी म. सा. 'कमल' रहे हैं और आज भी हैं आपकी छत छाया में ही यह कार्य इस वर्ष भी पूर्ण हो पाया है अतः आपका भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ।



- \* गत वर्षों की नीति इस वर्ष भी सम्पूर्ण निर्देशन श्रमण सघीय प्रवक्ता श्री 'रजज' एवं उन प्रवक्ता एवं सलाहकार श्री सुकन मुनिजी मसा की छत्र छाया में ही पूर्ण हुआ है अतः आप दोनों का भाव बहुत आभारी हूँ।
- \* इस वर्ष इसके प्रस्तावना के लेखक सख्ता चातुर्मास सूचीयां पत्रिका के नाम में एवं स्या समुदाय के श्रमण सघीय आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी मसा श्री दिनेश मुनिजी मसा, मंत्री श्री सुकन ऋषीजी मसा, सभान समुदाय के श्री नवीन ऋषीजी मसा, निम के शानन प्रभावक श्री नागचंद जी मसा, धर्म श्री विनय मुनिजी मसा श्री "वार्धग" मुखेखक श्री नासक मुनिजी मसा, धर्मण मधोप उता प्रवक्ता श्री पद्मवतीजी मसा आदि, जन विश्व भाग्यी लाहू उर मुनि नपागच्छ के पयाम श्री 'वदाननभागजी मसा, आचार्य श्री राजपश सूरीश्वरजी मसा, अचल गच्छ आचार्य श्री बलाप्रभ नागर सूरीश्वरजी मसा, पयाम श्री हम भूपण विजयजी मसा, दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री विद्यामागरजी महाराज धर्म पद्म रत्न श्री रामनिवाजी मसा, जन्म बन्ना श्री भर्तृहरि मुनिजी मसा, श्रमण मधोप त्रिदुर्ग महामनाई डॉ. श्री अचनजी मसा आदि का मुझे पूर्ण सहयोग एवं साहचर्य प्राप्त हुआ है।

इन्हें अलावा भी कई पूज्य आचार्या माधु साध्वियों का मुझ पूरा सहयोग प्राप्त हुआ है यथानाभाव के कारण सभी का नाम लिखन में अक्षम है अतः आप सभी का भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ।

अबकी बार परिषद् की नींव सुदृढ़ बन रही है जिनकी, नामिक, पूता, टचनकरजी, वरगाव, जयपुर आदि शक्तों में भी जाकर आया है सभी जाहों के श्री मधों ने मुझे वहाँ जो आदर्श लेकर लिया किसी तरह की बोझ पड़ेगानी वृत्त उठाने नहीं दिया उस में सभी भूला नहीं सकता। जिनकी 'बादनी चौक' जैन श्री सप्त की सेवा जीवन भर याद रहगी वहाँ पर पूज्य श्री मुदमनलालजी मसा के प्रथम बार दर्शन कर 5 दिन प्रवचनों का लाभ लिया सभी श्री मधों ने इस कार्य के लिए काफी अच्छी सहायता में आर्थिक सहायता दिलाया। जिनकी निवासी समाज सभी श्री शशश्यामजी जन बूढाना बाले (रोहिणी) श्री रिखबख्तजी 'न (मीने) दिन्नी, ने भी मुझ काफ़ी सहयोग प्रदान करवाया एवं जलगाव में श्री प्रकाशवतीजी सुभाषचंदजी हुण्डीगल ने भी काफी अच्छा सहयोग अर्पित कर लिया है जिनकी व श्री गजश्यामजी जन (राहिणी) जिनकी बालों ने पयाम बहुत ही समय निरानकर बहुत ही अच्छी सहायता में जा सहयोग प्रदान करवाया उसीसे इनके वर्ष की स्थिति काफी सुदृढ़ रही है। इनके अलावा श्री किरणजी महता जिनकी बाला ने भी अच्छा सहयोग प्रदान करवाया अतः आप सभी का मैं हृदय में बहुत-बहुत आभार प्रगट करता हूँ।

- \* अगली बार सम्पूर्ण जन समाज के साथ कर सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकों ने भी सूची की सूचनाएं प्रदान प्रदान पत्रों में प्रकाशित कर मुझे सहयोग प्रदान किया है आपने इस कार्य में ही मेरा यह कार्य समय पर पूर्ण हुआ है अतः आपका भी मैं बहुत-बहुत आभारी हूँ।
- \* विगत 10 वर्षों की भांति इस वर्ष भी सेवा श्रमण एवं जन श्रेष्ठाम्बर कपडा मार्ट सुकन फंड धर्मशाला इन्फॉर्म में भी मैं लगभग 20-25 दिनों तक रहा उनका बहुत ही आभारी हूँ जिन्होंने वहाँ रहने की अनुमति प्रदान की अतः आपने ट्रस्टिंग का भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ।

उस सूची में किसी भी प्रकार का साम्प्रदायिक भेदभाव नहीं रखा गया है। सभी के नाम समान रूप से दिये गए हैं, इन सूची का मुख्य उद्देश्य यही है कि सभी सत-सतियों एवं समाज की सभी गतिविधियों की पूरी सहायता एवं, गतिविधियों की सही जानकारी प्राप्त हो जाय। कितने सप चातुर्मास से लाभान्वित हैं एवं सुमुमुक्षु भावों में कितनी कितनी प्रगति हुई है न कि किसी तरह से समाज के पैरों का अपव्यय कर अर्थोपाजन करना।

नईदुनिया प्रिन्टरी इन्दौर के संचालक व्यवस्थापक श्री अभयजी सा. छजलानी, श्री हीरालालजी सा. झांझरी, श्री श्रीनिवासजी सा., श्री महेन्द्रकुमारजी सा. डांगी, श्री झा साहव, एव संचालक मण्डल आदि का भी अवकी वार भी विरक्तज्ञ हैं जिन्होंने समाज हित एवं चातुर्मास का लक्ष्य ध्यान में रखकर 450 से अधिक पृष्ठों का यह ग्रंथ इतनी सुन्दर साजसज्जा, मेकअप, सुन्दर छपाई करके हमें अवकी वार भी सिर्फ 10-15 दिन में ही मुद्रित करके दिया है। इस वर्ष हेण्ड कम्पोज विभाग बन्द होने पर भी आपने छपाई का कार्य इतना अच्छा एवं जल्दी पूर्ण करके दिया, जितने पिछले वर्षों में कभी भी नहीं हुआ था। हम आपके आभार का किस तरह वर्णन करें हमारे पास शब्द नहीं है। कारण आपने हमारे कार्य को समय पर पूर्ण किया है। यह कार्य और जगह होना बहुत ही मुश्किल था। इस प्रयत्न से ही यह प्रकाशन इस रूप में प्रस्तुत हुआ है। अतः आपका भी बहुत-बहुत आभारी हूँ।

मैं यह कार्य विगत 13 वर्षों से सिर्फ सच्ची समाज सेवा हेतु ही बड़ी कठिनाईयाँ उठाकर अपारश्रमिक रूप से नियमित पूर्ण करता आ रहा हूँ। इस कार्य में किसी तरह की कोई गलती छपने में संकलन कार्य में रह गयी हो, नाम लिखने में छूट गया हो, नाम ऊपर-नीचे आ गया हो, या किसी अन्य तरह की कोई अन्य गलती रह गयी हो तो मैं चतुर्विध श्री सघ से क्षमा चाहता हूँ।

अन्त में प्रेरक अनुयोग प्रवर्तक पं. रत्न मुनिश्री कन्हैयालालजी म.सा., 'कमल', निर्देशक प्रवर्तक श्री रूप-चन्दजी म.सा. 'रजत', उपप्रवर्तक सलाहकार श्री सुकन मुनिजी म.सा. आदि सभी परम श्रद्धेय पूज्य मुनिराजों एव महासतियों जी म.सा., सभी श्री सघों, सभी स्नेही महानुभावों सभी विज्ञापनदाताओं, सभी पत्र-पत्रिकाओं परिषद् के उत्साही कार्यकर्ताओं, प्रतिनिधियों सूची के सभी शुभ-चिन्तकों, सभी प्रशंसकों, हितैषी धर्म प्रेमी बंधुओं, नईदुनिया, प्रिन्टरी (इन्दौर) एव जयत प्रिन्टरी बम्बई (चार्ट मुद्रण)—के संचालक मण्डल आदि का भी मैं बहुत-बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे हर प्रकार का सहयोग प्रदान किया है एवं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी मुझे इसी तरह पूर्ण सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

मैं अन्त. करण पूर्वक आप सभी का एवं चतुर्विध श्री सघों का भी बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ।

इसी आशा के साथ ।

बम्बई 25/8/92

आपका सेवक

बाबूलाल जैन 'उज्जवल'

संयोजक-सम्पादक

जैन एकता सन्देश पत्र में अपना साहित्य समीक्षार्थ  
अवश्य भिजवावें

# समग्र जैन चातुर्मास सूची ग्रुप 1992 के प्रकाशन कार्य पर हार्दिक आभार

- ❧ उन सभी पूज्य आचार्यों मुनिराजा एवं महात्मियों जी  
समा का जिहान हम हर तरह का सहयोग प्रदान  
किया है।
- ❧ उन सभी महानुभावा, श्री मया का, जिन्होंने चातुर्मास  
की सूचियाँ, मन्त्रों, सामग्री, सुचारु अभिमत आदि  
संस्कार हमें सहयोग प्रदान किया है।
- ❧ बम्बई, मद्रास, इंदौर, दिल्ली, नागपुर, जयपुर  
आगरा, दुय, मन्थली-बच्छ, मुरादनगर, उदयपुर आदि  
शहरों के महानुभावा का जिहान परिपद के प्रमुख  
स्वामी, मरणा, जर्जों, नमस्स यन्त्र का ग्रहण स्वीकृति  
प्रदान कर परिपद की आर्थिक नीति सुदृढ़ बनाने में सहाय-  
पूरा हार्दिक सहयोग प्रदान किया है। जिनके आर्थिक  
सहयोग ने यह कार्य संभव हो पाया है।
- ❧ उन सभी दानवीर विद्यापननामा का जिनके अथ  
सहयोग से ही यह कार्य संभव हो पाया है।
- ❧ उन सभी पुस्तक सेंट यात्रा में भाग लेने वालों एवं  
मया एवं बम्बई महानगर काट हिंदी भाषाकारों के  
मात्र पदाना का जिन्होंने हमें पूरे सहयोग प्रदान  
किया है। सेंट यात्रा में इन सब भी हम काफी सन्त-  
मिली है।

- ❧ परिपद के सभी शाखा प्रतिनिधियों का जिहान हम  
पूरा सहयोग प्रदान किया है।
- ❧ परिपद के उन सभी पत्राधारियों सम्मेलन मागदण्डों  
सहायकारों प्रतिनिधियों एवं सहयोगी नामावली का,  
जिन्होंने मन, मन, धन का हर तरह का सहयोग परिपद  
का संपन्न प्रदान किया है जिनके हार्दिक सहयोग में ही  
यह कार्य इतना संभव हो पाया है।
- ❧ उन सभी पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकों का जिन्होंने हम  
कार्य के निरंतर सहायता का पूरा सहयोग हम प्रदान किया  
है।
- ❧ नवदुर्गा प्रिंटरों, इंदौर के व्यवस्थापकों एवं उनके  
सहायियों का जिहान यह कठिन कार्य निरंतर गत  
10 वर्षों की भांति इस वर्ष भी अथ समय में पूरा करने  
में दिया है।
- ❧ उन सभी का हम इच्छा से बहुत आभार प्रगट  
करते हैं एवं आशा करते हैं कि भविष्य में भी आप इसी  
तरह का हार्दिक सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसी  
आशा के साथ—

—आपका आभारी—  
परिपद के सभी सदस्यगण

## क्षमा वीरस्य भूषणम्

सांवत्सरिक समापना

मन, वचन और काया के योग से स्वार्थ या प्रमाद के बंध होकर जाने अनजाने में यदि मैंने सभी पूज्य  
आचार्यों, मुनिराजों, साध्वियोंजी में सा श्रावक श्राविकाओं, श्री सधों आदि चतुर्विध सध  
का हृदय दुखाया हो तो उसके लिए  
सावत्सरिक प्रतिक्रमण  
करते समय जैसे सभी जीवों से क्षमा मांगी है वैसे ही हम अपने अन्तःकरण पृथक्  
आपसे भी क्षमा याचना करते हैं।

विनित -

बाबूसाहब जैन पोरवाल  
गम्पादक-पारवाल नवग्याति  
(इंदौर-मातका प्रतिनिधि)  
इंदौर

बाबूसाहब जैन 'उज्जैनवल'  
इंदौर  
गम्पादक  
दिनांक 31-8-92 समय जैन चातुर्मास सूची-जैन एकादश दश  
बम्बई

नोट-चातुर्मास सूची के कार्य में बहुत ही व्यस्त रहने के कारण सभी की अलग से क्षमा याचना पत्र नहीं लिख  
सका, अतः इसे ही मेरा क्षमापना पत्र माने।  
—सम्पादक

# अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

कार्यकारिणी सन् १९९२ के पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण

अध्यक्ष :-

श्री दीपचन्द भाई शाडी

बम्बई

उपाध्यक्ष :-

श्री एस. लालचन्द वाघमार

मद्रास

श्री विशनजी भाई लखमशी भाई शाह

बम्बई

श्री नगीन भाई विराणी

राजेकोट

श्री रिखचन्द जैन (टी.टी.)

दिल्ली

महामंत्री :-

श्री शातिलाल बी. छाजेड (जैन)

बम्बई

मंत्री :-

श्री पुखराज एस. लुकड

बम्बई

श्री जेठमल चौरडिया

बैलोगर

श्री डी.टी. सर

बम्बई

सहमंत्री :-

श्री किशोरचन्द्र वर्धन

बम्बई

श्री नेमनाथ जैन (प्रेस्टीज)

इन्दौर

श्री नृपराज जैन

बम्बई

श्री कान्तिलाल जैन (पी एच. जैन)

बम्बई

कोषाध्यक्ष :-

श्री संपतराज कावडिया

बम्बई

संयोजक-संपादक :-

श्री बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

बम्बई

मार्गदर्शक-सलाहकार :-

श्री हस्तीमल मुणोत

सिकन्दराबाद

श्री सुखलाल कोठारी

बम्बई

श्री मुभाषचन्द रुनवाल

बम्बई

श्री जशवंत भाई एस. शाह (वायोकेम)

बम्बई

श्री मोफतराज मुणोत (कल्पतरु)

बम्बई

श्री शातिप्रसाद जैन (माडवी बैंक)

बम्बई

श्री नवरत्नमल एस. मुणोत (जैन ग्रुप)

बम्बई

श्री जानराज मेहता

वैगलार

श्री प्रतापभाई चाँदीवाले

बम्बई

श्री अभयराज बलदोटा

बम्बई

श्री माणकचन्द सांखला

अजमेर

श्री माणकलाल सवानी

बम्बई

श्री हंसमुखभाई मेहता (वर्धमान ग्रुप)

बम्बई

श्री खुशीनाल दक

बम्बई

श्री जे.डी. जैन

गाजियाबाद

श्री एन. ताराचंद दुगड

मद्रास

सदस्यगण :-

श्री जम्बूकुमार भण्डारी

इन्दौर

डॉ. रामानन्द जैन

दिल्ली

श्री राधेश्याम जैन (रोहिणी)

दिल्ली

श्री ईश्वरबाबू ललवाणी

जलगाँव

श्री गौतमचन्द काकरिया

मद्रास

श्री चम्पालाल कर्नावट (रीड)

बम्बई

श्री उमरावसिंह ओस्तवाल

बम्बई

श्री जवाहरलाल लोढ़ा

पाली-मारवाड

श्री भाईलाल भाई तुरखिया

इन्दौर

श्री इन्द्रचंद हीरावत

बम्बई/जयपुर

श्री रूपराज बम्ब

इचलकरंजी

श्री रतनलाल सी. बाफना (सरफ)

जलगाँव

श्री इन्द्रसिंह वावेल

उदयपुर

श्री राणीदान चौधरा

दुर्ग

श्री शान्तिलाल दुगड

नासिक

श्री मागीलाल कटारिया

रतलाम

श्री शंकरलाल कोठारी (मोनेला)

बम्बई

श्री हंसमुखभाई मेहता (सियाणी)

सुरेन्द्रनगर

श्री उत्तमचंदभाई मेहता (टोरंटो)

अहमदाबाद

श्री राजेन्द्र ए. जैन

बम्बई

सहयोगी कार्यकर्ता :-

श्री फकीरचन्द मेहता

इन्दौर

श्री हीरालाल झांझरी (नईदुनिया)

इन्दौर

श्री महेन्द्रसिंह डांगी (नईदुनिया)

इन्दौर

श्री मोतीलाल सुराना

इन्दौर

श्री विजयसिंह नाहर

इन्दौर

श्री रामस्वरूप जैन

आगरा

श्री बाबूलाल जैन 'पोरवाल'

इन्दौर

परामर्श सहयोगी कार्यकर्ता :-

श्री एम.जे. देसाई

बम्बई

श्री रतीलाल सी. शाह "धर्मप्रिय"

बम्बई

श्री जितेन्द्रकुमार जैन

जयपुर

श्री श्रीचंद सुराना "सरस"

आगरा

श्री रसीकलाल सी. पारख

राजेकोट

श्री चंदनमल 'चाँद'

बम्बई

श्री नगीनभाई शाह 'चावडीकर'

बम्बई

श्री महेन्द्रभाई शाह

भावनगर

श्री प्रशान्त एम. झवेरी

बम्बई

# अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास

सन् 1991 वर्ष का  
(दिनांक 1-1-1991 म

सन् 1990 रपय	आय विवरण	सन् 1991 रपय
—	पुरानी बाकी शुद्ध नफा/नुनमान रहा	409-15
—	विज्ञापन एवं सदस्यता शुल्क से प्राप्त आय —	—
45,300-00	प्रधान कार्यालय बम्बई में प्राप्त आय हस्ते बाबूनाल जन उज्ज्वल	49,405-00
2,800-00	शाखा कार्यालय पानी मारवाड में प्राप्त आय हस्ते स्व श्री मुन्नालाल लाला 'मनन'	—
6,700-00	शाखा कार्यालय इंदौर में प्राप्त आय हस्ते श्री बाबूनाल जैन पोखवास	6,560-00
700-00	पूर्व अध्यक्ष श्री मुखलास कोठारी द्वारा प्राप्त आय	—
500-00	आगरा प्रतिनिधि श्री रामस्वरूप जैन के द्वारा प्राप्त आय	—
3,700-00	दुर्ग-छत्तीसगढ़ प्रतिनिधि श्री राणीदान बोहरा द्वारा प्राप्त आय	7,200-00
1,000-00	रतलाम प्रतिनिधि श्री मांगीलाल कटारिया द्वारा प्राप्त आय	2,300-00
800-00	उदयपुर प्रतिनिधि श्री इन्द्रसिंह बाबेल द्वारा प्राप्त आय	1,300-00
300-00	राजवाड प्रतिनिधि श्री रमोकाताल पारख द्वारा प्राप्त आय	—
4,100-00	सुरेन्द्र नगर प्रतिनिधि श्री हंसमुख भाई मिवाणी वाले द्वारा प्राप्त आय	—
—	परिपद के मंत्री श्री डी टी नीसर द्वारा प्राप्त आय (भेंट सहित)	3,100-00
—	श्री स्वा जैन श्री सप्त प्रागपुर-कच्छ द्वारा प्राप्त आय	5,800-00
—	मुजफ्फर नगर प्रतिनिधि श्री विनाय कांत जैन द्वारा प्राप्त आय	1,000-00
65,900-00		77,074-15
27,900-00	पुस्तक भेंट योजना से प्राप्त आय — चातुर्मास सूची पुस्तकें भेंट की, उनका आय का प्राप्त	11,700-00
5 502-00	आर्थिक सहयोग प्राप्त — चातुर्मास के उपरान्त एवं अन्य प्रसंगा पर सहयोग साभार प्राप्त	1,038-00
11,650-00	पुराने वर्षों की बकाया राशि प्राप्त हुई — पुराने वर्ष 1989 एवं 1990 की बकाया राशि प्राप्त आय	10,400-00
1,395-00	चातुर्मास सूची पुस्तकों की बिक्री से प्राप्त आय — इंदौर -471-00, बम्बई -1,275-00 (योग -1,746-00)	1,746-00
1,12,347-00		1,01,958-15
—	शुद्ध नुकसान रहा जो आगामी वर्ष के लिए रखा गया	14,498-85
1,12,347-00	कुल योग	1,16,457-00

नोट—बम्बई सदस्यी एवं विज्ञापनदाताओं से लगभग 25,000/- रुपये का चेक आना बाकी रहा जो आगामी वर्षों में सम्मिलित किया जायेगा। बाजार, छपाई, पोस्टेज एवं मजदूरी के भाव बढ़ जाने के कारण कार्य करना बहुत भारी पड़ रहा है। आगामी वर्षों में प्रकाशन कार्य आफमेट पर ही करना पड़ेगा जो बहुत खर्चीला रहेगा।

बम्बई  
15-12-1991

बोधचंद भाई गाडों  
अध्यक्ष

सम्पतराज कावडिया  
कोषाध्यक्ष

# सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

## आय-व्यय का विवरण

31-12-91 तक)

सन् 1990 रुपये	व्यय विवरण	सन् 1991 रुपये
9,298-85	पुराना शुद्ध नुकसान रहा	—
37,730-00	समग्र जैन चातुर्मास सूची एवं जैन एकता सन्देश 1991 प्रकाशन कार्य व्यय:- छपाई खर्च खाता:-मेसर्स नईदुनिया प्रेस, इन्दौर एवं जयन्त प्रिन्टर्स, बम्बई को चातुर्मास सूची, जैन एकता सन्देश पुस्तकें छपाई का दिया	38,117-00
23,346-00	कागज खर्च खाता:-पुस्तकों के लिए इन्दौर एवं बम्बई से कागज खरीदा उसका बिल का दिया	20,362-00
4,221-00	ब्लॉक खर्च खाता:-फोटो के ब्लॉक बनवायी के दिये	3,176-00
3,510-00	स्टेशनरी खर्च खाता:-स्टेशनरी, कागज, रफपेड, कार्बन, पेन, पोस्टर, विज्ञापन पत्र छपाई, जेरोक्स, साइक्लोस्टाइल्स, टाइपिंग लिफाफे, गोंद आदि स्टेशनरी का खर्चा	4,290-00
15,640-00	पोस्टेज खर्च खाता:-चातुर्मास सूची पुस्तकें (दो) जैन एकता सन्देश अंक, दो चार्ट, विज्ञापन पत्र, सूचना पत्र, पोस्ट सूचनाएँ, रजिस्ट्री, पोस्टेज स्टाम्प आदि का खर्चा	23,728-00
1,380-00	पत्र-पत्रिका शुल्क खर्च खाता:-जैन समाज की लगभग (75) पत्र-पत्रिकाओं का वार्षिक शुल्क	2,115-00
6,460-00	यात्रा-प्रवास खर्च खाता:-इन्दौर प्रेस में मुद्रण कार्य हेतु 20-25 दिनों तक दो व्यक्ति रहकर कार्य किया, वहाँ का धर्मशाला, भाड़ा, रिक्शा भाड़ा, भोजन, एवं प्रेस में परचून खर्चा, विज्ञापन हेतु कई शहरों के प्रवास आदि का खर्चा	10,249-00
610-00	फोरवार्डिंग खर्चा:-इन्दौर से बम्बई, बम्बई से इन्दौर, एवं अन्य शहरों में सामान, पुस्तकें भेजी उसका ट्रांसपोर्ट आंगडिया का खर्चा	845-00
—	टेलीफोन तार खर्च खाता:-कई जगह तार एवं टेलीफोन किये उसका खर्चा	686-00
355-00	बैंक खर्च खाता:-बैंक चैक क्लियरिंग, ड्राफ्ट, टी.टी. आदि का खर्चा हुआ	915-00
5,509-00	शाखा कार्यालय खर्च खाता:-इन्दौर शाखा कार्यालय वेतन एवं अन्य खर्चा का	6,229-00
3,878-00	मेधावी विद्यार्थी अभिनन्दन एवं सम्मान समारोह खर्चा:- परिषद् द्वारा राजस्थान प्रान्त में सवाई माधोपुर, कोटा, बूंदी, टोंक जिलों एवं मध्यप्रदेश के इन्दौर शहर के जैन समाज के लगभग 300 मेधावी विद्यार्थियों एवं समाज गौरव सम्मान अभिनन्दन समारोह में सभी को अभिनन्दन-पत्र एवं पारितोषिक प्रदान किये उस समारोह का खर्चा	5,015-00
—	परचून खर्चा	730-00
1,11,937-85		1,16,457-00
409-15	(नफा) शुद्ध नफा/नुकसान रहा जो आगामी वर्ष के लिए रखा गया	—
1,12,347-00	कुल योग	1,16,457-00

शांतीलाल छाजेड़ (जैन)  
महामंत्री

पुष्पराज एस लुंकड  
जैठमल चौरडिया  
डी.टी.नसीर  
मंत्री

बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल'  
संयोजक-सम्पादक



उग्र तपस्वी श्री प्रतापभाई भूराभाई गांधी-  
चादी वाला, मुम्बई.

## सम्मान पत्र

"तप ए आत्मा ना भूमि पर रहता कम शत्रुनो नारा करता  
माटे नु अमोघ शस्त्र छे"

जो सूत्र न आत्ममात्र वर्तमान आप नि म 1981 ना जैष्ठ शुक्ला 10 ना मंगलशुभे आ जगन ठगर  
पूचना धर्मो ने क्षय करता मानव रूप अनर्था पूव ना पुण्यादय पिता श्री भूराभाई तपस्वीना सम्मान न  
धारमाना पामी आपे पण नानी बंध थी ज तपश्चया नी शुभान करेल बि सं 2020 थी 2030 सुधी 11  
बप वैशाखवाडी भा तेमज वि म 2031 थी म 2047 ऐटने 18 बप बालवैश्वर उपाश्रय मा नानी माटी  
तपश्चर्या करेल । आत्मबल जन आत्म विस्वाम ऐ आपनी महामूर्ती मूर्डी हावा थी आप हावाश्रिटीज जेवु दद  
हावा छता मन्त्रम पणे तपश्चर्या चानु गम्भी एव वे नही पण गोल सोल मासखमण नी महान तपश्चर्या करेन  
जे टा सुरंग महत्तलिया म्पयानीन्ट माटे जापचय नी यात बनी रही, अने तेमना शब्दी भा तबीबी बितान माटे  
भा वाडयानो विपय बनी गयन छे । जा आपनी धम तरपनी निष्ठा, श्रद्धा, भक्तिगी, क्षात्री करये छे । अप  
मापाल, अमण, यमात, गाडल श्रियापुरी धगेर विविध सम्प्रदाय ना साधु-नाथीनी निश्चा मा मासखमण  
उत्कृष्ट तपश्चर्यामा करीछे नि म 2041 मा आपने 25 मा उपशान दद हावा छता अन दरेक नी पारणा  
माटेनी बिनती हावा छता आप मासखमण नी तपश्चर्या पूण करेल हती । आपना कुटुंब माथी पण आपना धम  
पति थी लईने नानी अथना मुनीता येन पण मासखमणनी तपश्चर्या करी हती । अन दरेक कपे आपना कुटुम्ब  
माथी छ नान कुटुम्बा जनानी तपश्चर्या हाय जछे । जा आपनी तपश्चर्या अने धम निष्ठा ना प्रभाव छे । तेम  
काई शका नथी ।

आप आपनी मुन्दर तपश्चर्याजा माथे बालवैश्वर सप नु मश्री पदे जोभावा छो । माधु सतानी वैया बच्चा  
करा छ । मुगन जन अनुपपादान मा माधुरे-रहबो छो । साथे साथे मामाधिय प्रनित्रमण व्याख्यान आदि न  
जीवन मा बणी हया छ । अनजा बहु व्यावहारिक धम ने माचबना करा छ ऐ आपना गुणोनी विभिष्ठता छे ।  
मुनई मा दीशार्थीया न चादीनु नारियल तथा चादीनी माला ऐ पण आपणा नग्न थी ज ।

—तपश्चर्या धमना आगधना वैया वच्च पान, व्यवहार धम आ बधाना मयम रूप आप श्री प्रतापभाई  
भूराभाई गांधी चानी वाला नेमज परिवार न हमारा बदन ।

—आजे तारीख 28-6-1992 रविवारना राज जा उत्पन्न भवना द्वितीय वापिकामव मेवारम मा आ  
सम्मान ५७ माननीय श्री हममुख भाई श्रीरामजी अजमेरा ट्रस्टी गाराडिया नगर उपाश्रय ना शुभ हस्त आपना  
कर कमल मा मुक्ता अमे मवे रूप तमज गारव नी सावणी अनुभववीये छोऐ अने हाम नाचना भवी । ऐ छोऐ  
क दीध-वान मुधी-आपना-मुदर-स्वास्थ्य-माथे-जासन देरी हवा सदाय आपनी ऊपर करमती रहे ।

नोट—श्री प्रतापभाई गांधी चादी वाला ऐ जा क्रमानुसार उपवास तप तरीन नामननु नाम गारवत वनाछे—

उपवास मन्था— 8/7—9/2—11/1—13/1—14/1—17/1—20/1—30/16

बेटा नी बहन— सलाहकार ममिनी-होदोदारा-वाल-नालिकाओ (सोल मासखमण)

एजे आपना नम श्री बृह्म मुनई जन शाना उत्तरी मय, घाटनेपर मुनई

# समग्र जैन सम्प्रदाय तुलनात्मक तालिका 1992

(1) श्वे. स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय

(1) श्रमण संघ :

श्रमण संघीय आचार्य श्री देवेन्द्रमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म.सा.

क्र.सं.	प्रान्त का नाम	आचार्य	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाँजी	कुल ठाणा
1.	राजस्थान	1	50	53	172	225
2.	तमिलनाडु	—	5	6	14	20
3.	कर्नाटक	—	8	17	19	36
4.	महाराष्ट्र	—	46	36	144	180
5.	उत्तर भारतीय प्रांत	—	69	60	237	297
6.	मध्यप्रदेश	—	25	22	77	99
7.	आन्ध्रप्रदेश	—	2	5	—	5
8.	गुजरात	—	2	2	6	8
	अन्य संत-सतियाँ	—	7	5	2	7
कुल योग		1	214	206	674	880

(2) स्वतन्त्र सम्प्रदाय :

क्र.सं.	सम्प्रदाय का नाम	आचार्य	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाँजी	कुल ठाणा
1.	आचार्य श्री नानालालजी म.सा.	1	51	40	254	294
2.	ज्ञान गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म.सा.	—	59	39	280	319
3.	आचार्य श्री हीराचन्दजी म.सा.	1	10	13	34	47
4.	आचार्य कल्प श्री शुभचंदजी म.सा.	—	12	6	34	40
5.	प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म.सा.	—	4	6	11	17
6.	प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शनलालजी म.सा.	—	6	25	—	25
7.	नपस्वी रत्न श्री मान मुनिजी म.सा.	—	7	5	21	26
8.	स्व. उपाध्याय श्री अमरमुनिजी म.सा.	2	7	12	10	22
9.	श्री नव ज्ञान गच्छ (नया) समुदाय	—	7	7	5	12
9.ग.	श्री वर्धमान वीतराग संघ (नया) समुदाय	—	1	3	—	3
	अन्य समुदाय के संत-सतियाँ	—	11	14	3	17
कुल योग		4	175	170	652	822



## (3) बृहद् गुजरात सम्प्रदाय

क्र.सं.	सम्प्रदाय का नाम	जाचाय - 1	चातुर्मासिक मूल्य	मन	मतिपात्री	कुल ठाणा
10	श्री गाडल मोटा पक्ष सम्प्रदाय	—	56	21	246	267
11	श्री लिम्बडी मोटा पक्ष सम्प्रदाय	—	61	19	239	258
12	श्री दरियापुरी आठ कोटी सम्प्रदाय	1	28	13	118	131
13	श्री लिम्बडी (सघवी) गोपाल सम्प्रदाय	1	20	13	114	127
14	श्री कच्छ आठ कोटी मोटा पक्ष सम्प्रदाय	—	28	16	76	92
15	श्री कच्छ आठ कोटी नानी पक्ष सम्प्रदाय	—	13	22	34	56
16	श्री खभात सम्प्रदाय	1	9	9	35	44
17	श्री बोटा सम्प्रदाय	—	11	4	46	50
18	श्री गाडल सघाणी सम्प्रदाय	—	8	1	32	33
19	श्री धरवाला सम्प्रदाय	—	5	6	11	17
20	श्री सायला सम्प्रदाय	—	1	2	—	2
21	श्री हालारी सम्प्रदाय (नया)	—	2	2	4	6
22	श्री वधमान सम्प्रदाय (नया)	—	—	1	5	6
	अन्य मत-मतियाँ	—	3	2	2	4
कुल योग		3	249	131	962	1093

## अ भा स्थानिकवासी जैन सम्प्रदाय कुल सत-सती सक्षिप्त तालिका 1992

	1992			1991 1990 1989 1988 1987					
समुदाय	जाचाय	चातु	मत	मतिपात्री	कुल ठाणा प्रतिशत	कुल	कुल	कुल	कुल
धर्मपक्ष	1	214	206	674	880 32%	975	910	937	926 883
स्वतंत्र समुदाय	4	175	170	652	872 29%	798	780	773	766 766
बृहद् गुजरात सम्प्रदाय	3	249	131	962	1093 39%	1080	1048	1053	1023 1022
	■	638	507	2288	2795 100	2853	2738	2763	2715 2671

नोट — 1992 में धर्मपक्ष के लगभग 150 माधु-माधवियों की जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी।

## अ. भा. श्वे. मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदायों की तालिका 1992

## (1) तपागच्छ समुदाय

क्र. सं.	समुदाय का नाम	आचार्य	वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य	चातुर्मास मुनिराज साध्वियाँजी	स्थल	कुल ठाणा
1.	श्री विजय प्रेम सूरिस्वरजी म.सा. (प्रथम भाग)	(20)	श्री विजय महोदय सूरिस्वरजी म.सा.	138	237	459
1ए.	श्री विजय प्रेम सूरिस्वरजी म.सा. (भाग द्वितीय)	(13)	श्री विजय भुवन भानु सूरिस्वरजी म.सा.	66	178	181
2.	श्री विजय नेमी सूरिस्वरजी म.सा.	(17)	श्री विजय मेरू प्रभ सूरिस्वरजी म.सा.	92	190	380
3.	श्री सागरानंद सूरिस्वरजी म.सा.	(8)	श्री दर्शनसागर सूरिस्वरजी म.सा.	144	106	683
4.	श्री धर्म विजयजी म.सा. (डेहलावाला)	(6)	श्री विजय राम सूरिस्वरजी म.सा. (डेहलावाले)	54	34	190
5.	श्री विजय वल्लभ सूरिस्वरजी म.सा.	(2)	श्री विजय इंद्रदत्त सूरिस्वरजी म.सा.	57	47	209
6.	श्री बुद्धिसागर सूरिस्वरजी म.सा.	(6)	श्री सुबोधसागर सूरिस्वरजी म.सा.	30	52	97
7.	श्री विजय नीति सूरिस्वरजी म.सा.	(3)	श्री विजय अरिहंत सिद्ध सूरिस्वरजी म.सा.	92	47	374
8.	श्री विजय लब्धि सूरिस्वरजी म.सा.	(11)	श्री विजय जिनभद्र सूरिस्वरजी म.सा.	37	50	185
9.	श्री मोहनलालजी म.सा.	(1)	श्री चिदानंद सूरिस्वरजी म.सा.	21	15	37
10.	श्री विजयमोहन सूरिस्वरजी म.सा.	(6)	श्री विजय यशोदेव सूरिस्वरजी म.सा.	55	45	210
11.	श्री विजय भक्ति सूरिस्वरजी म.सा.	(5)	श्री विजय प्रेम सूरिस्वरजी म.सा.	47	61	184
12.	श्री विजयकनक सूरिस्वरजी म.सा.	(1)	श्री विजय कलापूर्ण सूरिस्वरजी म.सा.	70	24	373
13.	श्री विजय सिद्धी सूरिस्वरजी म.सा. (बाणजी म.)	(3)	श्री विजय भद्रकर सूरिस्वरजी म.सा.	16	23	350
14.	श्री विजय केशर सूरिस्वरजी म.सा.	(1)	श्री विजय हेमप्रभ सूरिस्वरजी म.सा.	52	32	175
15.	श्री विजय हिमाचल सूरिस्वरजी म.सा.	(1)	श्री विजय लक्ष्मी सूरिस्वरजी म.सा.	25	15	75
16.	श्री विजय शक्ति चन्द्र सूरिस्वरजी म.सा.	(4)	श्री विजय भुवनशेखर सूरिस्वरजी म.सा.	25	25	120
17.	श्री विजय अमृत सूरिस्वरजी म.सा.	(1)	श्री विजय जितेन्द्र सूरिस्वरजी म.सा.	4	4	17
कुल योग (107)				1025	1185	4299
						5484

न म	समुदाय का नाम	आबादी	वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आबादी	जागृमति मुनिराजें साध्वियाजी कुल स्थल	कुल ठाणा
2	श्री जयल गच्छ समुदाय	( 2 )	आबादी श्री गुणोदयसागर श्रीश्वरजी म मा	90	42 200 212
3	श्री यत्तर गच्छ समुदाय	( 1 )	आचार श्री बिग उदयसागर श्रीश्वरजी म मा	64	21 195 216
4	श्री विन्धुति गच्छ समुदाय (भाग प्रथम)	( 1 )	आबादी श्री हेमेश श्रीश्वरजी म मा	10	13 38 51
4a	श्री विन्धुति गच्छ समुदाय (भाग द्वितीय)	( 1 )	आबादी श्री विजय जयसतेन श्रीश्वरजी म मा	21	24 69 93
4बी	श्री विन्धुति गच्छ समुदाय (भाग तृतीय)	( 1 )	आबादी श्री लखि श्रीश्वरजी म मा	2	6 — 6
5	श्री पाव चंद्र गच्छ समुदाय	( — )	मुनि श्री रामचंद्रजी म मा	29	11 71 82
6	श्री विमल गच्छ समुदाय	( — )	पत्न्यास श्री प्रद्युम्न विमलजी म मा	13	4 11 45
	अन्य गच्छ समुदाय	( 2 )	आबादी श्री जान दशन श्रीश्वरजी म मा	2	9 — 9
		( 6 )		231	130 611 711

श्री मतिपूजन सम्प्रदाय का कुल योग

( 117 ) 1256 1315 4913 6229

### अ भा समग्र जन सम्प्रदायों के साधु-साध्वियों की कुल संख्या 1992

	1992 में कुल	1991, समग्र जन	1991 में सम्प्रदायों के कुल में पतिव्रत	1990 में कुल ठाणा	1989 में कुल ठाणा	1987 में कुल ठाणा					
कुल चातुर्मास मुनिराज पातिव्रती		कुल	कुल	कुल	कुल	कुल					
आचार्य स्थल ठाणा		ठाणा	ठाणा	ठाणा	ठाणा	ठाणा					
श्री मूर्तिपूजन	117	1256	1315	4913	6228	61%	6501	5772	5560	5175	
श्री स्थानवासी सम्प्रदाय	8	638	507	2288	2795	28%	2853	2728	2763	2715	2671
श्री नेरापथी सम्प्रदाय	2	123	117	548	695	7%	702	719	712	728	707
विश्वम्बर सम्प्रदाय	38	121	215	178	123	4%	374	355	355	365	363
कुल योग	165	2138	2211	7927	10111	100%	10424	9974	9602	9565	9216

*With Best Compliments From:*



**SHRI KHARTARGACHCHA SANGH**

**c/o Shri Shantiprashad  
Jain**

**4-F-2 (A) COURT CHAMBERS,  
35, NEW MARINE LINES,  
BOMBAY-400020 (MAH.)**

**TELEPHONE NO.—299979 / 311067 / 2862983**

**TELEX NO.—011-6805 SIVA IN**

**FACSIMILE NO.—259808**

गुरु हस्ती के दोऊ फरमान ।

सामायिक स्वाध्याय महान ॥

श्री रत्नवंशीय सप्तम पट्टधर, सामायिक स्वाध्याय के प्रेरक, इतिहास भार्ताण्ड,  
भारिन्न चूडामणि, परम पूज्य गुरुदेव स्व आचार्य प्रवर श्री हस्तीनलजी  
म सा को कोटि-कोटि वन्दन, हादिक अद्वा सुमन

एष

वर्तमान में रत्नवंश के अष्टम पट्टधर, आगमज्ञ, प रत्न, परम पूज्य गुरुदेव आचार्य  
प्रवर श्री हीराचन्द्रजी म सा एष परम पूज्य उपाध्याय श्री मानचन्द्रजी म सा  
एष रत्नवंश के सभी सत-सतियों का 1992 वर्ष का चातुर्मास सभी  
धार्मिक प्रवृत्तियों से सकल, यशस्वी, ऐतिहासिक बनने की  
मंगल कामनाएं करते हुए —



KALPATARU

222888  
222833  
244123

**KALPATARU GROUP OF COMPANIES**

111, Maker Chambers IV, 11th Floor, 221, Nariman Point  
BOMBAY 400 021 (MH)

— शुभेच्छुक —

**मोफतराज मुणोल**

अध्यक्ष

म सा श्री जैन रत्न हितियों आवक सम  
(जोधपुर)

ज्ञान गच्छाधिपति, तपस्वीराज परमपूज्य गुरुदेव श्री चंपालालजी मसा. एवं श्रुतधर पूज्य श्री ब्रकाश मुनिजी मसा. आदि ठाणाओ (7) का सांचौर (राज.) में 1992 वर्ष का चातुर्मास, ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य एवं तप की आराधनाओ से ओत-प्रोत बने, तपस्याओ की बखी लगे एवं यशस्वी ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करत हुए !

*With best compliments from :*



Telex : 011-84088 BYKM IN  
Cable : 'MULTIBIO'  
Telefax : 91-(022) 2870044

Tel. : Off. : 2085534-2085430  
2085457  
Resi. : 484223-485947

## **Biochem Pharmaceutical Inds. Biochem Pharmaceuticals Pvt. Ltd.**

Audun Bldg. 1st Dhobi Talao, Post Box No. 2217  
BOMBAY-400002 (India)



शुभेच्छुक :

### **जशवंतलाल एस. शाह**

चेयरमेन एन्ड मेनेजिंग डायरेक्टर

अध्यक्ष :

श्री अ.भा. ज्ञानगच्छ भाषक संघ, जोधपुर,  
श्री अ.भा. सुधर्म भाषक समिति (ज्ञानगच्छ), जोधपुर  
श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संस्कृति रक्षक मंज, सेवाना  
श्री सुधर्म प्रचारक मण्डल, गुजरात भाषा, अहमदाबाद

हम समाज को जोड़ेंगे, हमने यह व्रत धारण है।  
जैन समन्वय और एकता, यही हमारा नारा है ॥



हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

साहित्य- 274515/272426  
275620/274584  
नियाम-4942409/4936177

किशोरचंद्र एम. वर्धन

**वर्धमान बिल्डर्स (इन्डिया)**

हिन्द महाराष्ट्र कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

222, कॉमर्स हाऊस, नगोनादाम मास्टर रोड,

फोट, बम्बई-400 023 (महाराष्ट्र)

With best compliments from :

Abhayraj Baldota 卐 Narendra A. Baldota

FOR

IRON ORE

CONTACT

**MINERAL SALES PRIVATE LIMITED**

**Producers of high grade and  
super high grade Iron ore**



*Regd. Office :*

**Baldota Bhavan, 1117, Maharshi Karve Road, BOMBAY-400020**

Phone : 290989/319762

Telegram : HEMATITE



*Branch Office :*

**Co-operative Colony, Hospet (Karnataka) 583203**

Phone : 8402/8878/8591

Telegram : HEMATITE



जय महावीर

जय आनन्द

जय वल्लभ

श्रवण तृतीय मन्वा प रत श्री कुन्त ऋषीजी ममा आनि आभावा ३ का कार-बम्बई में  
मन 1982 का चातुर्वर्षिक सौम्यामय मान-सम्पन्न होने को मंगल कामनाएं करते हुए ।

हादिक शुभकामनाओं के साथ—

फोन { आदिस-2087782, 818827  
निवास-8185178

# VISHAL AGENCY (P.H. JAIN)

Authorised Agents & Stockists for  
All States Government Lotteries

कार्यालय—

बोटावाला भिन्डन, 1 मन्वा 651 गिरगांव राह, कालवादेवी, पोस्ट आदिस व नजदीक  
बम्बई-400002 (महाराष्ट्र)

अभेच्छक

कान्तीलाल जैन

स्पेशल एक्जीक्यूटिवम मजिस्ट्रेट (SEM)

अध्यक्ष

अभा भवे स्या जैन वान्क्रेन्स-दिल्ली  
(बम्बई शाखा)

विश्वस्य ट्रस्टी

मिर्जाचलम् चेरिटेबल ट्रस्ट  
पूणे

निवास स्थान—

एन्पीनस्ती, 1 मन्वा, लाखण्ड वाला काम्पलेक्स 4 वी फ्लाटनेज, समथनगर,  
बेंगलूर (कर्नाटक) बम्बई-400058

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

फोन { आफिस 6092412  
6092468  
निवास 6092831

## श्री ओस्तवाल बिल्डर्स प्रा. लि.

ए-11 शान्ती गंगा अपार्टमेंट्स रेलवे स्टेशन के सामने,  
भायन्दर (पूर्व) जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 401 105

हमारे यशस्वी सफल निर्माण प्रोजेक्ट—

- 卐 ओस्तवाल अपार्टमेंट्स भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल निकेतन, भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल पेलेश, भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल कुंज, भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल महल, भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल पार्क, (45 बिल्डिंग), भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल टावर (4 बिल्डिंग), भायन्दर

हमारे नये निर्माणाधीन प्रोजेक्ट---

- 卐 ओस्तवाल कार्मशियल सेंटर (7 बिल्डिंग), भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल नगर (20 बिल्डिंग), भायन्दर
- 卐 ओस्तवाल कॉलोनी (35 बिल्डिंग), भायन्दर

—शुभेच्छुक—

**उमरावसिंह ओस्तवाल**

संजी—श्री साधुमार्गी जैन संघ—बम्बई

अध्यक्ष—अ.भा. साधुमार्गी ज्ञानता गुहा संघ, रतनाम

धमम भगवति महावीर का जन्म गद्ग

जीओ जीर जीने दो

Live and Let Live

- भगवत महावीर -

- Bhagvan Mahavir

इस धरती पर हर प्राणी को जीने का अधिकार है।

'जीओ और जीने दो सबको' जिन प्राणी ना मारें हैं।

हाविक शुभकामनाओ सहित

स्वर्ण जयंती वष



# सवान्नी ट्रांसपोर्ट लिमिटेड SAVANI TRANSPORT LIMITED

सर्वोत्तम सेवा विप्रगुण नाम—

"उद्योग रत्न अवाहं विभक्ता"

प्रधान कार्यालय

क्षेत्रीय कार्यालय

ब्राह्म शापिण मटर, डॉ. आबेष्टकर राट,  
वा.वा.न. 5612

60, बम्बू चेंदटा स्ट्रीट,  
मद्रास-600001 (तमिलनाडु)  
दूरध्वनि-515282, 515421  
510830, 514423  
ग्राम 'LUGGAGE'

द्वारा, बम्बई 400014 (महाराष्ट्र)

दूरध्वनि-1125640, 11  
ग्राम SAVANISION

सम्पूर्ण भारत में 400 शाखा कार्यालयों के साथ हम निम्न राज्यों में आपकी सेवा कर रहे हैं—  
दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, बर्मा, केरल, पश्चिमी बंगाल,  
उत्तरप्रदेश, हरियाणा, बिहार, पंजाब, उड़ीसा, पाकिस्तान आदि  
50 मान में राष्ट्रीय के लिए ट्रान्सपोर्ट सेवाएं।

—संयोजक—

एस. एस. एस. जैन

बालल जैन, मद्रास

With best compliments from :



Phone : Office—71507, 74002  
Resi —70053

Gram : PITHERJI

**JETHMAL CHORDIA**

**SECRETARY**

**A.I.S.J. Chaturmas Suchi Prakashan Parishad  
BOMBAY**



**Mahaveer Drug House**

**Mahaveer Mansion, No. 45, 5th Cross, Gandhinagar  
BANGALORE-560 009  
(Karnataka)**

*With best compliments from :*

# SHREE NITYANAND STEEL ROLLING MILLS

Re-Rollers of Mild & Special Steel Rounds, Flats,  
Squares, Hexagons, Octagons, CTD Bars  
Sections & Structural

TRANSWORLD TRADE FARE GOLD MEDAL  
SELECTION AWARD



Office •

3rd, Darukhana Lane,  
BOMBAY-400 010



Works :

Kotwalwadi, Neral,  
Dist. Raigad-410 101

Phones Sales—8726192 8724054 Works—38 & 88

With best compliments from :

# DUGAR INVESTMENT LIMITED

Regd. Office : 'Dugar Towers'

123, Marshalls Road, Egmore

**MADRAS-600 008 (T. N.)**

Phone No. : 88 35 35

Telex : 041-6670 DUGRIN,

Grams : "DUGFINANCE"

Fax : 044-881122

HIRE PURCHASE	LEASING	PROPERTY DEVELOPMENT	PUBLIC DEPOSITS
Adayar (Madras)			
Mount Road (Madras)	831888	Ernakulam	369515
T. Nagar (Madras)	441541	Gudur	830
Bangalore	585744	Nellore	27576
Calicut	63344	Salem	68769
Coimbatore	37867	Secunderabad	846006
Delhi	3266681	Visakapatnam	46581

Dr C. ANNA RAO  
Chairman

N. TARACHAND DUGAR  
Managing director

# सभी पूज्य आचार्यों, संत-सतियो को कोटि-कोटि वन्दन

## दीपचन्द भाई गार्डी

अध्यक्ष जभा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन

परिपद् धर्मार्थ

उपा, किरण, केरमाईल रोड,

पेडर रोड, धर्मार्थ-400026 (महाराष्ट्र)

फोन नं - 1945431 1945270

## सुखलाल कोठारी

पूर्व अध्यक्ष - अभा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन

परिपद् धर्मार्थ

नूतन पर्नीचर भाट

3 रा रोड, रेलवे स्टेशन के सामने

व्हाग रोड (वेन्ट) धर्मार्थ-400052 (महाराष्ट्र)

फोन नं 6483919 6483081

निवास 6498328

## जवाहरलाल लोढा

संस्थापक भागदशक सदस्य अभा समग्र जन चातुर्मास

सूची प्रकाशन परिपद् धर्मार्थ

वीर प्रिंटिंग प्रेस

मुराना मार्नेट के पास

पाली मार्गवा-306401

फोन नं 20388 21008

## सरदारमल मुणोत

नवरत्नमल एस जैन

भागदशक सदस्य अभा समग्र जन चातुर्मास सूची

प्रकाशन परिपद् धर्मार्थ

जैन धर्म पोशक चैतन्य, कम नं 60, 3 माला,

एम ए ब्रेनवी रोड, जम भूमि प्रेस के पास,

फाट धर्मार्थ 400001 (महाराष्ट्र)

फोन नं ऑफिस 253248, 290201

निवास 3682661, 3681070

## नगीनभाई रामजीभाई विराणी

उपाध्यक्ष अभा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन

परिपद् धर्मार्थ

विराणा विला, दिवानपुरा, मेनराट

पो बा 7 136, राजकाट 360001 (गुज)

फोन नं 28526, 25137

## एस. लालचंद वागमार

उपाध्यक्ष अभा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन

परिपद् धर्मार्थ

80, आयड्या नावड स्ट्रीट

माहूवार पठ, मद्रास-600079 (तमिलनाडु)

फोन नं ऑफिस 522605, 522066

निवास 6423271, 6426223

## माणकचंद साखला

भागदशक सदस्य अभा समग्र जन चातुर्मास सूची

प्रकाशन परिपद्

साखला भवन, 177/24, लक्ष्मी मण्ड्री

वदिर यशाय के पीछे, अंगेर-305001 (राजस्थान)

५

रत्नलाल भवरलाल साखला

5 "नवगुप्त" तीन बत्ती, बालकेश्वर,

धर्मार्थ-400006 (महाराष्ट्र)

फोन 3670761, 3621655

## ज्ञानचंद धर्मचंद वेताला

धर्मचंद वेताला

संस्थापक सदस्य अभा समग्र जन चातुर्मास सूची

प्रकाशन परिपद् धर्मार्थ

मोटर फाइनर्सियल

ए टी रोड, गोहाटी 781001 (आसाम)

फोन नं ऑफिस 27217

निवास 28157

सभी पूज्य आचार्यों साधु साधितयों को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभ कामनाओं सहित :



श्रेष्ठ बाँध काम के निर्माता

**वर्धमान ग्रुप एवं निर्माण ग्रुप**

**इन्जिनियर्स एवं बिल्डर्स**

40-41 विशाल शॉपिंग सेंटर, सर एम.बी. रोड,

अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व)

**बम्बई - 400 069 (महाराष्ट्र)**

फोन न. 637 7333 - 632 9917 - 632 3625

**ओनर्स हसमुखराय वनमालीदास मेहता**

फोन : 514 8948, 5150244

**लक्ष्मीचंद सावलचंद वर्धन**

फोन : 632 9873

**अमृतलाल जवाहरलाल जैन**

फोन : 828 2238



सभी पूज्य आचार्यों, सत-सतियोजी को कोटि-कोटि वन्दन

हादिक शुभकामनाओ सहित

**जगन्नाथ लक्ष्मीनारायण जैन**

मु पोस्ट गम्भीरा, चाया घमुण मुद,

जिला-सवाई माधोपुर (राज) 322001

**लड्डूलाल धर्मचंद जैन**

बीप का बरवाहा-322 702

जिला सवाई-माधोपुर (राज)

**बाबूलाल जैन "उज्जवल"**

मयोजक -अ भा समग्र जैन धातुर्मास सूची

प्रकाशन परिषद, बवाई

105, मित्रमि अपार्टमेंट्स, लाहुरी, नॉन राड न 1

नादियारी (पूब) बम्बई-400101 (महा)

फोन न 6891279

**उज्जवल इन्टरप्राइजेज**

रिस्ट्रीब्यूटम भारीवास पेनबाम बम्बई

प्रो बाबूलाल सोभाग्यमल जैन

शिव मन्दिर, दुबान न 3, टाक राड, स्टेशन बजरिया

सवाई-माधोपुर 322001 (राज)

**दिपेशकुमार बाबूलाल जैन**

11, पचावनबाड़ी, 4 माता,

101/3 भूतेश्वर रोड,

बम्बई 400002 (महा)

राजस्थान कार्यालय - 2/199, हाऊसिंग बोर्ड फासोनी, बस स्टैण्ड के पास

सवाई माधोपुर (राज) 322021

**उज्जवल प्रकाशन, बम्बई**

# विज्ञापन अनुक्रमणिका

विज्ञापनदाता का नाम स्थल पृष्ठ संख्या

## विभाग पृष्ठ विज्ञापन (कवर पृष्ठ)

श्री उवसगहर पार्श्व तीर्थ पेढी	नगपुरा-दुर्ग	कवर-2
श्री रतनलाल सी. बाफना सर्राफ	जलगाँव	कवर-3
श्री नूतन राजुमणी ट्रांसपोर्ट प्रा.लि.	बम्बई	कवर-4

## खण्ड-विभाग पृष्ठ विज्ञापन

श्री सूरजमल श्रीमाल मेमोरियल ट्रस्ट	बम्बई	भाग प्रथम
श्रीवर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ	चौथ का वरवाडा	भाग द्वितीय
श्री माण्डवी को.ओ. बैंक लि.	बम्बई	भाग तृतीय
श्री टोरंटो ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज	अहमदाबाद	भाग चतुर्थ
श्री गुलशन शृंगर एण्ड केमी. लि.	मुजफ्फरनगर	भाग पचम्
श्री जैन ट्यूब कम्पनी	दिल्ली	भाग षष्ठम्
श्री फ्लोर एण्ड फूडस लि	इन्दौर	भाग सप्तम्
श्री नोबल स्टोर्स-तोहफा	बम्बई	भाग अष्ठम्

## भाग प्रथम अन्य जानकारीयों पृष्ठ विज्ञापन

श्री खरतरगच्छ जैन संघ	बम्बई	65
श्री दिवाकर प्रकाशन	आगरा	66
श्री जीवन प्रकाश योजना	बम्बई	67
श्री कल्पतरु ग्रुप	बम्बई	68
श्री वायोकेम फार्मासिट्यूकल्स इण्ड.	बम्बई	69
श्री वर्धमान विल्डर्स	बम्बई	70
श्री भिनरल सेल्स प्रा.लि	बम्बई	71
श्री पी एच. जैन (लोटर्रीज)	बम्बई	72
श्री आंसवाल विल्डर्स प्रा.लि.	बम्बई	73
श्री सजानी ट्रांसपोर्ट प्रा लि	बम्बई	74
श्री जेठमल चौरडिया	वैगलौर	75
श्री नित्यानन्द स्टील रोलिंग मिल्स	बम्बई	76
श्री दुगड इन्वेस्टमेंट्स लि.	मद्रास	77
श्री दीपचंद भाई गार्डी	बम्बई	78
श्री मुखलाल कोठारी	बम्बई	78
श्री जवाहरलाल लोढा	पाली-मारवाड	78
श्री सरदारमल मुणोत	बम्बई	78

विज्ञापनदाता का नाम स्थल पृष्ठ संख्या

श्री नगीन भाई विराणी	राजकोट	78
श्री एस. लालचंद बाघमार	मद्रास	78
श्री माणकचंद रतनलाल साखला	अजमेर/बम्बई	78
श्री ज्ञानचंद धर्मचंद बेताला	गौहाटी	78
श्री वर्धमान एव निर्माण ग्रुप	बम्बई	79
श्री जगन्नाथ लक्ष्मीनारायण जैन	गंभीरा	80

## भाग प्रथम मेटर में विज्ञापन

श्री प्रेस्टीज फूडस लि.	इन्दौर
श्री टी.टी. इण्डस्ट्रीज	दिल्ली
श्री रुनवाल ग्रुप	बम्बई
श्री कर्नावट क्लासेस	ठाणा-बम्बई
श्री स्वामी औषधालय	बम्बई
श्री भक्ताम्बर दिव्य दृष्टि	जयपुर
श्री जैन रोलिंग मिल्स	गाजियाबाद
श्री जे.डी. जैन	गाजियाबाद

## भाग द्वितीय-चातुर्मास मेटर पृष्ठ विज्ञापन

श्री पंजाब जैन श्रातृ सभा	खार-बम्बई	22
श्री के. अमरचंद जीवराज	वैगलौर	28
श्री एम. शातिलाल जैन	वैगलौर	28
श्री सुखराज शातिलाल काकरिया	वैगलौर	34
श्री सोहनलाल चन्द्रप्रकाश मूथा	वैगलौर	34
श्री गुलजारीलाल गणेशमल सिसोदिया	वैगलौर	38
श्री कानमल भंवरलाल चौपड़ा	जावद	38
श्री नगराज चन्दनमल एण्ड कं.	बम्बई	40
श्री साहित्य सम्राट साहित्य प्रचार केन्द्र	आगासी तीर्थ	42
श्री एम. भवरलाल नवरत्नमल साखला	मेट्रपालियम्	42
श्री दक्ष ज्योति कार्यालय	आगासी तीर्थ	42
श्री सिधवी ज्वैलर्स	बम्बई	44
श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	वडी सादडी	44
श्री जैन श्वे. खरतरगच्छ श्री संघ	साचौर	46
श्री पद्मावती प्रकाशन मन्दिर	बम्बई	50
श्री जैन श्वेताम्बर श्री संघ	दुर्ग	58
श्री कटारिया मिश्रीलाल मागीलाल	रतलाम	66

विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या	विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या
श्री मुनि नाथू नाल जैन साहित्य विभाग नौमचसिटी		69	श्री सी एल वेद मेहता कालेज ऑफ़		
श्री मोनमचंद अस्तनाल	बैंगलूर	69	पार्सेसी	मद्रास	156
श्री कस्तूर गुरु भोजनशाला ट्रस्ट बोड	रतलाम	70	श्री रिलायबल पेन मेकर्स	बम्बई	160
श्री रूपाली स्टाल	सुरेद्रनगर	74	श्री वीनस मिनरल्स एण्ड केमिकल्स	उदयपुर	166
श्री साई कृपा एम्पोरियम	शिर्डी	76	श्री बापूलाल वायरा	रतलाम	166
श्री सुदर्भ वियर्स	इंदौर	76	श्री शशीकांत पूना वाला	सैलम	170
श्री बी आदिशचंद्र बाठिया	बैंगलूर	78	श्री अरिहंत इंटरनेशनल	दिल्ली	170
श्री किशनलाल सज्जन राज बोठारो	बैंगलूर	78	श्री शबेस्वर पाश्चनाथ जैन ट्रस्ट	आगामी तीर्थ	178
श्री अरिहंत पर्वीचर्स	इंदौर	80	श्री दिवाकर ट्रेड्स	इंदौर	178
श्री पी पन्नालाल हुक्मीचंद बाठिया	बैंगलूर	80	श्री नेशनल ट्रेडिंग कम्पनी	दिल्ली	180
श्री छगनमाई मेघजीभाई दक्षिया	राजवाट	82	श्री शा उम्मेदमल तिलावचंदजी		
श्री रूपाली सेंटर	सुरेद्रनगर	84	एण्ड कम्पनी	बम्बई	180
श्री लक्ष्मी टिम्बर भाट	बम्बई	86	श्री विनोदवाल हरीलाल	मुजफ्फरनगर	182
श्री नवरंग ज्वैलर्स	कोट-बम्बई	88	श्री रमेश नमकीन भण्डार	इन्दौर	182
श्री न. स्या जैन थावक सप (मेवाड)	बम्बई	89	श्री राज इन्स्ट्रुमेंट्स	बैंगलूर	184
श्री प्राहुत भारती अनादमी	जयपुर	90	श्री एम ज्ञातिनाल जैन		
जैन साध्वी श्री कमलावतीजी			(टबन पृष्ठ 28)	बैंगलूर	184
पारमार्थिक समिति	उदयपुर	92	श्री बैयर डेस्टेमेडस सर्विस	अहमदाबाद	184
श्री पेगेडा प्लास्टिफा	बम्बई	93	श्री जे. के. जैन एडवोकेट	दिल्ली	184
श्री पनामा स्टोम	बम्बई	94	श्री चंपालाल प्रेमचंद भयानी	दौंड	190
श्री बलवीरचंद जैन	जालंधर	95	श्री ठण्डीराम जैन	दिल्ली	190
श्री जैन दिवाकर फाउंडेशन	इंदौर	96	श्री रमेशचंद जैन	कोटा	190
श्री विनोदकुमार जैन	रोपड़	107	श्री सत्यकुमार मुरगुमार जैन	दिल्ली	190
श्री दीप बाटन कम्पनी	सुरेद्रनगर	108	श्री राजकुमार जैन (एकै रबर)	दिल्ली	196
श्री मेवाड भूपण प्रताप मुनि			श्री मल्ले न्कुमार जैन		
श्रमण सेवा समिति	उदयपुर	109	(बधमान मंदन)	दिल्ली	196
श्री चामुण्डा बाटन ट्रेड्स	सुरेद्रनगर	110	शाह नानालाल भूराजान एण्ड क	अहमदाबाद	196
श्री इंदरसिंह बाबेल	उदयपुर	111	श्री जीवन प्रज्ञा योजना	बम्बई	198
श्री शाह हरजी सगमनी एण्ड क	मांडवी-कच्छ	112	श्री सुखवीरसिंह गतीचंद जैन	दिल्ली	199
श्री मातीचंद चौरसिया	मद्रास	122	श्री सुभाषचंद जैन (नैन ट्रेडिंग)	दिल्ली	199
श्री ए. डी. मेहता	भुज-कच्छ	126	श्री अमर जैन साहित्य सम्मान	उदयपुर	200
श्री अमरेली गोगाला पाजरापोल	अमरेली	132	श्री धमपान जैन	दिल्ली	203
श्री रथाध्याय सप	मद्रास	132	श्री विशालीलाल जैन	दिल्ली	203
श्री मलयम् स्नेहद्विप एण्ड			श्री जयदीपप्रसाद जैन (जैन स्टोन)	दिल्ली	204
हाईवेयर स्टोस	बम्बई	144	श्री निहालचंद मगनधन जैन	दिल्ली	204

विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या	विज्ञापनदाता का नाम	स्थल	पृष्ठ संख्या
श्री सुशील कुमार जैन (सुदर्शन स्टील) दिल्ली		204	दोशी श्री मनसुखलाल खीमजी भाई	भवाऊ-कच्छ	27
श्री कीमतीलाल जैन (कैलास ज्वेलरी) दिल्ली		204	श्री अजरामर जैन युवा संघ	बम्बई	28
श्री पन्नालाल राधेश्याम जैन	दिल्ली	206	श्री करसन देवराज कारीभा	रव-कच्छ	29
श्री रामकुमार धर्मपाल जैन	दिल्ली-बम्बई	208	श्री जैन विश्व भारती	लाहौर	30
श्री ए.के. ट्रेडिंग कम्पनी	बम्बई	208	श्री समीरमल पवनकुमार जैन	अलीगढ़ (टोंक)	31
श्री गंभीरमल राजमल छाजेड़	करही (म.प्र.)	208	श्री चुन्नीलाल वेलजीभाई मेहता	मांडवी-कच्छ	32
श्री जय विजय पलसेज	जलगाँव	216	श्री सागर कल्याण योजना	बम्बई	33
श्री भोगीलाल लहेरचंद इंस्टीट्यूट ऑफ इन्डोलोजी	दिल्ली	216	श्री दिवाकर प्रकाशन	आगरा	34
<b>भाग अष्टम - विज्ञापन विभाग-विज्ञापन</b>			श्री जैन ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज	जलगाँव	35
श्री क्वालिटी गार्मेन्ट्स	बम्बई	1	श्री धर्माचन्द्र गौतमचंद मेहता	हरमाड़ा	36
श्री किशनचंद प्रेमचंद जैन	सुरेन्द्रनगर	2	श्री प्रवीणचन्द्र डी. ठक्कर	भुज-कच्छ	37
श्री एन्कर इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इलेक्ट्रीकल्स प्रा.लि.	बम्बई	3	श्री वेणित स्टोर्स	बम्बई	38
श्री अरिहंत ट्रेडिंग कम्पनी	मुम्बई-कच्छ	4	डॉ. हिम्मत भाई मोखीया	भुज-कच्छ	39
श्री सुरेश क्लॉथ सेंटर	सुरेन्द्रनगर	5	श्री जनुजय टेम्पल ट्रस्ट	पूना	41
श्री रतनशी भीमशी सावला	बुवाई-कच्छ	6	श्री पदमचंद डी. नाहर	जलगाँव	41
श्री हीरालाल ब्रदर्स	सुरेन्द्रनगर	7	श्रीकच्छीवीसा ओसवाल जैन महाजन	बम्बई	42
श्री दामजी प्रेमजी एण्ड कं.	बम्बई	8	श्री कुन्दनमल मूलचंद साकरिया	इन्दौर	43
श्री 'लाजा ट्रेडर्स	बम्बई	9	श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	जयपुर	44
उत्तमोत्तम आगमीय ग्रंथ प्रकाशन	बम्बई	10	श्री लक्ष्मी क्लॉथ स्टोर्स	नासिक सिटी	44
श्री महावीर एम्पोरियम	बम्बई	11	श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	बीजाजीकागुड़ा	44
श्री करमचंद मोदी	बम्बई	12	मुनि श्री मायाराम स्मारक प्रकाशन	दिल्ली	45
श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	रतलाम	13	श्री वनासकांठा जिला सहायक फण्ड ट्रस्ट	बम्बई	46
श्री लाभचंद शुभचंद सुकृत पेढी	रतलाम	14	श्री कृपि गौ सेवा ट्रस्ट	नासिक	48
श्री एस.एस. जैन सभा रोहिणी	रोहिणी-दिल्ली	15	श्री प्रताप ब्रदर्स चांदीवाला	बम्बई	49
श्री खेतमल राणीदान बोथरा	दुर्ग	16	श्री जीव दया मण्डल	पूना	50
श्री पी पी. जैन एण्ड कं.	बम्बई	17	श्री सायला महाजन पाजरपोल	सायला	52
श्री जयवंत भाई मेहता	राजकोट	18	श्री महावीर जैन आराधना केन्द्र	कोदा	53
श्री चापशीभाई मालशीभाई बोवा	बम्बई	18	श्री ज्ञानचंद खूबचंद वूपक्या	खाँचरोद	54
श्री जयवंत भाई मेहता	राजकोट	18	श्री आध्यात्मिक भक्ति अनुसंधान संस्थान	बम्बई	54
श्री चापशीभाई मालशीभाई बोवा	बम्बई	18	श्री दिवानसिंह सम्पतकुमार वाफना	उदयपुर	55
श्री नीरव म्विच गियर्स इण्डस्ट्रीज	सुरेन्द्रनगर	19	श्री सुशीलकुमार भंवरलाल चौरङ्गिया	मद्रास	56
श्री विककी परसेज	बम्बई	20	श्री राजमल लखीचंद सराफ	जलगाँव	56
श्री नन्दु ड्रेसेज (ओसवाल)	बम्बई	21	श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ	मद्रास	57
श्री सोनी प्लारिटक्स	बम्बई	22	एम. के. टेक्मटाइल्स	बम्बई	58
श्री महेन्द्र सेव भण्डार	इन्दौर	23	लायन पेन्सिल्स प्रा. लि.		59
श्री सियाल ब्रदर्स	इन्दौर	24	श्री दर्शन ओडियो एण्ड विडियो	नासिक	60
श्री हस्तीमल वीरेन्द्रकुमार कर्नावट	इन्दौर	25			
जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हाई स्कूल	भुज-कच्छ	26			

# अनुक्रमणिका सूची

अ. भा. श्वे. स्थानकवासी जैन समुदाय के चातुर्मास के गाव/शहरो  
की अनुक्रमणिका सूची 1992

गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
(अ)		नगवाहज	67	उज्जैन	18, 19
अलवर	7	जोवाग पाव	67	उदयरामपुर	23, 25
अरकानम	8	सावरमती	68	उधना (भूरत)	32, 73
अहमदनगर	9, 10	वृष्णनगर	68	उधमपुर	45
अम्बाला छाननी	13	नवरगपुरा	68	उपलेटा	53
अम्बाला शहर	13, 15	वापू नगर	68	उमराला	71
अमृतसर	14	धनस्याम नगर	71	(ओ)	
अहियापुर	16	घाट लोडिना	77	औरंगाबाद	9, 11
अहमदाबाद मण्डा	16	नगर सेठे का बडा	77	(ए)	
अमलनर	25	शोला राह	79	बाडा	4, 7
अलाय	26	मणीनगर	79	बाकराली	4
अमीनगर मराय	31	अम्बालाटी	79	बासीयल	7
अमरावती	32	जवेरी पाव	83	बे. जी एफ	8
अजमेर	37, 38, 49	(आ)		बडा	9
अटाली	39	आगिद	6	बर्जत	11
अनवाई	51	आखी	11	बजपाव	11
अमरेली	53	आगरा	45	बरही	18, 19
अजगर	59	आनू पवन	47	कामारहू	20
अहमदाबाद शहर		आणद	51	काट (हरियाणा)	21
गाहीबाग	20	आघोर्दी	60	कजाडी	26
राजस्थान उपाश्रय	31	(इ)		कानोड	26
नारायणपुरा	53-65	इगड	8	काधला	29
धामणा	54	इंदौर	18, 19, 20, 25, 26, 41, 43	कानाना	31
पावडी	57	इन्द्रावड	25	करजू	32
बिजयनगर	63	इन्वव	26	कुवाना	32
छोटा पाल	63	इटावा	64	निम्ननगड	36
नारनपुर	63, 77	(उ)		कुचेरा	37
मरसपुर	63	उदयपुर	4, 6, 7, 24, 31	कवलियाम	39
शाहपुर	63			कालावड (गितला)	52
गिधरनगर	65			कनकता	53, 45

गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
कुन्दरोड़ी	58	गागोदरा	60	जाशमा	33
कलाल	63, 64	गढा स्वामीनाथगण	68	जवाजा	37
काडागरा	71	गेलड़ा	75	जामनगर	43, 52, 54, 87
कपाया-कच्छ	73, 75	गाधी नगर	79	जामजोधपुर	51
कारागोवा	75	(घ)		जोरावर नगर	52
कोल्हापुर	83	घोटी	11	जैतपुर (कांठी)	59
काठमांडू (नेपाल)	55	घोड़नदी	12 83	जूनागढ़	60
(ख)		घासा	33	(झ)	
खरड़	14, 17	(च)		झावुआ	19
खेडी गुजर	16	चादवड़	9	झझू	24
खाचरोद	18, 19	चरखी दादरी	13	झाव	29
खैरोदा	27	चित्तोड़गढ़	25	झालरापाटन	31
खैरागढ़	31	चामहला	31	(ट)	
खोह (राज.)	36	चीथ का वरवाड़ा	48	टोहाना	13
खण्डप	36	चित्तल	52	(ड)	
खीगसरा (गुज.)	43	चूड़ा	59	डूगला	4
खेजड़ी	49	चींटिला	59	डबोक	4
खारोई	58	चैला	87	डेरावसी	13
खेरालु	58	चालीसगाँव	12	डोगरगाँव	26
खंभात	77, 83	(छ)		डोण	60
(ग)		छोटी नादड़ी	25	(त)	
गढ सिवाना	3, 5, 30	(ज)		ताल (रतलाम)	43
गुलावपुरा	5,	जोधपुर	3, 4, 5, 6, 7, 29, 33, 35, 49	तीथल	59
गोदिया	9	जालार	3	तलवाणा	73
गोविन्दगढ़	13, 17, 39	जयपुर	7, 2, 4, 25	(थ)	
गार्जियावादा	18	जालना	12, 47	थानगढ़	59
गंगा शहर	25, 30	जाखल	14	(द)	
गिडटवाहा मंडी	13	जम्मूतवी	15	देवलाही (नासिका 12, 49, 54, 87)	
गजेन्द्रगढ़	26	जालनवर मंडी	17	दाहोद	61
गोटन	35	जालंधर शहर	17	देशलपुर	75
गोहाना मंडी	41	जावरा	20	दामनगर	80
गोजन	51, 52, 54, 81	जयनगर	24	देहरादून	13
गुन्नाला-कच्छ	57, 75	जिन्द	31	देवास	19
गुन्दिवाला	58	जनगाँव	32	देगनोक	24, 30
गाधीग्राम	58				
गोधरा	60				

गाँव शहरा के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव शहरा के नाम	पृष्ठ संख्या
दवरिया	25	राहणी	47	पैची	21
दुग	25	(घ)		पापीपत	30
देनगड	26	धूलिया	10, 29	पादर	31
दाटागा	32	घार	19	पाटना	32
देनवाडा	33	घाल	53	पचपदग	33
हुन्दाटा	35	घागजी	54	पिपाट मिटी	37
दिल्ली शहर		गालवा	59	पटरगार	51
प्रीनगर	13, 15	घुना	67	पडगरी	52
सदर बाजार	13	धगधा	67	पाटडी	59
शास्त्री पाव	16	धनारा	78	पाटण	64
प्रेमनगर	14	धारी	81	प्रातीज	64
कास्लगुर राड	14	धोलेरा	85	पालनपुर	64
बुद्ध विहार	14	(न)		पत्री	71, 76
मूलतान नगर	15	निम्याहटा	5, 23	पालियाद	79
अरिहत नगर	15	नाथ डारा	5	पारनदर	81
राणा अताप बाग	15	नादगाव	9	क	
वीर नगर	15	नागिक राड	10	फनेखाद	15
शक्ति नगर	15	नाभा	17	फतेह नगर	27
यू शक्ति नगर	15	नीमच छावनी	18	(घ)	
बोल्हापुर हाउस	16	नागदा जयशन	20	बीजाजी या गुडा	3
ममयपुर	16	नोखागाव	23	बडी सावडी	3, 4, 23
प्रशांत विहार	16	नवसारी	26	बडा महुजा	4
शास्त्रीनगर	16	नागौर	30, 38	ब्यावर	6, 24, 48
नैयवाडा	16	नोखा मडी	24	बैगनोर	8
नरोल बाग	16	नागपुर	31	बाम्बोरी	10
नैलाश नगर	16	(फ)		बराडा	13
गांधी नगर	16	पाली-भाग्याड	4, 37	बडा मण्डी	30
अशोक विहार	17	प्रतापगढ	6, 7	विजरोल	14
शाहदरा	17	पाण्डवपुर (कनाटक)	8	पुलदाणा मण्डी	14
लक्ष्मी नगर	17	पूना	10, 11, 53	बनूट	17
विश्राम नगर	17	पावडी	10	वदनावर	19, 27
महेंद्र पाव	17	पिपल गाव बमवत	11	वीकनेर	23, 25
लारेंग राड	18	पाचौरा	11	वल्लारी	25
शालीमार बाग	41	प्रभात	14	वालाघाट	26
चादनी चाक	41	पिपुल्या मडी	24	वालेमर सत्ता	27, 33
प्रीतमपुरा	47				

गांव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गांव शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गांवों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
वालोतरा	29, 35	मलाड़	60, 61, 73	भुज-कच्छ	59, 62, 72
वालोट	31	कालीना	60	भावनगर	63, 81
वाँरा	32	कांदावाडी	61	भोजाय-कच्छ	72
बालेसरा (दुर्गावता)	33	मुलुण्ड	61	भोसरी (पूना)	12
बड़	36	डोम्बीवली	61	(म)	
बावडी	37	कुर्ला	61	मदनगंज	4
बीदडा-कच्छ	57, 76	कोट	61	मेड़ता सिटी	5
बिछिया	58	चिचवन्दर	61	मादलिया	6
बरवाला	60	जोगेश्वरी	61	मद्रास	7, 8, 53
बडौत	30	अंधेरी	62, 72, 87	मैसूर	8
बडौदा	62	सायन	65	माण्डल	9
बोटाद	64	दौलत नगर	65	मालेगाँव	10
बीजापुर	64	वसई रोड (माणिकपुर)	65	मिरजगाँव	10
बीशलपुर	65	चिचपोकली	65	मलकापुर	12
बढवाण शहर	68, 87	वालकेश्वर	68	मण्डी गिदड़वाहा	13
बेराजा	71, 76	कादिवली	68	मेरठ शहर	13
बाकी-कच्छ	72	दादर	71	मुकरिया	15
बारोई	75	भाण्डुप	71	मालेर कोटला	17
बारेजा	78	गोरेगाँव	72	मन्दसौर	19, 24
बोटाद	79	मुलुण्ड चकनाका	72	मोरवण	26
बावला	80	विक्रोली	72	मनमाड	30
बाँकानेर	67	दहोसर	77	मोखून्दा	30
बम्बई (महानगर)		मीरारोड	87	मावली	30
खार रोड	9	कल्याण	12	मुजफ्फरनगर मण्डी	31
ठकुर द्वार	11	विलेपार्ली	52	मथानिया	33
विरार	12	मुलुण्ड	72	मावटी	48
वाशी-न्यू बोम्बे	12	(भ)		मसूदा	37
भायन्दर	26, 62	भीम	5	महुडी	51
घाट कोपर	51, 65, 79	भीलवाडा	5, 6, 35, 49	माण्डवी-कच्छ	57, 71, 75
शाताक्रुक्ष	52	भीनासर	24	मोरवी	58
चेम्बूर	52	भीडर	27	मनफेरा	55
वसई गाँव	53	भादसोडा	29, 30	मियागाँव	62
घाटकोपर	54, 55	भवानी मंडी	31	माधापर	72
बोरीवली	57	भटिण्डा	15, 37	मोरवा	75
माटंगा	58, 69	भिनाय	39	मूली	79
थाणा	59	भाटी बड़ोदिया	49	मांगरोल	81
नालासोपारा	60	भचारु-कच्छ	5, 7	मोटा लीलीया	55



गांव ग्रहरो के नाम	पृष्ठ मख्या	गांव ग्रहरो के नाम	पृष्ठ मख्या	गांव ग्रहरो के नाम	पृष्ठ मख्या
(घ)		उतूर	11, 59	मिन्नूर	24
यादगिरी	8	तघियाना	13, 14, 16, 21,	मान्तरा	26
(र)			41	मिमोगा	27
गाममी	5	रामनगाव	32	माचौर	29, 30
गयपुर (राज)	6	त्रिम्बडी	43, 57, 58, 61,	मिथाना (गड)	30
गयनूर	8		68	ममदडी	32
गोपड	13	लाकडिया	58	मोताम	32
गोहतक शहर	16	लखतर	61	मैनागा	32
रतिया	18	लाटी	80	माताधाम	33
रतनाम	18, 23	(ब)		मोजन राड	38
गोहतक मडी	41	विजय नगर	5	गुर्द-कच्छ	58
रायपुर (म प्र)	30	धानयमवाटी	7	ममायाधा	59
राजनादगांव	49	वैजापुर	11	गामत्रियारी	60
राजगड (धार)	43	बल्लभ नगर	29	मुदामडा	60
राजगुही	45	बीसनगर	47	सुरेन्द्र नगर	67, 68
रव-कच्छ	57	बीमा बदर	53	माडाऊ-कच्छ	75
रतलपुर	58	बैरावल	53	माणन्द	77
रापर-कच्छ	60	विरमगांव	64, 68	मावर कुडना	81
राह (गुजरात)	73	वापी	67	मागनी	83
रावेड (सूरत)	73	याकानर	67	गनई माधोपुर	7
राजकोट शहर		बडाला कच्छ	75	गायला	63
जयत सोसायटी		वनी	77	(ह)	
माण्डवी चौक	57	(ग)		हरमाडा	4
गीन गुजरी	53	गेंडुर्णी	10	हुबली	8
गोघाणी शेरी	53	मुजालपुर	19	हिंगणघाट	27
जवगन प्लोट	53	भाजापुर	20	हिंगडोन मिटी	35
श्रमजीवी सोसायटी	54	(स)		हैदराबाद	72
जैन चाल	54	ममदडी	5	(त्र)	
महावीर नगर	54	मागानेर (भीलवाडा)	6	त्रयो-कच्छ	61
भरदार नगर	55	सादही भागवाड	6	नोट-श्वे म्या समुदाय के अलावा	
सदर	54, 55	सनवाड	32	श्वे तेरापथी, श्वे मूनिपूजक एव	
विराणी पीपघमाला	81	सायरा	6	दिगम्बर समुदाय की भी अनुमति	
जैन भवन	51	सोरापुर	8	तैयार करनी थी लेकिन प्रेम में बाध	
प्रह्लाद प्लाट	52	सोनीपत शहर	14	बन्द होने एक समयभाव के कारण	
भक्तिनगर	64	सोनीपत मडी	17	यहाँ प्रस्तुत नहीं कर सके। इन वर्ष	
(स)		सिकन्दराबाद	20	सभी छातुमान म्यन बडे अक्षरो में	
लावा सरदारगड	3, 48	सूरत	20, 64	दिये हैं अत पता डढने में अक्षरी बार	
		सम्भेत शिखरजी	21	ज्यादा परसानी नहीं उठानी पड़ेगी।	

## भाग-द्वितीय

श्वेताम्बर स्थानकवासी सम्प्रदाय

श्रमण संघ

स्वतंत्र सम्प्रदाय

बृहद् गुजरात सम्प्रदाय

जय गुरु हस्ती

जय महावीर

जय गुरु शीतल

## पोरवाल पल्लीवाल क्षेत्र धर्म वृद्धि हेतु भठ्य चातुर्मास

इवे स्थानकवासी मम्दाय के श्री वर्धमान वीतराग सघ के मूतधार, कुशल मेवाभावी परम पूज्य गुरुदेव श्री शीतल राज जी म सा, तत्व जिनासु पण्डित रत्न श्री चम्पक मुनि जी म सा एव आशुकवि श्री धन्ना मुनि जी म सा आदि ठाणाओ (3) का चौथ वा वरवाडा वाया गव जिला मवाई माधोपुर (राजस्थान) में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य एव तप की आराधनाओ के साथ एव चातुर्मासिक धार्मिक शिक्षण शिविर के सफल यशस्वी एव ऐतिहासिक बनने की शुभ मंगल कामना करते हैं।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित •



अ भा. श्री वर्धमान वीतराग जैन श्रावक सघ  
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ

चौथ का वरवाडा

वाया जिला मवाई माधोपुर (राजस्थान)-322702

फोन न 44

# अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई

—द्वारा प्रकाशित—

गिनिज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्डस् डायरेक्ट्री

संकलनकर्ता एवं संपादक—बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल', बम्बई

## श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. के कुछ विश्व जैन रिकार्डस् (महाप्रयाण 28-3-92 तक रिकार्डस्)

श्वे. स्था. श्रमण संघ समुदाय

- |  |   |
|--|---|
| (1) सम्पूर्ण जैन समाज के लगभग 165 जैन आचार्यों में एक मात्र ऐसे आचार्य जो सबसे वयोवृद्ध हों।   | 93 वर्ष   |
| (2) सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जो आचार्य सम्राट के नाम से जाने जाते हैं।  | अन्य कोई नहीं   |
| (3) सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके सर्वाधिक आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वी हों।   | लगभग 1050   |
| (4) सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनकी आज्ञा में प्रतिवर्ष सर्वाधिक स्थानों पर साधु-साधवियों के चातुर्मास सम्पन्न होते हों।   | लगभग 350  |
| (5) सम्पूर्ण जैन समाज में वर्तमान में एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके सजिवित स्थिति में किसी बड़े शहर में उनके नाम पर रोड-मार्ग-गली का नाम रखा गया हो।                                  | अहमदनगर (महाराष्ट्र)  |
| (6) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी सम्प्रदाय, जो सर्वाधिक कई भूतपूर्व सम्प्रदायों के विलय के बाद एक विनाल समुदाय बनी हो।   | श्रमण संघ भूतपूर्व 16 सम्प्रदाय                             |
| (7) सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके पट्टधर के भी पट्टधर यानी तीन पीढ़ियाँ आचार्य-उपाचार्य-युवाचार्य एक साथ विद्यमान हों।   | श्रमण संघ—आचार्य-उपाचार्य-युवाचार्य                         |
| (8) सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनकी निश्चा, समुदाय में सर्वाधिक प्रवर्तक, उप-प्रवर्तक प्रवर्तनियाँ, उपप्रवर्तनियाँ विद्यमान हों।                                   | लगभग 40   |
| (9) सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनको सर्वाधिक भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो।   | लगभग 16 भाषाएँ  |
| (10) सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँ सर्वाधिक रूप से उच्च शिक्षा एम.ए.पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त हों।   | लगभग . . 20   |
| (11) सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनका दीक्षा पर्याय अन्य सभी आचार्यों में सर्वाधिक हों।   | दीक्षा पर्याय 79 वर्ष                                       |
| (12) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य, जिन्होंने सभी आचार्यों में सर्वाधिक चातुर्मास सम्पन्न किये हों।  | 78 चातुर्मास  |
| (13) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके साधवियाँ समुदाय में जिनकी आज्ञानुवर्तिनी साधवियाँ, सर्वाधिक रूप में उच्च शिक्षा एम.ए.पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त हों।            | एक मात्र केवल श्रमण संघ में 15 साधवियाँ एम.ए.पी.एच.डी. हैं। |
| (14) वर्तमान में सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनके नाम पर शासन द्वारा पूरे शहर का नाम बदलकर नया नाम घोषित किया गया हो।  | अहमदनगर का नया नाम आनन्द नगर करने की घोषणा (30-3-92)        |
| (15) सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य, जिनको सर्वाधिक वर्षों तक केवल साधु-मुनिराजों द्वारा केवल डोली में रखकर विहार करवाया हो (अन्य व्यक्तियों या मजदूरों के द्वारा नहीं)। | लगभग 12 वर्षों तक केवल श्रमण संघ मुनिराजों द्वारा           |

विस्तृत-जानकारियाँ भाग षष्ठम् एवं डायरेक्ट्री में देखें

## श्रमण सघ के पदाधिकारीगण एवं चातुर्मास स्यल

नाम	चातुर्मास स्यल	पन्ठ सम्ख्या
<b>आचार्य</b>		
श्री देवे द्रमुनिजी म	गुडसिबाना (राजस्थान)	3
<b>पुषाचार्य</b>		
डा. श्री शिवमुनिजी म	मद्रास (तमिलनाडु)	7
<b>उपाध्याय</b>		
(1) श्री पुष्कर मुनिजी म	गुडसिबाना (राजस्थान)	3
(2) श्री केशव मुनिजी म	बैंगनोर (बर्माटव)	8
(3) श्री मनोहर मुनिजी म 'कुमुद'	अम्बाला वृष्ट (हार्दियाणा)	13
(4) श्री बिराल मुनिजी म	मंसूर (बर्माटव)	8
<b>प्रवर्तक</b>		
(1) श्री कल्याण ऋषिजी म	बडा (महाराष्ट्र)	9
(2) श्री अम्बालालजी म	सादा सरदारराड (राजस्थान)	3
(3) श्री पदमचन्दनी म 'मण्डारी'	बीनगर दिल्ली	13
(4) श्री उमेश मुनिजी म	खाचरोड (मध्यप्रदेश)	18
(5) श्री रमेश मुनिजी म 'शास्त्री'	बडीमादडी (राजस्थान)	3
(6) श्री रूपचन्दजी म 'रजत'	बीजाजी वा गुडा (राजस्थान)	3
(7) श्री महेंद्र मुनिजी म 'कमल'	जोधपुर (राजस्थान)	3
<b>महामन्त्री</b>		
श्री सीभाग्य मुनिजी म 'कुमुद'	नाना मग्दाराड (राजस्थान)	3
<b>मन्त्री</b>		
(1) श्री मुमन मुनिजी म	वानममडाडी (तमिलनाडु)	7
(2) श्री कुन्दन ऋषिजी म	खार बम्बई (महाराष्ट्र)	9
<b>सलाहकार</b>		
(1) ब.प्र. श्री बन्दैयालालजी म 'कमल'	बाधपुर (राजस्थान)	3
(2) श्री नान मुनिजी म	गादिन्दगड (पञ्जाब)	13
(3) श्री मल मुनिजी म	उज्जैन (मध्यप्रदेश)	
(4) श्री जीवन मुनिजी म	बन्ही (मध्यप्रदेश)	18
(5) श्री रतन मुनिजी म	गोदिया (महाराष्ट्र)	8
(6) श्री सुमति प्रकाशजी म	मंसूर (बर्माटव)	8
(7) श्री सुवन मुनिजी म	बीजाजी वा गुडा (राजस्थान)	3

श्रमण संघ के तृतीय पट्टधर, पं. रत्न, आचार्य प्रवर  
श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियांजी म.सा. ।

श्रमण संघ में

कुल चातुर्मास स्थल (214) संत (206) सतियांजी (674) कुल ठाणा (880)

## (1) राजस्थान प्रान्त

### संत समुदाय

#### 1. गढ़ सिवाना (राजस्थान)

1. श्रमण संघ के तृतीय पट्टधर, पं. रत्न श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. आचार्य प्रवर

2. उपाध्याय पं. रत्न श्री पुष्कर मुनिजी म.सा.

3. पं. रत्न श्री रमेश मुनिजी म.सा. "शास्त्री"

4. उपप्रवर्तक श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा. M.A.

आदि ठाणा (7)

चातुर्मास स्थल—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ नया जैन स्थानक महावीर मार्ग, रायथल वालों का वास, मु.पो. गढसिवाना, जिला बाड़मेर (राजस्थान) 343044  
सम्पर्क सूत्र—मेहता श्री गिरधरलालजी दीपचंदजी चौमुखजी मंदिर की गली

मु.पो. गढ़ सिवाना-343044

जिला बाड़मेर (राजस्थान)

फोन जैन स्थानक 85316 आवास व्यवस्था 85219

नोट—आचार्य श्री के सोमवार एवं उपाध्याय श्री के गुरुवार को मौन रहता है ।

#### 2. लावा सरदारगढ़ (राजस्थान)

1. प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म.सा.

2. कवि श्री मगन मुनिजी म.सा. 'रसीक'

3. महामंत्री श्री सौभाग्य मुनिजी म.सा. "कुमुद"

4. डॉ. श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा.

'रत्नेश' M.A.Ph.D. आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री फूलचन्दजी प्रकाशचन्दजी हिगड़  
मु.पो. लावा-सरदारगढ़ जिला राजसमंद (राज.)

#### 3. बीजाजी का गुड़ा (राजस्थान)

1. प्रवर्तक श्री रूपचन्दजी म.सा. 'रजत'

2. उपप्रवर्तक सलाहकार श्री सुकन मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री भंवरलालजी संकलेचा मंत्री  
मु.पो. बीजाजी का गुड़ा, वाया बगड़ी नगर  
जिला पाली (राजस्थान)

#### 4. बड़ी सादड़ी (राजस्थान)

प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा. "शास्त्री"  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ  
जैन स्थानक मु.पो. बड़ी सादड़ी

जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) 312403

#### 5. जोधपुर (निमाज की हवेली) (राजस्थान)

प्रवर्तक श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा. "कमल"  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री हरकराज मेहता एण्ड कं.,

कटला बाजार, जोधपुर-342001 (राजस्थान)

#### 6. सूरसागर-जोधपुर (राजस्थान)

अनुयोग प्रवर्तक श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल'  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री मुन्नालालजी जैन मंत्री

C/o. सेठ सुरजमल गहलोत राजकीय चिकित्सालय क्वार्टर्स, गौ शाला के सामने, सूरसागर  
जोधपुर (राजस्थान) 342024

फोन नं. 27588, मंत्री 26459

नोट—अनु. प्रवर्तक श्री के मंगलवार को मौन रहता है ।

#### 7. जालौर (राजस्थान)

पं. रत्न श्री हीरामुनिजी म.सा. 'हिमकर'

आदि ठाणा (3)

- सम्पन्न सूत्र-श्री पूनचन्दजी वस्तिमिलजी गांधी  
वाकरिया वाम, मुपा जागीर (राज) 343001
8. महामंदिर-जोधपुर (राजस्थान)  
तपोगगन वै रत्न, उग्र तपस्वी श्री महजमुनिजी मसा  
आदिठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री आसूमनजी बाहग, धानमहो  
महामंदिर, जोधपुर-342005 (राजस्थान)
9. झुगला (राजस्थान)  
तपस्वी श्री मयलरजी मसा आदिठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री माहनलालजी दब मजी  
उदर बाजार, झुगला जिला चित्तौडगढ़  
(राजस्थान) 312402
- (10) बौटा (राजस्थान)  
तपस्वी श्री बुद्धिचन्दजी मसा आदिठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री दुलीचन्दजी जैन, भस्म रतनामी  
सेन मण्डार, घटाघर वै पाम, बौटा-324006  
(राजस्थान)
11. डबोक- (राजस्थान)  
प रत्न श्री गणेशमुनिजी मसा 'शास्त्री'  
आदिठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पुष्कर जैन युवा परिषद  
श्री व स्या जैन थावक सघ, जैन स्थानक  
मुपा डबोक जिला, बाया उदयपुर (राज)  
313022  
फानन (02947) 228
12. काकरोली (राजस्थान)  
मधुर वक्ता श्री नरेन्द्रमुनिजी मसा 'साहित्यरत्न'  
आदिठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री अर्जुनलालजी बालिया  
मुपा काकरोली, जिला राजसमंद (राजस्थान)
13. बड़ा महुआ (राजस्थान)  
उपप्रवर्तक श्री विनयमुनिजी मसा 'भीम'  
आदिठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व स्या जैन थावक सघ जैन स्थानक  
मुपा बड़ा महुआ, जिला भीलवाड़ा (राज)  
312403
14. उदयपुर (राजस्थान)  
प रत्न श्री भुवनेश्वर मुनिजी मसा  
मधुर व्यापारी श्री महजमुनिजी मसा 'गिनकर'  
आदिठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-ताटन 280, गिरन मगरी  
मैटर न 3, उदयपुर 313001 (राजस्थान)
15. हरमाडा (राजस्थान)  
प रत्न श्री रंगलालजी मसा शास्त्री  
मेवाभावी श्री रंगमंदजी मसा  
आदिठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री धर्मादजी मेहता  
मुपा हरमाडा, बाया मदनगढ़  
जिला अजमेर (राजस्थान)  
महासतिपांजी समुदाय
16. वाली-भारवाह (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री शीलकुवरजी मसा  
आदिठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व स्या जैन थावक सघ, जैन स्थानक,  
रघुनाथ स्मृति जैन भवन, ईई फटना  
पाली-भारवाह (राजस्थान) 306401
17. मदनगढ़ (राजस्थान)  
1 विदुषी महासती श्री उमरावकुवरजी मसा 'अर्चना'  
2 विदुषी महासती श्री उम्मेदकुवरजी मसा 'आचार्य'  
3 व्याख्यात्री महासती श्री सुप्रभाश्रीजी मसा M A,  
आदिठाणा (11)  
सम्पन्न सूत्र-श्री चम्पाशालजी पारसभनजी घोरहिवा  
आमवाली मोहल्ला, मुपा मदनगढ़ (विशालगढ़)  
जिला अजमेर (राजस्थान) 305801
18. बड़ो सादड़ी (राजस्थान)  
उपप्रवर्तकी महासती श्री मज्जनकुवरजी मसा  
आदिठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री तेजसिंहजी मागग मजी  
श्री व स्या जैन थावक सघ, जैन स्थानक  
मुपा बड़ो सादड़ी, जिला चित्तौडगढ़ (राज)  
312403

19. विजयनगर (राजस्थान)  
1. शासन प्रभाविका विदुषी महासती  
श्री जसकुंवरजी म.सा.  
2. विदुषी महासती श्री सिद्धकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (13)  
सम्पर्क सूत्र—श्री गुलाबचन्दजी लुणावत  
मु.पो. विजयनगर, जिला अजमेर (राजस्थान)  
305624
20. निम्वाहेड़ा (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री कुसुमवतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिवाकर टेक्सटोरियम  
सदर बाजार, निम्वाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़  
(राजस्थान) 312601
21. राशमी (राजस्थान)  
उपप्रवर्तिनी महासती श्री नानकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व.स्था जैन श्रावक संघ जैन स्थानक  
मु.पो. राशमी, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)  
312203
22. भीम (राजस्थान)  
1. उपप्रवर्तिनी महासती श्री मानकुंवरजी म.सा.  
2. सहजानुरागी महासती डॉ. श्री सुप्रभाश्रीजी  
म.सा. M.A., Ph.D.  
3. कलानुरागी महासती डॉ. श्री सुशीलजी म.सा.  
“शशि” M.A, Ph.D. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री देरासरिया ट्रेडिंग कम्पनी  
अनाज के व्यापारी, मु.पो. भीम  
जिला राजसमन्द (राजस्थान) 305921  
फोन नं 33 एवं 36
23. नाथद्वारा (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री प्रेमकुंवरजी म.सा. (मेवाड़)  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कन्हैयालालजी सुराना  
लाल बाजार, मु.पो. नाथद्वारा  
जिला उदयपुर (राज.) 313301
24. समदडी (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री तेजकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री हरकचन्दजी पालरेचा  
मु.पो. समदडी, जिला बाड़मेर (राज.) 344021
25. जोधपुर (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री प्रेमकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री हरकचन्द मेहता एण्ड कं.,  
कपड़ा बाजार, जोधपुर (राजस्थान) 342001
26. मेड़ता सिटी (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री शांतीकुंवरजी म.सा. (मालव  
केशरी)  
आदि ठाणा (9)  
सम्पर्क सूत्र—श्री बुद्धराजजी झामंड अध्वक्ष  
श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
मु.पो. मेड़ता सिटी, जिला पाली (राज.) 341510
27. गढ़सिवाना (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री पुष्पवतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार
28. गुलाबपुरा (राजस्थान)  
1. मधुर व्याख्यात्री महासती श्री ललितकुंवरजी म.सा.  
2. शांत स्वभावी महासती श्री मुधाकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री भीमचन्द्रजी संचेती  
मु.पो. गुलाबपुरा, जिला भीलवाड़ा (राज.)  
311021
29. काशीपुरी-भीलवाड़ा (राजस्थान)  
मधुर व्याख्यात्री महासती श्री शांतीकुंवरजी म.सा.  
शांत मूर्ति महासती श्री मनोहरकुंवरजी म.सा. (मेवाड़)  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री सुरेन्द्रकुमारजी लोढ़ा  
काशीपुरी, भीलवाड़ा-311001 (राज.)
30. सांगानेर (भीलवाड़ा) (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री सुगनकुंवरजी म.सा.  
शांत स्वभावी महासती श्री सज्जनकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)



### महासतिपांजी समुदाय

- 3 पल्लववरम मद्रास (तमिलनाडु)  
विदुषी महासती श्री अजीतनुवर्जी म मा  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Pukhrayi Navratnam Jain  
3 A, Police Station Road,  
PALLAVARAM Madras 600043 (T N)

- 4 इरोड (तमिलनाडु)  
विदुषी महामनी श्री शांतनुवर्जी म मा  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Virdhiman Sthanakwasi Jain Sangh  
Jain Sthanak P O ERODE (T N)

- 5 अरकोनम् (तमिलनाडु)  
विदुषी महासती श्री पुष्पवतीजी म मा  
आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Parasmalya Kataria  
Main Bazar, ARKONAM  
N A Distt (Tamilnadu)

कुल चातुर्मास (5) सत (6) सतिपांजी (14) कुल ठाणा  
(20)

### कर्नाटक प्रांत

#### सत समुदाय

- 1 बंगलौर सीटी (कर्नाटक)  
उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म मा आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—

Shri L. Sohan Rajji Jain  
Mamul Peth BANGALORE 560053  
(Karnataka)

- 2 मसूर (कर्नाटक)

- 1 सताह्वार श्री सुमति मुनिजी म मा

- 2 उपाध्याय श्री विशाल मुनिजी म मा (नेपाल)  
आदि ठाणा (9)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Mahavir Jewellers  
Ashoka Road, MYSORE 570001  
(Karnataka)

- 3 हुबली (कर्नाटक)

प रत्न श्री विचक्षण मुनिजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—

Shri Svetamber Sthanakwasi Jain Sangh  
Kanchgar Gali, HUBLE-580028  
(Karnataka)

- 4 पाण्डवपुर (कर्नाटक)

प रत्न श्री हृदयद्वन्द्वजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—

Shri Om Prakashty Mogra  
P B Road P O PANDAVPUR  
Distt Mandya (Karnataka) 571434

### महासतिपांजी समुदाय

- 5 बे जो एक (कर्नाटक)

विदुषी महासती श्री आदश ज्योतिजी म मा  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Parasmalya Banthia  
First Cross Lane, Robertsonpet  
K G F 563122 (Karnataka)

- 6 यादगिरी (कर्नाटक)

महान स्वविद्या महासती श्री ज्ञानीमुधाजी म मा  
विदुषी महासती श्री अचनाजी म मा  
आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Badarymal Suryamal Dhoka  
Main Road, P O YADGIRI  
Distt Gulburga (Karnataka) 585201

- 7 रायचूर (कर्नाटक)

विदुषी महासती श्री शीतलकुंदजी म मा  
आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Peerchand Ugumraj Bohra  
M/s Sangueta Saree Centre  
Mahavir Chowk Raichur 584001  
(Karnataka) Tel No 8055, 8371

- 8 सोरापुर (कर्नाटक)

महान स्वविद्या महासती श्री छागकुंदजी म मा  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Jasrajji Mohanlalji Bohra  
P.O. SORAPUR Distt Gulburga  
(Karnataka) 585224

कुल चातुर्मास (8) संत (17) सतियांजी (19) कुल  
ठाणा (36)

#### 4. महाराष्ट्र प्रान्त

संत समुदाय

##### 1. कड़ा (महाराष्ट्र)

1. प्रवर्तक श्री कल्याण ऋषिजी म.सा.
2. मधुरवक्ता श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा.  
(उपदेशाचार्य) आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री क चू गांधी गुरुजी,  
श्री अमोल जैन वसीत गृह, मु.पो. कड़ा  
वाया अहमदनगर, जिला बीड़ (महाराष्ट्र)  
फोन न. 529 पी.पी.

##### 2. अहमदनगर (महाराष्ट्र)

1. महास्थवर वयोवृद्ध श्री पुष्प ऋषिजी म. सा.
2. वयोवृद्ध श्री धन्ना ऋषीजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री तिलोक रत्न जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड  
आचार्य श्री आनन्द ऋषिजी म. मार्ग  
अहमदनगर-414 001 (महाराष्ट्र)  
फोन : 24938

##### 3. गोनदिया (महाराष्ट्र)

- सलाहकार प. रत्न श्री रतन मुनिजी म. सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कातीलाल गिरधरलाल शाह अध्यक्ष  
मेसर्स वारदाना ट्रेडिंग क.,  
मु.पो. गोनदिया (महाराष्ट्र)-441 601  
फोन अध्यक्ष-2415, 2310,

##### 4. छार-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. मंत्री पं. रत्न श्री कुन्दन ऋषिजी म.सा.
2. ओजस्वी वक्ता श्री आदर्श ऋषिजी म.सा.
3. ओजस्वी वक्ता श्री प्रवीण ऋषिजी म.सा.  
आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र—श्री पंजाब जैन भ्रातृसभा,

अहिंसा हॉल, अहिंसा मार्ग, 14-ए रोड,  
न्यार (वेस्ट) बम्बई-400 052 (महाराष्ट्र)  
फोन : 542509

##### 5. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)

तपस्वी श्री मिश्रीलालजी म. सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री गुरु गणेश स्था. जैन शिक्षण समिति  
गुरु गणेश नगर, बीवी के मकवरे के पास,  
औरंगाबाद-431 001 (महाराष्ट्र)  
फोन : 3221, 25374 पी.पी.

##### 6. अहमदनगर (महाराष्ट्र)

उग्र तपस्वी श्री मगन मुनिजी म. सा.  
तपस्वी श्री सुन्दरलालजी म. सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वसन्तलाल पूनमचंद भण्डारी  
-2585 नवा कापड बाजार, महात्मा गांधी रोड  
अहमदनगर-414 001 (महाराष्ट्र)  
फोन : 24938

##### 7. नांदगाव (महाराष्ट्र)

महास्थावर श्री वसन्त मुनिजी म.सा. (सकारण)  
आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री लक्ष्मीचंदजी पारख  
मु.पो. नांदगाव तालूका निफाड  
जिला नासिक (महाराष्ट्र)

##### 8. मांडल (धुलिया) (महाराष्ट्र)

सेवाभावी श्री कान्ती मुनिजी म.सा. (दिवाकरजी)  
आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
मु.पो. मांडल, जिला धुलिया (महाराष्ट्र)

##### 9. महाराष्ट्र में योग्य स्थल

पं. रत्न श्री नेमीचंदजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—

##### 10. चांदवड़ (महाराष्ट्र)

शातमूर्ति, श्री दातारामजी म.सा. (सकारण)  
आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ जैन स्थानक  
मु.पो. चांदवड़ वाया निफाड जिला नासिक  
(महाराष्ट्र)-423 102

- 36 जालना (महाराष्ट्र)  
व्याख्यात्री महासती श्री धनकुवरजी ममा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री चम्पानालजी घीसूतानजी सक्तेचा  
दुर्गा माता मंदिर रोड, जालना 431 203
- 37 विरार-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री चंदनाजी ममा आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-श्री व स्या जैन थावर सघ, जैन स्थानक,  
जैन मंदिर राह, विरार जिला-ठाणा (महाराष्ट्र)  
401 303  
फोन न (025238) 3423, 2262
- 38 चातो-नई बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री गत्य माधनाजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री दीपचंद रूपचंद पारख,  
के-314 मकट्टर 16, शांतिपि सेंटर,  
वाणी-दूबाम्बे-400 703 (महाराष्ट्र)
- 39 घोडनदी (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री वीसल्या कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री भंडारीलानजी फुलफगर सराफ  
मु पा घाडनदी (गिहूर) जिला पूना  
(महाराष्ट्र) 412 210
- 40 मलकापुर (महाराष्ट्र)  
व्याख्यात्री महासती श्री दशनप्रभाजी ममा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री राणीदानजी भीवराजजी सचेती  
29, बुलठाणा राह, मु पा मलकापुर, जिला-  
बुलढाना ((महा)-443101  
फोन 22811, 22411
- 41 देवताली केम्प (नासिक) (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती डॉ श्री ललित प्रभाजी  
ममा M.A., Ph.D आदि ठाणा (1)
- 42 चातोमगाव (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री पा कुवरजी ममा  
सपस्विनी महामती श्री रमणिक कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री व स्या जैन थावर सघ,  
मु पा चातोमगाव, जिना-जनगाव (महा)
- 43 बल्याण-बम्बई (महाराष्ट्र)  
मधुर व्याख्यात्री श्री मगन प्रभाजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री व स्या जैन थावर सघ, जैन स्थानक,  
गौधी चार बल्याण, जिला ठाणा बम्बई  
फोन 25492
- 44 देवताली केम्प-(नासिक) (महाराष्ट्र)  
शान्त स्वभावी महासती श्री कमलप्रभाजी ममा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री व स्या जैन थावर सघ,  
बादावाडी जैन स्थानक, सनेटारियम, लाम राह  
देवताली केम्प वाया नासिक (महा) 422401
- 45 जालना (महाराष्ट्र)  
वाणी भूषण महासती श्री प्रीति मुघाजी ममा  
विदल भूषण महासती श्री मधुस्मिताजी ममा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री चम्पानालजी सक्तेचा  
दुर्गा माता मंदिर राह, जालना-431203 (महा)
- 46 भोसरो (पूना) (महा)  
विदुषी महासती श्री निमला कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-गाजरापोल  
मु पा भासरो, वाया जिला पूना (महा)

## उत्तर भारत प्रान्त

(दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश,  
जम्मू काश्मिर चण्डीगढ़ प्रांत)

### संत समुदाय

#### 1. त्रीनगर-दिल्ली

1. उत्तर भारतीय प्रवर्तक मण्डारी श्री पद्मचंदजी म.सा.

2. उपप्रवर्तक श्री अमर मुनि जी म.सा.

3. विद्वदर्थ डॉ. श्री सुव्रत मुनिजी म.सा

M. A Phd.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा,

25039 त्रीनगर, दिल्ली-110035

#### 2. अम्बाला छावनी (हरियाणा)

उपाध्याय श्री मनोहर मुनिजी म.सा. "कुमुद"

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
काली बाडी मंदिर के सामने, अम्बाला छावनी  
(हरियाणा)-134002

#### 3. टोहाना (हरियाणा)

उपप्रवर्तक स्वामी श्री फूलचंदजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, मु.पो. टोहाना  
शहर जिला-हिसार (हरियाणा)

#### 4. अम्बाला शहर (हरियाणा)

उपप्रवर्तक श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन जैन सभा,

महावीर भवन, महावीर मार्ग, अम्बाला शहर  
(हरियाणा)-134003

#### 5. मण्डी गिदडवाहा (पंजाब)

उपप्रवर्तक कवि सम्राट श्री चन्दनमुनिजी म.सा.

(पंजाबी) (सफारण) आदि ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
मु. पो मण्डी गिदडवाहा, जिला फरीदकोट  
(पंजाब)-152101.

#### 6. डेरावसी (पंजाब)

उपप्रवर्तक श्री जगदीश मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा,

मु.पो डेरावसी, जिला पटियाला (पंजाब)

#### 7. रोपड़ (पंजाब)

उपप्रवर्तक श्री राम मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, सदर बाजार,  
मु.पो. रोपड़-140 001. (पंजाब)

#### 8. चरखी दादरी (हरियाणा)

उपप्रवर्तक श्री प्रेम मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, मु. पो. चरखी  
दादरी, जिला-महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)

#### 9. देहरादून (उत्तरप्रदेश)

उपप्रवर्तक श्री प्रेमसुखजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा ; प्रेम सुखधाम  
16, नेशनल रोड, लक्ष्मण चौक,  
देहरादून-248001 (उत्तरप्रदेश)

#### 10. गोविन्दगढ़ (पंजाब)

सलाहकार श्री ज्ञान मुनिजी म.सा.

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, शास्त्री नगर,  
मु.पो. गोविन्दगढ़, जिला पटियाला (पंजाब)  
147301

#### 11. लुधियाना (पंजाब)

पं. रत्न श्री रतन मुनि जी म.सा. (पंजाबी)

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
आत्मचौक, रूपा मिस्त्री गली, लुधियाना-  
141 008 (पंजाब)

#### 12. बराड़ा (हरियाणा)

मधुरवक्ता श्री सुरेन्द्र मुनिजी म. सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा

मु.पो. बराड़ा, जिला-अम्बाला (हरियाणा)

#### 13. सदर बाजार-दिल्ली

मधुरवक्ता श्री जितेन्द्र मुनिजी म. सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा,

4530 डिप्टीगंज, सदर बाजार दिल्ली-110006

#### 14. मेरठ (उत्तर प्रदेश)

मधुरव्याख्यानी श्री श्रीचंदजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
जैन नगर, भगवान महावीर मार्ग, मेरठ-

250001 (उ. प्र.)

#### 15. बड़ौत मण्डी (उत्तर प्रदेश)

शान्तिमूर्ति श्री पारस मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक  
ला मेरठ (उ.प्र.) 250711

- 16 जाखल (हरियाणा)  
सम्पद व्याख्यानी श्री सम्पद मुनिजी मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पद सूत्र-श्री एस एम जैन सभा, मुपा जाखल  
मण्डी, जिला हिमालय (हरियाणा)
- 17 सोनीपत शहर (हरियाणा)  
सम्पदवक्ता श्री रमणोव मुनिजी मसा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पद सूत्र-श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,  
मुपा सोनीपत शहर (हरियाणा)
- 18 अमृतसर (पंजाब)  
सम्पदवक्ता श्री कमलमुनिजी मसा "कमलेश"  
आदि ठाणा (3)  
सम्पद सूत्र-श्री एस एस जैन सभा, जी के गल,  
हाई स्कूल के पास, चारसती अटारी, अमृतसर-  
(पंजाब)-143 001 फोन प्रधान 42713  
मन्त्री-51556
- 19 बिजौरा (उत्तरप्रदेश)  
प रत्न श्री छटिलालजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पद सूत्र-बिजौरा, जिला मेरठ (उ प्र)
- 20 खरड (पंजाब)  
सम्पदवक्ता श्री नैमचरजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पद सूत्र-श्री ज्ञानचंद सुरेश कुमार जन, प्रधान  
एम एम जैन, मुपा खरड, जिला रोपड़  
(पंजाब)-140301
- 21 प्रभात (पंजाब)  
सपत्नी श्री प्रीतम मुनिजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पद सूत्र-श्री एस एम जैन सभा, मुपा प्रभात  
(देरावली से चण्डीगढ़ मार्ग पर)  
(पंजाब)-140507
- 22 बुलढाणा मण्डी (उत्तरप्रदेश)  
प रत्न श्री विजय मुनिजी मसा 'जाखली'  
आदि ठाणा (2)  
सम्पद सूत्र-श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,  
मुपा बुलढाणा मण्डी (उ प्र)
- महासतिर्पाणी समुदाय
- 23 शास्त्री पाव बिनी  
उपप्रवर्तिनी महासती श्री सत्यवतीजी मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पद सूत्र-श्री एस एम जैन सभा,  
बी 45 शास्त्री पाव, दिनी-110 053
- 24 प्रेमनगर दिल्ली  
उपप्रवर्तिनी महासती श्री मगन श्रीजी मसा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पद सूत्र-एम एम जैन सभा, जैन स्थानक,  
गली न 18, जपूरा पुल के नीचे,  
2087 प्रेमनगर, दिल्ली-110 081
- 25 बोल्हापुर रोड, दिल्ली  
उपप्रवर्तिनी महासती श्री केसर देवीजी मसा  
विदुषी महासती श्री वीमन्या देवीजी मसा  
आदि ठाणा (9)  
सम्पद सूत्र-श्री एस एम जैन सभा,  
5152 बोल्हापुर मार्ग, बाल्हापुर हाउस,  
दिल्ली 11007
- 26 लुधियाना (पंजाब)  
1 उपप्रवर्तिनी महासती श्री अमरकुमारीजी मसा  
2 उपप्रवर्तिनी महासती श्री कौशल्याजी मसा  
3 विदुषी महासती श्री सावित्रीजी मसा  
आदि ठाणा (17)  
सम्पद सूत्र-श्री एस एम जैन सभा, जैन स्थानक,  
जाख चौक रूपा मिन्नी गली,  
लुधियाना-141008 (पंजाब)
- 27 लुधियाना (पंजाब)  
उपप्रवर्तिनी महासती श्री सोताजी मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पद सूत्र-उपरोक्त नयाव (26) अनुसार
- 28 बूढ़ विहार-दिल्ली  
उपप्रवर्तिनी महासती श्री सुंदर देवीजी मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पद सूत्र-श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक  
17, बूढ़ विहार, दिनी 110041

29. मुलतान नगर, दिल्ली

उपप्रवर्तिनी महासती श्री प्रेनकुमारीजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा, रोहतक रोड

नया मुलतान नगर, दिल्ली-110056

30. अरिहंत नगर-दिल्ली

1. विदुषी महासती श्री राजमतीजी म.सा.

2. उपप्रवर्तिनी महासती श्री आज्ञावतीजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा,

रोहतक नगर, अरिहंत नगर, दिल्ली-110026

31. फतेहाबाद (हरियाणा)

उपप्रवर्तिनी महासती श्री कैलाशवतीजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री एन.एस. जैन सभा

मु.पो. फतेहाबाद, जिला हिसार (हरियाणा)

32. राणा प्रताप बाग—दिल्ली

उपप्रवर्तिनी महासती श्री सुभाषवतीजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा

ए-11 राणा प्रताप बाग, दिल्ली-110007

33. वीर नगर—दिल्ली

1. उपप्रवर्तिनी महासती श्री स्वर्णकान्ताजी म.सा.

2. विदुषी महासती श्री स्मृतिजी म.सा. M.A.

आदि ठाणा (9)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा, महिला जैन स्थानक

जैन कालोनी वीर, नगर दिल्ली-110007

34. त्रीनगर—दिल्ली

1. उपप्रवर्तिनी महासती श्री सरिताजी म.सा.

Double M.A.

2. विद्याभिलाषी महासती श्री मीनाकुमारीजी म.सा.

M.A.

3. विदुषी महासती श्री शुभांजी म.सा.

Double M.A.

4. विद्याभिलाषी महासती श्री शिवाजी म.सा. B.A.

आदि ठाणा (11)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा,

2539 जैन स्थानक मार्ग—त्रीनगर

दिल्ली-110035

35. मटिण्डा (पंजाब)

1. तपगगन चन्द्रिका महासती श्री हेमकुँवरजी म.सा.

2. उपप्रवर्तिनी महासती श्री रचिरश्मिजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा

फीकर बाजार, मटिण्डा (पंजाब)

36. जम्मू-तवी (जम्मू-काश्मीर)

1. विदुषी महामती डॉ. श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा.

M.A., Ph-D.

2. विदुषी महासती डॉ. श्री दिव्यप्रभाजी म.सा.

M.A., Ph-D.

3. विदुषी महासती डॉ. श्री अनुपमाजी म.सा.

M.A. Phd.

आदि ठाणा (11)

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्ञानन्दनजी जैन

मेमर्स जैन गोटा स्टोर्स

लिक रोड, जम्मू-तवी (जम्मू एण्ड काश्मीर)

180001

37. अम्बाला शहर (हरियाणा)

वयोवृद्धा महामती श्री जिनेश्वरी देवीजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री संजय जनरल स्टोर्स, सरफा बाजार,

अम्बाला शहर (हरियाणा)

38. शक्ति नगर-दिल्ली

वयोवृद्धा महासती श्री मायादेवीजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा

18/31 शक्तिनगर, दिल्ली-110007

39. मुकेरिया (पंजाब)

मधुर व्याख्यात्री महासती श्री राजेश्वरी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक

मु.पो. मुकेरिया, जिला होशियारपुर (पंजाब)

40. न्यू शक्ति नगर-दिल्ली

विदुषी महासती श्री पवनकुमारीजी म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस.एस. जैन सभा

जैन साध्वी श्री पदमावती स्मारक जैन भवन

ए-2/15 शक्तिनगर एक्सटेंशन, दिल्ली-110052

- 41 फोल्हापुर हाउस, दिल्ली  
विदुषी महामती श्री स्थापुमारोजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा, महिमा जन स्थान  
रोल्हापुर हाउस, फोल्हापुर हाउस, दिल्ली-110007
- 42 रोहतक शहर (हरियाणा)  
मान मर्ति महामती श्री प्रवाधवीजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा, जन स्थान  
मु पो रोहतक शहर (हरियाणा) 124001
- 43 समथपुर दिल्ली  
व्याख्यात्री महामती श्री तुष्णाजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा, जन निवास  
बी 12 यादवपुर समथपुर, दिल्ली 110042
- 44 लुधियाना (पंजाब)  
विदुषी महामती श्री महद्रुमुमारोजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री रंगीराम धमपाल जैन  
तानान मंदिर रोड, लुधियाना 141008  
(पंजाब)
- 45 अहिल्यापुर (पंजाब)  
व्याख्यात्री महामती श्री गुणमालाजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा जन स्थान  
मु पो अहिल्यापुर, जिला होशियारपुर (पंजाब)
- 46 प्रसात विहार दिल्ली  
शात स्वमावी महासती श्री शातीदेवीजी म सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा  
प्रसात विहार, दिल्ली-110034
- 47 शास्त्री पाक-दिल्ली  
मधुर व्याख्यात्री महासती श्री विजयेद्राजी म सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एस एस जैन सभा  
बी-54 शास्त्री पाक, दिल्ली-110053
- 48 शास्त्रीनगर-दिल्ली  
व्याख्यात्री महामती श्री श्रीमतीजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा  
प 669 शास्त्री नगर, दिल्ली 110052
- 49 बसवाहा-दिल्ली  
शात मूर्ति महामती श्री शान्तिदेवीजी म सा  
आदि ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा  
जैन स्थान पक-754 बसवाहा, दिल्ली-110053
- 50 बटोल बाग-दिल्ली  
विदुषी महामती श्री राजकुमारोजी म सा  
आदि ठाणा (10)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन सभा, 18 पाक एरिया  
बटोल बाग, दिल्ली 110005
- 51 खेडी गुजर (हरियाणा)  
मधुर व्याख्यात्री महामती श्री मिताकुमारोजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा, जैन स्थान  
मु पो खेडी गुजर,  
त्रिला पानीपत (हरियाणा)
- 52 बत्तास नगर-दिल्ली  
विदुषी महामती श्री मुमनकुमारोजी म सा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा जैन स्थान,  
गली न 2, बत्तास नगर, दिल्ली 110031
- 53 गांधी नगर-दिल्ली  
व्याख्यात्री महासती श्री शशिप्रभाजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एस एस जैन सभा  
6367 बली नेताजी, गांधी नगर, दिल्ली 110031
- 54 अहमदगढ़ मण्डी (पंजाब)  
अध्ययाशीला महासती श्री चंद्रप्रभाजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एस एस जैन सभा, गांधी चौक  
मु पो अहमदगढ़ मण्डी (पंजाब)

55. अशोक विहार-दिल्ली  
शांत स्वभावी महासती श्री प्रवीणकुमारीजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस.एस. जैन सभा  
एफ ब्लॉक फेज 1, अशोक विहार  
दिल्ली-110052
56. शाहदरा-दिल्ली  
व्याख्यात्री महासती श्री मोहन मालाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस.एस. जैन सभा  
1/5947 कबूल नगर, शाहदरा दिल्ली 110032
57. बनूड़ (पंजाब)  
व्याख्यात्री महासती श्री मीनाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस.एस. जैन सभा, मु.पो. बनूड़  
जिला पटियाला (पंजाब)
58. लक्ष्मीनगर-दिल्ली  
1 विदुषी महासती श्री रमेशकुमारीजी म.सा. B.A.  
2 विदुषी महासती श्री अनिलकुमारीजी म.सा. Double M.A.  
3 विदुषी महासती श्री चेतनाजी म.सा. M.A.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक  
एम-87, जगताराम पार्क, लक्ष्मीनगर  
दिल्ली-110092
59. सोनीपत मण्डी (हरियाणा)  
व्याख्यात्री महासती श्री भागवतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस.एस. जैन सभा  
सोनीपत मण्डी (हरियाणा)
60. मालेर कोटला (पंजाब)  
विदुषी महासती श्री सुमित्राजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस.एस. जैन सभा, मलेरी गली  
मु.पो. मालेर कोटला 148025  
जिला संगरूर (पंजाब)
61. नाभा (पंजाब)  
व्याख्यात्री महासती श्री किरणाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस.एस. जैन सभा  
मु.पो. नाभा जिला पटियाला (पंजाब)
62. खरड़ (पंजाब)  
मधुर व्याख्यात्री महासती श्री मंजुजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
मु.पो. खरड़ 140301 जिला रोपड़ (पंजाब)
63. जालंधर मण्डी (पंजाब)  
मधुर व्याख्यात्री महासती श्री मंजु ज्योतिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस एस. जैन सभा,  
वारदाना बाजार, मण्डी रोड,  
मु.पो. जालंधर मण्डी (पंजाब)
64. विश्वास नगर-दिल्ली  
विदुषी महासती श्री सुशील कुमारीजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस एस. जैन सभा  
8/58, रामगली, विश्वास नगर  
दिल्ली-110 032
65. गोविन्दगढ़ (पंजाब)  
अध्ययनशीला महासती श्री पुष्पाजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री एस. एस. जैन सभा,  
शास्त्री नगर, मु.पो. गोविन्दगढ़  
जिला पटियाला (पंजाब)
66. महेन्द्रा पार्क-दिल्ली  
शांत स्वभावी महासती श्री सुशील कुमारीजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र -श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक  
WZ-3353, महेन्द्र पार्क, राणी बाग,  
दिल्ली-110034
67. जालंधर शहर (पंजाब)  
शांत स्वभावी महासती श्री पुनीत ज्योतिजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)



सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा जैन स्थानव  
मु पा जानधर शहर-144001 (पंजाब)

### 58 लारेंस रोड, दिल्ली

विदुषी महामती डा श्री भरोजश्रीनी म सा  
M A , Ph-D आदि ठाणा (3)

सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा, जैन स्थानव,  
पॉस्ट बॉ-4, प्लॉट न 3  
बैशम्पुरम, लारेंस रोड, दिल्ली 110035

### 69 रतिया (हरियाणा)

विदुषी महामती श्री बुधुमप्रभाजी म सा  
आदि ठाणा (4)

सम्पन्न सूत्र-श्री एम एम जैन सभा, जैन स्थानव  
मु पो रतिया, जिला हिसार (हरियाणा)

कुल चातुर्मास (69) सत (60) सतिपांजी (237)  
कुल ठाणा (297)

## 6 मध्यप्रदेश प्रान्त

### सत समुदाय

#### 1 खाँखरीद (मध्यप्रदेश)

1 प रत्न श्री रूपत्र मुनिजी म सा

2 प्रवतक प रत्न श्री उमेश मुनिजी म सा "अणु"  
आदि ठाणा (6)

सम्पन्न सूत्र-श्री मुजानमनजी चपासालजी रूपवया  
27 अनपूर्णा मांग खाँखरीद  
जिला उज्जैन (म.प्र.) 456224

#### 2 करही (मध्यप्रदेश)

सत्ताहवार ॥ रत्न श्री जीपनमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (4)

सम्पन्न सूत्र-श्री अमालवचनजी छाजेड  
मु पा करही, जिला खरसोल (म.प्र.) 451220  
फोन न अण्डस 223, 225, स्वास्तोध्यस 231  
(STD 07280)

#### 3 इन्दौर महावीर भवन (मध्यप्रदेश)

गायन निधि प रत्न श्री रामनिवासजी म सा  
(संकारण) आदि ठाणा (1)

सम्पन्न सूत्र-श्री यस्या जैन स्थानव मण  
महावीर भवन, उमनी यादर,  
इन्दौर-452002 (म.प्र.)

#### 4 रतताम (मध्यप्रदेश)

1 उपप्रवतक श्री मेघराजजी म सा

॥ प रत्न श्री लक्ष्मिजी म सा "निदानाचार्य"  
आदि ठाणा (5)

सम्पन्न सूत्र-श्री यस्या जैन स्थानव मण  
जैन स्थानव, १1 नीम पाव, रतताम 457001  
(म.प्र.)

#### 5 उज्जैन (मध्यप्रदेश)

सत्ताहवार श्री मूलमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)

सम्पन्न सूत्र-श्री यस्या जैन स्थानव मण  
महावीर भवन, नमक मण्टी  
उज्जैन 456006 (म.प्र.)

#### 6 इन्दौर बलव बालोनी (मध्यप्रदेश)

1 सपत्नी श्री मोहन मुनिजी म सा }  
2 भवन वरना श्री अजित मुनिजी म सा }  
आदि ठाणा (2)

सम्पन्न सूत्र-श्री शमयकुमार पोउरना  
225, बलव बालोनी परदेसीपुरा, इन्दौर 452002  
फोन 441548

#### 7 मोमच छावनी (मध्यप्रदेश)

प रत्न श्री अण्ण मुनिजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री वीर ब्रह्मजी छावनी  
1 वीर पाव रोड, मोमच छावनी  
जिला मन्दसौर (म.प्र.)

### महासतिपांजी समुदाय

#### 8 रतताम (मध्यप्रदेश)

महास्थविरा विदुषी महामती श्री सोमाय्यपुत्रजी म सा  
आदि ठाणा (5)

सम्पन्न सूत्र-श्री निहालचन्दजी गांधी  
78 बजाजघाना, रतताम (म.प्र.) 457001

9. देवास (मध्यप्रदेश)  
महास्थविरा महासती श्री मनोहरकुंवरजी म.सा.  
(मालवा) आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ  
उपासना गृह, वड़े राजवाड़े के सामने,  
मु.पो. देवास-455001 (म.प्र.)
10. गुजालपुर (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री शांताकुंवरजी म.सा. (मालवा)  
व्याख्यात्री महासती श्री रमणीककुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री प्रवीणकुमारजी जैन  
श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, 56 बड़ा बाजार  
गुजालपुर शहर (म.प्र.) 456331
11. बदनावर (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री वल्लभकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री सुजानमलजी मूणत  
मु.पो. बदनावर जिला धार (म.प्र.) 454660
12. महावीर नगर, इन्दौर (म.प्र.)  
विदुषी महासती श्री प्रेमकुंवरजी म.सा.  
(मेवाड तृतीय) आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मुलतानसिंहजी विराणी,  
5/12 यशवंत निवास रोड,  
इन्दौर-452002 (म.प्र.)
13. इन्दौर चन्दनवाला भवन (मध्यप्रदेश)  
स्थविरा महासती श्री रमणीककुंवरजी म.सा.  
व्याख्यात्री महासती श्री चचलकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जीतमलजी जैन  
मै. जिनेन्द्र सेव भण्डार  
बड़ा सराफा, इन्दौर-452002 (म.प्र.)
14. धार (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री मधुवालाजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री रमेशचन्द्रजी गांधी  
मेसर्स गांधी टेंट हाउस, मु.पो. धार  
(मध्यप्रदेश) 454001
15. झाबुआ (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री धैर्यप्रभाजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शांतिलालजी वेणीचन्द्रजी रूनवाल  
9 रूनवाल बाजार, झाबुआ-457661 (म.प्र.)
16. खोंचरीद (मध्यप्रदेश)  
तपोमूर्ति महासती श्री कमलप्रभाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार
17. करही (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री प्रमोदकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 2 अनुसार
18. इन्दौर (राजमोहल्ला) (म.प्र.)  
1. महास्थविरा महासती श्री चंपाकुंवरजी म.सा.  
2. व्याख्यात्री महासती श्री रमणीककुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चंदनमल चौरडिया  
मै. राजमल रतनलाल  
साउथ हाथीपाला, इन्दौर-452002 (म.प्र.)
19. उज्जैन (मध्यप्रदेश)  
स्थविरा महासती श्री कंचनकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शांतिलालजी मारु  
दौलतगंज, उज्जैन (म.प्र.) 456006
20. मन्दसौर (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री आदर्श ज्योतिजी म.सा.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चांदमलजी मूरडिया  
मेसर्स जैन दिवाकर टेंट हाउस  
सम्राट रोड, मन्दसौर-458001 (म.प्र.)
21. इमली बाजार-इन्दौर (मध्यप्रदेश)  
स्थविरा महासती श्री ताराकुंवरजी म.सा.  
(सकारण) आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्र. 3 के अनुसार

- 22 नागदा जवशन (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री प्रमोदकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (6)

सम्पक सूत्र—श्री भेटलालजी वाठेड  
तिलक भाग, नागदा-जवशन  
जिला उज्जैन (म प्र)

- 23 शाजापुर (मध्यप्रदेश)  
महास्वविरा महासती श्री सोहनकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (5)

सम्पक सूत्र—श्री हिम्मतमलजी जैन नारायिया  
आजाद चौक, शाजापुर (मध्यप्रदेश) 456001

- 24 जावरा (मध्यप्रदेश)  
महास्वविरा महासती श्री कचनकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (2)

सम्पक सूत्र—श्री शातिलालजी चतर  
जैन स्वयंसेवक सोमवारिया मुंषी जावरा  
जिला खतलाम (म प्र) 457226

- 25 इन्दौर (आन्ध्रप्रदेश) (म प्र)  
विदुषी महासती डॉ श्री अचनाजी म सा  
M A PhD आदि ठाणा (4)

सम्पक सूत्र—श्री शातिलालजी भाऊ  
73/74 बडा सराफा, इन्दौर-452002 (म प्र)

कुल चातुर्मास स्थल (25) सत (22) सतिपांजी (77)  
कुल ठाणा (99)

## 7 आन्ध्र प्रदेश प्रान्त

### सत समुदाय

- 1 सिक्द्राबाद (आन्ध्रप्रदेश)  
वपस्वी श्री जीवराजजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र—  
Shri S Hastimalji Munot  
7-2 832 Pot Market  
SECUNDRABAD 500 003 (A, P)  
Tel No 824077, 834408

- 2 कामारेड्डी (आन्ध्रप्रदेश)  
तरुण तपस्वी श्री विमलमनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)

सम्पक सूत्र—  
Shri Bhikamchandji Jain  
Mahavir Jain School Sirsila Road,  
P O KAMAREDDY-503 111  
Distt Nizamabad (A P)  
Tel No 2135, 2811, 2551

कुल चातुर्मास (2) सत (5) कुल ठाणा (5)

## 8 गुजरात प्रान्त

### सत समुदाय

- 1 सूरत (गुजरात)  
प रत्न श्री सुरेशमुनिजी म सा 'शास्त्री' ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र—श्री लहरीलाल डालचंद एण्ड व,  
सी 1004, सूरत टेक्सटाइल मार्केट  
रिंग रोड, सूरत-395002 (गुजरात)  
महासतिपांजी समुदाय  
2 शाहोबाग-अहमदाबाद (गुजरात)  
1 विदुषी महामती श्री सुराजी म सा  
2 विदुषी महामती श्री सत्यप्रभाजी म सा  
आदि ठाणा (6)

सम्पक सूत्र—श्री राजमल वानूगा  
C/o शाह खीगडमल मुस्तानिमल कानूगा,  
जामूद सेनेटोरियम, जैन मंदिर के पास,  
गिरधर नगर, शाही बाग,  
अहमदाबाद (गुजरात) 380004

कुल चातुर्मास (2) सत (2) सतिपांजी (6) कुल ठाणा (8)

अमण सच के अन्य एकल विहारी सत-सतिपांजी

### सत समुदाय

- 1 गाजियाबाद (उत्तरप्रदेश)  
मधुर वक्ता श्री दीपचंदजी म सा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र—श्री जे डी जैन  
जैन रोलिंग मिल्स के बी 45 बकि नगर  
गाजियाबाद 201001 (उ प्र)  
फोन न 840001, 8712541

2. पेंची (म. प्र.)

वयोवृद्ध श्री मोहन मुनिजी म.सा. (कोटा समुदाय)  
ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री महावीरप्रसाद जैन  
मु. पो. पेंची जिला-गुना म. प्र. 473 115

3. सम्मेद शिखरजी (बिहार)

पं. रत्न श्री नवीन मुनिजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री पार्ष्व कल्याण केन्द्र  
मधुवन, शिखरजी, जिला गिरिडीह  
(बिहार) 825329

4. लुधियाना (पंजाब)

श्री तिलोक मुनिजी म.सा. ठाणा (1)

5. कोट (हरियाणा)

सेवाभावी श्री पदममुनिजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री नेमचन्द गुरु भवन,  
मु.पो कोट बाया (बरवाला) जिला अम्बाला  
(हरियाणा) 134178

महासतियाँजी समुदाय

6. राजस्थान में योग्य स्थल (राज.)

वयोवृद्ध महासती श्री रतनकुंवरजी म.सा. (कमल)  
ठाणा (1)

7. लुधियाना (पंजाब)

महासती श्री सिंधुवालाजी म.सा. ठाणा (1)

8. पंजाब में योग्य स्थल (पंजाब)

महासती श्री स्नेहलताजी म.सा. आदि ठाणा (3)

कुल चातुर्मास (8) संत (8) सतियाँ (5) कुल ठाणा (10)

नोट—इनके अलावा भी लगभग 5-6 अन्य एकल विहारी संत सतियाँजी म. हैं। जिनके बारे में कोई सूचना प्राप्त नहीं हो सकी। हो सकता है वे गृहस्थ भी बन गये हों या संयमी जीवन में होंगे तो उनके बारे में कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी।

—सम्पादक

श्रमण संघ में कुल

कुल चातुर्मास संतों के } 214 कुल संत 206  
कुल चातुर्मास सतियों के } कुल सतियाँ 674

कुल 214 कुल 880

कुल चातुर्मास स्थल (214) संत (206) सतियाँजी (674)  
कुल ठाणा (880)

श्रमण संघ प्रान्तवार संक्षिप्त तालिका 1992

क्र.सं.	प्रान्त	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाँ	कुल ठाणा
1.	राजस्थान	50	53	172	225
2.	तमिलनाडु	5	6	14	20
3.	कर्नाटक	8	17	19	36
4.	महाराष्ट्र	46	36	144	180
5.	उत्तरभारत प्रान्त	70	60	240	300
6.	मध्यप्रदेश	25	22	77	99
7.	आन्ध्रप्रदेश	2	5	—	5
8.	गुजरात	2	2	6	8
	अन्य सकल विहारी	7	5	2	7
	कुल योग	214	206	674	880

नोट—1. श्रमण संघ के आचार्य सम्राट श्री आनन्दऋषीजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात् तृतीय पट्टधर के रूप में आचार्य श्री देवेन्द्रमुनिजी म.सा. को श्रमण संघ का नया आचार्य बनाया गया है।

2. अभी तक भी श्रमण संघ के लगभग 150 संत सतियों की सूची प्राप्त नहीं हो सकी।

3. समयभावा के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।

4. श्रमण संघ की जैन पत्र-पत्रिकाएँ—(1) सुधर्मा अहमदनगर (2) आत्म रश्मि लुधियाना (3) गोयम मालेर कोटला (4) धर्म ज्योति भीलवाड़ा (5) अहिंसा दर्शन उज्जैन (6) तपोधन भीलवाड़ा (7) विजय ज्योति अलवर (8) शांतीलोक मेरठ (9) जैन प्रकाश दिल्ली (10) महावीर मिशन दिल्ली

5. श्रमण संघ की सूची चातुर्मास प्रारंभ होने के 20 दिन बाद प्राप्त होने से समयभावा के कारण अधिक जानकारी प्रस्तुत नहीं कर सका।

—सम्पादक

जय आत्म

जय आनन्द

जय दशेन्द्र

श्रमण सभ के द्वितीयपट्टधर आचार्य सम्पाद श्री ज्ञानदह्यपिजी म मा म आचार्यशर्मा श्रमण मणीय म मा  
 सरनात्मा प रत्न मयूर वक्ता श्री सुन्दन ऋषिजी म मा, आज्ञापी प्रसिद्ध वक्ता प रत्न  
 श्री आदश ऋषिजी म मा आदि टाण्डा (8)वा पाठ-बम्बई म मा 1992  
 का चातुर्मास ज्ञान दमन चारित्र एवं सप की आराधनाआ म  
 यणस्वी एवं ऐतिहासिक धनन की शुभ मयनसामनाएँ करन हूँ-

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ



फोन नं 542509

# पंजाब जैन भ्रातृ सभा

## काशीराम स्मृति भवन

### अहिंसा भवन, अहिंसा मार्ग, (14-ए रोड),

### खार रोड (पश्चिम)

### बम्बई-400052 (महाराष्ट्र)

श्री साधुमार्गी जैन संघ के आचार्य प्रवर श्री हुकसीचंदजी म. सा. के समुदाय के अष्टम् पट्टधर समताविभूति, आगम निधि, जिनशासन प्रद्योतक, धर्मपाल प्रतिबोधक, समीक्षण ध्यान योगी, विद्वद् शिरोमणि, चारित्र चूड़ामणि आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म. सा. एवं भावी संघ नायक तरुण तपस्वी, शास्त्रज्ञ युवाचार्य प्रवर श्री रामलालजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (50) संत (40) सतियाँजी (254) कुल ठाणा (294)

### संत समुदाय

#### 1. उदयरामसर (राजस्थान)

1. समता विभूति, धर्मपाल प्रतिबोधक, समीक्षण ध्यान योगी, जिनशासन प्रद्योतक विद्वद् शिरोमणि, चारित्र चूड़ामणि, आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म.सा.

2. भावी संघ नायक, तरुण तपस्वी, शास्त्रज्ञ, युवा शिरोमणि, पं. रत्न युवाचार्य प्रवर श्री रामलालजी म.सा.

3. घोर तपस्वी श्री अमरमुनिजी म.सा.

4. शासन प्रभावक श्री धर्मेश मुनिजी म.सा.

5. मधुर व्याख्यानी श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (12)

चातुर्मास स्थल—समता भवन, उदयरामसर

सम्पर्क सूत्र—श्री रतनलालजी जैन

C/o श्री सम्पतलालजी सिपानी

मु.पो. उदयरामसर, बाया जिला बीकानेर

(राजस्थान)

फोन नं. 22, 25, 38

#### 2. बीकानेर (राजस्थान)

शासन प्रभावक संघ संरक्षण श्री इन्द्रचन्दजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री नथमलजी तातेड़

दस्साणियो का चौक, बीकानेर-334005

(राजस्थान) फोन सेठियाजी 5812, 4124

#### 3. बड़ी सादड़ी (राजस्थान)

विद्वद्ध्य श्री सेवन्तमुनिजी म.सा आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री प्रकाशचन्दजी मेहता

मु.पो. बड़ी सादड़ी, जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

312403

#### 4. रतलाम (मध्यप्रदेश)

स्थविर प्रमुख विद्वद्ध्य श्री शांति मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री रत्नचन्दजी कटारिया

74 नौलाईपुरा, रतलाम (म.प्र.) 457001

#### 5. निम्वाहेड़ा (राजस्थान)

आगम व्याख्याता श्री कंवरचन्दजी म.सा

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री सागरमलजी चपलोट

नवाबगंज, मु.पो. निम्वाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़

(राजस्थान) 312601 फोन नं 123

#### 6. नोखागांव (राजस्थान)

स्थविर प्रमुख विद्वद्ध्य श्री प्रेमचन्दजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

- सम्पन्न सूत्र-श्री उदयचन्दजी डागा, गांधी चौक  
मु पो नागा, जिला बीकानेर (राज) 334803
- 7 भीनासर (राजस्थान)  
स्वविर प्रमुख व्याख्याता श्री पारममुनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री बालचन्दजी पेंठिया, श्री जवाहर जी  
विद्यापीठ, मु पो भीनासर  
जिला बीकानेर (राज) 334403
- 8 जयनगर (राजस्थान)  
विद्वदय श्री सम्पन्नमुनिजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री शांतिलालजी रावा  
मु जयनगर पोस्ट जमूगड  
जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)
- 9 झरू (राजस्थान)  
आदण त्यागी श्री रणजीतमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री शेखरलालजी गुणिया, मु पो झरू  
बाया बालायत, जिला बीकानेर (राज)
- 10 जयपुर (राजस्थान)  
स्वविर प्रमुख विद्वदय श्री नानमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री उमराधमलजी चौरडिया म श्री  
मायली बाबा वा रास्ता, जयपुर-302003  
(राजस्थान)  
फाल न 47650 साल भवन 62414  
धातुमान स्थल-श्री बरना जैन श्रावण सप्तसाल भवन  
चौडा रास्ता, जयपुर 302003 (राज)
- 11 पीपलिया मण्डी (मध्यप्रदेश)  
घाट तपस्वी श्री बलभद्रमुनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री सुरजकुमार धामचा  
मु पो पीपलिया मण्डी  
जिला मन्डली (मध्य) फाल न 38  
महासतिर्यांजी समुदाय
- 12 मन्डली (नई आवादी) (मध्यप्रदेश)  
शासन प्रभाविका विदुषी महासती  
श्री बलभद्रकुवरजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री चादमलजी पारवाल  
राह न 3, नई आवादी, मन्डली 458001  
(मध्यप्रदेश)
- 13 भीनासर (राजस्थान)  
1 शासन प्रभाविका विदुषी महासती  
श्री पानुवरजी म सा  
2 शासन प्रभाविका महासती श्री बलभद्रकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (10)  
सम्पन्न सूत्र-श्री रामरावजी मठिया मु सा भीनासर  
बाया जिला बीकानेर (राजस्थान)
- 14 श्यावर (राजस्थान)  
शासन मन्दा मन्दा, न स्वविरा महासती  
श्री सम्पन्नकुवरजी म सा आदि ठाणा (11)  
सम्पन्न सूत्र-श्री साधुमार्गी जन मण  
जाना भवन, जैन मिर मण्डल, महावीर बाजार,  
श्यावर, जिला मन्डली (राज) 305901
- 15 मोछा (राजस्थान)  
शासन प्रभाविका महासती श्री बलभद्रकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-उदयलाल प्रभाक 6 थे अजुमार
- 16 उदयपुर (राजस्थान)  
शासन प्रभाविका महासती श्री धामकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (10)  
सम्पन्न सूत्र-श्री बरणाभिजी सिगादिदा  
29 पानाग्रावण्ड, उदयपुर 313001  
(राजस्थान) फाल न 26397
- 17 देशनोक (राजस्थान)  
1 शासन प्रभाविका विदुषी महासती  
श्री पणुवरजी म सा  
2 रत्नागिर महासती श्री फलकुवरजी म सा  
आदि ठाणा (11)  
सम्पन्न सूत्र-श्री डालचन्दजी भूर, मु पो दशनोक  
जिला बीकानेर (राज) 334801
- 18 सिधनूर (कर्नाटक)  
शासन प्रभाविका विदुषी महासती  
श्री नानकुवरजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-  
Shri Rikhabchand Sohanlal Bohra  
P O SINDHNUR - 584128  
Distt Raichur (Karnataka) Tel No 232

19. उदयरामसर (राजस्थान)

1. स्थविरा महासती सरलमना श्री धापूकुंवरजी म.सा.
2. विदुपी महासती श्री सरदारकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (17)

सम्पर्क सूत्र—श्री उपरोक्त क्रमांक (1) अनुसार  
(नोट—महासती श्री धापूकुंवरजी म.सा. आचार्य  
श्रीजी की सासारिक बड़ी बहिन हैं)

20. बीकानेर (राजस्थान)

1. शासन प्रभाविका विदुपी महासती  
श्री भवरकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा (11)
- सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (20) के अनुसार

21. देवरिया (राजस्थान)

शासन प्रभाविका विदुपी महासती श्री संपतकुंवरजी  
म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री सोहनलालजी नवलखा  
मु.पो. देवरिया, बाया कोशीथल  
जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)

22. जयपुर (राजस्थान)

शासन प्रभाविका महासती श्री सायरकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)

चातुर्मास स्थल—रतन स्वाध्याय भवन  
तख्तेणाही रोड,

सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक नं (10) के अनुसार

23. जयपुर सिटी (राजस्थान)

विदुपी महासती श्री चेतनश्रीजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

चातुर्मास स्थल—बार्ह गणगौर स्थानक

सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (10) के अनुसार

24. दुर्ग (मध्यप्रदेश)

शासन प्रभाविका महासती श्री इन्द्रकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (13)

सम्पर्क सूत्र—श्री शंकरलालजी बोयरा, सदर बाजार  
दुर्ग-491001 (म.प्र.)

25. इन्द्रावड़ (राजस्थान)

सेवाभाविकी महासती श्री वदामकुंवरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री सज्जनसिंहजी सिमोदिया

मु.पो. इन्द्रावड़, बाया मेड़ता मिटी

जिला नागौर (राजस्थान) 341510

26. छोटी सादड़ी (राजस्थान)

सेवाभाविकी महासती श्री सुमतिकुंवरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री सुजानमल चावत, मु.पो. छोटीसादड़ी  
जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)

27. गंगाशहर (राजस्थान)

सेवाभाविकी महासती श्री रोगनकुंवरजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र—श्री महेन्द्रकुमारजी मिश्री, नई लाइन  
मु.पो. गंगा शहर जिला बाया बीकानेर (राज.)

334401

28. बल्लारी (कर्नाटक)

विदुपी महासती श्री सूर्यकाताजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—

Shri B. Surendra Baena

25, Car Street, BELLARY - 583101  
(Karnataka)

29. चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)

आदर्श त्यागिनी महासती श्री कस्तूरचन्दजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र श्री वंशीलालजी पोखरना

मेसर्स गीतम बलाथ स्टोर्स, 3-ए नेहरू नगर

चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) 322001

30. अमलनेर (महाराष्ट्र)

सेवाभाविकी महासती श्री गंगावतीजी म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री बाबूलालजी छोगमल पारख

मु.पो. अमलनेर, जिला जलगाव (महाराष्ट्र)

425401 फोन आफिस 178, निवास 172

31. इन्दौर (पलासिया) (मध्यप्रदेश)

विदुपी महासती श्री मंगलाकुंवरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्रीमती प्रेमलता वोहरा

4 डॉ. आर.एस. भण्डारी मार्ग,

इन्दौर-452002 (म.प्र.)



उत्तराधिपति नरम ५६४ के रूप में युवा तपस्वी  
रत्न श्री रामलालजी ममा का मध का युवाचाय  
मनालीत किया है जो मध के भावी नायक होंगे।  
युवाचाय श्रीजी न जैन से आचार्यश्रीजी के सान्निध्य  
में दीक्षा ग्रहण की तब से आज तक आचार्यश्रीजी के  
साथ ही सभी चातुर्मास सम्पन्न किया है। इसके अलावा  
आचार्यश्रीजी ने पंच मुनिराजा का स्वर प्रमुख  
एव मानन प्रभाव श्री इन्द्रचन्द्रजी ममा का मध  
सम्पन्न पद प्रदान किया है इस वष युवाचाय चांदर  
महाल 7-3-92 का जयपुर में सम्पन्न हुआ।

3 आचार्य प्रवर के सान्निध्य में इस वष जा दा बाप  
बहुत ही महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक हुआ, वह प्रथम  
बीगनर के इतिहास में 16-2-92 का एव साथ एक  
जगह (21) नई दीक्षाया का होना। द्वितीय सप  
मगध एक रूपता का बल प्रदान करने हेतु सप का  
भावी मध नायक के रूप में श्री राममुनिजी ममा का  
युवाचाय पद प्रदान करना तथा अन्य 5-6 मुनिराजों  
का प्रमुख पद प्रदान करना, सप मगध पदबुत  
चनान का ऐतिहासिक बदल उठाया है।



हृ शि उ ची श्री ज ग नाना  
राम चमकसी भानु समारा

नानगच्छाधिपति तपस्वीराज परम पूज्य गुरुदेव श्री  
चपासा जी ममा आदि ठाणावा का भाचौर (राज)  
में 1992 का चातुर्मास मानद सुखमय सम्पन्न हनिष्ठी  
मगल कामनाएं करत हुए—

**K. Amarchand Jeevraj**

No 80 G No 10th Street,  
ULSOOR BANGALORE  
560008 (Karnataka)

—शुभेच्छक—

**जीवराज अशोकचंद लोढ़ा**

(घर निवासी), बैंगलोर

सामायिक स्वाध्याय के प्रेरक, इतिहास मातृपद परम पूज्य  
आचार्य प्रवर श्री हर्मासलजी ममा का बाटी-बाटी  
बदन करने हुए-वनपान आचार्य परमपूज्य श्री हीराचंद  
जी ममा आदि ठाणावा का बालातरा (राज) में  
सन् 1992 का चातुर्मास मानद सम्पन्न होने की मगल  
कामनाएं करत हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित !

**M Shantilal Jain**

No 4, Magadi Road  
Opp Chak Post  
Near K H B Colony  
BANGALORE 560079 (Karnataka)

माणकचंद, शांतिलाल, रिखवराज, सुनील लोढ़ा  
(नाइसर निवासी), बैंगलोर

ज्ञान - गच्छाधिपति, तपस्वीराज, अखण्ड बाल-ब्रह्मचारी,  
चारित्र चूड़ामणि, प्रखर वक्ता, पं. रत्न श्री चम्पालालजी म.सा.  
के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (59) संत (39) सतियाँजी (280) कुल ठाणा (319)

### संत समुदाय

#### 1. सांचौर (राजस्थान)

1. ज्ञानगच्छाधिपति, तपस्वीराज, अखण्ड बाल-  
ब्रह्मचारी चारित्र चूड़ामणि, प्रखर वक्ता  
श्री चंपालालजी म.सा.

2. श्रुतधर पं. रत्न विद्वदर्थ श्री प्रकाश मुनिजी  
म.सा. आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री आर. हरखचंदजी डोशी  
मु.पो. सांचौर, जिला जालौर (राजस्थान)  
343 041

#### 2. भादसोड़ा-मेवाड़ (राजस्थान)

सेवाभावी श्री सौभाग्यमलजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मनोहरलालजी पोखरना मंत्री  
श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ जैन स्थानक  
मु.पो. भादसोड़ा, जिला चित्तौड़गढ़  
राजस्थान-312 024 फोन नं. 42

#### 3. झाब (राजस्थान)

विद्वदर्थ श्री सागरमलजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वस्तीमलजी मेहता  
श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, मु.पो. झाब जिला  
जालौर (राजस्थान)

#### 4. जोधपुर (राजस्थान)

पं. रत्न श्री धेवरचंदजी म.सा. "वीर पुत्र"  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री धींगडमलजी गिडिया  
रायपुर हाउस कपड़ा बाजार, जोधपुर (राजस्थान)  
342 001 फोन 26145, 21866

#### 5. धुलिया (महाराष्ट्र)

मधुर व्याख्यानी श्री उत्तम मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अशोक कुमारजी कोटेचा  
जूना धुलिया (महाराष्ट्र)-424 001

#### 6. बालोतरा (राजस्थान)

मधुर वक्ता श्री तेज मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री धनराजजी चौपड़ा,  
मुकन भवन, महावीर चौक, मु.पो. बालोतरा  
जिला बाड़मेर (राजस्थान) 344022

#### 7. वल्लभनगर (राजस्थान)

धर्मोपदेष्टा श्री मथुरा मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मोहनलालजी निमड़िया  
मु.पो. वल्लभ नगर जिला उदयपुर (राज)  
313601 फोन नं. 37 पी.पी.

#### 8. कांथला (उत्तरप्रदेश)

महात्माजी श्री जयंतीलालजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कुलवत राय जैन  
मेसर्स-संजय जैन कन्फेक्शनरी जैन मंदिर के पास  
पुष्पा भवन, मु.पो. कांथला जिला मुजफ्फर-  
नगर (उ.प्र.) 247 775  
फोन नं. (0123481) 259

#### 9. रतलाम (मध्यप्रदेश)

मधुर व्याख्यानी श्री नवरत्न मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मणिलालजी श्रवणलालजी तरसिंग  
31 नीम चौक, रतलाम (म.प्र.)-457 001  
(म.प्र.) फोन नं. 20744

## महासतिप्यांजी नमुदाय

- 10 मिखाा (राजस्थान)  
वयोवद्धा स्वविरा महामती श्री भाष्य कुवरजी म मा  
जादि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पायसभनजी राजा, पाय के अन्दर  
मु पा मिराभाजिरा बाडमेर (राज) 343044
- 11 बैतागोर (राजस्थान)  
ययावुद्धा स्वविरा महामती श्री भगन कुवरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री भैरवराजजी भूरा  
मु पा, गगना जिला बीकानेर (राज)  
334901
- 12 गगाशहर (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री मगाहर कुवरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री घेवरचदजी रामराजजी बायरा  
बायरा चौक, मु पा, गगा शहर  
बाया-जिला बीकानेर (राज)-334401
- 13 नोया मण्डी (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री प्रेम कुँवरजी म मा  
जादि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री दीपचदजी पावूदानजी पीचा,  
मु पा, नोया मण्डी, जिला बीकानेर (राज)  
334803
- 14 भावसोडा (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री भीरम कुवरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-उपरास प्रभाव 2 के अनुसार
- 15 सावीर (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री विनय कुवरजी म मा  
आदि ठाणा (11)  
सम्पन्न सूत्र-उपरास प्रभाव 1 अनुसार
- 16 बडीत (उत्तरप्रदेश)  
वयावद्धा महामती श्री प्रेम कुवरजी म मा  
विदुषी महामती श्री भैरव कुँवरजी म मा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री बधमान मेडिकन स्टोस  
मु पा, बडीत, जिला मेरठ (उ.प्र.)
- 17 रायपुर (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महामती श्री सुधति कुवरजी म मा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री भूषकरजी जैन, अध्याय  
श्री व स्या जैन थावन मय, महागौर भवन  
वावापाग रायपुर (मध्यप्रदेश) 492001  
फान न 525471, 525402
- 18 मनमाड (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री वचन कुवरजी म मा  
आदि ठाणा (14)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पद्मलालजी अगार कुमारजी गिा,  
"स्वयं" गिाजी चौक, मनमाड (महाराष्ट्र)  
423014 फान न जापिन 2351  
निवाम 2451
- 19 नागौर (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री अमर कुवरजी म मा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री मदनरामजी दुनीचदजी वांकरिया,  
वांहरियो वा चौक, मण्डारियो की पोट  
नागौर (राज)-341 001
- 20 पानीपत (हरियाणा)  
विदुषी महामती श्री छयन कुँवरजी म मा  
आदि ठाणा (9)  
सम्पन्न सूत्र-श्री एम एस जैन म मा  
पानीपत (हरियाणा) 132 103
- 21 मोखूवा (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री आम कुवरजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री रोशनलाल प्रवाशचद पोखरना  
मु पा मांजुन्दा, जिला भीनवाडा (राज)
- 22 मावली जवशन (राजस्थान)  
विदुषी महामती श्री महर कुवरजी म मा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री माहलाल पतरलाल छटोड  
मु पा मावली जवशन, जिला उदयपुर (राज)

23. भवानीमंडी (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री त्रिशला कुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चदालालजी जैन अध्यक्ष  
श्री व स्या. जैन श्रावक संघ स्टेज रोड,  
भवानी मंडी (राजस्थान)
24. झालरापाटन (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री अरविन्द कुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री बलवंतसिंहजी चौरडिया  
मु.पो. झालरापाटन, जिला-झालावाड़ (राज)  
326023 फोन पी.पी. 7105, 7305.11
25. चौमहला (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री सुमन कुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री सागरमलजी जैन  
C/o मेसर्स जैन मेडिकल स्टोर्स, मु.पो. चौमहला-  
326 515 जिला झालावाड़ (राजस्थान)  
फोन न 23 पी.पी.
26. भोपालपुरा उदयपुर (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री रमाकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री भंवरलालजी कटारिया  
343 भोपालपुरा-उदयपुर (राज) 313 001
27. नागपुर (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री प्रवीण कुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री नवलचंदजी पुंगलिया अध्यक्ष  
इतवारी, नागपुर (महाराष्ट्र)-440 001  
फोन न. 47371 47283 पी.पी.
28. बालोद (म.प्र.)  
विदुषी महानती श्री चन्द्रकान्ताजी म. सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री भोमराजजी खेतमलजी श्रीमाल  
काँय मर्चेन्ट मु.पो. बालोद (म. प्र.)
29. खैरागढ़ (म.प्र.)  
विदुषी महासती श्री सुबोध प्रभाजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पारसमलजी गौतमचंदजी चौपड़ा  
मु.पो. खैरागढ़, जिला राजनादगांव (म.प्र.)
30. मुजफ्फरनगर मण्डी (उ.प्र.)  
विदुषी महासती श्री शुभमतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री विनोद कुमारजी कांतिनालजी जैन  
वैकर्स, न्यू मण्डी मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) 251001  
फोन नं 3522, 3122
31. अमीनगर सराय (उत्तरप्रदेश)  
विदुषी महामती श्री इन्दुमतिजी म.सा. आ ठा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री रामसिंहजी जैन अध्यक्ष  
श्री एस. एस. जैन सभा,  
मु.पो. अमीनगर सराय, जिला मेरठ  
(उ.प्र.)-250 604
32. जिन्द (हरियाणा)  
विदुषी महासती श्री जयप्रभाजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अशोक ट्रेडिंग कम्पनी,  
जनता बाजार, मु.पो. जिंद (हरियाणा) 126102
33. कानाना (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री पुष्प कुंवरजी म.सा. आ ठा. (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चंपालाल भेरूलाल जैन  
मु.पो. कानाना 344023 जिला ? (राज)
34. पादरू (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री सुमनवतीजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिनेश कुमार अमृतलाल बालड़  
मु.पो. पादरू, जिला बाड़मेर (राज.) 344801
35. राजस्थान उपाश्रय-अहमदाबाद (गुज.)  
विदुषी महासती श्री कमलेश कुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (11)  
सम्पर्क सूत्र—श्री राजस्थान जैन संघ, हठी भाई की  
वाड़ी के सामने, दिल्ली दरवाजा बाहर  
शाहीबाग, अहमदाबाद (गुज.)

- 36 समदही (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री कमलावतीजी ममा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-श्री मुलतानमलजी गण्डारी  
मु पा समदही जिला-आडमेर (राज)
- 37 सीतामऊ (उत्तरप्रदेश)  
विदुषी महासती श्री वनावतीजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री व स्या जैत श्रावक सय जैन स्थानक  
मु पा सीतामऊ जिला-मदमीर (उ प्र)
- 38 करजू (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महामती श्री राजीमतीजी ममा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री व स्या जैत श्रावक मय,  
मु पा करजू, स्टेशन दनोदा, जिला मदमीर  
(म प्र)-458 667
- 39 वारा (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री विदुमतीजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री भाववती वरमचंदजी  
मिविल लाइस, वारा (राज)-325 205  
फोन न 2037-2027
- 40 पोदला (मेवाड़) (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री मृगप्रभाजी ममा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री सममलजी शांतिलालजी जैन  
मु पो पाटणा (मेवाड़) जिला भीलवाड़ा  
(राजस्थान)
- 41 उधना (सुरत) (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री निमला कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-श्री चादमलजी वण्ट  
मेसस भगवती बत्ताय एम्पोरियम,  
उधना मेनरोड, तीन रास्ता, महावीर बाजार,  
उधना (सुरत) (गुजरात) फोन न 89171
- 42 दौंडाईचा (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री आनंद कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-श्री शांतिलालजी चौरडिया  
मेसस शांतिलाल कानिनाल एण्ड प,  
मु पा दौंडाईचा (महाराष्ट्र) जिला 7
- 43 जसगांव (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री उर्मिना कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (9)  
सम्पक सूत्र-श्री सुवरलालजी वाघरिया  
मेसस नवजीवन प्रोव्हिजन स्टोम,  
जलगाव (महा) 425 001 फोन 24670
- 44 सलाना (मध्यप्रदेश)  
विदुषी महामती श्री गिरामणिजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री पारममलजी चण्डालिया  
मम्पगु दर्शन रायानंद, नैनाना-457 550  
जिला रतनाम (म प्र)
- 45 सासतगांव (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री सुधाप्रभाजी ममा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पक सूत्र-श्री माणीनालजी ब्रह्मेचा,  
मु पा सासतगांव, जिला नासिक (महाराष्ट्र)  
फोन न 106
- 46 अमरावती (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री हृपदाजी ममा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री इन्द्रचंद बसन्तीनाल गालेछा  
4, चापोरकर कम्पलेस, राजकमल चौक  
अमरावती (महाराष्ट्र)
- 47 नूबाना (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री शारदाजी ममा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री हेमराजजी लालचंदजी गूगले,  
मु पो नूबाना, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र)
- 48 सनवाड़ (राजस्थान)  
विदुषी महासती श्री सुरज कुवरजी ममा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री नरेशचन्द्रजी जैन  
मु पो सनवाड़, जिला-उदयपुर (राज)

## 49. देलवाड़ा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री स्नेह प्रभाजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री कन्हैयालालजी रोशनलाल जी पामेचा,  
मु. पो. देलवाड़ा बाया  
जिला उदयपुर (राजस्थान)

## 50. जाशमा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री कैलाशकुवरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री मीठूलालजी साखला  
मु.पो. जाशमा, बाया कपासन  
जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)-312 202

## 51. घासा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री शाताकुवरजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री देवीलालजी परमार  
मु.पो. घासा, जिला उदयपुर (राज.)

## 52. नाई (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री तारामतीजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक सध, जैन स्थानक  
मु.पो. नाई, जिला उदयपुर (राज.)

## 53. जोधपुर (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री लक्ष्मी कुवरजी म.सा.

आदि ठाणा (9)

सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 4 अनुसार

## 54. शास्त्रीनगर-जोधपुर (राजस्थान)

विदुषी महामती श्री गुणवालाजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—मंत्री श्री सुधर्म जैन श्रावक सध  
ए-209 शास्त्री नगर, जोधपुर (राज.)

## 55. मथानिया (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री शशीप्रभाजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री तिलोकचंदजी गिडिया

वस स्टेण्ड मु.पो. मथानिया मारवाड़

जिला जोधपुर (राज.)

## (56) सालावास (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री आरतीजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री भीकमचंदजी मोहनलालजी कवाड़

मु.पो. सालावास, जिला जोधपुर

(राज.)-342 802

## 57. बालेसर सत्ता (राजस्थान)

विदुषी महामती श्री महेन्द्र कुंवरजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री भीकमचंद मुन्नालाल साखला,

मु.पो. बालेसर सत्ता

जिला जोधपुर (राजस्थान)

## 58. पचपदरा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री फूलवतीजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री चंदनमलजी मागीलालजी चौपड़ा

मु.पो. पचपदरा सिटी, जिला बाडमेर (राज.)

## 59. बालेसर (दुर्गाविता) (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री कमलेश कुंवरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री चन्दनमलजी पारख

मु.पो. बालेसर (दुर्गाविता) जिला-जोधपुर (राज.)

कुल चातुर्मास संतों के	9	कुल संत	39
कुल चातुर्मास सतियों के	50	कुल सतियाँ	280
	कुल 59		कुल 319

कुल चातुर्मास (59) संत (39) सतियाँ (280)	
	कुल ठाणा (319)

## सत-मती सुत्तनात्मक सतिया 1992

विवरण	सत	सतिया	कुत्त ठाणा
1991 मे कुत्त ठाणा थे	41	271	312
+ नई दोस्ताए हई	—	11	11
	41	282	323
—महाप्रयाण हुए	1	2	3
	40	280	320
—जानकारी सात नहीं हुई	1	—	1
	39	280	319
1991 मे कुत्त ठाणा हैं	39	280	319

विशेष—इस गांव गच्छ गृदाय म आया पद प्राप्त करने का स्वागत नहीं है परन्तु गंध के पावन गच्छाधिति ही है जो एक तरह का आराधन पद के समान हो है। गांव गच्छ के गंध नायक गच्छाधिति के रूप में गान्धी राज या चरानाजी ममा ही विद्यमान है। इस रूप आपके मध्य भुतधर प रा थी प्राण मुनिजी ममा भी साचोगन ही चातुर्मास कर रहे हैं।

इस रूप उद्दिष्टित गन् नहीं महासतिपाजी (11) शिखा सुती देखें। महाप्रयाण हुए गन् (1) महामनिपां (3) महाप्रयाण सुती देखें।

श्री ज्ञान गच्छ समुदाय की ज्ञान पत्र-प्रतिष्ठाएं—

- (1) सम्यग् दान (भाति हिन्दी) मन्ना
- (2) मुद्रम प्रवच (भाति हिन्दी) जोधपुर

जय गच्छाधिति आचार्य वन्धू पूज्य श्री शुभचंदनी ममा आदि ठाणाओं का पाली-मारवाट मे एव गांव गच्छाधिति तपस्वीराज पूज्य श्री चपालासजी ममा आदि ठाणाओं का साचौर (राज) म मन् 1992 का चातुर्मास मानद सम्पन्न होने की मंगल कामनाएं करत हुए—

हारिक शुभकामनाओं सहित ।

**Kiran Bankers**

14 C M S Road  
Laxmipuram Ulsoor  
BANGALORE 560008  
(Karnataka)

—शुभेच्छक—

**सुखराज शांतीलाल काकरिया**

बगलौर

जय-गच्छाधिति आचार्य तप पूज्य श्री शुभचंदनी ममा आदि ठाणाओं का पाली-मारवाट (राज) एव गांव गच्छाधिति तपस्वी राज पूज्य श्री चपालासजी ममा आदि ठाणाओं का साचौर (राज) म मन् 1992 का चातुर्मास मानद सम्पन्न होने की मंगल कामनाएं करत हुए—

हारिक शुभकामनाओं सहित ।

**L K Jawaharlal**

105 G Street Ulsoor  
BANGALORE 560008  
(Karnataka)

—शुभेच्छक—

**सोहनलाल चन्द्रप्रकाश मूथा**

बगलौर

इवे. स्था. जैन रत्न वंशीय समुदाय के अष्टम् पट्टधर, पुं. रत्न,  
आचार्य प्रवर श्री हीराचन्द्रजी म. सा. एवं उपाध्याय प्रवर  
श्री मानचन्द्रजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (10) संत (13) सतियाँजी (34) कुल ठाणा (47)

### संत समुदाय

#### 1. बालोतरा (राजस्थान)

1. आगमज्ञ, पं. रत्न, चारित्र चूड़ामणि, प्रखर  
वक्ता, महामहिम आचार्य प्रवर श्री हीराचन्द्रजी  
म. सा.

2. ओजस्वी वक्ता श्री शुभेन्द्र मुनिजी म.सा.

3. तत्व चिंतक श्री प्रमोद मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री मीठालालजी "मधुर"

मेसर्स मधुर टेक्सटाइल्स मिल्स

ई-64 औद्योगिक क्षेत्र

बालोतरा-344 002 जिला बाडमेर (राजस्थान)

फोन आफिस 241 निवास : 459

चातुर्मास स्थल —

श्री व स्था जैन श्रावक संघ

जैन स्थानक

मु.पो बालोतरा, जिला बाडमेर (राज.)

#### 2. भीलवाड़ा (राजस्थान)

1. मधुर व्याख्यानी प. रत्न उपाध्याय  
श्री मानचन्द्रजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री सुशील कुमारजी गाँधी

मेसर्स ज्योति मेडिकल एजेन्सीज

अस्पताल रोड, भीलवाड़ा-311 001 (राज.)

फोन नं. 6402

चातुर्मास स्थल—श्री व स्था. जैन श्रावक संघ जैन स्था.

जाति भवन, भूपालगंज, भीलवाड़ा (राज.)

311001

#### 3. गोटन (राजस्थान)

रोचक व्याख्याता श्री जान मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री रतनलालजी कोठारी

मु. पो. गोटन-342902

जिला नागौर (राजस्थान)

#### महासतियाँजी समुदाय

#### 4. जोधपुर (राजस्थान)

1. महास्थविरा सांघवी प्रमुखां प्रवर्तिनी महासती

श्री वदनकुँवरजी म.सा.

2. उपप्रवर्तिनी महासती श्री लाड़ कुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री अनराजजी बोधरा, मंत्री

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

घोड़ी का चौक, जोधपुर-342 002 (राज.)

फोन नं. कार्यालय 24891, निवास 22123

#### 5. दुन्दाड़ा (राजस्थान)

सरल हृदया महासती श्री सायरकुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री मागीलालजी चौपड़ा

मु.पो. दुन्दाड़ा-342801

जिला जोधपुर (राज.), फोन नं. 36

#### 6. हिण्डोन सिटी (राजस्थान)

1. शासन प्रभाविका, विदुषी महासती श्री मैना

मुन्दरीजी म.सा.

2. व्याख्यात्री महासती श्री रतन कुँवरजी म.सा.

आदि ठाणा (8)



सम्पन्न सूत्र—श्री मूलचंदजी जैन, अध्यक्ष  
श्री जैन रत्न हितैषी थावन सघ  
ई-91 मोहन नगर, हिण्डोन सिटी-322230  
जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान) फ़ोन 127  
चातुर्मास स्वतः—श्री जैन रत्न हितैषी थावन सघ  
जैन स्थानक, मुपो हिण्डोन जिला सवाई  
माधोपुर (राज)-322230

## 7 बहू (राजस्थान)

सेवाभावी महासती श्री सन्तोष भुँवरजी मसा  
आदि ठाणा (5)

सम्पन्न सूत्र—श्री केशरीमलजी कुचेरिया, अध्यक्ष  
श्री वधमान स्थानकवासी जैन थावन सघ  
जैन स्थानक मुपो बहू-341501  
जिला ताली (राजस्थान)

## 8 किसानगढ़ (राजस्थान)

शात स्वभावी महासती श्री शांति भुँवरजी मसा  
आदि ठाणा (4)

सम्पन्न सूत्र—श्री बालूचिह्नी बाफना, अध्यक्ष  
श्री वधमान स्थानकवासी जैन थावन सघ  
जैन स्थानक मुपो किसानगढ़ (भवनगढ़)  
जिला अजमेर (राजस्थान)-305801  
फ़ोन दुकान 2080, निवास 2923

## 9 खोह (राजस्थान)

व्याख्यात्री महासती श्री तेजकुवरजी मसा  
(निर्मलावतीजी) आदि ठाणा (3)

सम्पन्न सूत्र—श्री ज्ञानचंदजी जैन  
मुपो खोह-321206 बाया रोणिजाधान,  
जिला अलवर (राजस्थान)

## 10 छण्डप (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री सुशीला कुँवरजी मसा  
आदि ठाणा (5)

सम्पन्न सूत्र—श्री चम्पालालजी बिनाहिया, मंत्री  
श्री वधमान स्थानकवासी जैन थावन सघ,  
मुपो छण्डप-343043 बाया समदही  
जिला अजमेर (राजस्थान)

कुल चातुर्मास सतों के	3	कुल सत	13
कुल चातुर्मास सतिपाँजी के	7	कुल सतिपाँजी	34

कुल 10 कुल 47

कुल चातुर्मास 10 सत 13 सतिपाँजी 34 कुल ठाणा 47

## सत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	सत	सतिपाँजी	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	14	35	49
+ नई बीसा हुई	—	—	—
—महाप्रयाण हुए	14	35	49
—संयम स्थापन किया	1	—	1
	13	34	47

1992 में कुल ठाणा हैं 13 34 47

महाप्रयाण (बालघम) हुए महामती श्री शशीप्रभाजी म  
10-10-91 जोधपुर

संयम जीवन स्थापन कर गृहस्थ बने—श्री अरहदाम मुनिजी मसा  
मई 1992 जोधपुर

संयम को पत्र-पत्रिकाएँ—

- (1) जिनवाणी (मासिक हिंदी) जयपुर (राज)
- (2) स्वाध्याय मध, मासिक बुलेटिन जोधपुर (राज)
- (3) स्वाध्याय शिक्षा (हिंदी डिमासिव) जोधपुर

गुरु हस्ती के दो फरमान ।

साप्ताहिक स्वाध्याय महान् ॥

श्री मज्जेनाचार्य श्री जयमलजी म. सा. की समुदाय के काव्य तीर्थ साहित्य सूरी आगम व्याख्याता आचार्य प्रवर श्री लालचन्दजी म. सा. के पट्टधर वर्तमान जय गच्छाधिपति प्रशांत मूर्ति आचार्य कल्प श्री शुभचन्दजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियांजी म. सा.

कुल चातुर्मास (12) संत (6) सतियांजी (34) कुल ठाणा (40)

### संत समुदाय

#### 1. पाली-मारवाड़ (राज.)

जय गच्छाधिपति, स्वामी प्रवर, प्रशांत मूर्ति,  
पं. रत्न आचार्य कल्प श्री शुभचन्दजी म. सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री छोटमल रूपचंद धारीवाल

न्यू क्लॉथ मार्केट पाली-मारवाड़ (राज.)

306401

चातुर्मास स्थल—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ

शाहजी का चौक पाली-मारवाड़ (राज.) 306401

#### 2. अजमेर (राजस्थान)

कर्मठ अध्यवसायी श्री गुणवत् मुनिजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ

महावीर भवन, लाखन कोटड़ी

अजमेर (राजस्थान)-305001

### महासतियांजी समुदाय

#### 3. पिपाड़ सिटी (राजस्थान)

वयोवृद्धा महा स्थविरा महासती श्री नन्दकुवरजी म. सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री मांगीलालजी चौपड़ा

मु.पो. पिपाड़ सिटी, जिला जोधपुर (राज.)

342601

#### 4. मसूदा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री सुगन कुवरजी म. सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ जैन स्थानक  
मु.पो. मसूदा, जिला अजमेर (राज.)-305623

#### 5. जवाजा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री सुमित कुँवरजी म. सा. आदि  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री अम्बालालजी नावरिया,

मु.पो. जवाजा, जिला अजमेर (राज.)

#### 6. भटिण्डा (हरियाणा)

विदुषी महासती श्री शारदा कुँवरजी म. सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री एस. एस. जन संघ,

मु.पो. भटिण्डा (हरियाणा)

#### 7. कुचेरा (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री सन्तोष कुँवरजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,

C/o श्री गुलाबचंदजी नाहर, मु.पो. कुचेरा  
जिला नागौर (राज.)

#### 8. बावड़ी (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री शील प्रभाजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री लादूलालजी भण्डारी,

मु.पो. बावड़ी (लवेरा) जिला जोधपुर (राज.)

#### 9. पाली-मारवाड़ (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री शांति कुँवरजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री छोटमलजी रूपचंदजी धारीवाल  
न्यू क्लॉथ मार्केट, पाली (राज.)

306401

## 10 अजमेर (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री अक्ल कुँवरजी ममा  
आदि ठाणा (4)सम्पक सूत्र-श्री अमालक चंदजी सुराना  
मे रमेश डेयरी फार्म, मदार गेट के भीतर,  
अजमेर-305001 (राज)

## 11 नागौर (राजस्थान)

वयोवृद्धा महासती श्री पतास कुँवरजी ममा (भवारण)  
आदि ठाणा (2)सम्पक सूत्र-श्री तजराजजी तातेड, लोडा का चौक,  
मु पो नागौर (राजस्थान)-341001

## 12 सोजत रोड (राजस्थान)

वयोवृद्धा महासती श्री धाप्रू कुँवरजी ममा (सकारण)  
ठाणा (1)

सम्पक सूत्र-श्री मांगीतालजी गांधी

मैसस गांधी टेक्सटाइल्स

मु पो माजन राड, जिला पाली (राज) 306103

कुल चातुर्मास सतों के 2 कुल सत (6)

कुल चातुर्मास सतियों के (10) कुल सतियाँ (34)

कुल 12

कुल 40

कुल चातुर्मास (12) सत (6) सतियाँ (34) कुल ठाणा  
(40)

## सत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	सत	सतिया	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	8	33	39
+ नई दोसाएँ हुई	—	2	2
	6	35	41
महाप्रयाण हुए	—	1	1
	6	34	40
1992 में कुल ठाणा हैं	6	34	40

नई दोसाएँ हुई -महासती श्री सम्प्रा प्रभाजी ममा  
महामती श्री वनर प्रभाजी ममा  
जन पत्र-पत्रिकाएँ-स्वाध्याय नगम (मामिक हिन्दी) जाग्रपुरसाल गुरु का यह संदेश ।  
आगम का हो स्वाध्याय हमेशा ॥

सभी पूज्य आचार्यों

साधु-माध्वियाजी की

कोटी-कोटी वंदन ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

गुलजारीलाल गणेशलाल

सिसोदिया जैन

मु पो धायला बाया नाथद्वारा

जिला राजगमद (राजस्थान) ।

सिसोदिया इलेक्ट्रीक एण्ड

हार्डवेयर स्टोर्स

इन्द्रा रोड, दुकान नं 79,

वन्दना होटल के नीचे

नाथद्वारा जिला राजसंसद (राजस्थान)

सभी पूज्य आचार्यों

साधु-माध्वियों को

कोटी-कोटी वंदना

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

कानमल भँवरलाल चौपडा

वान मण्डी

जाघद बाया नीमन

जिला मन्दसौर (म प्र)

458 330

स्वाध्याय शिरोमणि, आसुकवि, मरुधर छवि, मधुर प्रवक्ता  
पं. रत्न प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती सन्त-  
सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (4) संत (6) सतियाँजी (11) कुल ठाणा (17)

### संत समुदाय

#### 1. भिनाय (राजस्थान)

स्वाध्याय शिरोमणि आसुकवि, मरुधर छवि,  
मधुर प्रवक्ता, पं. रत्न प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, मु.पो. भिनाय  
जिला अजमेर (राजस्थान)

### महासतियाँजी समुदाय

#### 2. अंटाली (राजस्थान)

साध्वी प्रमुखा, विदुषी महासती श्री जयवंतकुवरजी  
म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
मु.पो. अंटाली, जिला भीलवाड़ा (राज.)

#### 3. गोविन्दगढ़ (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री घेवर कुँवरजी म.सा. M. A.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, मु.पो. गोविन्दगढ़  
जिला अजमेर (राजस्थान)

#### 4. कँवलियास (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा. M. A.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, मु.पो. कँवलियास  
जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)  
(नोट—दो अन्य महासतियाँजी भी M.A. हैं)

कुल चातुर्मास संतों के	1	कुल संत	6
कुल चातुर्मास सतियों के	3	कुल सतियाँ	11
	कुल 4		कुल 17

कुल चातुर्मास (4) संत (6) सतियाँ (11) कुल ठाणा (17)

तुलनात्मक तालिका 1991 अनुसार

नई दीक्षा एवं महाप्रयाण (नहीं)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ:—

स्वाध्याय सन्देश (मासिक हिन्दी)  
गुलाबपुरा (राज.)

युग की आवाज संवत्सरी एक हो

सभी सत-सतियो को कोटि-कोटि वन्दन



हार्दिक शुभकामनाओं के साथ



Tel Offi —310691, 2064263  
Resi —3681506, 3681510

Gram SUNSHADE BOMBAY

Telex 11-73948 UMB IN, BOMBAY, (INDIA)

**M/s NAGRAJ CHANDANMAL & Co.**  
**M/s NEO EXPORTS (PALGHAR)**

**MFGRS—Folding Umbrellas**

Offi 39, Vithalwadi Bombay—400 002 (India)

Fact Tiwari Industrial Estate  
Boisar Road Palghar Dist Thana—401 404 (India)

पूज्यपाद चारित्र चूड़ामणि, व्याख्यान वाचस्पति, नवयुवक सुधारक श्री मदनलालजी म. सा. के सुशिष्य शासन प्रभावक, वर्तमान संघ नायक, प्रसिद्ध वक्ता, पं. रत्न, नवयुवक धर्म प्रेरक, महामहिम श्री सुदर्शनलालजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संत-मुनिराज म. सा.

कुल चातुर्मास (6) संत (25) कुल ठाणा (25)

### संत समुदाय

#### 1. शालीमार बाग-दिल्ली

1. शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, व्याख्यान वाचस्पति, नवयुवक धर्म प्रेरक, वर्तमान संघ नायक महामहिम पं. रत्न श्री सुदर्शनलालजी म.सा.
  2. मधुर व्याख्यानी श्री शांति मुनिजी म.सा
  3. विद्वदर्थ श्री जय मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (7)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री एस. एस. जैन सभा,  
ब्लाक वी. के. आर. (पश्चिमी) 11-A शालीमार  
बाग, दिल्ली-110 054  
फोन नं. 7129364

#### 2. सुन्दर नगर-लुधियाना (पंजाब)

1. प्रज्ञामहर्षि शान्तात्मा सेठ श्री प्रकाशचन्द्रजी म. सा. (प्रथम)
  2. आंगम ज्ञान रत्नाकर प. रत्न श्री रामप्रसादजी म. सा. आदि ठाणा (4)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री, एस. एस. जैन सभा,  
सुन्दर नगर, लुधियाना-141 008 (पंजाब)

#### 3. जानकी नगर-इन्दौर (म. प्र.)

1. दृढ संयमी प्रखर वक्ता श्री प्रकाश मुनिजी म. सा. (द्वितीय)
  2. परम विचक्षण श्री राजेन्द्र मुनिजी म. सा. "शास्त्री" आदि ठाणा (3)
- सम्पर्क सूत्र—श्री श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ, नया जैन स्थानक, जैन मंदिर के पास, जानकी नगर / नौलखा, इन्दौर-452002 (म. प्र.)

#### 4. चाँदनी चौक-दिल्ली

1. महाप्रभावी ओजस्वी वक्ता श्री पदमचन्द्रजी म.सा. "शास्त्री"
  2. विद्वदर्थ श्री राकेश मुनिजी म.सा. 'शास्त्री' 'साहित्यरत्न'
  3. मधुर व्याख्यानी श्री नरेन्द्र मुनिजी म. सा. "साहित्यरत्न" आदि ठाणा (5)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री, एस. एस. जैन सभा,  
महावीर भवन, बाराहदरी, पराठे वाली गली के सामने चाँदनी चौक, दिल्ली-110 006

#### 5. रोहतक मण्डी (हरियाणा)

- विनयमूर्ति प. रत्न श्री विनय मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री, एस. एस. जैन सभा,  
रेल्वे रोड, रोहतक मण्डी (हरियाणा)-124 001

#### 6. गोहाना मण्डी (हरियाणा)

- मनोहर व्याख्यानी श्री नरेश मुनिजी म. सा.  
आदि ठाणा (3)
- सम्पर्क सूत्र—श्री मंत्री, एस. एस. जैन सभा,  
अनाज मंडी के पास, मु.पो. गोहाना मंडी (हरियाणा)

कुल चातुर्मास (6) संत (25) कुल ठाणा (25)

संत तुलनात्मक तालिका 1992

गत वर्ष 1991 अनुसार ही—

नई दीक्षा एवं महाप्रयाण —नहीं

नोट-

- (1) साहित्य के सम्पूर्ण जैन समाज में यही एक मात्र ऐसा समुदाय है, जहाँ समुदाय में बचन सुनिश्चित ही है इस समुदाय में न तो कोई साध्विणी है और न ही किसी साध्वी का दीक्षा प्रदान की जाती है इसलिए साध्विनी में बचन सुनिश्चित का ही उद्देश्य किया गया है।
- (2) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सप्ताहिक एक महीने 25 सुनिश्चित बचन-प्रकाशना है जो सम्पूर्ण जैन समाज में एक गिनाई है।
- (3) शासन प्रभावक प्रसिद्ध बकता श्री सुश्रुतानन्द का मा के हर मासवार का मान रहता है।

साहित्य सम्राट् माट्टे आठ इनाम प्रमाण मन्त्र साहित्य के महान गुरु व्याकरण वाचस्पति, परम पूज्य जेनाचार्य महाराज श्रीमद विजय सावण्य गुरीश्वजी महाराज साहज का समुदाय व्याकरण विषयक तमाम साहित्य निम्न स्थान पर उपलब्ध मिलता।

मुंबी पत्र अरुण्य मगारा

हादिक शुभसामनाओं सहित।

**साहित्य सम्राट**

**साहित्य प्रचार केन्द्र**

पाश्वर नगर, चान पठ रोड,  
आगासा तीर्थ, बाया विहार (वेस्टर्न रेनवे)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 401301

सर्वांगीण भावनाओं गन्तव्यता का बाटाना ही बचना।  
हादिक शुभसामनाओं सहित।।

पान न 2335

**एम भयरलाल नगरलाल साखला**

**रमेश एण्ड कम्पनी**

अटिमासार्ग पत्रा 708

235 बाराण मन्त्रासम्प 641301

जिला बाणस्वर्ग (महाराष्ट्र)

-सुमेष्ठ-

**एम भयरलाल साखला**

मेट्टपालम

हादिक शुभसामनाओं सहित।।

**श्री दक्ष ज्योत**

भारतीय संस्कृति के ज्ञानों का पर पर में गूतान  
उद्देश्य ॥ प्रकाशित हात बाना। आध्यात्मिक भाषिक जन  
पत्र-सर्वा-श्री मट्टा भाई एक शेट  
सपादक श्री मुकेश क शाह  
श्री दक्ष ज्योत मन और आपका दोना का पुष्ट करता है।

आजीवन शुल्क 501/- रुपये

वाचिक शुल्क 51/- रुपये

**दक्ष ज्योत कार्यालय**

पाश्वर नगर, चान पठ रोड,  
आगासा तीर्थ, बाया विहार (वेस्टर्न रेनवे)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 401301

श्री धर्मदासजी महाराज के समुदाय के प्रमुख पूज्यपाद प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती आदर्श त्यागी घोर तपस्वी रत्न स्व. श्री लालचंदजी म. सा. के गण के संत सतियाँजी म. सा.

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख संत-तरुण तपस्वी  
श्री मानमुनिजी म. सा.

कुल चातुर्मास (7) संत (5) सतियाँजी (21) कुल ठाणा (26)

### संत समुदाय

#### 1. जयंत सोसायटी-राजकोट (गुजरात)

तरुण तपस्वी पं. रत्न श्री मान मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री राजूभाई रतीभाई पटेल

'अकुर' जयंत सोसायटी 'समन्वय' खादी भण्डार  
के सामने, मवडी प्लोट, कृष्ण नगर मेनरोड  
मु.पो. राजकोट-360 001 (गुजरात)

फोन नं. 8 6532

#### 2. स्नेहलतागंज, इन्दौर (मध्यप्रदेश)

मधुर वक्ता प. रत्न श्री कानमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री गुजराती स्था. जैन संघ

जैन भवन, पत्थर गोदाम, 16/4 स्नेहलतागंज,  
इन्दौर-452 003 (मध्यप्रदेश) फोन नं. 7654

### महासतियाँजी समुदाय

#### 3. ताल (रतलाम) (मध्यप्रदेश)

विदुषी महासती श्री मैना कुवरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री हजारीमल बख्तावरमल पित्तलिया  
मु.पो. ताल बाया जिला रतलाम (म. प्र.)

456118

#### 4. राजगढ़ (धार) (मध्यप्रदेश)

विदुषी महासती श्री कौशल्या कुवरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री सतोष कुमार माणकचंद बूरड (जैन)

143 जवाहर मार्ग, मु.पो. राजगढ़ (धार)

जिला धार (म. प्र.)

#### 5. लिम्बडी (पंचमहाल) (गुजरात)

विदुषी महासती श्री सुशीला कुवरजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री जसवतलाल श्री श्रीमाल

मु.पो लिम्बडी (पंचमहाल-दाहोद)

जिला पंचमहाल (गुजरात)-389180

#### 6. दिग्विजय प्लोट-जामनगर (गुजरात)

विदुषी महासती श्री कचन कुवरजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री हालारी बीसा ओसवाल जैन उपाश्रय,

कन्या छात्रालय के सामने, 33 दिग्विजय प्लोट

जामनगर, (गुजरात)-361005

#### 7. खीरसरा (लालपुर) (गुजरात)

विदुषी महासती श्री जयाकुवरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,

मु.पो. खीरसरा बायां लालपुर

जिला जामनगर-361170 (गुजरात)



कुल चातुर्मास संतों के	2	कुल सत	5
कुल चातुर्मास सतियों के	5	कुल सतियों	21
	कुल 7		कुल 26

कुल चातुर्मास (7)	सत (5)	मतिप्रीति (21)
		कुल ठाणा (26)

### सत-सती तुलनात्मक सांतिवा

विवरण	सत	मतिप्रीति	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	6	21	27
+ नई बीगाए हुए	—	—	—
	6	21	27
— महाप्रमाण हुए	1	—	1
	5	21	26
1991 में कुल ठाणा हैं	5	21	26

विशेष—(1) समुदाय के प्रमुख गणनायक पार साम्बी श्री नानकदजी ममा का 6-11-91 तारीख कृष्ण अमावस्या (महावीर निर्वाण दिवस दिपावली) के दिन महाप्रमाण हा गया। उनके स्थान पर सप प्रमुख के रूप में सप रत्न श्री मान मुनिजी ममा का सपनायक बनाया गया है।

(2) यह समुदाय श्रमण सप म नहीं है परन्तु म्यानरवासी श्री धमदासजी समुदाय के श्रमण गंधीय प्रवर्तक श्री उमरा मुनिजी ममा से ही हमारा चातुर्मास की आज्ञा मंगवाते रहते हैं। इसलिए प्रवर्तक श्री जी का नाम आज्ञा के रूप में दिया गया है।

(3) जैन पत्र-पत्रिकाएँ नहीं।

ममी पुत्र आबादी, माधु-माधिया का बागी-बाग  
का।

हादिक मुमकायनाओं सहित।

पेन | पृष्ठान-5518460,  
निर्माण-5510451

## सिंघवी ज्वेलर्स

रौप्य-काँची के शरीरों के व्यवहारी

मान्य इरिफ्तार स्टारमैन का रत्न रत्न जवाहरान विनय  
का हानयन एवं गिटेर मिनी का एक मात्र स्थान।

105-ए, त्रिमूर्ति चिह्न, एन.सी. आवास मार्ग,  
गान्धी गेट धर्मपुर, बम्बई 400071 (महाराष्ट्र)

धी महाराज गण

जय गुरु जय! जय जैन शिखर! जय देवेंद्र!  
जय भाल! जय बचन!

### ऐतिहासिक नगरी में भूख चातुर्मास

पुष्प भूमि व ऐतिहासिक नगर बर्ही तादरो में मराई  
भूख भूख भूख थी प्रतापमल्ल ममा के शिष्य  
साहित्य मन्त्रक श्रमण-गंधीय प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी  
ममा आदि ठाणा 6 एवं आगम ज्ञाना देवाइ अर्थात्  
सप प्रवर्तकों श्री सत्रजन कुवरजी ममा आदि ठाणा 7  
का यह चातुर्मास पान-पान पाठ्य सप आदि विविध  
धार्मिक आराधना व साप सुख जानद स्वाम्यवधक  
सप मंगलमय है, इसी हिसाब की मंगल मनिपा है।

हादिक मुमकायनाओं सहित।

अध्यक्ष वायाध्यक्ष मंत्री  
मदनलाल गांग अमरसिंह मार तेजसिंह भोगरा  
श्री बधमान स्वाम्यवधक जैन धावक सप  
बर्ही, तादरो (राज) 312403

प्रज्ञामहर्षि महामनीषी, राष्ट्र संत, कविजी पं. रत्न, जैन धर्म प्रचारक उपाध्याय स्व. श्री अमर मुनिजी म. सा. के सन्मति तीर्थ के संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (7) संत (12) सतियाँ (10) कुल ठाणा (22)

### संत समुदाय

#### 1. हरियाणा के आसपास (हरियाणा)

वयोवृद्ध पं. रत्न श्री हेमचन्द्रजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—

#### 2. उधमपुर (जम्मू-काश्मीर)

आचार्य विश्व केशरी श्री विमलमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—जैन पोपधशाला जैन भवन

मु.पो. उधमपुर (जम्मू-काश्मीर)

#### 3. विरायतन-राजगृही (बिहार)

मधुर वक्ता श्री समदर्शीजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री विरायतन कार्यालय

मु.पो. राजगृही, जिला नालन्दा

(बिहार) 803116, फोन नं. 230, 240, 259

#### 4. आगरा के आसपास (उ.प्र.)

पं. रत्न श्री विजयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—

#### 5. बिहार में योग्य स्थल (बिहार)

वाणी भूषण श्री ईश्वरमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—

#### 6. कलकत्ता के आसपास (प. बंगाल)

पं. रत्न श्री जिनेशमुनिजी म.सा.

ठाणा (1)

### महासतियाँजी समुदाय

#### 7. विरायतन-राजगृही (बिहार)

1. विदुषी महासती श्री सुमतिकुंवरजी म.सा.

2. आचार्य महासती श्री चन्दनाजी म.सा.

आदि ठाणा (10)

सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (3) अनुसार

कुल चातुर्मास संतों के	6	कुल संत	12
कुल चातुर्मास सतियों के	7	कुल सतियाँ	10
	7		22

कुल चातुर्मास (7) संत (12) सतियाँजी (10) कुल ठाणा (22)

#### संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत	सतियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	15	9	24
(+) नई दीक्षाएँ हुईं	—	1	1
	15	10	25
(-) महाप्रयाण हुए	2	—	2
	13	10	23
(-) जानकारी ज्ञात नहीं हो सकी	1	—	1
	12	10	22
1992 में कुल ठाणा हैं	12	10	22

1. नोट-चातुर्मास प्रारंभ होने के 35 दिन बाद तक भी इस समुदाय की मुक्ती उधमपुर के अलावा अन्य कहीं नहीं प्राप्त नहीं हुई। विगततन कई पत्र पत्र परंतु एक पत्र का भी जवाब प्राप्त नहीं हुआ। अब यह पत्र के अनुसार मत समुदाय के सिर्फ नाम ही प्रस्तुत कर सके हैं। पाठनयना का याद हो ता सुधार कर पढ़ें।
2. नमस्ति तीर्थ के सम्पादन उपर्याय कविजी श्री अमरमुनिजी मसा के महाप्रयाण के पश्चात इस मन का प्रमुख नायक नियुक्त बनाया गया है, इसकी भी जानकारी प्राप्त नहीं है, परंतु इस समुदाय में मदद ब्यावृद्ध सत श्री हमचंदजी मसा ही हैं अतः हमने ब्यावृद्धता के अनुसार उनका नाम सर्वप्रथम दिया है, पूर्ण जानकारी प्राप्त होने ही जैन एकता सन्ध के आगामी अंश में खुलासा करेंगे।
3. बयोवृद्ध प. रत्न श्री हमचंदजी मसा आदि ठाणा (4) (क्रमांक 1) को छोड़कर इस समुदाय

के अन्य मनी सत-मुनियों अभी तरंग के बाह्य में प्रेषण करते हैं। दस विद्वानों में जन धर्म का प्रचार करने रहते हैं।

4. सम्पूर्ण जैन समाज के कुल 165 आचार्यों में आचार्य महामती श्री चंदनाजी एम मात्र ऐसी आचार्य, जो साध्वी समुदाय की हैं। अन्य समुदायों में कहीं पर भी साध्वी आचार्य नहीं हैं।

नई दोष्ठा हुई	1	महामतीश्री	दिल्ली
महाप्रयाण हुए	1	उपर्याय कवि श्री अमरमुनिजी मसा	
		1-6-92 विरायतन	
	2	श्री सुरेश मुनिजी म	अमृतसर
		6-9-91	
जन पत्र-परिचाएँ-अमर भारती (मानिक हिंदी)			
विरायतन राजगृही			

श्री श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के महाप्रभावी परम पूज्य गणिवर्य श्री मणिप्रभ मागरजी म सा आदि ठाणा (3) एवं परम पूज्या माताजी विदुषी माध्वी श्री रत्नमाला श्रीजी म सा आदि ठाणा (3) एवं वहिन विदुषी साध्वी श्री विद्युत्प्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणाओं का मन 1992 वर्ष का चातुर्मास साचौर (राजस्थान)- में सानन्द होने के उपलक्ष में मंगल कामनाएं करते हुए-

हादिक शुभकामनाओं सहित !

## जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ श्री संघ

! कुशल भवन, शाही नगर, साचौर, जिला जालौर (राजस्थान) 343 041

# स्वतंत्र सम्प्रदायों की नई (छोटी-नई) समुदायें एवं अन्य संत-सतियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (19) संत (24) सतियाँजी (8) कुल ठाणा (32)

## (1) महामुनि श्री मायारामजी म.सा. का समुदाय

## संत समुदाय

जैन शासन सूर्य विद्वद्वर्य, पं. रत्न श्री रामकृष्णजी म.सा.  
के आज्ञानुवर्ती संत मुनिराज

1. आबू पर्वत (राजस्थान)  
गच्छ प्रमुख आगम मनीषी पं. रत्न श्री तिलोक  
मुनिजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री हनुमानलालजी, श्री वर्धमान महावीर  
केन्द्र सव्जी मण्डी के सामने, देलवाड़ा रोड  
आबू पर्वत-307501, जिला सिरोंही (राज.)

## संत समुदाय

### प्रीतमपुरा-दिल्ली

1. जैन शासन सूर्य, विद्वद्वर्य पं. रत्न श्री रामकृष्णजी  
म.सा.

2. जैन धर्म प्रभावक श्री सुभद्र मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री रोशनलालजी जैन महामंत्री  
श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक,  
पी पी. ब्लॉक, प्रीतमपुरा, दिल्ली-110034  
फोन नं.

## 2. बीसनगर (गुजरात)

व्याख्याता वाचस्पति श्री गौतम मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्ञानचन्दजी लोढा  
मेसर्स एस.एस. के मेटल, अनन्त मार्केट  
लाल दरवाजा, बीसनगर, जिला मेहसाना  
384315 (उत्तर गुजरात)

## 3. जालना (महाराष्ट्र)

सरल स्वभावी श्री राम मुनिजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री महावीर जैन गौशाला,  
शिवाजी पुतला के पास मे, गणेश नगर,  
जालना-431203 (महाराष्ट्र)

## 4. रोहिणी-दिल्ली

प्रखर व्याख्याता श्री विनय मुनिजी म.सा. (खीचन)

मधुर वक्ता श्री भंवरमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री प्रकाशचन्दजी जैन प्रधान  
श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक  
27/1 अहिंसा विहार, रोहिणी सेक्टर नं. 9  
मधुवन चौक के पास, नईदिल्ली-110085  
फोन नं. 726441, 343845

कुल चातुर्मास (1) संत (6) कुल ठाणा (6)

विशेष—महामुनि श्री मायारामजी म.सा. के समुदाय में शासन  
प्रभावक प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शनलालजी म.सा.  
भी इसी समुदाय से संबंधित एक शाखा के भाग हैं।  
इस समुदाय में भी कोई महासतियाँ नहीं हैं।

## (2) श्री नव ज्ञान गच्छ समुदाय

समुदाय के गच्छ प्रमुख आगम मनीषी श्री तिलोक  
मुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (7) संत (7) सतियाँ (5) कुल ठाणा (12)

5 लावा सरदारगढ (राजस्थान)  
राज्यी आत्मार्थी श्री यश्वन्मुनिजी म सा

ठाणा (1)

मम्पक सूत्र-श्री ५ म्या जैन श्रावक मध, जैन स्थानक

मू पो लावा सरदारगढ-313330

जिला राजसम (राजस्थान)

महासतियांजी समुदाय

6 व्यावर (राजस्थान)

मरनमना महासती श्री वेश्वरकुवर्जी म सा

आदि ठाणा (3)

मम्पक सूत्र-श्री मूत्रक दर्जी गीतमच दर्जी गांधिया

नेहरू गेट के बाहर पी के जैन भवन

मू पा व्यावर, जिला अजमेर ( राज ) 305901

7 गांवरी (राजस्थान)

मरनमना महासती श्री वचनकुवर्जी म सा

आदि ठाणा (2)

मम्पक सूत्र-श्री ५ म्या जैन श्रावक मध

जैन स्थानक मू पो मावरी

जिला पाली (राजस्थान)

कुल चातुर्मास (7) सत (7) सतिया (5) कुल ठाणा (12)

विशेष-मध ज्ञान गच्छ समुदाय के उपरोक्त सभी महा-  
सतियांजी पूव म ज्ञान गच्छाधिपति सपत्नीराजजी  
म सा के आशानुवर्ती थे परन्तु अब उनकी आत्मा मे  
नहीं होकर मया गच्छ बनाकर स्वतंत्र विचरण कर  
रहे हैं ।

(3) श्री वर्धमान धीतराग सध समुदाय

समुदाय प्रमुख सध सूत्रधार-कुशल सेवा मूर्ति  
प रत्न श्री शीतल मुनिजी म सा

सत समुदाय

चौप वा बरवाडा (राजस्थान)

सध सूत्रधार कुशल सेवा मूर्ति प रत्न

श्री शीतल मुनिजी म सा

आदि ठाणा (3)

मम्पक सूत्र-श्री ५ म्या जैन श्रावक मध, जैन स्थानक,  
मू पा चौप वा बरवाडा-322702

लावा-जिला मन्सूर माधपुर (राजस्थान)

फोन न 44 कामदारजी

कुल चातुर्मास (1) सत (3) कुल ठाणा (3)

सत तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	सत	कुल ठाणा
1991 मे कुल ठाणा थे	3	3
(+) नई दीक्षा हुई	1	1
	4	4
(-) मुनि जीवन त्याग दिया	1	1
	3	3
1992 मे कुल ठाणा है	3	3

विशेष-(1) श्री शालीभद्र मुनिजी म सा की 16-2-92  
(मालपुरा राजस्थान) की नई दीक्षा हुई अब चौप वा  
बरवाडा मे उन्होंने मुनि जीवन वा त्याग किया और  
गृहस्थ बने हैं ।

(2) श्री वर्धमान धीतराग के उपरोक्त सभी सत पूव  
मे रत्नवश समुदाय के स्व आचार्य प्रवर श्री हस्तीमल  
जी म सा के आशानुवर्ती थे परन्तु वर्तमान मे अलग  
सध बनाकर स्वतंत्र विचरण कर रहे हैं ।

पत्र-पत्रिकाएँ-धीतराग रसिम (मासिक हिन्दी) जयपुर

(4) स्व प्रवर्तक श्री हृगामी लालजी म सा के  
समुदाय के सत-सतियांजी म सा

समुदाय के प्रमुख सत मधुर व्याख्यानी प रत्न  
श्री अमर्य मुनिजी म सा

## संत समुदाय

## 1. लाखन कोटड़ी-अजमेर (राजस्थान)

मधुर व्याख्याता पं रत्न श्री अभयमुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री लक्ष्मीन्दु जैन दर्शन भण्डार

बड़ा जैन स्थानक, लाखन कोटड़ी

अजमेर (राजस्थान) 305001

## सहासतियांजी समुदाय

## 2. खेजड़ी (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री जतनकुंवरजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री बाबूलालजी वाफना

श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक

मु.पो. खेजड़ी, जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)

कुल चातुर्मास (2) संत (2) सतियां (2) कुल ठाणा (4)

## संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत	सतियां	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	2	3	5
(+) नई दीक्षा हुई	—	—	—
	2	3	5
(-) संयमी जीवन त्याग	—	1	1
	2	2	4
1992 में कुल ठाणा है	2	2	4

## अन्य समुदायों के संत-सतियांजी म० सा०

## 1. भाटी बड़ोदिया (मध्यप्रदेश)

तरुण तपस्वी श्री अशोकमुनिजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री बाबूलालजी सकलेचा

मु.पो. भाटी बड़ोदिया, जिला रतलाम (म.प्र.)

## 2. भाटी बड़ोदिया (मध्यप्रदेश)

तरुण तपस्विनी महासती श्री सरोजबालाजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार

विशेष—(1) दोनों संत-सतियांजी पूर्व में साधुमार्गी समुदाय के आचार्य श्री नानालालजी म.सा. के आज्ञा-नुवर्ती थे परन्तु अब आप स्वतंत्र विचरण कर रहे हैं।

(2) वयोवृद्ध जीवदया प्रचारक श्री तखतमुनिजी म.सा. (आयु 84 वर्ष) ने 26-1-92 को सैलाना में दीक्षा ग्रहण की एवं 12-5-92 को भाटीबड़ो-दिया में महाप्रयाण कर गये।

## 3. भीलवाड़ा (राजस्थान)

मेवाड़ मुकुट स्व. श्री हस्तीमलजी म.सा. (मेवाड़ी) के सुशिष्य प्रिय वक्ता कवि श्री पुष्कर मुनिजी म.सा. 'ललित' ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक पोस्ट आफिस के पास, सुभाष नगर भीलवाड़ा (राज.) 311001

## 4. जोधपुर (राजस्थान)

स्व युवाचार्य श्री मधुकर मुनिजी म.सा. के सुशिष्य अन्न जल त्यागी श्री अभयमुनिजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—

## 5. देवलाली-नासिक (महाराष्ट्र)

वयोवृद्ध श्री रेखचन्दजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र

392 महावीर भवन, लाम रोड

देवलाली बाया नासिक रोड, जिला नासिक (महाराष्ट्र)

## 6. .... (महाराष्ट्र)

मधुर वक्ता श्री प्रदीप मुनिजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—

## 7. महाराष्ट्र में योग्य स्थल (महाराष्ट्र)

सेवाभावी श्री कीर्ति मुनिजी म.सा. ठाणा (1)

## 8. राजनांदगांव (मध्यप्रदेश)

सेवाभावी श्री ऋषभचरणजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ

जैन स्थानक मु.पो. राजनांदगांव, (म.प्र.)

अन्य समुदायों का कुल योग

कुल चातुर्मास (19) संत (24) सतियांजी (8)  
कुल ठाणा (32)

## स्वतंत्र समुदायों में कुल योग

कुल चातुर्मास संतों के	175	कुल संत	170
कुल चातुर्मास सतियों के		कुल सतियां	652
	175		822

कुल चातुर्मास स्थल (175) संत (170) सतियांजी (652)  
कुल ठाणा (822)

हादिक शुभकामनाओं के साथ

पूज्य आचार्य श्री चिदानन्द मुरारिजी जी म सा प्रेरित

## पद्मावती प्रकाशन मन्दिर की आजीवन सदस्यों की नई योजना

पद्मावती प्रकाशन मंदिर द्वारा विगत 25 वर्षों में अनेक पुस्तिका का अनेक प्रतियों प्रकाशित हो चुकी हैं। उनमें से अभी तक हमारा पास स्टॉक में सिर्फ 15 पुस्तकें ही बचे बची हैं। वे सभी पुस्तकें तथा उनके अलावा अन्य कई नई पुस्तकें शीघ्र ही प्रकाशित हो रही हैं एवं भविष्य में प्रकाशित होने वाली सभी साहित्य यदि आपका घर बैठे प्राप्त करना है तो पर्युषण पत्र तब आजीवन सदस्यता शुल्क के रुपये 251/- (अर्ध दो सौ इक्यावन रुपये) पद्मावती प्रकाशन मंदिर के नाम से निर्मलेश्वर स्थाना पर भेजकर सदस्य बनकर घर बैठे साहित्य प्राप्त करें।

नोट-पर्युषण पत्र के पश्चात सबस्यता शुल्क ₹ 501/- होगा।

### सम्पर्क सूत्र .

- (1) पद्मावती प्रकाशन मंदिर,  
द्वारा श्री गुरु मूलचंद मानमन एण्ड क, 162 गुलामबाड़ी बम्बई 400004 (महाराष्ट्र) फोन नं 3753680
- (2) श्री बाबू गाल नैमचंद शाह, 49/5 सी-1, महावीर नगर शहर सेन, वादिवली (पश्चिम)  
बम्बई 400087 (महाराष्ट्र) फोन नं 6080732
- (3) श्री कुमार माई पुष्पात्मदास, 3, विद्या निला, ब्लॉक नं 4, 1 माला, जूना नगरदास रोड, अंबेरी (पूर,  
बम्बई-400069 (महाराष्ट्र) फोन नं 6350798
- (4) श्री हेमंत भाई आर. शाह शंकर भुवद अमरा 3, विनय गड, मलाड (पूर) बम्बई-400097 (महाराष्ट्र)
- (5) श्री दीपक धार जवेरी, 10/1270, हाथीवाला देरावर मागे 1 माला, गोतीपुरा, गुरत-2 (गुजरात)
- (6) जवेरी स्टॉक गांधीपुरा, सुभाष चौक, गुरत-2 (गुजरात)
- (7) श्री महेन्द्र जे शाह, 51/52, महावीर सोलायटी, 1 माला, नवसारी-396445 (गुजरात)
- (8) श्री मुमतालाल जमनादास, 227, अदामाना खडकी, पतासा पोरा, गंधा राड, अहमदाबाद-1 (गुजरात)
- (9) श्री हनुमन्त मरदारमलजी, शारीमार बिस्टन, 1 माला ब्लॉक नं 4-ए-जो राड, मरान इस्ट,  
बम्बई 400002 फोन नं 254266
- (10) श्री चंपालाल मुकनाजी, तिलक रोड, नदूरवार, जिना धुलिया (महाराष्ट्र) 425412
- (11) श्री चंपालाल चंपालाल श्री आमाल, धो बाजार, नदूरवार जिना धुलिया (महाराष्ट्र) 425412

## वृहद् गुजरात सम्प्रदाय

श्री गोंडल मोटा पक्ष समुदाय के संत-सतियांजी म. सा.

समुदाय के प्रमुख संत:-तपसम्राट, तपस्वी श्री रतिलालजी म.सा.

कुल चातुर्मास (56) संत (21) सतियांजी (246) कुल ठाणा (267)

### संत समुदाय

#### 1. जैन भुवन-राजकोट (गुजरात)

1. तप सम्राट तपस्वी श्री रतिलालजी म.सा.

2. वाणी भूषण श्री गिरीश मुनिजी म.सा.

3. शास्त्रज्ञ श्री जनक मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ

जैन भुवन उपाश्रय

राजकोट-360001 (गुजरात)

#### 2. पेटरवार (बिहार)

परम दार्शनिक श्री जयन्तीलालजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन भुवन, मु.पो. पेटरवार-829121

जिला गिरिडीह (बिहार)

#### 3. आणन्द (गुजरात)

तत्त्वचिंतक श्री जसराजजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ

जैन उपाश्रय, म्हावीर मार्ग,

मु.पो. आणन्द, जिला खेड़ा (गुजरात) 388001

#### 4. घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)

स्पष्ट वक्ता श्री जगदीश मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री व.स्था जैन श्रावक संघ

कृष्णकुज-महात्मा गांधी रोड कोने मे.

राजावाडी, घाटकोपर (पूर्व)

बम्बई-400077 (महा) फोन नं 5110406

#### 5. महुड़ी (गुजरात)

मधुर व्याख्यानी श्री हरिश्च मुनिजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

म.पो. महुड़ी (वीरपुर) वाया बीजापुर

जिला मेहसाना (गुजरात)

#### 6. अनकाई (महाराष्ट्र)

स्थविर तत्व जिज्ञासु श्री हंसमुख मुनिजी म.सा.

ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-श्री नन्दकिशोर, वसतीलाल जैन

मु.पो. अनकाई, तालुका येवला

जिला नासिक (महाराष्ट्र) 423401

#### 7. गोंडल (गुजरात)

मधुर व्याख्यानी श्री काति मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. गोंडल, जिला राजकोट (गुज.) 360311

#### 8. गोंडल (गुजरात)

तत्त्वचिंतक श्री धीरज मुनिजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ उपाश्रय,

नानी बाजार, मु.पो. गोंडल

जिला राजकोट (गुजरात) 360311

#### 9. जाम जोधपुर (गुजरात)

मधुर व्याख्यानी श्री राजेश मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. जाम जोधपुर-360530

जिला जामनगर (गुजरात)



- 10 जामनगर (गुजरात) -  
ममूर व्याख्यानी श्री भावेशमनिजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
रणजीत नगर, जामनगर-361001 (गुजरात)  
महासंतिपौजी समुदोय
- 11 राजकोट (गुजरात) -  
चारित्र जेष्ठ स्वधिव महासती श्री समर्यवाई म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
213, प्रह्लाद प्लाट राजकोट-360001 (गुज)
- 12 जामनगर (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री नवलवाई म सा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
वारियानी डेलो, जामनगर-361001 (गुजरात)
- 13 जामनगर (गुजरात)  
प्रशान्तमूर्ति महासती श्री वल्लवाई म सा  
आदि ठाणा (9)  
सम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
बैंग दादोनी, जामनगर-361001 (गुजरात)
- 14 सोरावर नगर (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री दयावाई म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, उपाध्य,  
सज्जी मण्डी के पास,  
मु पो जारावर नगर-363020 -  
- बाया जिला सुरेद्रनगर (गुजरात) फोन न 22013
- 15 शांताश्रम-बम्बई (महाराष्ट्र) -  
विदुषी महासती श्री हीरावाई म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-य स्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक  
पिरोजशाह रोड रेल्वे स्टेशन के पास  
- शांताश्रम (वेस्ट) बम्बई-400054 (महा)  
- फोन न 6143465
- 16 विलेपार्ल-बम्बई (महाराष्ट्र) -  
विदुषी महासती श्री ज्योतिवाई म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री व स्या जैन श्रावक सघ,  
जैन स्थानक, 65 बी पी रोड, स्टेशन के सामने  
विलेपार्ल (वेस्ट) बम्बई-400056 (महाराष्ट्र)  
फोन न 6121392
- 17 सेम्पूर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री हमावाई म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री व स्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,  
मनराल पाक, अमरगुजरी के पीछे  
विजय टाकीज के पास, सेम्पूर,  
बम्बई-400071 (महाराष्ट्र) फोन 5521660 PP
- 18 बातावड (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री इन्दुवाई म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
मु पा बातावड (गुजरात) 361160  
जिला जागतनगर (गुजरात)
- 19 पडघरी (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री हमावाई म सा (भोटा)  
आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
मु पो पडघरी-360110 जिला राजकोट (गुज)
- 20 भोजराजपरा-गोडल (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री सनीतावाई म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
भोजपरा, गोडल-360331  
जिला राजकोट (गुजरात)
- 21 माण्डी चौक-राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री जयावाई म सा  
विदुषी महासती श्री अनमुयावाई म सा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
माण्डी चौक, राजकोट-360001 (गुजरात)
- 22 चित्तल (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री निमलावाई म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाध्य  
मु पा चित्तल 364620 जिला अमरेली (गुज)

23. નારાણપુરા-અહમદાવાદ (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી નર્મદાવાઈ મ.સા.

આદિ ઠાણા (8)

સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન ઉપાશ્રય  
28/29, સ્થાનકવાસી જૈન સોસાયટી, નારાણપુરા  
ક્રોસિંગ પાસે, નારાયણપુરા

અહમદાવાદ-380013 (ગુજરાત)

24. ગીત ગૂર્જરી રાજકોટ (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી લામ્બુવાઈ મ.સા. આદિ ઠાણા (4)  
સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન પોષધશાલા  
ગીત ગૂર્જરી, રાજકોટ-360001 (ગુજરાત)

25. ઉપલેટા (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી હર્ષિદાવાઈ મ.સા.

આદિ ઠાણા (4)

સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન ઉપાશ્રય  
મુ.પો. ઉપલેટા, જિલા રાજકોટ (ગુજરાત)

360490

26. ધ્રોલ (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી તારાવાઈ મ.સા. આદિ ઠાણા (3)  
સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન ઉપાશ્રય  
સોનીવાજાર, મુ.પો. ધ્રોલ  
જિલા જામનગર (ગુજરાત) 360050

27. અમરેલી (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી તારાવાઈ મ.સા.

આદિ ઠાણા (2)

સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન ઉપાશ્રય,  
મુ.પો. અમરેલી (ગુજરાત) 364601

28. વગસરા (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી અરવિન્દ વાઈ મ.સા.

આદિ ઠાણા (3)

સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન ઉપાશ્રય,  
મુ.પો. વગસરા (ગુજરાત)

29. મદ્રાસ (તમિલનાડુ)

વિદુષી મહાસતી શ્રી ખાનુવાઈ મ.સા. આદિ ઠાણા (4)  
સમ્પર્ક સૂત્ર-  
Gujrati Svetamber Sthanakwasi Jain Asst  
C. U. Shah Bhawan  
78/79-Ritherdon Road Puraswalkam,  
MADRAS-600007 [T.N.] Tle No. 22364

30. વસઈ ગાંવ-અમ્બઈ (મહારાષ્ટ્ર)

વિદુષી મહાસતી શ્રી અંજલીવાઈ મ.સા.

આદિ ઠાણા (3)

સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી વ.સ્થા. જૈન શ્રાવક સંઘ, જૈન સ્થાનક  
વાજાર પેઠ, મુ.પો. વસઈગાંવ  
જિલા ઠાણા (મહારાષ્ટ્ર)

31. વીસાવદર (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી કનુવાઈ મ.સા. આદિ ઠાણા (2)  
સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન ઉપાશ્રય  
મુ.પો. વીસા વદર, જિલા . . . . (ગુજરાત)

32. વૈરાવલ (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી વીણાવાઈ મ.સા.

આદિ ઠાણા (2)

સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન ઉપાશ્રય  
સ્ટેશન રોડ, મુ.પો. વૈરાવલ  
જિલા જૂનાગઢ (ગુજરાત) 362265 ;

33. માંડવી ચૌક-રાજકોટ (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી શાતાવાઈ મ.સા.

ઠાણા (1)

સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન પોષધશાલા  
માંડવી ચૌક, રાજકોટ-360001 (ગુજરાત)

34. બોધાણી શેરી રાજકોટ (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી ધીરજવાઈ મ.સા.

આદિ ઠાણા (3)

સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ,  
જૈન પોષધશાલા, બોધાણી શેરી,  
રાજકોટ-360001 (ગુજરાત) ;

35. જક્શન પ્લોટ રાજકોટ (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી હન્ડુવાઈ મ.સા. (છોટે)

આદિ ઠાણા (3)

સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન પોષધશાલા  
જક્શનપ્લોટ, રાજકોટ-360001 (ગુજરાત)

36. બોધાણી શેરી રાજકોટ (ગુજરાત)

વિદુષી મહાસતી શ્રી કાંતાવાઈ મ.સા. આદિ ઠાણા (3)  
સમ્પર્ક સૂત્ર-શ્રી સ્થાનકવાસી જૈન સંઘ, જૈન પોષધશાલા  
બોધાણી શેરી, રાજકોટ-360001 (ગુજરાત)

- 37 श्रमजीवी सोसायटी राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री भानुबाई म मा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानववासी जैन सघ, जैन पापघणाला  
श्रमजीवी सोसायटी, राजकोट-360001 (गुज)
- 38 नामनगर (गुजरात)  
धयोवढा महासती श्री धनकुंवरबाई म मा  
आदि ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानववासी जैन सघ, बाहान बर्ल  
जामनगर-361001 (गुजरात)
- 39 स्टेशन प्लोट-मोडल (गुजरात)  
सरल स्वामी महासती श्री शाताबाई म मा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानववासी जैन सघ  
जैन पापघणाला, स्टेशन प्लोट मोडल  
जिला राजकोट (गुजरात) 360311
- 40 वासणा अहमदाबाद (गुजरात)  
शाल स्वामी महासती श्री सविताबाई म मा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानववासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
वासणा-अहमदाबाद (गुजरात)
- 41 जन घाल राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री विजयाबाई म मा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानववासी जैन सघ, जैन पापघणाला  
जैन घाल, राजकोट-360001 (गुजरात)
- 42 घोराजी (गुजरात)  
मल स्वामी महासती श्री भानुबाई म मा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानववासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
स्टेशन प्लोट मु पा घोराजी-360410  
जिला मुद्रनगर (गुजरात)
- 43 सातूर (महाराष्ट्र)  
व्याख्यानी महासती श्री अमिताबाई म मा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व्याख्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थान  
मु पा सातूर, जिना (महाराष्ट्र)
- 44 घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री ताताबाई म मा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री श्रमजी विद्यापीठ, हींगवाला लन  
घाटकोपर (पूर्व) बम्बई 400077 (महा)
- 45 देवताली (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री जयाबाई म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री वस्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थान  
लाम राट, बारावाही जैन रेनेटेरियम  
मु पा देवताली बाया निला नासिक (महाराष्ट्र)
- 46 सदर राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री गुलाबबाई म मा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानववासी जैन सघ, जैन पापघणाला  
15 पचताय प्लाट, सदर,  
राजकोट-360001 (गुजरात)  
सम्पन्न सूत्र-उपरोक्त अनुसार
- 47 महावीर नगर-राजकोट (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री प्राणकुंवरबाई म मा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानववासी जैन सघ  
जैन पापघणाला, महावीर नगर,  
राजकोट-360001 (गुजरात)
- 48 घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री जयाबाई म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व्याख्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थान  
नीलवठकुटीर प्लोट न 90 भागी शोप के सामन  
गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व)  
बम्बई 400077 (महाराष्ट्र)

## 49. घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री वसुवाई म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
स्वाध्याय संघ, सर्वोदय आराधना केन्द्र,  
भीमनगर रोड, दोणीवाडी सामे. एल बी.  
गास्त्री मार्ग, घाटकोपर  
(वेस्ट) बम्बई-400086 (महाराष्ट्र)

## 50. नासिक सिटी (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती डॉ.तरुलताबाई म.सा. M.A., Ph-D.  
आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री हीरालाल चंपालाल सांखला अध्यक्ष  
330 रविवार पेठ, कारंजा, नासिक सिटी (महा)  
422001 फोन 77165 स्थानक 70884

## 51. राजकोट (गुजरात)

विदुषी महासती श्री मुक्ताबाई म.सा.

विदुषी महासती श्री लीलमबाई म.सा.

विदुषी महासती श्री पुष्पाबाई म.सा.

विदुषी महासती श्री प्रभाबाई म.सा.

विदुषी महासती उषाबाई म.सा.

विदुषी महासती श्री भारतीबाई म.सा.

विदुषी महासती श्री सुमतीबाई म.सा.

विदुषी महासती श्री विनोदिनीबाई म.सा.

आदि ठाणा (68)

सम्पर्क सूत्र—

श्री स्था. जैन संघ, जैन पोपधशाला सरदार नगर,  
राजकोट (गुज.) 360001

## 52. राजकोट (गुजरात)

शात स्वभावी महासती श्री समजुबाई म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ

जैन पोपधशाला, राजकोट-360001 (गुज.)

## 53. मोटा लीलीया (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री लताबाई म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ

मोटा लीलीया (गुजरात)

## 54. कलकत्ता (पश्चिम बंगाल)

विदुषी महासती श्री दर्शनाबाई म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Kamani Jain Bhawan,  
3, Roy Street, Bhanipur,  
CALCUTTA-700 020 (West Bengal)

## 55. काठमाडौं (नेपाल)

विदुषी महासती श्री संधमित्राबाई म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री गुलाब खेतान, ज्ञानेश्वर,  
पो. वा नं 2975, मु.पो. काठमाडौं (नेपाल)  
फोन नं. (977) 411136, 214125  
तार—MTEVEREST

## 56. सदर-राजकोट (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री दीक्षिताबाई म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन पोपधशाला  
सदर राजकोट-360001 (गुजरात)

कुल चातुर्मास संतों के	12	कुल संत	21
कुल चातुर्मास सतियों के	44	कुल सतियांजी	246
कुल	56	कुल	267
कुल चातुर्मास 56 संत	21 सतियांजी	246 कुल योग	267

## संत-राती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत	सतियां	कुल ठाणा
1991 में विद्यमान थे	21	241	262
(+) नई दीक्षा हुई	—	5	5
(-) काल धर्म प्राप्त हुए	—	—	—
1992 में विद्यमान हैं	21	246	267

जैन पत्र-पत्रिकाएँ—शासन प्रगति (साप्ताहिक गुजराती) राजकोट

विशेषताएँ—(1) विदुषी महासती श्री संधमित्राबाई म.सा.  
आदि ठाणा (2) पैदल विहार करते हुए नेपाल  
देश में चातुर्मास कर रही हैं जो सम्पूर्ण स्थानक-  
वासी समाज में इस वर्ष का रिकार्ड बना है।

(2) चातुर्मास प्रारंभ होने के 1 माह बाद भी पूरी सूची,  
कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सकी, हमने यह सूची  
पत्र पत्रिकाओं से ही एकत्रित की है नई दीक्षा,  
महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं हो सकी। सम्पर्क सूत्र  
भी कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सके, इसलिए  
तालिका वरावर नहीं दे सके। —संपादक

भेंट योजना—परिषद् के उपाध्यक्ष एवं राजकोट  
स्थानक जैन श्री संघ के अध्यक्ष श्रीमान नगीन भाई  
विराणी राजकोट की ओर से गोडल मोटा पक्ष एवं  
गोडल संघाणी नाना पक्ष समुदाय के सभी साधु-  
साधवियों को चातुर्मास सूची की 75 पुस्तकें सरेम  
भेंट।

—परिषद् की ओर से हार्दिक धन्यवाद

हादिक शुभकामनाओं के साथ—

॥ श्री ॥

सतता दशन प्रणेता, धर्मपाल प्रतिबोधक, समोक्षण ध्यान योगी

चारित्र्य शुद्धामणी आचार्य श्री श्री 1009 श्री मानसलताजी म सा की

## आज्ञानुवर्तीनी

शासन प्रभाविका, धमणी रत्ना महासतीजी श्री श्री 1005 श्री

श्री इन्दरकंवरजी म सा

मधुसूदन ध्यात्मिणी श्री प्रमनराजी म सा तपस्विनी श्री पारमवन्द्य म सा, विदुषीरत्ना श्री रत्ना श्रीजी म सा, आदरा दयागिनी श्री मञ्जुता श्रीजा म सा, विदुषी रत्ना श्री मुप्रभा धाजी म सा, बोक्लिमठी श्री लचना श्रीजी म सा, मेरामुरमि श्री ज्योत्सना श्रीना म सा, स्वाध्यायिनी श्री जितप्रभा श्रीना म सा, विद्यामिलापी श्री मणि प्रभाजी म सा, विदुषी रत्ना पियूषप्रभाजी म सा, विद्यामिलापी श्री ममतिगीताजी म सा, मन्नाबायी श्री विवेक शीलाजी म सा टाणा 13 के हम उप के छत्तीमाड क ऐतिहासिक नगर दुम का चानुमास म शान दशन, चारित्र्य व तप मे अभिवृद्धि हो, ऐंगी मंगल कामना करत ह ।

### —शुभेच्छक—

शकरलाल बोधरा  
अध्यक्ष  
श्री जैन श्वेताम्बर सघ, दुम

मिथलाल लोढ़ा  
कुलीच द कल्याण  
उपाध्यक्ष

पृथ्वीराम पारख  
मन्त्री

शंजो ब्रह्मराम भारोडी  
भाराच द कल्याण

महमदी, एय समस्त सदस्य

श्री जैन श्वेताम्बर श्रीमध, दुम (म प्र) श्री जैन चानुमाम व्यवस्था समिति, दुम

सिरेमेल बेरातहरा  
मयाजक  
श्री जैन चानुमाम समिति

नायाप्यक्ष  
गीतमच द बोधरा  
मयाजक भाजन समिति

मिथीलाल कर्किरिया  
मयाजक आवास समिति

शुगनच द सचेती, मन्त्री  
राणीबाज बोधरा

नमस्त मन्त्र्य

भैरवलता श्री भीमल  
अध्यक्ष

श्री यस्या जैन भावन सघ  
मौगीलाल सचेती  
कूलच द मुराणा  
उपाध्यक्ष

प्रभाराच द श्रीमाल  
मापाध्यक्ष

मोहनलाल कोठारी "विभर"  
मयाजक

चानुमाम प्रचार समिति, दुम

चानुमाम स्थल—ओरावाल अषन, जवाहर चौक, दुम (म प्र) 491001

आवास स्थल—श्री वट्टमान स्थानकवासी जैन मयन गोतोपारा, दुम

दशनाथ पधारकर सघ की सेवा का धौन्य बेकर अनुष्ठित करें ।

सम्पर्क सूत्र—भैरवलाल सुन्दरलाल बाधरा, दुम फोन 2830 पारख ट्रेड्स, दुम फोन 2066, 3045 पी पी

श्री लिम्बड़ी छः कोटी मोटा पक्ष समुदाय के  
संत-सतियाँजी म. सा.

समुदाय के प्रमुख गादीपति :  
गादीपति पं. रत्न श्री नृसिंह मुनिजी म. सा.

कुल चातुर्मास (61) संत (19) सतियाँ (231) कुल ठाणा (258)

संत समुदाय

1. बीदड़ा-कच्छ (गुजरात)

गादीपति पं. रत्न श्री नृसिंह मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छः कोटी जैन स्थानक, मु.पो. बीदड़ा-कच्छ  
वाया मून्दा, जिला भुज (गुजरात)-370435

2. गुन्दावा-कच्छ (गुजरात)

उग्र तपस्वी श्री रामचन्द्र मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छः कोटी जैन स्थानक, मु.पो. गुन्दावा  
तालूका मून्दा, जिला भुज-कच्छ (गुजरात)-  
370410

3. लिम्बड़ी (गुजरात)

सरल स्वभावी श्री लाभचन्द्रजी म.सा आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—सेठ श्री नानजी डूंगरसी स्थानकवासी  
मोटा-उपाश्रय जैन संघ,  
आचार्य श्री अजरामरजी स्वामी मार्ग,  
लिम्बड़ी-363421, जिला सुरेन्द्रनगर (गुज.)  
फोन नं. 235

4. बोरीवली-वस्वई (महाराष्ट्र)

शासन प्रभावक तप प्रचारक जितेशासन चन्द्रमा,  
पं. रत्न श्री भावचन्द्रजी म.सा आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्या. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, Opp. डायमण्ड सिनेमा,  
स्टेशन रोड, लोक मान्य तिलक रोड,  
बोरीवली (वेस्ट) वस्वई-400092 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 605 1139

5. माण्डवी-कच्छ (गुजरात)

सुलेखक मधुर वक्ता, पं. रत्न श्री भास्कर मुनिजी  
म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
जैन स्थानक, वारीवाला नांका के पास,  
मु.पो. माण्डवी-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)  
370465

6. भचाऊ-कच्छ (गुजरात)

सेवाभावी श्री निरंजन मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छः कोटी जैन स्थानक, बाजार में  
मु.पो. भचाऊ-कच्छ (वागड)  
जिला भुज (गुजरात)-370145

महासतियाँजी समुदाय

7. रव-कच्छ (गुजरात)

सरलात्मा महासती श्री मणी वाई म. सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छः कोटी जैन स्थानक, मु.पो. रव-कच्छ  
जिला भुज (गुजरात)-370165

8. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री रुक्मणीवाई म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री ऐलीसत्रीज स्थानकवासी जैन संघ,  
कामधेनु सोसायटी पी.टी. रुक्मणी कॉलेज रोड,  
पालड़ी, अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

- 9 गुन्दिपाला (गुजरात)  
सरलात्मा महासती श्री भानुमती बाई मसा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ,  
स्थानकवासी जैन उपाध्यक्ष, मु.प. गुन्दिपाला  
वाया जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
- 10 रतनपर (गुजरात)  
सौम्यमति महामती श्री चन्द्राबाई मसा (माटी)  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,  
छ कोटी जैन स्थानक, मु.प. रतनपर  
पोस्ट जोरावर नगर, वाया जिला सुरेन्द्रनगर  
(गुजरात)-363020
- 11 बीछीया (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री विमलाबाई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ जैन उपाध्यक्ष,  
मु.प. बीछीया वाया कोटाद  
जिला राजकोट (गुजरात)-360055  
फोन 73 एब 39,
- 12 छारोई कच्छ (गुजरात)  
सखिनी महामती श्री प्राण कुवरबाई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,  
छ कोटी जैन स्थानक, मु.प. छारोई-कच्छ  
वाया रापर जिला भुज (गुजरात) 370140
- 13 सुवई-कच्छ (गुजरात)  
व्याख्यात्री महासती श्री सूरजबाई मसा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,  
छ कोटी जैन स्थानक, मु.प. सुवई-कच्छ  
वाया रापर जिला भुज (गुजरात)-370165
- 14 ताकडिया-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री उज्ज्वल कुमारीबाई मसा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,  
छ कोटी जैन स्थानक, मेटीवारो वाम,  
मु.प. ताकडिया-कच्छ (गुज)-370145
- 15 मोरवी (गुजरात).  
विदुषी महासती श्री चन्द्रावतीबाई मसा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ,  
जैन स्थानक उपाध्यक्ष, मोती बाजार,  
मु.प. मोरवी-363641  
जिला राजकोट (गुजरात)
- 16 खेरानु (गुजरात)  
व्याख्यात्री महामती श्री पुनारबाई मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ,  
जैन उपाध्यक्ष, मु.प. खेरानु  
जिला मेहसाना (गुजरात)
- 17 माटूगा-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री दमयतीबाई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन स्थानक,  
प्लाट नं. 377-78, तैलक क्रास रोड नं. 2,  
माटूगा (पूर्व) (C.R.) बम्बई-400019 (महा)  
(महासतीजी श्रीमती निरंजना स्थानक के पास  
म विराजमान हैं।)
- 18 कुन्डरोडी-कच्छ (गुजरात)  
आत्माणी महासती श्री कलावतीबाई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,  
छ कोटी जैन स्थानक, मु.प. कुन्डरोडी  
वाया मूद्रा-कच्छ (गुजरात)-370410
- 19 लिम्पडी (गुजरात)  
सरलात्मा महासती श्री हसा बाई मसा (माटी)  
(मकारण) ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-उपराज कमान 3 अनुसार
- 20 गाधीग्राम (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री प्रभावती बाई मसा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,  
छ कोटी जैन स्थानक उपाध्यक्ष,  
113/1 डी.सी. जेड एरा हरीश दासपट्ट व  
बाजूम, मु.प. गाधीग्राम कच्छ (गुज) 370201

21. मनफरा-कच्छ (गुजरात)

सरल स्वभावी महासती श्री मंजुला वाई म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ

छः कोटी जैन स्थानक उपाश्रय, मु.पो. मनफरा  
वाया भचाऊ-कच्छ (गुजरात)-370140

22. जेतपुर (काठी) (गुजरात)

विदुषी महासती श्री निर्मलाबाई मा.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, लिम्बडी संघ,

महादेव शेरी, नाना चौक, मु.पो. जेतपुर (काठी)

360370 वाया गोंडल, जिला (गुजरात)

23. थानगढ़ (गुजरात)

विदुषी महासती श्री विजयाबाई म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

महालक्ष्मी शेरी, मु.पो. थानगढ़, जिला सुरेन्द्रनगर  
(गुजरात)-363530

24. पाटड़ी (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री लीलावतीबाई म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. पाटड़ी, वाया विरभगाव

जिला अहमदाबाद. (गुजरात)

25. चूड़ा (गुजरात)

विदुषी महासती श्री राजेमतीबाई म.सा. (मोटा)

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ,

जैन उपाश्रय, बाजार में, मु.पो. चूड़ा

जिला-सुरेन्द्रनगर (गुजरात)-363410

26. थाणा-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री हंसाबाई म.सा. (नाना)

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ

जैन स्थानक, तलाव पाली नौका विहार के सामने

डॉ. मूस रोड, ठाणा (वेस्ट) महाराष्ट्र. (C.R.)

400602 फोन नं. 506008

27. भुज-कच्छ (गुजरात)

विदुषी महासती श्री मीनाबाई म.सा. आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-केशरबाई जैन भुवन, होस्पिटल रोड,

भुज-कच्छ (गुजरात)-370001

28. धोलका (गुजरात)

सरलात्मा महासती श्री हेमलताबाई म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,

कुवेरजी के मंदिर के पास, मु.पो. धोलका जिला

अहमदाबाद (गुजरात)-387 850

29. समाधोघा-कच्छ (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री सुलोचनाबाई म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,

छः कोटी जैन स्थानक उपाश्रय,

मु.पो. समाधोघा-कच्छ (गुजरात)-370 415

फोन नं. 48/37

30. तीथल (गुजरात)

सेवाभावी महासती श्री दिव्यप्रभाबाई म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-कच्छी सेनेटेरियम रुम नं. 3, तल मजिल

मु.पो. तीथल, जिला-वलसाड (गुज.)

31. चोटीला (गुजरात)

सरल स्वभावी महासती श्री प्रमोदिनीबाई म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. चोटीला, जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

363520

32. अंजार-कच्छ (गुजरात)

सेवाभावी महासती श्री विनोद प्रभाबाई म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

गंगा बाजार, मु.पो. अंजार-कच्छ

जिला भुज (गुजरात) 370150



- 33 नातासोपारा-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री यशतप्रभावाई मसा (नाना)  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-रज्जवी वीसा आसवाल जैनसभ, जैनस्थानक  
तुलीज राड, नानासोपारा (पूव) जिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) फोन-72139
- 34 गोधरा (गुजरात)  
व्याख्यात्री महासती श्री कुमुदबाई मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सभ, दना बब के  
सामने, मुपो नया बाजार, गोधरा, जिला  
पचमहाल (गुजरात) 389001 (W R)
- 35 आघोई-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री कुमुदप्रभावाई मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ,  
छ वाटी जैन स्थानक, मुपो आघोई-कच्छ  
हालूका सामखियारी, जिला भुज (गुज) 370135
- 36 डोण (गुजरात)  
सेवामात्री महासती श्री नीलमबाई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ  
छ वाटी जैन स्थानक, उपाश्रय मुपा टाण  
ताया माण्डवी कच्छ (गुजरात)
- 37 रापर-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री अनिलाबाई मसा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ,  
छ वाटी जैन उपाश्रय, बाजार म  
मुपो रापर-कच्छ (बागड) (गुज) 370186
- 38 बरवाला (गुजरात)  
सेवामात्री महासती श्री ज्योतिप्रभावाई मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सभ,  
जैन उपाश्रय मुपा बरवाला (घेनाशाह)  
'नालका धधुका जिला, भावनगर (गुज) 382450
- 39 सामखियारी-कच्छ (गुजरात)  
सेवामात्री महामती श्री अरुणाबाई मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ  
छ वाटी स्थानक, मुपा सामखियारी कच्छ  
(गुजरात) 370150
- 40 मुदामडा (गुजरात)  
सेवामात्री महासती श्री सखताबाई मसा (मोडा)  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ,  
छ वाटी जैन स्थानक, मुपा मुदामडा  
जिला बाया, सुरन्द्र नगर (गुजरात)
- 41 गामोदर-कच्छ (गुजरात)  
सरनामा महासती श्री पुनीताबाई मसा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सभ,  
छ वाटी जैन स्थानक मुपा गामोदर हालूका  
रापर कच्छ (गुजरात) 370165
- 42 मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री नरमनाबाई मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व स्या जैन धावन सभ, जैन स्थानक  
मायलसदार वाडी, क्रोम रोड न 1  
मलाड (वेस्ट) बम्बई-400064 (महा)  
फोन न 6820360 पीपी
- 43 बालीना-बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री अमरनताबाई मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री व स्या जैन धावन सभ,  
जेनस अशटमटस, प्लोट न CTS 5835  
जेनरा बंब के पास, कुर्ला रोड, बालीना  
बम्बई-400029 (महाराष्ट्र)
- 44 जूनागढ़ (गुजरात)  
सेवामात्री महासती श्री सखताबाई मसा (नाना)  
आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सभ, जैन उपाश्रय  
जगपाल चौक, जूनागढ़ (गुज) 362001

45. कांदावाडी-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री गीताबाई म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
170 खाडीनकर रोड, कांदावाडी  
बम्बई-400004 (महा.) फोन नं. 358817

46. लिम्बडी-(गुजरात)

मेवाप्रिय महासती श्री वंदनाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक 2 अनुसार

47. दाहोद (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री छायाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री ज्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ  
जैन उपाश्रय, हनुमान बाजार, मु.पो. दाहोद  
जिला पंचमहाल (गुजरात) 389151

48. मुलुण्ड-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री अंखनाबाई म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
137-ए-सेवाराम ललवाणी मार्ग,  
मुलुण्ड (वेस्ट) बम्बई-400078 (महा.)

49. डोम्बीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री उर्विशाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
पारसमणि जैन मंदिर के बाजू में, लाला लाजपत-  
राय रोड, तिलकनगर, डोम्बीवली (पूर्व) जिला  
ठाणा (महा.) 421201

50. कुर्ला-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री नयनाबाई म.सा. (मोटा)  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-कच्छा बीसा ओसवाल जैन समाज,  
279 एल. बी. शास्त्री मार्ग, पोस्ट आफिस के  
सामने, कुर्ला (वेस्ट) बम्बई-400 070 (महा.)

51. मलाड बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री मृगादत्तीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
शिवाजी नगर, रोड प्रसाद विल्डिंग  
दफतरी रोड, मलाड (पूर्व)  
बम्बई-400 097 (महा.)

52. कोट-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री दर्शनाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक  
100/102 बाजार गेट स्ट्रीट, कोट,  
बम्बई-400 001 (महा.), फोन 2610997

53. नडियाद (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री दीक्षिताबाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
संजय होस्पिटल पागे, रेल्वे स्टेशन के पीछे  
मु.पो. नडियाद जिला खेड़ा (गुजरात)  
फोन नं. , 8542, 8520

54. त्रयो-कच्छ (गुजरात)

विदुषी महासती श्री साधनाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी छः कोटी जैन संघ,  
छः कोटी जैन स्थानक, मु.पो. त्रयो वाया रापर-कच्छ  
जिला भुज (गुजरात) 370165

55. चिंचवन्दर-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री कमल प्रभाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ (मांडवी)  
वोम्ब्रे ग्रेन डीलर एसोसिएशन विल्डिंग,  
1 माला, केशवजी नायक रोड, चिंच वन्दर  
बम्बई-400 009 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 372 3357 पी.पी.

56. जोगेश्वरी-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री कीर्तिप्रभाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
अन्नपूर्णा विल्डिंग, कृष्णनगर गुफा रोड  
जोगेश्वरी (पूर्व) बम्बई-400 060 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 632 3142

## 57 बरौदा (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री मेनुवावाई मसा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन मघ, जैन उताग्रय,  
बोटी चार राम्मा, मास्त्री नी पान  
बडोदा—(गुजरात) 390001

कुल चातुर्मास मतों के	6	कुल सन	19
कुल चातुर्मास सतिपों के	55	कुल सतिपों	239

— 61 — 258

## 58 मियागाव-भरौण (गुजरात)

महाभावी महामती श्री रचनावाई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन मघ, जैन उताग्रय  
मु पो मियागाव-भरौण, जिना बडोदा  
(गुजरात) 391240

कुल चातुर्मास (61) सन (19) सतिपों (239)
कुल ठाणा (258)

सत-सती तुलना मक तानिका 1991

## 59 भुज कच्छ (गुजरात)

विदुषी महासती श्री वदिताराई मसा  
आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र—श्री स्थानकवासी छ बाटी जैन मघ  
छ बाटी जैन उताग्रय, बाणियावाड  
हों महिपत मेहता माग, मु पो भुज-कच्छ  
(गुजरात) 370001

विवरण	सत	सतिपों	कुल ठाणा
-------	----	--------	----------

1991 में विद्यमान थे 18 238 256

+ गई बोपाएँ हुई — 1 1

— 18 239 257

— बालघर्म प्राप्त हुए 1 — 1

— 17 से 239 259

+ एकता विहारी सम्मिलित हुए 2 — —

— 19 239 258

## 60 भायवर-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महामती श्री जिज्ञानावाई मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री क स्या जैन थावक मघ, जैन स्थानक  
महावीर, जराटमट्स, स्टेशन राह  
शिवसेना आफिस के सामने, भायन्दर (बम्बई)  
जिला ठाणा (महा) 401101

1992 में विद्यमान हैं 19 239 258

जन पत्र-पत्रिकाएँ — बाई हीं

## 61 भेंघेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री मधुस्मिताजी मसा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री क स्या जैन थावक मघ, जैन स्थानक  
बोवेराय कम्पाउंड, भरडावाडी, जे पी राह,  
ब घेरी (वेल्ड) बम्बई 400058 (महाराष्ट्र)

विशेष—(1) इन समुदाय में एक बोचाय प्रवर्धन, रणवर्धनी  
स्वामी के महाप्रमाण के पचात् अभी तक किसी का  
भी जाचाय पद प्रदान नहीं किया गया। गादीपति का  
पद समुदाय में वरिष्ठ दीक्षा पर्याय वय वाले सन का  
प्रदान करने का नियम है। इस कारण समुदाय में मयम  
क्याबद्ध वरिष्ठ दीक्षा पर्याय भी गरीब मुनिजी मसा  
गादीपति पद पर दिखानमान है।

श्री दरियापुरी आठ कोटी समुदाय के  
सत-सतियाँजी म. सा.

समुदाय के प्रमुख आचार्य:- पं. रत्न, शास्त्रज्ञ आचार्य  
प्रवर श्री शान्तिलालजी म. सा.

कुल चातुर्मास (28) संत (13) सतियाँ (118) कुल ठाणा (131)

संत समुदाय

1. सायला (गुजरात)

आचार्य प्रवर शास्त्रज्ञ, पं. रत्न, श्री शान्तिलालजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,  
जैन उपाश्रय, छत्री के पास, मु.पो. सायला  
जिला सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

फोन-अध्यक्ष 49 एवं 25

2. भावनगर (गुजरात)

प्रखर व्याख्याता श्री वीरेन्द्र मुनिजी म.सा.

सौम्यमति श्री राजेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र-श्रीकृष्णनगर स्थानकवासी जैन संघ,  
जैन उपाश्रय, मेघाणी सर्कल, कृष्णनगर  
सोसायटी, भावनगर-364001 (गुजरात)

3. विजयनगर-अहमदाबाद (गुजरात)

मधुर वक्ता श्री रविन्द्र मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ,

89 विजयनगर, नाराणपुरा, अहमदाबाद  
(गुजरात) 380013

4. कलोल (गुजरात)

सेवाभावी श्री हर्षद मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सं.पर्क सूत्र-श्री दरियापुरी स्था. जैन संघ, जैन उपाश्रय  
उपाश्रय वाला खाचो बाजार मे  
मु.पो. कलोल, जिला अहमदाबाद  
(गुज.) 382721 फोन 2070पीपी

महासतियाँजी समुदाय

5. छीपापोल-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री सुभद्राबाई म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र-श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ  
छीपापोल रवानी नारायण मंदिर के पास  
कालूपुर, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)  
फोन नं. 363991 अध्यक्ष 365428

6. सारंगपुर-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री कांताबाई म.सा. आदि ठाणा (-)

सम्पर्क सूत्र-श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,  
तलिया नी पो, महादेव वालो खाचो,  
सारंगपुर, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)  
फोन नं. 340562

7. सरसपुर-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री वासंतीबाई म.सा.

आदि ठाणा (5)

सं.पर्क सूत्र-श्री दरियापुरी स्था. जैन संघ  
गारदाबाई हास्पिटल, पासे चार रास्ता,  
सरसपुर, अहमदाबाद-380018 (गुजरात)

8. शाहपुर-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री दमयंतीबाई म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री शाहपुर, दरियापुरी स्था. जैन संघ,  
मुनारा नो खांचो, अहमदाबाद-380008  
(गुजरात) फोन 20493

- 9 કલોલ (ગુજરાત)  
મગ્ન સ્વભાવી મહામતી શ્રી નારંગીવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (2)  
મમ્મક મૂર્તિ-પરોલકા શ્રમાલ (4) અમુમા
- 10 પાટણ (ગુજરાત)  
વિદુષી મહામતી શ્રી પ્રભાવાડે મ મા આદિ ઠાળા (2)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી દરિયાપુરી સ્વા. જૈન મય,  
ધેનાવાડે માના ની શ્રદ્ધા, જિલ્લા જમ્યારાદ  
મુ પો પાટણ, જિલ્લા મેદમાળા (ગજ) 384265
- 11 પ્રાલીજ (ગુજરાત)  
વિદુષી મહામતી શ્રી પ્રભાવાડે મ મા આદિ ઠાળા (3)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી દરિયાપુરી સ્વા. જૈન મય,  
જૈન ઉપાધ્યય, તયા વાતાર  
મુ પો પ્રાલીજ જિલ્લા માલગવાઠા (ગુજરાત)  
383205 ફાન ન 62 ઓ 12
- 12 ચઢોલા (ગુજરાત)  
વિદુષી મહામતી શ્રી પ્રવીણવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (5)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી દરિયાપુરી સ્વા. જૈન મય,  
મામાળા પોલ, જામીદામ પોલ ને નાવે ને પામ  
શવપુરા રાડ, ચઢોલા-390001 (ગુજરાત)  
ફોન અધ્યય 550314-55 2109
- 13 હટોલા (ગુજરાત)  
મગ્ન સ્વભાવી મહામતી શ્રી સરનાવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (5)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી દરિયાપુરી સ્વા. જૈન મય,  
જૈન ઉપાધ્યય નાની ખાલ  
મુ પો હટોલા, વામા મિયાવાલ-વગ્ગણ  
જિલ્લા વઢાળા (ગુજરાત)
- 14 ચિરમગાંવ (ગુજરાત)  
સ્વામ્યારી મહામતી શ્રી મુલાવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (7)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી ચિરમગાંવ ધના થોમાની દરિયાપુરી  
સ્વા. જૈન મય મયવી પની,  
ચિરમગાંવ નિત્રા અહમદાદાદ (ગુજ) 382157  
ફાન-અધ્યય આદિ 160 નિત્રામ 75
- 15 સપ્તર (ગુજરાત)  
સ્વામ્યારી મહામતી શ્રી યમાનાવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (2)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી દરિયાપુરી સ્વા. જૈન મય,  
ચાગા ને, મુ પો સપ્તર જિલ્લા પુરુષ  
(ગુજરાત)
- 16 મૂરત (ગુજરાત)  
મેદમાળા મહામતી શ્રી હટુવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (4)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી દરિયાપુરી સ્વા. જૈન મય,  
તવાળી ચોગર, પુની ને જામ, મહામુર  
મા-395003 (ગુજરાત)
- 17 પાલપુર (ગુજરાત)  
વિદુષી મહામતી શ્રી મુનીમાવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (4)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી સોનાગઢ સ્વા. જૈન મય  
ને. ઉપાધ્યય, જીવનવાડે, પામપુર  
જિલ્લા ચાગાવાઠા (ગુજરાત) 385001
- 18 યાદાલ (ગુજરાત)  
વિદુષી મહામતી શ્રી જગતીવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (5)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી દરિયાપુરી સ્વા. જૈન મય,  
જૈન ઉપાધ્યય, મુ પો યાદાલ, વામા ચોરમ  
જિલ્લા મેદા (ગુજરાત)
- 19 લીજપુર (ચનાદિવા)  
વિદુષી મહામતી શ્રી હિદિગવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (3)  
મમ્મક મૂર્તિ-  
Shri Jeetmal Nandlal Jain  
Cotton Marchant, Mahavir Marg  
BIJAPUR-753610 (Karnataka)
- 20 ભક્તિનગર રાજકોટ (ગુજરાત)  
સરલ સ્વભાવી મહામતી શ્રી હીરાવાડે મ મા  
આદિ ઠાળા (-)  
મમ્મક મૂર્તિ-શ્રી સ્થાનવાલી જૈન મય,  
જૈન પોચશાલા, ભક્તિ નગર  
રાજકોટ-360001 (ગુજરાત)

## 21. गिरधर नगर-अहमदाबाद (गुजरात)

ज्ञान स्वभावी महामती श्री कम्णाबाई म मा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र-श्री दरियापुरी स्था. जैन सघ,  
जैन उपाश्रय, सुभाष नगर, गिरधर नगर  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

## 22. बीसलपुर (गुजरात)

व्याख्यात्री महामती श्री ललिताबाई म मा

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री दरियापुरी स्था. जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु पो. बीसलपुर, तालुका हस्तोई  
जिला अहमदाबाद (गुजरात)

## 23. नाराणपुरा-अहमदाबाद (गुजरात)

व्याख्यात्री महामती श्री मोतीबाई म मा

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री ताराबाई आर्याजी सिद्धान्त ट्रस्ट,  
जवेरी नो बंगलो, नाराणपुरा  
अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

## 24. सायन-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महामती श्री विमलाबाई म मा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था जैन श्रावक सघ  
जैन भुवन, जैन सोसायटी रोड नं. 25  
बम्बई-400022 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 4072553

## 25. दौलतनगर-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महामती श्री हमाबाई म मा आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था जैन श्रावक संघ रोड नं. 9  
दौलतनगर, बोरीवली (पूर्व) बम्बई-400066  
फोन नं. 6057207 पीपी

## 26. बसई रोड (माणेकपुर) बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महामती श्री मुलोचनाबाई म मा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, गुजराती  
स्कूल के सामने, बसई रोड (माणेकपुर)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) फोन 2040 पीपी

## 27. घाटकोपर-संधाणी बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महामती श्री दीक्षिताबाई म मा

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ  
आम्रा रोड, थेयास टाकीज की गली में, गार्डन लेन  
घाटकोपर संधाणी, बम्बई-400086 (महा.)  
फोन नं. 5152027

## 28. निचपोकली-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी महामती श्री गंधुबाई म मा आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था जैन श्रावक सघ  
64 आम्बेडकर रोड Opp वोल्टाज  
निचपोकली, बम्बई-400012 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 8725466

कुल चातुर्मास संतों के	4	कुल संत	13
कुल चातुर्मास सतियों के	24	कुल सतियां	118
कुल	28	कुल	131

कुल चातुर्मास (28)	संत (13)	सतियां (118)	कुल ठाणा (131)
--------------------	----------	--------------	----------------

संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

गत वर्ष 1991 अनुसार ही

जैन पत्र-पत्रिकाएँ कोई नहीं

जैन एकता संदेश

का आगामी अंक अक्टूबर 1992 में  
प्रकाशित होगा।

ॐ श्री गुरुदेवाय नमः

श्रमण तपः न पूज्य आचार्य मन्नाट 1008 श्री देवेन्द्रमुनिजी ममा आनि ठाणाआ का गउसिराना म  
पूज्य -पाध्याय श्री वेचन मनिजी ममा जादि ठाणाआ का रंगनार म पूज्य प्रवचन श्री  
रमज मनिजी ममा का जादि ठाणाआ का उढी मादढी म शास्त्री श्री मृगम  
मनिजी म जादि ठाणाआ का मृगम य एव मघ तताभारी तपस्वी श्री  
मात्र मनिजी ममा जादि ठाणाआ का दूदौर  
रनन वॉरोनी मे वष 1992 का उपनिष  
नादशा चारित्र एव तप की  
आराधनाआ म आनि-आरा मपन वन  
ऐसी मगन कामना करते हुए

(एसटीटी 07412)

दूरभाष 202887 22754

**कटारिया मिश्रीलाल माँगीलाल**

19/3 पतम राउ, रतलाम (म प्र) 457001

सम्बन्धित प्रतिष्ठान

दूरभाष 20443 व 22547

**फ्रेण्डस आटोमोबाईल्स, इंडियन आईल पेट्रोल पम्प**

महू राउ तामाखडा जिना रतलाम (म प्र)

दूरभाष 22681

**श्री शक्ति आटोमोबाईल्स**

भविष्यत विप्रेता टी वी एम मूनिजी, माटर माईरिज व मापउ जाधुनि मणीता एव बम्पनी द्वारा  
प्रशिक्षित मैनेजिना द्वारा रिपरिज व सर्विस  
एम्बदायन बाम्पुतुक्म महू राउ रतलाम (म प्र) 157001

दूरभाष 20125 व 24944

**दिवाकर मोटर्स**

86, यू राउ, रतलाम (म प्र)

दूरभाष 2062

**श्री महावीर आटोमोबाईल्स, इंडियन आईल पेट्रोल पम्प**

कर्मोवर जिना धार (म प्र)

दूरभाष 1679

**श्री शक्ति आटोमोबाईल्स**

भविष्यत विप्रेता टी वी एम मूनिजी माटर माईरिज व मापउ  
द्वारा व जैन मापउ, नीमच जिना महावीर (म प्र) 458 311

शुभेच्छक

मांगीलाल कटारिया

रतलाम (म प्र)

श्री लिम्बडी संघवी (गोपाल) समुदाय  
के संत-सतियाँजी म.सा.।

समुदाय के प्रमुख:-तपस्वी रत्न, सरल स्वभावी,  
पं. रत्न श्री रामजी मुनि म. सा.

कुल चातुर्मास (20) संत (13) सतियाँ (114) कुल ठाणा (127)

संत समुदाय

1. नवा वाडज-अहमदाबाद (गुजरात)  
तपस्वी रत्न, सरल स्वभावी पं. रत्न श्री रामजी मुनि  
म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध, जैन उपाश्रय  
चंपकनगर प्लोट नं. 21, नवा वाडज  
अहमदाबाद-380013 (गुजरात)  
फोन-अध्यक्ष दुकान 364987 निवास 868457
2. वापी (गुजरात)  
आध्यात्मिक ज्ञानी श्री केवलमुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, गुजन सिनेमा  
के पीछे, प्लॉट नं. 345, जी आई.डी.सी  
एग्निया, मु.पो. वापी, जिला वलसाड  
(गुजरात) 396191
3. सुरेन्द्रनगर (गुजरात)  
सरल स्वभावी श्री रत्नसी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन समाज पूर्व विभाग  
36 स्वस्तिक सोसायटी, सुरेन्द्रनगर-363001  
(गुजरात)
4. धंधुका (गुजरात)  
मेधाभावी श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री ज्वे स्थानकवासी जैन संघ  
जैन उपाश्रय, स्टेशन रोड जनता बैंक के पीछे  
मु.पो. धंधुका जिला अहमदाबाद (गुजरात)  
382460  
फोन माजी प्रमुख 72419

महासतियाँजी समुदाय

5. ध्रागंध्रा (गुजरात)  
तेजस्वी महासती श्री मंजूलाबाई म.सा.  
आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध, जैन उपाश्रय  
ग्रीन चौक, मु.पो. ध्रागंध्रा-363380  
जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
6. बांकानेर (गुजरात)  
मौनी आध्यात्मिक प्रेमी महासती श्री मुक्ताबाई म.सा.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध, जैन उपाश्रय  
उपाश्रय शेरी, मु.पो. बांकानेर, जिला राजकोट  
(गुजरात) 363621
7. सुरेन्द्रनगर (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री जमवतीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (16)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन समाज, जैन उपाश्रय  
पूर्व विभाग मेघाणी मार्ग, भारत सोसायटी  
सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363001 फोन 23302
8. जीवराज पार्क-अहमदाबाद (गुजरात)  
तत्व रसिका महासती श्री तारामतीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
Opp आणापुरी प्लेट, जीवराज पार्क,  
अहमदाबाद-380007 (गुजरात)



- 9 बालवैश्वर बम्बई (महाराष्ट्र)  
तलम्विनी महामती श्री जयन्तीगार्ड म मा  
आदि ठाणा (7)  
मम्पक सूत्र-श्री व स्या जैन धावक मध, जैन स्थानक,  
तीन वती व ५५५ जमानास मन्तव। मोग  
बालवैश्वर, बम्बई 400006 (महाराष्ट्र)  
फोन 3621642
- 10 लिम्बडी (सौराष्ट्र) (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री हींगराई म मा  
आदि ठाणा (5)  
मम्पक सूत्र-श्री धारसी रजराई स्या जैन मध  
मधवी जन उपाश्रय म मजी राट  
मु पा लिम्बडी (सागराष्ट्र), जिना मुरद्रनगर  
(गुजरात) 363421 फोन 456 पौषी
- 11 बढपाण मिटी (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री भाग्यतीगार्ड म मा  
आदि ठाणा (6)  
मम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध, जैन उपाश्रय  
मु पा बढपाण जहर, बाया जिना मुरद्रनगर  
(गुजरात) 363630
- 12 सावरमती, अहमदाबाद (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री प्रियशभावाई म मा  
आदि ठाणा (4)  
मम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध जन उपाश्रय  
हिराणी नगर रामनगर भाद्रमती  
अहमदाबाद 380005 (गुजरात)
- 13 कृष्णनगर, अहमदाबाद (गुजरात)  
मम्पक स्वभावी महामती श्री मगनावाई म मा  
आदि ठाणा (1)  
मम्पक सूत्र-श्री गगनग स्या जन मध,  
स्या न 54/868 मेरपुर, बाधा, नगनाग,  
कृष्णनगर अहमदाबाद (गुजरात)
- 14 मुरेद्रनगर (गुजरात)  
तब जिनामु महामती श्री मयशावाई म मा  
आदि ठाणा (14)  
मम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध, जैन उपाश्रय  
केरी बाजार मुरेद्रनगर 363001 (गुजरात)
- 15 माटुगा बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री गगनगार्ड म मा  
आदि ठाणा (9)  
मम्पक सूत्र-श्री व स्या जैन धावक मध, जैन उपाश्रय  
नगा वाम राट न 2, महेन्दरी उद्यान व पत  
माटगा (पूर्व) (C R ) बम्बई 400029  
फोन 4372015
- 16 नवरगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात)  
सेवाभावी महामती श्री चन्द्रबाबाई म मा  
आदि ठाणा (7)  
मम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध, जैन उपाश्रय  
अचिता फेटे के पाम, ग्राह्य इन रोड  
नवरगपुरा, अहमदाबाद 380009 (गुजरात)
- 17 बादिबली, बम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महामती श्री जयन्तीगार्ड म मा  
आदि ठाणा (7)  
मम्पक सूत्र-श्री व स्या जैन धावक मध, जैन स्थानक  
पाडवदर रोड, म मवी रोड, मद्रम बेंक के पाम  
बादिबली (बम्बई) बम्बई 400067 (महा)  
फोन 6071912
- 18 बापू नगर, अहमदाबाद (गुजरात)  
नवाभावी महामती श्री मृदुनावाई म मा  
आदि ठाणा (4)  
मम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध, जैन उपाश्रय  
बापू नगर अहमदाबाद 380024 (गुजरात)
- 19 गडडा (स्वाधिनारायण) (गुजरात)  
मम्पक स्वभावी महामती श्री उपावाई म मा  
आदि ठाणा (4)  
मम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध, जैन उपाश्रय  
मु पा गडडा (स्वाधिनारायण) 361700  
जिना धाननगर (गुजरात)
- 20 विरमगाव (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री जिनागार्ड म मा  
आदि ठाणा (4)  
मम्पक सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन मध जैन उपाश्रय  
मोटी मटवाडा, मु पा विरमगाव  
जिला अहमदाबाद (गुजरात),

कुल चातुर्मास संतों के	4	कुल संत	13
कुल चातुर्मास सतियों के	16	कुल सतियाँ	114
कुल	20	कुल	127

कुल चातुर्मास (20) संत (13) सतियाँ (114) कुल ठाणा (127)

### संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत	सतियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	12	109	121
(+) नई दीक्षाएँ हुई	1	5	6
(-) काल धर्म प्राप्त हुए	—	—	—
	13	114	127

1992 में विद्यमान है 13 114 127

जैन पत्र-पत्रिकाएँ—केवल जिनदर्शन (गुजराती मासिक) नम्बर

जैन दिवाकरजी म.के मुशिष्य तपस्वीश्री वृद्धिचन्दजी म.व्या. वा. पं. श्री चन्दन मुनिजी म. बालकवि श्री सुभाष मुनिजी म "सुमन" साहित्य रत्न ठाणा 3 का 1992 का कोटा वर्षावास सानन्द सम्पन्न होवे। यही मंगल मनोपा—

## सत साहित्य मंगवाईये

\* दिवाकर देन भाग 1 से 6 \* दिवाकर पूर्व चिन्तन \* सवक, \* झरोखा, \* गुलदस्ता, \* स्वप्न और संसार, \* एक आलोक पुज—जैन दिवाकर, \* मोक्ष मार्ग, \* संकल्प और सिद्धि, \* प्रीत की जीत, \* राही रुका नहीं, \* आदर्श रामायण, \* जैन संस्कृति परिचय 1 से 15, \* पर्युषण व्याख्यान, \* त्रय चरित्र \* जैन आगम—(गुटका साईज), \* महावल मलिया चरित्र—

सम्पर्क सूत्र—सुनिलकुमार जैन (संजी)

मुनि नाथलाल जैन साहित्य विभाग

चौधरी मोहल्ला, नीमच सिटी (म.प्र.)

सामायिक स्वाध्याय के प्रेरक, इतिहास मार्गण्ड, परम पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री हस्तीमलजी म सा को कोटि-कोटि वन्दन करते हुए—वर्तमानाचार्य परम पूज्य गुरुदेव आगमज प रत्न श्री हीराचदजी म सा. आदि ठाणाओं का बालोतरा (राज) में सन् 1992 का चातुर्मास सानन्द सम्पन्न होने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

हासिक शुभकामनाओं सहित !

## Gautam Chand Ostwal

Editor-Moksh Dwar (Hindi Fortnightly)

No.-53, 1st Floor, 2nd Main Road,

4th Cross, Nagappa Block,

BANGALORE-560021 (Karnatka)

ॐ नमः

गुरु उपाध्याय श्री वचन मणिजी मना श्री ठापाजी का बगतीर म गुरु प्रवचन श्री गगनमुनिजी मना  
जादि ठापाजी का बडा नावडी म एव माग्नी श्री गुरु मुनिजी मना जादि ठापाजी का गुरु म  
वय 1492 का वपात्रम यजम्वी वा एमा मगन वामना वरन हूण

## श्री कस्तूर गुरु भोजनशाला ट्रस्ट बोर्ड

20, नीम चौक, रतलाम-457001 (मप्र)

पंजीयन क्रमांक 227 दि 3-12-1990

मानव रत्न ग्यानिजि गुरु गगन उपाध्याय श्री कस्तूरचन्द्रा महापात्र मा क वम पात्राणी वय म  
दिनांक 10.5.92 म मा कस्तूर गुरु भोजनशाला रीम चात, रतलाम का शुभारम्भ

उदघाटन-द्वारा दानवीर सेठ श्री वाराहीमजी सा बिबेसरा बम्बई (सादही नारबाड बाते)  
ममन्त माग्निम पत्रादी वपात्र मात भाद्रा म मघ र। तावा वरन का शुभारम्भ प्रदान रत्न का  
विनम्र निवेदन ह।

### न्यासी गण

संठ कशारामलजी निधमरा

बम्बई

रत्नम मद्रम्य

रत्नचन्द्र कटारिया

कापाध्याय

बाबूलाल बारा

इंदरमल जन

रतलाम

अध्यक्ष

मणीलाल गार्दिया

भीठालाल मयनलाल संघवी

मायोमान कटारिया

रतलाम

मया

समररधमल कटारिया

सुरेशकुमार मेहता

भोजनशाला — व्यवस्थापक प्रमुख

माणकलाल बाफना, शैतानमल पटवा, नीम चौक

रतलाम

## श्री कच्छ आठ कोटी मोटा पक्ष समुदाय के संत-सतियाँजी म. सा.

**समुदाय के प्रमुख संत:- शास्त्रज्ञ श्री धीरजमुनिजी म. सा.**

कुल चातुर्गति (29)    संत (16)    सतियाँजी (76)    कुल ठाणा (92)

### संत समुदाय

1. दादर-वम्बई (महाराष्ट्र)  
शास्त्रज्ञ श्री धीरजमुनिजी म. सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
पोर्तुगीज चर्च स्ट्रीट, 12 एल लेन, ज्ञान मंदिर रोड  
दादर (वेस्ट) बम्बई-400028 (महाराष्ट्र)  
फोन 4229418
2. कांडागरा-कच्छ (गुजरात)  
विद्वदय श्री प्राणलालजी म. सा.  
मधुर व्याख्यान श्री मुभापचन्द्रजी म. सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. कांडागरा-कच्छ, जिला भुज  
(गुजरात) 370135
3. भाण्डुप-वम्बई (महाराष्ट्र)  
आत्मार्यो श्री दिनोदचन्द्रजी म. सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
आग्रा रोड, देना बैक के सामने, ईश्वर नगर  
भाण्डुप (वेस्ट) बम्बई-400078 (महाराष्ट्र)  
फोन न. 5617828
4. उमराखा (गुजरात)  
मधुर वक्ता श्री भाजिचन्द्रजी म. सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. उमराखा (गुजरात) (गुजरात)
- 4ए मोदहा (कच्छ) (गुजरात)  
मधुर वक्ता श्री रमेशचन्द्रजी म. सा. आदि ठाणा (2)

### 5. बेराजा-कच्छ (गुजरात)

सेवाभावी श्री जितेन्द्र मुनिजी म. सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. बेराजा-कच्छ जिला भुज (गुजरात)

### 6. नवाडीसा (गुजरात)

तापस्वी रत्न श्री दिनेशमुनिजी म. सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
14, स्वस्तिक सोसायटी, मिडिल हास्पिटल के  
बाजू में, मु.पो. डीसा-385535  
(मौराष्ट्र) (गुजरात)

### महासतियाँजी समुदाय

### 7. माण्डवी-कच्छ (गुजरात)

विदुषी महासती श्री वेलवाई म. सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. माण्डवी-कच्छ-जिला भुज  
(गुजरात) 370465

### 8. पत्री-कच्छ (गुजरात)

विदुषी महासती श्री लक्ष्मीबाई म. सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. पत्री-कच्छ जिला भुज (गुज) 370425

### 9. घनज्याम नगर अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महासती श्री मणीबाई म. सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
घनज्याम नगर, अहमदाबाद (गुजरात)

- 10 **माध्यापर-कच्छ (गुजरात)**  
महाप्रति महाप्रति श्री भर्गवादी म मा  
जादि ठाणा (3)  
महाप्रति गुज-श्री स्थानवामी जैन मध, जैन उपाधय  
मुषा माध्यापर-कच्छ जिना भुज (गुजरात)
- 11 **गोरेगाव-बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महाप्रति श्री दमयन्तीदास म मा  
जादि ठाणा (6)  
महाप्रति गुज-श्री व मा जैन धावक मध  
274 ग नगर राट न 12 एम. गी  
राट न पाम ताग्याव (वेस्ट)  
बम्बई-400062 (महा) फोन न 6725760
- 12 **मुलुण्ड चेक नावा बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महाप्रति श्री प्रभातीदास म मा  
जादि ठाणा (4)  
महाप्रति गुज-श्री व मा जैन धावक मध, जैन स्थान  
महाप्रति विरिन्ग, जिनाजीनग, बापन स्टूट  
मुलुण्ड चेक नावा जिना ठाणा (महाराष्ट्र)  
फोन न 5618486
- 13 **बिजोली-बम्बई (महाराष्ट्र)**  
महाप्रति महाप्रति श्री विद्यावतीदास म मा  
जादि ठाणा (2)  
महाप्रति गुज-श्री व मा जैन धावक मध  
टगा नगर जिन्टुप न 4 व रामन  
विजोली (पूर्व) बम्बई-400083 (महाराष्ट्र)  
फोन न 5781363
- 14 **बाबा-कच्छ (गुजरात)**  
विदुषी महाप्रति श्री मजुतावाट म मा  
जादि ठाणा (6)  
महाप्रति गुज-श्री स्थानवामी जैन मध, जैन उपाधय  
मुषा बाबा-कच्छ जिना भुज (गुजरात)
- 15 **हंदराबाद (आंध्र प्रदेश)**  
विदुषी महाप्रति श्री बाबतावाट म मा  
जादि ठाणा (2)  
महाप्रति गुज-  
Shri Sthanakwasu Jan Singh  
15 141/3 12 Gujarat Saving Jun  
Sthanak Bhawan  
Eden Bugh Ramkot Dr Saboo Gih  
HYDERABAD-500 001 (A P)  
Tel No 557749
- 16 **मोहाप-कच्छ (गुजरात)**  
महाप्रति महाप्रति श्री निमतावाट म मा  
जादि ठाणा (3)  
महाप्रति गुज-श्री स्थानवामी जैन मध, जैन उपाधय  
मुषा मोहाप-कच्छ जिना भुज (गुजरात)
- 17 **गारेगाव (पूर्व) बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महाप्रति श्री निजतावाट म मा  
जादि ठाणा (4)  
महाप्रति गुज-श्री व मा जैन धावक मध जैन उपाधय  
श्रीनिधाम गट पायम बापन व रामन आर राट  
गारेगाव (पूर्व) बम्बई-400063 (महाराष्ट्र)  
फोन न 6731204
- 18 **अधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महाप्रति श्री मुहतावाट म मा  
जादि ठाणा (5)  
महाप्रति गुज-श्री व मा जैन धावक मध, जैन उपाधय  
जुहारी, गम वी रोड, बरफीदास लेन  
महाप्रति नगर, अधेरी (वेस्ट) बम्बई 400085  
(महाराष्ट्र) फोन न 6210238
- 19 **मुल कच्छ (गुजरात)**  
महाप्रति महाप्रति श्री वन्तूरदास म मा  
जादि ठाणा (3)  
महाप्रति गुज-श्री स्थानवामी जैन मध, जैन उपाधय  
राणिग धेरी, मुषा भुज 170001 (गुज)
- 20 **मुलुण्ड (पूर्व) बम्बई (महाराष्ट्र)**  
विदुषी महाप्रति श्री वाचितावाट म मा  
जादि ठाणा (3)  
महाप्रति गुज-श्री व मा जैन धावक मध, जैन स्थान  
गोलागधाम 1 गावा जौ वी स्कीम राट  
मुलुण्ड (पूर्व) बम्बई-400081 (महाराष्ट्र)  
फोन न 5612867
- 21 **नवीनाल-कच्छ (गुजरात)**  
महाप्रति महाप्रति श्री रविगवाट म मा  
जादि ठाणा (2)  
महाप्रति गुज-श्री स्थानवामी जैन मध, जैन उपाधय  
मुषा नवीनाल-कच्छ जिना भुज (गुजरात)

22. तलवाणा-कच्छ (गुजरात)

व्याख्यात्री महासती श्री वीरमणीबाई म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. तलवाणा-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)

कुल चातुर्मास संतों के	7	कुल संत	16
कुल चातुर्मास सतियों के	22	कुल सतियाँ	76
	—	—	—
कुल	29	कुल	92

23. राह (नताराकांठा) (गुजरात)

सौम्यमूर्ति महासती श्री उज्ज्वलबाई म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. राह, जिला वनामकाठा (उत्तर गुजरात)

कुल चातुर्मास (29) संत (16) सतियाँ (16)
कुल ठाणा (92)

24. मलाड (पूर्व) बम्बई (महाराष्ट्र)

सेवाभावी महासती श्री गीताबाई म.सा. (मकारण)

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-अजन्ता गोपिग सेटर 1 माला, दफ्तरी रोड

मलाड (पूर्व) बम्बई-400097 (महाराष्ट्र)

25. रावेड़ (सूरत) (गुजरात)

सेवामूर्ति महासती श्री नीलाबाई म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. रावेड़, जिला सूरत (गुजरात)

26. कपाया-कच्छ (गुजरात)

संरल स्वभावी महासती श्री जामिनाबाई म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. कपाया-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)

370415

संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	संत	सतियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	16	77	93
(+) नई दोषा हुई	—	1	1
(—) काल धर्म प्राप्त हुए	—	1	1
(—) नाम ज्ञात नहीं हो सका	—	1	1
1992 में कुल ठाणा हैं।	16	76	92

27. नाना भाडीया-कच्छ (गुजरात)

जान स्वभावी महासती श्री करुणाबाई म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. नाना भाडीया-कच्छ, जिला भुज (गुज.)

28. उधना-सूरत (गुजरात)

सेवाभावी महासती श्री जयणाबाई म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु.पो. उधना सूरत (गुजरात)

नोट —कच्छ आठ कोटी मोटा पक्ष समुदाय के स्व. आचार्य प्रवर श्री छोटालालजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात अभी तक समुदाय में किसी को भी नया आचार्य नहीं बनाया गया है। समुदाय का नियम है कि आचार्य पद माडवी-कच्छ में ही प्रदान किया जाता है। अतः जिसे भी आचार्य बनाया जाये उसे माडवी-कच्छ पहुँचना जरूरी होता है। गत वर्ष की सूची, एक संघ द्वारा प्रकाशित सूची पत्र के अनुसार समुदाय से प्रथम नाम श्री धीरज मुनिजी म.सा. का दिया गया है।

जय महावीर

जय अजरामर

हात्तारी बीगा जोसवाल रामाज मे आछ दीक्षित, प्रबन्धमाध्य

## शासनोद्धारक 1008 श्री अजरामरजी स्वामी के

पूर्वाश्रम के पुण्यशाली माह-परिवार का परिचय

जन्मस्थली — गडाणा (वा नानपुर) (राछरा दादावावा) गाँव वि.स. 1590 म जन्माया गया था।

पूज्यश्री अजरामरजी स्वामी व पुत्र बच्छा प्रांत वि.स. 1617 म प्रस्थान कर हात्तार (जामनगर राज्य) प्रांत के माठा गाँव में स्थित हुए। वि.स. 1701 म माठा म प्रस्थान कर वगत के गाँव पडाणा म स्थित हुए।  
 पुत्रजों की वंशावली क्रमशः निम्नोक्त है — बस परमार, मूल राजधानी आधू। गोत्र माह — 1 दादा बेरमी, 2 दववर्ण, 3 बीम 4 बरजाण 5- जेकरण, 6 आरुध, 7 जगा, 8 जेतगी, 9 उगा, 10 आमा 11 रजमन, 12 हरगण 13 खीयमी—उनके दा पुत्र 14-व माणिक एक 14-व मेगामाई। माणिकभाई व दा पुत्र 15 व बीग्या 15 व जाणद (अजरामर)। बीग्याभाई नैनिहान बडा लखिया गाँव म ही स्थित हुए। उनका पुत्र 16 ततवार उनके पुत्र 17 परतभाई, उनके दो पुत्र 18-व पुंजाभाई अटिया गाँव म रहत थे। उनका पुत्र, 19-व जेगभाई का परिवार जकावा ख जवेरचंदभाई, बडा लखिया गाँव मे, म प्रेमचंदभाई का परिवार बम्बई ह। परतभाई का दूसरा पुत्र, 18 व हृदाभाई के पाँच पुत्र 19-व रत्ननामभाई, 20 आतिनामभाई, 21 जयतिनामभाई, 22 नरनाभाई, 23 रत्नबीभाई—हा पाँचों का परिवार बडा लखिया गाँव म है। फिनहान के उम्मेद रहत ह।

पूज्यश्री व चाचा मगामाई के पुत्र, 15 बरमशी, उनके पुत्र, 16 बरमशी, उनके पुत्र, 17 पापटभाई के पाँच पुत्र 19-(1) हीरजीभाई, (2) रत्नमहभाई (3) हरगण (हरखचंद) भाई, (4) गुलाबनदभाई, (5) शामजीभाई—उन पाँचा भाट्या व परिवार पूज्य गुरुदेन श्री की जन्म थली पडाणा म मौजूद हैं। फिनहान के बम्बई म जामनगर म व्यवसायाध स्थित हुए ह। वे बहुत भाग्यालौ, धर्मस्थी एक पडाणा गाँव म धार्मिक एक जवान्य व्यवसाय म उदार निज म सहाय प्रदाना भी। श्री हीरजी राया, श्री हमारी बीमा आगवात जैन महाजन—बम्बई के स्वयं तत्त्व व मठ कायका ये।

साक्षा के उद्धारक और आज भी लाखों श्रद्धालु-श्रद्धालु व आराध्य देव व प्रेम्णात्मक पूज्यश्री अजरामरजी स्वामी के समरी परिवार हाल व नात माह-परिवार की कीर्ति अमर रहणी, और हजारों साल तक माह-परिवार शांतिवर्धित रहगा।

सशोध्य — पुण्यशाली आचार्यश्री स्वामी के अनुग्रहीत व सदाशिव श्री नवलचंदजी स्वामी के शिष्य व रत्न मुनिश्री मास्करजी स्वामी।

सौजन्य

रूपाली स्टोर्स

(प्रो केडी बोशी)

विमल मिश्रा अधिकृत शोधन

जवाहर गड, गुरद्वार 363001 (गुजरात)

फोन आफिस-22672 निवासी-42557

# श्री कच्छ आठ कोटी नानी (छोटा) पक्ष समुदाय के संत-सतियाँजी म. सा.

समुदाय के प्रमुख आचार्यः— आचार्य प्रवर  
पं. रत्न श्री रामजी स्वासी म. सा.

कुल चातुर्मास (13) संत (22) सतियाँ (34) कुल ठाणा (56)

## संत समुदाय

1. वडाला-कच्छ (गुजरात)  
आचार्य प्रवर, पं. रत्न श्री रामजी म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. वडाला-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
2. देशलपुर-कच्छ (गुजरात)  
विद्वद्वर्य श्री भाणजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. देशलपुर-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
3. माण्डवी-कच्छ (गुजरात)  
विद्वद्वर्य श्री गोविन्दजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. माण्डवी-कच्छ, जिला भुज (गुजरात) 370465
4. गेलडा-कच्छ (गुजरात)  
विद्वद्वर्य श्री छीमजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. गेलडा-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
5. गुन्डाला-कच्छ (गुजरात)  
विद्वद्वर्य श्री मूरजी म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. गुन्डाला-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)

## महासतियाँजी समुदाय

6. साडाऊ-कच्छ (गुजरात)  
पदवीधर महासती श्री लक्ष्मीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. साडाऊ-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
7. कपाया-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री भर्तीबाई म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. कपाया-कच्छ, जिला भुज (गुजरात) 370415
8. मोरवा-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री साकलबाई म.सा. (प्रथम)  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. मोरवा-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
9. वारोर्ड-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महामती श्री भानुबाई म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु.पो. वारोर्ड-कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
10. कारागोवा-कच्छ (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री रतनबाई म.सा. (द्वितीय)  
आदि ठाणा (4)





समुदाय के प्रमुख आचार्यः—महान बैरागी, महान त्यागी,  
आत्मार्थी आचार्य प्रवर श्री कान्तीऋषिजी म. सा.

कुल चातुर्मास (9) संत (9) सतियां (35) कुल ठाणा (44)

## संत समुदाय

## महासतियांजी समुदाय

## 1. साणन्द (गुजरात)

1. महान बैरागी, आत्मार्थी, महान त्यागी, आगमन,  
तपस्वी, प्रखर वक्ता, पं. रत्न आचार्य प्रवर श्री  
कान्तीऋषिजी म.सा.

2. मधुर व्याख्याता श्री अरविन्दमुनिजी म.सा

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री शारदाबाई महासतीजी स्था, जैन  
उपाश्रय, बोल पीपलो, ढाकण चौक,  
तीन दरवाजा के पास, कपडा बाजार के पास  
मु.पो. साणन्द, जिला खेडा (गुजरात) 382110

## 2. दहीसर-वम्बई (महाराष्ट्र)

मधुर व्याख्यानी तत्वज्ञ श्री नवीन ऋषिजी म.सा

आदि ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक  
शिव दाहिता कम्पलेक्स, एस वी रोड  
दहीसर (पूर्व) वम्बई-400068 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 6034878

## 3. चसो (गुजरात)

प्रिय वक्ता श्री कमलेश मुनिजी म.सा

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री वसो. स्थानकवासी जैन सघ,  
जैन उपाश्रय, जेदनी छड़की सामे, गेवो चकला  
मु.पो. वसो, जिला खेडा (गुजरात)

## 4. खंभात (गुजरात)

1. विदुषी महासती श्री मुभद्राबाई म.सा.

2. विदुषी महासती श्री वामलाबाई म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री खंभात स्थानकवासी जैन संघ  
श्री शारदाबाई महासतीजी स्था जैन उपाश्रय  
बोल पीपलो, मंघवी नी पोल, मु.पो. खंभात  
जिला खेडा (गुजरात) 388620

## 5. घाटलोडीया-अहमदाबाद (गुजरात)

1. विदुषी महासती श्री वसुबाई म.सा.

2. स्वाध्याय प्रेमी महासती श्री इन्दिराबाई म.सा  
आदि ठाणा (14)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जन सघ, 10 मजु श्री  
मोसायटी, रत्न पार्क, घाटलोडीया  
अहमदाबाद-380061 (गुजरात)

## 6. नगर सेठ का बंदा-अहमदाबाद (गुजरात)

मधुर व्याख्यात्री महासती श्री वान्ताबाई म.सा

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री सोराण्ट् स्था जैन उपाश्रय,  
नगर सेठ का बंदा, घी काटा  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

## 7. सारंगपुर-अहमदाबाद (गुजरात)

मधुर व्याख्यानी महासती श्री चन्दनबाई म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री अहमदाबाद स्था जैन संघ,  
उपाश्रय, दीलतगाना, सारंगपुर  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

## 8 बारेजा (गुजरात)

मधुर व्याख्यात्री महामती श्री ओशावादी मरा  
जादि ठाणा (3)

मम्पक सूत्र-श्री म्यानावाली जन मय, जैन उपाध्य,  
जैन देरामर के राज मे, मुपा गयेजा  
जिना खेडा (गुजरात)

## 9 धानेरा (गुजरात)

विदुषी महामती श्री समीताश्री ममा  
जादि ठाणा (1)

मम्पक सूत्र-श्री धारा म्या जैन मय जन उपाध्य  
राजार म, मुपो जनिंग, जिना जनामराठा  
(गुजरात)

कुल जातुर्मास सतो के	3	कुल मत	9
कुल जातुर्मास सतिमो के	6	कुल सतिमो	35
	<hr/>		<hr/>
	कुल 9	कुल	44

कुल जातुर्मास (9) सत (9) सतिमो (35) कुल (44)

## सत-सती तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	सत	सतिमो	कुल ठाणा
1991 मे कुल ठाणा थे (+) नई दीक्षा हुई	11	35	46
	—	—	—
	11	35	46
(-) महाप्रयाण हुए	1	—	1
	—	—	—
	10	35	45
(-) साधु जीवन त्याग कर गृहस्थ बने	1	—	1
	—	—	—
	9	35	44
1992 मे कुल ठाणा है,	9	35	44

- नोट - (1) महाप्रयाण (वान धम) प्राप्त हुए -  
(2) साधु जीवन त्याग कर गृहस्थ बने-श्री मनोहर  
मुनिजी ममा  
(3) जन पत्र पत्रिकाएँ-कोई नहीं  
(4) आचार्य श्री बालीकृष्णजी ममा  
वियत 16 वर्षों में प्रति 44 16 नाम प्रकरण की  
तपस्या पूरा कर चुके हैं।

जय गच्छाधिपति तपस्विराज पूज्य श्री व्यापारजी ममा  
आदि ठाणाओं के माचौर (राजस्थान) में सन् 1992 का  
जातुर्मास मानद मन्त्रज्ञान की मंगल कामनाएं करने हुए।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

**B Adishchandra Banthia**

50 G No 10th Street Ulsoor  
BANGALORE 560008 [Karnatak]

—शुभेच्छक—

अमरलाल, आदिशचन्द्र, महावीरचन्द्र, अमरकुमार बाठिया  
(यादवला मिथासी), बैंगलोर

जय गच्छाधिपति आचार्य करप पूज्य श्री शुभचन्द्रजी ममा  
आदि ठाणाओं के माचौर (राजस्थान) में सन् 1992  
का जातुर्मास मानद मन्त्रज्ञान की मंगल कामनाएं करने  
हुए।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

**Kothari Jewellers**

Bazar Street Ulsoor  
BANGALORE 560008 (Karnatak)

—शुभेच्छक—

एच किशनलाल, सज्जनराज, गौतमचन्द्र कोठारी  
बंगलौर

समुदाय के प्रमुख मुनिराजः—आध्यात्मिक योगी, मधुर  
व्याख्यानी पं. रत्न श्री नवीनचन्द्रजी म. सा.

कुल जातुर्वासि (11) संत (4) सतियाँजी (46) कुल ठाणा (50)

### संत समुदाय

#### 1. पालीयाद (गुजरात)

आध्यात्मिक योगी मधुर व्याख्यानी पं. रत्न,  
श्री नवीन मुनिजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
मु.पो. पालीयाद, बाया बोट्याद  
जिला भावनगर (गुजरात) 364720

#### 2. गांधी नगर (गुजरात)

प्रवचन प्रभावक प. रत्न श्री अभीषंदजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
सेक्टर नं. 22, गांधी नगर 382022 (गुज)

### महासतियाँजी समुदाय

#### 3. बोट्याद (गुजरात)

तपस्विनी महासती श्री चपावाई म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री जे. स्थानकवासी जैन संघ, जैन  
उपाश्रय, मुख्य बाजार गाँव मे,  
मु.पो. बोट्याद, जिला भावनगर (गुज) 364710

#### 4. घाटकोपर-संघाणी-बम्बई (महा.)

विदुषी महामती श्री सविता बाई म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री व.स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,  
श्रेयस टाकीज के पीछे, आग्रा रोड, गाव देवी रोड,  
घाटकोपर संघाणी, बम्बई-400086 (महा.)  
फोन नं. 5152027

#### 5. सोला रोड-अहमदाबाद (गुजरात)

मधुर व्याख्यात्री महामती श्री सरोज बाई म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री सोला रोड स्थानकवासी जैन संघ,  
जैन उपाश्रय, 260, सुन्दरवन अपार्टमेन्ट्स,  
सोला रोड, नाराणपुरा, अहमदाबाद-380013  
(गुजरात)

#### 6. मणीनगर-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी महामती श्री मधुबाई म.सा. आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
पटेल भुवन, वस स्टेण्ड के सामने, मणी नगर,  
अहमदाबाद-380008 (गुजरात)

#### 7. आम्बावाडी-अहमदाबाद (गुजरात)

मधुर व्याख्यात्री महामती श्री अरुणा बाई म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
स्नेह कुज, वस स्टेण्ड के पास, नेहरू नगर,  
आम्बावाडी, अहमदाबाद-380015 (गुजरात)  
फोन नं. उपाश्रय C/o 403322  
ट्रस्टी-413735, 463525

#### 8. मूली (गुजरात)

शांत ध्वभावी महामती श्री अनिलाबाई म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
मु.पो. मूली, जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

जय महावीर

जय भद्रराम

# पूज्य श्री गुलाब-वीर पुस्तक भण्डार

मु.पो. धामद (जिला-मुरेडनगर) सोराष्ट्र

प्राप्य साहित्य	कीमत
1 निर्गोप सूत्र ता. हिन्दी अनुवादन मध्यान्व 'वीर्य'	अमूल्य
2 सामायिक प्रतिश्रमण सूत्र तथा जैन अनन्ता विधि (माटे टाइट वनपरी जाइति) गुजरता	1 00
3 सामायिक प्रतिश्रमण सूत्र (गुजरता) माटे टाइट	2 00
4 सनमर म्नाथ मन (माटे टाइट)	2 00
5 सामायिक सूत्र सूत्र ( ,, ) हिन्दी-टर्मिन	5 00

श्री स्वामिदासो छ कोटि जन सोम्वडी सप्रदाय के मुखण-युग प्रवक्तक

(1) पूज्य आचार्य श्री गुलाबचन्द्रजी स्वामी

(2) कविवर्य प श्री वीरजी स्वामी

सक्षिप्त परिचय

दाना महादर भाई वे

पिता—श्री श्रवणभाई भाग्यनभाई देविया माता—श्रीमती आर्द्राई

भाति—बीसा जोगदान जमखली भागग (रुष्ट)

जन्म—(1) विस 1921 ज्येष्ठ शुक्ल-2 (2) जन्म दिना 1928

दीक्षादिन—वि 1936 माघ तृतीया-10 अक्षर (रुष्ट)

आश्रयपद—वि 1988 ज्येष्ठ शुक्ल 1 रविवार सोम्वडी (सोराष्ट्र)

स्वगम—(1) वि 2008 वैशाख शुक्ल 12 रविवार सोम्वडी (सोराष्ट्र)

स्वगम—(2) वि 2001 चैत्र शुक्ल 15 जेठपुर (काठियावाड़) (सोराष्ट्र)

गुरुदेव—पूज्य श्री नयजी स्वामी

शिष्य—1 (क) जगद्वन्मनी पण्डित मुनिराजश्री—नवद्वन्मनी स्वामी, (ख) नवद्वन्मनी श्री भागजी स्वामी,  
(ग) मुनि श्री नवद्वन्मनी स्वामी2 (क) पूजाचार्य श्री स्वचन्द्रजी स्वामी (ख) मुनि श्री उमदचन्द्रजी स्वामी  
(ग) मुनि श्री कृष्णचन्द्रजी स्वामी

मौजन्म

भागरा-रुष्ट निवासी

छगमभाई मेघजीभाई देविया

कल्पतरु कलेक्शन

डा. यानिक गड, राकार-360001 (रुज)

समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति संघ नायक:—  
गच्छाधिपति, विद्वदर्य, पं. रत्न श्री सरदार मुनिजी म. सा.

कुल चातुर्मास (5) संत (6) सतियाँजी (11) कुल ठाणा (17)

### संत समुदाय

#### 1. कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

गच्छाधिपति, संघ नायक विद्वदर्य, मधुरवक्ता पं. रत्न  
श्री सरदार मुनिजी म.सा.

कुल ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,  
जैन स्थानक, जैन मंदिर के सामने,  
आहपुरी, व्यापारी पेठ, कोल्हापुर-416001  
(महाराष्ट्र)

#### 2. घोड़नदी-(शिरूर) (महाराष्ट्र)

तपस्वी श्री पारस मुनिजी म. सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री भवरलालजी जुगराजजी फूलफगर  
अध्यक्ष, मु.पो. घोड़नदी (शिरूर) जिला पूना  
(महाराष्ट्र) 412210  
फोन नं. 2163, 2339

### महासतियाँजी समुदाय

#### 3. खंभात (गुजरात)

तपस्विनी महासती श्री शंवेरवाई म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री भोगीलाल त्रिभुवनदास शाह  
कडा कोटडी, जूनी मडई के पास,  
मु.पो. खंभात, जिला-खेडा (गुज.) 388620

#### 4. जवेरी पार्क-अहमदाबाद (गुजरात)

तपस्विनी महासती श्री कचनवाई म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री तारावाई आर्याजी ट्रस्ट, सिद्धान्त  
शाला, जवेरी पार्क, नाराणपुरा, अहमदाबाद-  
380013 (गुजरात)

#### 5. सांगली (महाराष्ट्र)

मधुर व्याख्यात्री महासती श्री अंगूर प्रभाबाई म.सा  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री व. स्था. जैन श्रावक मध जैन स्थानक,  
220 महावीर नगर, गुजराती स्कूल के पास,  
सांगली (महाराष्ट्र)-416416

कुल चातुर्मास संतो के	2	कुल संत	6
कुल चातुर्मास सतियों के	3	कुल सतियाँ	11
कुल 5		कुल 17	
कुल चातुर्मास (5)	संत (6)	सतियाँ (11)	कुल (17)
संत-सती तुलनात्मक तालिका 1992			

विवरण	संत	सतियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	5	11	16
+ नई दीक्षा हुई	1	—	1
—कालधर्म प्राप्त हुए	6	11	17
	6	11	17
1992 में कुल ठाणा हैं	6	11	17

नोट— (1) इस समुदाय में आचार्य पद के रिक्त स्थान पूर्ति हेतु अभी तक आचार्य पद प्रदान नहीं किया गया है, परन्तु गच्छाधिपति पद प्रदान किया गया।

(2) जैन पत्र-पत्रिकाएँ—नहीं

(3) नई दीक्षा हुई—श्री शांति मुनिजी म.सा. 7-5-92  
अम्बई।

जैनशामन में गौरवशील 400 भगण धर्मपणियों का धर्मसच

## श्री स्थानकवासी छ कोटि जैन लीम्बडी सम्प्रदाय के नवसंस्कृति

समाज उद्धारक जेनाचार्य श्री अजरामरजी म की

कच्छी-हालारी बीमा-ओशवास जैन महाजन-जाति का संक्षिप्त इतिहास

वि स 1213 में मारवाड़ (राजस्थान) में युगप्रधान आचार्यप्रवर श्री जयसिंहसूरिजी के उपदेश में वरन में मंत्रिय राजपूतों का जीवन-परिवर्तन हुआ, उन्होंने व्यसन-त्याग किया और जैन-धर्म अंगीकार लिया। उन सभी का आचार्यश्री ने म वरन जा बीमा नामक जैन समाज का उगम शामिल किया।

वि स 1455 म 1462 तक मात वप की। शरीर अकाल पड़ने में बहुत म आमवात परिवार न मारवाड़ छोड़कर मिथू नदी का प्रवेश मिथू प्रांत में धरपावर प्रदेश में काफी वर्षों तक बनाया गया।

कुछ वर्षों के बाद सिंध में हिन्दू-राजाओं के वजाय मुस्लिम सन्तानों की राजसत्ता आ जाने में अपना जनधर्म प्रदान न दिया ने मिथूप्रदेश छोड़कर कच्छ प्रांत का पूर्व विभाग गिरवा 'बागड' प्रदेश (रापर और भचार सहसाता) चले। जाता है, उसी उत्तर दिशा में विस्तृत गण देश पाए गए। यही (गण व बीच) खेती व नालक टायु है। हायर बागड के प्राचीन राजाओं के राजवाट शहर में बसाया गया। कुछ वर्ष तक वहीं रहने व बाद एक दफ वहीं के ठापुर गहलर के पुत्र युगराज कुरर के गौरवार्थी के बायजूद मतभेद का जान में स्वमान रखा हुआ वहीं में हिंजस्त कर दी। बाद में उन जमान में उन ओशवासों का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं पशुपालन ही था। धूम-धड़का शहर व नजदीक नदी में विश्रान्त खने के हेतु पछाव रखा था। इस मौत पर करवात ठापुर जाय। भामायचना की। ठहर जान की विनमि भी थी। कुछ परिवार वहीं रुक गए, आगे जाकर उन हान बागड प्रांत में 24 गांव बसाये। कुछ परिवार पश्चिम कच्छ में गए, उमें में ग वटी (मुद्रा-माडवी समुद्र किनारा का विस्तार) में 52 गांव एवं अबडामा विस्तार में 42 गांव बसाये गये।

वि स 1565 म कच्छ छोड़कर जाम रावन नाम के पराक्रमी जादेजा वजज राता हालार में जपन राज्य की स्थापना कर रहे थे। उनकी विगति में बहुत म आमवात परिवार खेती (कृषि) व्यवसाय के लिए हालार में आ गए। आगे जाकर मा कच्छ में उन म परिवारा का जामन जागी रहा। उस मिलमिने में कच्छ समागत इन जैन आमवालों का 52 गांव में बसवाट किया गया। कुन मिनावर कच्छी जैन धीसा आशवाता का 4 विभाग में (1 बागड, 2 कठा, 3 अबडामा और 4 हालार) बसवाट हुआ। 170 गांव में बस हुए इन चार विभाग व आशवाता का जान 500 मान व बाद की सामाय-मा, पर बाद करने पूरी मानभाषा "कच्छी" है। गन्तव्य पूज्यश्री अजरामरजी स्वामी की मानभाषा मोठी भदुर जारी "कच्छी" ही थी।

पूज्यश्री की हानारी बीमा-ओशवास जन महाजन जाति को कुल आरादी जामनगर एवं हानार के 52 गांव, बस्यट नामक अक्राता, धरपा अमराका एवं धानन व अयाय शहरों में स्थित करीब 68 म 70 हजार की माना जाता है। गौरवशील इस जाति में सर्वप्रथम जन आशवाती दाक्षा आज में 229 वर्ष पूर्व वि स 1819 माघ शक 5 का पुत्र अजरामरजी स्वामी एवं माता वकुलाई महामतीजा न ही अंगीकार की थी। इस जाति के वे ही सर्वप्रथम माध और माछी थे, और वे ही सर्वप्रथम आचार्य भगवत थे, जो वि स 35 वर्ष की भर जाते अवस्था में आचार्यप आर्मान हाकर जैनधर्म का धूम चमकाया था।

आज उत्तर जामा 400 मत-संनित्यीजी म सा एक नामा धावक-आविकाता न हृदय में भगवान महावीर व वात द्वितीय नवर म आराधन स्वस्थ जमर स्थान होता उही का है। वे ही उनके प्रेरणा स्रोत व ध्येय के नेत्र हैं।

सरोधर — पुण्यपुत्र आचार्यश्री रूपचन्द्रजी स्वामी के परम अनेकवासी सत्त्व पटिन कृपालु गुरुदेव श्री नवसंस्कृति स्वामी व गण्य मुलेखक, व रत्न धर्मियो मास्करजी स्वामी म सा।

सौजन्य

शशीकांत धीरजलाल दोसो

रपाली सेक्टर (सूटिंग स्टेशन रो रूम)

नवाहर राट गुरेदरग 363 001 (गजरात)

फोन ऑफिस-23978/21866

## श्री सायला समुदाय के संत-सतियाँजी म.सा.

समुदाय के प्रमुख संत-वयोवृद्ध पं. रत्न श्री बलभद्र मुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (1) संत (2) कुल ठाणा (2)

### संत समुदाय

#### 1. धोलेरा (गुजरात)

वयोवृद्ध पं. रत्न श्री बलभद्र मुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानवासी जैन संघ  
जैन उपाश्रय, मु.पो धोलेरा तालुका अधुआ  
जिला अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास (1) संत (2) कुल ठाणा (2)

नोट—यह समुदाय स्थानवासी वृद्ध गुजरात समुदाय में  
एक समय से माना हुआ समुदाय है इसमें कोई  
सतियाँजी नहीं हैं।

आचार्य सप्ताह श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. को शत शत वन्दन करते हुए श्रमण सचीय सलाहकार पं. रत्न श्री मूलचन्दजी म.सा. ठाणा 2 का उज्जैन का 1992 का चातुर्मास, ज्ञान, दर्शन, चार्ित्र एवं तप की आराधनाओं से सफल वषास्वी, ऐतिहासिक बनने की मंगल कामना करते हुए!

मसाले ही मसाले ❀ खणाना मसालों का

जैन के शुद्ध पिसे मसाले

फोन . ऑफिस-412864 नि.-412262

### ❀ जैन किराना भण्डार ❀

61/1, मल्हारगज मेनरोड, जिखर भवन, इन्दौर (म.प्र.)

नोट—सभी प्रकार के सेव बनाने का सुपर भण्डार हमारे यहाँ पर मिलता है, नमकोन सवधित कच्चे मान के थोक व खेरची विक्रेता।

### — जय ट्रेडर्स —

सरदार पटेल ब्रिज के नीचे, वेअर हाऊस रोड, इन्दौर (म.प्र.)

फोन नं. 430495

नोट—मसाला, किराना एवं ड्रायफ्रुट्स से थोक व खेरची विक्रेता।

### पद्म होम इण्डस्ट्रीज

जूना राजमोहल्ला, इन्दौर

फोन नं. -412864

सेव, खमण, फाफड़े, सोहन पपड़ी, शुद्ध चना दाल का बेसन बनाने के निर्माता व विक्रेता।

नोट—ठण्डी अमेरिकन पिसाई करने का प्रमुख केन्द्र

शुभेच्छुक — लक्ष्मोचंद, चौथमल, ओमप्रकाश, बिसलवंद, पदमब्रंच, गिरिशकुमार जैन



जय महावार

जय अजगाम

शामान प्रसारित जिन सामान रत्नमा मज्जुवस्सा प रत्न श्री भावद्वजा म मा जाति टाणात्रा (6) वा  
 रागीयदी-ब्रम्हड म म्म मुनश्चव, मधुर वचना प रत्न श्री भावद्वजा म मा आदि टाणात्रा (4)  
 वा माडवो-बच्छ म मन् 1992 वष रा चातुर्मास साद गफन एव ऐतिहासिक यगम्या बनन  
 वा मगन वामनाए वस्त हुए—

हार्बिक शुभकामनाओ सहित—

टवी जाफिंग-1113521, 4114211

रमी- 1131677

# LUCKY TIMBER MART

SULLY MANZIL, SHOP No 5-6

208, Dr Ambedkar Road, Near CHITRA CINEMA,

DADAR (EAST) BOMBAY-400 014 (INDIA)



-शुभेच्छा-

## शांतीभाई लालजीभाई कारीजा

बम्बई

# बृहद् गुजरात की अन्य छोटी नई समुदाएँ के संत-सतियाँजी म. सा.

## 1. श्री हालारी सम्प्रदाय संत समुदाय

- जामनगर (गुजरात)  
संघ प्रमुख, आगम आग्रही, पं. रत्न श्री केशवमुनिजी  
म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय,  
कामदार कॉलोनी, जामनगर-361001 (गुज)

### महासतियाँजी समुदाय

- चेला (गुजरात)  
विदुषी महासती श्री कमलाबाई म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय  
मु पो चेला, जिला ... (गुजरात)

कुल चातुर्मास (2) संत (2) सतियाँजी (4) कुल ठाणा (6)

## 2. श्री वर्धमान समुदाय के संत-सतियाँजी म. संत समुदाय

- मीरा रोड-वम्बई (महाराष्ट्र)  
संघ प्रमुख, तत्त्वज्ञ, पं. रत्न श्री निर्मल मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व स्था. जैन सघ, सेक्टर नं 6,  
शांति नगर, मीरा रोड (पूर्व) जिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) फोन न 342 4612 पी पी.

### महासतियाँजी समुदाय

- अंधेरी (पूर्व) वम्बई (महाराष्ट्र)  
विदुषी महासती श्री रुक्मिणी बाई म सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री व स्था जैन थावक सघ, जैन भवन,  
वर्मा नगर, विल्डिंग न. 6, जूना नागर दाम रोड,  
चिनोई कॉलेज के पीछे, अंधेरी (पूर्व) वम्बई-  
400069 (महाराष्ट्र)  
फोन न. 6326808 पी.पी

कुल चातुर्मास (2) संत (1) सतियाँजी (5) कुल ठाणा (6)

## 3. अन्य संत समुदाय

- दुर्गा (म. प्र.)  
सिद्धान्त प्रेमी श्री धर्वेन्द्र मुनिजी म सा.आदि ठाणा (1)
- देवलाली (नासिक) (महाराष्ट्र)  
वयोवृद्ध श्री शांति मुनिजी म सा (लिम्बडी गोपाल  
समुदाय) ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र महावीर  
भवन, 392 लाम रोड, कादावाड़ी जैन  
सोनेटेरियम के पास, देवलाली केम्प, वाया  
नासिक (महाराष्ट्र)

### अन्य महासतियाँजी समुदाय

- बढवाण (गुजरात)  
शेवाभावी महासती श्री बिनोदिनीबाई म सा.  
(लिम्बडी मोटा पक्ष आज्ञा वाहर) आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—वैकर सोसायटी, 10 मंगल कॉलेज रोड,  
Opp. दूध डेयरी, मु पो बढवाण, वाया जिला  
सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363030

कुल चातुर्मास (3) संत (2) सतियाँ (2) कुल ठाणा (4)

### बृहद् गुजरात के समुदायों के कुल

कुल चातुर्मास संतों के	} 249	कुल संत	131
कुल चातुर्मास सतियों के		कुल सतियाँ	162
		कुल	1093

कुल चातुर्मास (249) संत (131) सतियाँ (162)  
कुल ठाणा (1093)

# प्राकृत भारती, अकादमी जयपुर,

## महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

न	इति नाम	मूल्य	न	इति नाम	मूल्य
1	बाल्यमूल सचित्र	200 00	23	आचार्य चरित्र	25 00
*2	राजस्थान का जन साहित्य	50 00	24	वास्तुनिगम की सातानुभूति	12 00
3	प्राकृत स्वयं शिक्षा	15 00	25	प्राकृत ग्रंथ साधना	16 00
*4	जगम नीर	10 00	26	अपभ्रंश और हिंदी	30 00
5	स्मरण कला	15 00	27	नाट्यशास्त्र	12 00
6	जैनगम शिक्षण	20 00	28	चरित्रमूर्ति	20 00
7	जन कहानियाँ	4 00	29	एम्प्लानामी एण्ड वास्तुशास्त्र	15 00
8	नाम स्मरण नाम	3 00	30	नोट फार फार द गेवर	50 00
*9	हाफ एट द (अप्रत्याक्ष)	150 00	31	उपनिषद्-भव-प्रपञ्च बचा भाग-1, 2	15 00
10	गणप्रवाद	50 00	32	—, —	
11	जैन इन्सिपियन्स और राजस्थान	70 00	33	समयमूल चरित्र	16 00
12	बैमिक मेथेमेटिक्स	15 00	34	मिले मन और भगवान	30 00
13	प्राकृत वाक्य मञ्जर	16 00	35	जन धर्म और धर्म	9 00
14	महावीर का जीवन मंदण	20 00	36	जैनियम	30 00
15	जन गतिविधि बट	40 00	37	एनबीकालिज चरित्र	12 00
16	स्टडीज ऑफ जैनियम	100 00	38	रमण ममुच्य	15 00
17	जन बोड और गीता का साधना भाग	20 00	39	नीतिवास्तव	100 00
18	जैन, वाड और गीता का समान धर्म	16 00	40	नामिक धर्म एक पूर्ण धर्म	10 00
19	जन राड और गीता के	140 00	41	गतिमगम एक परिचालन	15 00
20	आचार्य दाना का पुनरात्मक अध्ययन भाग 1 2		42	अष्ट पाहट चरित्र	10 00
21	जन वसु मिदान का पुनरात्मक अध्ययन	14 00	43	अहिमा	30 00
22	दम प्राकृत व्याकरण विभाग	16 00	44	वज्रान्त म जीवन मूल्य	10 00
			45	गाना चरित्र	16 00

\* चिन्हाकित 2, 4, 9, 30 अप्राप्त

पुस्तक प्राप्ति स्थान :

प्राकृत भारती अकादमी

3826, मोतीसिंह भोमियो का रास्ता,  
जौहरी बाजार, जयपुर-302 003 (राज.)

- परम श्रद्धेय उपाध्याय श्री वरन मुनिजी ममा आदि ठाणा वगनार, प्रवक्ता श्री ग्मण मुनिजी ममा आदि ठाणा उडा मान्डा एवं परम विदुषी महासती श्री चन्दनाजी ममा आदि ठाणा विरार (बम्बई) म वष 1992 का जातुर्मास ज्ञान दशन, चरित्र एवं तप की आराधना म परिपूर्ण हान की मंगल कामना वस्तु हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित :



जैन साध्वी महासती श्री कमलावती जी  
परमार्थिक समिति (रजिस्टर्ड)

38, सहेली नगर, सहेली मार्ग, उदयपुर-313001 (राज)

मदनलाल वेध  
अध्यक्ष

श्री चन्द सुराना 'सरस'  
मन्त्री

इन्द्रसिंह बाबेल  
कोषाध्यक्ष

सभी पूज्य आचार्यों, संत-सतियों को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



फोन . आफिस-4226375/4363071  
मिनास-4301376/4363072

## पेगोडा प्लास्टिक्स

मैन्युफेक्चर्स—प्लास्टिक पी.वी.सी. फाइलें, आफिस फाइलें, डायरी कवर्स, मनी पर्स, वीडियो कैसेट कवर, विजिटिंग कार्ड फाइलें, एलबम फाइलें, पुस्तकों के प्लास्टिक कवर्स, प्लास्टिक हेड (टोपियाँ), कैसेट एलबम कवर एवं :  
अन्य उपहार की प्लास्टिक वस्तुएँ

204, जय गोपाल इण्डस्ट्रियल इन्स्टेड, 2 माला. भवानो शंकर क्रॉस रोड,  
कोहिनूर टेक्नीकल के पास, दादर वेस्ट, बम्बई-400 028 (महाराष्ट्र)

शुभेच्छुक :

बाबूभाई लुंभाभाई गड़ा

(लातडिया-कच्छ) बम्बई

सभी पूज्य आचार्यों साधु-साध्वियों को वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

Tel 3444570/3435221

# PANAMA STORES

Mfgs & Dealers In :

All Kinds of Ladies & Gents Money Purses  
Hand Bags, Air Bags, File Cases & Air Pillows  
and Compliments Articles ect.

196, Janjekar Street, Bombay-400 003



शुभेच्छुक

गांगजी भाई शाह

(सामखियारी-कच्छ) बम्बई

श्री पार्वनाथाय नमः

श्री नातिनाथाय नमः

## हा दि क - अ भि न न्द न !

1

पूज्य श्री नूतनप्रभाजी महाराज,  
हिमाचल प्रदेश में विराज रहे ।  
ज्ञान ध्यान संयम साधना की,  
पावन निर्मल गंगा बहा रहे ।

3

कौसी निडरता पाई आपने,  
तूफानों में भी न घबराये ।  
ले हर परिस्थिति में टक्कर,  
स्वप्न सभी साकार बनाये ।

2

चल रही ध्यान योग साधना,  
लूटा रहे नित्य नूतन ज्ञान ।  
मौन भाव से नव जागरण का,  
सुनाते सुखद संदेश महान ।

4

निश दिन हम कामना करते,  
यही शुभ भावना भाते है ।  
युग-युग जीओ प्यारे गुरुवर,  
सानिध्य आपका चाहते है ।

श्रमण सच के तृतीय पट्टधर, साहित्य वाचस्पति, परमपूज्य आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी महाराज एवं पण्डित रत्न, महाराष्ट्र प्रवर्तक श्री कल्याण ऋषिजी महाराज की आज्ञानुवर्ती शाम्भु विनारदा, महामाध्वी पूज्य श्री इन्द्र-कुंवरजी महाराज की सुशिष्या परम विदुषी, अध्यात्म साधिका योगनिष्ठ श्रद्धेय श्री नूतनप्रभाजी महाराज ने साधना हेतु हिमाचल प्रदेश टसीलिये चुना क्योंकि प्राचीनकाल से ही यह ऋषि-मुनियों की तपोभूमि रही है। यहाँ का नैसर्गिक सौन्दर्य मानव मन में आत्मिक सौन्दर्य को उजागर करने के लिए प्रेरित करता हुआ सा प्रतीत होता है। स्वयं आपश्री का कठोर मौनव्रत के साथ दीर्घकाल तक साधनारत होने का पुनीत विचार था, जिसे साकार रूप देते हुए 27 मई 1989 में बराह में आपने अपनी साधना आरम्भ की। प्रारम्भ के दो वर्ष एक घण्टा मौनव्रत खुला रखकर साधना के पश्चात् शांत मुरम्भ पहलड़ियों के दामन में वसे (कुल्लू के निकट) भून्तर में "जैन साधना केन्द्र" के अन्तर्गत बने नव-निर्मित भवन 'नूतन साधनालय' में आपश्री पूर्ण मौनव्रत के साथ 12 वर्ष की साधना में संलग्न हो गये।

आज आपश्री की कठोर मौनव्रत के साथ आरम्भ की साधना का एक वर्ष मानन्द पूर्ण होने पर हम आपका हार्दिक अभिनन्दन कर आपश्री की आगामी साधना की सफलता हेतु हृदय की अनन्त-अनन्त मंगल कामनाएं प्रकट करते हुए आपके श्री चरणों में शत-शत वन्दन करते हैं !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

### बलवीरचन्द जैन

निवास पता :

12, आदर्श नगर जालंधर (पंजाब)  
पिन-144008

मिल का पता

ए.वी. रवर मिल्स, गाँव-सगल सोहल, डाकघर-मंड  
कपूरथला रोड, जालंधर पिन-144002

दूरभाष . ऑफिस-79631 निवास-74009

सम्पर्क सूत्र:-योग साधना केन्द्र, नूतन साधनालय, मु. पो. भून्तर  
जिला कुल्लू (मनाली (हिमाचल प्रदेश))-175 125

नोट:-परमश्रद्धेय, साधनालीन, पूज्य श्री नूतनप्रभाजी महाराज के मंगलमय, पावन, मुदर्शनो का लाभ सिर्फ प्रातः 10 मे 11 बजे तक ही प्राप्त होता है।



सभी 'पूज्य संत-सतियो को कोटि-कोटि बन्दन

श्री मगन मुनि जैन ज्ञानाचार प्रचार समिति

कचन बिहार, न्यू पलासिया, इन्दौर (म.प्र.) द्वारा सञ्चालित



# जैन दिवाकर फाउण्डेशन

प्रेमक—स्वर्गीय कवि श्री अशोक मुनिजी महाराज

## उद्देश्य :

- (1) ममोन व याचना ता स्थानक-गामा श्रद्धालुगार नात एव ज्ञानाचारित गिणन देना तथा अस्तन एव प्राहुन व पण्डित नैधार करना ।
- (2) ममान चरित्रवान व्यक्ति तयार करना जा निष्ठा मे तारत धर्म ता प्रचार गर्ने ।
- (3) चतुर्विध सय मना मुख्यता करना ।
- (4) गान दणन, चरित्र के प्रचार के लिए साहित्य एवं पत्र का प्रकाशन करना ।
- (5) स्थानकवासियों का श्रद्धा महत्त्व देना ।
- (6) ताई यावक या श्राविका दीक्षा लेना चाहे ता उमरी दीक्षा की व्यवस्था करना एवं दीक्षा के पूर्व उमक शिक्षण महामना करना ।
- (6) "पगसल तायों व नियो भवन तादि बताया धर्म विधाय करना ताकी समुचित व्यवस्था करना ।

फकीरधन्व मेहता

अध्यक्ष

शिरोमणिचन्द्र जैन

सर्ज

सागरमल बेताला

उपाध्यक्ष

बापूलाल बोधरा

महामंत्री

शान्तिलाल धामड

नायक

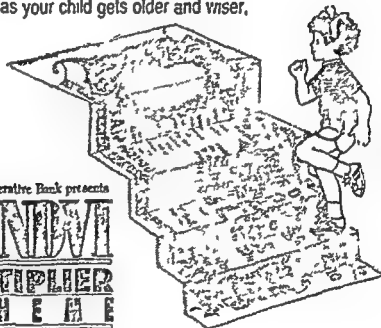
भाग-तृतीय

श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय

Good news for every parent

If you want your child to inherit lacs ..

all you have to do is deposit Rs 1,899 70  
Your money multiplies to Rs 3,84,730  
and more, as your child gets older and wiser,



Mandvi Co-operative Bank presents

**MANDVI  
MULTIPLIER  
S C H E M E**



**MAHDVI CO-OPERATIVE BANK LTD**

Head & Admin Office

18-B Nariman Bhavan, Nariman Point, Bombay-400 021 Tel: 2673724/2673725

**Branches:** Vysyar Bhavan 43 B D Mello Road, Near Cama's Bunde, Bombay-400 009  
Tel: 3759016 3753630 Telex: 011 73130 - 179 Samuel Street, Near Mazod Rly Station  
Bombay-400 009 Tel: 3721556 3752027 **Gram MANDVIDOOP** - M.G. Ch's Road No. 3  
Kandivli (W) Bombay-400 067 Tel: 6816182 60112 B & K-8 A.J. Industrial Estate, Sakinaka,  
Andheri (East) Bombay-400 072 Tel: 5725844 5785333 - Sarvodaya Parishad, Nagpur  
Rajawar Road, Mulund (W) Bombay-400 080, Tel: 5605034 5605570

**Chandraji Har's**  
Chairman

**Shantiprasad Jais**  
Managing Director

**S S Adoor**  
General Manager

Designed by Imageads

# श्वेताम्बर तेरापंथी समुदाय

1

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्म संघ के नवम् अधिष्ठाता,  
युग प्रधान, आचार्य श्री तुलसी एवं उनके आज्ञानुवर्ती श्रमण-  
श्रमणी वृन्द के विक्रम संवत् 2049 (गुजराती 2048) सन्  
1992 वर्ष के चातुर्मासिक प्रवास की सूची

कुल चातुर्मास (123) श्रमण (147) श्रमणियाँ (548) कुल ठाणा (695)

## 1. राजस्थान प्रान्त

चातुर्मास स्थल (79) श्रमण (120) श्रमणी (380)  
कुल ठाणा (500)

(क) जोधपुर संभाग:- चातुर्मास स्थल (20) श्रमण  
(49) श्रमणी (141) कुल ठाणा (190)

### 1. लाडनू (राजस्थान)

1. आध्यात्मिक जगत के उज्ज्वल नक्षत्र, पुरुषार्थ के  
प्रतीक, अणुव्रत अनुशास्ता, युग प्रधान आचार्य  
प्रवर श्री तुलसी

2. युवाचार्य श्री महाप्रज्ञजी आदि श्रमण (35)

3. मध महानिदेशिका महाश्रमणी विदुषी साध्वी प्रमुखा  
श्रमणी श्री कानकप्रभाजी आदि श्रमणी (65)  
कुल ठाणा (100)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन विश्वभारती, पो. वा नं 8,

मु.पो. लाडनू-341306 जिला नागौर

(राजस्थान) फोन नं. 25 एवं 97

### 2. बोरवाड़ (राजस्थान)

मुनिश्री जसकरणजी आदि श्रमण (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु.पो. बोरवाड़, जिला नागौर (राज.) 341502

### 3. सरदारपुरा (राजस्थान)

मुनिश्री वत्सराजजी आदि श्रमण (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, तातेड़ भवन,

छठी पाल रोड, सरदारपुरा-342003 (राज.)

### 4. पादूकलां (राजस्थान)

मुनि श्री संगीतकुमारजी आदि श्रमण (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री अमरचन्द चडालाल आचलिया,

मु.पो. पादूकलां, जिला नागौर (राजस्थान)

341031

### 5. बालोतरा (राजस्थान)

मुनि श्री गुलाबचन्दजी "निर्मोही" आदि श्रमण (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, सदर बाजार

मु.पो. बालोतरा, जिला बाडमेर (राज.)

344022

### 6. डीडवाना (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री रायकुमारीजी आदि श्रमणी (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा,

मु.पो. डीडवाना, जिला नागौर (राजस्थान)

341303

### 7. पिपाड़ सिटी (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री चादकुमारीजी आदि श्रमणी (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा,

मु.पो. पिपाड़ सिटी, जिला जोधपुर (राजस्थान)

342601

### 8. जोजावर (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री सिरेकुमारीजी आदि श्रमणी (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा

मु.पो. जोजावर, जिला पाली (राज.) 306022

## ■ જસોલ (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી પાનકુમારીજી આદિ શ્રમણી (5)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પા જમોલ, જિલ્લા વાઢમેર (રાજ) 344024

## 10 જોધપુર (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી પાજી આદિ શ્રમણી (9)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા  
જાડાદામ જોધપુર (રાજસ્થાન) 342001

## 11 પાલી-મારવાડ (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી માનકુમારીજી આદિ શ્રમણી (5)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા,  
મુ પા પાલી-મારવાડ (રાજસ્થાન) 364001

## 12 ફેડવા (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી કચનકુમારીજી આદિ શ્રમણી (6)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જયચંદલાલ પ્રવાશચંદ કોઠારી  
મુ પો ફેડવા ઘાયા ફેડવાના, જિલ્લા નાગોર  
(રાજસ્થાન) 341503

## 13 અમાઢા (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વીશ્રી જતનકુમારીજી આદિ શ્રમણી (5)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જન શ્વે તેરાપથી સમા, મુ પો અમાઢા  
જિલ્લા વાઢમેર (રાજસ્થાન) 344028

## 14 સોજત રોઢ (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી માનકુમારીજી આદિ શ્રમણી (4)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પા સોજત રોઢ, જિલ્લા પાલી (રાજસ્થાન)

## 15 વાઢમેર (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી માનકુમારી આદિ શ્રમણી (5)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પા વાઢમેર (રાજસ્થાન) 344001

## 16 પચપદરા (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી મીઠાજી આદિ શ્રમણી (4)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પો પચપદરા જિલ્લા વાઢમેર (રાજસ્થાન)

## 17 ટાપરા (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી અંજિતપ્રજાજી આદિ શ્રમણી (4)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પો ટાપરા, જિલ્લા વાઢમેર (રાજસ્થાન)

## 18 માઢા (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી મીઠાજી આદિ શ્રમણી (5)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી પુષ્પગજ વત્સાગિયા, મુ પા માઢા  
સોજત રોઢ, જિલ્લા પાલી (રાજ) 301704

## 19 પોવાઢા (રાજસ્થાન)

વિદુષી માધ્વી શ્રી ભાગવતીજી આદિ શ્રમણી (5)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જા શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પા પોવાઢા, જિલ્લા પાલી (રાજ) 306502

## 20 છોટી ઘાટ (રાજસ્થાન)

માધ્વી શ્રી યશામતીજી આદિ શ્રમણી (4)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પો છોટી ઘાટ જિલ્લા નાગોર (રાજ)  
341302

## (વ) ચીકાનેર સમાજ

ઇતિહાસ સ્થાન (27) શ્રમણ (37) શ્રમણી (147)  
કુલ (180)

## 21 રતનગઢ (રાજસ્થાન)

મુનિશ્રી ગણેશમલજી આદિ શ્રમણ (3)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પો રતનગઢ, જિલ્લા ધૂમ (રાજ) 331022

## 22 મીનાસર (રાજસ્થાન)

મુનિ શ્રી હૂમમનજી આદિ શ્રમણી (5)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પો મીનાસર, જિલ્લા મીનાસર (રાજ)  
334403

## 23 સુજાનગઢ (રાજસ્થાન)

મુનિ શ્રી દુર્ગચંદજી આદિ શ્રમણ (7)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પો સુજાનગઢ, જિલ્લા ધૂમ (રાજ) 331507

## 24 દેશનોક (રાજસ્થાન)

મુનિશ્રી સોદાનગજી આદિ શ્રમણ (3)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પો દેશનોક જિલ્લા મીનાસર (રાજ)  
344801

## 25 તારાનગર (રાજ)

મુનિશ્રી જવરીમલજી આદિ શ્રમણ (3)  
સમ્પત્ત સૂત્ર-શ્રી જૈન શ્વે તેરાપથી સમા  
મુ પો તારાનગર, જિલ્લા મીનાસર  
(રાજ) 331304

26. मोहर (राजस्थान)  
मुनिश्री नवग्रन्थमाजी आदि श्रमण (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा,  
मु.पो. मोहर, जिला बीकानेर (राज.) 335523
27. छापरा (राज.) (सेवाकेन्द्र)  
मुनिश्री अमरचंदजी आदि श्रमण (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा, सेवा केन्द्र  
मु.पो. छापरा, जिला नागौर (राज.) 331502
28. सादुलपुर (राज.)  
मुनिश्री रिद्धिगंजजी आदि श्रमण (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा कोठारी  
मु.पो. सादुलपुर, जिला नागौर (राज.) 331023
29. श्री गंगानगर (राज.)  
मुनिश्री विनयकुमार "आलोक" आदि श्रमण (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा  
मु.पो. श्री गंगानगर (राज.) 335001
30. चूरु (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री रत्नकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन तैरापंथी सभा, मु.पो. चूरु  
जिला चूरु (राज.) 331001
31. चाड़वाम (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री टमकूजी आदि श्रमणी (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा  
मु.पो. चाड़वाम, जिला चूरु (राज.) 313503
32. श्री टंगरगढ़ (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री गुलाबजी आदि श्रमणी (20)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा (सेवाकेन्द्र)  
मु.पो. श्री टंगरगढ़, जिला चूरु (राज.) 331803
33. भीमामर (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री विस्ताजी आदि श्रमणी (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा  
मु.पो. भीमामर, जिला चूरु (राज.) 331801
34. उदाहर (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री पन्नाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा  
मु.पो. उदाहर, जिला बीकानेर (राज.) 334022
35. राजलदेसर (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री रायकुमारीजी आदि श्रमणी (20)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा (सेवा केन्द्र)  
मु.पो. राजलदेसर, जिला चूरु (राज.) 331802
36. लूणकरणसर (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री राजकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा  
मु.पो. लूणकरणसर, जिला बीकानेर (राज.)  
334603
37. सांडवा (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री सुखदेवाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा  
मु.पो. सांडवा, जिला चूरु (राज.) 331517
38. पडिहारा (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री केशरजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा  
मु.पो. पडिहारा, जिला चूरु (राज.) 331505
39. राजगढ़ (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री रत्नकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा  
मु. राजगढ़, पोस्ट सादुलपुर, जिला चूरु (राज.)  
331023
40. पीलीबंगा (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री तीजाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री केशरीचंदजी बाठिया, मु.पो. पीलीबंगा  
जिला श्री गंगानगर (राज.) 335803
41. सरदार शहर (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री मोहनकुमारीजी  
आदि श्रमणी (9)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. तैरापंथी सभा  
मु.पो. सरदार शहर, जिला चूरु (राज.) 331403
42. सूरतगढ़ (राज.)  
विदुषी साध्वी श्री रायकुमारीजी आदि श्रमणी (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मोहनलालजी राजा  
मु.पो. सूरतगढ़, जिला श्री गंगानगर (राज.)  
335804

- 43 घोषानेर (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री कमलवीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा, बोधरा मोहना  
मुपा घोषानेर (राजस्थान) 334001
- 44 सोषामडी (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री विनयवीजी (द्वितीय)  
आदि श्रमणी (4)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा, मुपो  
नोरवा मडी जिला बीकानेर (राज) 334803
- 45 गगासहर (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री चन्दाबाजी आदि श्रमणी (9)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा  
मुपा गगासहर, जिला बीकानेर (राजस्थान)  
334401
- 46 हनुमानगढ़ (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री मजयवीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा मुपो हनुमानगढ़  
टाउन, जिला श्रीगंगानगर (राज) 335513
- 47 बीदामर (राजस्थान)  
विदुषी साध्वी श्री सोमलनाजी आदि श्रमणी (26)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा ममाधी बंद  
मुपा बीदामर, जिला चुरू (राज) 331501
- (ग) उदयपुर सभाग-चातुर्मास स्थल (25) श्रमण  
(27) श्रमणी (73) कुल ठाणा  
(100)
- 48 अमेट (राजस्थान)  
मुनि श्री मोहनलालजी आदि श्रमण (5)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा,  
मुपो अमेट स्टेशन चारभुजा रोड  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 313332
- 49 बागोर (राजस्थान)  
मुनि श्री हनुमानमजी आदि श्रमण (4)  
सम्पक सूत्र-श्री मिथीनाल शांतिलाल वावेल  
मुपो बागोर, जिला बीकानेर (राजस्थान)  
311402
- 50 सरदारगढ़ (राजस्थान)  
मुनि श्री जयलालजी आदि श्रमण (2)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा  
मुपा सरदारगढ़, जिला राजसमंद (राज)  
313330
- 51 आसींद (राजस्थान)  
मुनि श्री कन्दैयाजी आदि श्रमण (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा मुपा आसींद  
जिला बीकानेर (राजस्थान) 311301
- 52 बेलवा (राजस्थान)  
मुनि श्री शुभचरणजी आदि श्रमण (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा, मुपो बेलवा  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा मुपा बेलवा  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 313334
- 53 भीम (राजस्थान)  
मुनि श्री रसराजजी आदि श्रमण (2)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा मुपा भीम  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 305921
- 54 साधरा (राजस्थान)  
मुनि श्री जतनलालजी आदि श्रमण (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा, मुपो साधरा  
जिला उदयपुर (राजस्थान) 313704
- 55 रोहंडी (राजस्थान)  
मुनि श्री देव लालजी आदि श्रमण (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा, मुपो रोहंडी  
बाया चारभुजा रोड, जिला राजसमंद (राज)  
313333
- 66 नाथद्वारा (राजस्थान)  
मुनि श्री विजयराजजी आदि श्रमण (2)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापयी ममा  
मुपा नाथद्वारा, जिला राजसमंद (राजस्थान)  
313301
- 57 राजनगर (राजस्थान)  
विदुषी माधवी श्री रायकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पक सूत्र-श्री मिथु बाधि स्थल, मुपा राजनगर  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 313326

58. थामला (राजस्थान)

विदुषी साध्वी संतोकाजी आदि श्रमणी (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. थामला, वाया मावली जंक्शन  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 313203

59. कानोड़ (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री सोहनाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. कानोड़  
जिला उदयपुर (राजस्थान) 313604

60. कुंवाथल (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री हर्षकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. कुंवाथल  
जिला राजसमंद (राजस्थान)

61. रेलमगरा (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री जतनकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. रेलमगरा  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 313329

62. वेमाली (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री भीखाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. वेमाली  
जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) 311809

63. उदयपुर (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री कानकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, भामाशाह मार्ग  
उदयपुर-313001 (राजस्थान)

64. कोसीवाड़ा (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री पानकुमारीजी (प्रथम)  
आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. कोसीवाड़ा  
जिला राजसमंद (राजस्थान) 313709

65. देवगढ़ (मदारिया) (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री पानकुमारीजी (द्वितीय)  
आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो. देवगढ़  
(मदारिया) जिला राजसमंद (राज.) 313331

66. बिनोल (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री क्षमाश्रीजी आदि श्रमणी (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा

मु.पो. बिनोल, वाया कांकरोली, जिला राजसमंद  
(राज.) 313324

67. कांकरोली (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री हुलासाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. कांकरोली, जिला राजसमंद (राज.)  
313324

68. गोगून्दा (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री कंचन कुमारीजी  
आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. गोगून्दा, जिला उदयपुर (राज.) 313705

69. पूर (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री मेणरयाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. पूर जिला भीलवाड़ा (राज.) 311002

70. भीलवाड़ा (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री अशोकश्रीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, भोपालगज  
भीलवाड़ा (राज.) 311001

71. दौलतगढ़ (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री स्वयंप्रभाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मु.पो.  
दौलतगढ़, वाया आसीद, जिला भीलवाड़ा  
(राज.) 311303

72. गंगापुर (भीलवाड़ा) (राज.)

विदुषी साध्वी श्री उज्ज्वल रेखा श्रीजी  
आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा,  
मु.पो. गंगापुर, जिला भीलवाड़ा (राज.) 311801

(घ) जयपुर संभाग—चातुर्मास स्थल (4) श्रमण (5)  
श्रमणी (9) कुल ठाणा (14)

73. जयपुर (राजस्थान)

मुनिश्री सुमेरमलजी "सुमन" आदि श्रमण (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मिलाप भवन, के.जी.वी. का रास्ता, जोहरी  
वाजार, जयपुर-302003 (राज.)



## 74 सवाई-माधोपुर (राज)

मुनिथी माधनानजी 'मादूल' आदि श्रमण (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा, सदर बाजार  
सवाई-माधोपुर (राज)-322021

## 75 टमकोर (राजस्थान)

विदुषी माधवी श्री गिनयथीजी (प्रया)  
आदि श्रमण (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा  
मुषा टमकोर, जिला बुधनु (राज) 331026

## 76 फतेहपुर (राजस्थान)

विदुषी साध्वी श्री धर्माजी आदि श्रमण (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा  
मुषा फतेहपुर, जिला सीकर (राज) 332301

(ट) लक्ष्मी समान-चातुर्मास स्थल (2) श्रमण (2)  
श्रमण (5) कुल ठाना (7)

## 77 टाटगढ़ (राजस्थान)

मुनिथी मिथीमन्त्र आदि श्रमण (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा  
मुषा टाटगढ़, जिला जयमेर (राज) 305925

## 78 ब्यावर (राजस्थान)

विदुषी माधवी श्री विजय श्रीजी आदि श्रमण (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा  
मुषा ब्यावर जिला जयमेर (राज) 305901

(ब) कोटा समान-चातुर्मास स्थल (1) श्रमण (4)  
कुल (4)

## 79 कोटा (राजस्थान)

विदुषी माधवी श्री गुराज कुमारजी म  
आदि श्रमण (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री शिवान्न वसुदेव बापरा  
नया गेटा, रामपुरा बाजार  
कोटा (राज) 324006

## (2) मध्यप्रदेश प्रान्त

चातुर्मास स्थल (7) श्रमण (3) (श्रमण 130) कुल (33)

## 80 रतलाम (म.प्र.)

मुनिना खन्नि कुमारजी आदि श्रमण (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा, न 4 मठजी  
वा बाजार, रतलाम (म.प्र.)-457001

## 81 जावर (म.प्र.)

विदुषी माधवी श्री मानाजी आदि श्रमण (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा  
मुषा जावर जिला रायसेन (म.प्र.) 458339

## 82 राजनाथगढ़ (म.प्र.)

विदुषी माधवी श्री विष्णुजी आदि श्रमण (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री गुरुदेव बाठारी, बाठारा हाउस  
मुषा राजनाथगढ़ (म.प्र.) 491441

## 83 इंदौर (म.प्र.)

विदुषी माधवी श्री गुरुदेव बाठारीजी  
आदि श्रमण (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा,  
चौमन रत्नवादी, जगमपुरा, इंदौर 452002  
(म.प्र.)

## 84 बेहलूर (म.प्र.)

विदुषी माधवी श्री धारुमाजीजी आदि श्रमण (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा  
मुषा बेहलूर, जिला बालाघाट जिला धार (म.प्र.)  
454667

## 85 खालियर (म.प्र.)

विदुषी माधवी श्री कुरुमाजीजी आदि श्रमण (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री रमणप्रसाद भामराज  
सम्पन्न माधोपुर, खालियर-474001 (म.प्र.)

## 86 वेदसावर (म.प्र.)

विदुषी माधवी श्री विद्यानजीजी आदि श्रमण (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन एवं तरापथी समा  
मुषा वेदसावर जिला, झांझार (म.प्र.)  
457773

## 3 महाराष्ट्र प्रान्त-

चातुर्मास स्थल (5) श्रमण (3) श्रमण (20) कुल (23)

## 87 जयसिंहपुर (महाराष्ट्र)

मुनि श्री मागमन्त्रजी आदि श्रमण (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री गणेशलाल मनवाल  
सम्पन्न महावीर टुंकेरा, मुषा जयसिंहपुर  
जिला बालाघाट (राजस्थान) 416101

88. मरीन ड्राईव-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी साध्वी श्री गोरजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-अणुव्रत सभागार, राजहंस बिल्डिंग,  
अणुव्रत मार्ग, मरीन ड्राईव, बम्बई-400002  
(महाराष्ट्र)

89. पूना (महाराष्ट्र)

विदुषी साध्वी श्री फूलकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री भंवरलाल मोहनलाल जैन जरीवाला,  
1155 रविवार पेठ, पूना-411002 (महा.)

90. घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)

विदुषी साध्वी श्री सरोजकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री देवीलाल कच्छारा, अणुव्रत ज्योति,  
जीवदया लेन, घाटकोपर  
(वेस्ट) बम्बई-400086 (महाराष्ट्र)

91. भुसावल (महाराष्ट्र)

विदुषी साध्वी श्री सरोजकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापंथी सभा  
C/o. मे चोरडिया टी. डिपो, मु.पो. भुसावल  
जिला जलगाव (महाराष्ट्र) 425201

4. गुजरात प्रान्त

चातुर्मास स्थल (6) श्रमणी (29) कुल ठाणा (29)

92. वारडोली (गुजरात)

विदुषी साध्वी श्री सोहनकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री महालक्ष्मी जनरल स्टोर्स, सिनेमा रोड  
मु.पो. वारडोली, जिला सूरत (गुज.) 394601

93. भुज-कच्छ (गुजरात)

विदुषी साध्वी श्री चादकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री माधवजी जयमलजी मेहता  
भीड़ बाजार, मु.पो. भुज-कच्छ (गुज.) 370001

94. शाहीबाग-अहमदाबाद (गुजरात)

विदुषी साध्वी श्री रामकुमारीजी आदि श्रमणी (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे तेरापंथी सभा तेरापंथ भवन  
शाहीबाग पुलिस चौकी के पास,  
अहमदाबाद-380004 (गुजरात)

95. सूरत (गुजरात)

विदुषी साध्वी नगीनाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री रूपचन्द सेठिया  
द्वारा-मेसर्स भारत रिक्विस्, 8-1526 मेनरोड  
गोपीपुरा, सूरत-395001 (गुजरात)

96. वाव (गुजरात)

विदुषी साध्वी श्री भागवतीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अशोक जैन, द्वारा श्री उजमचंद  
मोतीचन्द जैन, मु.पो. वाव, जिला वनासकाठा  
(गुजरात) 385575

97. गांधीधाम (गुजरात)

विदुषी साध्वी श्री मधुस्मिताजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री चंपालाल सेठिया, द्वारा जनता आर्ट्स  
दुकान नं. 202, Opp. होटल प्रेसिडेंट,  
गांधीधाम-कच्छ (गुजरात) 370201

5. आन्ध्र प्रदेश प्रान्त

चातुर्मास स्थल (1) श्रमणी (4) कुल ठाणा (4)

98. हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)

विदुषी साध्वी श्री सध मित्राजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र-  
Shri Kanhaiyalalji Baid  
30, Sindhi Colony,  
HYDERABAD-500 003 (A. P.)

6. तमिलनाडु प्रान्त

चातुर्मास (1) श्रमणी (5) कुल ठाणा (5)

99. तंडियार पेठ-मद्रास (तमिलनाडु)

विदुषी साध्वी श्री यशोधराजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र-  
Shri Jain Swetamber Terapanthi Trust  
14, Tandvaram-Mudali Street,  
Tandawar Peth, MADRAS-600 021(T.N.)



### 110. जीद (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री पानकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
श्री पीरचंद जैन, हेपी नर्सरी स्कूल के पास  
मु.पो. जीद 126102 (हरियाणा)

### 111. भिवानी (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री भीकाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, तेरापंथ भवन  
लोहड बाजार, मु.पो. भिवानी (हरियाणा)

### 112. रोहतक (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री रूपाजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. तेरापंथी सभा, प्रेक्षा साधना केन्द्र  
कटर भवन, शक्तिनगर, ग्रीन रोड  
रोहतक (हरियाणा)

### 113. कालावाली (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री मोहनकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. कालावाली-125201 (हरियाणा)

### 114. हिसार (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री कनकश्रीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, तेरापंथ भवन  
कटरा रामलीला, मु.पो. हिसार (हरियाणा)  
125001

### 115. जाखल मंडी (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री सुमनश्रीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
श्री जगन्नाथ रविन्द्रकुमार, मु.पो. जाखल मंडी  
जिला हिसार (हरियाणा)

### 116. सिरसा (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री चारित्र श्रीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
भादरा बाजार, मु.पो. सिरसा (हरियाणा)  
125055

### 117. हांसी (हरियाणा)

विदुषी साध्वी श्री आनन्दश्रीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
द्वारा मुनियामल दिनेशकुमार जैन, सराफा बाजार  
मु.पो. हांसी (हरियाणा) 125033

## 12. पंजाब प्रान्त

---

चातुर्मास (3) श्रमणी (15) कुल ठाणा (15)

---

### 118. संगरूर (पंजाब)

विदुषी साध्वी श्री सिरकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. संगरूर (पंजाब) 158001

### 119. धुरी (पंजाब)

विदुषी साध्वी श्री मोहनकुमारीजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा, मालगोदाम रोड  
मु.पो. धुरी (पंजाब) 148024

### 120. जगराओ (पंजाब)

विदुषी साध्वी श्री कचनप्रभाजी आदि श्रमणी (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा  
मु.पो. जगराओ 142026 (पंजाब)

## 13. दिल्ली प्रान्त

---

चातुर्मास (2) श्रमण (4) श्रमणी (4) कुल (8)

---

### 121. नई दिल्ली

मुनि श्री राकेशकुमारजी आदि श्रमण (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अणुव्रत विहार, 210 दीनदयाल  
उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002

### 122. प्रीतमपुरा-दिल्ली

विदुषी साध्वी मानकुमारीजी आदि श्रमणी (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री देशराज जैन क्यू.डी. 3  
प्रीतमपुरा, दिल्ली-110034

## 14 नेपाल (विदेश)

चातुर्मास (1) श्रमणी (5) कुल (5)

## 123 विराटनगर (नेपाल)

बिदुषी माधवी श्री रत्नश्रीजी आदि श्रमणी (5)

सम्बन्ध सूत्र—

Shri Jain Swatantra Terapanthi Sabha

P O VIRAT NAGAR Koshi Anchal

(Nepal) Via Jog Batti, (Bihar)

कुल चातुर्मास श्रमण के 34 कुल श्रमण 147

कुल चातुर्मास श्रमणी के 89 कुल श्रमणी 548

कुल 123 कुल 695

कुल चातुर्मास (123) श्रमण (147) श्रमणी (548)

कुल ठाणा (695)

## श्रमण-श्रमणी तुलनात्मक तालिका 1992

विवरण	श्रमण	श्रमणी	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे	149	553	702
(+) नई बीछा हुई	—	4	4
	149	557	706
(-) महाप्रयाण हुए	—	8	8
	149	549	698
(-) श्रमण जीवन त्याग किया	1	—	1
	148	549	697
(-) जानकारी बात नहीं हुई	1	1	2
	147	548	695
1992 में कुल ठाणा हैं	147	548	595

## प्रातःकार श्रमण श्रमणी चातुर्मास तालिका 1992

क्र.सं.	प्रातः/वित्त	चातुर्मास	श्रमण	श्रमणी	कुल ठाणा
स्थल					
1	राजस्थान	79	120	380	509
2	मध्यप्रदेश	7	3	30	39
3	महाराष्ट्र	5	3	20	23
4	गुजरात	6	—	29	29
5	आंध्र प्रदेश	1	—	4	4
6	तमिलनाडु	1	—	5	5
7	कर्नाटक	4	6	11	17
8	पश्चिम बंगाल	1	4	—	4
9	आसाम	—	2	5	7
10	बिहार	1	—	5	5
11	हरियाणा	10	5	35	40
12	पंजाब	3	—	15	15
13	दिल्ली	2	4	4	8
14	नेपाल (विदेश)	1	—	5	5
	कुल	123	147	548	695

नोट—(1) इस समुदाय में इस वर्ष 4 श्रमणिया की नई बीछाई हुई एवं 8 श्रमणिया महाप्रयाण का प्राप्ति हुई। विस्तृत जानकारी नई बीछा एवं महाप्रयाण सूची में देखें।

(2) इस समुदाय श्री बिदुषी माधवी श्री रत्नश्रीजी आदि श्रमणी (5) पैदल बिहार बरत हुए नेपाल विदेश में चातुर्मास कर रहे हैं। म्यां समाज एवं तरापथी समाज दाता समुदायों की साध्वियों का इस वर्ष विदेश में चातुर्मास है। (पाद बिहारी)

(3) इस वर्ष सम्पूर्ण जैन समाज में किसी एक जगह सर्वाधिक चातुर्मास आचार्य श्री के साध्वियों में लाइन (राजस्थान) में हैं जहाँ 35 श्रमण एवं 65 श्रमणिया कुल ठाणा (100) का चातुर्मास एक ही जगह हो रहा है जो इस वर्ष का एक रिकार्ड है।

(4) सम्पूर्ण जैन समाज की चारों समुदायों में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें प्रमुख आचार्य का चारों समुदायों में सविषी एवं समुदाय पर पूर्ण अधिकार प्रभुत्व है यानी श्री मूर्ति स्थानकवासी एवं दिगम्बर समुदायों के नई समुदायों के कई आचार्य हैं परंतु तैरापथी समुदाय एवं ही आचार्य का साध्वियों में विद्यमान है जो एक रिकार्ड है।

(5) श्री तैरापथी समुदाय की जैन पत्र-पत्रिकाएँ— जैन पत्र पत्रिका सूची भाग 6 में देखें।

(6) इससे अलावा 3 समण एवं 55 श्रमणी कुल (60) की धर्म प्रचार में सक्रिय हैं।

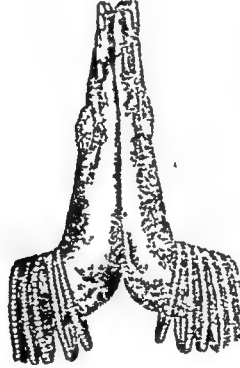
श्री ऋषभाय नमः.

श्री महावीराय नमः.

## —: शत शत बधाई :—

आपका पावन मानिध्य पाकर,  
प्रफुल्लित है हमारा तन-मन ।  
हे अन्तर्भावना मिलता रहे,  
युगा-युगो तक तव मार्गदर्शन ।

कुल्लू से 12 किमी पूर्व स्थित "जैन साधना केन्द्र" में पूर्ण मौनव्रत के साथ 12 वर्ष की साधना में मंगलम पररा योगिनी, तपोनिष्ठ श्रद्धेय, श्री नूतनप्रसाजी महाराज के नानन्द एक वर्ष की साधना के पूर्णता के अवसर पर हमारी शत-शत बधाई एवं आगामी साधना मंगलमय हो, इस हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ. .... ।



शुभेच्छुक

**विनोदकुमार जैन**

निवास पता : गली नं 2, प्रीत कॉलोनी  
रोपड़ (पंजाब) फोन-2567

शाखा प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला,  
आनन्दपुर साहिब जिला रोपड़ (पंजाब)

नोट.-पिछले वर्ष ही जैन साधना केन्द्र बराह से भून्तर में स्थानान्तरित हो चुका है, अतः पत्र व्यवहार करने वाले कृपया ध्यान दें। सम्पर्क सूत्र निम्नोक्त है।

जैन साधना केन्द्र नूतन साधनालय, भून्तर-175125 (कुल्लू) हिमाचल प्रदेश

શ્રી મહાનારાય નમ

શ્રી અજરામર ગુરુમ્હો નમ

પૂજ્ય ગુરુદેવ શ્રી માન્વર મુનિશ્રી ય સા ના માનિન્દ મા-

મહાસાગર નુ મોતી

— સાદુ બિચારુ એ સાદુ છે, તેમાં કરતા સાદુ વરુ એ વધારે સાદુ છે અને તેમાં કરતા ય સારા વધુ એ સદ્બોધ છે ।

— નિંદા, ઈર્ષ્યા, વિરલામણાત, ન કરો અને તે બોલો સામનો નહીં તે સબ માટે રક્ષક છે ।

*With best Compliments From*

ટેલી ન આફિસ 23061, 24689

નિવાસ 24323

**DEEP COTTEN CO.**

*Proprietor* JITENDRA M SHAH

108, Mehta Chambers, Mehta Market,  
Surendra Nagar 363001 (Gujrat)

卐—卐—卐

**CHANDRAPRABHU TRADING CO.**

Surendra Nagar (Gujrat)

卐

*Sister Concern*

ફાન આફિસ 226, નિવાસ 227

**શાહ મનમુખલાલ મોહનલાલ**

વાજાર મ મુ પો મિયાળી તાલુકા તિમ્વદા  
જિલા સુરેન્દ્રનગર (ગુજરાત)

—શુભેચ્છા—

જિતેન્દ્ર મનમુખલાલ શાહ (મિયાળી બાલે), સુરેન્દ્રનગર

परम श्रद्धेय उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.सा. आदि ठाणा वंगलौर, प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा बड़ी सादड़ी एव श्री सुरेश मुनिजी म.सा. आदि ठाणा सूरत मे वर्ष 1992  
का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चरित्र एवं तप की आराधना से परिपूर्ण होने की  
मंगल कामना करते हुए !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



**श्री मेवाड़ भूषण प्रताप मुनि श्रमण  
सेवा समिति  
उदयपुर, (राज.)**

**कन्हैयालाल नागौरी**  
अध्यक्ष

**इन्द्रसिंह बाबेल**  
मंत्री



जय महावीर

जय अजरामर

## महान क्रान्तिकारी सत श्री अजरामरजी स्वामी जिनके सान्निध्य से सिंह भी शांत हो जाते थे एक सस्मरण

आचार्य श्री अजरामरजी स्वामी जितने ज्ञानी व प्रतिभा-सम्पन्न थे उन्में भी बहुत अधिक वे निडर व भाह्मिन थे। आप सार को सात है। वि.स. 1845 में आप अपने गिर्य-वार के साथ कच्छ में विहार कर मानावाड़ व नागवडी (किन्हाव मुरेद्रनगर जिला) की ओर पला रह थे। थानाह में चारवांग गाँव जाने के लिए विहा हों चुका था, उस समय इस गरिया में भयंकर जलन था, जिससे भी आप के प्रसिद्ध शेर जैंग हिमक बचप्राप्ता स्वच्छन्द रूप में विचरण करत थे।

यकायक उस जगह में निमी सिंह की भजना सुनकर स्वामीजी के साथ चल रहे गिर्य बुरी तरह में डग गये तथा स्वामीजी का कहने लगे कि वे आगे की ओर विहार का विराग त्याग दें। गिर्य इतने डर गये कि वे चार-चार स्वामीजी का विहार व निण भना कर रह थे।

स्वामीजी ने महज भाव में निमग्नता में गिर्यो ना उत्तर दिया कि आप लोगों का तनिक भी डरने की आवश्यकता नहीं है। इस महामत्र नवकार मत्र का आप करत रहा तथा मेरे पीछे चले आया। गिर्यगण डर ता रह थे किन्तु स्वामीजी की आभा को टाट भी नहीं सकत थे। अब स्वामीजी के पीछे हो लिए।

अतत गिर्यो की दान मच ही निरन्ती। घने पहा के घुग्घुट में एक विशालकाय शेर दहाड़ना हुआ स्वामीजी की ओर आगे बढ़ा। गिर्यगण बुरी तरह काँप रहे थे, लेकिन स्वामीजी निश्चल व निर्भीक रहे। स्वामीजी और शेर की आँख चार हुई, किन्तु स्वामीजी आमात्र विचलित नहीं हुए। स्वामीजी की यह निश्चलता और उनकी आँखों में अगाध प्रेम व करुणा एवं मोक्ष-मुखावि देखकर शेर ने भी राम्ना छाड़ दिया। और स्वामीजी गिर्य ममुदाय के साथ व शेर अनग दिलावा में बढ़ने लगे।

इस प्रसंग में स्वामीजी में धीरज, निडरता व नवकार मत्र के प्रति थढ़ा तथा जातम विश्वास भी की दृढ़ हो गया। उनका मानना था कि यदि हमारे मन में अहिंसक-भाव है तो कौन भी हिंसक प्राणी क्या न है। उनका हिंसक-भावना ही बन जाएगी। "अहिंसा प्रतिष्ठया तत् सतिषी वैरतराग"—यह पातजल योगमंत्र ना महाकाव्य चरिताम्य हा जाणमा।



-सौनय-

चामुण्डा कोटन ट्रेडर्स

शाह हंसमुखलाल मनमुखभाई (सियाणी वाले)

कोटन मर्चेन्ट

मेहता मार्केट, मुरेद्रनगर-363 001 (गुजरात)

फोन ऑफिस-21243 23074 निवास-22462

परम श्रद्धेय उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.सा. आदि ठाणा वैगलीर, प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा.  
आदि ठाणा वडी सादड़ी, विदुषी महासनी श्री चन्दनाजी म.सा. आदि ठाणा विंगर (बंवई)  
एवं महासती श्री विजय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा उदयपुर मे वर्ष 1992 का  
चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चरित्र एवं तप की आराधना से परिपूर्ण होने  
की मंगल कामना करते हुए !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



फोन नं.-25953

**इन्द्रसिंह बाबेल**  
**एवं**  
**श्रीमति पुष्पा बाबेल**

**दिवाकर दीप**

**38, सहेली नगर, सहेली मार्ग,**  
**उदयपुर-313001 (राज.)**

॥ जय महावीर ॥

॥ जय अजरामर ॥

अजरामर घमघ (जैन प्रेताम्बर स्थानचामी छ बाटि लाम्बडो मम्प्रनाथ) के गुण्यवता-प्रशातर्मा जीचार्य भगवत 1008 श्री म्पत्रद्रजी स्वामी व परम अतवामी तत्त्वन पठिन वृपाल गुरुदय श्री नवलद्रजा स्वामी के शिष्य—1 मुनिश्री भास्वरजी स्वामी, 2 मुनिश्री घमघचद्रजी स्वामी, 3 मुनिश्री घनेशचद्रजी स्वामी, 4 मुनिश्री जिनशचद्रजी स्वामी आगा 4 शासन प्रभावक, जिन-शासन चद्रमा पू पण्डित गन श्री भावचद्रजी स्वामी (धारीजरी-वम्बड) के मगलमय शुभाशोप ते भाथ वहत-वच्छ रिभाग के छ राष्ट्रि लीम्बड। मम्प्रदाय के शरी व धाम वच्छ-माडवी उदर म बिम 2048 के चातुर्मास म विराज रह है। यहाँ मुनिराजों का चातुर्मास 28 वष के पञ्चान हुआ ह। एम अणस्वी चातुर्मास मे निम्नान गुण्यशालिनी तपस्विनी बहने हमार यहा मवप्रथम सिद्धि तप उी मगन आराधना कर रही है—उनकी तपानुमादना एव चातुर्मास की मगन माप्रता करत हैं।

### सिद्धितप के आराधक :

- 1 कु निराली नंधीनचद्र शाह
- 2 धीमती बन्दनाबहन बिनोदकुमार दोशी
- 3 धीमती मजुलबहन भोगीलाल शाह
- 4 धीमती बचनबहन घोरजलाल दोशी



टेरीफान-127

-मुमेच्छर-

शाह हरजी लखमशी एण्ड क

उषा टिम्बर ट्रेडींग क

श्री अरिहन्त ट्रेडींग क

जवाहर भाग, (टिम्बर मार्केट)

माडवी-वच्छ(जिला-भुज) 370465 (गुजरात)

## भाग-चतुर्थ

तपागच्छ समुदाय

अचलगच्छ समुदाय

खरतरगच्छ समुदाय

त्रिस्तुतिकगच्छ समुदाय

पार्श्वचन्द्रगच्छ समुदाय

विमलगच्छ समुदाय

अन्य समुदाय

*With best compliments from :*

**WITH BEST COMPLIMENTS FROM  
TORRENT GROUP OF INDUSTRIES**

**WHERE COMMITMENT TO QUALITY  
LEADS THE WAY**



**TORRENT ALWAYS AHEAD**

**MANUFACTURERS AND EXPORTERS OF PHARMACEUTICAL  
FORMULATIONS BULK DRUGS VETERINARY MEDICINES  
CABLES MEDICAL ELECTRONIC EQUIPMENTS**



**CORPORATE OFFICE**

**TORRENT HOUSE NEAR DINESH HALL**

**ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380 009**

**PHONE 405090 TELEX 121 8600 TLIF 121 6142 TEPLIN**

**GRAM TRINILAB FAX 272 460048**

## तपागच्छ समुदाय

सिद्धान्त महोदधि, कर्म साहित्य, निष्णात आचार्य प्रवर  
श्रीमद् विजय प्रेम सूरेश्वरजी म.सा. का समुदाय

### भाग प्रथम

शासन प्रभावक व्याख्यान वाचस्पति शासन शिरसाज,  
सुविशाल गच्छाधिपति स्व. आचार्य प्रवर श्री विजय रामचन्द्र  
सूरेश्वरजी म.सा. के समुदायवर्ती—वर्तमान में समुदाय के  
प्रमुख गच्छाधिपति:—सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद्  
विजय महोदय सूरेश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (138) मुनिराज (237) साधिव्यंजी (459) कुल ठाणा (696)

### साधु मुनिराज समुदाय

#### 1. नवाडीसा (गुजरात)

1. सालबोद्धारक आचार्य प्रवर श्री विजय  
सुदर्शन सूरेश्वरजी म.सा.

2. तपस्वी सम्राट आचार्य श्री विजय राजतिलक  
सूरेश्वरजी म.सा.

3. सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद्  
विजय महोदय सूरेश्वरजी म.सा.

4. पन्याम श्री कीर्तिमेन विजयजी म.सा

5. पन्याम श्री हेमभूषण विजयजी म.सा

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्ने. मूर्ति जैन उपाश्रय

आदि ठाणा (48)

रिमाला बाजार मु.पो नवाडीसा

जिला बनामकाठा (गुजरात) 385535

आदि ठाणा (4)

#### 2. बड़वाण (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय जयंत शंकर सूरेश्वरजी म.सा.

2. आचार्य श्री विजय नित्यानन्द सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री संवेगी जैन उपाश्रय, मस्जिद चौक

मु.पो. बड़वाण जहर, बाबा जिला सुरेन्द्र नगर

(गुजरात) 363030

#### 3. जामनगर (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय प्रधीतन सूरेश्वरजी म.सा.

2. पन्याम श्री वज्रमेन विजयजी म.सा

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री हालारी बीसा ओमवाल जैन उपाश्रय,

45 दिग्विजय प्लाट, जामनगर (मौराष्ट्र)

(गुजरात) 361005

#### 4. बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय मित्रानन्द सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री पालनगर जैन देशमर उपाश्रय ट्रस्ट पेढी

12 जमनादाय मेहता मार्ग, बालकेश्वर

बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)

#### 5. पालीताणा (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय रविप्रसन्न सूरेश्वरजी म.सा.

2. आचार्य श्री विजय महावल सूरेश्वरजी म.सा.

3. आचार्य श्री विजय पुष्पपाल सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (12)

सम्पर्क सूत्र—महाराष्ट्र भुवन जैन धर्मशाला

तलेटी रोड, पालीताणा-364270 (मौराष्ट्र)

(गुजरात)

- 6 शोलापुर (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय विचक्षण सूर्यशरजी म सा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पत् मूल-श्री मुनिव्रत कुमायी जी ज्वलाम्बर  
मंदिर टम्ब, जैन मंदिर लक्ष्मीपुरी राह्यापुर  
(महाराष्ट्र) 416002
- 7 मुसुण्ड-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय ललितशेखर सूर्यशरजी म सा  
आदि ठाणा (4)  
सम्पत् मूल-श्री ज्येष्ठ मुनि जैन मंदिर, 45 जवैर रोड  
मुसुण्ड (वेस्ट) बम्बई-400080 (महाराष्ट्र)
- 8 विरार-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय राज शेखर सूर्यशरजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पत् मूल-श्री मधवनाथ जैन मन्त्रि स्टेशन के सामने  
मू पो विरार (वेस्ट) जिला ठाणा (महाराष्ट्र)
- 9 भीबण्डी (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय बीर शेखर सूर्यशरजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पत् मूल-श्री स्व मूर्ति जैन उपाध्य, जैन मंदिर  
मू पा भीबण्डी, जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 421302
- 10 सावरकुण्डला (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय प्रभाकर सूर्यशरजी म सा  
आदि ठाणा (5)  
सम्पत् मूल-श्री धर्मनाथ तानिया की पत्नी  
जैन धर्मशाला जन मन्त्रि सावरकुण्डला  
(महाराष्ट्र) जिना राजनगर (गुज) 364515
- 11 वासपुर-अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय जयकुमार सूर्यशरजी म सा  
आचार्य श्री विजय मुक्तिप्रभा सूर्यशरजी म सा  
आदि ठाणा (14)  
सम्पत् मूल-आचार्य विजयदान सूर्यशरजी जैन पान मन्त्रि  
पोषणशाला, वासपुर रोड, टकमाल के पाम  
अहमदाबाद 380001 (गुजरात)
- 12 रिलिफ रोड, अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय पूणवद्र सूर्यशरजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पत् मूल-श्री जैन आराधना भवन, पाटियाली पान  
गिनिफ गड, अहमदाबाद-380001 (गुज)
- 13 बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय चन्द्रोदय सूर्यशरजी म सा  
पयाम श्री वनबध्वज विजयजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पत् मूल-श्री सेठ भैराल क हैयालाल वाठारी, जैन  
उपाध्य चदनवादा अपाटमेदुन, रानीनाल ठाणा  
-माग, रीस रोड, बालकेश्वर, बम्बई-400001  
(महाराष्ट्र)
- 14 सूरत (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय अमरगुप्त सूर्यशरजी म सा  
पयाम श्री चन्द्रगुप्त विजयजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पत् मूल-आचार्य विजय रामचन्द्र सूर्यशरजी जैन  
आराधना भवन, गोपीपुरा, मन रोड,  
सूरत-395002 (गुजरात)
- 15 ब्रावघा (गुजरात)  
उपाध्य श्री नरचन्द्र विजयजी म सा  
आदि ठाणा (6)  
सम्पत् मूल-श्री ज्येष्ठ मूर्ति जैन मंदिर जैन उपाध्य  
महासम्भी मंदिर के पाम, नानी बाजार  
मू पा ब्रावघा जिना मुन्डनगर-16331  
(गुजरात)
- 16 नवाहीसा (गुजरात)  
पयाम श्री महाभय विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पत् मूल-चन्नेन मोसागदी हॉर्टेन रोड,  
नवाहीसा, जिना जनागवाठा (गुज) 38553
- 17 शाहपुर (महाराष्ट्र)  
पयाम श्री चन्द्रवीर विजयजी म सा  
आदि ठाणा (2)  
सम्पत् मूल-श्री ज्येष्ठ मूर्ति जैन उपाध्य, जैन मन्त्रि  
मू पो शाहपुर, जिला ठाणा (महाराष्ट्र)

18. कलकत्ता (प. बंगाल)

पन्यास श्री रत्नभूषण विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति, जैन संघ, जैन मंदिर

11/ए-हैनाम रोड, भवानीपुर,

कलकत्ता-700020 (प. बंगाल)

19. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)

1. पन्यास श्री भद्रणील विजयजी म.सा.

2. पन्यास श्री गुणणील विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—मुक्ति द्वार जैन उपाश्रय, दशा पोरवाड़

मोसायटी, पालड़ी बस स्टेशन पास,

पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात) 380007

20. बोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री नरवाहन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री महावीर स्वामी जैन देरासर

ब्रेनहूर अपार्टमेंटम्, चन्द्रावरकर लेन, बोरीवली

(वेस्ट) बम्बई-400092 (महाराष्ट्र)

21. जोगेश्वरी-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री पुण्योदय विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री महावीर स्वामी जैन मंदिर पेढी

मनीष रोड, पारमनगर, जोगेश्वरी (पूर्व)

बम्बई-400060 (महाराष्ट्र)

22. जामनगर (गुजरात)

श्री चन्द्रयण विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री शांतिभुवन जैन उपाश्रय, आनंदाबाबा

नो चकलो, जामनगर (गुजरात) 361001

23. जामनगर (गुजरात)

श्री कीर्तिकांत विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री ओमनाथ कालोनी, जैन उपाश्रय

मुमेर क्लब रोड, जामनगर (गुज.) 361001

24. साणन्द (गुजरात)

श्री मनोनुष्ठ विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री जेठा वेणा नो उपाश्रय

मु.पो. साणन्द, जिला खेड़ा (गुज.) 382110

25. घोटी (महाराष्ट्र)

श्री विनोद विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति, जैन मंदिर

मु.पो. घोटी वाया डगतपुरी, जिला नासिक  
(महाराष्ट्र)

26. भाभर (गुजरात)

श्री वाररेण विजयजी म.सा. आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति, जैन मंदिर, मु.पो. भाभर

385320 जिला वनामकांठा (गुजरात)

27. डभोई (गुजरात)

श्री सिधाचल विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री माली वगा सागर गच्छ जैन उपाश्रय,

मु.पो. डभोई, जिला बडोदा (गुज.) 391110

28. मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री अक्षय विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री रत्नपुरी जैन उपाश्रय, जैन मंदिर,

गौणाला लेन, दफ्तरी रोड,

मलाड (पूर्व) बम्बई-400097 (महाराष्ट्र)

29. नवाखल (गुजरात)

श्री भुवनचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन उपाश्रय, बाजार मे,

मु.पो. नवाखल ता बोरसद,

जिला खेड़ा (गुजरात)

30. सूरत (गुजरात)

श्री तपोधन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—शाह प्रकाशचन्द्र मणीलाल छापरिया शेरी

महीदरपुरा, सूरत-395003 (गुजरात)

31. राधनपुर (गुजरात)

श्री ध्रुव सेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री भागर गच्छ जैन उपाश्रय

मु.पो. राधनपुर, जिला वनामकांठा

(उत्तर गुजरात) 385340

32. नवागांव (गुजरात)

श्री कमल सेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन मंदिर, जैन उपाश्रय

मु.पो. नवागांव, जिला-जामनगर (गुजरात)



- 33 बायो (गुजरात)  
श्री वसन्त राज विजयजी मभा आदि ठाणा (1)  
मध्यम मूल-श्री जय उपाध्य, तारु स्ट्रीट  
मुवा बायो जिन्ना बगमाह (गुजरात) 746141
- 34 पाटन (गुजरात)  
श्री तिनपुरी विजयजी मभा आदि ठाणा (3)  
मध्यम मूल-श्री रवीशमर्दि पादधामना पचामराज  
मामे, मुवा पाटन (उत्तर गुजरात) 784265
- 35 निराही (राजस्थान)  
श्री भक्तिदेव विजयजी मभा आदि ठाणा (4)  
मध्यम मूल-जयभूमि आनाथ विजयजी मभा  
जैन उपाध्य, माना की मनी, निराही  
(राजस्थान) 307001
- 36 सद्यतगढ़ (राजस्थान)  
श्री विजयदेव विजयजी मभा आदि ठाणा (2)  
मध्यम मूल-श्री जय मन्दिर, जय धामना  
मुवा सद्यतगढ़, स्टेशन फावता  
जिन्ना पानी (राजस्थान) 306912
- 37 भूतेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री नवयशमजी मभा आदि ठाणा (1)  
मध्यम मूल-मठ मारीना लाल धाम जैन उपाध्य  
पाजगापाल तन भूतेश्वर-बम्बई 400004  
(महाराष्ट्र)
- 38 पादरा (गुजरात)  
श्री वादिव प्रम विजयजी मभा आदि ठाणा (3)  
मध्यम मूल-जानाथ श्री रामदास मुरोजी जैन  
जानाथ मदन श्री मन्मथनाथ जैन मन्दिर  
मामन मुवा पादरा, जिन्ना बडोदा  
(गुजरात) 391440
- 39 छाणी (गुजरात)  
श्री मुक्तिदेव विजयजी मभा आदि ठाणा (1)  
मध्यम मूल-जैन उपाध्य बाणीबाजीह  
मुवा छाणी, जिन्ना बडोदा (गुज) 491740
- 40 पूरा केम्प (महाराष्ट्र)  
श्री जयश्याम विजयजी मभा आदि ठाणा (4)
- 41 गुरेन्द्रनगर (गुजरात)  
श्री विजयदेव विजयजी मभा आदि ठाणा (2)  
मध्यम मूल-श्री आराधना भवन, 4 टिन्ट्र प्रेमरा  
मन्मथियम मुद्राङ्कन 767001 (गुजरात)
- 42 लक्ष्मी (गुजरात)  
श्री विजयदेव विजयजी मभा आदि ठाणा (3)  
मध्यम मूल-श्री लक्ष्मी, लक्ष्मी आराधना  
भवन Opp होमिन्टन श्री होमिन्टन श्री  
लक्ष्मी (गुजरात) 396445
- 43 माधवमनी-अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री बाधिमना विजयजी मभा आदि ठाणा (4)  
मध्यम मूल-श्री पुनराज चं आराधना भवन  
मन्मथारण सोमापटी, रामदास राट, माधव  
मनी, अहमदाबाद 780005 (गुजरात)
- 44 मातिका मिटी (महाराष्ट्र)  
श्री भुवा रत विजयजी मभा आदि ठाणा (2)  
मध्यम मूल-श्री गुरु मन्दिर, पणवड केर, दही पुन,  
वाजरा भागिर मिटी (महाराष्ट्र) 422001
- 45 मातेगाव (महाराष्ट्र)  
श्री जयमठ विजयजी मभा आदि ठाणा (2)  
मध्यम मूल-जय चन्ना बावा जैन उपाध्य, तिपव  
माड मुवा मातेगाव जिन्ना भागिर (महाराष्ट्र)  
423203
- 46 राजकोट (गुजरात)  
श्री विजयजी विजयजी मभा आदि ठाणा (2)  
मध्यम मूल-जैन आराधना भवन वधमान नगर,  
हुमुर पतेण रोड, राजकोट 780001 (गुजरात)
- 47 पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री भवगरति विजयजी मभा आदि ठाणा (3)  
मध्यम मूल-जैन मण्ड सोमापटी जैन उपाध्य,  
मन्मथ रोड, फतेहनगर पालडी, अहमदाबाद  
380007 (गुजरात)

48. बीस नगर (गुजरात)  
श्री तत्व रत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री-सुमनलाल कातिलाल वखारिया  
मे. आशीर्वाद एम्पोरियम, काजीवाडो, मु.पो.  
वीमनगर-384315 (गुजरात)
49. पालडी-अहमदाबाद (गुज.)  
श्री चैतन्य दर्शन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—रंग सागर सोसायटी पी.टी. कालेज  
रोड, पालडी, अहमदाबाद-380007 (गुज.)
50. शाहीबाग-अहमदाबाद (गुज.)  
श्री तीर्थरत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन देरासर उपाश्रय, गिरधर नगर,  
शाहीबाग, अहमदाबाद-380004 (गुज.)  
नोट—निम्न लिखित पूज्य आचार्यों मुनिराजों ने भी इस  
वर्ष आज्ञा प्राप्त की है।
1. आचार्य श्री विजय सिद्धी सूरजी म. (बापजी म.)  
का समुदाय:—  
दांतराई (राजस्थान)  
आचार्य श्री विजय विबुध प्रभसूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शीतल पार्श्व जिन पेढी, पंच  
महाजन, मु.पो. दांतराई बाया आबू रोड, जिला  
मिरोही (राजस्थान) 307512
2. आचार्य श्री विजय अमृत सूरेश्वरजी म. का  
समुदाय:—  
खभात (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय जितेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री तपागच्छ अमर, जैन शाळा,  
टेकरी, मु.पो. खभात, जिला खेडा (गुजरात)  
388620
3. आचार्य श्री विजय शान्तिचन्द्र सूरेश्वरजी म.  
का समुदाय:—
1. अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय सोम सुन्दर सूरेश्वरजी म.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, शाहपुर दरवाजा नो खाचो,  
अहमदाबाद 380001 (गुज.)
2. अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वर्धमान जैन उपाश्रय, आश्रम रोड,  
Opp. सभवनानथ जैन देरासर, उस्मानपुरा,  
अहमदाबाद-380013 (गुज.)

## साध्वियाँजी समुदाय

1. प्रवर्तिनी साध्वी श्री जयाश्रीजी म.सा.  
आदि ठाणा (16)  
सम्पर्क सूत्र—सोना नो उपाश्रय, रिसाला बाजार,  
मु.पो. नवाडीसा जिला बनासकांठा (गुज.)  
385535
2. साध्वी श्री कान्ता श्री जी म.सा. आदि ठाणा (17)  
सम्पर्क सूत्र—दशा पोरवाल सोसायटी, पालडी बस  
स्टेण्ड पामे, बगला न 18 पालडी-अहमदाबाद-  
380007 (गुजरात)
3. साध्वी श्री अनुपमा श्री जी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक 2 अनुसार (बगला  
न. 21)
4. साध्वी श्री परमप्रभाश्री जी म.सा. आदि ठाणा (16)  
सम्पर्क सूत्र—बालोडवाला जैन उपाश्रय, लक्ष्मीभुवन  
सामे, गोपीपुरा सूरत-395002 (गुज.)
5. साध्वी श्री मणिप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कुदनलाल लल्लुभाई जवेरी नो  
बगलो मेनरोड, गोपीपुरा सूरत-395002  
(गुज.)
6. साध्वी श्री पुण्य प्रभाश्री जी म.सा. आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री हममुखलाल चुन्नीलाल मोदी,  
कमला निकेतन, 3 माला, नारायण दामोलकर  
गेड, बालकेश्वर-बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)

- 23 साध्वी श्री सत्य रत्नाश्रीजी म मा आदि ठाणा (11)  
सम्पन्न सूत्र—श्री नमोनाथ नगर जैन उपाध्य, नम  
स्टेण्ड पाम, नमोनाथ नगर, नवाडोसा जिला-  
पनामवाठा (गुज ) 385535
- 24 साध्वी श्री नयदशनाश्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र—जैन मन्केट सासायटी, थाविना उपाध्य,  
कन्हपुरा पालडी-अहमदाबाद-380007 (गुज )
- 25 साध्वी श्री नयमाला श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र—पारी न. उपाध्य, पाजरापान माम,  
पजामरा राट, पाटण (गुजरात) 384265
- 26 साध्वी श्री हृषपूर्णश्रीजी म मा आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र—मुलणा अपाटमेटस थाविना उपाध्य,  
रतिलाल आर ठक्कर माग राग राड, बालकेसर,  
बम्बई-400006 (महा )
- 27 साध्वी श्री साम्य ज्योतिश्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—सुतरीया उपाध्य, छापरिया शेरि,  
महादरपुरा सूरत 395001 (गुजरात)
- 28 साध्वी श्री मुक्ति पूणाश्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—हरियाला त्रिलेज जैन श्व मूर्ति ट्रस्ट  
आदिनाथ जैन मंदिर हुजारा बाग बिक्रीनी  
(बेस्ट) बम्बई-400083 (महा )
- 29 साध्वी श्री रीतेशाश्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र—जैन मल्लाना पानबाग जैन उपाध्य,  
मुलम्बर, पाजरा पाल लन बम्बई 400004  
(महाराष्ट्र)
- 1 प्रवर्तिनी साध्वी श्री दशदश्रीजी म मा आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र—अरवि जैनमटम बनाव न 1,  
सम्पन्न दज. आराधना भवन पी टी बालेज राड,  
रम सागर माम, पालडी अहमदाबाद 380007  
(गुजरात)
- 2 साध्वी श्री दमरतीश्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र—महाराष्ट्र भुवन धमनाला, तनटा राट,  
पालीताणा 364270 (महाराष्ट्र) (गुजरात)
- 3 साध्वी श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र—जन उपाध्य, रिमाना बाजार  
नवाडोसा जिला पनामवाठा (गुज ) 385535
- 4 साध्वी श्री विश्वप्रभाश्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—बीणा श्री मानी तदामचट जैन उपाध्य  
पान बाग, जामनगर (महाराष्ट्र) 361001
- साध्वी श्री राहिताश्रीजी म मा बा परिमार
- 1 प्रवर्तिनी साध्वी श्री गानीश्रीजी म मा आदि ठाणा (11)  
सम्पन्न सूत्र—मगलदार जैन उपाध्य, मु पो विडवाडा  
स्टेशन, जिला मिराही (राजस्थान) 307022
- 2 साध्वी श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र—जैन उपाध्य, राजबाडा, बेगु सठ बा  
पाडा के सामन, मु पो पाटण  
(उ गुजरात) 384265
- 3 साध्वी श्री नदीरत्नाश्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जन उपाध्य, जैन मंदिर,  
मु पो बीरबाडा स्टेशन एव जिला मिराही  
(राजस्थान)
- 4 साध्वी श्री मुक्तिरत्नाश्रीजी म मा आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र—श्री थाविना जन उपाध्य नैट्क स्ट्रीट,  
मु पो बापी जिला बलवाड (गुज ) 396191
- 5 साध्वी श्री विश्वप्रभाश्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन मंदिर, जन उपाध्य, मु पो वेनुआ  
स्टेशन बनाव (राजस्थान)
- 6 साध्वी श्री चन्द्रशिताश्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन मंदिर, जन उपाध्य, मु पो रोहीडा  
स्टेशन स्वल्पगज (राजस्थान)
- 7 साध्वी श्री निर्वेशरत्नाश्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन उपाध्य, सदर बाजार  
मु पो डासा जिला बनासवाठा (गुज ) 385535
- 8 साध्वी श्री नैक्यरत्नाश्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—जैन मंदिर, जैन उपाध्य, मु पो मिन्वडी  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 421302
- 9 साध्वी श्री चदनवालाश्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—मणीबेन थाविना उपाध्य, बजु कटाई  
ता डेला, मु पो जामनगर 361001 (महा )

कच्छ बागड़ देशोद्वारक स्व. आचार्य प्रवरश्री कनक सूर्यशरजी म.सा. के समुदाय के वर्तमान में गच्छाधिपति आचार्य प्रवर भी विजय रामचन्द्र सूर्यशरजी म. की आज्ञानुवर्ती साध्वियोंजी

1. प्रवर्तिनी साध्वी श्री हेमश्रीजी म.सा  
साध्वी श्री चन्द्राननाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (24)  
सम्पर्क सूत्र—श्री केशवलाल प्रेमचन्द का बंगला  
Opp. जन जाति प्लेट्स, एलीस ब्रीज,  
अहमदाबाद 380006 (गुजरात)
2. साध्वी श्री अरुणश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—माडवी नी पोल मे, जैन देरासर वालो  
खाचो, श्राविका उपाश्रय, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)
3. साध्वी श्री अरविन्दा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—अभय निवास, विमल बंगला नी सामे,  
फतेहपुरा बस स्टेण्ड नी गली मा, पोलड़ी-  
अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
4. साध्वी श्री अमितगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—आयचित्त भवन का मेडा ऊपर, उरा माला  
जवेरीवाड़, वाघण पोल, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)
5. साध्वी निर्मलाजी श्रीजी म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—सम्यग्दर्शन जैन उपाश्रय, अमूल सोसायटी  
ओपरा सोसायटी, चित्रकार रमीकलाल पारेख  
मार्ग पालड़ी-अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
6. साध्वी श्री पुष्प प्रभाजीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री संभवनाथ जैन मंदिर, स्टेण्ड के सामने  
मु.पो. विरार (वेस्ट) जिला धाणा (महाराष्ट्र)
7. साध्वी श्री चन्द्रोज्ज्वलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय कालूसी नी पोल,  
कालूपुर रोड, अहमदाबाद-380001 (गुज.)
8. साध्वी श्री दिव्यदर्शिता श्रीजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय कालूसी नी पोल,  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

9. साध्वी श्री प्रशमिता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जहापनाह की पोल, जैन उपाश्रय, कालूपुर  
रोड, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
10. साध्वी श्री चारुलताश्रीजी म.सा आदि ठाणा (9)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, 4 बिट्ठल प्रेस रोड,  
गेनेटोरियम, सुरेन्द्रनगर-363001 (गुजरात)
11. साध्वी श्री चारुलक्षणाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, महालक्ष्मी मंदिर पास,  
नानी बाजार, धागंधा-363810 जिला  
सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
12. साध्वी श्री तत्त्वदर्शिता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति. जैन उपाश्रय, जैन मंदिर  
मु.पो. नादेज (गुजरात) 382453
13. साध्वी श्री दिव्यपूर्णाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मुनि सुव्रत स्वामी जैन मंदिर  
लक्ष्मीपुरी, कोल्हापुर-416002 (महाराष्ट्र)
14. साध्वी श्री निर्वेदगुणा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—101 आकाश गंगा प्लेट, रूपाली सर्कल  
साबनगर-364002 (सौराष्ट्र) (गुजरात)
15. साध्वी श्री उदयपूर्णा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जैन देरासर  
मु.पो. पालेज (गुजरात) 382220
16. साध्वी श्री चन्द्रदर्शिता श्रीजी म.सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—जैन देरासर, जैन उपाश्रय, बाजार में,  
मु.पो. एलवद बाया धागंधा, जिला सुरेन्द्रनगर  
(गुजरात) 363330
17. साध्वी श्री चारु रत्ना श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री मुमनलाल कानिलाल बरवारिया  
मे आशीर्वाद एम्पोरियम, काजीवाडो  
मु.पो. बीसनगर (गुजरात) 384315
18. साध्वी श्री जितेन्द्र श्रीजी म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—मंगलमूर्ति अपार्टमेंट्स, Opp शास्त्री नगर  
मोला रोड, अहमदाबाद-380013 (गुजरात)
19. साध्वी श्री सुरक्षाला श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्राविका जैन उपाश्रय, न्यू आशीय  
सोसायटी, राजमहल रोड, पाटण  
(उ गुजरात) 384265

20 माध्वी श्री नयप्रज्ञा श्रीजी म सा जादि ठाणा (2)  
मय्यव मूत्र-मगा मा उताभय, तीरा न माभायटी  
Opp मरुधर मामायटी, मगा मर  
सावरमती, अहमदाबाद (गुजरात) 380005

कुल चातुर्मास (138) मुनिराज (237) माध्वीबाजी  
(459) कुल ठाणा (696)

गत वष 1991 मे समुदाय मे विद्यमान थे - मुनिराज (246)  
साध्वीबाजी (438) कुल ठाणा (704)

समुदाय मे विद्यमान हैं-गच्छाधिपति (1) आचार्य (20)  
पपात (10) उपाध्याय (1) प्रवर्तिनी (5)

नोट -1 नई दाक्षा एव महाप्रमाण की सूची प्राप्त नहीं है।  
ने कारण दुर्जात्मक साधियों प्रस्तुत नहीं कर सके।

परन्तु उन्मुखन मय्या मे आमाजी मे अनुमान लगाया  
जा सकता है कि गत वष की तरह इस वष भी पूर्ण  
सूची प्राप्त हुई है, मय्या भी सही लगती है।

2 सुविशाल गच्छाधिपति शासन प्रभावके व्याप्तान  
वाचस्पति, आचार्य प्रवर श्रीमद विजय रामबा  
सुरीश्वरजी म सा के महाप्रमाण के परवान रिस्  
म्या की पूर्ण व विप समुदाय मे नया गच्छाधिपति  
आचार्य प्रवर श्रीमद विजय महादय सुरीश्वरजी म सा  
का सप नायक बनाया गया है।

3 विरयन्त सूत्रा मे शात हुआ है कि सम्पूर्ण जैन समाज  
मे सभ्यतया यही एव मात्र ऐसा समुदाय है जितने  
महार पक्ष के पिता-पुत्र अब वर्तमान मे मुनि दीक्षा न  
दाना आचार्य पद का सुशोभित कर रहे हैं। आचार्य  
श्री जयकुंजर सुरीश्वरजी म सा (पिनाजी) एव  
आचार्य श्री पूर्णचन्द्र सुरीश्वरजी म सा (पुत्र) दोनों  
आचार्य हैं न दोना का चातुर्मास अहमदाबाद है।

मभी पूज्य आचार्यों साधु-साध्वियों को कोटि-कोटि वन्दन।

Tel. No OFF 523270  
RESI 523279

**MOTI CHAND CHORDIA**  
**FINANCIER**

49 GENERAL MUTHIA MUDALI STREET, SOWCARPET  
MADRAS-600079 (T N)

सिद्धान्त महोदधि, कर्म साहित्य निष्णात, आचार्य प्रवर  
श्रीमद् विजय प्रेम सूरेश्वरजी म.सा. का समुदाय

भाग-द्वितीय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति : न्याय विशारद,  
108 वर्षमान आयुंवल तप-आराधक, सकल संघ हितैषी,  
गच्छाधिपति आचार्यप्रवर श्री विजय भुवन भानु सूरेश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (66) मुनिराज (178) साध्विर्याजी (181) कुल ठाणा (359)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. शांतिनगर-अहमदाबाद (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय हिमांशु सूरेश्वरजी म.सा.
2. आचार्य श्री विजय तर रत्न सूरेश्वरजी म.सा.
3. आचार्य श्री विजय हेमचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.
4. पन्यास श्री कुलचन्दविजयजी म.सा.

आदि ठाणा (10)

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति, जैन उपाश्रय, जैन देरासर  
शांतिनगर, अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

2. सूरत (गुजरात)

1. गच्छाधिपति, न्याय विशारद, 108  
वर्षमान आयुंवल तप आराधक सकल  
संघ हितैषी, आचार्य प्रवर श्री विजय-  
भुवन भानु सूरेश्वरजी म.सा.

2. आचार्य श्री विजय जयघोष सूरेश्वरजी म.सा.
3. उपाध्याय श्री यजोभद्र विजयजी म.सा.
4. प्रवर्तक श्री योगेन्द्र विजयजी म.सा.
5. प्रवर्तक श्री जिन रत्न विजयजी म.सा.
6. पन्यास श्री तदमंगल विजयजी म.सा.
7. पन्यास श्री रत्न मुन्दर विजयजी म.सा.
8. पन्यास श्री हेम रत्न विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (37)

सम्पर्क सूत्र—श्री ओंकार सूरि आराधना भवन,  
गोपीपुरा, सुभाष चौक, सूरत-395002 (गुज.)

3. टुमकूर (कर्नाटक)

1. आचार्य श्री विजय धनपाल सूरेश्वरजी म.सा.
2. पन्यास श्री चतुरविजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—

Shri Jain Temple, M. G Road,  
P O TUMKUR-572 101 (Karnataka)

4. कोरेगांव (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय भद्र गुप्त सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जैन मंदिर, मु.पो. कोरेगांव  
जिला सातारा (महाराष्ट्र) 415501

5. बिले पार्ला-वम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय राजेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री चितामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर  
43 एम जी रोड, बिलेपार्ला (पूर्व)  
वम्बई-400057 (महाराष्ट्र)

6. रीछेंड (राजस्थान)

मेवाड़ देशोद्धारक आचार्य श्री जितेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (9)

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति तपागच्छ जैन सघ  
जैन उपाश्रय, मु.पो. रीछेंड, जिला राजमहेंद  
(राजस्थान) 313337

- 7 दादर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री जयदेव सूर्यदेवजी म मा  
आदि ठाणा (4)  
ममक सूत्र-श्री जैन आचार्यजी ममक 289 ममक  
जान माग दादर (बम्बई) उम्बई-400028  
(महाराष्ट्र)
- 8 कर्नाटका (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय जगन्नाथ सूर्यदेवजी म मा  
आदि ठाणा (4)  
ममक सूत्र-श्री जैन दशमर मन्त्रि, मु पा कर्नाटका  
जागृताई जिना वनामकाठा (गुजरात)
- 9 पिण्डवाडा (राजस्थान)  
ममक जागृताई प्रेरक आचार्य श्री विजय गुण रत्न  
सूर्यदेवजी म मा  
आदि ठाणा (15)  
ममक सूत्र-श्री कल्याणजी नाथगणेशजी जैन पंडी  
मु पा पिण्डवाडा न्देशा मिगही राई  
जिना मिगही (राजस्थान) 307022 फोन 28
- 10 अहमदनगर (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री विजय धनेश्वर सूर्यदेवजी म मा  
आदि ठाणा (3)  
ममक सूत्र-श्री श्व मूर्ति जैन उपाधय, राणा बाजार  
जी अहमदनगर जैन पंडी अहमदनगर-414001  
(महाराष्ट्र)
- 11 बीछाड (गुजरात)  
प्रवचन श्री धर्म गुप्त विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
ममक सूत्र-श्री नाथगण सूर्यदेवजी म मा मदिश, अवाजी  
चार, मु पा बीछाड 364710 जिना राजवाड  
(गुजरात)
- 12 आम्नावाडी अहमदाबाद (गुजरात)  
पन्नाम श्री चन्द्रदेव विजयजी म मा  
आदि ठाणा (5)  
ममक सूत्र-जैन उपाधय जम्नावाडी नेत्र मन्त्रि,  
चार मन्त्रि, अहमदाबाद-380013 (गुजरात)
- 13 बीछा बाजार-बम्बई (महाराष्ट्र)  
पन्नाम श्री विमल मन विजयजी म मा  
आदि ठाणा (8)  
ममक सूत्र-श्री बाट नाथगणजी जैन देवामर  
190/94 बाग बाजार स्ट्रीट, बाट-बम्बई  
100001 (महाराष्ट्र) फोन न 2613163
- 14 पाणधुनी बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री नाथगण विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
जैन मन्त्रि-श्री आदिनाथ जैन दशमर पाणधुनी  
विजय मन्त्रि न चार, बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)
- 15 तिरपुर (महाराष्ट्र)  
पन्नाम श्री विद्यानन्द विजयजी म मा  
आदि ठाणा (2)  
ममक सूत्र-श्री श्व मूर्ति जैन उपाधय, मु पा तिरपुर  
जिना धूमिया (महाराष्ट्र) 425405  
फोन न 139 316
- 16 घाट रोड-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री जयतिवर् विजयजी म मा आदि ठाणा (3)  
ममक सूत्र-श्री श्व मूर्ति जैन उपाधय, भारत नगर  
घाट रोड बम्बई 400008 (महाराष्ट्र)
- 17 अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
पन्नाम श्री जय माध विजयजी म मा  
आदि ठाणा (2)  
ममक सूत्र-श्री नाथगण जैन उपाधय, 108 एस बी  
राड, इनाबीज, अंधेरी (बम्बई) बम्बई-400056  
(महाराष्ट्र)
- 18 निपाणी (कर्नाटक)  
पन्नाम श्री नाथगण विजयजी म मा  
आदि ठाणा (3)  
ममक सूत्र-  
Shri Swatanter Jain Temple  
Guru wargeth, P O NIPANI 591 237  
(Karnataka) Tel 20264, 20956
- 19 ब्यारा (गुजरात)  
पन्नाम श्री धीर रत्न विजयजी म मा आदि ठाणा (2)  
ममक सूत्र-श्री श्व मूर्ति जैन उपाधय, बानपुरा  
मु पा ब्यारा जिना मन्त्रि (गुजरात) 394650

20. तपोवन (नवसारी) (गुजरात)  
श्री जयचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वर्धमान संस्कृति धाम, तपोवन  
मु. धारागिरी, पोस्ट कवीलपीर,  
वाया नवसारी (गुजरात) 397445
21. मालेगांव (महाराष्ट्र)  
श्री शील रत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वासुपूज्य स्वामीजैन मंदिर, जैन उपाश्रय  
धारह बगला रोड, मालेगांव, जिला नासिक  
(महाराष्ट्र) 423203
22. कालुपुर, अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री कनकसुन्दर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—पगथियानो उपाश्रय, हाजी पटेलनी पोल  
कालुपुर अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
23. गोरेगांव-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री विश्वानन्द विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चिनामणि पार्श्वनाथ जैन देरासर  
आरे रोड, गोरेगांव (वेस्ट) बम्बई-400062  
(महाराष्ट्र)
24. जलगांव (महाराष्ट्र)  
श्री चन्द्रजीत विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति, जैन उपाश्रय, Opp. काग्रेस  
भवन, जलगांव (महाराष्ट्र) 425001
25. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री निपुणचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री लक्ष्मीवर्धक जैन सघ, नारायण नगर  
रोड, पालड़ी-अहमदाबाद-380007 (गुज.)
26. घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री इन्द्रयश विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, संवाणी इस्टेट, घाटकोपर  
(वेस्ट) बम्बई-400086 (महाराष्ट्र)
27. नडियाद (गुजरात)  
श्री वरवोधि विजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति, जैन उपाश्रय देव चकला  
मु.पो. नडियाद (गुजरात) 387001
28. जालना (महाराष्ट्र)  
श्री भुवन सुन्दर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)
- सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, अहिंसा मार्ग, सदर बाजार  
जालना-311203 (महाराष्ट्र)
29. सूरत (गुजरात)  
श्री गुणसुन्दर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, बडा चौटा,  
सूरत-395002 (महाराष्ट्र)
30. वोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री अभयशेखर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री सभवनाथ जैन देरासर पेढी, जामलीगली  
वोरीवली (वेस्ट) बम्बई-400092 (महा.)
31. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)  
श्री जिनहस विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति, जैन मंदिर जोहरी वाड़ा  
औरंगाबाद-431001 (महाराष्ट्र)
32. नवसारी (गुजरात)  
श्री मुक्तिदर्शन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—धूडालाल मगनलाल जैन उपाश्रय,  
कानजी वाडी, शातादेवी रोड,  
नवसारी-396445 (गुजरात)
33. काकीनाडा (आन्ध्र प्रदेश)  
श्री दिव्य रत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—  
Shri Neminath Jain Svetamber Aradhana  
Bhawan, Rajaji Street,  
P O. KAKINADA-533001 (A P)
34. शांताक्रुझ-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री कात्य रत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय श्री कुधुनाथ जैन मंदिर  
एन्ड्रुझ रोड, शांताक्रुझ वेस्ट बम्बई-400054  
(महाराष्ट्र)
35. चिचवड गांव-पूना (महाराष्ट्र)  
श्री विश्व कल्याण विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. चिचवड गांव  
पूना-411033 (महाराष्ट्र)
36. चौपाटी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
श्री नैत्रानन्द विजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कल्याण पार्श्वनाथ, जैन देरासर,  
35 सी. फेंश चौपाटी, नाबूलनाथ मंदिर के पास  
बम्बई-400007 (महाराष्ट्र)



॥ जय महावीर ॥

श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजन तारागच्छ वागड ममुदाय के  
अधिष्ठाना सुविशुद्ध-मयमूर्ति, नध्यात्मयागी, पुण्यपाद  
आचार्य भगवन्त 1008 श्री विमल कलापूज सूरीश्वरजी महाराज आदि ठाणामों  
के यशमयी मूर्ति (गृज०) के चातुर्मास एव उनके  
आगतानुवर्ती मन्त्री पू माधु-न्याध्वीजी मसा र चातुर्मास की  
भूति-भूति अनुमादना एव मगन शुभकामनाए करन हुआ ।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ



टेलि 20816/24816

श्रेष्ठोर्वर्ध ए. डी. मेहता (भचाउ वाले)

निमाण कमटी के चेयरमैन

जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्कूल-भूज

"सिद्धाचल" होस्पिटल रोड,

भूज (कच्छ) 370001 (गुजरात)

शासन सम्राट तपागच्छाधिपति सूरी चक्रवर्ती, आचार्य श्रीमद्  
विजय नेमी सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:— गच्छाधिपति,  
निडर वक्ता, शासन प्रभावक आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय  
मेरुप्रभ सूरीश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (92) मुनिराज (190) साध्वियाँ (380) कुल ठाणा (470)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. भावनगर (गुजरात)

1. गच्छाधिपति, निडर वक्ता, शासन प्रभावक,  
आचार्यश्री विजय मेरुप्रभ सूरीश्वरजी म. सा.

2. पन्याम श्री मानतुग विजयजी म. सा.

3. पन्याम श्री इन्द्रमेन विजयजी म. सा.

आदि ठाणा —

सम्पर्क सूत्र—श्री नूतन जैन उपाश्रय, नानमा जेरी,  
दाणापीठ पामे, मु.पो. भावनगर (गुज.)

364001

2. आगासी तीर्थ-विरार-(बम्बई) (महा.)

1. आचार्य श्री विजय दक्ष सूरीश्वरजी म. सा.

2. पन्याम श्री प्रभाकर विजयजी म. सा.

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र—श्री समवमरण जैन मंदिर, पार्श्वनाथनगर  
चाल पेठ, मु.पो. आगामी तीर्थ वाया विरार  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र)-401301

3. जामनगर (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय देव सूरीश्वरजी म. सा.

2. आचार्य श्री विजय हेमचन्द्र सूरीश्वरजी म. सा.

3. पन्याम श्री प्रद्युम्न विजयजी म. सा.

आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री मोहन विजय जैन पाठशालाजी. पी.  
ओ. के सामने, भावनगर-364001 (गुजरात)

4. वेडा (राजस्थान)

1. आचार्य श्री विजय सुशील सूरीश्वरजी म. सा.  
पन्याम श्री जिनोत्तम विजयजी म. सा.  
गणि श्री रत्न शेखर विजयजी म. सा.

आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री ज्वे मूर्ति जैन मंदिर, जैन मंदिर पेडी  
मु.पो. वेडा, जिला जालौर (राज.) 343001

5. पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय प्रियंकर सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा —

सम्पर्क सूत्र—श्री महिमाप्रभ सूरी ज्ञान मंदिर, शांति-  
वन वम स्टेण्ड के पास, नारायण नगर रोड,  
पालडी, अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

6. गोधरा (गुजरात)

आचार्य श्री विजय शुभंकर सूरीश्वरजी म. सा.

आचार्य श्री विजय सूर्योदय सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन उपाश्रय, जैन देरासर, ज्ञान मंदिर,  
शांति नगर, मु.पो. गोधरा, जिला पंचमहाल  
(गुजरात)-389001

7. करमवेला (गुजरात)

आचार्यश्री विजय महिमा प्रभ सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन ज्वे. उपाश्रय जैन देरासर,  
हाई वे रोड, मु.पो. करमवेला, वाया वापी  
जिला बलसाड (गुज.)

- 8 'नवसारी (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय प्रयोधचन्द्र सूर्येश्वरजी म सा  
आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री पाशवनाथ चिनामणि जैन देरासर  
मधुमति नवमारी 396445 (गुजरात)
- 9 सूरत (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय चन्द्रोदय सूर्येश्वरजी म सा  
आचार्य श्री विजय जयचन्द्र सूर्येश्वरजी म सा  
आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय नागपुरा  
सूरत 395003 (गुजरात)
- 10 रादेड रोड-सूरत (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय अशोक चन्द्र सूर्येश्वरजी म सा  
पन्थास श्री पुण्य चन्द्र विजयजी म सा  
आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, जैन देरासर,  
उत्तम स्ट्रीट, रादेड राड, सूरत 395005  
(गुजरात)
- 11 शोला रोड-अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय श्रीरामचन्द्र सूर्येश्वरजी म सा  
आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री जैन नान मंदिर, भुजगदव, चार  
रास्ता, पारन नगर, शोला रोड, अहमदाबाद  
380061 (गुजरात)
- 12 नेल्लूर (आन्ध्र प्रदेश)  
आचार्य श्री विजय नमः प्रभ सूर्येश्वरजी म सा  
पन्थास श्री यमादेव विजयजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र—  
Shri Swetamber Jain Temple  
C/o M/s Jain Silver Palace  
13 94, Mandapal Street,  
NELLORE 524 001 (A P)  
Tel No (0861) 23772 28772
- 13 पालीताणा (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय विशाल सेन सूर्येश्वरजी म सा  
"विराट"  
पन्थास श्री राजनेश्वर विजयजी म सा  
आदि ठाणा—
- मम्पर्क सूत्र—विशास जैन वना सम्पान, जैन म्पुत्रिय,  
तलेटी रोड, पालीताणा-364270 (गुज)
- 14 सिरौही (राजस्थान)  
उपाध्याय श्री विनाद विजयजी म सा आदि ठाणा—  
मम्पर्क सूत्र—श्री श्वे जैन मंदिर उपाश्रय, सोनारवाण  
सिरौही (राज)-307001
- 15 शाहपुर-अहमदाबाद (गुजरात)  
पन्थास श्री अजित चन्द्र विजयजी म सा  
आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री पारवाट नो जैन उपाश्रय, शाहपुर  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
- 16 बोलहापुर के आसपास (महाराष्ट्र)  
पन्थास श्री श्रेयास विजयजी म सा आदि ठाणा—
- 17 अहमदाबाद (गुजरात)  
पन्थास श्री कुन्दल विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—जैन श्वे उपाश्रय, हट्टी भाई की बाड़ी,  
दिल्ली दरवाजा के बाहर  
अहमदाबाद-380001 (गुज)
- 18 महुवा (सौराष्ट्र-गुजरात)  
पन्थास श्री शीलचन्द्र विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, जैन देरासर,  
कैवीन चौक, मु पो महुवा-बन्दर जिना भावनगर  
(गुजरात) 364290
- 19 खभात (गुजरात)  
पन्थास श्री दान विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री श्वे जैन देरामर, जैन उपाश्रय,  
साठवाडो मु पो खभात, जिना खेडा (गुज)  
388620
- 20 बडोदा (गुजरात)  
पन्थास श्री चन्द्रसेन विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पक सूत्र—श्री श्वे जैन उपाश्रय, मामा नी पोल,  
गवपुरा, बडोदा-(गुजरात)-390001
- 21 राजकोट-(गुजरात)  
पन्थास श्री सिद्ध सेन विजयजी म सा  
पन्थास श्री समध्वज विजयजी म सा आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री माण्डवी, जैन उपाश्रय श्वे देरामर,  
माण्डवी, राजकोट-360001 (गुजरात)

22. पेटलाद (गुजरात)  
पन्यास श्री हिकार चन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, मु.पो.  
पेटलाद, जिला खेडा (गुजरात)-388450
23. सौराष्ट्र में योग्य स्थल (गुजरात)  
पन्यास श्री स्थूलभद्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा—
24. भावनगर (गुजरात)  
पन्यास श्री सिंह सेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री दादासाहेब जैन देरासर, उपाश्रय,  
काला नाला, भावनगर (गुजरात)-364001
25. वांकांनेर (गुजरात)  
पन्यास श्री पुंडरिक विजयजी म.सा.  
पन्यास श्री चन्द्रकीर्ति विजयजी म.सा.  
श्री दर्शन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय,  
मु.पो. वांकांनेर (सौराष्ट्र) (गुजरात)-363621
26. मोरबी (गुजरात)  
गणि श्री रत्न प्रभ विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, दरबारगढ़  
मु.पो. मोरबी, जिला राजकोट (गुजरात) 363641
27. अहमदाबाद (गुजरात)  
प्रवर्तक श्री निरजन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. जैन देरासर उपाश्रय, शेख नो  
पाडो, अहमदाबाद (गुज)-380001
28. बड़ौदा (गुजरात)  
गणि श्री वाचस्पति विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री सोसायटी, श्री विजय नेमीसूरी मार्ग,  
प्रतापनगर. बड़ौदा-390001 (गुज)
29. पालीताणा (गुजरात)  
श्री महायश विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—महायश विजयजी ज्ञान मंदिर, गिरिराज  
सोसायटी, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात)-  
364270
30. नवसारी (गुजरात)  
श्री सूर्यसेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, आदिनाथ  
सोसायटी, महावीर नगर, नवसारी-396445  
(गुजरात)
31. सूरत (गुजरात)  
श्री अभयसेन विजयजी म.सा. आदि ठाणा—

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, नवापारा,  
मारकस मोहल्ला, कग्वा रोड, सूरत-395002  
(गुजरात)

32. अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री भुवन हर्ष विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, मेजपुर  
वोधा, कृष्ण नगर, अहमदाबाद (गुजरात)

33. अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री राजचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. देरासर उपाश्रय, पाजरापोल,  
रिलिफ रोड, अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास (92) मुनिराज (190) साध्वियों (380)  
कुल ठाणा (470) (अनुमानित)

समुदाय में विद्यमान हैं—गच्छाधिपति (1) आचार्य (17)  
पन्यास (21) उपाध्याय (1) प्रवर्तक (1) गणि (2)

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (202)  
साध्वियों (378) कुल ठाणा (580)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ—नहीं  
नई दीक्षाएँ हुई—ज्ञात नहीं  
महाप्रयाण हुए—दो आचार्य एवं अन्य ज्ञात नहीं  
संयम त्याग—दो मुनिराज

नोट—चातुर्मास प्रारंभ होने के 37 दिन बाद 19-8-92 तक भी इस समुदाय की पूरी-अधूरी सूची कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सकी। इस समुदाय के आचार्य श्री विजय हेम प्रभ सूरेश्वरजी म.सा. प्रतिवर्ष हमें पूरी सूची बनाकर भेजते आये हैं लेकिन अबकी बार वहाँ से भी प्राप्त नहीं हो सकी। हमने उपर्युक्त जो अधूरी सूची प्रस्तुत की है वह संभावित सूची ही कही जा सकती है। हमारे पास जो पत्र आये हैं एवं अन्य जगह से एकत्रित करके अधूरी सूची ही यहाँ प्रस्तुत की गयी है। साध्वियों की सूची भी प्राप्त नहीं हो सकी। यहाँ जो मख्या दी गयी है वह गत वर्ष के अनुसार अनुमानित मख्या है।

प्रिय पाठकगण अब आप ही विचार कीजिये कि 37 दिन बाद तक भी सूचियाँ हमें प्राप्त नहीं हो सके तो हम फिर क्या कर सकते हैं। हमने इस समुदाय की सूची प्राप्त करने के लिए कई पत्र दिये लेकिन हमें निराशा ही नजर आयी और न किसी पत्र-पत्रिकाओं में सूची छपी है। हमारा अन्तिम क्षण तक यही प्रयास रहता है कि हम सभी की सूचियों को सम्मिलित करें। उपर्युक्त सूची सिर्फ अनुमान से ही तैयार की गयी है भूल सुधार कर पढ़ें।—सम्पादक

## अमरेली गौशाला पांजरापोल

अमरेली-365 601 (गुजरात)

Regd under Public Trust Act No E/50 Amreli Dt 20-3 53



गन्तव्य प्राण की जानी पहिचानी और मवा बाय मे अग्रणी-पांजरापोल मस्या जहाँ गिन 56 वर्षों मे भी अविन वर्षों मे जीवन्त्या और गोमवा का बाय मुचा रूप मे होता जा रहा है। गोमवर्धन भी इन मस्या का निष्ठावत गन्तव्य बाय रहा है। इस मस्या मे अपा-अपाहिण गव बीमार पण्डा की सारा का उम्हट बाय भी अच्छी तरह देखभाल करने किया जा रहा है।

मसी गोमवा भूना और जीवदया प्रेमिया, दानवीरो, दानताशा मे हर्दिय तन्न प्रायना है कि इन अबाल, अमहाय प्राणिया की रक्षा करने के लिए हमारी सहायना कर इस मस्या का उदार दिल मे सहयोग अग्र्य प्रदान करनी कृपा करें।

ट 2950-मस्या मनेजर

3643-अध्यक्ष श्री राजान भाई मपरानका

2066-गन ट्रस्टी, श्री वेचरमार्द पटेन

विनीत—

व्यवस्थापक समिति

नोट—आयकर अधिनियम, सन 80जी (5) के अंतर्गत मस्या को दिय हुए दान की गति आयकर माफी पात्र के योग्य है।

I T Exemption No CITR/63 26/up to Date 31-3 93

## जीवन मे अत्यंत प्रेरणादायी

स्वाध्याय सध-मदरात द्वारा अथ तब प्रकाशित 40 हिंदी प्रकाशनी मे से उपलब्ध हिंदी साहित्य—

लेखक—अध्यात्मयोगी पूष श्री भद्रकर विजयजी गणिवय म सा

1 विनत को चादनी

3 परमेष्ठि नमस्कार

2 प्रतिमा पूजन

4 ममत्व योग की गाधना

लेखक—प्रवचनकार ग्ग मु श्री रत्नसेन विजयजी म

1 जीवन की मगन यात्रा

8 रिमिनिम रिमिनिम जन्मृत वरम

2 महाभारत की हमारा सम्प्रति भाग 1

9 अत्रिवा प्रम दशन की प्यामी

3 महाभारत की हमारा सम्प्रति भाग 2

10 तब चमक उठेगी युवा पीढ़ी

4 गान मुधारम रिता विवेचन भाग 1

11 तब आसु भी मोती का ताने है

5 गान मुधारम रिता विवेचन भाग 2

12 युवा मदद

6 रामायण मे सम्प्रति का अमर मदद-भाग 1

13 जीवन निमोण विशेषता

7 रामायण मे सम्प्रति का अमर मदद-भाग 2

14 शानक जानने दशन (प्रम म)

प्राप्ति स्थान—

कान्तिनाथ मुण्डत

106 रामगढ़-आपूर्वदिव होंपोटन क पार

रनराम (मप्र) 457001

काकराम पाल्तेरवा

द्वारा-गणाराम मुलतानमल

मुपो गनी जिलापाली (राज) 306 115

आगमोद्धारक आचार्य प्रवर श्री सांगरानन्द सूरेश्वरजी  
म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख (वडील) गच्छाधिपति:—  
सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर  
श्री दर्शन सागर सूरेश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (144) मुनिराज (106) साध्वियाँजी (683) कुल ठाणा (789)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. पायधुनी-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर  
श्री दर्शनसागर सूरेश्वरजी म.सा.

2. पन्यास श्री चन्द्रानन सागरजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र—श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जैन देरासर,  
पायधुनी, विजयवल्लभ चौक, गुलाल वाड़ी के  
नाके पर, बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)  
फोन न 3713156-3760639

2. मोटागांव (राजस्थान)

आचार्य श्री सूर्योदय सागर सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, जैन मंदिर  
मु.पो. मोटागांव जिला डूंगरपुर (राजस्थान)

3. पालीताणा (गुजरात)

आचार्य श्री नरेन्द्र सागर सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—शासन कटकोद्धारक जैन ज्ञान मंदिर  
गिरिराज सोसायटी, पालीताणा-364270  
(सौराष्ट्र) (गुजरात)

4. मन्दसौर (मध्यप्रदेश)

1. आचार्य श्री यशोभद्र सागर सूरेश्वरजी म.सा.

2. पन्यास श्री चन्द्रणेश्वर सागरजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री आदिनाथ जैन पोरवाल जैन संघ  
जैन मंदिर (उपाश्रय) मु.पो. मन्दसौर-458002  
(मध्यप्रदेश)

5. पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री जितेन्द्र सागर सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, वीतराग  
सोसायटी, प्रभुदास ठक्कर कालेज रोड,  
पालडी-अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

6. बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री नित्योदय सागर सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—सेठ जवेरचन्द प्रतापचन्द्र जैन उपाश्रय,  
101 न्यू इन्द्र भवन, बालकेश्वर रोड  
बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)

7. इन्दौर (मध्यप्रदेश)

उपाध्याय श्री कनकमागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, पीनली बाजार  
जैन आराधना केन्द्र, मु.पो. इन्दौर-452002  
(मध्यप्रदेश)

8. नवसारी (गुजरात)

उपाध्याय श्री प्रमोदसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री जैन उपाश्रय, जवेरी सड़क

महावीर नगर-नवमारी-396445 (गुजरात)

- 9 नरोडा-अहमदाबाद (गुजरात)  
उपाध्याय श्री नामसागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय, नरोडा राट,  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 10 भायखना-बम्बई (महाराष्ट्र)  
उपाध्याय श्री नरनसागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-नेट मर्लीगा जैन दासरा, 180 मर्लीगा  
जैन, भायखना, बम्बई-400027 (महाराष्ट्र)
- 11 पालीताणा (गुजरात)  
उपाध्याय श्री नरदवसागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-सावित्राय भवन, जैन धर्मशाला, तनेटी राट  
पालीताणा (महाराष्ट्र) (गुजरात) 364270
- 12 पोंडेल (गुजरात)  
उपाध्याय श्री पुष्पायसागरजी म सा  
आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन मूर्ति उपाध्याय, मृषा गाडल  
जिना गजराट (गुजरात) 360311
- 13 पालीताणा (गुजरात)  
पदाम श्री आवाससागरजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पक सूत्र-श्री जवहीर जैन देवरा पर्वी, आगम  
मंदिर के पीछे, पालीताणा-364270 (गुजरात)
- 14 गडुमिवाना (राजस्थान)  
पदाम श्री निम्नम सागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री तपानचंद जैन उपाध्याय  
मुषी गडुमिवाना, स्टेसन बसतिरा,  
जिना बाडेसर (राजस्थान) 343044
- 15 बाणसा (गुजरात)  
पदाम श्री कल्याण सागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय राणिवेवाड  
मुषा बाणसा जिना महाना  
(गुजरात) 384220
- 16 बादिवनी-बम्बई (महाराष्ट्र)  
पदाम श्री मंगलसागरजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय मंगलसर नगर, तनरी  
बादिवनी (बम्बई) बम्बई-400067 (महाराष्ट्र)
- 17 बपडवरा (गुजरात)  
पदाम श्री निम्नम सागरजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पक सूत्र-श्री मंडाबाई गुलाबचंद जैन उपाध्याय  
दासरावाडा, मुषी बपडवरा, जिना छेडा  
(गुजरात) 387620
- 18 इन्दौर (मध्यप्रदेश)  
उपाध्याय श्री तनर रत्न सागरजी म सा  
गणि श्री निम्नमसागरजी म सा  
गणि श्री हेमचन्द्रसागरजी म सा आदि ठाणा (10)  
सम्पक सूत्र-श्री अर्जुनगिरि जैन उपाध्याय, 52 महाराज  
मार्ग, पाली बाजार, इंदौर-152002 (मध्य)
- 19 सायन-बम्बई (महाराष्ट्र)  
गणि श्री जिनलसागरजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय, सायन ह्यामिलन क  
सायन, जैन शास्त्रापीठा सायन (बम्बई)  
बम्बई-400022 (महाराष्ट्र)
- 20 पालीताणा (महाराष्ट्र)  
श्री अमरेंद्रसागरजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-अमर सायन, गिरिराज मीनामटा  
तनेटी राट, पालीताणा 364270 (गुजरात)
- 21 बामनगर (गुजरात)  
श्री अरविंद सागरजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-जैन उपाध्याय देवरा राधो आश्रम  
बामनगर (गुजरात) 361001
- 22 आलोड (मध्यप्रदेश)  
श्री जयधोसागरजी म सा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री जैन उपाध्याय बाघी राट मुषा बानोड  
जिला रतनाम (मध्य)
- 23 मूरत (गुजरात)  
श्री नरनसागरजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-बाडोना उपाध्याय के पीछे मुनी बदास  
गोरीपुत्र मूरत-395001 (गुजरात)
- 24 रतनाम (मध्यप्रदेश)  
श्री बमनसागरजी म सा आदि ठाणा  
सम्पक सूत्र-गुजराती उपाध्याय बजायाना तनार  
(मध्य) 457001

25. बंकोड़ा (राजस्थान)

श्री नित्यवर्धन सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मृ.पो. बंकोड़ा  
जिला डूंगरपुर (राजस्थान) 314023

26. मुरेन्द्रनगर (गुजरात)

श्री नावण्य सागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरामर, थोमण  
मार्ग अमीररा चौक मुरेन्द्रनगर-363001  
(गुजरात)

27. बोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री केवलयसागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री शंखेश्वर पाण्डनाथ जैन देरामर  
दौलतनगर बोरीवली (पूर्व) बम्बई-400066  
(महाराष्ट्र)

28. वख़ाद (गुजरात)

श्री मुधर्मसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, मृ.पो. वख़ाद  
जिला गार्धनिगर (गुजरात)

29. अहमदाबाद (गुजरात)

श्री कीर्तिवर्धन सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री भट्टा नौ वारी, वीर नौ उपाश्रय,  
रीची रोड, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

30. अहमदाबाद (गुजरात)

श्री पूर्णानन्दसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री नारायणपुरा जैन उपाश्रय,  
नारायणपुरा, अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

31. नलखेड़ा (मध्यप्रदेश)

श्री अपूर्णरत्नसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मृ.पो. नलखेड़ा बाया  
रतलाम (मध्यप्रदेश)

32. विलेपार्ली-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री जितरत्नसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-महामुख भवन, जैन उपाश्रय, सरोजिनी  
नायडू रोड, Opp. विजला बैंक, विलेपार्ली  
(वेस्ट) बम्बई-400056 (महाराष्ट्र)

33. पायधुनी-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री दिव्यानन्द सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री नेमीनाथ जैन उपाश्रय, पायधुनी,  
बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)

34. मरीन ड्राईव-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री दिव्य रत्नसागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-पाटण मण्डल, जैन उपाश्रय, पाटण  
मण्डल चिल्ड्रन, एफ रोड, मरीन ड्राईव  
बम्बई-400020 (महाराष्ट्र)

35. मधुवन (बिहार)

श्री न्यायवर्धन सागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-जैन ध्वेताम्बर धर्मशाला, मृ.पो. मधुवन  
स्टेशन पारमनाथ, जिला हजारी बाग (बिहार)

साध्वीजी समुदाय

36. साध्वी श्री रेवन्श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, नगर सेठ नौ बंडो घी कांटा  
रोड, जैन कालोनी, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)

37. साध्वी श्री मृगेन्द्रश्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-लिम्बड़ा नौ उपाश्रय, माली फलीयु  
गोपीपुरा, सूरत-395002 (गुजरात)

38. साध्वीश्री निरूपमा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-स्वस्तिक अपार्टमेंट्स, खानपुर बाय सेटर  
अहमदाबाद-(गुजरात)

39. साध्वी श्री निर्जरा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-अमीरीबाई का उपाश्रय, कायस्थ  
मोहल्ला, गोपीपुरा, सूरत-395002 (गुज.)

40. साध्वी श्री निरंजनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-भूलीबाई नौ उपाश्रय, गिरधर नगर,  
शाहीबाग, अहमदाबाद-380004 (गुजरात)

41. साध्वी श्री गुणोदया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन ध्वेताम्बर कोठी, मृ.पो. बिहार सरीफ  
पावापुरी बाया नवादा (बिहार) 803115

42. साध्वीश्री रिपुजीता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-निबड्यापनो उपाश्रय, माली फलीया  
गोपीपुरा, सूरत-395002 (गुजरात)



- 43 માધ્વી શ્રી સમ્યક્ શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-ગાંધી જિલ્લા આસ્ટમટમ, રાજી વા મળન  
માર્ગપુરા, મુરત (ગુજરાત)
- 44 માધ્વી શ્રી સમ્યક્ શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-જેન ઉપાધ્યય, મમાગર, ગડગર રાઢ,  
અહમદાબાદ- (ગુજરાત)
- 45 માધ્વી શ્રી મુવાશ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-માર્ગ 14 મુલન ધમણાલા ગરદી રાઢ  
પાલોપાળા (ગુજરાત)
- 46 માધ્વી શ્રી પ્રામ પુવા શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-શ્રી રાનન શ્રી ના ઉપાધ્યય મગન  
પાગડ ના શ્રાવ, ધાદુ, અહમદાબાદ 380001  
(ગુજરાત)
- 47 માધ્વી શ્રી મનાતા શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-માર્ગ પાવ 1 મના, ગિરિ રાઢ  
અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 48 માધ્વી શ્રી મુલધાશ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-જેન ઉપાધ્યય, માટા રાણાવાઢ,  
મુવા. જાણત્મા જિલ્લા મેહુલાળા  
(ગુજરાત) 384220
- 49 માધ્વી શ્રી જેષ્ઠા શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-શ્રી જેન ઉપાધ્યય, મુવા લાકાલા (મ.)
- 50 માધ્વી શ્રી વૈદ્ય શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-શ્રી શ્રાવિકા ના ઉપાધ્યય, દાનત નગર,  
વાગીના (ગુ.) ચમ્બઈ-400066 (મહા.)
- 51 માધ્વી શ્રી રાજા શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-શ્રી માત આર્ષાવ જેન દરામર નપિયન મી  
રાત ચમ્બઈ 400006 (મહારાષ્ટ્ર)
- 52 માધ્વી શ્રી પ્રામગાંધી શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-માર્ગ 14 મુલન ધમણાલા ગરદી રાઢ
- 53 માધ્વી શ્રી મુવાશ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-માર્ગ 14 મુલન ધમણાલા ગરદી રાઢ  
પાલોપાળા (ગુજરાત) 380007
- 54 માધ્વી શ્રી હિત શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-જેન ઉપાધ્યય, 1 માલા, જાનપુર વાય મટર  
અહમદાબાદ- (ગુજરાત)
- 55 માધ્વી શ્રી વિનીન યાત્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-માર્ગ 14 મુલન ધમણાલા ગરદી રાઢ  
પાલોપાળા 364270- (ગુજરાત)
- 56 માધ્વી શ્રી વિવ્યક્તા શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-જેન ઉપાધ્યય, મુવા બદનાબર, જિલ્લા-  
ધાર (મમ્મકદગ) 454660
- 57 માધ્વી શ્રી મુવાશ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-આમર મદિર રાઢ રાઢ  
પાલોપાળા 364270 (ગુજરાત)
- 58 માધ્વી શ્રી ગરદી શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-માર્ગ 14 મુલન ધમણાલા ગરદી રાઢ  
પાલોપાળા 380007 (ગુજરાત)
- 59 માધ્વી શ્રી મુવાશ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-શ્રી રાનિતાવ પિમનતાલ રોહાન  
રગત ન 4 મમનય ગરદી રાઢ,  
અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 60 માધ્વી શ્રી ગુવાશ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-શ્રી ગરદી મુવા માણેર ના વગત  
પાનપુર ધાદી પેટર માણપુર, અહમદાબાદ (ગુજ.)
- 61 માધ્વી શ્રી મુવાશ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-શ્રી જેન ઉપાધ્યય, મુવા જોરાબર નગર  
ગાવા જિલ્લા મુલનગર (ગુજરાત) 363020
- 62 માધ્વી શ્રી માળાનના શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-પારમ માળાનના, ગીનલનાથ દરામર,  
વગત ન 47 મહોલા (ગુજરાત) 390006
- 63 માધ્વી શ્રી નિવાનના શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-જેન ઉપાધ્યય, મુવા રામપુરા ગાવા  
વિરમગાવ મેળન મહાડા (ગુજરાત)
- 64 માધ્વી શ્રી રાનનાશ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-માર્ગ 14 મુલન ધમણાલા ગરદી રાઢ  
પાલોપાળા (ગુજરાત)
- 65 માધ્વી શ્રી નિવાનના શ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-શ્રી શ્રાવિકા જેન દરામર પટ્ટી, મુવા  
ગોધરા, જિલ્લા પચમહાલ (ગુજરાત) 389001
- 66 માધ્વી શ્રી મુલધાશ્રીજી મમા આદિ ઠાળા  
મમ્મક મૂન-જેન ઉપાધ્યય, મુવા રામ મેળન વોમહાલ  
જિલ્લા જોનારાઢ (ગજસ્થાન)

69. साध्वी श्री आत्मजया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-देवास फ्लेट्स, गुप्ता नगर, वस स्टाप के  
पास, सरखेज रोड, अहमदाबाद-380055  
(गुजरात)
68. साध्वी श्री विजेता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-हीरा भुवन, मामलतदार वाड़ी,  
श्री वासुपूज्य स्वामी जैन, देरासर के सामने  
मलाड (वेस्ट) बम्बई-400064 (महाराष्ट्र)
69. साध्वी श्री नयपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, नरोडा रोड  
नरोडा, अहमदाबाद (गुजरात)
70. साध्वी श्री रक्षित पूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन देरासर, मु.पो. चोरवड़  
जिला जूनागढ़ (गुजरात) 362250
71. साध्वी श्री निर्वेदश्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री शाखेण्वर पार्श्वनाथ जैन देरासर,  
चंदेर रोड, सूरत-395002 (गुजरात)
72. साध्वी श्री मृगलक्ष्मा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन देरासर पेढी, मु.पो. महुआ बन्दर  
(सौराष्ट्र)
73. साध्वी श्री मोहजीता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, काली घोरी, मु.पो. कूड़ी  
वाया कलोल, जिला अहमदाबाद
74. साध्वी श्री मोक्षरता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-देवकीनन्दन सोसायटी, जैन उपाश्रय  
अहमदाबाद-380014 (गुजरात)
75. साध्वी श्री प्रणमधरा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-दादा साहेब, काला नाला,  
भावनगर-364001 (गुजरात)
76. साध्वी श्री जयरेखा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-भक्ति विहार, तलेटी रोड,  
पालीताणा-364270 (गुजरात)
77. साध्वी श्री भाग्योदया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-वल्लभ विहार, तलेटी रोड  
पालीताणा-364270 (गुजरात)
78. साध्वी श्री नयस्ना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-पद्मावती सोसायटी, नरोडा-अहमदा-  
बाद (गुजरात)
79. साध्वी श्री कल्पगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, मु.पो. बाजना जिला  
रतलाम (म.प्र.) 457555
80. साध्वी श्री नितीप्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, रामोल जनता नगर  
अहमदाबाद- (गुजरात)
81. साध्वी श्री तत्त्वत्रया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री लालभाई पारेख नो बगलो Opp.  
वी एस दवाखाना, एलीस ब्रीज  
अहमदाबाद-380006 (गुजरात)
82. साध्वी श्री हितोदया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-तीर्थरजन विहार, शाहपुर वाय सेटर  
अहमदाबाद- (गुजरात)
83. साध्वी श्री सुधर्मा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. करबरीया तालुका  
वडनगर, जिला मेहसाणा (गुजरात) 384355
84. साध्वी श्री जितेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, चार रास्ता, नारायणपुरा  
अहमदाबाद-380014 (गुजरात)
85. साध्वी श्री निर्मला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-आराधना भवन नारायणपुरा  
चार रास्ता, अहमदाबाद-380014 (गुजरात)
86. साध्वी श्री पूननिन्द श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-शिल्पा सोसायटी, डी केशिन साबरमती,  
अहमदाबाद-380005 (गुजरात)
87. साध्वी श्री कल्पजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-शीतल कुज सोसायटी, रामनगर साबरमती  
अहमदाबाद-380005 (गुजरात)
88. साध्वी श्री प्रणमगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-वल्लभ सोसायटी, घीया नगर,  
पामे, नरोडा अहमदाबाद (गुजरात)
89. साध्वी श्री महानन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-नीरव फ्लेट्स, माणक बाग, आवावाड़ी  
अहमदाबाद-380006 (गुजरात)
90. साध्वी श्री रवीरमदा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-लालबाई नो उपाश्रय, माली फलीचा,  
गोपीपुरा, सूरत-395003 (गुजरात)

- 91 साध्वी श्री लक्ष्मीनाथ श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-जैन मंदिर उपाधय मुपा टीटोई बाया  
माढामा, जिला बनमवाडा (गुज) 383250
- 92 साध्वी श्री ध्यान धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री गुणलिया ना जैन उपाधय, बाता बाजार  
मुपा रतलाम (मप्र) 457001
- 93 साध्वी श्री लक्ष्मीनाथ श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री मुन्दरबाई उपाधय, पीपरी बाजार  
इंदौर-452002 (मप्र)
- 94 साध्वी श्री विनय धमा श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-दमाड फर्माया, माता बाजार,  
मुपा अक्लेश्वर जिला मन्च (गुजरात)
- 95 साध्वी श्री मुहुता श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-आगम मंदिर, तनटी राड, पालोताणा  
(गुजरात) 364270
- 96 साध्वी श्री प्रिय धमा धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-आगम मंदिर, तनटी राड, पालोताणा  
(गुजरात) 364270
- 97 साध्वी श्री अमिन गुणा श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री जैन उपाधय, साबरमती, तमनगर  
अहमदाबाद-380005
- 98 साध्वी श्री चान्द्रनाथ धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-जैन दरगम, श्वे जैन मंदिर,  
आकोला (महाराष्ट्र)
- 99 साध्वी श्री जय वपा श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-मुलवा अवाटमटम, रतिलाग ठवर माय  
गीच राड, बालेश्वर बम्बई 400806 (महाराष्ट्र)
- 100 साध्वी श्री सुनाक्षता धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-जैन उपाधय, मुपा बेजलपुर स्टेशन  
खरगोलिया, जिला पंचमहाल (गुजरात)
- 101 साध्वी श्री विदित रत्ना धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री जैन उपाधय, दादलमन राड,  
मुपा दाहोद, जिला पंचमहाल (गुज) 389151
- 102 साध्वी श्री प्रमोदनाथ धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-जैन उपाधय, दादलमन राड, दादलमन  
बालेश्वर राड बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)
- 103 साध्वी श्री प्रमोदनाथ धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-धम वपा बिलिंग, जूना नागरनाथ राड  
अधेरी (पूर्व) बम्बई-(महाराष्ट्र)
- 104 साध्वी श्री प्रमोदनाथ धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री मणोदय पादनाथ तगर नहर राड,  
मुलुख वेड बम्बई-100081 (गुजरात)
- 105 साध्वी श्री मनक धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री मुन्दरबाई मंदिराधय,  
पीपरी बाजार, इंदौर-452002 (मप्र)
- 106 साध्वी श्री विनय धमा श्रीजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-दमाड फर्माया, तनटी राड  
पालोताणा (गुजरात) 364270
- 107 साध्वी श्री निरुपमा धाजी म सा आदि ठाणा  
साध्वी श्री मुनादना धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-मानी मुदाया ती धमशाला  
पालोताणा (गुजरात) 364270
- 108 साध्वी श्री यशोधरा धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-श्री धमशाला धाजी म सा आदि ठाणा  
पालोताणा गुजरात) 364270
- 109 साध्वी श्री तिलक धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-मंदिर विहार धमशाला,  
पालोताणा (गुजरात) 364270
- 110 साध्वी श्री शुभकरा धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-धमशाला विहार धमशाला, पालोताणा  
(गुजरात) 364270
- 111 साध्वी श्री जालप्रभा धाजी म सा आदि ठाणा  
साध्वी श्री चन्द्रप्रभा धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-दहारी नियास धमशाला  
पालोताणा (गुजरात) 364270
- 112 साध्वी श्री निरुपमा धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-त्रिपाटी भवन, आरे राड, गारगाव  
(वेस्ट) बम्बई-400062 (महाराष्ट्र)
- 113 साध्वी श्री आलम्पना धाजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न मूल-जैन उपाधय पतनगर, बिलिंग  
न 111, पादनाथ (पूर्व) बम्बई 100072  
(महाराष्ट्र)

114. साध्वी श्री अमित गुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—इवासा नी पोल, नाथी श्री उपाश्रय  
अहमदाबाद (गुजरात)
115. साध्वी श्री विश्वप्रज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—गुजराती श्वे. जैन मंदिर, किनारी  
बाजार, दिल्ली-110006
116. साध्वी श्री विपुल यणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री मीठालालजी मेहता, मेसर्स निकुंज  
मेचिंग सेटर, सराफा बाजार, मु.पो. डूंगरपुर  
(राजस्थान)
117. साध्वी श्री चन्द्रयणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—  
Jain Svetamber Temple, 96, Kenning  
Street, Bipla Bihari Road,  
CALCUTTA-700001 (W.B.)
118. साध्वी श्री आत्मानन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—जन उपाश्रय, नवापुरा, मु.पो. बीलीमोरा  
(गुजरात)
119. साध्वी श्री हेमप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्रीमाली पोल, जैन देरासर  
मु.पो. भरुच शहर (गुजरात)
120. साध्वी श्री गुणोदया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन उपाश्रय, वडवा, कृष्णनगर,  
भावनगर (गुजरात)
121. साध्वी श्री स्नेहप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—भट्ट नो उपाश्रय, मु.पो. कपड़वंज  
जिला खेड़ा (गुजरात) 387620
122. साध्वी श्री विद्या श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—शासनकरकोट्टारक ज्ञान मंदिर,  
गिरिराज सोसायटी, पालीताणा (गुजरात)
123. साध्वी श्री चेलणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—गिरिविहार, धर्मशाला Opp काच  
मंदिर, पालीताणा (गुजरात)
124. साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री चपालालजी जैन, बाजार पेठ, मु.पो.  
नागठण जिला रायगढ़ (महाराष्ट्र)-402106
125. साध्वी श्री कुसुम श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री नागेश्वर तीर्थ पेढी मु.पो. नागेश्वर  
तीर्थ स्टेशन उन्हेल, जिला झालावाड़ (राज.)
126. साध्वी श्री कारुणोदया श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, मु.पो. हाड़ेचा जिला  
जालीर (राज.)-347027
127. साध्वी श्री सौम्य यशा श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—आराधना भवन, शातिलाल मोदी मार्ग,  
ईरानी वाड़ी, कांदिवली (वेस्ट) बम्बई-  
400067 (महा.)
128. साध्वी श्री सौम्य वदना श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन श्वे. मंदिर, सदर बाजार, मु.पो.  
छोटी सादड़ी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)
129. साध्वी श्री विनय प्रभा श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—अमरी वाई धर्मशाला, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात)
130. साध्वी श्री सूर्योदया श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर मु.पो. सैलाना  
जिला रतलाम (म.प्र.)-457550
131. साध्वी श्री धैर्यता श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर मु.पो. मोटागाँव वाया  
उदयपुर मेवाड़, जिला बासवाड़ा (राज.)
132. साध्वी श्री विमल प्रभाजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय मंदिर मु.पो. पीपलोन  
स्टेशन तानोड़िया, जिला शाजापुर (म.प्र.)-  
465444
133. साध्वी श्री दमिता श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री मिश्रीलाल कुमठ, कुमठ निवास, मु.पो.  
पिपल्यामडी जिला मन्दसौर (म.प्र.) 458664
134. साध्वी श्री विश्व प्रज्ञा श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—श्री मोर्ताशा, जैन मंदिर, 180 मोर्ताशा-  
लेन, भायकला-बम्बई (महा.)-400027
135. साध्वी श्री प्रिय दर्शना श्री जी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, जैन सोसायटी सायन  
होस्पिटल के सामने, सायन (वेस्ट) बम्बई-  
400022 (महा.)

- 10 अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री गजबन्त विजयजी ममा आदि ठाणा (1)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय मुपा ना पान, मदन  
माताप इवती गज अहमदाबाद 360001 (गुज)
- 11 अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री बानि विजयजी ममा आदि ठाणा (2)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय बाजमी पान, पीवगज  
पाव के पाव अहमदाबाद 380001 (गुज)
- 12 तारणा तीथ (गुजरात)  
श्री अनुपम विजयजी ममा आदि ठाणा (3)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय मुपा नाग, तीथ (गुज)  
साध्विपाजी समुदाय
- 13 साध्वी श्री मजुना श्रीजी ममा आदि ठाणा (3)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय बानि ना जैन उपाधय  
मिणीपो ना वाम मुपा निरोही (गुज)
- 14 साध्वी श्री मुदतनाथजी ममा आदि ठाणा (13)  
मन्मथ मूल-श्री ज्ञानीनाथजी जैन धर्मशास्त्रा,  
मानागम स्मृति उदकपुर (राज) 313001
- 15 साध्वी श्री चन्द्रादयाजी ममा आदि ठाणा (7)  
मन्मथ मूल-श्री पादटपाव नी गा 342/8  
हरप भवन 15 अगस्त मास सोमवार पठ,  
पूना मिटी (मरा) 411002
- 16 साध्वी श्री चारित्र्य पूर्ण श्रीजी ममा आदि ठाणा (12)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय, मुपा मानवाहा जिना  
जातौर (गजस्थान)
- 17 साध्वी श्री मयमपूर्णा श्रीजी ममा आदि ठाणा (7)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय मुपा शरत बाबा वामरा  
जिना जातौर (गजस्थान)-रा343025
- 18 साध्वी श्री चरित्रार्थीनी ममा आदि ठाणा (2)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय मुपा निरोही (गज)
- 19 साध्वी श्री वीनिप्रभा श्रीजी ममा आदि ठाणा (4)  
मन्मथ मूल-श्री ह्यद भाई जे गा 8/8- वर्धमान  
पलेट, मोटा डेरामर के पीछे, मुपो बनारसाव  
जिना मूलन (गुजरात)
- 20 साध्वी श्री मजुना श्रीजी ममा आदि ठाणा (2)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय मुपा मन्मथीपुर जिना  
नाथनगर (गजस्थान)
- 21 साध्वी श्री मजुम प्रमथीजी ममा आदि ठाणा (2)  
मन्मथ मूल-जैन मन्मथ उपाधय, बिनामहा जिना  
मन्मथ (मरा)
- 22 साध्वी श्री मजुमाताथीजी ममा आदि ठाणा (3)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय मुपो बाना जिना ममा  
(मरा)
- 23 साध्वी श्री मजुमथीजी ममा आदि ठाणा (4)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय, मुपो बुबाता मजुमा  
निभादर, जिना बनारसाव (गुजरात)
- 24 साध्वी श्री ज्योतिपूजा श्रीजी ममा आदि ठाणा (3)  
मन्मथ मूल-श्री जैन उपाधय, मुपा, विजोदर-  
जिना बनारसाव (गुजरात) 385320
- 25 साध्वी श्री गुणदयाजी ममा आदि ठाणा (4)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय मुपा राममेन बाबा जनेरा  
जिना बनारसाव (गुजरात)
- 26 साध्वी श्री जीवमाता श्रीजी ममा आदि ठाणा (3)  
मन्मथ मूल-जैन धर्मशास्त्रा, टी आई टी नो  
रतनाम 457001 (मरा)
- 27 साध्वी श्री शम्भुपूजा श्रीजी ममा आदि ठाणा (4)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय, मुपो बानापुरा बाना  
जमनपुरा, जिना जातौर (राज)
- 28 साध्वी श्री मजुमा श्रीजी ममा आदि ठाणा (2)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय, मुपो जावाल, जिना  
मिगडी (गजस्थान)  
अहमदाबाद शहर विभाग
- 29 साध्वी श्री वर्मन् श्रीजी ममा आदि ठाणा (5)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय मन्मथ ना बाडा, गिनिक रोड  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 30 साध्वी श्री जयन्तीजी ममा आदि ठाणा (6)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय जगतचर की लडरी,  
दाया बाडा नी पान, अहमदाबाद (गुजरात)
- 31 साध्वी श्री चरित्रार्थीजी ममा आदि ठाणा (11)  
मन्मथ मूल-जैन उपाधय पंचमार्गनीपान, अहमदाबाद  
(गुजरात)

32. साध्वीश्री बिमला श्री जी म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय शातिनाथ नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  33. साध्वीश्री अनिलप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय धन्नासुतार नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  34. साध्वीश्री चन्द्रप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कमुंवावाड, अहमदाबाद  
(गुजरात)
  35. साध्वीश्री प्रवीणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, श्री सिमंधर स्वामी नी  
खडकी, दोशीवाडा नी पोल, अहमदाबाद  
(गुजरात)
  36. साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, चौमुखजी नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  37. साध्वीश्री कनकप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, वाघणपोल, अहमदाबाद  
(गुजरात)
  38. साध्वीश्री सूर्ययशा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, गिल्यालय, वासणा,  
अहमदाबाद (गुज.)
  39. साध्वीश्री पूर्णकला श्रीजी म.सा आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, शातिनाथ नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  40. साध्वीश्री प्रसन्नप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, दोशीवाडा नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  41. साध्वीश्री सूरजप्रभा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जूनो महाजन वाडो,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  42. साध्वीश्री गुणपूर्णा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, चौमुखजी नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  43. साध्वीश्री शीलगुणाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, दोशीवाडा नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  44. साध्वीश्री यशप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय श्री सिमंधर स्वामी नी  
खडकी, अहमदाबाद (गुजरात)
  45. साध्वीश्री पदम प्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कल्याण सोसायटी  
अहमदाबाद (गुजरात)
  46. साध्वीश्री रत्नकलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय श्री शातिनाथजी की पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  47. साध्वीश्री रत्नप्रभाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, सावरमती, रामनगर  
अहमदाबाद (गुजरात)
  48. साध्वीश्री कीर्तिपूर्णा श्री जी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मंगल पारेख नो खांचो  
शाहपुर अहमदाबाद (गुजरात)
  49. साध्वीश्री आर्ययशा श्रीजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कुवा वाली पोल, शाहपुर,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  50. साध्वीश्री सूरलता श्रीजी म.सा. ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, तलिया नी पोल सारंगपुर,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  51. साध्वीश्री पुष्पलता श्रीजी म.सा आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, चौमुखजी नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
  52. साध्वीश्री अक्षय रत्नाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—अहमदाबाद शहर में (गुजरात)
  53. साध्वीश्री सुव्रतप्रभाश्रीजी म.सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—गुजरात सोसायटी महालक्ष्मी रोड,  
पालंडी अहमदाबाद (गुजरात)
  54. साध्वीश्री चन्द्रा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, शातिनाथजी नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 
- कुल चातुर्मास (54) मुनिराज (34) साध्विर्याजी (190)  
कुल ठाणा (224)
- 
- समुदाय में विद्यमान हैं—गच्छाधिपति (1) आचार्य (6)  
गणि (1)
- 
- इस वर्ष नई दीक्षाएँ हुईं—मुनिराज एक, साध्वियाँ एक  
इस वर्ष महाप्रयाण हुए—मुनिराज एक, साध्वियाँ चार
- 
- गत वर्ष 1991 में विद्यमान थे—मुनिराज (30) साध्वियाँ  
(206) कुल ठाणा (236)

जय ज्ञानंद

जय ज्ञानंद

जय ज्ञानंद

धर्मग मधील पुत्र गच्छेन पत्राव धी स्यात्तालजा ७ मगा, मरागत्रा थी गात्राम्य मुनिजी मगा 'पुमुद आदि  
ठाणाजो वा लावा गदा' गद म परम विदुषी महामनी थी पमगुच्छे जी मगा (मिवाट प्रथम) आदि ठाणाजा वा  
नाथदाग म गा निदुषी महामनी थी गमगुच्छे जी मगा 'अदि ठाणाजा वा गात्रा गदन १ ठाणुद्राम्य-वन्द्य म  
मत् 1992 या चानमणि मानद ममय जन की मगय रामनाजा गहित-

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

फोन नं 2618632

**SATYAM****ELECTRICAL & HARDWARE STORES**

Dealers of All Electric &amp; Hardware Accessories

17, Dwarkadas Lane, Modi Street, Fort

BOMBAY-400001 (M H)



Tel No 6051355

**AMBIKA PLYWOOD**Com Plywood, Laminates Sheets C P Teakwood Venniar  
Marin Plywood & Hardware Material EtcCanpal Apts Shop No 2, 177 Lokmanya Tilak Road,  
BORIVLI (East) BOMBAY-400092 (M H)

Tel-No 6054930

**AMBIKA TIMBER MART**Shreyansh Bldg Shop No 2, Carter Road No 9,  
BORIVLI (East) BOMBAY-400092

Tel No 6063315

**AMBIKA TIMBER CO.**Shnehal Bldg Carter Road No 5  
BORIVLI (East) BOMBAY-400092

—शुभेच्छक—

देवीलाल रूपलाल, मागीलाल, विरेन्द्रकुमार जंटा

(मोलेला मेवाट वाले) बम्बई

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:-  
गच्छाधिपति परमार क्षत्रियोद्धारक, जिनशासन  
प्रभावक, मधुर वक्ता, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय  
इन्द्र दिन्न सूरीश्वरजी म. सा. ।

कुल चातुर्मास (57) मुनिराज (47) साध्वियाँ (209) कुल ठाणा (256)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. सादड़ी-मारवाड़ (राजस्थान)

1. गच्छाधिपति परमार क्षत्रियोद्धारक, जिन  
शासन प्रभावक, मधुर वक्ता, आचार्य प्रवर  
श्रीमद् विजय इन्द्र दिन्न सूरीश्वरजी म.सा.
2. महाप्रभावी पन्यास श्री वसंत विजयजी म.सा.
3. कार्यक्षम पन्यास श्री जगच्चन्द्र विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (13)

सम्पर्क सूत्र-सेठ श्री धर्मचन्द्र दयाचन्द्र जैन पेढी  
जैन न्याति नोहरा, मु.पो. सादड़ी-मारवाड़  
जिला पाली (राजस्थान) 306702

2. अहमदाबाद (गुजरात)

1. सर्वधर्म समन्वयी आचार्य श्री विजय जनकचन्द्र  
सूरीश्वरजी म.सा.
2. श्रुत भास्कर श्री धर्मचरवर विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री लूणासावाड़ा जैन उपाश्रय  
मोटी पोल के सामने, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)

3. बड़ौदा (गुजरात)

पन्यास श्री रत्नाकर विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री आत्मानन्द जैन उपाश्रय,  
जानी शेरी, बड़ियाली पोल,  
बड़ौदा (गुजरात) 390001.

4. जोधपुर (राजस्थान)

1. पन्यास श्री नित्यानन्द विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-जैन धर्म क्रिया भवन,  
आहोर की हवेली के पास, खैरातियों का वास,  
मु.पो. जोधपुर (राजस्थान) 342001

5. राणी स्टेशन (राजस्थान)

1. पन्यास श्री वीरेन्द्र विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री गतिनाथ श्वे. मूर्ति पेढी, जैन मंदिर  
मु.पो. राणी स्टेशन-306115 जिला पाली  
(राजस्थान)

6. सेवाड़ी (राजस्थान)

- गणिवर्य श्री जयंत विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन देव स्थान पेढी,  
मु.पो. सेवाड़ा, जिला पाली-306704 (राज.)

7. बड़ौदा (गुजरात)

- श्री चन्द्रोदय विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-25, शिव कृपा सोमायटी, माजलपुर,  
लालबाग रोड, बड़ौदा (गुजरात) 390001

8. अहमदाबाद (गुजरात)

- श्री हीर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री आत्मबल्लभ उमंग स्वाध्याय मंदिर,  
नावरमती, अहमदाबाद (गुजरात) 380005





28. साध्वी श्री कमलप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्रमणी विहार, रुम नं. 25, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात) 364270
29. साध्वी श्री रंजन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन इवेताम्बर मूर्तिपूजक मंदिर,  
रायकोट, जिला लुधियाना (पंजाब)
30. साध्वी श्री जगत श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—महिला जैन उपाश्रय, मु.पो. सेवाड़ी  
जिला पाली (राजस्थान) 306707
31. साध्वी श्री कमलप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
साध्वी श्री निर्मला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—सेठ धर्मचन्द दयाचन्द पेढी, जैन न्याति  
नौहरा, मु.पो. सादड़ी मारवाड़-306702  
जिला पाली (राजस्थान)
32. साध्वी श्री दर्शनप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्रमणी विहार, तलेटी रोड,  
मु.पो. पालीताणा (गुजरात) 364270
33. साध्वी श्री दर्शन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—बीसा श्रीमाली देरावासी महाजन,  
मु.पो. डगारा कच्छ, जिला भुज (गुजरात)
34. साध्वी श्री चरण श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—हजारी निवास, तलेटी रोड, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
35. साध्वी श्री पद्मलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—सेठ नवलचन्द पेढी, गुजराती कटला,  
पाली मारवाड़ (राजस्थान) 306401
36. साध्वी श्री समयज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—वाणिया जेरी, जैन उपाश्रय,  
मु.पो. जंबूसर, जिला भरुच (गुजरात)
37. साध्वी श्री सुमति श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री सुमेर-टाँवर जैन संघ, 108 सेठ  
मोतीशा लेन, भायमला बम्बई-400010  
(महाराष्ट्र)
38. साध्वी श्री सुमंगला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (22)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन धर्मशाला, लखारा बाजार,  
मु.पो. जोधपुर (राजस्थान) 342001
39. साध्वी श्री सुव्रता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन श्रीसंघ 2/82 रुपनगर  
दिल्ली-110006
40. साध्वी श्री नरेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री चन्द्रप्रभ जैन देरासर पेढी, पांडु पाटिल  
पोल, जयप्रकाश रोड, अन्धेरी (वेस्ट)  
बम्बई-400058 (महाराष्ट्र)
41. साध्वी श्री यशकीर्ति श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—थोव की वाडी उपाश्रय, देहली गेट बाहर,  
अल्का होटल रोड, गुरुद्वारा के पीछे,  
मु.पो. उदयपुर (राजस्थान) 313001
42. साध्वी श्री लक्ष्मणो श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—राजस्थान में योग्य स्थल
43. साध्वी श्री चन्द्रयज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन बड़ा मंदिर, उत्तमराम स्ट्रीट,  
मु.पो. रादेर, जिला सूरत (गुजरात)
44. साध्वी श्री धर्मता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कुंथुनाथ जैन मंदिर, 38, गुजरात  
विहार, विकास मार्ग, दिल्ली-110092
45. साध्वी श्री कल्पयज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, बोहरावाडी,  
मु.पो. नागौर (राजस्थान) 304001
46. साध्वी श्री शीलपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शातिनाथ जैन तपोगच्छ संघ,  
देवचन्दनगर, मलाड़ (ईस्ट) बम्बई  
(महाराष्ट्र) 400097
47. साध्वी श्री सुमिता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पारमार क्षेत्रिय जैन समज,  
मु.पो. पावागढ़, तालुका-हालोल,  
जिला पंचमहाल (गुजरात) 389360
48. साध्वी श्री उषित प्रज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—बहनो दा उपाश्रय, मु.पो. रानी स्टेशन,  
जिला पाली (राजस्थान)
49. साध्वी श्री वनप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री दासु पूज्य स्वामी जैन देरासर,  
अनमोल दिल्लिङ, उमर पार्क, 95, भुलाभाई  
देसाई रोड, बम्बई-400036 (महाराष्ट्र)

- 50 साध्वी श्री चन्दननाथ श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—श्री ज्वेनाम्बर जैन उपाधय  
मु पो भानपुरा, जिला मन्दाणा (मध्यप्रदेश)
- 51 साध्वी श्री कीर्तिनाथ श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—भावनगर बडवा चाटा, मोर्ली फरिया न  
माधने, बीरडा जेरो, बडवा, भावनगर  
(गुजरात) 364001
- 52 साध्वी श्री दबद्व श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन ज्वे मुनिपूजन पन्नीवान गय  
मु पो गणापुर सिटी, जिला मन्दाणा माधपुर  
(उज्जयान) (W Rly)
- 53 साध्वी श्री मुरारि श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र—श्री जैन ज्वेनाम्बर तपागच्छ मय  
मु पो बालापुर, जिला जज्जारा (महाराष्ट्र)
- 54 साध्वी श्री न्ययप्रभा श्रीजी मसा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र—जैन उपाधय, जैन मंदिर  
मु पो बोसिया, स्टेशन गराठ, जिला मन्दाणा  
(मध्यप्रदेश)
- 55 साध्वी श्री प्रभा श्रीजी मसा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र—पजावी धमशाना, ननेटी राठ,  
मु पो पालीताणा जिला भावनगर  
(गुजरात) 364270
- 56 साध्वी श्री दिव्य प्रभा श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—निवृत्ति आयम, ननेटी राठ,  
मु पो पालीताणा, जिला भावनगर  
(गुजरात), 364270
- 57 साध्वी श्री रमलना श्रीजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र—श्री मामोहन पायनाथ जैन पडा  
मु पो बाबो, जिला पानी (गुजरात)
- 
- कुल चातुर्मास (57) मुनिराज (47) साध्वियों (208)  
कुल ठाणा (256)
- 
- समुदाय मे विद्यमान हैं—गच्छादिपति (1) आचार्य (2)  
पन्नाम (5) गणि (1) प्रवर्तनियों (2)
- 
- गत वष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (66) साध्वियों (225) कुल ठाणा (291)
- 
- नोट—(1) नई पीढ़ा तय महाप्रमाण सूची प्राप्त नहीं हान  
के बाप मुद्रनामक गानिका प्रस्तुत नहीं कर  
सके।
- (2) या वर की सूची दायने से जाले हाता है कि  
कई मुनिराजा तय साध्वियों की पूरी सूची  
इस पर प्राप्त नहीं हुई है।
- 
- जन पत्र-संस्कार—(1) विजयानन्द (मानिक हिन्दी)  
लुधियाना
- (2) चन्द्र दिप्र म दग (प्रांशिक हिन्दी)  
बाहमर

## अ० भा० समग्र जैन आचार्य डायरेक्ट्री का प्रकाशन

सम्पूर्ण भारत के समग्र जैन समाज के चारों समुदायों (जने मूर्तिपूजन, स्थानकवासी, तेरापथी, एर दिगम्बर समुदाय) के लायक सभा 165 जन आचार्यों की डायरेक्ट्री हिन्दी भाषा में प्रोद्य की प्रकाशित होने जा रही है। इस डायरेक्ट्री में सभी पूज्य आचार्यों का जीवन परिचय, फोटो, प्रेरक वाचों एवं समुदाय, जिन्य परिवार आदि बाना की पूण जानकारीया प्रकाशित की जायेगी।

अतः जैन समाज के सभी पूज्य आचार्यों म नम्र निवेदन है कि वे अपना फोटो-जीवन परिचय एवं प्रेरक वाचों का पूण विवरण प्रोद्य भिजवान का कष्ट करें।

सम्पन्न सूत्र—आवसास जन 'उज्जवल'

उज्जवल प्रकाशन,

105, तिरुपति अपार्टमेंट, आनुली रोड न 1

बान्निक्ली (पुव), सम्बई-400101 (महाराष्ट्र)

फोन नं-6881278

**योगनिष्ठ आचार्य प्रवर श्रीमद् बुद्धिसागर  
सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय**

**6**

**वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:-  
गच्छाधिपति, प्रखर वक्ता, शासन प्रभावक, आचार्य  
प्रवर श्रीमद् सुबोध सागर सूरीश्वरजी म. सा. ।**

कुल चातुमसि (30) मुनिराज (52) साध्वियांजी (97) कुल ठाणा (149)

**साधु-मुनिराज समुदाय**

1. साबरमती-अहमदाबाद (गुजरात)
  1. गच्छाधिपति प्रखर वक्ता शासन प्रभावक  
आचार्य श्रीमद् सुबोध सागर सूरीश्वरजी म.सा.
  2. आचार्य श्री दुर्लभ सागर सूरीश्वरजी म.सा.
  3. प्रवर्तक श्री यशकीर्ति सागरजी म.सा. आदि ठाणा (9)  
सम्पर्क सूत्र-श्री चितामणी पार्श्वनाथ जैन मंदिर  
रामनगर साबरमती, अहमदाबाद-380005  
(गुजरात)
2. साबरमती-अहमदाबाद (गुजरात)
 

आचार्य श्री मनोहर कीर्ति सागर सूरीश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-सेठ श्री गाडालाल फकीरचन्द शाह  
नूतन जैन उपाश्रय सत्यनारायण सोसायटी,  
रामनगर साबरमती, अहमदाबाद-380005  
(गुजरात)
3. भीलाड़ (गुजरात)
 

आचार्य श्री कल्याण सागर सूरीश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री सिमंधर स्वामी जैन तीर्थ, नंदीग्राम  
ओसियाजी नगर, मु.पो. भीलाड़, जिला वलसाड़  
(गुजरात) 396105
4. कोबा (गुजरात)
 

आचार्य राष्ट्रसेत श्री पद्मसागर सूरीश्वरजी म.सा.  
आचार्य श्री भद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा.  
पन्था श्री धरनेन्द्र सागरजी म.सा.  
गणि श्री वर्तमान सागरजी म.सा. आदि ठाणा (19)

सम्पर्क सूत्र-श्री महावीर जैन आराधना केन्द्र  
मु.पो. कोबा, दाया जिला गांधी नगर (गुज.)  
फोन नं. हेमंत ब्रदर्स, अहमदाबाद-  
441444-406669

5. पालनपुर (गुजरात)
 

पन्थास श्री सुभद्र सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाश्रय, मु.पो. पालनपुर  
385001 (गुजरात)
6. बीजापुर (गुजरात)
 

पन्थास श्री सुदर्शन कीर्ति सागरजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्रीमद् बुद्धि सागर सूरी जैन समाधि मंदिर  
मु.पो. बीजापुर-382870 (गुजरात)
7. अंधेरी-वम्बई (महाराष्ट्र)
 

पन्थास श्री कंचन सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री शङ्खेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर,  
जुना नागरदास रोड, अंधेरी (पूर्व).  
वम्बई-400069 (महाराष्ट्र)
8. पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)
 

श्री अहर्णोदय सागरजी म.सा. आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पोपटलाल हेमचन्द जैन नगर,  
गारदा मंदिर रोड, पालडी-अहमदाबाद-  
380007 (गुजरात)
- 8 ए-मलाड (वेस्ट) वम्बई (महाराष्ट्र)
 

श्री मित्रानन्द सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री राजन्धान जैन संघ, 3 मामलतदारवाडी  
मलाड (पश्चिम) वम्बई-400064 (महारा.)

- 11 राणपुर-(चूडा) (गुजरात) 17 साध्वी श्री निमलाश्रीजी म सा M A आदि ठाणा (6)  
श्री हिरण्य प्रभ विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाध्वय मु पा राणपुर (चूडा)  
वाया वाटाद जिला मुरद्र नगर-(गुजरात)
- 12 नाकोडा तीर्थ, (राजस्थान)  
श्री प्रवीण विजयजी म सा आदि ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-श्री नाकोडा पाषाणाय तीर्थ म सा  
मेवा नगर, जिना वाटमेर (राज)
- 13 पालीताणा (गुजरात)  
श्री हम विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-हल्ली माहर्न धमशाला, माण्डेराव भवन  
व पीछे, पालीताणा (गुजरात) 364270
- 14 अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री विनय विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-गरमानन्द जैन उपाध्वय, डा केविन,  
साबरमती, अहमदाबाद 380005 (गुज)
- 14 (ए) साबरमती-अहमदाबाद (गुजरात)  
श्री उत्तम विजयजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री महावीर जैन आराधना भवन,  
नवेश्वर सोसायटी, अलीन नगर के पास, साबर-  
मती, डी केविन अहमदाबाद (गुज)
- 14 (बी) हिम्मत नगर- (गुजरात)  
श्री वसन्त विजयजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाध्वय मु पो हिम्मतनगर  
जिना साबरवाडा गुजरात
- 14 (सी) सुमेरपुर (राजस्थान)  
श्री विनय विजयजी म सा आदि ठाणा  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन उपाध्वय जैन मंदिर के पास म  
मु पा सुमेरपुर स्टेशन जवाई बाघ जिला सिरौही राज
- साध्वीयांजी समुदाय
- 15 साध्वी श्री मणी श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-कुवावाली पाव शाहपुर, अहमदाबाद  
380001 (गुज)
- 16 साध्वी श्री नावण्य श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-जैन सामायटी, जैन उपाध्वय, एनीम श्रीज,  
पालडी-अहमदाबाद 380007 (गुज)
- 17 साध्वी श्री प्रना श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-उपरोक्त व भाग (1) अनुसार
- 22 साध्वी श्री सुभकरा श्रीजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाध्वय, खडा रोटीली ता पाडा,  
पिपलानी शेरी, मु पा पाटण 384265  
जिला महेसाणा (गुजरात)
- 23 साध्वी श्री सतिशप्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (16)  
सम्पन्न सूत्र-उपरोक्त व भाग (1) अनुसार
- 24 साध्वी श्री दशा श्रीजी म सा आदि ठाणा (12)  
सम्पन्न सूत्र-माटी जैन उपाध्वय, कोवा ना पाडा,  
गाल शेरी, मु पा पाटण, जिला महेसाणा  
(गुजरात) 384265
- 25 साध्वी श्री राजेंद्र श्रीजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-नुशावा मंगल भवन धमशाला, तरेटी रोड  
पालीताणा (गुजरात) 364270
- 26 साध्वी श्री भास्कर यशो श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-तपागठ जैन धाविदा उपाध्वय,  
मु पा गढसिवाना जिला वाटमेर (राज)
- 27 साध्वी श्री चन्द्रका श्रीजी म सा आदि ठाणा (12)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाध्वय, फनाम नो पाडी, सावेरी शेरी  
मु पा पाटण जिला महेसाणा (गुज) 384265
- 28 साध्वी श्री नानलता श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाध्वय मु पो कोसेलाव  
स्टेशन गानना, जिला पानी (राजस्थान)

29. साध्वी श्री महिमा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-खिचीयो का वास, तिलक भवन  
मु.पो. शिवगंज, जिला सिरौही (राजस्थान)
30. साध्वी श्री अंजना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-केशर निवास जैन धर्मशाला, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात)
31. साध्वी श्री कल्पजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, बाजार नौ पांडो, गोल शेरी  
मु.पो. पाटण, जिला मेहसाणा (गुज.) 384265
32. साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, चितामणी शेरी,  
मु.पो. राधनपुर (गुजरात)
33. साध्वी श्री स्नेहलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार
34. साध्वी श्री रमणीक श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-आयदिल खाता के पास, मु.पो. जावल  
जिला सिरौही (राजस्थान)
35. साध्वी श्री जयप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-लुणावा मंगल कार्यालय तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात) 364270
37. साध्वी श्री तरुणप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-आरीसा भुवन धर्मशाला, तलेटी रोड  
पालीताणा (गुजरात)
38. साध्वी श्री मुलोचना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-सरकारी उपाश्रय, पतासा नी पोल,  
अहमदाबाद (गुजरात)
39. साध्वी श्री दिव्यप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. बांकली स्टेशन  
जवाई बाध, जिला सिरौही (राजस्थान)
40. साध्वी श्री जयमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, दन मेहता नौ पांडो,  
मु.पो. पाटण, जिला मेहसाणा (गुज.) 384265
41. साध्वी श्री किरणमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक (40) अनुसार
42. साध्वी श्री मदनप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-प्रकाश भुवन धर्मशाला, तलेटी रोड  
पालीताणा (गुजरात) 364270
43. साध्वी श्री कनक प्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-गिरि विहार, तलेटी रोड, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
44. साध्वी श्री सुनदा श्री जी म.सा. आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र-घाची नी पोल, रायपुर, अहमदाबाद  
(गुजरात)
45. साध्वी श्री कैलाश श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-चरला वास, श्रमणी निवास, मु.पो.  
आधोई-कच्छ, तालुका भचाऊ, वाया सामखियारी  
(गुजरात)
46. साध्वी श्री कुसुमवती श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, बखारिया बाड, मु.पो.  
हिम्मतनगर (गुजरात) 383001
47. साध्वी श्री प्रजप्ता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, तारा अपार्टमेंट्स, सार्दिनाथ  
नगर, एल.वी.एस. रोड, घाटकोपर (वेस्ट)  
बम्बई 400086 (महा.)
48. साध्वी श्री पद्मरेखा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री चितामणी पार्श्वनाथ जैन देरासर,  
2 माला ईश्वर नगर, एल.वी. शास्त्री मार्ग  
भाण्डुप (वेस्ट) बम्बई 400082
49. साध्वी श्री सम्यग रेखा श्रीजी म.सा.  
आदि ठाणा (15)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक (1) के अनुसार
50. साध्वी श्री जयशीला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-उपरोक्त क्रमांक (1) के अनुसार
51. साध्वी श्री स्नेहलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-जैन तपागच्छ उपाश्रय, मु.पो. बालवाड़ा  
वाया माटवला, जिला जालौर (राज.)
52. साध्वी श्री विश्व पूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, पारसवाड़ी-मु.पो. आहोर  
जिला जालौर (राज.)
53. साध्वी श्री सुनिला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, गांधी बास, मु.पो. राधनपुर  
जिला बनामकाठा (गुजरात)

- 54 સાધ્વી શ્રી મુગલાજી શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-શ્રી વાસુપુત્ર સ્વામી જૈન ઉપાશ્રય, જો  
નાઈ પી વિન્ડ સનન, માટુગા-અમદાવાદ-400019  
(મહારાષ્ટ્ર)
- 55 સાધ્વી શ્રી દિવ્ય પ્રમાથી જી મ મા આદિ ઠાળા (8)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-માઠવી ની પોલ, સુરદાસ મેઠી પાલ,  
મદન ગાપાલ હવેલી કે પાસ, અહમદાવાદ  
380001 (ગુજ)
- 56 સાધ્વી શ્રી વલ્લભરા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-ઉપરોક્ત પ્રમાણ (1) કે અનુસાર
- 57 સાધ્વી શ્રી પદમવતી શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (8)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-નાગાડા પાલ માસામદી, રજની ગધા  
કે બાજુ મે શાહીબાગ, અહમદાવાદ (ગુજરાત)  
380004
- 58 સાધ્વી શ્રી હવ પ્રમાથી જી મ મા આદિ ઠાળા (5)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-7 ધમનાથ માસામદી, કેમ્પ રોડ  
શાહીબાગ અહમદાવાદ 380004 (ગુજ)
- 59 સાધ્વી શ્રી ગુણપ્રમાથી જી મ મા આદિ ઠાળા (6)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-શામલ ભુવન ગિરધર નગર, શાહીબાગ,  
અહમદાવાદ (ગુજરાત)
- 60 સાધ્વી શ્રી નલિજિયશા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-શ્વે મુતિ જૈન મધ મુ પા ટિલોડા  
382620 (ગુજ)
- 61 સાધ્વી શ્રી નલિતા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-માઠેરાવ જિનેદ્ર ભવન ધમશાલા,  
પાલીતાણા (ગુજરાત)
- 62 સાધ્વી શ્રી વાલ્મીકી શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-ચૈત્રવર્ત નો પાઠો, ગોવંદે મે મુ પો  
પાટણ-384265 (ગુજરાત)
- 63 સાધ્વી શ્રી મુગલાજી શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (7)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-ગુણાવા મગલ ભુવન, તલેદી રોડ,  
પાલીતાણા (ગુજરાત)
- 64 સાધ્વી શ્રી ઉચ્ચત્રવર્ત શ્રીજી મ મા  
આદિ ઠાળા (4)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-ગા વાસુપુત્ર સ્વામી જૈન દેરાસર ક  
પાસ, અમદાવાદ અહમદાવાદ (ગુજરાત)
- 65 સાધ્વી શ્રી અમિત પ્રમાથી જી મ મા આદિ ઠાળા (5)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-શ્રી ચન્દ્ર પ્રમુ જૈન મંદિર, ગોમ માલ,  
નવાપુરા, મુ પો ઉચ્ચત્ર-456006 (મ.પ્ર)
- 66 સાધ્વી શ્રી રુચીલા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-ઉપરોક્ત પ્રમાણ (1) અનુસાર
- 67 સાધ્વી શ્રી ચન્દ્રલતા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-ઉપરોક્ત પ્રમાણ (1) અનુસાર
- 68 સાધ્વી શ્રી મધ્વગુણા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (13)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-જૈન ઉપાશ્રય, મુ પો લેટા જિલા બારી  
(રાજસ્થાન)
- 69 સાધ્વી શ્રી ચૈત્રવર્ત શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (6)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-શ્રી વાસુપુત્ર સ્વામી જૈન દેરાસર,  
45 જવેર રાડ, મુલુખડ (મેન્ટ) અમદાવાદ 400080  
(મહારાષ્ટ્ર)
- 70 સાધ્વી શ્રી સુવર્ચના શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (3)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-જૈન ઉપાશ્રય, મુ પો મુઢારા સ્ટેશન  
કાલના, જિલા પાલી (રાજ)
- 71 સાધ્વી શ્રી શીલ રત્ના શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (8)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-ઉપરોક્ત પ્રમાણ (1) અનુસાર
- 72 સાધ્વી શ્રી સ્નેહલતા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-ગુજાતા પલેટ કે બાજુ મ, રજની ગધા  
શાહીબાગ, અહમદાવાદ 380004 (ગુજરાત)
- 73 સાધ્વી શ્રી વિશ્વં પ્રમાથી જી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-ચૌરાયલ મુ પો મુઢારા, વામા કાલના  
જિલા પાલી (રાજ)
- 74 સાધ્વી શ્રી નિશિત પ્રમાથી જી મ મા આદિ ઠાળા (8)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-જૈન ઉપાશ્રય મુ પો પરવતસર, સ્ટેશન  
કાલના, જિલા પાલી (રાજ)
- 75 સાધ્વી શ્રી મનુષ્ય શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-જૈન ઉપાશ્રય, મુ પા કોટ શાલિયાન  
વામા કાલના, જિલા પાલી (રાજ)
- 76 સાધ્વી શ્રી શાશ્વતવર્ત શ્રીજી મ મા  
આદિ ઠાળા (3)  
સમ્પન્ન સૂત્ર-જૈન ઉપાશ્રય, મુ પા મિસલપુર સ્ટેશન  
જનાઈ માથ, જિલા મિરોલી (રાજ)

77. साध्वी श्री कौशल्या श्री जी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, तलाव पास, मु.पो.  
तखतगढ़, जिला सिरोही (राज.)
78. साध्वी श्री चारु यशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, नगीन झुम्मा नी. पास,  
स्टेशन रोड, मु.पो. ईडर (गुजरात)
79. साध्वी श्री रत्नमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)
80. साध्वी श्री जय प्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (7)
81. साध्वी श्री अक्षय प्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—यशोविजय जैन पाठशाला, मु.पो.  
महेसाणा (गुजरात)
82. साध्वी श्री चन्द्रयेशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)
83. साध्वी श्री सुलशा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)
84. साध्वी श्री मुक्ति प्रिया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—कल्याण सौभाग्य आराधना भुवन, मु.पो.  
उम्मेदाबाद (गोल) जिला जालौर (राज.)  
343021
85. साध्वी श्री तत्त्व प्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, मु.पो. भवराणी, जिला जालौर  
(राजस्थान) 343042
86. साध्वी श्री अशोक कल्पलता श्रीजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—ज्ञान मंदिर, मु.पो. खीमाणाजी, स्टेशन  
जवाई, बाध, जिला सिरोही (राज.) 306901
87. साध्वी श्री सरस्वती श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, मु.पो. पाली-मारवाड़  
(राजस्थान) 306401
88. साध्वी श्री रत्न माला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन मंदिर, पाली बस स्टेशन के सामने  
मु.पो. उदरी, बाया सुमेरपुर, जिला पाली  
(राजस्थान)
89. साध्वी श्री अक्षय प्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—श्री यशोविजयजी संस्कृत जैन पाठशाला,  
मेन बाजार मु.पो. महेसाणा (गुजरात)
- 
- कुल चातुर्मास (92) मुनिराज (47) साध्वियाँ (374)  
कुल ठाणा (421)
- 
- गत वर्ष 1991 में समुदाय में विद्यमान थे—  
मुनिराज (42) साध्वियाँ (310) कुल ठाणा (352)
- 
- समुदाय में विद्यमान है—गच्छाधिपति (1) आचार्य (3)  
पन्थास (1) गणि (1)
- 
- नोट:—(1) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं होने से  
तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।  
(2) गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—कुल  
चातुर्मास (68) मुनिराज (42) साध्वियाँ  
(310) कुल ठाणा (352)  
(3) इस वर्ष समुदाय की पूर्ण सूची प्राप्त हुई है।  
(4) जैन पत्र-पत्रिकाएँ नहीं।

### जैन पत्र पत्रिका डायरेक्ट्री का प्रकाशन

सम्पूर्ण भारत के समग्र जैन समाज में वर्तमान में लगभग 350-400 जैन पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित हो रही हैं, उन सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं के नाम, सम्पर्क सूत्र, कार्यालय फोन नम्बर, संपादक का नाम आदि सम्पूर्ण जानकारी जैन समाज के हर वर्ग को सुलभ हो, इस हेतु हमने जैन समाज की वर्तमान में प्रकाशित होने वाली सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं की डायरेक्ट्री का पुस्तक रूप में प्रकाशन कार्य किया है। इच्छुक महानुभाव अपनी प्रति आज ही मंगावे। पुस्तक का मूल्य 5/- पये रखा गया है।

सम्पर्क सूत्र—बाबूलाल जैन 'उज्जवल'

उज्जवल प्रकाशन,

105, तिरुपति अपार्टमेंट्स, आकुर्ली क्रॉस रोड नं. 1,

कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 (महाराष्ट्र)

फोन नं.—6881278



With best compliments from :

## C. L. BAID MEHTA COLLEGE OF PHARMACY

(Affiliated to Tamilnadu Dr M G R Medical University)

Jyothi Nagar, Thorapakkam,

**MADRAS-600 096 (T.N)**

Phone 474877

Application are invited for admission to the  
following courses

1. Master of Pharmacy - (Two year course)
2. Bachelor of Pharmacy - (Four year course)
3. Diploma in Pharmacy - (Two year course)

Application forms and prospectus can be had from the Pharmacy College on payment of Rs 50/- in cash For despatch by post, send demand draft Rs 50/- with a self addressed envelope with stamp for Rs 5/- affixed

(No capitation fees Seat on Merits but Chemists and Jains will be given in Quota)

**VINOD KHANNA**

Chairman

**Dr C L Mehta**

Secretary & Correspondent

कवि कुल किरिट, जैन रत्न, व्याख्यान वाचस्पति, आचार्य प्रवर  
श्री विजय लब्धि सूरेश्वरजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य:- आचार्य प्रवर श्री  
विजय जिन भद्र सूरेश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (37) मुनिराज (50) साध्वियाँजी (185) कुल ठाणा (235)

### साधु-मुनिराज समुदाय

#### 1. बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)

##### 1. आचार्यश्री विजय जिनभद्र

सूरेश्वरजी म. सा.

##### 2. आचार्य श्री विजय यशोवर्धन सूरेश्वरजी म.सा. आदि ठाणा (10)

सम्पर्क सूत्र-श्री बाबू अमीचंद पन्नालाल आदिश्वर-  
जैन मंदिर, तीन बत्ती के पास, रीझ रोड,  
बालकेश्वर, बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)

#### 2. पालीताणा (गुजरात)

##### 1. आचार्य श्री विजय पुण्यानन्द सूरेश्वरजी म.सा.

##### 2. आचार्य श्री विजय अरुण प्रभ सूरेश्वरजी म.सा.

##### 3. आचार्य श्री विजय बीर सेन सूरेश्वरजी म.सा.

##### 4. पुन्यास श्री पदम विजयजी म.सा.

##### 5. प्रवर्तक श्री हरिश भद्र विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र-श्री पन्ना रूपा जैन धर्मशाला, तलेटी रोड,  
मु.पो. पालीताणा, जिला भावनगर (गुज)  
364270

#### 3. हिरीयूर (कर्नाटक)

##### 1. आचार्य श्री विजय अशोक रत्न सूरेश्वरजी म.सा.

##### 2. आचार्य श्री विजय अभय रत्न सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

सम्पर्क सूत्र-

Shri Swetamber Jain Temple, Main Road,  
P.O. HIRIYUR, Distt Chittra Durg  
(Karnataka) 572143

#### 4. चित्रदुर्ग (कर्नाटक)

आचार्य श्री विजय स्थूल भद्र सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र-

Shri Swetamber Jain Temple  
P.O. CHITRA-DURG-577 501  
(Karnataka)

#### 5. प्रार्थना समाज-बम्बई (महा.)

आचार्य श्री विजय राजयश सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री चन्द्रप्रभु स्वामी जैन मंदिर

-186 राजाराम मोहन राय मार्ग, प्रार्थना समाज  
बम्बई-400004 (महाराष्ट्र)

फोन 357120, 3865385

#### 6. द्राक्षाराम (आन्ध्र प्रदेश)

आचार्य श्री विजय चारिषेण सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-

Shri Adinath Swetamber Jain Temple  
P.O. DRAKSHARAM (A.P.)-533 262

#### 7. जयपुर (राजस्थान)

आचार्य श्री विजय हिरण्य प्रभ सूरेश्वरजी म.सा.  
आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री आत्मानन्द जैन सभा, श्री बालो का  
रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर-302003 (राज)

## 8 ईडर (गुजरात)

पयाम श्री पदम विजयजी मसा आदि ठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्व मूर्ति जैन मंदिर उपाश्रय, चाठारी  
वाडा, मुपा ईडर-383438, जिना मावर्गाडा  
(गुजरात)

## 9 भाण्डुप-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री नय भद्र विजयजी मसा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री पावनाथ जैन मंदिर, भट्टी पाडा,  
के जी गुप्ते चाल, भाण्डुप (वेस्ट) बम्बई-400078  
(महाराष्ट्र) फोन न 5601325

## 10 गवागिया टेंक-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री गुण रत्न विजयजी मसा आदि ठाणा (2)  
"सम्पक सूत्र-आराधना जैन" भवन, जैन मंदिर,  
गवागिया टेंक, बम्बई-400036 (महा)

## 11 नवजीवन सोसायटी-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री वज्र यश विजयजी मसा आदि ठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-श्व मूर्ति जैन सप नवजीवन सोसायटी,  
बिल्डिंग न 12, लेमिग्टन रोड, बम्बई-400008  
(महाराष्ट्र)

## 12 समदडी (राज)

श्री जय कुजर विजयजी मसा आदि ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री कुमुताथ जैन मंदिर, नया वास, मु पो  
ममदडी, बाया बालातरा, जिना बाउडे (राज)

## साध्वियाजी समुदाय

## 13 साध्वी श्री सर्वोदया श्रीजी मसा आदि ठाणा (11)

सम्पक सूत्र-उपरोक्त प्रमाण (5) अनुसार

## 14 साध्वी श्री नय पदमा श्रीजी मसा आदि ठाणा (4)

सम्पक सूत्र-मनहर बिल्डिंग केसव दाग, सुहार चाल  
बम्बई-400002 (महा)

## 15 साध्वी श्री अहल पदमा श्रीजी मसा आदि ठाणा (4)

सम्पक सूत्र-श्री चन्द्रप्रभु स्वामी जैन मंदिर, महासुख  
भवन सरोजिनी रोड, विलेपार, (वेस्ट) बम्बई  
(महाराष्ट्र)

## 16 साध्वी श्री परम पदम श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)

सम्पक सूत्र-आराधना भवन, जैन मंदिर,  
गवागिया टेंक, बम्बई-400036 (महाराष्ट्र)

## 17 साध्वी श्री विमल पदमा श्रीजी मसा

आदि ठाणा (4)

सम्पक सूत्र-अरविंद कुज बिल्डिंग, गुजर कडीशन  
मार्केट के सामन, ताडदेव-बम्बई 400038  
(महा)

## 18 साध्वी श्री जिनन पदमा श्रीजी मसा

आदि ठाणा (3)

सम्पक सूत्र-उपरोक्त प्रमाण (11) अनुसार

## 19 साध्वी श्री गुद्यानु यना श्रीजी मसा आदि ठाणा (5)

सम्पक सूत्र-श्री मुनिमुक्त स्वामी जैन मंदिर, जामनी  
नागा, मुपा बाणा (वेस्ट) बम्बई (महा)  
401601

## 20 साध्वी श्री विशद यना श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)

सम्पक सूत्र-श्व मूर्ति जैन उपाश्रय, पावापुरी,  
"गोकुल" छेतवाड़ी, बम्बई 400004 (महा)

## 21 साध्वी श्री रत्न चूना श्रीजी मसा आदि ठाणा (5)

सम्पक सूत्र-गुजरात हाउसिंग मासायटी, चित्रपुर  
गाला राड, नाराणपुरा, महमदाबाद-380013  
(गुज)

## 22 साध्वी श्री गीत पदमा श्रीजी मसा आदि ठाणा (3)

सम्पक सूत्र-मस्कृति भवन, शातिनगर, महमदाबाद  
(गुजरात)

## 23 साध्वी श्री जया श्रीजी मसा आदि ठाणा (10)

सम्पक सूत्र-श्व मूर्ति जैन उपाश्रय, भडई के पास,  
माडवी जैन, मु पो खमात, जिला वेडा (गुज)  
388620

## 24 साध्वी श्री उमग श्रीजी मसा आदि ठाणा (4)

सम्पक सूत्र-श्व मूर्ति जैन देरामर उपाश्रय, मु पो  
ईडर जिला मावरकाठा (गुजरात) 383430

## 25 साध्वी श्री हय पदमा श्रीजी मसा आदि ठाणा (4)

सम्पक सूत्र-पालीठाणा (गुजरात)

## 26 साध्वी श्री विनोन माता श्रीजी मसा आदि ठाणा—

सम्पक सूत्र-उपरोक्त प्रमाण (1) के अनुसार

## 27 साध्वी श्री जितेन्द्र श्रीजी मसा आदि ठाणा (11)

सम्पक सूत्र-श्री नरेश सूरि जैन मंदिर, ज्ञान मंदिर  
राड, 12, महासिख जैन बावर (वेस्ट) बम्बई  
400028 (महा)

28. साध्वी श्री गौतम श्रीजी म.सा.  
साध्वी श्री उज्ज्वललता श्रीजी म.सा.  
आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र-श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर, तेल गली नं. 2,  
मु.पो. धुलिया (महाराष्ट्र)-424001
29. साध्वी श्री सूर्य प्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-आरीसो भवन. धर्मशाला, रुम नं. 46,  
तलेटी रोड, पालीताणा (गुज.) 364270
30. साध्वी श्री विराग मालाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा —  
सम्पर्क सूत्र-श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर, जैन उपाध्य,  
जवाहर नगर, गोरेगांव (वेस्ट) बम्बई (गुज.)
31. साध्वी श्री हेमप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर गुरुवार पेठ, पुना-  
411002 (महा.)
32. साध्वी श्री कल्पलताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—  
Shri Swetamber Jain Temple,  
Gandhi Nagar,  
BANGALORE-560009 (Karnataka).
33. साध्वी श्री विरागमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र-मीरा नगर-बम्बई (महां.)
34. साध्वी श्री महेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-बासणा-अहमदाबाद (गुजरात)
35. साध्वी श्री सुभद्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र-अहमदाबाद (गुजरात)
36. साध्वी श्री सुभोदया श्री जी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-तलेगाँव (महाराष्ट्र)
37. साध्वी श्री जयलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र-पालीताणा (गुजरात)

इन वातुमांस (37) मुनिराज (50) साध्वियाँजी (185)  
कुल ठाणा (235)

समुदाय में विद्यमान है—

आचार्य (11) पन्यास (2) प्रवर्तक (1)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ:—(1) लब्धि कृपा मासिक-कोल्हापुर  
(2) लब्धि संदेश बुलेटिन-भरुच

नई दीक्षा एवं महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं होने के  
कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।

नोट:—(1) इस समुदाय के गच्छाधिपति आचार्यश्री विजय  
भद्रकर सूरेश्वरजी म.सा. के महाप्रयाण के  
कारण रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु आचार्य  
श्री विजय जिन भद्र सूरेश्वरजी म.सा. को  
संघ का प्रमुख आचार्य बनाया गया है। अभी  
तक गच्छाधिपति के स्थान की पूर्ति नहीं  
हुई है।

(2) इस समुदाय की पूरी सूची कहीं से भी प्राप्त  
नहीं हुई। साधु मुनिराजों की सूची के अलावा  
साध्वियों की सूची जितनी प्राप्त हो सकी  
उतनी अधूरी सूची ही प्रकाशित की गयी है।  
कई साध्वियों की सूचियाँ अभी भी बाकी हैं।

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—

मुनिराज (57) साध्वियाँजी (183) कुल ठाणा (240)

जैन एकता सन्देश अंक-अभिमत

सत्य संगठन जैन हित,

प्रथम प्रयाय सु वेश।

पदो प्रेम, रो रूप यह,

जैन एकता सन्देश ॥

सभी पूज्य आचार्यों एवं साधु-माध्वियों को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Tel 3441053

## RELIABLE PEN MAKERS

MFG & EXPORTERS

ARMOUR FOUNTAIN PEN & BALL PEN

216, Abdul Rehman Street,

BOMBAY - 400 003 (INDIA)

Tel 693386

## RELIABLE PEN MAKERS

FACTORY

17, MUNGEKAR INDS ESTATE,  
OFF AAREY ROAD, GOREGAON (EAST)

BOMBAY - 400 063 (INDIA)

## ARMOUR PEN MFG CO.

KHAN MARKET

46, Narayana Mudali Street Sowcarpet

MADRAS - 600079 (T N)

— शुभेच्छुक —

मोतीलाल जे गडा ❀ मंगनलाल जे गडा

(लाकडिया - कच्छ) बम्बई

बम्बई उद्धारक, बम्बई महानगरी के प्रथम प्रवेणक, धर्म प्रभावक  
तपागच्छीय जगतगुरु श्री मोहनलालजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य— गणनायक, आचार्य प्रवर  
श्री चिदानन्द सूरेश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्भास (21) मुनिराज (15) साध्वियोंजी (37) कुल ठाणा (52)

### साधु-मुनिराज समुदाय

#### 1. कांदिवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

गणनायक आचार्यश्री चिदानन्द  
सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—श्री मुनिसुवस्त स्वामी जैन मंदिर  
भूलाभाई देसाई रोड, कांदिवली (वेस्ट) बम्बई-  
400067 (महा.)

#### 2. माटूंगा-बम्बई (महाराष्ट्र)

पन्यास श्री सुयश मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री माटूंगा मूर्ति जैन तपागच्छ मठ  
श्री जीवनभाई अवजी भाई ज्ञान मंदिर,  
ताथालाल पारेख मार्ग, किंग सर्कल माटूंगा,  
बम्बई-400019 (महाराष्ट्र)  
फोन न. 4372771

#### 3. दादर-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री भानु मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर, ज्योतिबा  
फुले रोड, नायगाँव, दादर (पूर्व)  
बम्बई-400014 (महा.)

#### 4. मालवा मे (मध्यप्रदेश)

श्री प्रिय दर्शन मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—

#### 5. उज्जैन (मध्यप्रदेश)

श्री तपोधन मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, फ्रीगज, उज्जैन (म.प्र.)

#### 6. पालीताणा (गुजरात)

श्री जयचन्द्र मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अमरचन्द जंसराज धर्मशाला  
नवापारा, पालीताणा (गुजरात)-364270

#### 7. वांद्रा-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री मृगैन्द्र मुनिजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे जैन मंदिर, जैन मंदिर रोड,  
हील रोड, वांद्रा (वेस्ट) बम्बई

### साध्वियोंजी समुदाय

8. साध्वी श्री जवू श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—19/20 हजारि निवास, Opp आरीसा  
भवन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा-  
(सौराष्ट्र) (गुजरात) 364270

9. साध्वी श्री विजय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो केशवणा, जिला  
जालौर (राज)

10. साध्वी श्री कविन्द्रा श्री जी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—हजुवाई धर्मशाला, मानमावाली वाम  
मु.पो शिवगंज, जिला मिरोही (राज)

11. साध्वी श्री खातीश्रीजी म.सा. आदि ठाणा—  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो मालवाड़ा.  
जिला जालौर (राज)

- 12 माध्वी श्री प्रेमवता श्रीजी ममा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-ग/10 राजुन अण्डिमट्ट, श्रीपात्र नण  
के पात्र में नपियन नी पात्र पात्रवत्तर,  
सम्बई 400006 (महा)
- 13 माध्वी श्री वसन श्रीजा ममा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-जैन त्रिया त्रिन, राणा प्रताप चौर,  
पाली-मारवाड (राज) 306101
- 14 माध्वी श्री मज्जन श्रीजी ममा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-उपराज नमार (10) अनुसार
- 15 माध्वी श्री चन्द्रप्रभा श्रीजी ममा आदि ठाणा—  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाधय, मुषा रानीवाडा  
जिला नागौर (राज)
- 16 माध्वी श्री जया श्रीजी ममा आदि ठाणा—  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाधय मुषा दादार, जिना पात्रा  
(राजस्थान)
- 17 माध्वी श्री मयम श्रीजा ममा आदि ठाणा —  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाधय मुषा बेमरी जिना पात्री  
(राजस्थान)
- 18 माध्वी श्री भाग्यदाया श्रीजी ममा आदि ठाणा—  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाधय मुषा विन्डवाडा  
जिला मिराही (राज)
- 19 माध्वी श्री हमरता श्रीजी ममा आदि ठाणा—  
सम्पन्न सूत्र-जहमदाबाद में
- 20 माध्वी श्री तगत श्रीजी ममा आदि ठाणा—  
सम्पन्न सूत्र-अरुण मामाटी पात्रा, अहमदाबाद  
(गुज)
- 21 माध्वी श्री तुमरता श्रीजी ममा आदि ठाणा—  
सम्पन्न सूत्र-हट्टीनिहरी पात्री, गांधपुर, अहमदाबाद  
(गुजरात)
- 
- कुल आनुर्मान (21) मुनिराज (15), साध्विपानी (37)  
कुल ठाणा (52)
- 
- समुदाय में विद्यमान हैं—आबाय (1) पयात (1)  
इस वषर् दीक्षाएँ—नहीं  
इस वषर् महाप्रयाण हुए—नहीं  
जन पत्र-परिचय—नहीं
- 
- जन वषर् समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (16) साध्विपानी  
(37) कुल ठाणा (53)
- 

ममग्र जैन एकता और सगठन का असांख्यदायिक निष्पक्ष पत्र

## जैन एकता सन्देश

सम्पूर्ण जैन समाज का ऐसा पत्र जिसमें ममग्र जैन  
एकता, सगठन और असांख्यदायिकता का  
वाक्य किया जाता है।

पत्र की मुख्य विशेषताएँ— (हर वषर् में)

- (1) जैन समाज के विनाश और जीवित श्रीजी पात्रा  
परिचय प्रकाशित करना
- (2) जन नीतियों के क्षेत्र का पूर्ण विश्लेषण
- (3) जैन नीतियों के क्षेत्र का पूर्ण विश्लेषण
- (4) समाज के ज्वलंत प्रश्नों का समाधान
- (5) हर माह में होने वाली नई नीतियों का प्रत्यक्ष  
परिचय की पूरी सूची प्रकाशित करना

- (5) उच्च वादों के नेतृत्व का विज्ञान के तहत
- (6) जैन समाज एवं श्रमण धर्मिणियों की जागरूकता  
जैन चालाकता
- (7) श्रुत ही मुख्य दैव रा साहित्य समीक्षा प्रकाशित  
करना
- (8) जैन समाज के सभी समाचार प्रकाशित करना  
जो कि अन्य वषर् विवरण  
नहीं प्रकाशित जा रही श्रुति का वाक्य देते।  
वाचक शुल्क मात्र 25/- वार्षिक के पत्र पर सम्पन्न  
करे

—बाबूलाल जैन 'उज्जवल सम्पादक'

शारान प्रभावक, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय मोहन सूरेश्वरजी  
म. सा. का समुदाय (युग दिवाकर)

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्यः—साहित्य कलारत्न आचार्य  
प्रवर श्रीमद् विजय यशोदेव सूरेश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (55)

मुनिराज (45)

साहित्ययांजी (210)

कुल ठाणा (255)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. पालीताणा (गुजरात)

साहित्य कला रत्न, आचार्य प्रवर श्रीमद्  
विजय यशोदेव सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—श्री जैन साहित्य मंदिर, तलेटी रोड.

पालीताणा-(सौराष्ट्र) 364270 (गुज.)

2. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय यशोदेव सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, ओपरा मोनायटी, पाल्ही

अहमदाबाद-380007 (गुजरात)

3. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय कनक रत्न सूरेश्वरजी म. सा.

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय देवकी नन्दन मोनायटी

पाल्ही अहमदाबाद-380007 (गुज.)

4. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय महानन्द सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय भगवान नगर नो टेकरे

मन्दापानी, चार गन्डा, पाल्ही, अहमदाबाद-

380007 (गुज.)

5. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय सुयोदय सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जलपुर, Opp. निद्रागिरि

पाल्ही, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)

6. बटोदा (गुजरात)

आचार्य श्री विजय पूर्णानन्द सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कोठी पॉल के सामने,

राजपुरा, बटोदा-390001 (गुजरात)

7. बटोदा (गुजरात)

पन्थाग श्री परमानन्द विजयजी म. सा. आदि ठाणा —

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, कारेली बाग बटोदा (गुज.)

8. बोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

प्रवर्तक श्री सुयोग विजयजी म. सा. आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—प्रीति विन्डिंग ब्लॉक नं 24

गोमाजिगि नगर, बोरीवली (वेस्ट) बम्बई-  
100092 (महाराष्ट्र)

9. पालीताणा-(गुजरात)

श्री क्षमातन्त्र विजयजी म. सा. आदि ठाणा—

मम्पर्क सूत्र—जयभनगर वाली धर्मजला, मन्दिरी रोड

पालीताणा (सौराष्ट्र) 364270 (गुज.)

10. अहमदाबाद (गुजरात)

श्री ललित मेन विजयजी म. सा. आदि ठाणा

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय माटुर्वा नी पॉल मे.

भूधरजी नी पॉल, अहमदाबाद-380001

(गुजरात)

11. बोधातीर्थ (गुजरात)

श्री निरानन्द विजयजी म. सा.

आदि ठाणा

मम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु. पो. बोधातीर्थ

जिला भावनगर (गुजरात)





37. साध्वी श्री किरणलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, नागजी भूधरजी नी पोल  
माडवी पोल, अहमदाबाद-380001 (गुज.)
  38. साध्वी श्री जय सेना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-गृदंग फ्लेट्स् वी-26 वासण। वस स्टेण्ड  
के पीछे वासण, अहमदाबाद (गुजरात)
  39. साध्वी श्री कीर्तिकला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-देवकीनन्दन सोसायटी पालड़ी  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
  40. साध्वी श्री जयनंदिनी श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, नागजी भूधरजी पोल  
मंकोड़ी पोल, अहमदाबाद 380001 (गुज.)
  41. साध्वी श्री पदमयणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-भद्र भवन अपार्टमेंट्स Opp. पो. आफिस  
पालड़ी, फतेहपुरा, अहमदाबाद-380007  
(गुजरात)
  42. साध्वी श्री ज्योतिप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-आयोजन अपार्टमेंट्स, श्रेयास क्रोसिंग  
Opp. राधारमण सोपिंग सेंटर, पालड़ी,  
अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
  43. साध्वी श्री ललिताग श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री विमलनाथ जैन देरासर, उपाश्रय,  
अवर सिनेमा के पास, बापू नगर,  
अहमदाबाद-380014 (गुजरात)
  44. साध्वी श्री हर्षप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-मर्चेंट सोसायटी, बगला न 27,  
अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
  45. साध्वी श्री मृगेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-भोगीलाल नो उपाश्रय, श्रीमाली वागा,  
मु.पो. डभोई, जिला बड़ौदा (गुजरात)
  46. साध्वी श्री इन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्रीमाली वागा, जेठ जेरी ना नाके,  
मु.पो. डभोई, जिला बड़ौदा (गुजरात)
  47. साध्वी श्री रश्मिलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, दरबारगढ़, मु.पो. मोरवी  
जिला राजकोट (गुजरात)
  48. साध्वी श्री जयधर्म कला जीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, उज्जकृपा, मु.पो. तेजपुर  
(गुजरात)
  49. साध्वी श्री पदमयणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-मेहता हरगोविन्ददास ग्रामजी, जेल रोड,  
अमरेली (गुजरात)
  50. साध्वी श्री धर्मप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, कोर्टर रोड, बोरीवली  
बम्बई (महाराष्ट्र)
  51. साध्वी श्री विरेश पदमा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. महमदाबाद  
जिला खेड़ा (गुजरात)
  52. साध्वी श्री कनकप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मोटार वाग, जामनगर  
(गुजरात)
  53. साध्वी श्री मुवणप्रभा श्रीजी आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-डेवरीया गच्छ ना उपाश्रय, मोटा देरासर  
पास, मु.पो. ध्यागंधा, जिला भुवनेन्द्रनगर (गुज.)
  54. साध्वी श्री तत्त्वगुण श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. तलोद, (गुजरात)
  55. साध्वी श्री पीयूषपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-तुलसी श्याम अपार्टमेंट्स, वाडज,  
अहमदाबाद (गुजरात)
- 
- कुल चातुर्मास (55) मुनिराज (45) साध्वियाजी (210)  
कुल ठाणा (255)
- 
- समुदाय में विद्यमान है-आचार्य (6) पन्थास (1) प्रवर्तक (1)
- 
- नोट-(1) यह समुदाय युग दिवाकर आचार्य श्री विजय धर्म सूरेश्वरजी म.सा. के समुदाय के नाम से भी जाना जाता है। गत वर्ष की सूची में इसी नाम से उल्लेख किया गया था। इस वर्ष आचार्य श्री विजय मोहन सूरेश्वरजी म. का नाम दिया गया है दोनों एक ही समुदाय है।
- (2) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।
- जैन पत्र-पत्रिकाएँ- नहीं।

- 10 માચોર (રાજસ્થાન)  
શ્રી નર સિવજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ જન ઉપાશ્રય મુખા માચાર  
જિના તાતાર (રાજસ્થાન)
- 11 પાલીતાણા (ગુજરાત)  
શ્રી રોર વિજયજી મ મા આદિ ઠાળા (3)  
મમ્મલ મૂલ-મનિ વિજય જી મ માન. જગતિયાજી  
જ મામન નવદી ગઢ પાલીતાણા (માગઢ)  
(ગુજરાત) 364270
- 12 ઉત્તમાનપુરા-અહમદાબાદ (ગુજરાત)  
શ્રી પ્રવાળ વિજયજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
મમ્મલ મૂલ-  
શ્રી શ્વ મૂર્તિ જન દગમર, જૈન  
ઉપાશ્રય, ઉત્તમાનપુરા અહમદાબાદ (ગુજ)
- 13 પાલાતાણા (ગુજરાત)  
શ્રી ગમચત્ર વિજયજી મ મા આદિ ઠાળા  
મમ્મલ મૂલ-
- 14 બધરી ચમ્બઈ (મહારાષ્ટ્ર)  
રાજસ્થાન રાજગી ની બધચત્ર વિજયજી મ મા  
આદિ ઠાળા (2)  
મમ્મલ મૂલ-શ્રી ચત્રપ્રભુ શ્રીજી જા દગમર ગઢ  
પાલીતાણા, જયપ્રવાળ ગઢ, બધરી (વેસ્ટ)  
ચમ્બઈ-400056 (મહારાષ્ટ્ર)  
પાન ન 6282901, 6285469
- 15 ચમ્બઈ મે યામ્ય સ્થલ (મહારાષ્ટ્ર)  
શ્રી ચત્રપ્રભુ વિજયજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
માધ્વયાજી સમુદાય
- 16 માધ્વી શ્રી તાલુણ શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (11)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ, ઉપાશ્રય, જાતિનગર  
અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 17 માધ્વી શ્રી તિલક શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (3)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ પાન, માગપુરા, અહમદાબાદ  
(ગુજરાત)
- 18 માધ્વી શ્રી મુલપ્રભા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ, બિજયનગર, મમ્મલ મ, અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 19 માધ્વી શ્રી મુલપ્રભા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (5)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ, મહારાષ્ટ્ર, અહમદાબાદ, અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 20 માધ્વી શ્રી ચત્રપ્રભા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (24)  
માધ્વી શ્રી ગુરુજીના શ્રીજી મ મા  
મમ્મલ મૂલ-ઉપાશ્રય પ્રમાણ (2) બુદ્ધિમા
- 21 માધ્વી શ્રી પદ્મવતી શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ ઉપાશ્રય, અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 22 માધ્વી શ્રી ચત્રપ્રભા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
મમ્મલ મૂલ-મહાદેવ-ચમ્બઈ
- 23 માધ્વી શ્રી હિતના શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (3)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ જૈન ઉપાશ્રય  
મુખા જિના (ગુજરાત)
- 24 માધ્વી શ્રી નવપ્રભા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ જૈન ઉપાશ્રય, માનરમતી,  
ગમતપુરા, અહમદાબાદ-380005 (ગુજરાત)
- 25 માધ્વી શ્રી મામ્યપ્રભા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ ઉપાશ્રય, સદા ચાત્ર  
સૂરત (ગુજરાત)
- 26 માધ્વી શ્રી ચત્રપ્રભા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (6)  
મમ્મલ મૂલ-જન ઉપાશ્રય, કીલગમ મામાલપા,  
પાનદી, અહમદાબાદ-380007 (ગુજરાત)
- 27 માધ્વી શ્રી હમવતી શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (12)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ જૈન ઉપાશ્રય મુખા કલોત  
વાયા જિના અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 28 માધ્વી શ્રી વિદ્યુત પ્રભા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (16)  
મમ્મલ મૂલ-ઉપાશ્રય પ્રમાણ (1) બુદ્ધિમા -
- 29 માધ્વી શ્રી પૂજ્યના શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (5)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ જૈન ઉપાશ્રય, મુખા સાદકી  
મારબાડ, જિના પાલીતાણા (રાજ) 306702
- 30 માધ્વી શ્રી શ્રીવલ્લભ શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (6)  
મમ્મલ મૂલ-જન મૂર્તિ જૈન દગમર, ઉપાશ્રય,  
મુખા સમી (ગુજરાત)

31. साध्वी श्री सूर्यकला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय, आनन्दनगर,  
वाडज-अहमदाबाद (गुजरात)
32. साध्वी श्री सिद्धपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, महावीर सोसायटी,  
नवसारी (गुजरात) 396445
33. साध्वी श्री वीरकला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, पावापुरी सोसायटी,  
मु.पो. थरा, जिला साबरकाठा (गुजरात)
34. साध्वी श्री सौम्यप्रज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. प्रान्तीज (गुजरात)
35. साध्वी श्री राजप्रज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (33) अनुसार
36. साध्वी श्री सुरेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (12)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. भाणवड़ (गुजरात)
37. साध्वी श्री अमीरसा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जामनगर (गुजरात)
38. साध्वी श्री भावपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (12)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जामनगर (गुजरात)
39. साध्वी श्री नांघिरत्ना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. ऊण (गुजरात)
40. साध्वी श्री रत्नरेखा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—पालीताणा (गुजरात)
41. साध्वी श्री कंचन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—रजिम फ्लेटम्, वासणा-अहमदाबाद (गुज.)
42. साध्वी श्री रामरमा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—पाटीशानो उपाश्रय, अहमदाबाद (गुज.)
43. साध्वी श्री महेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—पालीताणा (गुजरात)
44. साध्वी श्री विरलप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय, मु.पो. रतलाम  
(म.प्र.) 457001
45. साध्वी श्री सम्यग रत्ना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—पालनपुर (गुजरात)
46. साध्वी श्री मुमंगला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—महेसाणा (गुजरात)
47. साध्वी श्री तेजप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—विरमगांव (गुजरात)
- 
- कुल चातुर्मास (47) मुनिराज (61) साध्वियांजी (184)  
कुल ठाणा (245)
- 
- समुदाय में विद्यमान है—गच्छाधिपति (1) आचार्य  
(5) पत्न्यास (4)
- इस वर्ष नई दीक्षाएँ हुईं—मुनिराज (3) साध्विया नहीं  
इस वर्ष महाप्रयाण हुए—मुनिराज नहीं। साध्वियां (3)  
जैन पत्र-पत्रिकाएँ—नहीं
- 
- गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (58)  
साध्विया (176) कुल ठाणा (234)
- 
- नोट—स्थानाभाव एवं समयभाव के कारण तुलनात्मक  
तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।
- 

युग की आवाज

सबत्सरी एक हो



36. (ए) साध्वी श्री चारुप्रज्ञा श्रीजी म सा आदि ठाणा (7)  
(वी) साध्वी श्री जयलक्ष्मा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
(सी) साध्वी श्री कुमुद श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
(टी) साध्वी श्री प्रवीणप्रभा श्रीजी म सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, पाजयपाल गेरी  
मु.पो. राधनपुर जिला व का (उ. गुज.)
37. साध्वी श्री जयानन्दा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जीवी वेन उपा., संघनी क्ली,  
मु.पो. चिरमगांव (गुजरात)
38. साध्वी श्री चन्द्रकला श्रीजी म.सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मोटी बाजार,  
मु.पो. बलमांड (गुजरात)
39. साध्वी श्री जयकीर्ति श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, स्टेशन रोड  
मु.पो. वारडोली जिला मूरत (गुजरात)
40. साध्वी श्री निरूपमा श्रीजी म.सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—फूलीबाई नो डेलो, देव बाग के पास  
मु.पो. जामनगर (गुजरात) 361001
41. साध्वी श्री सुनन्दा श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. दाड़ा (सौराष्ट्र)
42. साध्वी श्री सुदक्षा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—सौधर्म निवास, कम न 25, तलेटी रोड,  
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात)
43. साध्वी श्री इन्दुयज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन धर्मशाला, कंसारा बाजार, नानी  
दान शाला, मु.पो. सिरोही (राजस्थान)
44. साध्वी श्री विक्रमेन्द्रा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—साधर्म निवास तलेटी रोड,  
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) 364270
45. साध्वी श्री हेमगंगा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—पादरली भवन, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात)
46. साध्वी श्री देवानन्दा श्रीजी म सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—ओमवाल यात्रिक गृह, पालीताणा (गुज.)
47. साध्वी श्री प्रियदर्शना श्रीजी म सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, जगा चौरवाल,  
मु.पो. वैरावल-362265 (सौराष्ट्र) (गुज.)
48. साध्वी श्री पुष्पचूला श्रीजी म सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जावूवाला नो उपाश्रय, जीनतान रोड,  
भारत मोमायटी की बाड़ी के पीछे,  
मु.पो. सुरेन्द्रनगर-363001 (गुजरात)
49. साध्वी श्री हंसकीर्ति श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. मोरवी (फ्लोट)  
जिला राजकोट (गुजरात)
50. साध्वी श्री चन्द्रज्योति श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन मोटा देरासर, मु.पो. निम्बडी  
जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
51. साध्वी श्री हर्षपूर्णा श्रीजी म सा आदि ठाणा (11)  
सम्पर्क सूत्र—तणागच्छ श्राविका नो उपाश्रय,  
लिम्बडा नो नौक, मु.पो. वोटोद जिला भावनगर  
(गुजरात)
52. साध्वी श्री विमल श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, मु.पो. खाखेची,  
वाया मोरवी, जिला राजकोट (गुजरात)
53. साध्वी श्री गुवर्णरेखा श्रीजी म सा आदि ठाणा (7)  
सम्पर्क सूत्र—श्री गाडलिया पार्श्वनाथ जैन देरासर  
छायजी वाम मु.पो. मांडल
54. साध्वी श्री अक्षय श्रीजी म सा आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र—जैन ज्वे मूर्ति पेढी, मराना चौक, बाजार मे  
मु.पो. महेमाणा (गुजरात)  
अहमदाबाद शहर क्षेत्र
55. साध्वी श्री यज्ञोघ्ना श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय, गिरधर नगर, अहमदाबाद  
(गुजरात)
56. साध्वी श्री मुनद्रा श्रीजी म सा आदि ठाणा (11)  
साध्वी श्री मुलोचना श्रीजी म सा आदि ठाणा (8)  
सम्पर्क सूत्र—रुक्मणी दाई जैन पापघणाला,  
मावरमनी, रामनगर, अहमदाबाद-380005  
(गुजरात)



संघ, स्थविर आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय सिन्धी  
सूरीश्वरजी म. सा. (वापजी म. सा.) का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य:-  
आचार्य श्री विजय भद्रंकर सूरीश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (16) सुनिराज (23) साध्वियाँजी (350) कुल ठाणा (373)

साधु-सुनिराज समुदाय

1. चामणा-अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय भद्रंकर सूरीश्वरजी म. सा.  
आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-श्री ध्वे मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय,  
नवकार प्लेट के पास, वानगा-अहमदाबाद (गुज.)
2. वाव (गुजरात)
  1. आचार्य श्री विजय अरविन्द सूरीश्वरजी म. सा.
  2. आचार्य श्री यशोविजय सूरीश्वरजी म. सा.
  3. प्रवर्तक श्री जयानन्द विजयजी म. सा.  
आदि ठाणा (12)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. वाव जिला  
वनासकाठा, वाया डीमा (गुजरात) 385575
3. आदरीयाला (गुजरात)  
प्रवर्तक श्री जम्बू विजयजी म. सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. आदरीयाला  
वाया विरमगाव (गुजरात)
4. मांचोर (राजस्थान)  
श्री मुनिचन्द्र विजयजी म. सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, नवा वाम,  
मु.पो. सांचोर, जिला जालौर (राजस्थान)
5. डभोई (गुजरात)  
श्री हरिचन्द्र विजयजी म. सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. डभोई (गुजरात)

साध्वियाँजी समुदाय

6. साध्वी श्री मनक श्रीजी म. सा. आदि ठाणा (11)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. जूनाडीसा, वाया  
पालनपुर, जिला वनासकाठा (गुजरात)
7. साध्वी श्री सुवर्णा श्रीजी म. सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. झीझुवाड़ा  
वाया विरमगाव (गुजरात)
8. साध्वी श्री सूर्यवती श्रीजी म. सा.  
साध्वी श्री नूतनप्रभा श्रीजी म. सा.  
साध्वी श्री नरुणचन्द्रा श्रीजी म. सा.  
साध्वी श्री कल्पलता श्रीजी म. सा. आदि ठाणा (30)  
सम्पर्क सूत्र-जैन उपाश्रय, मु.पो. वाव वाया डीमा  
जिला वनासकाठा (गुजरात)
9. साध्वी श्री भावपूर्णा श्रीजी म. सा.  
साध्वी श्री तीर्थोदया श्रीजी म. सा. आदि ठाणा (15)  
सम्पर्क सूत्र-श्री वीरमती जैन उपाश्रय, लक्ष्मी भुवन  
गोपीपुरा-सूरत-395001 (गुजरात)
10. साध्वी श्री धर्मरत्ना श्रीजी म. सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-मिमला मोमायटी, शंखेश्वर पार्श्वनाथ  
मंदिर के पास, सांछरभती-अहमदाबाद-380005  
(गुजरात)
11. साध्वी श्री ज्योतिप्रभा श्रीजी म. सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-लक्ष्मीधर्वक संघ, नारायण नगर रोड.  
जातिवन वस स्टेण्ड, पालड़ी-अहमदाबाद-  
380007 (गुजरात)



12 माधवी श्री श्रीमतीश्रीजा ममा आदि ठाणा (5)  
मम्पक मूत्र-जैन उपाध्याय, मुपा ठाणा, 115 मिहारा  
जिला भावनगर (गुजरात)

13 माधवी श्री मना पूणा श्रीजी ममा आदि ठाणा (5)  
मम्पक मूत्र-गिरिनिहा आराधना बड, रिटी रा  
पालीठाणा (सांगर) 361270 (गुजरात)

14 माधवी श्री मृगाव श्रीजा ममा आदि ठाणा (7)  
मम्पक मूत्र-माधवी बाम मुपा राधपुर बागा  
पारनपुर जिला जनामकाठा (गुजरात)

15 माधवी श्री वैप म्ना श्रीजी ममा आदि ठाणा (2)  
मम्पक मूत्र-जैन उपाध्याय मुपा बालगढ़  
जिला मुद्रनगर (सांगर) (गुजरात)

16 माधवी श्री जयपूणा श्रीजी ममा आदि ठाणा (4)  
मम्पक मूत्र-शामल भवन गिरधरनगर,  
अहमदाबाद 380010 (गुजरात)

कुल चातुर्मास (16) मुनिराज (23) साध्वीजा (350)  
कुल ठाणा (373) (अनुमानित)

नोट-(1) उपर्युक्त माध्विया के अन्तर्गत जीव भी अन्य  
माध्विया विद्यमान हैं जिनके जनसंख्या  
प्राप्ति नहीं हो सकी। यही माध्विया की वा  
गम्या भी गयी है वह जनसंख्या के अनुसार ही  
हो गयी है।

(2) नष्ट दीप्ति एवं महाप्रमाण सूची प्राप्त नहीं हो  
के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर  
सके।

(3) जैन पत्र पत्रिकाएँ—नहीं

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (26) साध्वी  
(400) कुल ठाणा (426) (अनुमानित)

## यह कैसा संयोग

आप कुछ भी समझिये परन्तु सम्पूर्ण जैन समाज में यह  
एक तरह का संयोग है। माध्वी जिनकी प्रभावशाली  
आचार्य या मुनिराज हैं वह विगत 10 वर्षों में अपनी जमाद  
के बिना पट्टेचत-पट्टेचत महाप्रमाण के आचार्य बन  
गये और यह भी उचित उक्ति है 95-96 के जैन-सम  
की है। कुछ विवरण हम प्रकाश करें—

(1) निम्नलिखित सम्प्रदाय के प्रभावशाली आचार्य प्रवर  
श्री सम्प्रदायी ममा भी 96 वर्ष में वानप्रस्थ हो  
प्राप्त हो गये।

(2) श्रमण मणीय प्रभावशाली प्रवरक भवधर बेजरी  
श्री मिश्रीमन्जी ममा भी 96 वर्ष की आयु में ही  
बाल धर्म हो प्राप्त हो गये।

(3) जब भूति तपागच्छ के गच्छाधिपति आचार्य श्री  
विजय रामचन्द्र गुरीश्वर जी ममा भी 96 वर्ष  
में ही वानप्रस्थ हो प्राप्त हो गये।

(4) श्रमण मण के प्रभावशाली जमादारी श्री बम्बरबजी  
ममा भी 95 वर्ष आयु-सम हो वानप्रस्थ हो प्राप्त  
होए।

(5) श्रमण मण के आचार्य सम्प्रदायी श्री आदि ऋषीजी  
ममा भी 93 वर्ष की आयु में वानप्रस्थ हो प्राप्त  
हो गये।

—अन्य विवरण आपकी अवस्था में

—सम्पादक

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:-  
गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय हेमप्रभ  
सूरेश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (52) मुनिराज (32) साध्वियांजी (175) कुल ठाणा (207)

### साधु-मुनिराज समुदाय

1. साहूकार पेंठ-मद्रास (तमिलनाडु)  
गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय हेमप्रभ सूरेश्वरजी  
म.सा.  
पन्यास श्री मलयचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-  
Shri Jain Aradhana Bhawan,  
351, Mint Street, Sowcarpet,  
MADRAS-600079 (T.N.)
2. खंभात (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय यशोरत्न सूरेश्वरजी म.सा.  
सम्पर्क सूत्र-श्री ओसवाल जैन उपाश्रय, माणिक चौक,  
मु.पो. खंभात, जिला खेडा (राज.) 388620
3. सरधना (उ.प्र.)  
श्री कीर्तिप्रभ विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्वे जैन धर्मशाला, चौक बाजार  
मु.पो. सरधना, जिला मेरठ (उ.प्र.) 250340  
निम्नलिखित मुनिराजो के चातुर्मास के बारे में जानकारी  
ज्ञात नहीं हो सकी। कोष्ठक में 1991 के चातु-  
र्मास स्थल का नाम दिया गया है।
4. श्री विभाकर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (अहमदाबाद)
5. श्री भास्करविजयजी म.सा. आदि ठाणा (जामनगर)
6. श्री सिद्धिविजयजी म.सा. आदि ठाणा (राजस्थान)
7. श्री आनन्दविजयजी म.सा. आदि ठाणा (सेरीसा तीर्थ)
8. श्री विनीत प्रभ विजयजी म.सा. आदि ठाणा  
(कुंभारियाजी तीर्थ)
9. श्री हरिभद्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (पालीताणा)
10. श्री कीर्तिप्रभ विजयजी म.सा. आदि ठाणा (पालीताणा)

### 11. श्री हंसविजयजी म.सा. आदि ठाणा (मुरेन्द्रनगर)

कुल चातुर्मास (52) मुनिराज (32) साध्वियांजी (175)  
कुल ठाणा (207) (अनुमानित)

समुदाय में विद्यमान है-गच्छाधिपति (1) आचार्य (2)  
पन्यास (1)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ-—नहीं

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (28) साध्वियां  
(165) कुल ठाणा (193)

नोट- (1) चातुर्मास प्रारंभ होने के 37 दिन बाद 19-8-92  
तक भी कई पत्र देने के पश्चात् भी इस समुदाय  
की पूरी-अधूरी सूची कहीं से भी प्राप्त नहीं हो  
सकी। इसलिए संख्या 1991 की सूची के अनु-  
सार अनुमान से ही प्रस्तुत की गई है।  
साध्वियों की सूची भी प्राप्त न हो सकी।

(2) जब पूरी सूची ही प्राप्त न हो सकी तो नई दीक्षा  
एवं महाप्रयाण की सूची कहीं से उपलब्ध होती  
और तब तुलनात्मक तालिकाएँ देने का तो  
प्रश्न ही नहीं उठता।

(3) यह सूची पुस्तक समग्र जैन समाज के हर वर्ग  
तक पहुँचती है और फिर जब किसी समुदाय  
की सूची पुस्तक में प्राप्त नहीं हो तो वह उस  
समुदाय के लिए एक चुनौती बन जाती है सभी  
का ध्यान उस ओर खिंच जाता है अतः समु-  
दाय के पदाधिकारीगणों से यही नम्र निवेदन  
है कि आप अपने समुदाय के अलावा समग्र  
जैन समाज के लिए अपनी पूरी सूची यहाँ अवश्य  
देवे ऐसा मेरा एक सुझाव, नम्र विनंती है,  
क्योंकि यह पुस्तक सम्पूर्ण विश्व के जैन समु-  
दाय के हर वर्ग के पास पहुँचती है।

—सम्पादक

## तारे ते तीर्थ

### भारत का महान तीर्थ श्री आभासी तीर्थ पारवर्तनाथ

सम्पूर्ण भारत में एवं भारत के अन्तर्गत एवं अन्तर्गत, मृदुग परमात्मा श्री शिवेश्वर पारवर्तनाथ भगवान का भव्यतम भव्य श्री समवर्तन महामंदिर का भव्य निर्माण धर्म प्रभावक पूज्य आचार्य प्रवर श्रीमद विजय दत्त मुरारीवरमा मसा एवं पद्मान प्रवर श्री प्रभाकर विजयजी मसा आदि पूज्यवर्तों की सङ्घरेखा से सम्पन्न हुआ है।

सर्विध विधान श्री गौतम ग्नामीजी का कर्मन आचार्य गुरु मंदिर एवं राज राजेश्वरी भगवति श्री पद्मावती देवी का भव्य मंदिर कथल आचार्य का निर्माण भी सम्पन्न हुआ है।

विस 2046 (भारताही 2047) वैशाख शुक्ल 6 के पावा शुभ तिथि गङ्गा भक्तों की शुभ भावना व साथ उत्साह एवं हर्षोत्साह के साथ अजयनगरा प्रतिष्ठा महाभक्त भी सम्पन्न किया गया था।

0 धर्मशास्त्र, उपाश्रय, भावनाना, मेनेटरियन आदि की आधुनिक ममी, गुनिघाजा व साथ प्राप्त होते पर भव्य तीर्थ धाम में सारिङ परम शांति का गुण अनुभव होता है।

0 महातीर्थ का भव्य निर्माण सम्पन्न हो चुका है एवं विशेष निर्माण कार्य अभी भी चल रहा है।

0 शासन प्रेमी मज्जनों की सत्र मांग पर उत्तरन व निगमस महा तीर्थ का महारा अवश्य देना चाहिए।

0 ट्रस्ट की ओर से आप सभी को सादर आमन्त्रण है कि ऐम महातीर्थ की यात्रा करने अवश्य प्यारे, आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

श्री समवर्तन महामंदिर पारवर्तनाथ,

(प. 1, 5 बालपट राड, आभासी तीर्थ बाधा निराग (रेटन रेनवे) बिना छपा (महागङ्गा) 401301

—निवेदन—

श्री शिवेश्वर पारवर्तनाथ जन ट्रस्ट (आभासी तीर्थ) ट्रस्टी मण्डन

श्री महावीरनाथ नाम

आचार्य सद्गुरु श्री आनंद ऋषिजी मसा की शान शान मदन करत हुए। आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्रमुनिजी मसा उपाध्याय श्री पुष्पगुप्तिजी मसा आदि छपाआना गङ्गविवाणा (राज) में एम श्रमण मधीय मलाहारा प. रन श्री मृतकद्वी मसा का उद्घाटन म 1992 का जातुर्मास, ज्ञान, दाद, चारित्र एवं तप की आगमनाओं में परिपूर्ण होने की मगन नामना करत हुए।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

## श्री दिवाकर के पिसे मसाले

स्पेशल डबलटूटी मुटो मिर्चों, धनिया, हल्दी, सांगती, पिसे हुई साल मिर्चों, अमचूर, काली मिर्चों, जोरावन एवं सब मसाला

## श्री दिवाकर ट्रेडर्स

- 84, आन्ड राजमोहन्ला (भासगज), इंदौर (म.प्र.) 452002

श्री दिनेशकुमार रामस्वरूप जन

सभी प्रकार के नमकीन का सामान उपलब्ध

श्री नाकोड़ा तीर्थोद्धारक आचार्य श्री विजय हिमाचल  
सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति:-  
गच्छाधिपति मालानी क्षेत्र उद्धारक, आचार्य प्रवर  
श्री विजय लक्ष्मी सूरीश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (25) मुनिराज (15) साध्वियाँ (75) कुल ठाणा (90)

साधु-मुनिराज समुदाय

कुल चातुर्मास (25) मुनिराज (15) साध्वियाँ (75)  
कुल ठाणा (90) अनुमानित

1. नाकोड़ाजी तीर्थ-मेवानगर (राजस्थान)

गच्छाधिपति मालानी क्षेत्र उद्धारक, आचार्य  
श्री विजय लक्ष्मी सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

समुदाय में विद्यमान हैं-गच्छाधिपति (1) आचार्य (1)  
(1) पन्यास (2)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ--नहीं

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (15) साध्वियाँ  
(75) कुल ठाणा (90)

सम्पर्क सूत्र-श्री नाकोड़ाजी जैन तीर्थ पेढी,  
मेवानगर, बाया वालोतरा, जिला बाड़मेर  
(राजस्थान) 344025

नोट:- (1) चातुर्मास प्रारंभ होने के 37 दिन बाद 19-8-92  
तक भी इस समुदाय की पूरी सूची प्राप्त नहीं  
हो सकी। गच्छाधिपति श्री के तीन पत्र प्राप्त  
हुए परन्तु उन्होंने अपनी असमर्थता ही प्रेषित  
की है। अतः उक्त सूची सिर्फ अनुमान  
से ही प्रकाशित की गयी है।

2. राजस्थान में योग्य स्थल (राजस्थान)  
पन्यास श्री रत्नाकर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)

(2) जब पूरी सूची ही हमें प्राप्त नहीं होवे तो  
तुलनात्मक तालिकाएँ देना तो एक स्वप्न बन  
जाता है।

3. राजस्थान में योग्य स्थल (राजस्थान)  
पन्यास श्री विद्यानन्द विजयजी म.सा.  
आदि ठाणा (2)

(3) यह सूची सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज के हर  
वर्ग तक पहुँचती है, इसका ध्यान रखकर हर  
समुदाय को अपना कीर्तिमान स्थापित कायम  
रखने हेतु सभी को सूचियाँ भेजनी चाहिए,  
ऐसी हमारी विनंती है।

4. पालीताणा के आसपास (गुजरात)  
श्री बलभद्र विजयजी म.सा. ठाणा (1)

5. शिवगंज (राजस्थान)

श्री चन्द्रशेखर विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री आदिश्वरजी ओसवाल जैन मंदिर पेढी  
मु.पो. शिवगंज स्टेशन, जवाई बाघ,  
जिला सिरोंही (राज.) 307027

—सम्पादक

हादिक शुभकामनाओ के साथ

# NATIONAL

- ★ CLUTCH CARBON ASSEMBLY
- ★ CLUTCH RELEASE PLATE
- ★ CLUTCH RELEASE FORKS
- ★ CLUTCH BEARINGS
- ★ CYLINDER HEAD EICHER

DISTRIBUTORS FOR TRACTOR PARTS

## NATIONAL TRADING CO.

58 STATE BANK COLONY, G.T. ROAD

DELHI-110 009

TEL NO 7225040

With best compliments from .

Tel No 3437904/3444000

**Sha Umedmal Tilokchandji & Co.**

Exclusive Gold Jewellery

Shop No 51-52, Dagina Bazar, Mumbadevi Road,

Tambakantha, BOMBAY-400002 (MH)



Tel No 3446176 3447809

**M/s. Ummed Jewellers**

36, Dagina Bazar, Mumbadevi Road,

BOMBAY-400 002 (MH)

श्री बुद्धि तिलक, प्रशांत तपोमूर्ति, आचार्य प्रवर  
श्री विजय शांतिचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य:- आचार्य प्रवर  
श्री भुवन शेखर सूरेश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (25) मुनिराज (25) साध्वियाँ (120) कुल ठाणा (145)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. केशव नगर-अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय भुवन शेखर सूरेश्वरजी  
म.सा.

आदि ठाणा

सम्पर्क सूत्र-श्री भुवन शेखर सूरेश्वरजी ज्ञान मंदिर  
कोठारी कुंज के बाजू में केशवनगर,  
अहमदाबाद-380027 (गुजरात)

2. गुजरात में योग्य स्थल (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय सोम सुन्दर सूरेश्वरजी म.सा.  
आचार्य श्री जिनचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा

3. सूरत (गुजरात)  
आचार्य श्री विजय राजेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर उपाश्रय  
कैलाश नगर, मथुरा गेट-सूरत-395001  
(गुजरात)

4. राजस्थान में योग्य स्थल (राजस्थान)  
पन्थास श्री भद्रानन्द विजयजी म.सा.

आदि ठाणा

5. बम्बई के आसपास (महाराष्ट्र)  
श्री रत्नेन्दु विजयजी म.सा.

आदि ठाणा

6. गुजरात में योग्य स्थल (गुजरात)  
श्री मुन्ना विजयजी म.सा.

आदि ठाणा

कुल चातुर्मास (25) मुनिराज (25) साध्वियाँ (120)  
कुल ठाणा (145) अनुमानित

समुदाय में विद्यमान हैं-आचार्य (4) पन्थास (1)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ--नहीं

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (26) साध्वियाँ  
(125) कुल ठाणा (151)

नोट-(1) चातुर्मास प्रारंभ होने के 37 दिन बाद  
19-8-92 तक भी इस समुदाय की सूची कई  
वार पत्र व्यवहार करने के पश्चात् भी प्राप्त  
नहीं हो सकी। इसलिए गत वर्ष के अनुसार ही  
संख्या अनुमान से दी गयी है। जब पूरी सूची  
ही प्राप्त नहीं हुई तो तुलनात्मक तालिकाएँ देने  
का प्रश्न ही नहीं उठता।

(2) यह सूची पुस्तक सम्पूर्ण विश्व के जैन समुदाय  
के हर वर्ग तक पहुँचती है। इसलिए अपने कीर्ति-  
मानों को कायम रखने हेतु सभी समुदायों की  
सूचियाँ प्रकाशित होना आवश्यक है। इस समु-  
दाय की सूची प्राप्त नहीं होने में सभी पाठक  
इस समुदाय के बारे में जानकारी प्राप्त करने  
में वंचित रहेंगे। अतः सम्पूर्ण विश्व के समग्र  
जैन समाज का ध्यान रखकर अपने-अपने समु-  
दायों की सभी सूचियाँ अवश्य भेजे।

-सम्पादक

सभी पूज्य आचार्यों, सत-सतियो को कोटि - कोटि वन्दन

## VINODKANT HARILAL JAGGERY MERCHANTS

New Mandi, MUZAFFARNAGAR-251 001 (U P)

PHONE 403122 403522, 405939

— — — ❧ शुभेच्छक ❧ — — —  
विनोदकान्त गोसलिया

उपाध्यक्ष

एस एस जैन सभा

मुजफ्फरनगर (उ प्र)

जय आनन्द

॥ जय महावीर ॥

जय देवेश

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Ph. 39168

## श्री रमेश नमकीन भण्डार

नमकीन एवं मिठाईयो के थोक एवं खरची विक्रेता

54, इमली बाजार, इन्दौर (म प्र)

विशेषताएँ -

- 0 भावे की एवं बगाली मिठाईयाँ
- 0 शुद्ध देशी धो की सोहन पपड़ी, सोहन हलवा
- 0 मलाई रोल एवं काजू कतली
- 0 शुद्ध मूयफली तेल से निर्मित नमकीन

श्री लक्ष्मीनारायण जैन

शुभेच्छक —

लक्ष्मीनारायण, रमेशचन्द, मुकेशकुमार

एवं दिलीपकुमार

हालार देशोद्वारक आचार्य प्रवर श्री विजय  
अमृत सूरेश्वरजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य:- आचार्य प्रवर  
श्री विजय जितेन्द्र सूरेश्वरजी म. सा.

कुल चातुर्मास (4) मुनिराज (4) साध्वियाँ (17) कुल ठाणा (21)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. खंभात (गुजरात)

आचार्य श्री विजय जितेन्द्र सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन भाला, टेकरी, मु.पो. खंभात,  
जिला खेडा (गुजरात) 388620

साध्वियाँजी समुदाय

2. साध्वी श्री महेंद्रप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-शान्ति भवन कन्या छात्रावास के सामने  
द्विग्विजय प्लॉट जामनगर-364005 (गुज.)

3. साध्वी श्री अनंतप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)

साध्वी श्री स्वयंप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

साध्वी श्री तत्वमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री शान्ति बिहार चौकसी पॉल, खंभात  
जिला खेडा (गुजरात) 388620

4. साध्वी श्री इन्दुप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)

साध्वी श्री भव्यदर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन उपाध्वय, काशीपुरा, मु.पो. वोरसद  
वाया आणन्द, जिला खेडा (गुजरात)

कुल चातुर्मास (4) मुनिराज (4) साध्वियाँ (17)  
कुल ठाणा (21)

समुदाय में विद्यमान हैं आचार्य (1)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ-श्री महावीर शासन (गुजराती-मासिक)  
जामनगर

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (4) साध्वियाँ  
(21) कुल ठाणा (25)

रात्रि में बनाये गये खाने-पीने के पदार्थ का दिन  
में खाना भी रात्रि भोजन ही है।

- अनुयोग प्रवर्तक - मुनि कन्हैयालाल 'कमल'



ममी पूज्य आचार्यों, साधु-साध्वियों को  
कोटी-कोटी वन्दन

हादिक शुभकामनाओं के साथ

ॐ

TEJRAJ SUNIL SHINHLA  
**Raj Electricals**  
115/1, C M H Road,  
ULSOOR,  
Bangalore-560 008  
(Karnataka)

With Best Compliments from

किसी जिज्ञासु ने भगवान महावीर स्वामी म पूछा—  
कि भगवन् साधु की ध्याया क्या है ?

तो प्रभु ने जवाब दिया—

“अमुता मुनि मुता अमुनि”

ऐसे जागृत मुनिवर भगवन् की कोटि-कोटि वन्दन।

**CARE**

**Investments Services**

INVESTMENTS CONSULTANTS

Office 4015, Astodia Rang Bazar  
AHMEDABAD—830001 (Guj)

Rest SEVENTILAL C SHAH  
23, Nemi Nath Nagar, Society,  
S M Road, Ambawati,  
Ahmedabad—380015 (Guj)

Tel No Office—352516/354375/357278  
Rest—400987/400886

सामायिक स्वाध्याय के प्रेरक, इतिहास मानण्ड  
परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री हस्तीमलजी म मा  
को कोटी-कोटी वन्दन करते हुए वर्तमानाचार्य  
परम पूज्य श्री हीरचन्द्रजी म मा आदि ठाणाओं  
का बालोतरा (राज) में सन् 1992 का  
जातुर्मास मानद सम्मेलन होने की मंगलकामनाएँ  
करते हुए—

हादिक शुभकामनाओं के साथ—

**M. Shantilal Jain**

No 4, Magadi Road,

Opp Chak Post

Near K H B Colony,

BANGALORE—560 079 (Karnataka)

सभी पूज्य आचार्यों साधु-साध्वियों  
को कोटी-कोटी वन्दन

हादिक शुभकामनाओं  
के साथ

**जे. के. जैन**

एडवोकेट

346, दरीवा कला, कूचा सेठ के सामने

दिल्ली—110006

शुभेच्छक -

माणकचंद, शांतिलास, रिखवराज, सुनिल लोढ़ा

(नाडमर निवासी) बंगलूर

शासन सम्राट, महातपस्वी, राष्ट्रसंत, भारत दिवाकर,  
कलिकाल अचलगच्छाधिपति आचार्य प्रवर स्व. श्री गुण सागर  
सूरीश्वरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साधिवयाँजी म.सा.

कुल चातुर्मास (90) मुनिराज (42) साधव्यां (200) कुल ठाणा (242)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. 72 जिनालय तीर्थ, तलवाणा (गुजरात)  
तपस्वी रत्न आचार्य श्री गुणोदय सागर  
सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, 72  
जिनालय तीर्थ, गुरुनगर, मु.पो. तलवाणा  
तालूका माडवी-कच्छ (गुजरात) 370465

2. चौच बन्दर-बम्बई (महाराष्ट्र)

साहित्य दिवाकर, राजस्थान दीप आचार्य  
श्री कलाप्रभ सागर सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

सम्पर्क सूत्र-श्री कच्छी वीसा. ओसवाल देरासर  
नवी जैन, महाजन बाड़ी, 99/101 न्यू चौच  
बंदर रोड, माण्डवी, बम्बई 400009 (महा.)

3. विज्ञाण कच्छ (गुजरात)

गणि श्री कवीन्द्र सागरजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
विज्ञाण तालूका अवडासा-कच्छ, जिला भुज  
(गुजरात)

4. जैन आश्रम-नागलपुर (गुजरात)

श्री प्रेमसागरजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री मेघजी सोजपाल जैन आश्रम  
मु.पो. नागलपुर (ढीढ) तालूका माडवी (गुज)

5. बिदड़ा-कच्छ (गुजरात)

गणि श्री महोदय सागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-मोटी धर्मशाला, चापाणी फरियो,  
मु.पो. बिदड़ा-कच्छ, तालूका माडवी (गुजरात)  
370435

6. माण्डवी-कच्छ (गुजरात)

श्री महाभद्र सागरजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-जैन धर्मशाला, झासी की, राणी रोड,  
आवा वाजार, मु.पो. माडवी-कच्छ  
(गुजरात) 370465

7. मांडल (गुजरात)

श्री हरिभद्र सागरजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. मांडल, वाया विरमगाव (उ गुजरात)  
382130

8. नाला सोपारा-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री पुण्योदय सागरजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, श्री वासुपूज्य  
स्वामी जैन देरासर पास, वीरा अर्धमेट्स,  
महेन पार्क, तुलीज रोड, नाला सोपारा (पूर्व)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 401203

9. बड़ौदा (गुजरात)

श्री कमलप्रभ सागरजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ कच्छी जैन भवन,  
भालेराव टेकरा, रावपुरा, जी.पी.ओ. के पीछे  
बड़ौदा (गुजरात) 390001

- 10 તાલવાડી-અમદાવાદ (મહારાષ્ટ્ર)  
શ્રી ધર્મપ્રજા સાગરજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી મુલિધિનાથ જૈન દરામર, ડા એમ એમ  
ગાંધી રોડ ધમપુરી, તાલવાડી, અમદાવાદ-400012  
(મહારાષ્ટ્ર)
- 11 વિશાળ (રાજસ્થાન)  
શ્રી નવપ્રજા સાગરજી મ મા આદિ ઠાળા (1)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી જૈન મંદિર ઉપાધ્યય, મુખા વિશાળ,  
જિલ્લા વાઢમ (રાજસ્થાન) 344011
- 12 પાલીતાણા (ગુજરાત)  
શ્રી પ્રદુરસાગરજી મ મા આદિ ઠાળા (1)  
અમદાવાદ મુખ-જામનગર વાની ધમશાળા, માળી મુલિયા  
ક મામને પાલીતાણા (સારાપટ્ટ) (ગુજરાત)  
364270
- 13 હમલા મજલ-કચ્છ (ગુજરાત)  
શ્રી મનપ્રજા સાગરજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી જલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય,  
મુખા હમલા મજલ, વાયા માણડવી-કચ્છ (ગુજ)  
364270
- 14 દિપ્ત (મહારાષ્ટ્ર)  
શ્રી અમરજી સાગરજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી જલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય, મુખા દિપ્ત  
જિલ્લા વલ્લભાલ (મહારાષ્ટ્ર) 445203
- 15 સનવાડ (રાજસ્થાન)  
શ્રી વલ્લભસાગરજી મ મા આદિ ઠાળા (1)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી વિનાયકસાગર જન્મલાલ, જનરલ  
કિરોડી મર્ચન્ટ, મુખા સનવાડ, જિલ્લા ઉદયપુર  
(રાજસ્થાન) 313206
- સાચિવાંજી સમુદાય
- 16 માધવી પ્રમુખ શ્રી હરજીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી ગગન જન સામાયટી, તલેટી રોડ  
મુખા પાલીતાણા (સારાપટ્ટ) 364290 (ગુજ)
- 17 માધવી શ્રી ગિરિજા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી જલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય, મુખા  
સામરાઈ-કચ્છ તાલુકા માધવી (ગુજ) 370450
- 18 માધવી શ્રી અમરજી મ મા આદિ ઠાળા (3)  
અમદાવાદ મુખ-અમરજી મ મા આદિ ઠાળા (4) જનુમાર
- 19 માધવી શ્રી નરેન્દ્ર શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી અલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય, મુખા  
મુલગરી તોય, તાલુકા અલગચ્છ  
(ગુજરાત) 370490
- 20 માધવી શ્રી ગુરુદ્રશ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
અમદાવાદ મુખ-અમરજી મ મા આદિ ઠાળા (4) જનુમાર
- 21 માધવી શ્રી ચંદ્રપ્રજા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી વલ્લભ મંત્ર, તલેટી રોડ  
પાલીતાણા (ગુજરાત) 364270
- 22 માધવી શ્રી મુલપ્રજા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી દેવદાસ જનુમાર, શ્રી રાણી કુલજી  
રોડ જગદ મ, મુખા ગંડેલીતા વાયા માધવી-કચ્છ  
(ગુજરાત) 370445
- 23 માધવી શ્રી મુલપ્રજા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (1)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી જલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય, મુખા  
હાલપુર વાયા માધવી-કચ્છ (ગુજરાત)
- 24 માધવી શ્રી નિરજન શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (3)  
અમદાવાદ મુખ-જૈન ઉપાધ્યય, મુખા કોટાલ તાલુકા  
માધવી-કચ્છ (ગુજરાત) 470460
- 25 માધવી શ્રી હોરપ્રજા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (5)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી અલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય, મુખા મેરાલ  
તાલુકા માધવી-કચ્છ (ગુજરાત) 370465
- 26 માધવી શ્રી ગુરુદેવ શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (5)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી જલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય, મુખા  
નાગલપુર (હોડ) તાલુકા માધવી-કચ્છ (ગુજ)
- 27 માધવી શ્રી લલેશ શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (2)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી જલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય, વાદ  
ન 26/30 પાન મંત્ર, ડી વિંગ, માર્ગવાર  
રોડ, જગદજ્ઞા નગર, ઘાટકોપર (વેસ્ટ)  
અમદાવાદ-400086 (મહારાષ્ટ્ર)
- 28 માધવી શ્રી ચારુતા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (4)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી મહાપ્રજા પાશવનાથ જૈન દરામર  
મહાવરી ઉદ્યાન કે પામ, વિશ્વ મંત્ર  
માદુગા-અમદાવાદ-400019 (મહારાષ્ટ્ર)
- 29 માધવી શ્રી વસંતપ્રજા શ્રીજી મ મા આદિ ઠાળા (6)  
અમદાવાદ મુખ-શ્રી જલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય વિનય મર્ચન્ટ  
1 માસા સ્ટેશન કે મામન, મળો નગર,  
અમદાવાદ 380008 (ગુજરાત)

30. साध्वी श्री अरुणोदय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. फराही-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
31. साध्वी श्री कनकप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, गणेश चौक  
मु.पो. भीनमाल, जिला जालौर (राज.) 343029
32. साध्वी श्री खरुप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
गढ़सीसा, वाया माडवी-कच्छ (गुज.) 370445
33. साध्वी श्री वनलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, गणेश चौक  
मु.पो. भीनमाल (जिला जालौर (राज.)  
343029
34. साध्वी श्री कल्याणोदय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
कांडागरा वाया माडवी-कच्छ (गुजरात)
35. साध्वी श्री भुवन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
कोटड़ा (रोहा) वाया भुज-कच्छ (गुजरात)  
370030
36. साध्वी श्री विश्वोदय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय  
मु.पो. नाग्रेचा-कच्छ वाया माडवी (गुजरात)
37. साध्वी श्री नित्यानन्द श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—कच्छी भवन धर्मशाला, तलेटी रोड  
मु.पो. पालीताणा (सौराष्ट्र) 364270 (गुज.)
38. साध्वी श्री कल्पलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो. डूमरा  
वाया माडवी-कच्छ (गुजरात)
39. साध्वी श्री आनन्दप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. कोठारा तीर्थ तालूका अवमाडा कच्छ  
(गुजरात) 370645
40. साध्वी श्री पूर्णानन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
देवपुर (गढ़वाली) तालूका मांडवी-कच्छ  
(गुजरात) 370445
41. साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
मु.पो. मोटा आसंबिया, वाया भुज कच्छ  
(गुजरात) 370485
42. साध्वी श्री मनोरमा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो. कोटड़ी  
(नण) वाया मांडवी-कच्छ (गुज.) 370450
43. साध्वी श्री हसावली श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वनाथ जैन देरासर, प्लॉट नं. 59,  
जी.आई.डी.सी. नई कालानी, अंकलेश्वर  
(गुजरात) 393002
44. साध्वी श्री सुनन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—राजस्थान में योग्य स्थल
45. साध्वी श्री जयलक्ष्मी श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरासर, 54/55  
जवेर रोड, मुलुण्ड (वेस्ट) बम्बई-400080  
(महाराष्ट्र)
46. साध्वी श्री महोदय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, सिगमा  
लेवोरेटरी के पीछे, देरासर लेन, संभवनाथ चौक,  
बडाला-बम्बई-400031 (महाराष्ट्र)
47. साध्वी श्री विपुलयणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री नरसी केणव धर्मशाला, मु.पो.  
पालीताणा (गुजरात)
48. साध्वी श्री गुणलक्ष्मी श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—श्री कच्छी दसा ओमवाल जैन महाजन,  
श्री पदमप्रभु जैन देरासर, स्टेशन रोड,  
मु.पो. चालीसगांव, जिला धूलिया (महा.)  
424101
49. साध्वी श्री निर्मलगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
(5) सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन महिला उपाश्रय,  
छापरा शेरी, कचु डोणी घर मामे, मु.पो.  
मांडवी-कच्छ (गुजरात) 370465
50. साध्वी श्री जयरेखा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो. शेरडी  
वाया मांडवी-कच्छ (गुजरात) 370465

- 51 माध्वी श्री विचक्षण श्रीजी म मा आदि ठाणा (1)  
सम्पन्न मूल-उपराज नमाक (4) अनुसार
- 52 माध्वी श्री अमयगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, मुपा  
डोण-कच्छ तालूका माडरी (गुज) 370465
- 53 माध्वी श्री अमयगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, मुपा  
मोटा सायजा तालूका माडवी-कच्छ  
(गुजरात) 370475
- 54 माध्वी श्री निमलप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, मुपा  
मकडा-कच्छ गर्मासा पाम, बाया भुज (गुज)
- 55 माध्वी श्री ह्यगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, मुपा  
मोटी बायण तालूका माडवी-कच्छ (गुजरात)
- 56 माध्वी श्री जयगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, दरभर के  
मामन, मुपा मोधरा-कच्छ बाया माडवी  
(गुजरात) 370450
- 57 माध्वी श्री धैर्यप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य जैन मंदिर  
नवधर राड, इनाहावाद बक के मामन  
मुलुण्ड (पूर्व) बम्बई-400081 (महाराष्ट्र)
- 58 माध्वी श्री नित्यप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य मुपा  
बाक-कच्छ तालूका जडासा, बाया कोठारा  
(गुजरात)
- 59 माध्वी श्री चारप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री कच्छी बीसा आमबाज जैन माजजिन  
मय प्रेमगुरु जैन मंदिर माग, 1 भाता, बाद्रा  
(वेस्ट) बम्बई (महाराष्ट्र) 400050
- 60 माध्वी श्री दिव्यगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, 15 वाडीया  
स्ट्रीट, मकर वाई मजिन, ताडदेव-बम्बई-  
400034 (महाराष्ट्र)
- 61 माध्वी श्री महाप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न मूल-श्री जैना जयुदेव पामवी 9/6 बैरन  
वाता, नैनगज बापरा 282004 (उ प्रदेश)
- 62 साध्वी श्री नवप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, उज्जैन  
पाव न 4, 1 भाता, स्टेशन रोड,  
गोरगाव (वेस्ट) बम्बई (महा) 400062
- 63 साध्वी श्री शीतगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, मुपा  
चोयासर, तालूका जवडामा-कच्छ  
(गुजरात) 370650
- 64 साध्वी श्री नवीप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, पवन  
मेम्न-मो, बुद्ध मंदिर के बाजू म, डा एबी राड,  
बर्ली-बम्बई-400018 (महाराष्ट्र)
- 65 साध्वी श्री मद्रगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, मुपा  
रामाणीया बाया मूद्रा-कच्छ (गुजरात)
- 66 साध्वी श्री कीर्तिगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (1)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, बिन्दु श्री  
गिल्डिंग 15 वा गस्ता, चेम्बूर-बम्बई-400071  
(महाराष्ट्र)
- 67 साध्वी श्री हिरण्यगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न मूल-जैन उपाध्य, मुपा नानी तुम्बडी  
तालूका माडवी कच्छ (गुजरात)
- 68 साध्वी श्री अमीनप्रभा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, कमला  
जपाटमेदम, खरा रेस्टारेंट, स्विमिंग पूल के बाजू  
म, एम जी राड, कांदिवली (वेस्ट)  
बम्बई (महाराष्ट्र) 400067
- 69 साध्वी श्री तत्त्वपूर्ण श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, ज्वा  
मोडी, पाडा, मुपा अम्बरनाथ, पिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) 421501
- 70 साध्वी श्री दयगुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य, मुपा  
भुजपुर तालूका मद्रा कच्छ (गुजरात)
- 71 साध्वी श्री जयपदम गुणा श्रीजी म मा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री अचलगच्छ जैन उपाध्य शक्ति आर्च  
1 भाता एन बी जाम्नी माग, भाण्डुप (वेस्ट)  
बम्बई (महाराष्ट्र) 400078

72. साध्वी श्री चारुधर्मा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जीरावाला पार्श्वनाथ जैन देरासर लेन,  
घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-400077 (महा.)
73. साध्वी श्री वीरगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
भोरारा तालूका अवडासा-कच्छ (गुजरात)
74. साध्वी श्री आर्य रक्षिता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, श्री नेमनाथ  
जैन, देरासर के पास, काजी चकला  
मु.पो. जामनगर (गुजरात) 361001
75. साध्वी श्री जयधर्मा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
वराडिया, तालूका अवडासा कच्छ (गुजरात)
76. साध्वी श्री संयमगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय  
मु.पो. जखौ तीर्थ, तालूका अवडासा कच्छ (गुज.)
77. साध्वी श्री गुण दर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-अचलगच्छ जैन उपाश्रय, कल्पतरु-  
विल्डिंग-वी मु.पो. कांजूर मार्ग (पूर्व) बम्बई-400078 (महाराष्ट्र)
78. साध्वी श्री जारुदर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय  
मु.पो. नाना आसंविद्या, वाया भुज-कच्छ (गुज.)
79. साध्वी श्री नयगुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-वाडमेर जैन समाज, 10 वी, रोड,  
सरदारपुरा, जोधपुर (राज.) 342001
80. साध्वी श्री गुणमाला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री कलिकुंड पार्श्वनाथ जैन देरासर,  
रूप सिनेमा के पीछे, शांताक्रुश (पूर्व) बम्बई-400055 (महाराष्ट्र)
81. साध्वी श्री अर्हतकिरणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, वीरा  
सोपिंग सेटर, 2 माला, तिलक टाकीज के पास,  
स्टेशन के सामने, मु.पो. डोम्बीवली (पूर्व)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 421201
82. साध्वी श्री सम्यग्दर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन श्वे मूर्ति. संघ, महावीर पार्क के  
सामने, भूपालगंज, भीलवाड़ा (राज.) 311001
83. साध्वी श्री निती गुणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर, जूनी चौकी नो  
वास, बाड़मेर (राजस्थान) 344001

## आचार्य श्री दान सागर सूरेश्वरजी म. सा. के समुदाय के साधु-साध्वियाँ म.सा.

1. श्री कैलाश सागरजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, आनन्द  
वावा नो चकलो, वारोट फली, मु.पो. जामनगर  
(गुजरात) 361001
2. साध्वी श्री मनहर श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, श्री चिंतामणी  
पार्श्वनाथ जैन देरासर, वाणियावाड़ डेला मे.  
मु.पो. भुज-कच्छ
3. साध्वी श्री वसंत श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
श्री नेमीनाथ जैन देरासर के पास, काजी चकला,  
जामनगर-361001 (गुजरात)
4. साध्वी श्री रत्नप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. मोटी वरंडी वाया माडवी कच्छ (गुज.)
5. साध्वी श्री जयानन्द श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-गिरि विहार आराधना केन्द्र  
पालीताणा (गुजरात)
6. साध्वी श्री चन्द्रयणा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, मु.पो.  
तेरातीर्थ, तालूका अवडासा-कच्छ (गुजरात)
7. साध्वी श्री विश्वनन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. नलीया तीर्थ, वाया अवडासा-कच्छ (गुज.)

कुल चातुर्मास (90) मुनिराज (42) साध्वियाँ (200)  
कुल ठाणा (242)

### साधु-साध्वी तुलनात्मक तालिका-1992

विवरण	मुनि	साध्वियाँ	कुल ठाणा
1991 में कुल ठाणा थे-	41	199	240
(+) नई दीक्षाएँ हुई	1	6	7
	42	205	247
(-) महाप्रयाण हुए	—	5	5
	42	200	242

1992 में कुल ठाणा हैं 42 200 242

समुदाय में विद्यमान हैं—आचार्य (2) गणि (2)  
जैन पत्र-पत्रिकाएँ—(1) गुण भारती (मासिक गुजराती)  
बम्बई  
(2) आर्य रक्षित सन्देश (मासिक  
गुजराती) बम्बई

- 11 महावा (राजस्थान) - - - - -  
श्री चन्द्रमागरजी मया ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-श्री महावीरप्रसादजी सुशेखरचन्द्रजी जैन  
यागी माह न, मु पा मन्त्रा  
जिना मर्वाट माध्यापुर (गाम्भान)
- 12 आगरा (उत्तर प्रदेश)  
श्री महिमा प्रभ मागरजी मया जादि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-  
आगरा-282001 (उ.प्र.)
- साध्वियांजी समुदाय
- 13 प्रधान मागरी श्री जविवन श्रीनी मया -  
जादि ठाणा (12)  
सम्पन्न सूत्र-जैन भवन नरेदी गड, मु पा पालीताणा  
(माराण्ड) 364270 (गुजरात)
- 14 उत्तमगट रत्न गिरोमणी मागरी श्री मनोहर श्रीजी  
मया आदि ठाणा (7)  
सम्पन्न सूत्र-श्री अजितनाथ जैन प्र मंदिर भाजी महा  
दत्तशरी, नागपुर-440002 (महाराष्ट्र)
- 15 मागरी श्री विद्वान श्रीनी मया जादि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री उगननाथ मागरमल डागी,  
वतना रे व्यापारी, धानमडी, मु पा प्रतापगढ़  
जिना चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) 312605
- 16 मागरी श्री कुमुम श्रीजी मया जादि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन प्र मंदिर, माघी चौर  
मु पा महासमुद्र, जिना रायपुर (म.प्र.)  
493445
- 17 मागरी श्री निपुणा श्रीजी मया जादि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जिन हरिविहार धमशाना  
मु पा पालीताणा (गुजरात) 364270
- 18 मागरी श्री निरव श्रीजी मया जादि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री महावीर स्वामी जैन देरागर, विनाय  
वन्तम चौर, रायपुरी-बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)
- 19 मागरी श्री प्रभा श्रीजी मया आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाशनाथ जैन वगीचा,  
मु पा राजनारनाथ (म.प्र.) 491441
- 20 मागरी श्री तर्णप्रभा श्रीजी मया आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-उपरोक्त प्रभाव 1 अनुमा
- 21 मागरी श्री सुमनता श्रीजी मया आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन प्र मंदिर, मु पा धमतरी  
जिला रायपुर (म.प्र.) 493773
- 22 मागरी श्री चन्द्रप्रभा श्रीजी मया आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-  
Shri Jain Svetamber Temple  
15-1 414 Jain Temple Road Feelkhana,  
HYDERABAD-500012 (A P)
- 23 मागरी श्री विश्व प्रभा श्रीजी मया आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-  
Shri Svetamber Jain Temple  
Sultan Bazar Kothi  
HYDERABAD 500002 (A P)
- 24 मागरी श्री सुभवरा श्रीजी मया आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर, मु पा कर्णौ  
जिना बालाघाट (म.प्र.) 481445
- 25 मागरी श्री मनोहर श्रीजी मया आदि ठाणा (9)  
सम्पन्न सूत्र-जीनलवाडी उपाध्य, ओमनाथ माहन्ना,  
गोपीपुरा सूरत 395003 (गुजरात)
- 27 मागरी श्री मणीप्रभा श्रीजी मया आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाशनाथ जैन तीर्थ, भावनी,  
मु पा भद्रवती, जिना चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) 442902
- 27 मागरी श्री सुरजना श्रीजी मया आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-उपरोक्त प्रभाव (5) अनुमा (बोम्बे)
- 28 मागरी श्री चन्द्रकला श्रीजी मया आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री मन्दिनुवत स्वामी जैन देरागर,  
दादा माह न वगना नवरगपुरा  
अहमदाबाद 380009 (गुजरात)
- 29 मागरी श्री जितेन्द्र श्रीजी मया आदि ठाणा (6)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जितेन्द्र मूरी जन दादावाडा,  
कलिवुड तीर्थ के मागने, मु पा धोलका  
जिला अहमदाबाद-387810 (गुजरात)
- 30 मागरी श्री गुणप्रभा श्रीजी मया आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री ज्ञानिनाथना जैन देरागर, भावा  
वागार, मु पा अजारे-कच्छ, जिना मुज  
(गुजरात) 370110

31. साध्वी श्री सुलोचना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (10)  
सम्पर्क सूत्र—  
Shri Swetamber Jain Temple,  
7-C-Mosi Street, P.O ERODE-638003  
(Tamil Nadu)
32. साध्वी श्री प्रकाशवतीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—महावीर भवन, मु.पो. मोकलसर  
जिला वाड़मेर (राजस्थान) 343043
33. साध्वी श्री रतनमालाजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—कुशल भवन, शांतिनगर मु.पो. सांचौर  
जिला जालौर (राजस्थान) 343041
34. साध्वी श्री शशिप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री हीराचन्दजी खजाची खजाचियों की  
गवाड़, मु.पो. बीकानेर-334001 (राज.)
35. साध्वी श्री तत्त्वदर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—त्रिचक्षण भवन, एस एस वी. का रास्ता,  
जौहरी बाजार, जयपुर-302003 (राज.)
36. साध्वी श्री मुदित प्रजा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री जैन श्वे. दादावाड़ी मंदिर, श्री मालो  
का मोहल्ला, मु.पो. झुंझु-333001 (राज.)
37. साध्वी श्री जयप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. जैन मंदिर, मु.पो. जैतारण  
जिला पाली (राजस्थान) 306302
38. साध्वी श्री हेमप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. जैन मंदिर, सेक्टर नं. 12,  
प्लॉट नं. 362, मु.पो. गांधीधाम-कछ  
(गुजरात) 370201
39. साध्वी श्री विजयेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री बाबूलालजी मन्नालालजी राणावत,  
मु.पो. बूढा, जिला मन्दासौर (म.प्र.) 458556
40. साध्वी श्री कमल श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—आराधना भवन, नई आवादी,  
मन्दासौर (म.प्र.) 458001
41. साध्वी श्री प्रियदर्शना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. जैन मंदिर, दादा साहेब ना पोल,  
स्वामी नारायण रोड, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात)
42. साध्वी श्री पुष्पा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—जैन उपाश्रय शाही बाग, अहमदाबाद  
(गुजरात)
43. साध्वी श्री पद्मप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—श्री शीतलनाथजी का उपाश्रय  
मु.पो. फलौदी जिला जोधपुर (राज.) 342301
44. साध्वी श्री कोमला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—फलचन्द, धर्मशाला, मु.पो. फलौदी  
जिला जोधपुर (राज.) 342301
45. साध्वी श्री विकास श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—कुशल धर्मशाला, सरदारपुरा, मु.पो.  
फलौदी, जिला जोधपुर (राज.) 342301
46. साध्वी श्री विनय प्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र—श्वे. जैन मंदिर, 1-0 वी रोड,  
सरदारपुरा-जोधपुर (राज.) 342003
47. साध्वी श्री कुशल श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—केशरियानाथजी की धर्मशाला,  
दफ्तरियों का वास, जोधपुर-342001 (राज.)
48. साध्वी श्री मोहन श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—जिन हरि विहार धर्मशाला, पालीताणा,  
(गुजरात) 364270
49. साध्वी श्री कमलप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (48) अनुसार
50. साध्वी श्री चन्द्रकांता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—उपरोक्त क्रमांक (48) अनुसार
51. साध्वी श्री महेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्रमणी विहार, साडेराव भवन के पीछे  
पालीताणा (गुजरात) 364270
52. साध्वी श्री मेघ श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र—महिमा कुटीर, पालीताणा (सौराष्ट्र)  
(गुजरात) 364270
53. साध्वी श्री प्रमोद श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—माधोलाल बाबू की धर्मशाला, पालीताणा
54. साध्वी श्री जगवंत श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र—समर्थ भवन जैन धर्मशाला, तलेटी रोड,  
पालीताणा (गुजरात)



- 55 साध्वी श्री दिव्यप्रभा श्रीजी म मा आदिठाणा (8)  
सम्पक सूत्र-मूलनंद जन धमशाला, नया बाजार,  
बडोदा 390006 (गुजरात)
- 56 साध्वी श्री दत्तगुणा श्रीजी म मा आदिठाणा (2)  
सम्पक सूत्र-जैन धमशाला, म पा चौहटन  
जिला वाडमेर (राजस्थान) 344702
- 57 साध्वी श्री मुनि श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-बोरा की शेरी, रागडी चौक, बीकानेर  
(राजस्थान) 334001
- 58 साध्वी श्री सुन्दर श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-सुगमजी का उपाधय, रागडी चौक,  
बीकानेर (राजस्थान) 334001
- 59 साध्वी श्री विनाद श्रीजी म मा आदिठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-धरनरगच्छ जैन उपाधय, गुजराती बटला,  
नारेल पोत, पाली-मोरवाड (राज) 306401
- 60 साध्वी श्री सताप श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्री शातिनाथजी का मंदिर, शातिनाथजी  
की गली, छोटा मेराफा, मु पा उज्जैन-456006  
(मध्यप्रदेश)
- 61 साध्वी श्री मजुला श्रीजी म मा आदिठाणा (3)  
सम्पक सूत्र-श्व जैन मंदिर, मड बाजार,  
मु पा रायपुर (मप्र) 492001
- 62 साध्वी श्री जयरेखा श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-जैन श्व दादावाही मंदिर, यू प्ला,  
मु पो अमलनेर, जिना जलगाव (महा)  
425401
- 63 साध्वी श्री दिव्य श्रीजी म मा ठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-श्व जैन मंदिर, 36 पाग, बापू बाजार,  
धरगदा फाटक, मु पो खडगपुर, जिना मिर्जापुर  
(पश्चिम बंगाल) 721310
- 64 साध्वी श्री कमला श्रीजी म मा आदिठाणा (1)  
सम्पक सूत्र-गुरुसरगच्छ उपाधय, बार्मी पोत,  
मु पो नगीर (राजस्थान) 341001
- 
- कुल जातुर्मास (64) मुनिराज (21), साध्वीवांकी (199)  
कुल ठाणा (216)
- 
- समुदाय में विद्यमान हैं- गुरुछाधिपति (1) आचार्य (1)  
उपाध्याय (1), गणि (1)
- 
- गत वर्ष 1991 में विद्यमान थे-उपस्थित अनुसार ही
- 
- जन धर्म-पत्रिकाएँ - (1) ज्योति सदेशी बार्ती (हिंदी  
मासिक) दिल्ली  
(2) जितेश्वर (हिंदी मासिक) बनारस

### सूचना

बुद्धिपूर्वक से तालाब भरता है, उसी प्रकार आपकी छोटी छोटी जानकारीयाँ, जैसे दीक्षोत्सव, पट्टोत्सव, जयंतियाँ, तपोत्सव, अजयनाला, प्रतिष्ठाएँ, विहार समाचार, जातुर्मास की जानकारीयाँ आदि ममाचारा से यह पुस्तक तैयार हो जानी है। आप जिस प्रकार सभी मंदिरों, उपाधयों, देवासनों, श्री सभा का अपने महोत्सव की पत्रिकाएँ उल्टे भेजते हैं उसी तरह की पत्रिकाएँ इस परिपद का भी भिजवाने की कृपा करावें। यह परिपद भी समग्र जैन समाज की आपकी अपनी ही एकमात्र अद्वितीय सन्धा है।

# श्री त्रिस्तुतिक (तीन थुई) गच्छ समुदाय

## भाग प्रथम

4

सौधर्म बृहत्पागच्छीय त्रिस्तुतिक गच्छ समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति :- गच्छ नायक, शासन प्रभावक, गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय हेमेन्द्र सूरेश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (10)

मुनिराज (13)

साध्वियाँ (38)

कुल ठाणा (51)

### साधु-मुनिराज

- मोहन खेड़ा तीर्थ (मध्यप्रदेश)
  - गच्छाधिपति, गच्छनायक, शासन प्रभावक, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय हेमेन्द्र सूरेश्वरजी म. सा.
- ज्योतिषाचार्य श्री जयप्रभ विजयजी म.सा.
 

आदि ठाणा (9)

सम्पर्क सूत्र-श्री आदिनाथ राजेन्द्र जैन ध्वेताम्बर चेरिटेवल ट्रस्ट, श्री मोहनखेड़ा तीर्थ, मु.पो. राजगढ (धार) जिला धार (म.प्र.) 454116 फोन नं 25/97/80
- महामंदिर-जोधपुर (राजस्थान)
 

श्री नरेन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री त्रिस्तुतिक राजेन्द्र जैन भवन, महामंदिर, जोधपुर (राजस्थान)
- शंखेश्वर महातीर्थ (गुजरात)
 

कोकण केशरी श्री लेखेन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री शंखेश्वर पार्श्वनार्थ जैन महातीर्थ मु.पो. शंखेश्वर तीर्थ, वाया जिला महेसाणा (राजस्थान)

### साध्वियाँजी समुदाय

- साध्वी श्री ललित श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)
 

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र सूरि क्रिया भवन, बहिनो का उपाश्रय, मु.पो. भीनमाल, जिला जालौर (राजस्थान) 343028
- साध्वी श्री मुक्ति श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)
 

सम्पर्क सूत्र-  
Shri Sambhavnath Jain Temple,  
Jain Temple Rd. Dada wadi,  
Wishveshwarampur,  
BANGALORE-(Karnataka)

- साध्वी श्री जयन्त श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)
 

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र सूरि क्रिया भवन, पुराना बस स्टेण्ड, मु.पो. आहोर, जिला जालौर (राजस्थान) 307028
- साध्वी श्री देवेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)
 

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र भवन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताना (गुजरात) 364270
- साध्वी श्री पुष्पा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)
 

सम्पर्क सूत्र-श्री जैन ध्वे मंदिर, मु.पो. मोहना, वाया कल्याण जिला ठाणा (महाराष्ट्र)
- साध्वी श्री महेन्द्र श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (8)
 

सम्पर्क सूत्र-  
Shri Rajendra Suri Jain Sangh,  
Rajendra Bhawan,  
Sowcarpet, MADRAS-6000079 (T N.)
- साध्वी श्री हर्षलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)
 

सम्पर्क सूत्र- इन्दौर-452002 (म.प्र.)

कुल चातुर्मास (10) मुनिराज (13) साध्वियाँ (38)  
कुल ठाणा (51)

समुदाय में विद्यमान हैं-गच्छाधिपति (1) आचार्य (1)

नई दीक्षाएँ हुई (2)

महाप्रयाण हुए (1) नहीं

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (12) साध्वियाँ (39) कुल ठाणा (51)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ-राजेन्द्र विद्या प्रकाश (मासिक हिन्दी) मोहनखेड़ा तीर्थ

नोट.-इस समुदाय की जो सूची हमें प्राप्त हुई उसमें किसी के भी पूर्ण सम्पर्क सूत्र नहीं लिखे हुए थे। अतः हमने यहाँ जो सम्पर्क सूत्र प्रस्तुत किये हैं वे अनुमान से ही प्रकाशित किये गये हैं। पाठकगण सुधार कर पढ़ें।

सभी पूज्य आचार्यों एवं माधु-माधवियों  
को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

आफिस-2522676/2529185

निवा-7213193/7243194

सेठ श्री खैरायतीलाल जैन  
चैरीटेबल ट्रस्ट

एन के (इण्डिया) स्वर कम्पनी प्रा लि  
2/8, एन नगर, दिल्ली-110007

शुभेच्छक

राजकुमार जैन

मनो अ भा एवं जैन फार्मेन्स, बम्बई  
दिल्ली

शमग्र प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचक  
ए रत्न पूज्य गुरुदेव श्री मुदगतलानजी म सा आदि ठाणाओ  
(7) का शासीमा बाग एवं आज्ञा वक्ता महाप्रभावी था  
पदमचन्दनी म सा "शाम्बी" आदि ठाणाओ (5) का चान्दा  
चौक दिल्ली म सन् 1992 का चातुर्मास शान, दर्शन, चारित्र्य  
एवं तप की आगधनाओं म यशस्वी एवं सफल करने की मात्र  
कामनाओं करत हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

OFFICE - 7215368

Tel - 7246665

Resi - 7123799

**Vardhman Metal Inds.**

Plot No 2, Near Post Office,  
Hyderpur, DELHI-110042

शुभेच्छक

सत्येन्द्र कुमार जैन

दिल्ली

जय आनन्द

जय महावीर

जय अम्बेग

जन-जन के श्रद्धाकेन्द्र पूज्य प्रवक्त गुरुदेव श्री 1008 श्री अम्बालासजी म सा, भ्रमण सघीय  
महामनी श्री सौभाग्यमुनिजी म सा 'कुमुद' आदि ठाणाओ 8 का लावा  
सरदारगढ, (राज) में वर्षावास

(1) महासती जी श्री.प्रेमवतीजी म सा. आदि ठाणा 6 का नाथद्वारा वर्षावास

(2) महासतीजी श्री सोहनगुवरजी म सा आदि ठाणा 5 का सनवाड वर्षावास

(3) महासतीजी श्री रमकुवरजी म सा आदि ठाणा का रायपुर वर्षावास

\* सभी वर्षावास सानन्द-यशस्वी स्वरूप लेकर सम्पन्न हो।

इन्हीं शुभ भगल कामनाओं के साथ—

अभिनन्दनकर्ता

\* शाह नानालाल मूरालाल एण्ड कम्पनी \*

शाहपुर चकला, अहमदाबाद (गुज)

आफिस 24454, निवा-481555

# श्री त्रिस्तुतिक (तीन थुई) गच्छ समुदाय

## भाग द्वितीय

4 A

सौधर्म बृहत्पागच्छीय त्रिस्तुतिक सुविशाल जैन संघ के प्रमुख गच्छाधिपति :- संघ सुविशाल गच्छाधिपति, साहित्य मनीषी, तीर्थ प्रभावक, प्रशम रस महोदधि, प्रखर वक्ता, वात्सल्य वारिधि, मधुर भाषी, राष्ट्र संत, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय जयंत सेन सूरेश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँजी म. सा.

कुल चातुर्मास (21)

मुनिराज (24)

साध्वियाँ (69)

कुल ठाणा (93)

### साधु-मुनिराज समुदाय

#### 1. सूरत (गुजरात)

संघ सुविशाल गच्छाधिपति, राष्ट्रसंत, साहित्य मनीषी, तीर्थ प्रभावक, प्रशम रस महोदधि, प्रखर वक्ता, वात्सल्य वारिधि, मधुर भाषी, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय जयंत सेन सूरेश्वरजी म.सा. "मधुकर"

आदि ठाणा (6)

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र सूरि जैन ज्ञान मंदिर, हनुमान चार रास्ता, मेन रोड, गोपीपुरा, सूरत-495003 (गुजरात)

#### 2. जीवाणा (राजस्थान)

श्री गातीविजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, मु.पो. जीवाणा (राजस्थान)

#### 3. भीनमाल (राजस्थान)

श्री भुवन विजयजी म.सा. आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे मूर्ति, जैन मंदिर, मु.पो. भीनमाल जिला जालौर (राजस्थान) 343020

#### 4. सांघु (राजस्थान)

श्री केवल विजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे मूर्ति, जैन मंदिर, मु.पो. सांघु जिला सिरौही (राजस्थान)

#### 5. थराद (गुजरात)

श्री मुक्तिचन्द्र विजयजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति जैन मंदिर, त्रिस्तुतिक जैन संघ, मु.पो. थराद, वाया डीसा जिला वनासकाठा (गुजरात)

#### 6. नेनावा (राजस्थान)

श्री जयकीर्ति विजयजी म.सा. ठाणा (1)

सम्पर्क सूत्र-

#### 7. उज्जैन (मध्यप्रदेश)

श्री पद्म रत्न विजयजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-

### साध्वियाँजी समुदाय

#### 8. साध्वी श्री कुमुद श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति, जैन मंदिर

मु.पो. रेवतड़ा (राजस्थान)

#### 9. साध्वी श्री महाप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे मूर्ति, जैन मंदिर मु.पो. भीनमाल

जिला जानौर (राज) 343020

#### 10. साध्वी श्री भुवनप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (11)

सम्पर्क सूत्र-सूरत-उपरोक्त क्रमांक (1) अनुसार

#### 11. साध्वी श्री स्वयंप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (12)

सम्पर्क सूत्र-श्री राजेन्द्र सूरि दादाबाड़ी, तलेटी रोड

पालीताणा (गुजरात) 364270

#### 12. साध्वी श्री प्रेमलता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति जैन देरामर, मु.पो. पाटण

जिला महभाणा (गुजरात)

- 13 साध्वी श्री कल्पलता श्रीजी म मा आदिठाणा (5),  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, निस्तुतिक  
जैन मण, मु पो महिदपुर, जिना मदनौर (म प्र)
- 14 साध्वी श्री महिला श्रीजी म मा आदिठाणा (5)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, मु पो मियाणा  
जिला नगर (राजस्थान) 343028
- 15 साध्वी श्री बोनललता श्रीजी म मा आदिठाणा (4)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, मु पो साधु  
जिला धिराही (राजस्थान)
- 16 साध्वी श्री सुप्रिया श्रीजी म मा आदिठाणा (4)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर,  
मु पो जीवाणा, जिना नगर (राजस्थान)
- 17 साध्वी श्री जलमृणा श्रीजी म मा आदिठाणा (6)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर,  
मु पो राणापुर (मध्यप्रदेश)
- 18 साध्वी श्री जलमृणा श्रीजी म मा आदिठाणा (5)  
सम्पन्न मूल-श्री राजेन्द्र मूर्ति जैन मंदिर, राज पाद,  
हार्थीखाना, राजेन्द्र मूर्ति, चाण,  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
- 19 साध्वी श्री पुण्यदशना श्रीजी म मा आदिठाणा (2)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर,  
मु पो धनेरा जिना बनानगाठा (गुजरात)
- 20 साध्वी श्री दिव्य दशना श्रीजी म मा आदिठाणा (1)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर  
मु पो वागरा (राजस्थान)
- 21 साध्वी श्री दशित वना श्रीजी म मा आदिठाणा (3)  
सम्पन्न मूल-श्री श्वे मूर्ति जैन मंदिर, मु पो धार  
(मध्यप्रदेश)
- कुल चातुर्मास: (21) मुनिराज (24) साध्वीपंजी (69)  
कुल ठाणा (93)
- समुदाय से विद्यमान हैं—गच्छाधिपति (1) आचार्य (1)  
जन पत्र-परिचारण—शाश्वत धर्म (हिंदी मासिक)  
ठाणा बम्बई
- नोट—(1) नर दीक्षा एवं महाप्रयाण की सूची प्राप्त नहीं  
होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं  
क सके।  
(2) इस समुदाय की जो सूची हमें प्राप्त हुई है उसमें  
बिचोरी के श्री सम्पन्न मूल पूण लिखे हुए नहीं  
होने के कारण सम्पन्न मूल अनुमान में  
प्रयामित किया गया है।
- जन वर्ष 1991 में समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज (25)  
साध्वीपंजी (69) कुल ठाणा (94)

## अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेस, दिल्ली के अध्यक्ष श्री पुखराज लुंकड द्वारा प्रेरित एवं संचालित भव्य आयोजन जीवन प्रकाश योजना

जैन समाज के निम्न माध्यम वग की सेवा,

किडनी, कैंसर, हार्ट आदि बीमारियों में नव्वाल सहयोग,

प्रतिभाषाली छात्रों के उच्च अध्ययन में महरो आदि की सहायता की जाती है।

आप भी अपना सहयोग अवश्य प्रदान करें।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें

**पुखराज एस लुंकड — अध्यक्ष**

99, आड प्रभादेवा, सम्पर्क-400025

फोन - 4309536, 4306494

# श्री त्रिस्तुतिक (तीन थुई) गच्छ समुदाय

## भाग तृतीय

4 B

सौधर्म बृहद् तपागच्छ त्रिस्तुतिक गच्छ समुदाय (भाग तृतीय) के वर्तमान में प्रमुख गच्छाधिपति:—गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय लब्धि सूरेश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साधिव्यांजी म. सा.

कुल चातुर्मास (2)

मुनिराज (6)

कुल ठाणा (6)

### साधु-मुनिराज समुदाय

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति जैन मंदिर, मु. पो. बामणवाड़ा स्टेशन जवाई बाध, जिला सिरौही (राज.)

1. लाकरा (राजस्थान)  
गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय लब्धि सूरेश्वरजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति. जैन मंदिर, उपाश्रय म.पो. लाकरा (राजस्थान)
2. बामणवाड़ा (राजस्थान)  
श्री कमल विजयजी म.सा. आदि ठाणा (1)

कुल चातुर्मास (2) मुनिराज (5) कुल ठाणा (5)

समुदाय में विद्यमान हैं—गच्छाधिपति, आचार्य (1)  
जैन पत्र-पत्रिकाएँ—नहीं

शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचस्पति पं. रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणाओ (7) का शालीमार बाग एवं ओजस्वी वक्ता महाप्रभावी श्री पदमचंदजी म.सा. "शास्त्री" आदि ठाणाओ (5) का चांदनी चौक दिल्ली में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की आराधनाओं से यशस्वी एवं सफल बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए !

शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचस्पति पं. रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणाओ (7) का शालीमार बाग एवं ओजस्वी वक्ता महाप्रभावी श्री पदमचंदजी म.सा. "शास्त्री" आदि ठाणाओ (5) का चांदनी चौक दिल्ली में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की आराधनाओं से यशस्वी एवं सफल बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !


Tel.: Office—2513096  
Resi.—3275048

Tel.: 7775722

**Jain Trading Co.**

Suppliers of All Kinds of Toys  
5393/17-A, Gupta Market, Sadar Bazar,  
DELHI—110 006

शुभेच्छुक :

सुभाषचंद जैन  मुकेश जैन  
(सोनीपत वाले) दिल्ली

**Sukhbir Singh**

**Satihi Chand Jain**

✽ **Sushil Textiles** ✽

Whole Sale Cloth Marchants

1219, Katra Satya Narayan,

1st Floor, Chandni Chowk, DELHI—110006

# श्री अमर जैन साहित्य संस्थान उदयपुर का जीवन प्रेरक साहित्य

## शोध प्रबंध

0 आधुनिक विज्ञान और अहिंसा	7.00
0 अहिंसा की रीतों की मीठा	7.00
0 इन्द्रभूति गीतम एक अनुभाषन	25.00
0 श्री भगवन् मुनि शास्त्री भार्गव-मर्जक	75.00
0 अमर दीप (स्मारिका ग्रंथ)	51.00
0 भगवान महावीर एक परिचय	1.00
0 आचार्य श्री अमर जीवन दर्शन	2.00

## भाष्य

0 भगवान महावीर के हजार उपदेश	45.00
चिन्तन	
0 प्रेरणा कविदु	10.00
0 विचार दर्शन	12.00
0 विचार-रेखा	5.00
0 जीवन के अमर कण	2.50

## कहानी

0 आशीवाद	5.00
0 वटदान	7.00
0 अपना धर्म	5.00
0 बालक बौद्ध बजायेगा	5.00
0 जिंदगी के लिए	5.00
0 मेरा भगवान	7.00
0 पतमङ्ग के बारे में	7.00
0 पय के जलने दीप	10.00

## उपन्यास

0 श्रीगमहर	5.00
0 विजय	4.00
0 चरित्र का चमत्कार	10.00
0 कुन्दन	7.00
0 मज्जा	7.00
0 परदेसी	7.00
0 ज्ञानयात्रा	15.00
0 सुबह की धूप	10.00
0 सागर के पार	2.00
0 विश्वास	7.00
0 मेरी कहानी	15.00

## नाटक

0 पंगोला	7.00
0 मानवता का अन्त स्वर	5.00
0 आँसू और आवाज़	5.00
0 भटकते बंदम	5.00
0 रत्न बन्धन	5.00
0 विराय का भवना	7.00
0 छून का रिश्ता	10.00

## कविता

0 विश्व ज्योति महावीर	4.00
0 विश्व ज्योति महावीर	4.00
0 सुबह के भूले	7.00
0 वाणी बीणा	3.50
0 सरन भावना बोध	7.00
0 जीवित सत्य	1.00

## मुक्तक

0 अनर्जित स्वर	3.00
0 प्रहृष्टि के चौराह पर	3.00
0 महक उठा कवि मम्मल	1.50
0 अपना आईना अपना चहरा	10.00

## शणिकार्य

0 सच्चाई के पदों पर	5.00
0 तालियों की गड़गड़ाहट	5.00
0 मयार्य की घाट पर	10.00
0 हरी जगदा धर धर्म	40.00

## गीत

0 पांच कवि	7.00
0 गीता का मधुवन	1.00
0 मंगल प्रार्थना	5.00
0 नये गीत	1.00
0 जिन द गीत	1.00
0 प्रार्थना के संगीत स्वर	3.00

प्राप्ति केन्द्र - ...

श्री अमर जैन साहित्य संस्थान

गणेश विहार, मकट-11, उदयपुर (राज) 313001

नाट - प्रसिद्ध साहित्यकार - पानज्योति पूज्य गुरुदेव श्री गणेश मुनिजी "शास्त्री" की 47वीं दीक्षा जयंती-आखिरी  
मुक्ता-10 तक पुस्तक खरीदी पर पाठकों के मुक्तिप्राप्त 25% प्रतिशत की छूट का प्रायश्दान है।

युग प्रधान दादा साहेब आचार्य श्री पार्श्वचन्द्र सूरेश्वरजी  
म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख:- पार्श्व गच्छ नायक पं. रत्न  
मुनि श्री रामचन्द्रजी म. सा.

कुल चातुर्मासि (29) मुनिराज (11) साध्वियाँ (71) कुल ठाणा (82)

### साधु-मुनिराज समुदाय

1. रायपुर-अहमदाबाद (गुजरात)  
पार्श्वगच्छ नायक पं. रत्न मुनि श्री रामचन्द्रजी म.सा.  
ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय  
भैरानी वारी, जामली नी पोल, रायपुर-  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
2. देशलपुर-कच्छ (गुजरात)  
श्री मुक्तिचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री देशलपुर जैन उपाश्रय, मु.पो. देशलपुर  
(कंठी) तालूका मुन्द्रा-कच्छ (गुज.) 370415
3. बलसाड़ (गुजरात)  
श्री भुवनचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-बोधि वगलो, जवाहर सोसायटी,  
हालर रोड, क्रोस लेन, मु.पो. बलसाड़  
(गुजरात) 390006
4. बीकानेर (राजस्थान)  
श्री तिलोकचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पार्श्वनाथ जैन उपाश्रय, रामपुरिया  
सेड़क, बीकानेर-334001 (राजस्थान)
5. खंभात (गुजरात)  
श्री मनोजचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
वोरपीपली, मु.पो. खंभात जिला खेड़ा  
(गुजरात) 388620

### 6. डोम्बीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री पूर्णयशचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन सघ उपाश्रय,  
श्री गुरु मादली छापा, रामनगर, चित्तरंजनदास  
मार्ग, डोम्बीवली (पूर्व) जिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) 421201

### 7. मांडल (गुजरात)

श्री पुन्यरत्नचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पार्श्वचन्द्र जैन उपाश्रय, मांडवी चौक  
मु.पो. मांडल, दादा बिरमगाव (गुज.) 382130

### साध्वियाँ समुदाय

8. साध्वी श्री महोदय श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय, पोपट नगीन  
की खड़की, माणिक चौक मु.पो. खंभात जिला  
खेड़ा (गुजरात) 388620
9. साध्वी श्री मुनन्दा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (6)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ,  
श्री भैरवान जैन धर्मशाला, सी रोड, मरद.रपुर,  
मु.पो. जोधपुर-342001 (राजस्थान)
10. साध्वी श्री अमृत श्रीजी म.सा. (स्थिरवास)  
ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-श्री पुष्पमणि सोसायटी, जवेर रोड  
मुलुण्ड-(वेस्ट) बम्बई-400080 (महाराष्ट्र)



- 11 साध्वी श्री मयप्रभा श्रीजी म सा - आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाधय,  
माडा भाटवाडा, मुपा विरमगाव  
(गुजरात) 382150
- 12 साध्वी श्री चन्द्रादय श्रीजी म सा (स्मिरराम)  
ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-श्री जैन उपाधय, दरामर राड,  
मुपा बिदडा-कच्छ तातूवा माडवी  
(गुजरात) 370435
- 13 साध्वी श्री उद्यानमा श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री नदावाम भूति पूजन जैन उपाधय  
मुपा नवावास (डुगापुर) तातूवा माण्डवी-कच्छ  
(गुजरात)
- 14 साध्वी श्री वसन्तमा श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाधय, माडवी  
चार, मुपा गाडल बाया विरमगाव  
(गुजरात) 382130
- 15 विदुषा साध्वी श्री लंकार श्रीजी म सा  
आदि ठाणा (8)  
सम्पन्न सूत्र-श्री ऋषभदेव जन दगासट, 10 वा रोड,  
जैन मंदिर चेम्पूर-बम्बई-400071 (महा)
- 16 साध्वी श्री सुमगता श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री शास्त्रगच्छ जैन उपाधय, मुपा  
मोटी बाजार ताया बिन्डा, कच्छ (गुजरात)
- 17 साध्वी श्री वस्यलता श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाधय वचरा  
वाना तोखावा नानी बाजार बाको लिबटो,  
मुपा धाणध्या (सीराष्ट्र) (गुज) 363310
- 18 साध्वी श्री मूरनता श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाधय,  
आनंद चाव, गामला ना पाल, रायपुर-  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
- 19 साध्वी श्री स्वयप्रभा श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाधय,  
मुपा उन्नावा (सीरादातार) तातूवा जैसा  
विना वनामराठा (गुजरात) 384160
- 20 साध्वी श्री अम्भगुणा श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-गोरीराज पाव, हानर राड, फाल ने,  
मुपा बलसाह (गुजरात) 396001
- 21 साध्वी श्री मुदयलता श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गुरी ज्ञान मन्दिर, गेठ,  
पावटे रोड, मुत्तुष्ट (बेन्ट) बम्बई 400080  
(महाराष्ट्र)
- 22 साध्वी श्री लुमव श्रीजी म सा आदि ठाणा (4)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाधय,  
रामपुरिया भडन, मुपा बीकानेर (राजस्थान)
- 23 साध्वी श्री पवज श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गुरी ज्ञान मंदिर, रतभाट  
बिन्डग, 60 फुट रोड, लायबर (बेन्ट)  
जिला ठाणा (महाराष्ट्र) 401101
- 24 साध्वी श्री निजानन्द श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाधय,  
मुपा नानी बाजार बाया बिदडा-कच्छ  
(गुजरात) 370435
- 25 साध्वी श्री सखानन्द श्रीजी म सा आदि ठाणा (5)  
सम्पन्न सूत्र-श्री लोकागच्छ जैन उपाधय, 125  
बालचन्द्र हीराचन्द माग, बाटा बाजार, बी टी व  
सामन, कोट बम्बई-400001 (महाराष्ट्र)
- 26 साध्वी श्री रम्यानन्दा श्रीजी म सा (स्मिरवात)  
ठाणा (1)  
सम्पन्न सूत्र-जैन उपाधय, माधीगज, मुपा छिबराडा  
(मद्र) 480001
- 27 साध्वी श्री पदमरखा श्रीजी म सा आदि ठाणा (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाधय,  
गुजरातिया की पोत, मुपा नगीर  
(राजस्थान) 344001
- 28 साध्वी श्री जयनदिता श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाधय  
मुपा नाना भाडीया तातूवा माडवी-कच्छ  
(गुजरात) 370415

29. साध्वी श्री अनंत गुण। श्रीजी म सा आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,  
मु.पो. बिदड़ा-कच्छ, तालूका मांडवी  
(गुजरात) 370435

कुल चातुर्मास (29) मुनिराज (11) साध्वियाँ (71)  
कुल ठाणा (82)

- नोट:—(1) नई दीक्षा एवं काल धर्म सूची प्राप्त नहीं होने  
के कारण तुलनात्मक तालिका नहीं दे सके।  
(2) गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे—मुनिराज  
(11) साध्वियाँ (70) कुल ठाणा (81)  
(3) संघ जैन पत्र-पत्रिकाएँ—बाल स्मृति (मासिक  
गुजराती) बम्बई  
(4) इस समुदाय में गच्छाधिपति या आचार्य  
नहीं है मुनिराज ही संघ नायक है।

विशेष.—इस समुदाय की यह सूची 15-8-92 को चातुर्मास  
प्रारंभ होने के 33 वे दिन प्राप्त हुई वह भी छपी हुई  
कापी। हमने तो अबकी बार प्राप्त नहीं हुई का नोट  
लगा दिया था परन्तु फिर भी इसे सम्मिलित कर  
कर लिया। काश ! यदि इस सूची की कच्ची फोटो  
कापी ही हमें कुछ दिन पूर्व मिल जाती तो हमें  
मुसीबत का सामना नहीं करना पड़ता। पाठकगण  
अब आप ही विचार करे कि 33 वे दिन हमें सूची  
मिले तो पर्यूपण का किनारा हमारे क्यों हाथ  
नहीं लगेगा फिर आप ही कहते रहते हैं कि इतनी  
देर कर दी। आज 15/8 को ही श्री नेमीसूरीजी  
समुदाय की सूची अभी भी हमें प्राप्त नहीं हुई है।  
आशा है भविष्य में इस ओर अवश्य ध्यान देगे।

—सम्पादक

शानन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
पं. रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणाओं  
(7) का शालीमार बाग एवं ओजस्वी वक्ता महाप्रभावी श्री  
पदमचंदजी म.सा. "शास्त्री" आदि ठाणाओं (5) का चाँदनी  
चौक दिल्ली में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य  
एवं तप की आराधनाओं से यशस्वी एवं सफल बनने की मंगल  
कामनाएँ करते हुए !



हादिक शुभकामनाओं सहित !

धर्मपाल जैन

Z-213, लोहा मंडी, नारायणा

नईदिल्ली-10028

शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
पं. रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शनलालजी म.सा. आदि ठाणाओं  
(7) का शालीमार बाग एवं ओजस्वी वक्ता महाप्रभावी श्री  
पदमचंदजी म.सा. "शास्त्री" आदि ठाणाओं (5) का चाँदनी  
चौक दिल्ली में सन् 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य  
एवं तप की आराधनाओं से यशस्वी एवं सफल बनने की मंगल  
कामनाएँ करते हुए !

हादिक शुभकामनाओं सहित !

Ph : Office—26 72 41

Resi —7129364

7227463

Shree Shanti Nath  
Wire Store

Dealers in

Wire, Wire Netting, Expanded Metal

Perforated Sheets, Welded Mesh

Hexagonal Wire Netting ect.

KISHORILAL JAIN

3494, Gali Bajrang Bali, Chawri Bazar,

DEHLI—110006

शामन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
प रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शननाथजी म मा आदि ठाणा  
(7) का शास्त्राचार्य ब्राह्मण आचर्य्य वक्ता महाप्रभावी श्री  
पद्मचन्द्रजी म मा 'शास्त्री' आदि ठाणा (5) का चौदनी  
चार दिन्नी म मा 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य  
एव तप की आराधनाओं में यगर्ष्य्य एव सपन बनने की मंगल  
कामनाएँ करने हुए ।

हादिक शुभकामनाओं सहित ।

## Jagdish Prashad Jain

K-78, Bal Vdyan Marg Uttam Nagar  
NEW DELHI-110 051

卐 Tel Office-5707315  
Resi - 5550067

## Jain Sales Corp

Iran & Steel Merchants

210 Loha Mandi Naraina  
NEW DELHI-110028

शामन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
प रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शननाथजी म मा आदि ठाणा  
(7) का शास्त्राचार्य ब्राह्मण आचर्य्य वक्ता महाप्रभावी श्री  
पद्मचन्द्रजी म मा 'शास्त्री' आदि ठाणा (5) का चौदनी  
चार दिन्नी म मा 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य  
एव तप की आराधनाओं में यगर्ष्य्य एव सपन बनने की मंगल  
कामनाएँ करने हुए ।

हादिक शुभकामनाओं सहित ।

Tel - Resi - 7224579

## Shri Sudershan Steels

Dealers in BP CZC Sheets & CZ  
Coil & Order Suppliers  
Deals in Nippon Denro Ispat Ltd  
& E D D Sheet

X 37, Loha Mandi Naraina,  
NFW DELHI-110028

शुभेच्छुक  
सुशील कुमार जैन

बी-ब्लू-10, सानीमार बाग, (परिचम)  
दिल्ली-110052

शामन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
प रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शननाथजी म मा आदि ठाणा  
(7) का शास्त्राचार्य ब्राह्मण आचर्य्य वक्ता महाप्रभावी श्री  
पद्मचन्द्रजी म मा 'शास्त्री' आदि ठाणा (5) का चौदनी  
चार दिन्नी म मा 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य  
एव तप की आराधनाओं में यगर्ष्य्य एव सपन बनने की मंगल  
कामनाएँ करने हुए ।

हादिक शुभकामनाओं सहित ।

Tel Office-5708564  
Resi-7228616

## Nihalchand Mangal Sain Jain

Y 138, Loha Mandi Naraina  
NFW DELHI-110028

शुभेच्छुक  
मंगल सैन जैन  
दिल्ली

शामन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता महामहिम व्याख्यान वाचस्पति  
प रत्न पूज्य गुरुदेव श्री सुदर्शननाथजी म मा आदि ठाणा  
(7) का शास्त्राचार्य ब्राह्मण आचर्य्य वक्ता महाप्रभावी श्री  
पद्मचन्द्रजी म मा 'शास्त्री' आदि ठाणा (5) का चौदनी  
चार दिन्नी म मा 1992 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य  
एव तप की आराधनाओं में यगर्ष्य्य एव सपन बनने की मंगल  
कामनाएँ करने हुए ।

हादिक शुभकामनाओं सहित ।

Ph 5721173/5715285

## Kailash Jewellery House

Manufacturers & Exporters of  
Gold & Diamond Jewellers  
11/2396 Gurdwara Road  
(Below State Bank of Mysore)  
Karol Bagh  
NEW DELHI-110005

शुभेच्छुक  
किमतीलाल जैन  
दिल्ली

विमल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री शांति विमल  
सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख संघ नायक:-

पन्यास श्री प्रधुम्न विमल जी म. सा.

कुल चातुर्मास (13) मुनिराज (4) साध्वियाँजी (41) कुल ठाणा (45)

साधु-मुनिराज समुदाय

1. अहमदाबाद (गुजरात)  
विमलगच्छ नायक, मधुर वक्ता, पन्यास श्री  
प्रधुम्न विमलजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री विमल गच्छ जैन उपाश्रय, देवसा नो  
पाड़ो, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
2. पालीताणा, (गुजरात)  
श्री नरेन्द्र विमलजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-हिम्मत विहार जन धर्मशाला  
तलेटी रोड, पालीतणा (गुजरात) 364270

साध्वियाँजी समुदाय

3. साध्वी श्री त्रिलोचना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा  
सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति. जैन उपाश्रय, मु.पो. ऊँझा  
जिला वनासकांठा (गुजरात)
4. साध्वी श्री पुष्पा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्री श्वे. मूर्ति जैन देवासर  
मु.पो. बोरसद (गुजरात)
5. साध्वी श्री सुलोचना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (11)  
सम्पर्क सूत्र-श्री विमल गच्छ जैन उपाश्रय, रिलीफ  
रोड, देवसा नो पाड़ो, अहमदाबाद  
(गुजरात) 380001
6. साध्वी श्री भुदत श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-जैन देरामर उपाश्रय, पाछीया नी पोल  
अहमदाबाद (गुजरात)
7. साध्वी श्री मंजुला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-शेषधुस्य मोसायटी, पालड़ी  
अहमदाबाद (गुजरात)

8. साध्वी श्री चन्द्रप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-अमारि विहार धर्मशाला, तलेटी रोड  
पालीताणा (गुजरात) 364270
9. साध्वी श्री गुणोदिया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (5)  
सम्पर्क सूत्र-अण्ठपद जैन उपाश्रय, मु.पो. विसनगर  
वाया जिला महेसाणा (गुजरात)
10. साध्वी श्री शरदपूर्णा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (2)  
सम्पर्क सूत्र-दहीसर-बम्बई (महाराष्ट्र)
11. साध्वी श्री भव्यकला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)  
सम्पर्क सूत्र-श्वे. जैन मंदिर मु.पो. चौहटन  
जिला वाडमेर (राजस्थान)
12. साध्वी श्री सुभद्रा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (1)  
सम्पर्क सूत्र-आरीसा भुवन धर्मशाला, पालीताणा  
(गुजरात) 364270
13. साध्वी श्री महापूर्णा श्रीजी म.हा. आदि ठाणा (4)  
सम्पर्क सूत्र-जैन श्वे. उपाश्रय मु.पो. पाटड़ी  
वाया विरमगांव, जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

कुल चातुर्मास (13) मुनिराज (4) साध्वियाँजी (41)  
कुल ठाणा (45)

समुदाय में विद्यमान है-पन्यास (1)

जैन पत्र-पत्रिकाएँ--

नहीं

नई दीक्षाएँ--

नहीं

महाप्रयाण हुए--

साध्वियाँ एक

नोट:-उपर्युक्त सूची से मुनिराजों एवं कई अन्य साध्वियों  
के नाम गत वर्ष की सूची के अनुसार इस वर्ष प्राप्त  
नहीं हुए। ऐसा गत वर्ष की सूची से ज्ञात हो रहा है।  
गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (9) साध्वियाँजी  
(54) कुल ठाणा (63)

गामन प्रभावा प्रसिद्ध वक्ता, महामहिम व्याख्यान साप्ताहिक व "लघुग्रन्थ" श्री मुद्रापालनाम म  
 वादि टाणाओ (7) का प्राचीनतम राग एव आरम्बी वक्ता महाप्रभावी श्री पद्मनदनी मता "ताम्रा" वादि  
 टाणाओ (5) का चर्चितो चार टिप्पणी म मन् 1992 टा तागुमान चान, एगन साप्ति एव तप की आगप्रनाम म  
 यमम्बा एव सपन रानि की सगन कामनाओं वगैरे हूँ

**शुभकामनाओं के साथ**

Tel No 3273527  
3264925

# Ram Sham Sales Corporation

Dealers in - ☐ HARDWARE GOODS ☐ SANITARY WARE ☐ WELDING  
 MATERIALS ☐ WIRE & WIRE-PRODUCTS ☐ PIPE &  
 PIPE FITTINGS

AND

GENERAL ORDER SUPPLIER

3228/2, Gali Pipal Mahadev Opp Chomukha Temple, Hauz Qazi  
 DELHI-110 006

Sister Concerns -

Tel No (054462)  
276

## Pannalal Jain & Sons

7, Auri More Bina Road, P O Anpara,  
 Distt SONBHADRA (U P)-231225

Tel No 7271585  
7272136

## Pannalal Radheysham Jain

120/H-32 Sector 3, Rohini,  
 DELHI-110085

# श्वे. मूर्ति. जैन समुदायों के अन्य साधु-साध्वियाँजी म.सा.

कुल चातुर्मास (2) मुनिराज (9) साध्वियाँ (—) कुल ठाणा (9)

## साधु-मुनिराज समुदाय

### 1. मजेरा (राजस्थान)

आचार्य श्री विजय आनन्दधन सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (7)

सम्पर्क सूत्र—श्री श्वे. मूर्ति, जैन मंदिर, मु.पो. मजेरा  
बाया केलवाड़ा (राजस्थान) 313325

### 2. सावत्थी तीर्थ-बाबला (राजस्थान)

आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री संभवनाथ जैन देरासर पेढी, नेशनल  
हाईवे रोड नं. 8-ए, मु.पो. सावत्थी तीर्थ, पोस्ट  
बाबला, जिला अहमदाबाद (गुजरात) 382220  
फोन नं. (02704) 26121

कुल चातुर्मास (2) मुनिराज (9) कुल ठाणा (9)

नोट:—इनके अलावा भी अन्य कई साधु साध्वियाँ और भी  
हो सकते हैं। पूरी जानकारी प्राप्त नहीं होने के  
कारण प्रस्तुत नहीं कर सके।

## श्वे. मूर्ति. समुदायों में कुल

कुल चातुर्मास (1256) मुनिराज (1315)  
साध्वियाँजी (4918) कुल ठाणा (6228)

## छपते-छपते

### श्वे. नवतेरापंथी स्वतंत्र समुदाय के साधु-साध्वियाँ

भाग प्रथम :

#### 1. द्रोणाचलम् (राज.)

नव तेरापंथ के आचार्य श्री चन्दनमुनिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

साध्वी श्री उषाकुमारीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—व्यवस्थापक, अहम. आश्रम, मु. द्रोणाचलम्  
पो. गोपालपुरा जिला चूरू (राज.) 331503

#### 2. अहमदगढ़ मंडी (पंजाब)

साध्वी श्री मोहनकुमारीजी म.सा. आदि ठाणा (4)

सम्पर्क सूत्र—मानव मंदिर, मु.पो. अहमदगढ़  
जिला संगरूर (पंजाब) 148021

भाग द्वितीय :

#### 1. टोरन्टो (कनाडा)

नव तेरापंथ के सूत्रधार श्री रूपचन्दजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

#### 2. नई दिल्ली

साध्वी श्री मंजुला श्रीजी म. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—मानव मंदिर मिशन रूप विहार,

सराय कालेखा के सामने,

रिंग रोड, नई दिल्ली-110013

#### 3. सुनाम (पंजाब)

साध्वी श्री मंजु श्रीजी म.सा. आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र—मानव मंदिर, टैगोर बस्ती,

सुनाम-148028 (पंजाब)

कुल चातुर्मास (5) मुनिराज (4) साध्वियाँ (13)

कुल ठाणा (17)

नोट:—यह समुदाय भी अब दो भागों में बंट चुका है। प्रथम  
भाग के श्री चदन मुनिजी म. को इस वर्ष आचार्य पद  
प्रदान किया है, भाग द्वितीय के संघ सूत्रधार विदेश में  
धर्म प्रचार करते गये हैं, यहाँ सिर्फ नाम ही दिया गया है।  
गत वर्ष के अनुसार ही तालिका

Tel Ph {Office—298263, 2086818 2063422  
Bombay {Resi—2181011, 2183986, 6264976  
6261932

**Ramkumar Dharampal**

Mfg—Whole Sale Cloth Merchant &

Com Agent

14 Dahānukar Bldg 3rd Floor,

Resham Bazar, 480, Keltādēvi Road

BOMBAY—400002

शुभेच्छक

**राजकुमार धर्मपाल जैन**

कटला लेमत्रा चौदनी चौक, बिल्डी-110006

सभी पूज्य आचार्यों, साधु साध्वियों को—  
कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

Tel Office—3449012/3426413

Resi—8725262

**A K Trading Co.**

Importers Dealer of Paper, Board  
& Graphic Art Materials

44 Suryamani Center, 4th Floor

63/67 Sutar Chawl BOMBAY—400002

शुभेच्छक

**अरविन्द भाई लूखी**

वन्दन

— श्री महावीराय नमः —

मानव केशरी, महाराष्ट्र विभूषण, शांति के अग्रदूत, जैन गुहाकर, प्रसिद्ध बक्ता, पूज्य 'गुणेश्वर' प्रातःस्मरणीय  
उद्देश्य एवं श्री सामाज्यमन्त्री ममा, जनेवासी मुनिष्य धर्मण सधाय मनाहर, वाणीभूषण, पूज्य  
गुरुदेव श्री जीवनमुनिजी ममा, मनुष्य व्याख्यानी श्री महन्द्मुनिजी ममा, योग तपस्वी श्री कमर  
मुनिजी ममा एवं मुनिश्री प्रकाशचन्द्रजी ममा 'निमये'—'एमए' छाणा 4 तथा उत्कीर्ण  
मुनिप्याण—स्वाध्यायी श्री तारा कुमारी ममा, मरत स्वभाषी श्री प्रसादकुमारी ममा,  
प्रिय वत्स श्री रमणिक कुमारी ममा एवं अध्ययनशील श्री चेतनाजी ममा  
छाणा 4 के सन 1992 के वरही ग्राम मे सन 1992 का यशस्वी पारुषाम  
मानव सम्पन्न होम की मंगन कामनाएँ करने हुए एवं पूज्य गुरुदेव  
श्री सामाज्यमन्त्री ममा की 8वीं तथा पूज्य पिताजी  
राजमलजा मा छाजेड की 11वीं पुण्यतिथि पर  
स्मृति स्वरूप !

卐

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

विनीत

— गभीरमल राजमलजी छाजेड —

मुणो बरही (जि. अरणी-अप्र) पिनकोड-451220 फोन न-304

भाग-पंचम्

दिगम्बर जैन सम्प्रदाय



**GULSHAN**

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

**गुलशन शुगर एण्ड केमिकल्स लि.**

एवम्

सहयोगी कम्पनियाँ

उत्पादन प्लांट्स

- 1 कैल्सियम कार्बोनेट
- 2 सोडियम हाइड्रोसल्फाईट
- 3 फोरमिक एसिड प्लाट
- 4 सोडियम फॉर्मेट
- 5, क्राफ्ट पेपर

आफिस

- 1 बम्बई, 112-थो बानाजी दशन, तिलक मार्ग, फोन 6493749
- 2 मद्रास, 146-अनामलाई साइदापथ, फोन 4192296
- 3 मुजफ्फरनगर, 45-बी, नई मण्डी, फोन 403655
- 4 जालंधर, 31-न्यू ग्रेन मार्किट, फोन 785, 83
- 5 भिवाडी, ए-595, इण्डस्ट्रीयल एरिया, फोन 220, 691, 692
- 6 नई दिल्ली, 121-मुखदेव विहार, फोन 6839364, 6843822

जो-81, प्रीत विहार, फोन 2214751, 2215802

गुलशनराय जैन  
चेयरमेन

चन्द्रकुमार जैन  
डायरेक्टर

प्रदीपकुमार जैन  
डायरेक्टर

# श्री दिगम्बर सम्प्रदाय

## दिगम्बर समुदाय के मुनि एवं आर्यिकागण

कुल चातुर्मास (121) मुनिराज (245) आर्यिकाजी (178) कुल ठाणा (423)

(1) संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती मुनि, आर्यिकागण:-

### 1. कुण्डलपुर (मध्यप्रदेश)

1. संत शिरोमणि, आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी म.सा.

2. मुनि श्री समयसागरजी महाराज

3. मुनि श्री योगसागरजी महाराज

4. मुनि श्री स्वभावसागरजी महाराज

5. मुनि श्री उत्तमसागरजी महाराज

6. मुनि श्री पावनसागरजी महाराज

7. एलक श्री दयासागरजी महाराज

8. एलक श्री सिद्धान्त सागरजी महाराज

9. क्षुल्लक श्री नयसागरजी महाराज

10. आर्यिका श्री आदर्शमति माताजी

11. आर्यिका श्री दुर्लभमति माताजी

12. आर्यिका श्री अखण्डमति माताजी

13. आर्यिका श्री अनुपममति माताजी

14. शुल्लिका श्री निर्माणमति माताजी

आदि (46) साधु-साध्विया एव

100 बाल ब्रह्मचारिणीयां बहिर्ने

10 ब्रह्मचारी भाई

सम्पर्क सूत्र-श्री दिगम्बर जैन अतिशय (सिद्ध) क्षेत्र

कुण्डलपुरजी, मु.पो. कुण्डलपुर, जिला दमोह

(म.प्र.) 470661 फोन न. 30

### 2. विदिशा (मध्यप्रदेश)

मुनि श्री क्षमासागरजी महाराज आदि (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, स्टेशन रोड,

मु.पो. विदिशा (मध्यप्रदेश) 464001

### 3. अशोकनगर-गुना (मध्यप्रदेश)

मुनि श्री सुधासागरजी महाराज आदि (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सुभाषगंज,

अशोकनगर जिला, गुना (मध्यप्रदेश) 473331

फोन न. 371 (07541)

### 4. करेती (मध्यप्रदेश)

एलक श्री सम्यत्त्व सागरजी महाराज आदि (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. करेती

जिला नरसिंहपुर (मध्यप्रदेश) 407221

### 5. वारासिवनी (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री गुरुमति माताजी आदि (7)

सम्पर्क सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो.

वारासिवनी, जिला बालाघाट (म.प्र.) 481331

### 6. खातेगांव (देवास) (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री दृढमति माताजी आदि (11)

सम्पर्क सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. खातेगांव

जिला देवास (म.प्र.) 455336

### 7. डिण्डोरी (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री प्रशान्तमति माताजी आदि (9)

सम्पर्क सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. डिण्डोरी

वाया मण्डला (मध्यप्रदेश) 481880

### 8. कटंगी (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री शालमतिजी माताजी आदि ठाणा (3)

सम्पर्क सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. कटंगी

जिला जबलपुर (मध्यप्रदेश)

### 9. योग्य स्थल

मुनि श्री नियतसागरजी महाराज आदि (1)

### 10. योग्य स्थल

मुनि श्री सरलसागरजी महाराज आदि

### 11. योग्य स्थल

मुनि श्री आर्जव सागरजी महाराज आदि

### 12. योग्य स्थल

एलक श्री वात्सल्य सागरजी महाराज आदि

- 13 योग्य स्थल  
धुल्लव श्री चारित्र सागरजी महाराज आदि
- 14 योग्य स्थल  
धुल्लव श्री निम्ब सागरजी महाराज आदि
- कुल चातुर्मास (14) मुनियर (49) आर्षाजी (44)  
कुल (93)  
महाचारिणी वटिने (100) महाचारी भाई (10)  
कुल (100)
- 15 कमठार (बिंदर)  
आचार्य श्री ब्रुतसागरजी महाराज  
आदि ठाणा
- 16 दिल्ली (लाल बिला)  
आचार्य श्री विद्यानंदजी महाराज  
आदि (3)  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, लाल बिला  
लाल बिला के सामने, चौदही चौक के नाम पर  
दिल्ली 110006
- 17 तारगाजी (गुजरात)  
आचार्य श्री धर्ममान सागरजी महाराज  
आदि (5)  
विपुषी अर्याजी श्री जिनमति माताजी आदि (20)  
सम्पन्न सूत्र-श्री तारगाजी दिगम्बर जैन मंदिर  
कोठी तारगाजी, मुषी तारगाजी, सालूरा  
खेरा लु जिला महेंद्रगढ़ (गुजरात)
- 18 मदनगज (किशनगढ़) (राजस्थान)  
सपत्नी सम्राट आचार्य श्री समति सागरजी महाराज  
आदि (5)  
आपिना श्री विगुद मति मानाजी आदि सस्य  
सम्पन्न सूत्र-श्री मुनिमुद्रत दिगम्बर जैन मंदिर मेनरोड  
मुषा मदनगज (किशनगढ़) जिला अजमेर  
(राजस्थान)
- 19 अहमदाबाद (गुजरात)  
आचार्य श्री सुधम सागरजी महाराज  
आदि  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन समाज, श्री महावीर  
फाउंडेशन, मी जी रोड, नवरंगपुर,  
शिल्प के सामने, अहमदाबाद 380009 (गुज)
- 20 गिरनारजी (जुनागढ़) (गुजरात)  
आचार्य श्री निर्मल सागरजी महाराज आदि सस्य  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर मंदिर जैन मंदिर, गुस्नुन  
गिरनारजी, जुनागढ़ (गुजरात)
- 21 धर्मनगर (चिपरी-कोल्हापुर) (महाराष्ट्र)  
आचार्य रत्न श्री बाहुबलीजी महाराज  
आदि सस्य  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुषी धर्मनगर  
चिपरी-कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
- 22 सम्प्रेक्षितधरजी (बिहार)  
आचार्य श्री धर्मल सागरजी महाराज  
आदि सस्य  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन धर्मपथी राठी,  
मन्थनी भवन, मुषा शिवजी मधुवन, जिला  
गिरिडीह (बिहार), 825129 फोन नं 22
- 23 सम्प्रेक्षितधरजी (बिहार)  
आचार्य श्री सुमति सागरजी महाराज  
आचार्य श्री समग्र सागरजी महाराज  
आदि सस्य  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन अनिराय धोर तैरापथी  
कोठी, मुषी शिवजी मधुवन, जिला गिरिडीह  
(बिहार) 825329
- 24 जयपुर (राजस्थान)  
गणधराचार्य श्री कुमुतसागरजी महाराज आदि सस्य  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, पाण्डनाथ भवन,  
नाटागिणा बराम्हा जयपुर 302003 (राजस्थान)  
फोन-60744
- 25 धुसिया (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री ज्ञानमुषाजी मता आदि सस्य  
सम्पन्न सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुषी धुसिया  
(महाराष्ट्र) 424001
- 26 उदयपुर (राजस्थान)  
आचार्य श्री सीमधर सागरजी महाराज  
आचार्य श्री वासुदेव सागरजी महाराज  
आदि सस्य  
सम्पन्न सूत्र-श्री पाण्डनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मण्डी  
की मात उदयपुर (राज) 313001

27. जमुनिया कलां (मध्यप्रदेश)  
आचार्य श्री कल्याण सागरजी महाराज  
आदि संसंध  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, कल्याण नगर,  
मु.पो. जामुनिया कलां बाया तहसील नीमच  
जिला मन्दसौर (म.प्र.)
28. इन्दौर (मध्यप्रदेश)  
आचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज  
आदि (5)  
आर्यिका श्री पदमश्रीजी माताजी आदि (3)  
सम्पर्क सूत्र—कृष्णपुरा दिगम्बर जैन पंचायत भवन  
राजवाड़ा के पास, इन्दौर-452002 (म.प्र.)
29. केशरियानाथजी ऋषभदेव (राजस्थान)  
आचार्य श्री अभिनन्दन सागरजी महाराज  
आदि संसंध  
सम्पर्क सूत्र—श्री ऋषभदेव दिगम्बर जैन तीर्थ रक्षा  
कमेटी जैन मंदिर मु.पो. ऋषभदेव-313802  
बाया जिला उदयपुर (राजस्थान) 313802
30. सुजानगढ़ (राजस्थान)  
आचार्य श्री सुबाहु सागरजी महाराज  
आदि संसंध  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. सुजानगढ़  
जिला चूरु (राजस्थान)
31. द्रोणगिरी (कर्नाटक)  
आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज  
आदि संसंध  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर  
मु.पो. द्रोणगिरी (कर्नाटक)
32. सनावद (म.प्र.)  
आचार्य श्री दर्शनसागरजी महाराज  
उपाध्याय श्री समता सागरजी महाराज आदि संसंध  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सनावद  
जिला खरगोन (मध्यप्रदेश)
33. लखनऊ (उत्तरप्रदेश)  
आचार्य श्री नेमीसागरजी महाराज  
आचार्य श्री दयासागरजी महाराज  
आदि संसंध

- सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्री मुन्नेलाल  
कागजी की धर्मशाला के पास, चार बाग,  
जैन मंदिर, लखनऊ (उत्तरप्रदेश)
34. महाराष्ट्र में योग्य स्थल (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री शांति सागरजी महाराज आदि
35. धोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री आर्यनंदीजी महाराज  
आदि संसंध  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र पोदनपुर  
तीन मूर्ति, नेशनल पार्क के पास, धोरीवली  
(पूर्व) बम्बई-400092 (महाराष्ट्र)
36. सोनगिरीजी (मध्यप्रदेश)  
आचार्य श्री पार्श्वसागरजी महाराज  
आदि संसंध  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र संरक्षण  
समिति, मु.पो. सोनगिरी, जिला दतिया  
(म.प्र.) 475669
37. मांगीतुंगीजी (महाराष्ट्र)  
आचार्य श्री श्रेयांस सागरजी महाराज  
आर्यिका श्री सुज्ञान मति माताजी आदि संसंध  
सम्पर्क सूत्र—श्री सिद्ध क्षेत्र मांगी तुंगीजी दिगम्बर जैन  
देवस्थान, मु.पो. मांगीतुंगीजी, तालूका सटाणा  
जिला नासिक (महाराष्ट्र) 423302
38. छिन्दवाड़ा (मध्यप्रदेश)  
आचार्य कल्प श्री सन्मति सागरजी महाराज  
आर्यिका श्री मुक्ति भूषण माताजी  
आदि संसंध (18)  
सम्पर्क सूत्र—श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. छिन्दवाड़ा  
(मध्यप्रदेश)

नोट:—निम्नलिखित आचार्यों के बारे में जानकारीयां प्राप्त नहीं हो सकी:—

1. आचार्य श्री शांति सागरजी महाराज
2. आचार्य श्री नेमीसागरजी महाराज (द्वितीय)
3. आचार्य श्री विमल सागरजी महाराज
4. आचार्य श्री आदि सागरजी महाराज
5. आचार्य श्री अजीत सागरजी महाराज
6. आचार्य श्री सुबाहु सागरजी महाराज
7. आचार्य श्री निर्वाण सागरजी महाराज

- 74 शोलापुर (महाराष्ट्र) श्री वीरसागरजी महाराज आदि  
सम्पक सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर  
मुपा शोलापुर (महाराष्ट्र)
- 75 फलटण (पूना) (महाराष्ट्र) श्री रमणसागरजी महाराज आदि ससय  
सम्पक सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुपा  
फलटण बाया जिला पूना (महाराष्ट्र)
- 76 छरगापुर (टोकमगड) श्री धृतिसागरजी महा आदि  
77 कलकी-श्री वराह सागरजी महाराज आदि  
78 बागोबाडी-क्षुल्लक श्री वृषभ सेनजी महाराज आदि  
79 मागूर-श्री भलवल्लिजी महाराज आदि  
80 नसलापुर-श्री जयमद्वजी महाराज आदि  
81 डेयरवा-श्री वीरसागरजी महाराज आदि  
82 जलेशर (एटा)-क्षुल्लक श्री रत्नकीर्तिजी महा आदि  
83 नरायना-क्षुल्लक श्री चैत्यसागरजी महा आदि  
84 छतरपुर-क्षुल्लक श्री स्वल्पानंदजी महा आदि  
85 पंचेवर (राजस्थान) श्री निर्माणसागरजी महाराज आदि  
सम्पक सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुपा  
पंचेवर बाया जिला टाक (राजस्थान)
- 86 मोरये-श्री नेमीसागरजी महाराज आदि  
87 धामणी-श्री जिनमूपणजी महाराज आदि  
88 नात्रे-श्री अहदवल्लिजी महाराज आदि  
89 समडोली-श्री मल्लिमागरजी महाराज आदि  
90 वातोली-श्री वृषभसेनजी महाराज आदि  
91 बाहुवली-श्री महावलसागरजी महाराज आदि  
92 मजले-श्री धर्ममूपणजी महाराज आदि  
93 रुडकी-श्री अमृतसनजी महाराज  
94 बुपरी-श्री अमृतचंद्रजी महाराज  
95 कोल्हापुर-शु श्री सूयचंद्रजी  
96 बरागडे-श्री पुण्डित सागरजी महाराज  
97 कुरडवाड-श्री विद्यामूपणजी महाराज  
98 बोरगाव-श्री शांति सिधुजी महाराज  
99 आडील (वनटिक)-श्री वरदंत सागरजी महाराज  
100 बेतगाव-क्षुल्लक श्री चंद्रभाऊजी  
101 रोडवाल (वनटिक)-श्री सुवलसागरजी महा आदि  
आयिका श्री सुवत मति माताजी आदि
- 102 निवाई (राज)-श्री वनेवनंदजी महाराज  
आयिका श्री राजश्री माताजी आदि  
सम्पक सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर,  
मुपो निवाई जिला टाक (राजस्थान)
- 103 ईडर (गुजरात) आयिका श्री विजय मति माताजी आदि  
सम्पक सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर  
मुपो ईडर-383438 जिला साबरकाठा (गुज)
- 104 पावागड (गुजरात) आयिका श्री नगमति माताजी आदि ससय  
सम्पक सूत्र-श्री पावागड दिगम्बर जैन मंदिर  
मुपो पावागड-389360 बाया बडीगा  
जिला पंचमहाल (गुजरात)
- 105 फलासिया आयिका श्री विशुद्ध मति माताजी आदि ससय  
सम्पक सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मुपो फलासिया
- 106 नसवाडी (आसाम) आयिका श्री सुप्राश्वमति माताजी आदि ससय  
सम्पक सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर  
नसवाडी (आसाम)
- 107 जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर (उप्र) आयिका श्री ज्ञानमति माताजी आदि ससय  
सम्पक सूत्र-श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र  
जम्बू द्वीप हस्तिनापुर जिला मेरठ (उप्र)
- 108 ताडदेव-जम्बई (महाराष्ट्र) आयिका श्री अजित माताजी आदि ससय
- 109 तोरेगाव-जम्बई (महाराष्ट्र) आयिका भरत मति माताजी आदि ससय
- 110 पडरपुर (महाराष्ट्र) आयिका श्री शांति मति माताजी आदि  
सम्पक सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर,  
मुपो पडरपुर (महाराष्ट्र)
- 111 अकलूज (महाराष्ट्र) आयिका श्री सबज श्री माताजी आदि-  
सम्पक सूत्र-ज्ञात नहीं

112. नातेपूते (महाराष्ट्र)  
आयिका श्री श्रेयास मति माताजी आदि-  
सम्पर्क सूत्र-जात नहीं
113. सहारनपुर (हरियाणा)  
आयिका श्री चन्द्रमति माताजी आदि-  
सम्पर्क सूत्र-जात नहीं
114. जावद (म.प्र.)-आयिका श्री कीर्तिमति माताजी आदि
115. कूपवाड़-क्षुल्लिका श्री जिनमति माताजी आदि-
116. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)  
आयिका श्री श्रेयासमति माताजी आदि संय  
सम्पर्क सूत्र-श्री दिगम्बर जैन मंदिर,  
मु.पो. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
117. फसगड़े (महा.)-क्षुल्लिका श्री अनंतमति माताजी
118. भोदवड़े-आयिका श्री नेमीमति माताजी आदि-
119. नांदड़ी-आयिका श्री वृषभमति माताजी आदि-
120. इचलकरंजी-आयिका श्री मुक्तिलक्ष्मी माताजी आदि
121. मांगलवाड़ी-आयिका श्री निर्वाण लक्ष्मी माताजी

कुल चातुर्मास (121) मुनिराज (245) आयिकाजी  
(178) कुल योग (423) (अनुमानित)

समुदाय में विद्यमान है:- आचार्य (38) आचार्य कल्प (1)  
एलाचार्य (2) बालाचार्य (2) उपाध्याय (8)

गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे-मुनिराज (236) आयिकाजी  
(138) कुल (374)

नोट.-चातुर्मास स्थापना होने के 35 दिन बाद 19-8-92

तक भी हमें इस समुदाय की सूची कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सकी। हम इन्दौर में कई दिगम्बर आचार्य मुनिराजों के पास सूचना प्राप्त करने गये परन्तु हमें वहाँ से निराशा ही प्राप्त हुई। दिगम्बर समुदाय की सूचिया पूर्ण रूप से किसी पत्र-पत्रिका में भी तो प्रकाशित नहीं होती है। पूरा नाम, कुल ठाणाओं के

नाम एवं सम्पर्क सूत्र तो किसी भी पत्र में प्रकाशित नहीं होता है तो फिर हम कहीं से सूचना संख्या एवं सम्पर्क सूत्र आपको देवे। आप अन्य समुदाय की सूचियां देख सकते हैं कि कितनी जानकारीयों के साथ सूचना एकत्रित करते हैं। यह माना कि दिगम्बर समुदाय के मुनिराज सूचना नहीं बताते लेकिन भक्तों दर्शनार्थियों एवं अन्य से पत्र व्यवहार आदि के लिए तो पूरे नाम एवं सम्पर्क का पता तो प्रकाशित होना ही चाहिए यह सभी के लिए लाभदायक है क्योंकि आप चार माह एक जगह विराजते हो तब उसकी जानकारीयां हर वर्ग को तो मिलनी ही चाहिये।

इसके अलावा और भी कई मुनिराज, आयिकाओं के चातुर्मास हो सकते हैं। इस समुदाय की पूरी जानकारीयां हमें कहीं से भी प्राप्त हो सकी, यहाँ जो उपर्युक्त सूची हमने दी है वह अनुमान एवं समाचारपत्रों से एकत्रित करके प्रस्तुत की है, संभव है कई नाम ऊपर-नीचे हों या कईयों के नाम छूट गये हों। हमारा तो यही प्रयास रहता है कि अधिक से अधिक जानकारीया प्राप्त कर सही सूची प्रकाशित करे। सूची में किसी तरह की त्रुटि हो तो क्षमा करे। इस समुदाय की सूची क्रमवार व्यवस्थित रूप से हम सूची प्रकाशित करने में असमर्थता ही प्रकट करते हैं। दिगम्बर समाज के सभी कर्णधारी पदाधिकारियों से नम्र निवेदन है कि वे भविष्य में इस कार्य की ओर विशेष ध्यान देकर इसे पूर्ण बनाने का प्रयास अवश्य करें। यह सूची समग्र जैन समाज के हाथों में पहुँचती है इसलिए इस सम्प्रदाय की पूरी सूची का प्रकाशित होना बहुत महत्व की बात है।

प्रत्येक दिगम्बर जैन पत्र-पत्रिकाओं में जो सूचियां प्रकाशित होती हैं उनमें किसी में भी सम्पर्क सूत्र प्रकाशित नहीं होते हैं यह एक बहुत बड़ी कमी है। हम पता कैसे लिखे। आशा है भविष्य में इस ओर अवश्य ध्यान देंगे।

—सम्पादक

जय गुरु हस्ती

जय गुरु हीरा

रत्नवर्णीय समुदाय के इतिहास मार्गण्ड आचार्य प्रवर श्री हस्ती भस्ती म सा को हार्दिक वंदन !  
 वनमान आचार्य प्रवर श्री हीराचंदजी म मा आदिछायाओं का वाचोत्तर एव रत्नवश  
 समुदाय के सभी मंत्र-मनियों के मन 1992 के चातुर्मास मानद सम्पन्न, - -  
 होने की मंगन कामनाएँ करने हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

Phone Mill—25638 27538, Rest—26138

Cable JAYVIJAY

JAY VIJAY PULSES

SHRI MAHAVEER PULSES

J-4 M I D C Jalgoan—425 003 (Maha)

शुभेच्छुक

पारसमल कांकरिया (भोपालगढ वाले)

जलगांव

भोगीलाल सहैरचन्द इंस्टिट्यूट आफ इन्डासोजी

श्री अरुण वल्लभ जन स्मरण शिखर निधि  
 जोड़ो करनाल रोड, पोखो अलीपुर, दिल्ली 110 036

प्रकाशित पुस्तकें

- |   |  |           |
|---|--|-----------|
| 1 | स्टडीन इन सस्कृत साहित्य शास्त्र, कुतवर्णी, बी एम, 2—201       | रुपये 60  |
| 2 | पंचमूत्रकम ऑफ चिंतनाचार्य, (म) मुनि श्री जम्बूविजयजी, 8—46—113 | रुपये 120 |
| 3 | जैन भाषा दर्शन, जैन भाग्यरत्न, 2—109 (हिंदी में)               | रुपये 50  |
| 4 | मम एमपकटस ऑफ दि गम शिखरी, कुतवर्णी, बी एम, 8—120               | रुपये 120 |
| 5 | दि गाहाकोम ऑफ हान, (म) पदवर्धन, बी एम, 16—248                  | रुपये 250 |
| 6 | प्राचिन वैसंत इन सम्युक्त वक्सा आन पांडित्य भाग-1 (मूल)        |           |
|   | कुतवर्णी, बी एम, 12—771  | रुपये 159 |
| 7 | अपभ्रंश लैंग्वेज एंड सिटरेचर, मयानी, एच सी, 6—144              | रुपये 25  |

प्रकाशनाधीन

- प्राचिन वैसंत इन सम्युक्त वक्सा आन पांडित्य, भाग-2 (अंग्रेजी अनुवाद), कुतवर्णी, बी एम, 46—699
- महाभारत पर आधारित सम्युक्त नाटक — डॉ एम एम पट्टा, अहमदाबाद (गुजराती में)
- हरिमंदीयम, आचार्य हरिमंदीयम पर आयोजित सभापट्टी में प्रस्तुत भाष्य-मन्त्रा नामक वन ।
- शांतिनाथ चरित्र, (म) मुनि श्री जम्बूविजयजी ।
- मगधवीरचरित्र भरणम्, राजा भोज द्वारा प्रणीत (स) प्रो वि वैकटाचलम, सम्युक्त वा अलवार शास्त्र ग्रंथ रत्नेश्वर की टीका रत्नपथ तथा जैन टीकाकार आनंद के टिप्पण (अभी तक अप्रकाशित) के साथ ।
- मध्यभेद-प्रकाश, महेश्वर कवि प्रणीत, जैन टीकाकार पान विमल उपाध्याय की टीका (अभी तक अप्रकाशित) के साथ (स) म विनयसागर ।

## भाग-षष्ठम्

जैन पत्र-पत्रिकाएँ

नई दीक्षा सूची

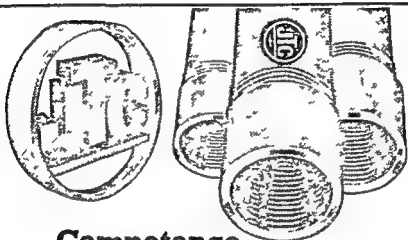
महाप्रयाण (काल धर्म) सूची

नई पदवी प्रदान सूची

अन्य जानकारीयाँ




With Best Compliments from



## Competence in the Competition

Rely on and select JTC Steel Tubes & Pipes amongst the 'n' number of brands available in the market

- ★ JTC Pipes are the selection of quality conscious customers like U P Jal Nigam, Taj Hotel Engineers India Ltd, Oil India Ltd, N T P C etc
- ★  marked JTC pipes have correct wall thickness, strong weld and superior quality based on stringent quality control test from raw material stage to finished product
- ★ Economically priced JTC pipes are available in light medium & heavy quality from 15 mm to 150 mm dia

Available on DGS & D Rate Contract

□ 6DK 462



**JAIN TUBE CO. LTD.**

□ 20 Connaught Place New Delhi 110 001  
Ph 353217 353267 Telex 31 3102 JTC IN

# समग्र जैन पत्र-पत्रिकाएँ

## (1) श्वे. स्थानकवासी जैन पत्र-पत्रिकाएँ

1. जिनवाणी (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री नरेन्द्र भानावन  
सम्यग ज्ञान प्रचारक मण्डल  
दुकान नं. 182-83 के ऊपर  
वापू बाजार  
जयपुर-302003 (राजस्थान)  
फोन नं. 565997
2. आत्म रश्मि (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री तिलकधर 'शास्त्री'  
आत्म रश्मि कार्यालय  
जैन स्थानक, आत्म चौक  
लुधियाना-141008 (पंजाब)  
फोन नं 60797 (प्रेम)
3. सम्यग्दर्शन (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री पारमचन्द्र चण्डालिया  
अ. भा. साधुमार्गी जैन संस्कृति रक्षक संघ  
सम्यग्दर्शन कार्यालय  
सैलाना-457550  
जिला रतलाम (म.प्र.)
4. अमर भारती (हिन्दी मासिक)  
संपादक श्री कृष्णानन्द "शारत्री"  
विरायतन कार्यालय  
मु.पो. राजगृही-803116  
जिला नालन्दा (बिहार)
5. जैन सौरभ (गुजराती मासिक)  
सम्पादक श्री रमणिकलाल एम. सेठ  
आशीर्वाद पेपर मार्ट,  
मालवीया स्ट्रीट डेवर चौक,  
राजकोट-360001 (गुजरात)  
फोन नं. 27339
6. जैन क्रान्ति (गुजराती मासिक)  
सम्पादक श्री रमीकलाल सी. पारेख  
जैन क्रान्ति कार्यालय  
31/36 करणपरा, राजकोट-360001 (गुजरात)  
फोन नं. 23399
7. सुधर्मा (हिन्दी मासिक)  
संपादक पं. श्री चन्द्र भूपण मणि त्रिपाठी  
सुधर्मा कार्यालय, पाथर्डी बोर्ड भवन,  
आचार्य श्री आनन्द ऋषिजी मार्ग  
अहमदनगर-414001 (महाराष्ट्र)  
फोन नं 24938 ग्राम-"परीक्षा बोर्ड"
8. स्थानकवासी जैन (गुजराती मासिक)  
संपादक श्री प्रवीणचन्द्र जे संधवी  
स्थानकवासी जैन कार्यालय  
512 सर्वोदय कार्मणियल सेटर  
सलापस क्रोसलेन, जी.पी.ओ. के पास  
अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
9. सुधर्म प्रवचन (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक श्री लक्ष्मीलाल दक  
सुधर्म प्रचारक मण्डल  
सिटी पुलिस के सामने  
जोधपुर-342001 (राजस्थान)
10. धर्म ज्योति (हिन्दी मासिक)  
संपादक श्री वसन्तीलाल जैन एडवोकेट  
धर्म ज्योति परिषद  
फन्वारा सर्कल भीलवाड़ा-311001 (राज.)
11. शासन प्रगति (गुजराती मासिक)  
सम्पादक-श्री मनहरलाल बी. मेहता  
शासन प्रगति कार्यालय  
श्रमजीवी सोसायटी, डेवर रोड  
राजकोट-360002 (गुजरात)  
फोन 82402

- 12 शांति लोक (हिंदी मासिक)  
संपादक—श्री नरेण चन्द जैन  
शांति लोक कार्यालय  
एम एस जैन मभा, जैन म्वालय जैन नगर,  
मु पो मेरठ शहर 250001 (उ.प्र.)  
फोन न 872851, 41537
- 13 गोपम (हिंदी मासिक)  
संपादक—श्री विरुद्र कुमार जैन  
आत्म मनोहर जैन सम्प्रति वेद  
वाम बाजार  
मालेर कोटवा-148023 (पंजाब)
- 14 स्वाध्याय सगम (हिंदी मासिक)  
संपादक—श्री गौतम लक्ष्मी  
“पारस” जी-186 शास्त्री नगर  
जोधपुर-342003 (राजस्थान)
- 15 स्वाध्याय सवेश (हिंदी मासिक)  
संपादक—श्री रत्ननाथ जैन  
श्री म्यानचामी जैन स्वाध्याय मघ  
मु पो गुलाबपुरा-311021  
जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)
- 16 मुनि बन्धना (हिंदी मासिक)  
संपादक—श्री श्री शिवगज चौड़ा  
मुनि बन्धना कार्यालय,  
11-नम्रणी स्ट्रीट, बहपलनी,  
भद्रान-600026 (तमिलनाडु)
- 17 स्वा जन सोपग्रिप समाचार (गुजराती मासिक)  
संपादक—श्री जितेंद्र डी मणीधर  
माहा चैम्बल, रामनगर, साबरमती  
अहमदाबाद-380005, (गुजरात)  
फोन न 487550 घर-488708
- 18 स्वाध्याय सघ-मासिक मुनेटिन (हिंदी मासिक)  
संपादक—श्री नीरता मेहता  
ज. मा. श्री जैन रेल हितैषी श्रावण मघ, पौडा वा चौक  
जोधपुर-342001 (राजस्थान)  
फोन न 24891-ग्राम “जैन रेल”
- 19 वीतराम रसिम (हिंदी मासिक)  
संपादक—श्री राजेन्द्र जैन, “राजा”  
भा श्री वंदेमान वीतराम जैन श्रावण मघ,
- 20 आत्म प्रकाश (गुजराती मासिक)  
संपादक—श्री हिमालय ए भागमा  
वार्डम फौट्री रोड, आईम फौट्री के पाग,  
सुरेन्द्रनगर-363001 (गुजरात)
- 21 अहिंसा वशन (हिंदी मासिक)  
संपादक—श्री तेजगिह गौड़  
अहिंसा प्रचार मघ  
11 जमपास माग, गनी न 2 वाजीवाडा,  
उज्जैन 456006 (म.प्र.)
- 22 आत्मसादा जैन परिवार (गुजराती मासिक)  
आलावाड जैन परिवार कार्यालय  
47 डॉ एम बी कैपूर स्ट्रीट,  
1 भारा, बोधभाट जैन, वानवादेरी रोड  
बम्बई-400002 (महाराष्ट्र)
- 23 आलावाड स्वा जन (गुजराती मासिक)  
संपादक—श्री शांतिनाथ मी मेठ  
रायपुर दरवाजा बाहर, आश्रम बिल्डिंग,  
अहमदाबाद 380022 (गुजरात)
- 24 केवल जिन वशन (गुजराती मासिक)  
सम्पादिका—श्री उमतादास म मा  
केवल जिन वशन ट्रस्ट  
15/ए-प्रताप गुज सासायदी,  
वासणा पोस्ट आफिम के पास,  
अहमदाबाद-380007 (गुज.)
- 25 सविधान (हिंदी मासिक)  
संपादक—श्री शशीनर खट्वा (राजस्थानी)  
स्वाध्याय कार्यालय  
शीतल स्वाध्याय भवन, जालीपुरी,  
भीलवाड़ा 311001 (राजस्थान)
- 26 विजय ज्योति (हिंदी मासिक)  
संपादिका—मधुमी “दीदी”  
विजय ज्योति प्रकाशन समिति  
योग माधना विष्ट,  
पुगी नाने के पास, दिल्ली गड, अन्वर (राज.)

27. आगम आलोक (हिन्दी मासिक)  
संपादक श्री श्रीचन्द्र सुराना 'सरस'  
208/2-ए-7 आवागढ हाउस,  
एम. जी. रोड, आगरा-282002 (उ.प्र.)
28. समर्थ दर्शन (हिन्दी मासिक)  
संपादक—श्री भंवरलाल वाफना  
मु.पो. खींचन बाया फलीदी, जिला जोधपुर (राज.)
29. महावीर मिशन (हिन्दी मासिक)  
संपादक—श्री जोगीराम जैन  
दिल्ली प्रदेशीय व स्था. जैन महामंडल,  
10326 मोतीया खान, जैन स्थानक  
नई दिल्ली-110055  
फोन नं. 7114434
30. ओसवाल हितैषी (हिन्दी मासिक)  
संपादक—श्री विरेन्द्र कुमार जैन  
ओसवाल हितैषी कार्यालय  
तरुण जैन त्रिपोलिया, जोधपुर-342001 (राज.)
31. स्वाध्याय शिक्षा (हिन्दी द्विमासिक)  
संपादक—श्री धर्मचन्द जैन  
स्वाध्याय संघ, घोड़ों का चौक,  
जोधपुर-342 001 (राज.)  
फोन : 24891 ग्राम "जैन रत्न"
32. श्रवर स्वर (हिन्दी मासिक)  
संपादक—श्री राजकुमार जैन 'राजिन'  
चित्रा प्रकाशन  
मु.पो. आकोला जिला चित्तौड़गढ (राज.)
33. जैन प्रकाश (हिन्दी पाक्षिक)  
संपादक—श्री राजेन्द्र नगावत जैन  
अ. भा. ज्वे. स्था. जैन कान्फ्रेंस,  
जैन भवन, 12 शहीद भगत सिंह मार्ग  
गोल मार्केट, नई दिल्ली-110001  
फोन नं 343729 तार—"जैन धर्म"
34. जैन प्रकाश (गुजराती पाक्षिक)  
संपादक—श्री वृजलाल कपूरचन्द गाधी  
अ. भा. ज्वे. स्था. जैन कान्फ्रेंस  
त्रिभुवन बिल्डिंग, 4 माला, एवीएन बैंक के ऊपर  
पायधुनी, 1 विजय वल्लभ चौक  
बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 3422927
35. श्रमणोपासक (हिन्दी-पाक्षिक)  
संपादक श्री जुगराज मेठिया  
अ. भा. साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन,  
रामपुरिया मडक बीकानेर-334005 (राजस्थान)  
फोन नं. 26867 तार—"साधुमार्गी"
36. जीत की भेरी (हिन्दी-पाक्षिक)  
संपादक—श्री विजय चौपड़ा  
श्री जीतमल चौपड़ा, 42/225 शातिकुंज,  
रामनगर, पुष्कर रोड, अजमेर-305001 (राज.)  
फोन नं. 30509
37. समता युवा सन्देश (हिन्दी-पाक्षिक)  
संपादक—श्री मणीलाल घोट्टा  
अ. भा. साधुमार्गी जैन समता युवा संघ  
2 चौमुखी पुल, रतलाम-457001 (म. प्र.)  
फोन-20684, 23480
38. दशा श्रीमाली (गुजराती-पाक्षिक)  
संपादक—श्री जयत मेहता  
श्री सीराष्ट्र दशा श्रीमाली सेवा संघ  
कामाणी दशा श्रीमालीवाडी, 2 माला  
542 जे.एस. रोड, चीरा बाजार, गिरगाव  
बम्बई-400002 (महाराष्ट्र)
39. तरुण जैन (हिन्दी-साप्ताहिक)  
संपादक श्री फतेहसिंह जैन  
तरुण जैन कार्यालय त्रिपोलिया,  
जोधपुर-342001 (राजस्थान)  
फोन : 44455 पी.पी. तार—"तरुण जैन"  
21713 पी.पी. घर
40. चमत्कार सन्देश (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री हीरालाल जैन  
वेयर हाउस के सामने, सदर बाजार  
सवाई माधोपुर (राजस्थान)-322021  
फोन नं. 5506

- 33 मेवाड़ मालवा (किरण (हिन्दी)  
संपादक—श्री अजित मादी  
मु पो चित्तौड़गढ़ (राज) -322001
- 34 मागलिक (गुजराती मासिक)  
योगी अपार्टमेंट, रामजी की पोल  
नाणावट, सूरत-395003 (गुज)
- 35 आय. रक्षित सदेश (मासिक हिन्दी)  
गुण सागर मेघ मन्दति भवन, देरासर लेन  
मेघरतन 1 माना, घाटकोपर (पूर्व)  
बम्बई-400077 (महा)
- 36 जिनवाणी (पासिक गुजराती)  
संपादक—श्री कातिलाल चुमीनान शाह  
जिनवाणी प्रचारक ट्रस्ट, 59 वन ऑफ इण्डिया  
बिल्डिंग, 185 गेज मेमन स्ट्रीट  
बम्बई-400003 (महा)
- 37 प्रबुद्ध जीवन (पासिक गुजराती)  
संपादक—श्री रमणलाल सी शाह  
385 एस बी पी राड, 1 भागा  
एच एन हॉस्पिटल के सामने बम्बई-400004  
(महाराष्ट्र)
- 38 ज्योति सदेश (पासिक हिन्दी)  
संपादक—श्री महन्त बाहटा  
४ भा जैन इव खरखरगट महामघ  
॥ मागार अपार्टमेंट, 6 नितव माग नई दिल्ली  
फोन न 385929
- 39 अहम सुन्दरम (मासिक गुजराती)  
संपादक—श्री राजेश बावोणी  
०६६६ सुन्दरम कार्या, सतलानगा-384330 (गुज)
- 40 विजय इन्द्र सदेश (पासिक हिन्दी)  
संपादक—श्री प्रकाशचन्द चौहरा  
अरिहत भवन, सदर बाजार, वाडमेट-344001  
(राजस्थान) फोन 84430
- 41 स्वबल (मासिक गुजराती)  
संपादक—श्री के आर विजुगी  
स्वबल कार्यालय इलास प्रिन्डिंग वी 21  
जान मंदिर राड Opp नीसरहाल दादर (वेस्ट)  
बम्बई 400028 (महा)  
फोन 4378089 6126042
- 42 जैन प्रतीक (मासिक हिन्दी)  
संपादक—श्री नरेंद्र कुमार रावा,  
19/6 साजव तुकोगज इटी-452002 (मप्र)
- 43 श्री पत्नीवाल जन पत्रिका (मासिक हिन्दी)  
संपादक—श्री भविवनचंद जैन  
नानक नगर, मयुरा (उप्र)-281001
- 44 श्रमण भारत (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक—श्रीमती जया राणी सोडा  
श्रमण प्रवर्गिन, 9/4 वाग मुजफ्फर गा मैल्स टैकम  
ऑफिस बम्पाउण्ड, आगरा 282002 (उप्र)
- 45 दिव्यदर्शन (साप्ताहिक गुजराती)  
संपादक—श्री कुमारपाल बी शाह  
दिव्यदर्शन, 36 कलिकुण्ड सासायटी  
धौनवा-387810 जिला अहमदाबाद (गुजरात)
- 46 दिव्य दर्शन (पासिक हिन्दी)  
संपादक—श्री कुमार पाल बी शाह  
दिव्यदर्शन ट्रस्ट, -36 कलिकुण्ड, सासायटी  
धौनवा-387810 जिला अहमदाबाद (गुज)
- 47 जन (साप्ताहिक गुजराती)  
संपादक—श्री महेंद्र भार्दी गुलाबचन्द शेट्टी  
बी/3 मनु जागीप 10 भागा  
39 नरिया सी राड, बम्बई-400006 (महा)  
(पुराना पता-जैन कार्यालय, दाणापीठ के पीछे  
बावनगर-364001 (गुजरात))
- 48 सगम धारा (मासिक हिन्दी)  
सम्पादिका-पद्म श्री चौपडा महिला सगम, 2  
मिन्शन लेन बराकत्ता-700069 (प बेंगाल)
- 49 अहं जैन टाइम्स (मासिक हिन्दी)  
संपादक—श्री गुंतम ओमवाल, अहं जैन सघ  
आचार्य सुशील जाधम सी 599 चेतना मार्ग,  
डिफेंस कानोनी नई दिल्ली-110024  
फोन 4622729-4627282
- 50 श्वेताम्बर जन (साप्ताहिक हिन्दी)  
संपादक—श्री विरेन्द्र मिश्र नाडा  
9/10 मोती बटना, आगरा 282003 (उप्र)

51. जैन जागृति (मासिक-मराठी)  
संपादक-श्री काशीलाल चौरङ्गिया  
62 ऋतुराज सोसायटी "जागृति" प्रेम नगर ज्वल,  
पूना-सतारा रोड, पूना-411037 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 435583
52. जैन समाज (दैनिक-हिन्दी)  
सम्पादक-श्री जिनेन्द्र कुमार जैन  
यग लीडर कार्यालय  
2073 घी वालो का रास्ता जोहरी बाजार  
जयपुर-302003 (राजस्थान)
53. श्री दक्ष ज्योति (मासिक-गुजराती)  
संपादक-श्री मुकेश के. शाह  
दक्ष ज्योति कार्यालय,  
पार्श्व नगर, चाल पेठ रोड  
आगासी तीर्थ बाया विरार जिला ठाणा  
(महाराष्ट्र) 401301
54. जैन गजट (साप्ताहिक हिन्दी)  
संपादक-श्री नरेन्द्र प्रकाश जैन  
जैन गजट कार्यालय, नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स,  
एश बाग लखनऊ-226004 (उ. प्र.)
55. जैन महिलादर्श (मासिक-हिन्दी)  
संपादिका-डॉ. कुसुम शाह  
जैन महिला दर्श कार्यालय,  
एश बाग, लखनऊ-226004 (उ. प्र.)
56. जैन वालादर्श (त्रैमासिक-हिन्दी)  
जैन विद्यालय, चाहचंद जीरो रोड,  
इलाहाबाद-211003 (उ. प्र.)
57. निर्मल ध्यान ज्योति (मासिक-हिन्दी)  
संपादक-पं. श्री मोतीलाल मार्तण्ड  
श्री विश्व शांती निर्मल ध्यान केन्द्र  
गिरनार तलहटी जूनागढ़-362004 (गुज.)  
फोन नं. 24611
58. सन्मति सन्देश (मासिक हिन्दी)  
संपादक-श्री प्रकाश हितैषी 'शास्त्री'  
जैन मंदिर गली, 535 गांधी नगर, दिल्ली-110031  
फोन नं. 2205372
59. वीतराग विज्ञान (मासिक-हिन्दी)  
संपादक-डॉ. हुसामचंद भारिल्ल  
पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट  
ए-4 वापू नगर, जयपुर-302015 (राज.)  
फोन नं. 515581-515458
60. सन्मति वाणी (मासिक-हिन्दी)  
संपादक-श्री जयसैन जैन  
श्री महावीर ट्रस्ट कार्यालय  
63 एम. जी. रोड, सुकोणज मेन रोड  
इन्दौर-452001 (म. प्र.)
61. विश्व जैन मिशन (मासिक बुलेटि)  
संपादक-श्री ताराचंद जैन वक्सी,  
वक्सी भवन, न्यू कॉलोनी, जयपुर-302003 (राज.)
62. महावीर सन्देश (मासिक-हिन्दी)  
दिगम्बर जैन अतिथय क्षेत्र,  
श्री महावीरजी  
जिला सवाई माधोपुर (राज.)
63. आत्म दर्शन (मासिक-गुजराती)  
संपादक-श्री नागरदास वी मोदी,  
दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट  
सोनगढ-जिला भावनगर (गुज.)
64. वल्लभ सन्देश (मासिक-हिन्दी)  
संपादक-श्री विनोद कोचर  
गौड भवन, कमला मार्ग  
सी-स्कीम, जयपुर-302002 (राज.)
65. दिगम्बर जैन मित्र (साप्ताहिक-हिन्दी)  
संपादक श्री शैलेश भाई कापडिया  
जैन मित्र कार्यालय, गांधी चौक  
सूरत-395003 (गुजरात)  
फोन नं. 27621, 26550
66. तीर्थंकर (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री नेमीचंद जैन  
65, पत्रकार कानोनी, कनाडिया रोड,  
इन्दौर-452001 (म. प्र.)
67. आत्म धर्म (त्रैमासिक-हिन्दी)  
प्राकृत विद्या, प्राकृत अध्ययन  
मुधर्मा विद्यालय परिसर रोड नं. 10  
अशोक नगर उदयपुर-313001 (राज.)

- 68 जन जागृति (मासिक-हिंदी)  
संपादक श्री भट्टेन्द्र भादिया  
भारत टायर्स, महु राड, रतनाम-457001 (मप्र)
- 69 जैन विद्या (हिंदी मासिक)  
श्री दिगम्बर जैन अतिथिगृह संतर्पण क्षेत्र श्री महावीरजी  
जिला सवाई माधपुर (राज)
- 70 ज्ञानसार (मासिक-हिंदी)  
संपादक अशोक जैन  
5/263 यमुना बिहार  
दिल्ली-110053
- 71 भणिमित्र (मासिक-हिंदी)  
आत्मानन्द जैन यमा भवन  
पी. बाना का गम्हा, जोहरी बाजार  
जयपुर-302003 (राज)
- 72 तिलस्वर (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री गणेश ललवार्षी  
जैन भवन पी 25 कानावार स्ट्रीट  
कानपुर-700007 (पं. ब.)
- 73 आगमोद्धारक (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री सुभाष चंद जैन  
मे नागर इलेक्ट्रिकल्स, 150 जवाहर भवन,  
मुकेशपुरा, इन्दौर-452002 (मप्र)
- 74 जन पथ प्रदर्शक (पाथिक-हिंदी)  
संपादक श्री रमनचंद भारिवाल  
श्री टाइटलम म्मारक भवन  
ए-4 बापू नगर-जयपुर-302015 (राज)  
फोन 515581, 515458
- 75 कुन्दकुन्द वाणी (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री रमन कुमार जैन  
कुन्द कुन्द वाणी कार्यालय मु.पो. जयपुर (मप्र)
- 76 जयकल्याण श्री (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री राजीव प्रचण्डिया,  
मंगल बसण, 394 सर्वोदय नगर,  
जयपुर राड, जयपुर-202001 (उप्र)  
फोन नं. 26486
- 77 वीतराग वाणी (मासिक-हिंदी)  
संपादक श्री विमल कुमार जैन  
वीतराग वाणी कार्यालय, मोहल्ला तेल मार  
मु.पो. टीकमगढ़ (मप्र)
- 78 शाकाहार क्रांति (मासिक हिंदी)  
संपादक श्री नवीचंद जैन  
होरा नैया प्रकाशन  
85 पत्रकार कालानी, कनाडिया मार्ग  
इन्दौर-452002 (मप्र)
- 79 अहिंसा (मासिक-हिंदी)  
अहिंसा कार्यालय,  
712 बारटो का राम्ना, विमानपत्तन बाजार  
जयपुर-302003 (राज) फोन 78252
- 80 दिव्य उदय (मासिक हिन्दी)  
संपादक श्री अनिल कुमार बड़वाल  
दिव्य उदय कार्यालय  
7-अनुकूल मुखर्जी रोड, कानपुर-700006 (पं. ब.)
- 81 प्राकृत विद्या (त्रिमासिक-हिंदी)  
संपादक डॉ. प्रेम सुमन जैन  
प्राकृत अध्ययन प्रसार सम्यान  
अशोक नगर, उदयपुर-313001 (राज)
- 82 शानि निवेदन (द्विमासिक)  
संपादक श्री अशोक शाह  
प्रेरणा प्रकाशन ट्रस्ट, शानि निवेदन, साधना पैड  
मु.पो. सोयल जिन्दा बलसाड (गुज)
- 83 मन्त्री (मासिक गुजराती)  
मे टी.ए. गाना एम.सिएम्स  
नीलकण्ठ दन मंदिर रोड, बाकाला  
शातानुष (पूर्व) बम्बई-400055 (महाराष्ट्र)
- 84 लब्धि कृपा (मासिक-गुजराती)  
संपादक श्री अक्षय राम गांधी  
श्री. लब्धि कृपा प्रकाशन समिति  
53बी, गीता गुजरी, कोल्हापुर-416602 (महाराष्ट्र)
- 85 जन पथकार बुलेटिन (गुजराती)  
संपादक श्री नटवरान शाह  
बम्बई जैन पत्रकार मण्डल, हनुमान ब्रिडिंग, 2 मार्ग,  
2 पिनेट रोड, बम्बई-400002 (महाराष्ट्र)

86. कथालोक (मासिक जैन)  
संपादक श्री हर्षचन्द्र जैन  
119 स्टेट बैंक कालोनी दिल्ली-110009
87. छाजेड़ टाइम्स (हिन्दी)  
संपादिका-अनिता छाजेड़  
यग्लीडर प्रेस, चाकसू का चौक  
धी वाला का रास्ता, जोहरी बाजार  
जयपुर-302003 (राज.)
88. सहज आनन्द (हिन्दी-मासिक)  
संपादक अशोक कुमार जैन  
बी-5/263 यमुना बिहार दिल्ली-110053
89. तारण बन्धु (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री जानचंद जैन  
15 वी टी टी आई कालोनी,  
श्यामला हिल, भोपाल-462001 (म.प्र.)
90. धर्म मंगल (पाक्षिक-हिन्दी)  
संपादिका-श्रीमती लीलावती कातिलाल जैन  
415 भीकमचंद नगर विपराले रोड,  
जलगाव-425001 (महाराष्ट्र)
91. अहम् कुशल निदेश (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री भवरलाल नाहटा,  
5/ए, लक्ष्मीनारायण, मुखर्जी रोड  
कलकत्ता-700091 (प. व.)
92. दिव्य कृपा (साप्ताहिक-गुजराती)  
नमस्कार आराधना ट्रस्ट,  
11 नवरगपुरा  
अहमदाबाद-380013 (गुज.)
93. प्रेरणा पत्र (गुजराती)  
संपादक श्री मफतलाल बी. दोशी,  
3, चन्द्र विला; 2 माला, अम्बाजी रोड  
सुरत-395003 (गुज.)
94. शांति सौरभ (मासिक-गुजराती)  
संपादक श्री मुक्तिलाल आर. शाह  
शांति सौरभ भवन, जैन बोर्डिंग मु.पो. भामर  
वाया पालनपुर, जिता बनासकाठा (गुज.)
95. दूसरा कोई न खोजा (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री नरेन्द्र डागलिया  
फैशन, मार्किल, सदर बाजार  
राजनादगाव (म.प्र.)
96. जैन प्रदीप (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री कुलभूषण कुमार  
प्रेम भवन, चाहपारस  
मु.पो. देववन्द-247554  
जिला सहारनपुर (उ.प्र.)
97. तुलसी प्रज्ञा (त्रैमासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री परमेश्वर सोलंकी  
जैन विश्व भारती संस्थान  
लाडनू-341606  
जिला नागौर (राजस्थान)
98. प्रेक्षाध्यान (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री शंकरलाल मेहता  
तुलसी अध्यात्म नाडम्  
जैन विश्व भारती लाडनू-341606  
जिला नागौर (राज.)
99. युवा दृष्टि (मासिक-हिन्दी)  
संपादक श्री पन्नालाल वाठिया,  
अ.भा. तैरापथ युवक परिषद्,  
जैन विश्व भारती, लाडनू-341606
100. जैन भारती (साप्ताहिक हिन्दी)  
जैन विश्व भारती,  
लाडनू-341606  
जिला नागौर (राज.)
101. तैरापथ युवक परिषद् समाचार (हिन्दी)  
अ.भा. तैरापथ युवक परिषद् गंगा शहर,  
जिला बीकानेर (राज.)
102. विज्ञप्ति (साप्ताहिक-हिन्दी)  
श्री कमलेश चतुर्वेदी प्रबंधक,  
आदर्श साहित्य सघ,  
जैन विश्व भारती, लाडनू-341606 (राज.)
103. अणुव्रत (पाक्षिक-हिन्दी)  
संपादक श्री धर्मचंद चौपड़ा,  
अ.भा. अणुव्रत समिति,  
210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग,  
नई दिल्ली-110001



- 138 धर्मधारा (भासिक-गुजराती) 1  
संपादक-श्री मनहरानन मी शाह  
धर्मधारा कार्यालय, 118 श्रेयाम रामपलेक्स सेंटर,  
जैन दरामर के सामने, चार रास्ता, नाराणपुरा  
धर्मदादाद-380009 (गुज) -
- 139 JAIN DIGEST (English Monthly)  
Editor Shri Bhopal Shood  
Muni Kumud Centre of Jain Culture,  
1619/6 B Viahampur Savin Sahadara  
DELHI 110032
- 140 जम्बूदीप (भासिक-गुजराती)  
संपादक-श्री जयद्र भांड आर, शाह  
जम्बू दीप कार्यालय, सलेटी रोड, पानीतणा-  
364270 (गुजरात)
- 141 जन शासन (साप्ताहिक-गुजराती)  
जैन शासन कार्यालय,  
45 दिविवजय प्लॉट, जामनगर 361001 (गुजरात)
- 142 जगमग दीप ज्योति (हिंदी-भासिक)  
संपादक-श्री सुमति कुमार जैन  
जगमग दीप ज्योति कार्यालय, महावीर मार्ग,  
अलवर-301001 (राजस्थान) फोन 22328
- 143 पूनम प्रकाश (भासिक गुज, अप्रेजी),  
संपादक-श्री महावीर सेवा ट्रस्ट,  
C/o जौ मनसुबलान, श्री जैन दवाखाना,  
33-ए-मुल्का पाक, मनाड (पूव)  
बम्बई-400097 (महाराष्ट्र)
- 144 दिव्य ध्वनि (गुजराती-भासिक)  
संपादक श्री प्रकाश शाह  
श्रीमद् राजवन्द आध्यात्मिक माधनो केन्द्र  
मु.प. बोदा, माधीनगर (गुज)-382009
- 145 अर्हत् वचन (हिंदी-भासिक)  
संपादक-श्री अनुपम जैन  
दवकुमार मिह रामनीवास, कुद्रुद ज्ञानपीठ,  
584 एम जी राट सुगोज,  
इन्दौर 452002 (मप्र)
- 146 इटरनेशनल जैन फ्रेडस (द्विभासिक-अप्रेजी)  
इटरनेशनल जैन फ्रेडस कार्यालय,  
पो बॉ न 58, बोम्बे-पूना मार्ग, चिचवड (पूव),  
पूना-411019 (महाराष्ट्र)
- 147 गुरु प्रसाद (हिंदी भासिक)  
संपादक-श्री रामजी बाई मोंटाणी  
पूज्य श्री कानजी स्वामी स्मार्क ट्रस्ट, लाम राड,  
वलत गाव्हन राड, दखनानी बाया भासिक  
(महाराष्ट्र)-422401
- 148 THE JAIN ANTIQUARY  
(English Monthly)  
Editor Shri Jain Sidhant Bhasker  
Oriental Reaserch Institute  
P O AARA (Bihar)
- 149 JAIN JOURNAL (English Quarterly)  
Jain Bhawan, P-25 Kalakurst  
CALCUTTA 700007 (W B)
- 150 AHIMSA VOICE (English Monthly)  
Shrikan Sahitya Sansthan,  
53 Rishabh Vihar  
DELHI 110092
- 151 सम्पूर्ण ज्ञान (हिंदी-भासिक)  
दिगम्बर जैन निवास शाध सम्प्रान  
हस्तिनापुर, जिना मठ (उ प्र)
- 152 अनेकात हिंदी (भासिक)  
वीर सेवा मंदिर, 21 दरियागज  
नई दिल्ली-110002
- 153 मुक्कुडई (भासिक हिंदी)  
जैन यूथ फोरम,  
साजव बाग राड, टी नगर  
मदाम-600017 (तमिलनाडु)
- 154 जन प्रिय (हिंदी-भासिक)  
संपादक डा बाहुबली कुमार  
8 मिनिन लाइन, ललितपुर-284403 (उत्तरप्रदेश)
- 155 गुण स्थान (हिंदी भासिक)  
जैन युनि बिमन समिति ट्रस्ट  
समिति नगर, समर (पंजाब)

156. वीतराग संदेश (गुजराती मासिक)  
अ.भा. अचलगच्छ श्वे. जैन संघ  
110-दी. केशवजी नायक रोड,  
बम्बई-400009 (महाराष्ट्र)
157. इशारो जैन पूर्ति (गुजराती-द्विमासिक)  
संपादक-त्रीणा वहेन सी. शाह  
ईशारो कार्यालय 17, सर्वोदय सोसायटी,  
एस टी बस स्टैण्ड के पास  
मु. पो. वालासिनोर, जिला खेडा (गुजरात)
158. जिनेश्वर (हिन्दी मासिक)  
संपादक-श्री प्रदीप सुराना  
जिनेश्वर कार्यालय C/o श्री राजेन्द्र दस्सानी  
ए-7/17 महेण नगर, गोरगांव (वेस्ट)  
बम्बई-400062 (महाराष्ट्र)  
फोन नं. 6726386
159. धर्म बिन्दु (मासिक गुजराती)  
संपादक-प्रकाश पी. वोरा  
धर्म बिन्दु कार्यालय, प्लॉट 209/8,  
दिल्ली-विलास बैंक के ऊपर, डॉ. आम्बेडकर रोड,  
माटूंगा (से. रे.) बम्बई-400019 (महा.)
160. वीर (हिन्दी पाक्षिक)  
अ.भा. दिगम्बर जैन परिषद्  
37 डिफेन्स एन्क्लेव, विकास मार्ग,  
दिल्ली-110092
161. समाज दर्पण (मासिक गुजराती)  
संपादक-श्री जयंतीलाल एम. शाह  
3/12/26 आर. नवजीवन सोसायटी, लेमिंग्टन  
रोड, बम्बई-400008 (महाराष्ट्र)

### (3) धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक जैन पत्र-पत्रिकाएँ

2. यंग लीडर (हिन्दी दैनिक)  
संपादक श्री अमृत जैन, यंग लीडर कार्यालय  
508, के.वी. कार्मशियल सेंटर, दीनवाई टावर के पास,  
नान दरवाजा खानपुर, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात) फोन नं. 350099
3. टाइम्स ऑफ इन्टरनेशनल (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री नरेन्द्र जैन  
508, के.वी. कार्मशियल सेंटर, दीनवाई टावर के पास,  
लाल दरवाजा, खानपुर, अहमदाबाद-380001  
(गुजरात) फोन नं. 350099
4. राजस्थान प्रदीप (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री जिनेन्द्रकुमार जैन  
2073 घी वालों का रास्ता जोहरी बाजार,  
जयपुर-302003 (राज.)
5. अमृत टाइम्स (हिन्दी पाक्षिक)  
संपादक श्री जिनेन्द्रकुमार जैन  
2073, घी वालों का रास्ता, जोहरी बाजार,  
जयपुर-302003 (राज.)
6. हलकारा (हिन्दी पाक्षिक) :  
संपादक श्री शातिलाल राका,  
हलकारा कार्यालय, राका प्रेस, 1, सद विचार बिल्डिंग,  
मिम्पोली रोड, रेयाणी ग्राम बोरीवली (वेस्ट),  
बम्बई-400092 (महा.) फोन नं. 6051029
7. ब्लास्ट दर्शन (हिन्दी साप्ताहिक) :  
संपादक श्री हीरालाल तातेड,  
466 तातेड कुंज, 6-ए-पाली रोड  
सरदारपुरा, जोधपुर-342001 (राज.)
8. टाइम्स ऑफ अरावली (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री तेजराज कोठारी,  
62, नवनखा रोड, पाली-मास्वाड  
(राजस्थान) 306401 फोन-21188
9. धीर (हिन्दी साप्ताहिक)  
संपादक श्री धीरेन्द्रकुमार जैन,  
15, बी.वी.वे. अयंगर रोड (न्यू रोड),  
बैंगलोर-560053 (कर्नाटक)

1. यंग लीडर (हिन्दी दैनिक)  
संपादक श्री जिनेन्द्रकुमार जैन  
2073, घी वालों का रास्ता, जोहरी बाजार,  
जयपुर-302003 (राज.) फोन नं.-66593

- 20 तीर्थचट्टना (हिंदी भाषिक)  
अ मा निम्बर तीर्थ चट्टना  
हिंदी भाषा प्रकाशना सोपी टन  
पन्ना 400004 (मरा)
- 21 कुमाव निर्देशक (हिंदी)  
श्री निम्बर मरी मरा मरा  
4 मरा मरा मरा मरा  
पन्ना 700001 (प मरा)
- 22 मारा ज्योति (हिंदी)  
निम्बर जय केकेकेके  
मरा हिंदी भाषा मरा मरा  
पन्ना 700007 (प मरा)
- 23 (आप मरा मरा मरा भाषिक)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा 16 मरा मरा  
1 मरा मरा मरा (मरा)  
पन्ना 400009 (मरा)
- 24 सेवा मरीम (हिंदी)  
मारा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा 4, मरा मरा  
पन्ना 313001 (मरा)
- 25 मरा मरा (हिंदी)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा 302015 (मरा)
- 26 मरा मरा (हिंदी)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा (मरा) 312001
- 27 मरा मरा (हिंदी भाषिक)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
15, मरा मरा, मरा मरा मरा (मरा) 251001
- 28 मरा मरा (हिंदी)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा (मरा) 246701
- 29 मरा मरा (हिंदी)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा (मरा) 281001 (मरा)
- 30 मरा मरा (भाषिक हिंदी)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा (मरा) 221003 (मरा)
- 31 मरा मरा (हिंदी)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा (मरा) 247341
- 32 मरा मरा (भाषिक हिंदी)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा (मरा) 283101
- 33 मरा मरा (भाषिक हिंदी)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा (मरा) 226003 (मरा)
- 34 मरा मरा (हिंदी भाषिक)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा (मरा) 474001
- 35 मरा मरा (हिंदी)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा (मरा) 482001 (मरा)
- 36 मरा मरा (हिंदी भाषिक)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा (मरा) 457220
- 37 मरा मरा (हिंदी भाषिक)  
मारा श्री मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा  
मरा मरा मरा मरा मरा (मरा) 470002

**नोट.**—इनके अलावा भी कई स्थानों से कई अन्य जैन पत्र-पत्रिकाएँ भी वर्तमान में प्रकाशित होती हैं। हमें जितनी पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध हुईं या उनकी जानकारीयाँ प्राप्त हुईं, उन सभी को सम्मिलित किया गया है। उपर्युक्त जैन पत्रिकाओं के हमने चार तरह के विभाग बनाये हैं। प्रथम भाग में श्वे. स्थानकवासी समुदाय की पत्र-पत्रिकाएँ जो अधिकांश रूप से अधिकतर स्थानकवासी समाज से ही जुड़ी हुई हैं, द्वितीय भाग में समग्र जैन समाज श्वे. मूर्तिपूजक, तेरापंथी दिगम्बर एवं शेष वचे स्थानकवासी। इस तरह इस विभाग में प्रायः कर अधिक से अधिक संख्या है, ये सभी पत्र-पत्रिकाएँ समग्र जैन समाज से जुड़े हुए हैं। तृतीय भाग में ऐसी जैन पत्रिकाओं को सम्मिलित किया है, जो जैन समाज के तो हैं, लेकिन धार्मिक के अलावा सामाजिक, राजनैतिक आदि से जुड़े हुए हैं, इनमें आधे-से ज्यादा समाचार जैन समाज के ही होते हैं। एवं चतुर्थ भाग में ऐसी जैन पत्रिकाओं को सम्मिलित किया है जो जैन समाज की पत्रिकाएँ तो हैं, प्रकाशन भी प्रारंभ हुआ था और कईयों का संभव है वर्तमान में भी

हो रहा होगा, लेकिन हमें पक्के सही समाचार ज्ञात नहीं होनेके कारण हमने इनका नाम तो यहाँ प्रकाशित किया है, लेकिन संभावित शब्द लगाया है। सभी संभावित प्रकाशित जैन पत्र-पत्रिकाओं के माननीय संपादक महोदयों से नम्र निवेदन है कि अगर पत्र का वर्तमान में प्रकाशन यथा रूप से चालू है, तो उसकी एक प्रति अवलोकनार्थ हमें अवश्य भिजवावे, ताकि उनको भाग द्वितीय में सम्मिलित कर सकें। जो जैन पत्र-पत्रिकाएँ वर्तमान में प्रकाशित नहीं हो रही हैं, उनका नाम यहाँ नहीं दिया गया है।

इनके अलावा यदि अन्य स्थानों से और जैन पत्रिकाएँ वर्तमान में प्रकाशित हो रही हैं, तो सभी संपादकों से नम्र निवेदन है कि वे अपने पत्र की एक प्रति हमें अवलोकनार्थ अवश्य भिजवावे, ताकि भविष्य में प्रकाशित होने वाली वृहद जैन पत्र-पत्रिका डायरेक्ट्री में सम्मिलित किया जा सके। उपर्युक्त पत्र-पत्रिकाओं में यदि सम्पर्क सूत्र बदल गया हो या प्रकाशन बन्द हो गया हो तो उसकी भी हमें सूचना अवश्य भेजे।

—संपादक

## अ. भा. जैन पत्र-पत्रिका डायरेक्ट्री-1992

सम्पूर्ण भारत के जैन समाज की वर्तमान में प्रकाशित होने वाली उपर्युक्त सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं को “समग्र जैन चातुर्मास सूची 1992” में प्रकाशित किया गया है। कई महानुभावों का यह आग्रह रहा, निवेदन किया कि इसकी एक अलग से पुस्तिका भी प्रकाशित करे, ताकि यह डायरेक्ट्री सभी के पास सुरक्षित भी रह सके। इसके अलावा जैन समाज के जितने भी आयोजन होते रहते हैं उनके समाचार सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं को प्रेषित कर सके, इसके लिए छोटी-सी पुस्तिका हर जगह सभी के पास सुरक्षित रहे, इस दृष्टि से सभी महानुभावों के आग्रह एवं विनती को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त सभी जैन पत्र-पत्रिकाओं की अलग से एक पुस्तक

रूप में प्रकाशित की गयी है। पुस्तक का मूल्य सिर्फ रु. 5/- रखा गया है।

इच्छुक महानुभाव आज ही अपनी प्रति मँगावे। पुस्तकें सीमित मात्रा में हैं।

सम्पर्क सूत्र :

बाबूलाल जैन “उज्ज्वल”  
उज्ज्वल प्रकाशन

105, तिरुपति अपार्टमेंट्स,  
आकुर्ली क्रोस रोड नं. 1, कादिवली (पूर्व),  
बम्बई-400101 (महाराष्ट्र) फोन नं. 6881278

छपते-छपते

1. परिणय प्रतीक (द्विमासिक-हिन्दी)  
सम्पादक डॉ. जैनेन्द्र जैन  
दिगम्बर जैन महासमिति  
महावीर गृह उद्योग, शार्तीनाथ मांगलिक भवन,  
83 सरहुकमचन्द मार्ग  
इन्दौर-452002 (म.प्र.) फोन नं. 30571

2. हे प्रभो ! यह तेरापंथ (हिन्दी मासिक)  
सम्पादक डॉ. माणिकचन्द्र मालू  
21, रोज़मेरी लेन, हावडा-1 (प. बं.)  
फोन नं. 604239

# अ. मा. समग्र जैन आचार्य सूची 1992

क्र.सं.	समुदाय का नाम	आचार्यों की संख्या
1	श्वे स्यान्तवर्माजी जैन समुदाय	(1)
1	धर्मग सप्त समुदाय	(1)
	धर्मग सप्त म कुल आचार्य	(1)
2	स्वतंत्र समुदाय	
1	माधमगौरी समुदाय	(1)
2	रत्न वग समुदाय	(1)
3	रामचंद्र तोष (विराटजन)	(2)
3	बृहद् गुजरात समुदाय	
1	दशमापुरी समुदाय	(1)
2	निम्बकी मुन्नी समुदाय	(1)
3	ज्वालात समुदाय	(1)

स्यान्तवर्माजी समुदाय म कुल आचार्य (1+1) = 2

2	श्वे तेरापची एव नवतेरा पची समुदाय	
1	श्वे तरापची समुदाय	(1)
2	श्वे नवतरापचा समुदाय	(1)

कुल आचार्य (1+1) = 2

3	श्वे मूर्तिपूजक समुदाय	
1	आचार्य श्री प्रेमसूर्यजी समुदाय भाग (1) (20)	
2	आचार्य श्री प्रेम सूर्यजी समुदाय भाग (2) (13)	
3	आचार्य श्री नेनी सूर्यवरजी समुदाय	(17)
4	आचार्य श्री मोगरानन्दजी समुदाय	(8)
5	पद्माम श्री धर्मविजयजी (देहलीवासी) समुदाय	(6)
6	आचार्य श्री विजय कल्लभ सूर्यवरजी समुदाय	(2)
7	आचार्य श्री बुद्धिनाथ सूर्यवरजी समुदाय	(6)
8	आचार्य श्री निनी सूर्यवरजी समुदाय	(3)

9	आचार्य श्री नेनी सूर्यवरजी समुदाय	(11)
10	आचार्य श्री मोहन गोवर्धन समुदाय	(1)
11	आचार्य श्री मोहन सूर्यवरजी समुदाय	(6)
12	आचार्य श्री मनिन सूर्यवरजी समुदाय	(5)
13	आचार्य श्री नन्द सूर्यवरजी (वैष्णव) समुदाय	(1)
14	आचार्य श्री निदि सूर्यवरजी समुदाय	(3)
15	आचार्य श्री श्याम सूर्यवरजी समुदाय	(1)
16	आचार्य श्री हिमाचल सूर्यवरजी समुदाय	(1)
17	आचार्य श्री शांतिचन्द्र सूर्यवरजी समुदाय	(4)
18	आचार्य श्री अमृत सूर्यवरजी समुदाय	(1)
19	अचल चन्द्र समुदाय	(2)
20	अनन्तराम समुदाय	(1)
21	विस्तुतिचन्द्र समुदाय भाग प्रथम	(1)
22	विस्तुतिचन्द्र समुदाय भाग द्वितीय	(1)
23	विस्तुतिचन्द्र समुदाय भाग तृतीय	(1)
24	अनन्तराम समुदाय	(2)

श्वे मूर्ति सप्तदाय म कुल आचार्य (117)

4	दिगम्बर समुदाय	
	दिगम्बर समुदाय म कुल आचार्य	(38)

कुल आचार्य (38)

समग्र जैन आचार्य संक्षिप्त तालिका		
क्रम	समुदाय	आचार्य की संख्या
1	श्वे स्यान्तवर्माजी समुदाय	(8)
2	श्वे तरापची एवं नवतेरापची समुदाय	(2)
3	श्वे मूर्तिपूजक समुदाय	(117)
4	दिगम्बर समुदाय	(38)

कुल योग (165)

# अ. भा. समग्र जैन नई दीक्षा सूची

(दिनांक 1-8-91 से 31-7-92 तक)

क्र.	संत-मती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय/निश्रा
1.	एल्लक श्री ताराचन्दजी	18-10-91	गिरनार	दिगम्बर समुदाय
2.	श्री जिलापीजी म.	23-10-91	दिल्ली	उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म.
3.	आर्याजी श्री मुक्ति भूषण माताजी	6-11-91	मिवनी	दिगम्बर समुदाय
4.	आर्याजी श्री भक्तिमति माताजी	12-11-91	आमाम	दिगम्बर समुदाय
5.	श्री सुदर्शन सागरजी म.	17-11-91	बम्बई	दिगम्बर समुदाय
6.	श्री सुप्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
7.	श्री सम प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
8.	श्री ध्यान प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
9.	श्री हिम प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
10.	श्री चारु प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
11.	श्री विनम्र प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
12.	श्री सत्य प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
13.	श्री संयम प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
14.	श्री गौरव प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
15.	श्री श्रेष्ठ प्रभाजी म.	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
16.	आर्यिका श्री विरक्तमती माताजी	21-11-91	विजोनिया	दिगम्बर समुदाय
17.	क्षुल्लिका श्री विमुक्त माताजी	21-11-91	विजोनिया	दिगम्बर समुदाय
18.	श्री ममता बाई	17-11-91	पेटलावद	श्रमण संघ समुदाय
19.	श्री सिद्ध कुंवरजी म.	23-11-91	खीचन	ज्ञान गच्छ समुदाय
20.	श्री विरक्ति कुमारीजी म.	23-11-91	खीचन	ज्ञान गच्छ समुदाय
21.	श्री सम्पत कुंवरजी म.	12-12-91	नीमच	ज्ञान गच्छ समुदाय
22.	श्री गुणमालाजी म.मा.	12-12-91	नीमच	ज्ञान गच्छ समुदाय
23.	श्री लालजी भाई	1-12-91	अहमदाबाद	तपागच्छ समुदाय
24.	श्री गरिमाजी म.	13-12-91	देशनोक	ज्ञान गच्छ समुदाय
25.	श्री अंकिताजी म.	13-12-91	देशनोक	ज्ञान गच्छ समुदाय
26.	श्री महिमाजी म.	13-12-91	देशनोक	ज्ञान गच्छ समुदाय
27.	श्री छाया बहिन	15-12-91	धानागढ	लिम्बडी गोपाल समुदाय
28.	श्री तख्तमलजी कटारिया	26-1-92	मैलाना	रथो. स्वतंत्र समुदाय
29.	श्री कविता बहिन	8-2-92	अहमद नगर	श्रमण संघ समुदाय
30.	श्री जितेन्द्र भाई	9-2-92	सुरेन्द्र नगर	लिम्बडी गोपाल समुदाय
31.	श्री अल्पा बहिन	9-2-92	सुरेन्द्र नगर	लिम्बडी गोपाल समुदाय
32.	श्री मीरा बहिन	9-2-92	सुरेन्द्र नगर	लिम्बडी गोपाल समुदाय

क्र	संत-मती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय/विधा
33	श्री बहिन	9-2-92	सुरेन्द्र नगर	लिम्बडी गोपाल समुदाय
34	श्री इमा बहिन	10-2-92	अहमदाबाद	लिम्बडी गोपाल समुदाय
35	कुमारी लता बहिन	16-2-92	अम्बरनाथ-बम्बई	अचल गच्छ समुदाय
36	कुमारी मनीषा बहिन	16-2-92	अम्बरनाथ-बम्बई	अचल गच्छ समुदाय
37	श्री सोहास बहिन	16-2-92	मोरवी	गोडन सघाणी समुदाय
38	श्री उषा बहिन	16-2-92	वडवाण नगर	लिम्बडी गोपाल समुदाय
39	श्री भूमप्रभाजी	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
40	श्री भूमप्रभाजी	17-11-91	लाडनू	श्री आचार्य तुलसी
41	श्री ध्यान प्रभाजी	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
42	श्री लक्ष्मीवतीजी	17-11-91	लाडनू	आचार्य श्री तुलसी
43	श्री विगलकुमार जैन	16-2-92	मालपुरा (टाक)	श्रीतगम सघ समुदाय
44	श्री ममता जी	21-2-92	बुडलाणा	ज्ञान गच्छ समुदाय
45	श्री उदितजी म	16-2-92	जाधपुर	ज्ञान गच्छ समुदाय
46	कुमारी विनीता कटकाजी	16-2-92	गभूमठ-भीनवाडा	श्रमण सघ समुदाय
47	श्री रजतरिणि जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
48	श्री अनूपम जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
49	श्री प्रवीण जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
50	श्री चंदना जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
51	श्री हचिवा जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
52	श्री रिद्धिमा जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
53	श्री हचिवा जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
54	श्री प्रेरणा जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
55	श्री प्रेक्षा जैन	16-2-92	दिल्ली	श्रमण सघ समुदाय
56	श्री शिखा जैन	18-2-92	चण्डीगढ़	श्रमण सघ समुदाय
57	श्री रजना जैन	16-2-92	लुधियाना	श्रमण सघ समुदाय
58	श्री सलेकचंद जैन	16-2-92	दिल्ली	दिगम्बर समुदाय
59	कुमारी हेमानी बहिन	2-3-92	गोडन	गोडन मोटा पदा
60	श्री राजीव हीरावत	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
61	श्री इंद्रेश चोठारी	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
62	श्री इंदु हीरावत	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
63	श्री चन्दनवान हीरावत	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
64	श्री अजु हीरावत	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
65	श्री जय श्री भूरा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
66	श्री सरोज भूरा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय
67	श्री रीना वल्लभ	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी सघ समुदाय

क्र.	संतसती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय/निश्रा
68.	श्री कुमुद दस्तानी	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
69.	श्री कान्ता गोलेछा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
70.	श्री धैर्य प्रभा जैन	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
71.	श्री मंजू नाहर	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
72.	श्री जयन्ती बाला जैन	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
73.	श्री कविता जैन	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
74.	श्री अनिता लोढ़ा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
75.	श्री सीमा सेठिया	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
76.	श्री सूरज नवलखा	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
77.	श्री संगीता सांखला	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
78.	श्री मणि प्रभा गुगलिया	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
79.	श्री मधु सुराना	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
80.	श्री लता काजल	16-2-92	बीकानेर	साधुमार्गी संघ समुदाय
81.	श्री जवाहर पाठक	9-2-92	कुरुक्षेत्र	श्रमण संघ समुदाय
82.	श्री हेमाली बहिन	2-3-92	गोडल	गोडल मोटा पक्ष समुदाय
83.	श्री दिनेश भण्डारी	16-4-92	मोहनखेडा	आचार्य श्री हेमेन्द्र सूरीजी म
84.	श्री दौलतकुमार	20-4-92	मालेरकोटला	श्रमण संघ समुदाय
85.	कु. मधुबाला	24-4-92	सिरोही	आचार्य श्री गुण रत्न सूरीजी म
86.	आयिका : . . . . .	15-4-92	फिरोजाबाद	दिगम्बर समुदाय
87.	श्री अर्पिताजी म.	7-5-92	साचीर	ज्ञान गच्छ समुदाय
88.	श्री मंजू श्री जी म.	7-5-92	साचीर	ज्ञान गच्छ समुदाय
89.	श्री शोभना कुमारी	7-5-92	भचाऊ	लिम्बड़ी मोटा पक्ष समुदाय
90.	श्री शांति मुनिजी म.	7-5-92	मलुंड-बम्बई	बरवाला समुदाय
91.	श्री जय श्री बहिन	7-5-92	देशलपूर	अचल गच्छ समुदाय
92.	श्री हंसा बहिन	7-5-92	तीथल	प्राश्वचन्द्र गच्छ समुदाय
93.	श्री वीणा गोलेछा	3-5-92	सोजतसिटी	श्रमण संघ समुदाय
94.	श्री चन्द्र किरण गादिया	3-5-92	सोजतसिटी	श्रमण संघ समुदाय
95.	श्री चन्दन बाला	8-5-92	देशनोक	साधुमार्गी संघ समुदाय
96.	श्री कुसुम छेडा	13-5-92	वांकी-कच्छ	कच्छ मोटा पक्ष समुदाय
97.	श्री धुल्लक . . . . .	13-5-92	फूलेरा	दिगम्बर समुदाय
98.	श्री क्षेमन्धर तन्दीजी म.	13-5-92	सांगानेर	दिगम्बर समुदाय
99.	श्री काम विजयनन्दीजी म.	13-5-92	सांगानेर	दिगम्बर समुदाय
100.	श्री हर्षित रत्न विजयजी म.	22-4-92	गुजरात	आचार्य श्री जयंत सेन सूरीजी म.
101.	श्री नय रत्न विजयजी म.	22-4-92	गुजरात	आचार्य श्री जयंत सेन सूरीजी म.
102.	श्री यशोलता श्री जी म.	22-4-92	गुजरात	आचार्य श्री जयंत सेन सूरीजी म.



ક્ર	સત-સતી વા મામ	દિનાક	સ્થાન	સમુદાય/નિયા
103	શ્રી અક્તિ રમાશ્રીજી મ	22-4-92	ગુજરાત	આચાર્ય શ્રી જયન મેન સૂરીજી મ.
104	શ્રી હૃદય વશનાશ્રીજી મ	22-4-92	ગુજરાત	આચાર્ય શ્રી જયન મેન સૂરીજી મ
105	શ્રી પ્રવીણા જી	7-5-92	પાનોતપા	આચાર્ય શ્રી ધર્મોદેવ સૂરીજી મ
106	શ્રી ધીરજનાલ શ્રીજી મ	7-6-92	રાજાપોટ	ગાઠલ મોટા પક્ષ સમુદાય,
107	શ્રી મુગ્ધા વહિન	21-5-92	જામનગર	ગોડલ મોટા પક્ષ સમુદાય
108	શ્રી મુગ્ધાવિયા શ્રીજી મ	4-6-92	વહિયા	ગાઠલ માટા પક્ષ સમુદાય
109	શ્રી શોભવતી વાઈ મ.	4-6-92	વહિયા	ગાઠલ માટા પક્ષ સમુદાય
110	શ્રી હમાક્ષા વાઈ મ.	4-6-92	વહિયા	ગાઠલ માટા પક્ષ સમુદાય
111	શ્રી નીલાવાઈ મ	4-6-92	વહિયા	ગાઠલ માટા પક્ષ સમુદાય
112	શ્રી આનંદ વિજયજી	10-6-92	પાલી-ભારવાટ	આચાર્ય શ્રી ૬૩ દિન સૂરીજી મ
113	શ્રી દિગ્માનંદ વિજય મ	10-6-92	પાલી-ભારવાટ	આચાર્ય શ્રી ૬૩ દિન સૂરીજી મ
114	શ્રી પુનીત યશાશ્રીજી મ	10-6-92	પાલી-ભારવાટ	આચાર્ય શ્રી ૬૩ દિન સૂરીજી મ
115	શ્રી પૂર્ણાનંદશ્રીજી મ	10-6-92	પાલી-ભારવાટ	આચાર્ય શ્રી ૬૩ દિન સૂરીજી મ
116	શ્રી તત્ત્વ દર્શનાશ્રીજી મ	10-6-92	પાલી-ભારવાટ	આચાર્ય શ્રી ૬૩ દિન સૂરીજી મ
117	શ્રી સમય મારજી મ	21-6-92	માલપુરા (રાજ)	દિગમ્બર સમુદાય
118	શ્રી પ્રજ્ઞાનકુમાર	21-6-92	મલેશ્વર નાંથ	તપાગચ્છ સમુદાય
119	શ્રી શોભાનમારા	2-7-92	મદ્રાસ	શ્રમણ સપ સમુદાય
120	જાચાર્જી શ્રી ભાદરજી મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
121	જાચાર્જી શ્રી બુદ્ધ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
122	જાચાર્જી શ્રી બેલ તર મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
123	જાચાર્જી શ્રી અવિષ્ણ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
124	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
125	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
126	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
127	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
128	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
129	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
130	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
131	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
132	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
133	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
134	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
135	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ
136	જાચાર્જી શ્રી અનુભવ મતિજી	4-7-92	કુણ્ડલપુર	આચાર્ય શ્રી વિદ્યામાગરજી મ

## अ. भा. स्था. जैन दीक्षा (द्वादश वर्ष) संक्षिप्त तालिका

(सन् 1981 से 1992 तक)

सम्प्रदाय	1992	1991	1990	1989	1988	1987	1986	1985	1984	1983	1982	1981	12 वर्षों का कुल योग
कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	
श्रमण संघ	19	25	24	25	27	21	48	35	42	31	41	40	359
स्वतंत्र सम्प्रदाय	37	27	28	24	24	35	30	24	55	24	41	19	332
वृहद्गुजरात सम्प्रदाय	19	30	14	32	30	40	30	42	45	43	45	42	393
कुल—	75	82	66	81	81	96	108	101	142	98	127	101	1084

नोट.—उपर्युक्त तालिका की जानकारी श्वे. स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची 1979 से 1985 एवं समग्र जैन चातुर्मास सूची 1986 से 1992 के प्रकाशन वर्ष की चातुर्मास सूची पुस्तकों के अनुसार यहाँ प्रस्तुत की गयी है, इससे आप आसानी से अनुमान लगा सकते हैं कि स्था. सम्प्रदाय में नई दीक्षाओं की क्या स्थिति है। सिद्धा. घट रही है या बढ़ रही है।

## अ. भा. समग्र जैन नई दीक्षा (सप्तम् वर्ष) तुलनात्मक तालिका

क्र. स.	सम्प्रदाय	1992	1991	1990	1989	1988	1987	1986	योग
		कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	सप्तम्-वर्ष
1.	श्वे. मूर्तिपूजक	19	93	155	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	—
2.	श्वे. स्थानकवासी	75	82	66	81	81	96	108	589
3.	श्वे. तेरापन्थी	14	11	18	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	10	—
4.	दिगम्बर	29	15	28	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	जात नहीं	—
कुल योग		137	201	267	—	—	—	—	—

नोट.—1986 से 1989 तक स्थानकवासी सम्प्रदाय के अलावा अन्य सम्प्रदायों की नई दीक्षा सूची प्रकाशित नहीं कर सके। उस वर्ष श्वे. तेरापन्थी सम्प्रदाय में 4 श्रमण, 10 श्रमण-मणियों दीक्षा हुई। उस वर्ष काफी कम नई दीक्षाएँ हुई।

—सम्पादक

## नई दीक्षाओं की प्रमुख विशेषताएँ:-

- (1) श्री माधुसार्गी समुदाय के आचार्य प्रवर श्री नानासाहेबजी म सा के मासिध्य म बीरानर मे 21 नई दीक्षाएँ एक साथ 16-2-92 को सम्पन्न हुई जा बीरानर का एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ। यनमान म समग्र जैन समाज म एक साथ 31 दीक्षाओं का रिकार्ड विद्यमान है।
- (2) श्वे तन्त्राण समुदाय के आचार्य श्री तुलसी के सासिध्य म दिात 17 11 91 को साइन मना समालोचना दीक्षाएँ एक साथ सम्पन्न हुई।
- (3) श्वे स्थानकवासी समुदाय म—श्रमण सघीय उत्तर भारतीय प्रवक्तव्य श्री पद्ममयदजी म सा के मासिध्य में दिल्ली मे 16 2 92 का एक साथ नौ नई दीक्षाओं का आयोजन हुआ है।
- (4) जीवनदाया मित्र भवन मनासा के सम्पादन एक मनी ब्याबूद्ध श्री तखतमलजी बटारिया मे 26-1 92 का मैलाना (मंत्र) म श्वे स्थानकवासी स्वन्त्र समुदाय के श्री अशोक मुनिजी म सा के मासिध्य म 85 वष की आयु म दीक्षा ग्रहण करके यह दिखा दिया है कि उम्र चार 85 वष की ही क्या न हो जीवन सकल माने क लिए दृढ़ मनोबल चाहिए। मुनिश्री 12 5-92 को महाप्रमाण भी कर गये।
- (5) दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री विद्यामानरजी म की निश्रा मे 4-7 92 का कुण्डलपुर म (15) एन 7 7 92 का (2) कुल (17) नई दीक्षाएँ हुई जा दिगम्बर समुदाय मे एक रिकार्ड है।
- (6) श्वे स्थानकवासी ज्ञान गण्ड समुदाय के ज्ञान गण्डाधिपति श्री चणानानजी म सा क न्याय मे खीवन म 23-11-91 को दा, नामक मे 12-12-91 को दा, देणाना मे 13-12-91 का तीन, सावा म 7 5 92 का दा बहिनो की कुन नौ नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुई।
- (7) श्वे स्थानकवासी लिम्बडी गोपाल समुदाय के तपस्वीरत्न श्री रामजी मुनि म की नेत्राय म मुरदनगर म 9-2-92 का चार नई दीक्षाएँ एक 15-12-91 को धानगढ़ मे एक, बडवाण शहर मे 16-2 92 का एक। इस तरह कुल 6 नई दीक्षाएँ सम्पन्न हो चुकी है।
- (8) श्वे स्थानकवासी स्वन्त्र समुदाय क (बाहून बिहारी) उपोध्यय श्री अमर मुनिजी म सा की नेत्राय म आचार्य श्री चन्दनाजी के मासिध्य म दिल्ली मे एक बहिन की नई दीक्षा सम्पन्न हुई।
- (9) श्वे भूति त्रिस्तुति समुदाय के आचार्य प्रवर श्री मद् विजय जयत जैन मुरीजी म के निश्रा मे 22 1 92 का पांच नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुई।
- (10) गान्धे मोदापक्ष समुदाय मे 1 6-92 को बड़िया मे चार एक अय जगह तीन, कुल 7 नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुई।
- (11) श्वे तपागण्ड आचार्य श्री विजय इन्द्र दिग मुरीजी म का निश्रा मे 10-6-92 का पाला-मारवा म पाँच नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुई।
- (12) इस वष श्वे भूति एव स्थानकवासी, तन्त्राणी, दिगम्बर समुदाय म वही घर भी ज्यादा दीक्षाएँ नहीं हुई। विशेषकर श्वे भूति समुदायों म सा नाम मात्र की दीक्षाएँ हुई हैं। क्योंकि सर्वाधिक दीक्षाएँ इसी समुदाय म होनी ह।

—सम्पादक

नोट—परिषद के सभी सदस्यों की ओर स—सभी नव दीक्षित श्रमण-श्रमणिया का समयी जीवन, ज्ञान, दर्शन, चरित्र एवं तप की उत्पत्ति कर जैन समाज की शोभा बढ़ाना रहे, भगवान महावीर स्वामी का दिव्य सदाशिव, दुनिया मे पहुँचता रहे। यही अभिलाषा एवं भगवत नामना करते ह।

—परिषद परिवार

# अ. भा. समग्र जैन संत-सती नई पदवी प्रदान सूची

(दिनांक 1-8-91 से 31-7-92)

क्र.सं.	संत-सती का नाम	पदवी	दिनांक	स्थान	समुदाय/निश्ठा
1.	श्री मुक्ति श्रीजी म.	शासन दीपिका	17-10-91	कोयम्बतूर	त्रिस्तुतिक संघ समुदाय
2.	प्रवर्तक श्री महेन्द्र मुनिजी म. "कमल"	युवा शिरोमणि	अक्टू. 1991	नागौर	श्रमण संघ समुदाय
3.	तपस्वी श्री सहज मुनिजी म.	{ तपोगगन के पूर्णचन्द्र एवं तपस्वीरत्न	10-11-91	अजमेर	श्रमण संघ समुदाय
4.	आचार्य श्री सुधर्म सागरजी म.	राष्ट्र संत	22-12-91	वम्बई	दिगम्बर समुदाय
5.	श्री आर्यनन्दजी म.	आचार्य	24-12-91	वम्बई	दिगम्बर समुदाय
6.	श्री राम मुनिजी म.	युवाचार्य	7-3-92	वीकानेर	साधुमार्गी समुदाय
7.	श्री मनोज्ञ सागरजी म.	रत्नशिरोमणि	5-3-92	ब्रह्मसर	खरतर गच्छ समुदाय
8.	श्री अभिनन्दन सागरजी म.	आचार्य	8-3-92	वासवाडा	दिगम्बर समुदाय
9.	उपा. श्री नेमीसागरजी म.	बालाचार्य	15-4-92	फिरोजाबाद	दिगम्बर समुदाय
10.	गणि श्री सुयश मुनिजी म.	पन्यास	5-5-92	चेम्बूर-वम्बई	तपागच्छ समुदाय
11.	उपाचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म.	आचार्य	7-5-92	सोजतसिटी	श्रमण संघ समुदाय
12.	श्री चंदन मुनिजी म.	आचार्य	मई-92	गोपालपुरा	नव तेरापंथ समुदाय
13.	गणि श्री वीर रत्नविजयजी म.	पन्यास	7-5-92	रायपुर (म.प्र.)	तपागच्छ समुदाय
14.	गणि श्री पदमसेन विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवन भानु सूरीजी म.
15.	गणि श्री विद्यानन्द विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
16.	गणि श्री जय सोम विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
17.	गणि श्री जगवल्लभ विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
18.	गणि श्री हेमरत्न विजयजी म.	पन्यास	7-5-92	नासिक	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
19.	आचार्य श्री वि. महोदय सूरीजी म.	गच्छाधिपति	8-5-92	शंखेश्वरतीर्थ	तपागच्छ समुदाय
20.	गणि श्री कुलचन्द्र विजयजी म.	पन्यास	. . .	महाराष्ट्र मे	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
21.	गणि श्री रत्न सुन्दर विजयजी म.	पन्यास	. . .	महाराष्ट्र मे	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
22.	गणि श्री वीररत्न विजयजी म.	पन्यास	. . .	महाराष्ट्र मे	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.
23.	गणि श्री चतुर विजयजी म.	पन्यास	. . .	महाराष्ट्र मे	आचार्य श्री भुवनभानु सूरीजी म.

## नई पदवियों की मुख्य विशेषताएँ:—

- समग्र जैन समाज के विशाल समुदाय श्वे. स्था. श्रमण संघ मे श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात् तृतीय पट्टधर के रूप मे सुप्रसिद्ध साहित्यकार उपाचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. को श्रमण संघ का तृतीय पट्टधर आचार्य बनाया गया है।
- दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री श्रेयास सागरजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात् श्री अभिनन्दन सागरजी म.सा. को संघ का नया आचार्य बनाया गया है।

3. ज्ये तपस्विनी समुदाय के दिनांक 11 गच्छाधिपति आर्योय श्री विजय मीनचन्द्र मूर्तिश्वरजी ममा के महा प्रयाण के पश्चात् दिनांक ममा का नया गच्छाधिपति के लिए आचार्य श्री विजय महादय गुरीधरजी ममा का ममा का नया गच्छाधिपति बनाया गया है।
4. ज्ये न्या मादुमारी समुदाय के अष्टम पट्टधर आचार्य श्री नानासागरजी ममा ने नया तपस्वी श्री राम मुनिजी ममा का सुपुत्रा युवाचार्य (भागे नवम पट्टधर) मनाने का किया है।
5. नव तरंगधी समुदाय के भाग प्रथम (दा भाग है) के रूप नायक के रूप में श्री चंदन मुनिजी ममा का नया आचार्य बनाया गया है।
6. इस उप नयी पदविया प्रदान की उनमें मुख्य इस प्रकार है—गच्छाधिपति (1), आचार्य (1), युवाचार्य (1), ज्ञानाचार्य (1), पंचान (11)। उनके अलावा भी अन्य स्थान पर नयी पदविया प्रदान की होगी। हमारे पास जितनी जानकारी प्राप्त हुई, उन ममा का यहाँ प्रस्तुत किया गया है। —ममादेक

परिपद की ओर से सभी नए पदवीधारकों को

बहुत-बहुत हार्दिक मंगल कामनाएं।

—परिपद परिवार

## मम निष्क्रांतित एवं समय जीवन त्याग सत-सती सूची

(दिनांक 1-8-91 से 31-7-92 तक)

### 1 सध निष्क्रांतित सत-सतियोंजी ममा

क्रम	सत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय
1	श्री नयन ज्योतिजी ममा	21-8-91	उदयपुर	श्रमण सध

### 2 संयमी जीवन त्याग सत-सतियों

क्रम	सत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय
1	श्री सुमे मुनिजी ममा	17-10-91	फाली-भागे वाड	श्रमण सध
2	श्री वसुधाजी ममा	जनवरी 92	अजमेर	रक्षा समुदाय
3	श्री आनंद शालाजी ममा (51 उपवार)	92	तानावना (पूना)	श्रमण सध
4	श्री अजयदासजी ममा	मई 92	जाधपुर	रक्षा समुदाय
5	श्री शशीवतीजी ममा	जुलाई 92	चौर का बरनाडा	वीतराग सध
6	श्री श्रमण	जुलाई 92	गोवर्द्ध माधपुर	तरंगध समुदाय
7	श्री प्रणाल गान्धारीजी	—	चम्बल	श्री नमीसूरीजी समुदाय
8	श्री विजयजी	—	चम्बल	श्री नमीसूरीजी समुदाय

# अ. भा. समग्र जैन संत-सती महाप्रधारा सूची

(दिनांक 1-8-91 से 31-7-92 तक)

क्र.सं.	संत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय
1.	पन्थाम श्री पुण्डरीक विजयजी म.	1-8-91	गंखेवर तीर्थ	तपांगच्छ समुदाय
2.	श्री पान कुंवरजी म सा.	4-8-91	मद्रास	श्रमण संघ
3.	आचार्य श्री रामचन्द्रमूरीजी म	9-8-91	अहमदाबाद	तपांगच्छ समुदाय
4.	श्री सुशील कुंवरजी म (माताजी)	19-8-91	देवनाली	श्रमण संघ
5.	श्री सुदधा श्रीजी म.	4-9-91	इन्दौर	तपांगच्छ सागर समुदाय
6.	श्री सुरेश मुनिजी म "शास्त्री"	6-9-91	अमृतसर	उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म.
7.	श्री देवजी ऋषिजी म.	7-9-91	बम्बई	खंभात समुदाय
8.	श्री हंस श्रीजी म सा.	सितम्बर 91	मालेगाव	तपांगच्छ समुदाय
9.	श्री ऋजुबाला श्रीजी म	7-10-91	बम्बई	तपांगच्छ समुदाय
10.	श्री शशिप्रभाजी म.	10-10-91	जोधपुर	रत्नवश समुदाय
11.	श्री किस्तूराजी म.	22-10-91	सवाई-माधोपुर	श्रमण संघ
12.	श्री ऋषभ मुनिजी म	2-11-91	बीकानेर	साधुमार्गी समुदाय
13.	तपस्वीरत्न श्री लालचंदजी म.	6-11-91	इन्दौर	श्री धर्मदास समुदाय
14.	श्री खजानचंदजी म.	10-11-91	मंडी गिदडवाहा	श्रमण संघ
15.	श्री नीलमजी म.	नवम्बर 91	कलकत्ता	जैन समुदाय
16.	उप प्रवर्तक श्री वनवारीलालजी म.	19-12-91	दिल्ली	श्रमण संघ
17.	श्री नोवतरायजी म.	23-12-91	रायकोट	श्रमण संघ
18.	श्री ज्योति सागरजी म.	4-12-91	जयपुर	दिगम्बर समुदाय
19.	श्री हेम रत्नाश्रीजी म.	5-12-91	मद्रास	तपांगच्छ समुदाय
20.	श्री वक्सुजी म	2-12-91	समदडी	श्रमण संघ
21.	श्री धनकुवरजी बाई म सा.	जनवरी 91	कच्छ मे	कच्छ मोटा पक्ष समुदाय
22.	श्री नेमी सागरजी म.	15-12-91	सोनगिर	दिगम्बर समुदाय
23.	श्री मोक्षलता श्रीजी म	जनवरी 92	तिथल तीर्थ	बधु त्रिपुटी समुदाय
24.	श्री लिछमाजी म.	23-9-91	लाडनू	तेरापथी समुदाय
25.	श्री विदामजी म.	23-10-91	वीदासर	तेरापथी समुदाय
26.	श्री सुवटाजी म.	6-11-91	लाडनू	तेरापथी समुदाय
27.	श्री लक्ष्मीवतीजी म.	9-1-91	लाडनू	तेरापथी समुदाय
28.	श्री तनमुखजी म.	21-2-91	लाडनू	तेरापथी समुदाय
29.	श्री निर्मल सागरजी म.	22-1-92	बनेठा (टोक)	दिगम्बर समुदाय
30.	श्री सतोष कुंवरजी म.	3-2-92	देशनोक	जानगच्छ समुदाय
31.	श्री मूरज कुंवरजी म.	11-2-92	अजड (म.प्र.)	साधुमार्गी समुदाय
32.	आचार्य श्री कुमुदचन्द्र सूरिजी म.	14-2-92	पालनपुर	तपांगच्छ समुदाय



क्र.सं	संत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय
68.	श्री जयचंद्र विजयजी म.	4-6-92	अहमदाबाद	तपागच्छ समुदाय
69.	श्री सूरजकुंवरजी म.	15-6-92	गंगाशहर	साधुमार्गी समुदाय
70.	श्री धीरज मुनिजी म.	19-6-92	भीनासर	साधुमार्गी समुदाय
71.	श्री मनोरमाजी म.	24-6-92	डूंगरगढ	तेरापंथी समुदाय
72.	श्री स्वर्णलताजी म.	25-6-92	रोहतक	तेरापंथी समुदाय
73.	श्री गोराजी म.	28-6-92	लाडनू	तेरापंथी समुदाय
74.	श्री किशोर कुंवरजी म	24-6-92	गंगाशहर	ज्ञान गच्छ समुदाय
75.	श्री विनय श्रीजी म.भा.	31-5-92	बीकानेर	खरतर गच्छ समुदाय
76.	श्री जिनचन्द्रजी म.	14-6-92	चवलेश्वर तीर्थ	दिगम्बर समुदाय

**अ. भा. समग्र जैन संत-सती महाप्रयाण (सप्तम् पर्व) तुलनात्मक तालिका**  
(सन् 1986 से 1992 तक)

क्र.सं.	समुदाय	1992 कुल	1991 कुल	1990 कुल	1989 कुल	1988 कुल	1987 कुल	1986 कुल
1.	श्वे. मूर्तिपूजक	25	23	25	—	—	—	—
2.	श्वे. स्थानकवासी	32	33	23	24	19	19	29
3.	श्वे. तेरापंथी	9	6	12	—	—	—	—
4.	दिगम्बर	7	6	10	—	—	—	—
कुल योग		73	68	70	—	—	—	—

**अ. भा. समग्र जैन संत-सती महाप्रयाण—संक्षिप्त तालिका 1992**

क्र.सं.	समुदाय	मुनिराज	साध्वियांजी	कुल ठाणा
1.	श्वे. मूर्तिपूजक	12	13	25
2.	श्वे. स्थानकवासी समुदाय	15	17	32
3.	श्वे. तेरापंथी समुदाय	—	9	9
4.	दिगम्बर समुदाय	5	—	7
कुल योग		34	39	73



सभी पूज्य आचार्यों साधु-साध्वियों को  
कोटी-कोटी वन्दन



आफिस- 2044723  
233368  
निवास- 4308036  
4300549

**राजेन्द्र ए. जैन**

**जैन इन्वेस्टमेंट्स**

**होशलाल जैन एण्ड कं.**

907, ऐरेकेडिया,

ओवेराय होटल के पीछे, नरीमन पाइंट,

बम्बई-400021 (महा)

— शुभेच्छुक —

राजेन्द्र ए. जैन

मनोज आर. जैन

प्रचार प्रसार मंत्री

बम्बई

भारत जैन महामण्डल,

बम्बई

# अ. भा. समग्र जैन पंचवर्षीय नये

## आचार्य पद प्रदान सूची

(सन् 1988 से 1992 तक नये आचार्य बनने वालों की सूची)

क्र.सं.	आचार्य का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय
सन् 1988:-				
1.	आचार्य श्री विजय हेमचन्द्र सूरिजी म.	फाल्गुन वदी 1	भायकला-बम्बई	आचार्य श्री प्रेमसूरिजी समुदाय (भाग द्वितीय)
2	आचार्य श्री विजय गुण रत्न सूरिजी म.	25-6-88	पादरली	" " "
3	आचार्य श्री रेवतसागरजी म.	फाल्गुन वदी 3	डग (राज.)	तपागच्छ समुदाय
4	आचार्य श्री विजय महानन्द सूरिजी म	12-11-87	अंधेरी-बम्बई	आचार्य श्री वि. धर्मसूरिजी सम.
5.	आचार्य श्री विजयसूर्योदय सूरिजी म.	12-11-87	अंधेरी-बम्बई	आचार्य श्री वि. धर्मसूरिजी समु.
6	आचार्य श्री कलाप्रभ सागर सूरिजी म.	12-2-88	दांताणी तीर्थ	अचल गच्छ समुदाय
7	आचार्य कल्प श्री शुभचन्द्रजी म.सा. (गच्छाधिपति)	1988	राजस्थान मे	स्था. श्री जयमलजी समुदाय
सन् 1989:-				
9.	श्री नृसिंह मुनिजी म. (गादीपति)	1988	लिम्बडी	लिम्बडी मोटा पक्ष
10.	आचार्य श्री गुणोदय सागर सूरिजी म. (गच्छाधिपति)	1988	72 जिनालय	अचल गच्छ समुदाय
11.	आचार्य श्री विजय अरविन्द सूरिजी म.	10-3-89	दाव (गुजरात)	आचार्य श्री विजय सिद्धी सूरिजी समुदाय
12.	आचार्य श्री विजय यशोविजय सूरिजी म.	10-3-89	दाव (गुजरात)	आचार्य श्री सिद्धी सूरिजी समु.
13	गच्छाधिपति श्री सरदार मुनिजी म.	15-2-89	वरवाला	वरवाला समुदाय
14.	आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरिजी म.	11-5-89	सावत्थी तीर्थ	आचार्य श्री प्रेम सूरिजी समुदाय (भाग द्वितीय)
सन् 1990:-				
15	आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरिजी म.	3-12-89	बम्बई	आचार्य श्री केशर सूरिजी समु.
16	आचार्य श्री विजय प्रभाकर सूरिजी म.	7-3-90	बोरसद	आचार्य श्री प्रेमसूरिजी समुदाय (भाग प्रथम)
17.	आचार्य श्री विजय जयकुंजर सूरिजी म.	23-3-90	बम्बई	" " "
18	आचार्य श्री विमल मुनिजी म.	15-4-90	जालंधर	उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म. समुदाय
19.	आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरिजी म.	16-5-90	भाभर-कच्छ	श्री शातिचन्द्र सूरिजी समुदाय
20.	आचार्य श्री वर्धमान सागरजी म	24-6-90	पारसोली	दिगम्बर समुदाय
21.	आचार्य श्री श्रेयास सागरजी म.	जून 1990	बासवाड़ा	दिगम्बर समुदाय
22.	आचार्य श्री वीर शेखर सूरिजी म.	7-3-90	डोलिया	आ श्री प्रेमसूरिजी समुदाय (भाग प्रथम)

क्र.	मत-सती का नाम	दिनांक	स्थान	समुदाय/विधा
सन् 1991 -				
23	आचार्य श्री दशन मागर मूरीजी (गच्छाधिपति)	3-2-91	बम्बई	मागर समुदाय
24	आचार्य श्री विजय महायान मूरीजी म	19-5-91	अहमदाबाद	आ श्री प्रेम मूरीजी म समुदाय (भाग प्रथम)
25	आचार्य श्री दिग्विजय पुष्पजी म	19-5-91	अहमदाबाद	" " "
26	आचार्य श्री दिग्विजय यगोवध मूरीजी म	19-5-91	दादर-बम्बई	आ श्री मध्व मूरीजी म समुदाय
27	आचार्य श्री विजय पूषाचन्द्र मूरीजी म	19-5-91	गुवा	आ श्री प्रेममूरीजी समुदाय (प्रथम भाग)
28	आचार्य श्री विजय मुक्तिव्रत मूरीजी म	19-5-91	गुवा	" " "
29	आचार्य श्री जितेन्द्र सामन्ती मूरीजी म	23-5-91	उज्जैन	मागर समुदाय
30	आचार्य श्री यगोवध सामन्ती मूरीजी	24-5-91	बडौदा (म.प्र.)	मागर समुदाय
31	आचार्य श्री हीराचन्द्रजी म	2-6-91	जोधपुर	इषा रत्नवर्मा समुदाय
32	आचार्य श्री विजय धनश्वर मूरीजी म	22-6-91	नगमनर	आ श्री प्रेम मूरीजी (भाग 2)
33	आचार्य श्री विजय पूर्णानन्द मूरीजी म	20-7-91	गणी स्टेशन	आ श्री धाम मूरीजी समुदाय
सन् 1992 -				
34	आचार्य श्री आर्यनन्दीजी म	24-12-91	बम्बई	दिगम्बर समुदाय
35	आचार्य श्री अभिनन्दन माणिकजी म	8-3-92	बामबादा	दिगम्बर समुदाय
36	आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म	7-5-92	साजन मिटी	इषा धमन मय समुदाय
37	आचार्य श्री चान्द मुनिजी म	मई 92	गोपालपुर	नवनेता पथ समुदाय
38	आचार्य श्री विजय महादय मूरीजी म (गच्छाधिपति)	8-5-92	गंगेश्वर तीर्थ	आ श्री प्रेम मूरीजी समुदाय (भाग प्रथम)

नोट - इससे अलावा भी, कय कई नये आचार्य बनाये गये हंगे, हमारे पास जितनी जानकारी थी वो यहाँ प्रस्तुत की गयी है। हमारा विचार 1986 से 1992 की अवधि में सम्पूर्ण जैन समाज में जितने भी नये आचार्य बने हैं उन सभी की सूची यहाँ प्रस्तुत करने का था, परन्तु सम्पूर्ण जानकारी का अभाव में हम यहाँ प्रस्तुत करने में असमर्थ हैं। अतः सभी पूज्य आचार्यों से नम्र निवेदन है कि आप सभी अपना पूर्ण विवरण हम शीघ्र भेजने की कृपा करें ताकि भविष्य में हम प्रकाशित कर सकें।

—सम्पादक

# अ. भा. समग्र जैन पदवीधारक एवं प्रसिद्ध साधु-साध्वी

## एकादश वर्ष-महाप्रयाण सूची

सन् 1982 से 1992 तक महाप्रयाण पाने वाले प्रमुख

पदवीधारक एवं प्रसिद्ध-साधु-साध्वी।

(चातुर्मास सूची 1981 से 1992 तक के अनुसार)

### 1. श्वे. स्थानकवासी समुदाय:-

क्र.स.	संत सती का नाम	पद	दिनांक	स्थान	समुदाय
सन् 1982					
1.	श्री हस्तीमलजी म. मेवाड़ी	—	12-9-81	रायपुर (राज.)	श्रमण संघ
2.	श्री छोटेलालजी म.	—	दिम. 81	दिल्ली	आचार्य श्री मुर्जीलकुमारजी के गुरु
3.	उपा श्री फूलचन्दजी म 'श्रमण'	उपाध्याय	17-6-82	लुधियाना	श्रमण संघ
4.	श्री सूर्य मुनिजी म	—	30-9-82	इन्दौर	श्रमण संघ
सन् 1983					
5.	प्रवर्तक श्री हर्गामीलालजी म.	प्रवर्तक	16-8-82	अजमेर	स्वतंत्र समुदाय
6.	दावाजी श्री जयंत मुनिजी म.	—	21-12-82	जोधपुर	रत्न वंश समुदाय
7.	तपस्वी श्री श्रीचन्दजी म.	—	17-1-83	इन्दौर	रत्न वंश समुदाय
8.	आमुकवि श्री अणोकमुनिजी म	—	8-2-83	पूना	श्रमण संघ
9.	प्रवर्तक श्री हीरालालजी म.	प्रवर्तक	10-3-83	जावरा	श्रमण संघ
10.	आचार्य श्री रूपचन्दजी स्वामी	आचार्य	10-6-83	भचाऊ	लिम्बर्दी मोटा पक्ष
11.	प्रवर्तक श्री वृजलालजी म.	प्रवर्तक	2-7-83	धुलिया	श्रमण संघ
12.	प्रवर्तिनी श्री मानकुंदरजी म	प्रवर्तिनी	16-5-83	जालना	श्रमण संघ
13.	विदुषी श्री लीलवतीबाई म	—	3-7-83	सुरेन्द्रनगर	बृहद् गुजरात
सन् 1984					
14.	युवाचार्य श्री भधुकर मुनिजी म.	युवाचार्य	26-10-83	नासिक	श्रमण संघ
15.	प्रवर्तक श्री मरुधर केशरीजी म.	प्रवर्तक	17-1-84	जैतारण	श्रमण संघ
16.	प्रवर्तक श्री कुन्दनमलजी म.	प्रवर्तक	20-2-84	अजमेर	स्वतंत्र समुदाय
17.	आचार्य श्री रतनचन्दजी म.	आचार्य	9-3-84	वांकी-कच्छ	कच्छ मोटा पक्ष
18.	मालध केशरी श्री सीमायमलजी म	—	22-7-84	रतनाम	श्रमण संघ
19.	विदुषी श्री सत्यावतीजी म.	—	16-12-83	लुधियाना	श्रमण संघ
20.	विदुषी श्री रंभाबाई म.	—	28-1-84	राजकोट	गोंडल मोटा पक्ष
सन् 1985					
21.	श्री पन्नालालजी म.	—	28-12-84	हमीरगढ़	श्रमण संघ
22.	उ.भा. प्रवर्तक श्री शांतिस्वरूपजी म.	प्रवर्तक	25-4-85	मेरठ	श्रमण संघ

23	श्री फुमालालजी म	—	19-5-85	जाधपुर	शान गच्छ
24	विदुषी श्री मणिवसुदेवी म	—	23-4-85	आचपवंत	श्रमण मण
25	विदुषी श्री उमरावजी म	—	3-5-85	जाधपुर	पान गच्छ
26	विदुषी श्री चांदनजी म	—	24-7-85	हदोर	श्रमण मण

सन् 1986 -

27	उपाध्याय श्री वस्तुचन्दजी म	उपाध्याय	22-10-85	रतलाम	श्रमण मण
28	श्री प्रेम मुनिजी म	—	30-5-86	अहमदाबाद	गाहन मोटा पक्ष
29	श्री सुमेर मुनिजी म	—	6-7-86	गोहाटी	श्रमण मण
30	विदुषी श्री अनादीजी म	—	13-1-86	अम्बादा	श्रमण मण
31	विदुषी श्री मनीषाई म	—	28-2-86	भुजपुर	गच्छ मोटा पक्ष
32	विदुषी श्री ललिताबाई म	—	28-2-86	अहमदाबाद	दरियापुरी समुदाय
33	विदुषी श्री शांदाबाई म	—	14-3-86	बम्बई	श्रमण समुदाय
34	आचार्य श्री जीतमलजी म	आचार्य	16-2-87	जाधपुर	श्री जयमल समुदाय
35	भादारी श्री वनवतजमजी म	—	27-4-87	रोहतास	स्वतंत्र समुदाय
36	विदुषी श्री रतनबाई म (99 वर्ष)	—	17-11-86	समाधोषा	लिम्बडी मोटा पक्ष
37	विदुषी श्री कमलावतीजी म	—	16-11-86	भद्रास	श्रमण सध
38	विदुषी श्री जगदीश भतिजी म	—	9-6-87	रोहतास	श्रमण मण

सन् 1988 -

39	आचार्य श्री लालचन्दजी म	आचार्य	19-4-88	जाधपुर	श्री जयमल समुदाय
40	प्रवक्ता श्री अधिदेश मुनिजी म	प्रवक्ता	1-11-87	विरायतन	संभति तीर्थ समुदाय
41	तपस्वी श्री बक्षीप्रसादजी म (73 दिवसीय साधारा)	—	16-10-87	गोनीपत	स्वतंत्र समुदाय
42	विदुषी श्री लज्जायतीजी म	—	1988	पंजाब	श्रमण मण

सन् 1989 -

43	आचार्य श्री चपल मुनिजी म	आचार्य	18-10-88	श्रमात	बगदासा समुदाय
44	गादीपति श्री चुन्नीलालजी म	गादीपति	7-12-88	भारवी	लिम्बडी मोटा पक्ष
45	आगमन श्री बन्हेमालालजी (घानदेश)	—	13-1-89	बम्बई	स्वतंत्र समुदाय

सन् 1990

46	विदुषी श्री बेलबाई म (101 वर्ष)	—	10-10-89	रापर-गच्छ	लिम्बडी मोटा पक्ष
47	विदुषी श्री लक्ष्मप्रसादजी	—	अप्रैल 90	जाधपुर	श्री जयगच्छ समुदाय
48	विदुषी श्री हीराबाई म (मोटा)	—	7-5-90	अहमदाबाद	दरियापुरी समुदाय
49	विदुषी श्री चांदनदेवीजी म	—	7-5-90	बिलाडा	श्रमण सध

सन् 1991 -

50	आचार्य श्री छाटालालजी म	आचार्य	17-8-90	बोली-गच्छ	गच्छ मोटा पक्ष
51	श्री मोहन मुनिजी (जिदा जलाया)	—	12-11-90	लिम्बाहडा	श्रमण मण
52	तपस्वी श्री लामचन्दजी म	—	7-12-90	मदमोर	श्रमण सध
53	श्री लालचन्दजी म	—	10-12-90	सज्जाड	श्री ज्ञानगच्छ

## 2. श्वे. मूर्तिपूजक समुदायः—

क्र.स.	साधु-साध्वी का नाम	पद	तारीख	स्थान	समुदाय
1.	उपाध्याय श्री महिमा विजयजी म.	उपाध्याय	8-9-90	पालीताणा	श्री प्रेमसूरीजी (प्रथम भाग)
2.	प्रवर्तिनी श्री सज्जन श्रीजी म.	प्रवर्तिनी	9-12-89	जयपुर	खरतरगच्छ समुदाय
3.	आचार्य श्री विजय नवीन सूरीजी म.	आचार्य	15-5-90	अहमदाबाद	श्री विक्रम सूरीजी समुदाय
4.	आचार्य श्री विजय कनकसूरीजी म.	आचार्य	17-4-90	हाडेचा (गुज.)	श्री शांति सूरीजी समुदाय
5.	आचार्य श्री कंचनसागरजी म.	आचार्य	29-4-90	अहमदाबाद	श्री सागर समुदाय
6.	प्रवर्तिनी श्री जिन श्रीजी म.	प्रवर्तिनी	30-5-90	अमलनेर	खरतर गच्छ समुदाय
7.	पन्यास श्री पुरन्दर विजयजी म.	पन्यास	फरवरी 90	—	तपागच्छ समुदाय
8.	उपाध्याय श्री ललित विजयजी म.	उपाध्याय	17-8-90	नडियाद	श्री प्रेमसूरीजी (प्रथम भाग)
9.	आचार्य श्री कीर्तिचन्द्र सूरीजी म.	आचार्य	30-11-90	बम्बई	श्री लब्धि सूरीजी समुदाय
10.	आचार्य श्री सुबोध सूरीजी म.	आचार्य	30-11-90	अहमदाबाद	तपागच्छ समुदाय
11.	आचार्य श्री चिदानन्द सूरीजी म.	आचार्य	6-12-90	जामनगर	सागर समुदाय
12.	आचार्य श्री स्वयंप्रभ सूरीजी म.	आचार्य	2-11-90	पालीताला	श्री केशरसूरीजी समुदाय
13.	आचार्य श्री भुवन सूरीजी म.	आचार्य	24-5-91	हिम्मतनगर	श्री प्रेम सूरीजी (प्रथम भाग)
14.	पन्यास श्री पुण्डरीक विजयजी म.	पन्यास	1-5-91	शंखेश्वर तीर्थ	तपागच्छ समुदाय
15.	आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरीजी	आचार्य	9-8-91	अहमदाबाद	श्री प्रेमसूरीजी (प्र. भाग)
16.	आचार्य श्री कुमुदचन्द्र सूरीजी म.	आचार्य	14-2-92	पालनपुर	तपागच्छ समुदाय
17.	आचार्य श्री भद्रंकर सूरीजी म.	आचार्य	15-4-92	अंकलेश्वर	श्री लब्धि सूरीजी समुदाय
18.	आचार्य श्री हिंकार सूरीजी म.	आचार्य	20-4-92	नागेश्वर तीर्थ	तपागच्छ समुदाय
19.	आचार्य श्री सद्गुण सूरीजी म.	आचार्य	जून 92	बम्बई	श्री नेमी सूरीजी समुदाय
20.	आचार्य श्री सोमचन्द्र सूरीजी म.	आचार्य	11-6-92	अहमदाबाद	श्री नेमी सूरीजी समुदाय
21.	आचार्य श्री वर्धमान सूरीजी म.	आचार्य	12-6-92	डभोई	तपागच्छ समुदाय

### 3 श्वेताम्बर तेरापयी समुदाय—

क्र.सं.	श्रमण-श्रमणी का नाम	तारीख	स्थान	विशेष
1	मुनि श्री मातृभक्तजी म	15-9-85	जागाहोली	अज्ञात मुनि
2	मुनि श्री जयवर्णजी	6-1-86	छाटी गाढ़	—
3	मुनि श्री नयनरत्नजी	24-4-86	मुजागढ़	शागत स्वयं श्रमण
4	मुनि श्री माहनलालजी म	2-9-89	गा. गढ़	—
5	राजी श्री छगनाजी	16-9-89	साठनू	—
6	श्री माहनलालजी म	नवम्बर 90	साठनू	—
7	श्री चैतन्यजी 'छापर'	मार्च 91	राजस्थान	—
8	लिटमाजी	23-9-91	साठनू	—

### 4 श्री दिगम्बर समुदाय —

क्र.सं.	साधु-माध्विवा के नाम	पद	तारीख	स्थान	विशेष
1	आदिवा श्री भाषि भनिजी (90 वर्ष)	—	13-8-89	गतिपुर	90 वर्षीय
2	आचार्य श्री अर्जुनसागरजी म	आचार्य	9-5-90	तापला (गंज)	आचार्य
3	श्री लमण सागरजी	—	8-10-90	इंदौर	—
4	श्री ज्योति सागरजी म	—	4-12-91	जयपुर	—
5	श्री निर्मलसागरजी	—	22-1-92	बनडा	—
6	आचार्य श्री श्रेयाम सागरजी म	आचार्य	19-2-92	आमवाडा	—

नोट—आज तक सम्पूर्ण हमन यह, 11 वर्षों का विवरण प्रस्तुत किया है जिसमें समग्र जन समाज के प्रमुख धार्मिक एवं प्रसिद्ध साधु-माध्विवा के महाप्रमाण का विवरण है। स्थानव्यवस्था समाज की पूरा जानकारी हा क कारण उम समुदाय का सम्पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया गया है जबकि श्वे-मतिपूजक एवं तापला एवं दिगम्बर समुदाय की पूरा-जानकारी उल्लेख नहीं होने के कारण जितनी प्राप्त हो सकी उतनी ही यहाँ प्रस्तुत की गयी है। हमारा तो हमारा से यहाँ प्रयास होता है कि पाठक को भगवत की अधिपति अधिन गतिविधियाँ की जानकारी पूरा रूप के उपलब्ध करावे परंतु जो जानकारी हम प्राप्त ही नहीं हो सका हम क्या कर सकते हैं—। आपस में निवेदन है कि आप हम, इस प्रचारकी सूचनाएँ अवश्य प्रेषित करें ताकि हम आपकी और अधिपति अच्छी सेवा कर सकें।

# श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय उच्च शिक्षा प्राप्त

## संत-सतियाँजी म. सा. की सूची

### M.A., Ph-D. प्राप्त संत-सतियाँ

क.सं.	संत-सती का नाम	सम्प्रदाय	चातुर्मास स्थल
<b>संत मुनिराज समुदाय</b>			
1.	युवाचार्य डॉ शिवमुनिजी म.सा.	श्रमण संघ	मद्रास (तमिलनाडु)
2.	डॉ. राजेन्द्र मुनिजी म.सा. 'रत्नेश'	श्रमण संघ	लावा संखारगढ (राज.)
3.	डॉ. सुव्रत मुनिजी म.सा.	श्रमण संघ	वीनगर-दिल्ली
<b>महासतियाँजी समुदाय</b>			
1	महासती डॉ. सुप्रभाश्रीजी म.सा.	श्रमण संघ	भीम (राजस्थान)
2.	महासती डॉ. सुशीलजी म.सा.	श्रमण संघ	भीम (राजस्थान)
3.	महासती डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	भीलवाड़ा (राज.)
4.	महासती डॉ. प्रमोदसुधाजी म.सा.	श्रमण संघ	पूना (महा.)
5.	महासती डॉ. धर्मशीलाजी म.सा.	श्रमण संघ	पूना (महा.)
6.	महासती डॉ. ज्ञानप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	शेंदुर्गी (महा.)
7.	महासती डॉ. प्रियदर्शनाजी म.सा.	श्रमण संघ	धुलिया (महा.)
8.	महासती डॉ. ललितप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	देवलाली (महा.)
9.	महासती डॉ. मुक्तिप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	जम्मू-तवी (जे.के.)
10	महासती डॉ. दिव्यप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	जम्मू-तवी (जे.के.)
11	महासती डॉ. अनुपमाजी म.सा.	श्रमण संघ	जम्मू-तवी (जे.के.)
12	महासती डॉ. संरोजश्रीजी म.सा.	श्रमण संघ	लारेस रोड, दिल्ली
13.	महासती डॉ. अर्चनाजी म.सा.	श्रमण संघ	इन्दौर (म.प्र.)
14.	महासती डॉ. मंजु श्रीजी म.सा.	श्रमण संघ	जयपुर (राजस्थान)
15.	महासती डॉ. कुसुमवतीजी म.सा.	श्रमण संघ	निम्बाहेड़ा (राज.)
16.	महासती डॉ. दिव्यप्रभाजी म.सा.	श्रमण संघ	निम्बाहेड़ा (राज.)
17.	महासती डॉ. तंजलताबाई म.सा.	गोंडल मोटा पक्ष	नासिक सिटी (महा.)
18.	महासती डॉ. अनिलाबाई म.सा.	गोंडल मोटा पक्ष	.....

नोट.—इनके अलावा अन्य समुदायों में भी कई अन्य साधु-साधवियाँ उच्च शिक्षा M.A. Ph-D. उपाधि प्राप्त हैं, परन्तु उनकी कोई जानकारी हमारे पास उपलब्ध नहीं होने के कारण उनका नाम हम यहाँ प्रस्तुत नहीं कर सके। समयभाव के कारण उपर्युक्त उच्च शिक्षा प्राप्त कई साधवियों के नाम एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने का पुस्तक में उल्लेख करने से रह गया। इनके अलावा लगभग 100 साधु-साधवियाँ एम.ए., बी.ए., डबल एम.ए. आदि उच्च शिक्षा प्राप्त किये हुए हैं परन्तु समयभाव के कारण उनका उल्लेख नहीं कर सके। सभी उच्च शिक्षा प्राप्त साधु-साधवियों से नम्र निवेदन है कि आप सभी अपना नाम एवं उच्च शिक्षा का विवरण हमें शीघ्र भिजवाएँ ताकि भविष्य में उनका उल्लेख कर सकें।

—सम्पादक



# अ. भा. जैन सम्प्रदाय राष्ट्रीय सघ अध्यक्ष सूची

क्रम सं. समुदाय/सघ का नाम जिला सं. सघ अध्यक्ष का नाम एवं सम्पर्क क्र. फोन नं.

## A जैन काफ़ेन्स

- 1 अ भा रवे जन काफ़ेन्स (बम्बई)  
गाडीजी बिल्डिंग, 2 माला, विजय वल्लभ चाव  
219-ए-मूलाल बाही, पायधुनी, बम्बई 400002  
(महाराष्ट्र) फोन 8513273 श्री दीपचन्दभाई गाढी  
उपाधि, वरमाईल रोड, पञ्च रोड  
बम्बई-400026 (महाराष्ट्र) 4945431  
4945270
- 2 अ भा रवे स्या जन काफ़ेन्स (दिल्ली)  
जन भवन, 12 गृहीद भगतसिंह मार्ग,  
नई दिल्ली 110001 फोन नं 343729 श्री पुष्पराज एस कुबड़  
म पी डी आर कीटियाद्वारिका,  
99 आन्ध्र प्रभादेवी, बम्बई-400025 (महाराष्ट्र) 4309536  
4223565
- 3 अ भा रवे स्या जन काफ़ेन्स (बम्बई) (गुज)  
प्रिमुवन बिल्डिंग, A B N बैक के ऊपर, 4 माला,  
विजय वल्लभ चाव, पायधुनी, बम्बई-400003 श्री गिरजागवर उमियागवर मेहता  
म बाम्बे इंग डिस्ट्रिक्ट्स, इंग हाउस, 54 वीं  
प्रेक्टर रोड, आनंदाथम के सामने, ग्राट रोड  
बम्बई-400007 (महाराष्ट्र) 3872256  
3880034

## B जैन समुदाय / श्री सघ

- 4 अमण सघ समुदाय  
(श्री व स्या जन थावक सघ)  
उपरान्त क्रमांक 2 अनुसार उपरोक्त क्रमांक अनुसार
- 5 अ भा साधुमार्गी जन सघ, (बीकानेर)  
समता, भवन, रामपुरिया सड़क  
बीकानेर-334001 फोन 26867 श्री भन्तराल बेन, (बलवन्ता)  
C/o अ भा साधुमार्गी जन सघ  
समता भवन, रामपुरिया सड़क बीकानेर  
(राज) 334001
- 6 अ भा जन रत्न हितेयी थावक सघ (जाधपुर)  
घाडा बा चाक, जाधपुर-342001 (राज)  
फोन नं 24891 श्री माफ्तराज मुगत, म बलवन्ता गुप्त  
111 मन्वर चम्पनगर 4, नरीम प्वाइंट, फोन } 222888  
बम्बई-400021 (महाराष्ट्र) } 222833  
244123
- 7 अ भा शान गच्छ थावक सघ (जोधपुर)  
अ भा सुधम थावक समिति (गान गच्छ) (जाधपुर)  
बपडा मार्केट, जाधपुर-342001 (राज)  
फोन 26145 श्री जगजितभाई एम शाह  
म बायबेस फार्मास्युटिकल्स इण्डस्ट्रीज लि  
एलन बिल्डिंग, 1 घाडी वाला, पावा नं 2217  
बम्बई-400002 (महाराष्ट्र) 2085534  
2085430
- 8 सन्मति तीय समुदाय (विरायतन)  
विरायतन बायालिय, राजगृही जिला नालदा  
(बिहार) 803116 श्री भवलमल फिरािया  
C/o विरायतन बायालिय  
राजगृही, जिला नालदा (बिहार) 803116
- 9 अ भा बधमान बीतराज जन थावक सघ (जयपुर)  
गानाजी बा बास, मोती झुगरी रोड जयपुर (राज)  
श्री बलपानमल जैन, मू पा चौक,  
बाया अलीगढ़ जिला टाक (राजस्थान)

नोट.—इनके अलावा अन्य समुदायों के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हुए हैं परन्तु हमें जानकारीयाँ ही प्राप्त नहीं हो सकी । हमें जितनी जानकारीयाँ प्राप्त हो सकी उतनी यहाँ प्रस्तुत की गयी है । हमने सभी समुदायों को सूचित किया था कि आप भी अपने-अपने समुदायों के राष्ट्रीय सभाध्यक्षों की सूची भेजें, परन्तु किसी ने भी इस ओर ध्यान ही नहीं दिया । हमारा तो हमेशा यही प्रयास रहता है कि पाठकों को अधिक से अधिक एक से बढ़कर एक जानकारीयाँ प्रदान करें लेकिन किसी का इस ओर सहयोग ही नहीं रहे तो भला हम क्या कर सकते हैं । सभी जैन समुदायों के पदाधिकारियों से नम्र निवेदन है कि आप अपने समुदाय के पदाधिकारियों के बारे में हमें अवश्य सूचित करें । यदि आपके संघ के पदाधिकारियों की कोई डायरेक्ट्री सम्पर्क सूत्र की लिस्ट छपी हो तो उसकी एक प्रति हमें भी अवश्य भिजवाएँ । हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि आपके द्वारा भेजी गयी सूचना हमारे पास से कभी भी व्यर्थ नहीं जायेगी हम उसका किसी न किसी रूप में अवश्य प्रयोग में लेकर आप सभी तक मन मोहक जानकारीयों के रूप में पहुँचाने का प्रयास करेंगे ।

—सम्पादक

आचार्य श्री विद्यानागर्जी की आचार्य मुक्त/गुरु परम्परा के बैचलर के साथ ही श्री रतनराज जी बनाइ। आगरा के द्वारा "प्रवचन प्रदीप" पुस्तक का नया मिपर्ट बिन्दुनुसार जैन सागर द्वारा भगवद् बुद्ध बुद्ध के "अष्टाष्ट" ग्रंथ का आचार्य श्री द्वारा रचित पञ्चानुवाद ग्रंथ का साक्षात्पण समाराह अन्तर बाह्य विद्या आश्रम की रहिता - वरगमयी, ममतावरण स "आपिता दोषा" ममारेह का वाचनम प्रारम्भ हुआ।

वैराग्यमयी वातावरण में भवप्रथम ब्रह्मचारिणी स्नेह जी ने गुरुवर में प्रायना की जिममें वे अज्ञान रूपी निमिर का ज्ञान रूपी गताका में ममतामयी माँ की तरह हटाकर अज्ञान में प्रकाश की ओर, अन्त में सत् का ओर तथा विषय कपाया में विषयानीन दशा की गह बनाये साथ ही उस आ-हम गमी की में चनें। आप अपने ज्ञान पूँज में हम स्थि नेत्र दें ताकि ममा के नाटना में अटके/मिटने नहीं और दुनिया के भूत भँवों में बिना रच पचे ही आचार्य श्री के आदेश और आशीर्वाद रूपी दानों दीपका में जीवन के अन्तिम धाम तक सत्य पर निर्दोष रोति में चल सकें।

द्वितीय आत्मार्या ब्रह्मचारिणी भमिनाजी (दुग) ने पक्ष विषय रूपी जीवन के दा पहनू जो मुख-मुख के कारण भा होते हैं, इनमें बचकर तथा विषयाभा में अमपूजन रहकर मास मास पर अविरल रच में चलकर अहाराज विनवाणी तथा दब गुरु की शरण में रहकर अग्रजना कर सकें। जीवन में वैराग्य का कारण प्रथमाभुषण में अनगम्य की जावन घटना है अन आश्रम ग्रंथ का पढ़कर, जीवन में उत्तारकर प्रेम, वाग्यमयी तथा एतनामय वातावरण बना सकें यही प्रायना है।

इनके अतिरिक्त गैप दीपार्या बाल ब्रह्मचारिणी बहिन मंगीता (जबलपुर), ब मीना गङ्गा (जबलपुर), ब किरण लार (टीकमगढ़), ब कल्पना (अगावनगर), ब ज्योतिषा (जबलपुर), ब मजू (नरसिंहपुर), ब मुनीता (गटोगी), ब अलका शाहपुर (मागर), ब माया (कानमा), ब ममता (जबलपुर), ब गविता पिररई (दमाह), ब अजना (अगावनगर) तथा ब साधना कटोरी (जबलपुर) ने भी समाज की नजरता का साधना पूण विवेचन कर समय की महता का प्रतिपादन करन हुए तथा मममन जीवा की क्षमा करने हुए, उनके द्वारा ज्ञान/ज्ज्ञान भावों में मन बचन काम द्वारा हुई गन्तिया/अपराधो/शुद्धिया से उत्पन्न मन्त्रेण दुष्टों के प्रति सम्पूर्ण प्राणिया में क्षमा याचना की।

दीपार्या बहनों के वैराग्य में ओत-प्रोत भावा की सुनकर जहाँ अनेकों नर-नारिया के बीजा में अश्रुधारा निकल रही थी, वहीं अनेकों जन समय धारण के प्रति उत्तुङ्गता, गुरु के प्रति निष्ठा और समपण की भावाभा का सुनकर प्रफुल्लित भी रह थे।

मन अस्मिर हाता है, जा कहन, सावन हुए भी उन विचार धारा से पुष्य हा जाता है। नजर समार में विषय-नपाय तथा वामनाभा में अपन आपका तथा विचार का भी अमपूजन/मृषक रहत हुए भी पचा सेना जीवन के मान सरोवर में शक्ति की लहरे उत्पन्न करन में कारण हानी है। सच्चा अधिक हाना मात्र प्रामाणिकता का मूल्यांकन नहीं करा सकता अपितु पदार्थ/वस्तु स्वय ही अपना मूल्यांकन करा देती है उदाहरण देते हुए कहा कि स्वर्ण की परख जहाँ बहो, जिम किमी भी वस्तु/व्यक्ति के द्वारा नहीं हा सकती बल्कि स्वयंकार के द्वारा कमीती परख पर ही स्वर्ण का परीक्षण का हो पाना सम्व हो सकता है, वैसे ही वैराग्य का मूल्यांकन गम मगगीजनों के द्वारा नहीं अपितु वैराग्य वान सागा के द्वारा ही हो सकता है।

उक्त प्रेरणात्मक उद्बोधन आचार्य श्री विद्यानागर्जी महाराज ने पढ़ने बाल ब्रह्मचारिणी बहिन को "आधिका-दीक्षा" देने के पूर्व व्यक्त विमों और तदुपगन्त की जीवन का यथाय बोध करा देन वाला दीक्षा सम्कार समाराह गरिमाय पद्धति में प्रारम्भ हुआ।

इसी अवसर पर नीरज जैन सतना ने अपने संक्षिप्त किन्तु महत्वपूर्ण भावात्मक अभिव्यक्ति में कहा कि भगवान महावीर के जिन शासन में कदाचित् यह प्रथम घटना होगी, साथ ही वर्तमान विगम कुछ शताब्दियों में निश्चय की प्रथम अद्भुत घटना इतिहास में आकी जावेगी जब अपने दीक्षा-शिक्षा गुरु के दीक्षा दिवस तिथि को उन्ही के हस्त कमलो से एक साथ एक मंच पर इतनी बहिनों की दीक्षाएँ सम्पन्न हो रही हैं। यह शिष्य परम्परा साधुओं में व्याप्त शिथिलाचार तथा संकीर्ण विचारधारा को समाप्त कर निर्मल, स्वच्छ, पवित्र, आचरण करके मार्ग प्रभावना कर समाज और देश को गौरवान्वित करेगी।

दीक्षा संस्कार की क्रियाओं के अनन्तर नामकरण संस्कार का जीवन में महत्ता/उपयोगिता को व्याख्यायित करते हुए आचार्य श्रीजी ने संघ दीक्षित आर्यिकाओं का नामकरण निम्न प्रकार किया—सर्वप्रथम आर्यिका आदर्श-मतिजी, आर्यिका दुर्लभमतिजी, आर्यिका अवन्तर मतिजी, आर्यिका अविचल मतिजी, आर्यिका अनुनय मतिजी, आर्यिका अनुग्रह मतिजी, आर्यिका अक्षय मतिजी, आर्यिका अमृत मतिजी, आर्यिका अखण्ड मतिजी, आर्यिका आलोक मतिजी, आर्यिका अनुपम मतिजी, आर्यिका अपूर्व मतिजी, आर्यिका अनुत्तर मतिजी, आर्यिका अनधर्ममतिजी, आर्यिका अतिशय मतिजी। इस भव्य कार्यक्रम को ब्र. सुशीला बहिन ने दीक्षार्थी जनो का परिचय देकर गति प्रदान कर सुन्दर रीति से संचालित किया।

रविवार 5 जुलाई को प्रातः आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के “रजत मुनि दीक्षा समारोह” संयमोत्सव वर्ष का तृतीय सत्र डॉ. चेतन प्रकाश पाटनी के कर्मठ संचालन द्वारा ब्राह्मी विद्या आश्रम की ब्रह्मचारिणी बहनों के स्वर संस्कृत मंगलाचरण से प्रारम्भ हुआ। ललितपुर (उ.प्र.) जैन समाज के पूर्व मंत्री श्री ज्ञानचन्द अलया की काव्यात्मक विनयाजलि तथा विद्यासागर पत्रिका के संपादक श्री निर्मल आजाद के काव्य सुमन समर्पण के अनन्तर श्री नीरज जैन सतना ने कहा कि हम और हमारा सम्पूर्ण समाज इन क्षणों के कारण स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। क्योंकि हमने संयमोत्सव वर्ष के प्रारम्भ को कल जिस रूप में देखा वह निश्चित ही इस शताब्दि में तो घटित नहीं हुआ। मैं समझता हूँ, इससे श्रेष्ठ और सुन्दर प्रसंग कोई अन्य नहीं हो सकता। पिच्छिका और उसकी मर्यादाएँ समाज में नित्य प्रति विकृत/धृणित रूप लेती जा रही हैं/थी। उन सभी को निग्रन्थता की वास्तविक गरिमा दिलाने/वतलाने की दिव्य दृष्टि आचार्य श्री विद्यासागरजी में विद्यमान है। यह युग “विद्यासागर युग” के नाम से इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखा/जाना जावेगा। इनकी विशिष्टता है कि ये शिथिल आचार और विच्छेद को दूर करने/कराने की अपूर्व दृष्टि/सृष्टि से सम्पन्न है तथा अनुशासन और आचरण की मर्यादाओं को विशिष्टता प्रदान कर व्यक्ति के अन्दर छुपे व्यक्तित्व को उद्घाटित करने में कुशल है।

ध्वनियों के बीच में भी आत्मध्वनि को सुनने/अनुभव करने वाले आचार्य श्रीजी के प्रति कवि श्री सुरेश सरल जबलपुर ने अपनी भाव पूर्ण काव्यांजलि समर्पित की। फिरोजाबाद (उ.प्र.) से पधारे प्राचार्य एवं जैन गजट के संपादक श्री नरेन्द्र प्रकाश जैन ने इन गौरवपूर्ण क्षणों को इन शब्दों में संजोते हुए कहा कि साधु, गृहस्थ तथा विद्वान सभी को अधिकार समीचीन, दिशाबोध/निर्देश देने के लिए वर्तमान में आचार्य श्री विद्यासागर जी ही समर्थ हैं इनके तथा इनके दीक्षित शिष्यों के कारण ही भगवान महावीर का जिन शासन पूर्ण वास्तविक तमत्त्व तथा साधुत्व की सही-सही परिणामों के साथ मूलाचार को जीवन्त रूप में हमें देखने/जानने तथा समझने को मिल रहा है, इन जैसा नैतिक आचरण यदि देश और समाज के इस प्रतिशत साधु भी अपने जीवन में मूर्तरूप दे सके तो निश्चित ही समाज तथा देश के चारित्रिक, आध्यात्मिक, नैतिक तथा संस्कृतिक उत्थान में नए आयाम तथा गरिमामय विशिष्टता उत्पन्न होकर साधु का विकृत आचार दूर होकर साधु संस्था की विशिष्टता/महत्ता सामने आवेगी।

कायस्थम का मचाउव' डॉ चेतन प्रकाश पाटनी, जोधपुर ने अपने विचार व्यक्त करण हुए कहा कि व्यक्ति या ममाज रहित्व की ओर ही अधिकांश उन्मुख रहता है ता माधव प्रतिक्षण अतर्ग की ओर। आत्मन का आत्म प्राने/मानन की भूत का सत/अपिजन ही दूर बरगन है। आचार्य या विनय, वात्मत्व तथा परमा की माक्षात प्रतिमूर्ति है तथा आचरण के महाभावर। उनका दिव्य मदग ह कि वही अथवा मागो नहीं। जहा हा वही ठहरो और स्वय का जानन/पान का प्रयत्न करा, जयत्र भागने ग कुछ भी प्राप्त नहीं होगा।

आत्मात्म का मात्र बाणी ही नहीं अपितु जीवन/आचरण में मानाव रूप देकर जावतता देने वाले आचार्य श्री जो की बाणी मे ता जादू/क्षमता है ऐसी अद्भुत क्षमि है, जिमने कारण उनकी शिष्य परम्परा मे गन दो नहीं अपितु चार पाच सौ बान ब्रह्मचारी भार्गव/वहिन तथा माधव जन इनके शिष्यत्व का पावर स्वय के निये साथ ही पर व निये दिशा बाध दे/पा रह है और आत्मस्वयण के पय पर अग्रगर हावर दिशानिर्देशन दे रह ह। भवनगड विगतगज के श्री मूनचदजी मुहाडिया के जन विचारों के उपरान इस "विद्वत-मगाष्टी" के मुन्य वक्ता उज्जैन विश्वविद्यालय व पूव हिंदी विभागाध्यक्ष प्रा डॉ राममूर्ति त्रिपाठी उज्जैन न आचार्य श्री के आचार्यत्व म विद्यमान 4 गुणा की विवेचना कर उनके द्वारा हो रह आत्ममगन म जनमगन तक के प्रपाण का विशलेषित किया। आचार्य श्री द्वारा रचित "मूक माटी" महाकाव्य पर विशेष चर्चा करत हुए आपन गौरव के प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त किया है उसके मूल म उनर अदर एव सात्विक चेतना की विद्यमानता थी। वैसी ही स्मृति हम मूकमाटी और उसके रचनाकार के अन्त में पा रहे हैं। समाज राष्ट्र या विश्व जन कमी बिहीं कारण म सटो म फिर जाता है तो मत/महर्षि जन ही अपनी मगनन लेखनी के जादू मे उस विपदाओ/सकटा म बचन का उपाय/माधन सुचारु मानव को उचिन दिशा बोध देने हैं। आचार्य श्री के अदर कर्णा, प्रेम, वात्मत्व, अनन्त तथा महानता के अनेक गुण विद्यमान है/माजुद है, इन्ही भावा की मुदर तथा माधव अभिव्यक्ति मून माटी मे हुई है।

अत म आचार्य श्री विद्यासागरजी महारज ने अत्यंत सारगर्भित जनापदेश मे कहा कि भूत तथा भविष्य का हम "कुल" के रूप मे जानत हैं। तथा वर्तमान मे परिचिन होत हैं जो प्रत्यक्ष वर्तमान का नहीं जानता वह स्मृति जादि के माध्यम मे अतीत अनागत व कलकल/विसविस स्पी चक्करा म पडवर व्यय ही अपना समय खोता रहता ह। काल व विभांजा की आर जाना ही निज का तथा वर्तमान का भूलना है। वस्तु पदार्थगत परिणमन व्यक्त दशा मे वर्तमान मे है तथा अतीत अनागत की पर्यायें व्ययत रहती हैं। स्मृतिया उधार जैसा होती है जो स्वाध्दार नहीं करिक भ्रमना/भ्रममरीचिका मात्र होती है। आनंद वर्तमान की दशा/पर्याय है तथा आनन्ति हाना स्मृति/अतीत की पटना है अतएव आनन्द का ही अनुपान करना श्रेष्ठ है।

"समयसाज" आदि ग्रंथ पापी रूप मे है वा बोध का काय स्व चेतना के बिना नहीं कर सपने। उन्हें पड नेने/जान लेने मात्र से आनदानुभव नहीं होगा। वे अचेतन हावर भी चैनय पिष्ट ह। उनके द्वारा किनारा मित्रता है परंतु नारा नहीं। वे ग्रंथ वागज नहीं हैं उनम आत्म बोध जागृत हाता है और आचार्य शुद्धबुद्ध आदि प्राचीन जाचार्यों या मुखर श्री ज्ञान सागरजी जैसे महानुभावा से प्राप्त मवेत्ता का समसवर उमा अनुपप अनुगमन का प्रयासपु/स्पाध हम करे तो मही/दिशा बाध प्राप्त कर श्रेष्ठ परिणाम स्वी फल प्राप्त कर सवे।

चमक-चमक के कारण भीतरी आभा का परिरंघ पाना संभव नहीं है वह भीतिक माधनो के पण्ड मे बाहर है उनका मात्र सवेदन होना ही संभव है अत आत्मा वस्तुपता आदि का ममाप्त करने के लिये चारित्र्य/समय स्पी शम्न के द्वारा भीतरी चमक उत्पन्न की जा सकती है। जिमे दर्शन का सार मिल गया उस अव मात्र देखना मर नहीं है, अपितु उसे चयना भी चाहिए। और बाहरी प्रदर्शनो के चक्करा से स्वय को पृथक् करना/रखना चाहिये।

ज्ञान फल सम्पूर्ण को जानने मात्र में नहीं है अपितु अपने निज रस का अस्वाद लेने में है जानने तथा जाना जाने अथवा देखने और दिख जाने में बहुत अन्तर होता है। प्रभु इच्छा/चिन्ता पूर्वक किसी को भी देखते/जानते नहीं हैं। उनके ज्ञान की निर्मलता तथा विशदता का ऐसा परिणाम होता जाता है कि समस्त चराचर जगत् स्वयमेव जानने एवं देखने में आ जाता है। भगवान तो सदा वर्तमान के अनुभव/संवेदन में ही तल्लीन रहते हैं वैसे अवस्था हम सभी को प्राप्त हो ऐसा सार्थक प्रयास हमें करना चाहिये।

आचार्य श्री ने बतलाया कि हमें स्व पुरुषार्थश्रित क्रियाएँ करना चाहिए न कि आक्रमण/किये दोषों की स्वयं आलोचना, प्रतिक्रमण तथा प्रत्याख्यान करो। ऐसा कुन्द कुन्द आदि महान आचार्यों का सन्देश/उपदेश हम सभी के लिये है। आलोचना में पर की अपेक्षा रहती है तो प्रतिक्रमण जो स्वाश्रित है। एक विभाव दशा का तो हमारा स्वभाव को प्राप्त करने के लिये कारण स्व होता है।

आपने यह भी कहा कि पुस्तकों/ग्रन्थों का पठन पाठन मात्र ही कल्याणकारी नहीं है, क्योंकि वह मात्र शब्द ज्ञान ही है जिसे मूढ़ अज्ञ जन भी कर सकते हैं शब्द से अर्थ तथा अर्थ से परमार्थ या भावों की ओर हमारी यात्रा होनी चाहिए परमार्थ की अभिव्यक्ति में शब्द बौने/निरर्थक से हो जाते हैं अतः स्वयं को जागृत करना होगा, जगाने मात्र से आप जागे जावे ऐसा संभव नहीं है। प्रमाद उन्माद, प्रमत्त आदि दशाये, हमारे बावले पन की परिचायक हैं। जो जीवन में विषाक्त जहर की भांति प्रवेश कर सुख नहीं बल्कि दुःख ही दुःख को उत्पन्न करते हैं। ऐसी अवस्था में अत्यन्त प्रकर्ष ज्ञान का धारक भी स्वयं को जान नहीं सकता तथा अनुभवहीन ही रहा आता है। वही जब इन प्रमाद आदि की दशा से ऊपर उठता है तो भीतरी जानाकाश में अवगलित हो जाता है। आक्रामक तथा बाह्य चेष्टात्मक प्रवृत्ति के समय ही प्रभार पलता है/फलता है अतएव जीवन के वैभव को जानने पहिचानने के लिये इनमें सदैव वचना ही श्रेयस्कर है।

आचार्य श्री ने प्रवचन का उपसंहार हृदयावर्जक काव्यमय पंक्तियों से करते हुए कहा "तुम भीतर जाओ/तुम तुम्बी-सम (तूमड़ी) जल में भीतर जाओ/और/बाहरी कल्मष रूपी लेप/आवरणों को हटाओ/तो तुम तर जाओगे। भीतर जाए/डूबे बिना तिरने/मुक्ति का मार्ग/प्राप्त होना संभव नहीं है।"

आपाढ़ सुदी अष्टमी, मंगलवार 7 जुलाई 92 को आचार्य श्री के द्वारा पुनः बाले ब्रह्मचारिणी बहिन पुष्प- (पिडरुआ) सागर तथा ब्रह्म अनीता थुंवौन- (अशोकनगर) की 2 आर्यिका दीक्षा समारोह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस तरह इस अल्पावधि में ही 17 आर्यिकाओं का समूह आगम में वणिता आर्यिका समूह का स्मरण दिलाने लगा। इस तरह सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.) में विराजित आचार्य श्री जी के अतिरिक्त 9 मुनि वृन्द, 12 ऐलक वृन्द, 5 क्षुल्लक वृन्दों के साथ ही नवदीक्षिता 17 आर्यिकाओं के साथ अतिरिक्त 2 अन्य दीक्षित क्षुल्लिकाओं के साथ 46 साधुओं का समूक चतुर्थ कालीन श्रमण-आर्यिका संघों का परिचय दिला रहा है। दोनों नवदीक्षित आर्यिकाओं का क्रमशः अनुभवमति व आनन्दमति नामकरण आचार्य श्री ने किया।

अभी आपाढ़ सुदी चतुर्दशी 13 जुलाई 92 को इस विशाल संघ के अधिनायक संत शिरोमणी आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी मुनि महाराज का समघ वर्षायाग स्थापना समारोह श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर (दमोह) म.प्र. में होने जा रहा है। जिसकी व्यवस्था हेतु स्थानीय क्षेत्र कमेटी तथा सधर्मी बन्धुओं का जन-सहयोग प्राप्त हो रहा है।

स्थानीय विद्या भवन में आचार्य, श्री विद्यामागरजी महाराज की मुनि दीक्षा के रजत मुनि दीक्षा समारोह मयमोत्सव वर्ष की पावनघड़ी में चतुर्मास वालीन वर्षायाम स्थापना का वायव्यम ब्राह्मी विद्या आश्रम की ब्रह्म चारिणी वहिना व मगनाचरण म प्रारम्भ हुआ। सानंद निर्विघ्न चतुर्मासकाल व्यतीत हो ऐसी भावन। में "चतुर्मास स्थापना कलम" का स्थापन ब्रह्मचारी रोशनराम जैन, आपरा वाता के द्वारा हुआ, बुझागे निवासी श्री द्वारा मणलदीप प्रज्वलन के बाद श्री हुक्मचंद खजरी वालो के द्वारा धूम ध्वजा का आरोहण हुआ। वायव्यम का संचालन करते हुए श्री चौहरी नेमीचंद जैन अक्सनरा (विलासपुर) वालों ने कहा कि हमारा परम सोमाय है। जब देश व अनेक प्रान्तीनगरों के समर्थकों जना के अनुनय-आग्रहों के उपरांत हम 25वें दोषा समारोह के इन श्रमों में चतुर्मास स्थापना का लाभ/धिय प्राप्त हो रहा है। मुख्यों का मानिध्य हमारी ध्यातियों तथा माह भमता के वधना को तोड़ने के लिये मिला है। हम उमका अधिक से अधिक लाभ लेना है। हमें विश्वास था कि किसी काल में बड़े बाबा की मूर्ति जब डम क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ी तो हमारे सय के आचार्य श्री हम "छोटे बाबा" भी कह लेते हैं, वैसे यहाँ में गिहार करते आज क्षेत्रीय थावकों की अनुनय, विनय भूत हुई। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष ताराचंद जैन तथा वायव्यचारिणी के अनेकों सदस्यों के अतिरिक्त अन्य गगनाय नागरिकों ने चातुर्मास स्थापना करने हेतु आचार्य श्री विद्यामागरजी में प्रायना की जिसे सभी कर चातुर्मास वर्षायाम सवधी धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत वायव्यम का प्रथम चरण पूरा हुआ।

आपाठ मुदी चतुर्दशी की स्थिति/तिथी वर्षायाम स्थापना के लिये अतिथिजन/माधुजनों के द्वारा स्वीकृत छ वर्ष में योगी जन आतापन योग, वर्षायाम तथा अन्नवकाशन इन तीनों योगों के द्वारा आत्म साधना में तीन रहने का प्रयास करते हैं। वर्षायाम मुख्यतः साधना के लिये है। इसका अर्थ कार्यो हेतु उपयोग न है। इन श्रमों का लाभ धर्म तथा उसकी प्रभावना के माध मासार्थिक प्रयोजना स रहित आत्मलाभ के लिये है।

उक्त मामयिक उदबोधन आचार्य श्री विद्यामागरजी महाराज ने श्री दिगम्बर जैन अतिथय (मिड) जेन कुण्डलपुर दमाह (मप्र) में वर्षायाम स्थापना के अवसर पर व्यक्त किये।

आपने कहा कि इन योगों के माध्यम में जहाँ सात्त्विक प्रलोभनों के ओर भटकती चैतन्य आत्मा को एकाग्र किया जाता है वहीं वनस्पति तथा वर्षा में उत्पन्न क्षुद्र जीवा की होन बानी/हिमा से भी बचा जाता है। अहिमा की पूजा हिंसा के द्वारा नहीं हो सकती और न ही मात्र भावा को करने में बल भी दया का जीवन में वाय स्व परिणत करने में हानी। भगवान महावीर के नाम मित्रात तथा पत्र को अनुष्ण रखकर अहिमा आदि व्रतों का पालन किया जा सकता है।

आचार्य श्री ने कहा कि विगत अनेक श्रिा की शीपण शर्मों के उपरांत भी वर्षा का नहीं होना सभी के लिये चिंता की बात थी किन्तु ठीक 300 वर्षों जेने ही वर्षायाम स्थापना की क्रिया प्रारम्भ हो रही है घनघोर वर्षा का शुरू होना शायद इसी समय की प्रतीक्षा कर/करा रहा था जो बड़े बाबा के चरणा में चतुय बार वर्षायाम के रूप में हो रहा है।

मयम की चर्चा करते हुए आपने स्पष्ट किया कि आत्मबोध के होने पर समय बोध नहीं हो सकता। उस बोध नहीं मानते हैं जिनमें आत्मज वैभव को मही-मही नहीं समझा। मुक्ति का पय समय की आराधना में पूणता की प्राप्ति होता है। आचार्य कुन्दुद समतभद्र, उमास्वामी, पूज्यपाद, जिनतेन आदि भगवान आचार्यों ने आत्मानुभूति पूण लेखनी में इस अधनारमय, पंचमकाल में हमें दीपक के समान कुछ दिशा निर्देश दिये हैं जो हमारे लिय वर्तमान में मान मय का वाय कर रहे हैं। हमें उनके इस अनय उपकार को स्मरण रखकर उनके चतलाए मार्ग का अनुसरण कर उनके प्रति अपनी वृत्तजता प्रदर्शित करनी होगी।

(सतोप निषई)

संयोजक,

भारतीय शाकाहार उपामना परिषद, दमोह (मप्र)

द्वारा निषई आयरन स्टोम, स्टेशन रोड दमाह (मप्र) 470661

फोन प्रतिष्ठान-2047, निवास-2394

**भाग-सप्तम्**

गिनिज बुक ऑफ  
जैन समाज रिकार्डस्



WITH  
COMPLIMENTS  
FROM

FLOUR & FOOD LTD.



Alpine Solvex-Ltd.



Administrative Office

10/11, Yeshwant Niwas Road,  
INDORE-452003 (M P )



Phones 37365-6, 7, 8 9  
Telex 216 FOOD IN  
Fax (0731) 32926

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद, बम्बई

द्वारा प्रकाशित

गिनीज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्ड्स डायरेक्ट्री

संकलनकर्ता एवं सम्पादक—बाबूलाल जैन उज्ज्वल-बम्बई

जिस तरह पूरे विश्व में एक से बढ़कर एक रिकार्ड स्थापित होते हैं और उन सभी रिकार्डों की एक—“गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स” बनायी जाती है। उसमें दुनिया के छोटे-बड़े एक से बढ़कर एक रिकार्डों को संग्रहीत किया जाता है। उसी तरह से हमने भी विचार किया है कि क्यों न हम भी एक ऐसा संग्रह करें जिसमें अपने सम्पूर्ण जैन समाज के सभी वर्गों के जितने भी एक से बढ़कर एक रिकार्ड हैं उन सभी को संग्रह करके एक “गिनीज बुक ऑफ जैन समाज वर्ल्ड रिकार्ड्स” की रचना करें। हमने इस बारे में कई पूज्य आचार्यों, साधु-साध्वियों से भी इस कार्य हेतु विचार-विमर्श किया है। उन्होंने भी इस कार्य के लिए अपना आशीर्वाद एवं मंगल कामनाएँ प्रेषित की हैं।

हमने यह कार्य गत वर्ष ही प्रारंभ कर दिया था और “समग्र जैन चातुर्मास” सूची 1991 में लगभग 121 तरह के रिकार्ड्स संग्रहीत करके प्रकाशित भी किये थे। इस कार्य को सम्पूर्ण जैन समाज के हर वर्ग ने काफी सराहनीय कदम बताया है। इन रिकार्डों को पढ़कर सभी ने अपने-अपने नये रिकार्ड्स भी हमें प्रेषित किये हैं। सभी वर्ग के पाठकों का इस वर्ष भी यही आग्रह रहा कि इन रिकार्डों को इस वर्ष भी सूची पुस्तक में स्थान दें। हमने सभी रिकार्डों का एक रजिस्टर भी तैयार कर लिया है एवं जो भी नये रिकार्ड्स फायम होते हैं उनको सम्मिलित कर लेते हैं। आपको यह कार्य अभी अच्छा नहीं लगता होगा या आप इस ओर ध्यान नहीं देते होंगे लेकिन हमारा प्रयास तो चालू ही रहेगा और हमें आशा है कि यह कदम भी समग्र जैन चातुर्मास सूची की तरह ही पूरे विश्व में प्रसिद्ध होगा। समयाभाव एवं स्थानाभाव विशेषकर प्रेस में हैण्ड कम्पोजिंग का काम बन्द होने के कारण जितना हो सका आपके सम्मुख प्रस्तुत किया गया है। विस्तृत जानकारी अलग से प्रकाशित डायरेक्ट्री से प्राप्त कर सकते हैं। उपर्युक्त रिकार्ड्स काफी छानबीन कर पक्का, पूर्ण प्रमाण प्राप्त होने के बाद ही सम्मिलित किये जाते हैं फिर भी अगर इनसे भी नया रिकार्ड्स यदि किसी के पास हो तो हमें अवश्य सूचित करें।

अतः जैन समाज के सभी वर्गों के महानुभावों से नम्र निवेदन है कि आप भी अपने या अपने आस-पास के जितने भी रिकार्ड्स स्थापित हुए हैं उन सभी की जानकारियों को शीघ्र से शीघ्र हमें प्रेषित करने की कृपा करें ताकि उनको भी सम्मिलित कर सकें। पुस्तक शीघ्र ही प्रकाशित की जायेगी। सभी रिकार्ड्स सही एवं पूर्ण प्रामाणिक होने आवश्यक हैं। आपके द्वारा भेजे गये सभी रिकार्डों को हम रिकार्ड्स बुक में सम्मिलित करेंगे।

आशा है आप हमें इस कार्य में भी पूर्ण सहयोग प्रदान करने की कृपा करेंगे, इसी आशा के साथ—

—बाबूलाल जैन ‘उज्ज्वल’

सम्पादक

# गिनीज बुक ऑफ जैन समाज रिकार्ड्स, डायरेक्ट्री

## विशाल का विवरण -

1. सम्पूर्ण जैन समाज की एक मात्र ऐसी समस्या जो सम्पूर्ण जैन समाज के चारों समुदायों द्वारा मात्र एक सामुदायिक समस्या हो।
2. जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर
3. जैन धर्म के अन्तिम तीर्थंकर
4. वनमाल में जैन धर्म में जीता जासन चतुर्था है उनका नाम है।
5. सम्पूर्ण विश्व की एक मात्र ऐसी मूर्ति जिनकी पहचान में से बनयी गयी विश्व की मूर्ति के उन्नी जैन मूर्ति हैं।
6. सम्पूर्ण विश्व की एक मात्र ऐसी मूर्ति जिनकी जैन मूर्ति जिनकी जाति की एक पत्थर में बनयी गयी है।
7. सम्पूर्ण विश्व के सम्पूर्ण जैन तीर्थों के जिनमें तीर्थों धिराज के नाम से जाना जाता है, ऐसा एक मात्र महातीर्थ।
8. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा रेल्वे स्टेशन जहाँ पर धर्म के सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ जैनी चर्चा गरि की है। वैसी ही चर्चा रेल्वे स्टेशन पर की गयी है। यह यानी गांधी म बड़े बड़े मंदिर के दर्शन करा हो।
9. सम्पूर्ण भारत के ध्वेतामर मूर्ति जैन समुदाय की सबसे बड़ी एक मात्र समस्या एवं उनके अध्ययन का नाम है।
10. सम्पूर्ण भारत के ध्वे स्थापनावासी जैन समुदाय की सबसे बड़ी एक मात्र समस्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
11. सम्पूर्ण भारत के ध्वे तृतीय समुदाय की एक मात्र सबसे बड़ी समस्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
12. सम्पूर्ण भारत के दिगम्बर समुदाय की एक मात्र सबसे बड़ी समस्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।

## रिपोर्टिंग माध्यम

1. सम्पूर्ण जैन समाज के चारों समुदायों की भागीदारी एक मात्र समस्या भारत जैन महामण्डल बन गई है।
2. वनमाल श्री अदीनाथ
3. वनमाल श्री महावीर स्वामी -
4. भारत, श्री महावीर स्वामी
5. भारत के पाँच राज्यों जिनमें जैन मूर्ति के पाँच वाहन राजकी तीर्थ में स्थित, समुदाय की वाहन राजकी की मूर्ति 71 पहाड़ में बनयी गयी है जिनकी लंबाई 52 मीटर चौड़ाई 84 फुट है।
6. काठियावाड़ प्रांत में स्थित वनमाल गांधीमंदिर की श्री गान्धीजी की मूर्ति।
7. गुजरात राज्य के गौरीगढ़ क्षेत्र में पारितोषा मंदिर श्री जगन्नाथ तीर्थ तीर्थधारिणज तीर्थ रहा जाना है।
8. राजस्थान प्रांत के मवाई गांधीगढ़ त्रिभुवन श्री महावीरजी रेल्वे स्टेशन पर वहाँ का जैन मंदिर जैनी ही चर्चा रेल्वे स्टेशन पर कर रही है जहाँ रेल मंत्री गांधी में बैठे रहे ही मंदिर के दर्शन कर सकने हैं।
9. जैन धर्म के ध्वेतामर मूर्ति जैन समुदाय की सबसे बड़ी एक मात्र समस्या एवं उनके अध्ययन का नाम है।
10. जैन धर्म के ध्वे स्थापनावासी जैन समुदाय की सबसे बड़ी एक मात्र समस्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
11. जैन धर्म के ध्वे तृतीय समुदाय की एक मात्र सबसे बड़ी समस्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।
12. जैन धर्म के दिगम्बर समुदाय की एक मात्र सबसे बड़ी समस्या एवं इसके अध्ययन का नाम है।

रिकार्ड्स का विवरण

13. भारत का एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ मूल एवं अन्यत्र क्षेत्रों में वसाहट के साथ जैन समाज के सर्वाधिक घर एवं जन संख्या है।
14. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ सर्वाधिक जैन साधु साध्वियों के चातुर्मास एवं शेषकाल में विचरण होता रहता है।
15. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जो सम्पूर्ण काच का बना हुआ हो और उसका नाम भी काच मंदिर पर हो।
16. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा अन्तराष्ट्रीय जैन मंदिर जो विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय हो।
17. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जिसके सर्वाधिक खंभे हो।
18. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जिसमें सर्वाधिक जैन मूर्तियाँ हो।
19. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसे तीर्थंकर के पैर की मूर्ति जो सर्वाधिक वजन की चादी की बनी हुई हो।
20. सम्पूर्ण देश में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ किसी तीर्थ के पास नदी, तालाब, झील डेम आदि में मछलियाँ पकड़ने पर सरकार ने पावदी लगा रखी हो।
21. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ देश में सर्व प्रथम बार गौ वंश हत्या पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया गया हो।
22. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ गौ वंश हत्या करने पर सरकार द्वारा सात वर्ष तक की कैद का नियम लागू कर रखा है।

रिकार्ड्स का उत्तर

13. सम्पूर्ण भारत में राजस्थान ही एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ मूल एवं अन्यत्र वसाहट के साथ (मूल राजस्थानी परिवार) सर्वाधिक घर एवं जनसंख्या है द्वितीय स्थान गुजरात का आता है।
14. सम्पूर्ण भारत में गुजरात ही एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ सर्वाधिक साधु साध्वियाँ चातुर्मास एवं शेषकाल में विचरण करते हैं द्वितीय स्थान राजस्थान का आता है।
15. सम्पूर्ण विश्व में इंदौर ही एक मात्र ऐसा स्थान है जहाँ सम्पूर्ण जैन मंदिर काच का बना हुआ है और वह काच मंदिर के नाम से जग प्रसिद्ध है।
16. सम्पूर्ण विश्व में सर्वाधिक ख्याति प्राप्त लोकप्रिय जैन मंदिर राजस्थान राज्य में राणकपुर जैन मंदिर है।
17. राजस्थान प्रान्त का राणकपुर जैन मंदिर जिसमें सर्वाधिक 1444 खंभे विद्यमान हैं।
18. पालीताणा (मौराष्ट्र) का शत्रुजय महातीर्थ जिसमें सर्वाधिक 4500 जैन मूर्तियाँ हैं।
19. पालीताणा के शत्रुजय महातीर्थ में प्रथम जैन तीर्थंकर श्री ऋषभदेव के पैर की मूर्ति है जो चादी की बनी हुई है एवं उसका वजन लगभग 100 किलो का है।
20. सम्पूर्ण भारत में गुजरात ही एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ किसी भी धर्म के मंदिर के आस पास तालाब नदी झील आदि में से मछलियाँ पकड़ने पर सरकार द्वारा पूर्ण पावदी लगा रखी है।
21. मध्यप्रदेश ही सर्व प्रथम राज्य है जहाँ पर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री श्री मुन्दरलाल पटवा द्वारा गौ वंश हत्या पर सम्पूर्ण प्रतिबन्ध लागू किया गया है।
22. उत्तरप्रदेश राज्य में गौ वंश हत्या करने पर सरकार द्वारा सात वर्ष तक की कैद का नियम लागू किया है।

## रिवाज का विवरण

- 23 सम्पूर्ण त्रिग में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जहाँ पूजा अर्चना करते समय हनु मूर्ति पर चाँडे चाँडे कावल के दाने चढ़ाये तो सर्वाधिक बितने कावल चढ़ाये जाये।
- 24 सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज में एक मात्र ऐसा गांधु-गांधी जिन्होंने सर्वाधिक दिना तब सर्वाधिक उपवास किये हो।
- 25 वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज में आचर्य आचर्य का नाम एक मात्र ऐसा आचर्य-आचर्य जिन्होंने सर्वाधिक दिना तब सर्वाधिक उपवास किये हो।
- 26 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा शहर जहाँ जैन समाज के सर्वाधिक मात्रा में जैन परिवारों के घर विद्यमान हैं।
- 27 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा शहर जहाँ मधन पहले किसी रोड का नाम अहिंसा के नाम पर रखा गया हो।
- 28 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिनके सर्वाधिक स्थिति में किसी बड़े शहर के भाग या गली रोड का नाम उनके नाम पर रखा गया हो।
- 29 सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा शहर जहाँ किसी जैन आचार्य के नाम पर सर्वाधिक जगहों पर चौक/जगहान का नाम सरकार द्वारा साय होकर नामकरण हुआ हो।
- 30 सम्पूर्ण जैन समाज का विशाल जैन ग्रंथ भण्डार जहाँ विद्यमान है वह स्थान।
- 31 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जहाँ कला कृतियाँ में सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध हो।
- 32 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ सर्वाधिक जैन मंदिर हो।
- 33 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ सर्वाधिक जैन धर्मशास्त्रों विद्यमान हो।

## रिवाज का उल्लेख

- 23 पानीताना के शत्रुजय तीर्थ पर सभी 4500 जन मत्तिया पर अगर हनु मूर्ति पर एक छोटी चम्मच कावल के दाने चढ़ाये जायें तो लगभग सात बिल्लेन कावल चढ़ाने के लिए चाहिए।
- 24 श्रमण मध के तपस्वी श्री सहज भुजिजी में न सर्वाधिक 121 दिना तक उपवास किये हैं। आपका नाम विश्व की वट गिनति युग में दर्ज किया हुआ है।
- 25 वर्तमान में विश्व में एक मात्र सर्वाधिक तपस्वी तपस्या उपवास करने वाली एकमात्र महिला श्रीमती उच्चरज बाई सुपावत जयपुर के हैं जिन्होंने 1975 के चेतुर्मति में एक साथ 165 दिना की उग्र तपस्या उपवास किये हैं। जिनके पूरे महामय की अध्यक्षता भारत के तत्कालीन उग्र मंत्री स्व. श्री जगजीवनराम न. निमच्यर 1975 में जयपुर में की थी।
- 26 महाराष्ट्र प्रान्त की राजधानी बम्बई महानगर में जैन समाज के सर्वाधिक जैन घर हैं।
- 27 बम्बई महानगर के उग्र रोड उपनगर के रोड नं. 14 का नाम अहिंसा मार्ग रखा गया जो सब प्रथम है।
- 28 महाराष्ट्र का अहमदनगर शहर जहाँ आचार्य समाज श्री आनन्द शिवाजी समाज के सर्वाधिक स्थिति में रोड का नाम आचार्य श्री के नाम पर रखा गया है।
- 29 बम्बई महानगर में जैनानाथ श्री गुणसागर चौक का नामकरण सरकार द्वारा हुआ एक बम्बई में इन नाम के दो जगह चौक बने हुए हैं।
- 30 राजस्थान प्रान्त में जैनधर्म स्थित विशाल जैन ग्रंथ भण्डार।
- 31 राजस्थान प्रान्त के पाली जिले के निहाट देववाडी का प्रसिद्ध जैन मंदिर।
- 32 पानीताना (माराष्ट्र) ही एक मात्र जैन स्थान है जहाँ सर्वाधिक जैन मंदिर हैं।
- 33 पानीताना (माराष्ट्र) में जैन समाज की लगभग 350 जैन धर्मशास्त्रों हैं।

रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

34. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी श्रावक श्राविकाएँ जिन्होंने सर्वाधिक अट्ठाइयाँ उपवास तप किये हो।
35. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसे जैन साधु-साध्वी जिनकी स्मृति में भारत सरकार द्वारा जन्म शताब्दि महोत्सव पर डाक टिकिट प्रकाशित किये हों।
36. सम्पूर्ण विश्व का एक मात्र ऐसा जैन तीर्थ स्थान जहाँ पर सदैव बारह महीने ही सर्वाधिक संख्या में साधु-साध्वियाँ विराजते रहते हो।
37. सम्पूर्ण विश्व का एक मात्र ऐसा जैन तीर्थ स्थान जिसकी सर्वाधिक सीढियाँ हो।
38. सम्पूर्ण विश्व का एक मात्र ऐसा जैन तीर्थ जो पानी के बीच में बना हो।
39. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ इतिहास में वर्णित कल्पवृक्ष का पेड़ वर्तमान में विद्यमान हो।
40. सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज में एक मात्र ऐसा जैन श्री सब जिसके सघ पति-अध्यक्ष सर्वाधिक वर्षों तक संघपति अध्यक्ष पद पर विद्यमान है।
41. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन विश्व विद्यालय जिसको सरकार की ओर से पूर्ण मान्यता प्राप्त है।
42. सम्पूर्ण विश्व के समग्र जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनका समग्र जैन समाज की चारों समुदायों में से किसी एक समुदाय पर पूर्ण अधिकार प्रभुत्व हो।
43. विदेशों में एक मात्र ऐसा देश जहाँ जैन दर्शन संबंधी ज्ञान भण्डार की पुस्तकें भारत से भी अधिक मात्रा में सुरक्षित उपलब्ध हैं।
44. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन पत्र जो सर्वाधिक वर्षों तक नियमित प्रकाशित होता आ रहा हो।
45. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन पत्र जो वर्तमान में अपने प्रकाशन का शताब्दि वर्ष मनाने जा रहा हो।

34. राजस्थान राज्य के जोधपुर जिले में फलौदी निवासी महान तपस्वीवर्य श्री गुमानमलजी लोढा ने अब तक 435 अट्ठाइयाँ पूर्ण की हैं जो एक रिकार्ड है।
35. श्वे. स्था. समुदाय के स्व मरुधर केशरीजी म.सा. की जन्म शताब्दि महोत्सव 24-8-91 को उनकी स्मृति में भारत सरकार द्वारा डाक टिकिट प्रशासित हुआ है।
36. पालीताणा (सोराष्ट्र) में
37. सम्मेलित शिखरजी-मधुवन का जैन तीर्थ स्थान जिसकी सर्वाधिक लगभग पांच हजार से अधिक सीढियाँ हैं।
38. बिहार राज्य में पावापुरी का भगवान महावीर स्वामी जैन मंदिर
39. श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर, जैसलमेर (राज.) में वर्तमान में भी कल्पवृक्ष का पेड़ विद्यमान है।
40. उत्तर की प्रतीक्षा में
41. राजस्थान प्रान्त के लाड़नू शहर में आचार्य श्री तुलसी की सद्प्रेरणा से स्थापित जैन विश्व का विश्वविद्यालय भारती
42. श्वे. तेरापंथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी ही एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जिनका समग्र जैन समाज की चारों समुदाय में से एक समुदाय, जैन श्वे. तेरापंथी समुदाय पर पूर्ण अधिकार है। अन्य तीनों समुदायों में कोई आचार्य है।
43. सम्पूर्ण विश्व में जर्मनी एक मात्र ऐसा देश है जहाँ पर जैन दर्शन सम्बन्धी सर्वाधिक संख्या में विनाल ग्रंथ ज्ञान भण्डार सुरक्षित हैं। जो ग्रंथ भारत में नहीं मिले वह वहाँ उपलब्ध है।
44. दिगम्बर जैन महासभा द्वारा प्रकाशित जैन गजट लखनऊ-हिन्दी साप्ताहिक पत्र ही सब से पुराना जैन पत्र है जो दिगंत 96 वर्षों से नियमित प्रकाशित हो रहा है।
45. उपर्युक्त क्रमांक 44 अनुसार

## रिकाटम् वा निरण

## गिराडम का उत्तर

- 46 सम्पूर्ण जन समाज का एक मात्र ऐसा जन (पूणतया धार्मिक समाज का प्रधान है) जिसकी प्रसारण सत्या सवाधिव हो।
- 47 सम्पूर्ण जन समाज का एक मात्र ऐसा दैनिक जन पत्र जिसका अर्थ है कि यह मनुष्य प्रथम प्राप्ति का किया गया (पूण धार्मिक समाज का) है।
- 48 सम्पूर्ण विश्व का अहिंसा का नाट "जीवा और जीने का" देने वाला है।
- 49 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा प्रान्त जहाँ पर महावीर जयन्ती का अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- 50 सम्पूर्ण भारत के जन समाज में एक मात्र ऐसा प्रान्त जहाँ पर महावीर जयन्ती का अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- 51 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जन मंदिर जिसकी भी मूर्ति ५२ मोने की पत्ति है।
- 52 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जन मंदिर जिसकी भी मूर्ति ५२ मोने की पत्ति है।
- 53 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा जन पत्र जिसका अर्थ है कि यह मनुष्य प्रथम प्राप्ति का किया गया (पूण धार्मिक समाज का) है।
- 54 सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा जन पत्र जिसका अर्थ है कि यह मनुष्य प्रथम प्राप्ति का किया गया (पूण धार्मिक समाज का) है।
- 55 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जन मंदिर जिसकी भी मूर्ति ५२ मोने की पत्ति है।
- 56 सम्पूर्ण जन समाज में एक मात्र ऐसा जन पत्र जिसका अर्थ है कि यह मनुष्य प्रथम प्राप्ति का किया गया (पूण धार्मिक समाज का) है।

- 46 बच्छी बीमा अमानत जन महाजन सम्पूर्ण जन प्रकाशित "बच्छी बीमा अमानत जन सम्पूर्ण पत्रिका" दैनिक जिसकी प्रसारण सत्या लगभग 35 हजार दैनिक पत्रिका है।
- 47 उपर्युक्त प्रमाण 46 अनुसार बच्छी बीमा अमानत जन पत्रिका एक मात्र ऐसा जन पत्र है जो दैनिक के रूप में मनुष्य प्रथम प्राप्ति का किया गया उसके पत्रिका जन समाज जयन्ती का प्रथम आता है।
- 48 भगवान महावीर स्वामी न ही मनुष्य प्रथम विश्व का अहिंसा का नाट जीने का पत्र दिया।
- 49 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र जन महाजन ही एक मात्र ऐसा प्रान्त है जहाँ महावीर जयन्ती को अहिंसा दिवस के रूप में मनाने का आदेश मन्त्रालय द्वारा दिया गया है।
- 50 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र जन महावीर ही एक मात्र ऐसा जन पत्र है जो दैनिक के रूप में मनुष्य प्रथम प्राप्ति का किया गया उसके पत्रिका जन समाज जयन्ती का प्रथम आता है।
- 51 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जन मंदिर जिसकी भी मूर्ति ५२ मोने की पत्ति है।
- 52 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जन मंदिर जिसकी भी मूर्ति ५२ मोने की पत्ति है।
- 53 उत्तरी प्रतीक्षा म
- 54 गुजरात राज्य में सवाधिव नई दीक्षाएँ सम्पूर्ण हुए हैं एक वतमान में भी होती ऊँची है।
- 55 गुजरात राज्य में सवाधिव नई दीक्षाएँ सम्पूर्ण हुए हैं एक वतमान में भी होती ऊँची है।
- 56 ऐसा कीर्तिमा स्थानवासी मनुष्य में श्री धर्मराजजी मंगा ने ही बताया कि वह अपन शिष्य ने बताया कि वह अपने ने शिष्यात अधिकतम होने पर उनकी जगह स्वयं बठ गया और जगह सवाधिव पूण हुआ।

रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

57. सम्पूर्ण देश में एक मात्र ऐसा राज्य जहाँ सर्वाधिक जीवदया के पांजरा पोल बने हुए हैं एवं उनमें सर्वाधिक पशु जहाँ के पांजरा पोल में हैं उसका नाम है—
58. सम्पूर्ण देश के समग्र जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने देश के सर्वाधिक राज्यों में पैदल विहार किया हो।
59. सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी (आचार्यों के अलावा) जिन्होंने सम्पूर्ण देश में सर्वाधिक राज्यों का पैदल विचरण किया हो।
60. सम्पूर्ण जैन समाज के चतुर्विध सब में एक मात्र ऐसा तपस्वी जिसने सर्वाधिक दिनों तक निर्जल बिना पानी के चऊ विहार उपवास तपस्या की हो।
61. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा समुदाय जिसमें सर्वाधिक साधु-साध्वियाँ विद्यमान हों।
62. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हो।
63. सम्पूर्ण जैन समाज के लगभग 165 जैन आचार्यों में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनके नाम के आगे जी नहीं लगता हो।
64. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनका आचार्य पद सर्वाधिक वर्षों का हो।
65. श्वेताम्बर मूर्ति जैन समुदाय में वर्तमान में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हो।
66. श्वे. स्थानकवासी समुदाय में एक मात्र ऐसे आचार्य/गच्छाधिपति जिन्होंने पद प्राप्त करने के पश्चात् सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हो।
67. श्वे. तेरापथी समुदाय के एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हो।

57. गुजरात राज्य में लगभग 550 स्थानों पर ठोटे बड़े पाजरा पोल बने हुए हैं एवं सर्वाधिक पशु लगभग 25 हजार रापर-कच्छ पाजरापोल में हैं।
58. उत्तर की प्रतीक्षा में
59. स्थानकवासी समुदाय श्रमण संघ के श्री विमल मुनिजी म. सा. जिन्होंने सर्वाधिक राज्यों का एक से अधिक बार पैदल विचरण किया है।
60. वर्तमान में नया कीर्तिमान बनाने वाली महिला श्रीमती इच्छाबाई बोहरी बिलाड़ा (स्था. समुदाय) ने गत वर्ष 35 दिनों तक निर्जल-बिना पानी के चौविहार उपवास किये इससे पूर्व बैंगलूर की महिला श्रीमती विमला देवी काकरिया ने (स्था. समुदाय) ने 33 दिनों का रिकार्ड बनाया था।
61. श्वे. स्थानकवासी श्रमण संघ समुदाय जिनके आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म. हैं एवं उसमें लगभग 1050 साधु-साध्वी हैं।
62. श्वे. तेरापथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी जिन्होंने अपने समुदाय में अब तक सर्वाधिक लगभग 700 नई दीक्षाएँ प्रदान की हैं।
63. श्वे. तेरापथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी जिनके नाम के आगे जी नहीं लगता।
64. श्वे. तेरापथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी का ही आचार्य पद सर्वाधिक (56) वर्षों का है।
65. सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य स्व. श्री विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.
66. साधुमार्गी समुदाय के आचार्य श्री नानालालजी म.सा.ने सर्वाधिक लगभग 250से अधिक नई दीक्षाएँ आचार्य पद प्राप्ति के पश्चात् स्वयं ने प्रदान की हैं।
67. सम्पूर्ण श्वे. तेरापथी के सद्यः नायक आचार्य श्री तुलसी ही हैं आप अभी तक लगभग 700 नई दीक्षाएँ प्रदान कर चुके हैं।



## रिवाज का विवरण

## फिर्काईस का उत्तर

- 68 दिगम्बर समुदाय में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने सर्वाधिक दीक्षाएँ प्रदान की हैं।
- 69 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-मुनि आज जिनमें समुदाय में रहते हुए समुदाय के आचार्य, मधनायक या गादीरति के अलावा स्वयं ने सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हैं।
- 70 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-मुनि जिनमें वे चार में सर्वाधिक नई दीक्षाएँ एक साथ हुई हैं।
- 71 सम्पूर्ण विश्व के एक मात्र ऐसे व्यक्ति जिन्होंने विश्व का अग्रजत का सन्देश दिया है।
- 72 सम्पूर्ण विश्व के एक मात्र ऐसे व्यक्ति जिन्होंने समस्त का सन्देश दिया है।
- 73 सम्पूर्ण देश के समस्त जैन समाज में एक मात्र ऐसा जैन स्यान्तक यन्त्र जो सर्वाधिक वर्षों तक साधु-साधिका के विराजित है हमारा बना रहा एक बर्षी ग्यारी नहीं हुआ है।
- 74 वर्तमान में सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिन्होंने अपनी माला के मधु लीला अवाकार की है।
- 75 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिन्होंने अपने पिता की का ही नहीं देखा है।
- 76 सम्पूर्ण जैन भगवत् में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनके चातुर्मास में सर्वाधिक मात्रा खमण की तपस्या पूर्ण हुई है।
- 77 सम्पूर्ण जैन समाज का चारों समुदायों में प्रत्येक में एक मात्र ऐसा आचार्य जिन्होंने अपने 2 मधुदाय में एकमात्र सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान की हैं।

- 68 दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री विद्या सागरजी महाराज सर्वाधिक नई दीक्षाएँ प्रदान कर चुके हैं। आपने पांच उत्तमान में लगभग 100 ब्रह्मचारी भाई रहित अध्ययनशील हैं।
- 69 स्व स्या सिम्हजी समुदाय के शास्त्र प्रभावक श्री भावचन्द्रजी ममा, जो समुदाय का आचार्य, मधुनायक, मदीपति और पद पर नहीं हल के पश्चात् भी समुदाय में मुनिस्थ मदीपति 80 नई दीक्षाएँ प्रदान कर चुके हैं।
- 70 उत्तर की प्रतीक्षा में
- 71 ये तरापथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी
- 72 स्या साधुमार्गी समुदाय के आचार्य श्री नानालालजी ममा
- 73 बीकानेर स्थित साधुमार्गी समुदाय का सठिया भवन जो विसं 88 वर्षों में केवल एक दिन के अलावा वर्षा खानी नहीं रहा राजाना भाई न कोई साधु-साधिका वहाँ विराजित रहे हैं।
- 74 वर्तमान में उत्तर की प्रतीक्षा में एक वर्ष तक यह स्थान स्या तपस्वीय का आचार्य श्री हस्तीमलजी ममा के पास था।
- 75 उत्तरार्गीय आचार्य श्री हस्तीमलजी ममा ही एक मात्र ऐसा आचार्य के तैयार वर्तमान में अब इसका स्थान बीकानेर है हम उत्तर की प्रतीक्षा में।
- 76 ये मुनि श्री तपस्वी मुरीजी समुदाय के आचार्य श्री विजय जयपुरजी ममा जिन्होंने चातुर्मास मद्रास (मणिग भास्त्र) में लगभग 300 मात्र खमण की तपस्या पूर्ण हुई है।
- 77 ये मुनि तपस्वी आचार्य श्री विजय रामचन्द्र मुरीजी द्वारा 33 वर्ष तरापथी आचार्य श्री तुलसी द्वारा 31 वर्ष एवं स्या साधुमार्गी आचार्य श्री नानालालजी ममा द्वारा 25 वर्ष दिगम्बर समुदाय में आचार्य श्री विद्या सागरजी महाराज द्वारा 15 नई दीक्षाएँ एक साथ दी जा चुका है।

रिकार्ड्स का विवरण,

रिकार्ड्स का उत्तर

78. सम्पूर्ण जैन समाज में वर्तमान में मुख्यतया 55 मान्य समुदाय विद्यमान हैं उनमें में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सब से कम साधु-साधवियाँ हैं।
79. वर्तमान में समग्र जैन समाज के सभी आचार्यों में एक मात्र ऐसे आचार्य जो पूर्व में मधपति रहे हों एवं संघ में साधु नहीं होने के कारण साधवियों के उपदेश को मानकर संघ पति एवं ससार छोड़कर दीक्षा ग्रहण कर संघ नाथक बने हों।
80. सम्पूर्ण विश्व के समग्र जैन समाज में एक मात्र ऐसा जैन आचार्य जो किसी साध्वी वर्ग को दिया गया हो।
81. समग्र विश्व के जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिन्होंने वाहन का उपयोग कर विदेशों में जैन धर्म का प्रचार किया और वर्तमान में भी कर रहे हैं।
82. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसे जैन आचार्य जिनकी भारत के अलावा अन्य देशों में भी ऊँचे से ऊँचा राजनेता तक जिनकी पहुँच हो।
83. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिनने लोक सभा का चुनाव लड़ा हो।
84. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिनको एक वर्ग के द्वारा पच्चीसवा तीर्थंकर होने का कुछ वर्षों पूर्व जोर जोर से प्रचार प्रसार किया था उसका नाम है।
85. सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिन्होंने कई शकआचार्यों को रामायण ग्रंथ के बारे में खुली चुनौती दी और वह रामायण को पाम में रखे बिना सभी पंक्तियों के बारे में संतुष्ट उत्तर देकर विजय बने हो—
86. सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसकी वर्तमान के सभी 10 हजार साधु-साधवियों में से सर्वाधिक महंगा दीक्षा सम्पन्न हुई यानि जिसकी दीक्षा में सर्वाधिक खर्चा हुआ हो।

78. ज्वे स्था वृहद गुजरात की एक सदय की मानी हुई समुदाय, सायला समुदाय में केवल दो मुनिराज ही विद्यमान हैं।
79. खभात सम्प्रदाय के आचार्य श्री कार्तिकृष्णजी म सा. (तीनों वाते आपकी ही हैं)
80. ज्वे स्था समुदाय के स्व उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म.सा. के समुदाय में महासती श्री चन्दनाजी को (जो साध्वी समुदाय में से है) आचार्य पद प्रदान किया है।
81. विदेशों में जैन धर्म के प्रचार के लिए पूर्व में कई साधु गये लेकिन आचार्यों में श्री सुशीलकुमारजी ही एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जिन्होंने विदेशों में जैन धर्म का प्रचार प्रसार प्रारंभ किया। वाहन का प्रयोग प्रारंभ करके और आज भी कर रहे हैं।
82. आचार्य श्री सुशीलकुमारजी की ऊँची पहुँच देश विदेशों के ऊँचे से ऊँचे राजनेता तक है।
83. ज्वे मूर्ति समुदाय के श्री कमल विजय जी म ही एकमात्र ऐसा जैन साधु हैं जिन्होंने गत वर्ष वाइमेर से लोकसभा का चुनाव लड़ा था परन्तु वे विजयी नहीं हो सके।
84. कुछ वर्षों पूर्व दिगम्बर समुदाय के मुनि श्री कानजी स्वामी के लिए पच्चीसवे तीर्थंकर बनने वाबत खूब काफी मात्रा में प्रसार प्रचार किया गया था परन्तु सफल नहीं हुआ।
85. स्थानकवासी समुदाय के स्व उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म सा (विरायतन)
86. ज्वे मूर्ति आचार्य श्री रामचन्द्र मूरी जी म के मातृमय में डायमंड किंग श्री अतुल भाई ग्राह (वर्तमान में श्री हितरुची विजयजी म.) की सब से महंगा दीक्षा सम्पन्न हुई जिसमें 2 लाख लोगों ने एक भोजन किया, दीक्षा में एक करोड़ रुपये का व्यय हुआ बतलाते हैं।

## रिवाज का विवरण

- 87 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा प्रथम जैन-  
गृहस्थिनी कायस्थ मन्त्र साधु मन्त्रादि ज्ञान न  
मोक्षन किया है।
- 88 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा कायस्थ जिनम  
सर्वाधिक भक्ति एवम्भित है।
- 89 सम्पूर्ण जैन समान में प्रथम मन्त्र मन्त्र जैन  
आचार्यजी मन्त्री आचार्यों में सर्वोत्तम आचार्य  
आचार्य है।
- 90 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा स्वाध्याय मन्त्र  
(जा पृथक्)। वसु शास्त्र कायस्थ मन्त्र प्रथम कथ  
जगत जगत स्वाध्याय भोजन है। जिसकी स्थापना  
नाम मन्त्र प्रथम है। मन्त्र मन्त्र स्थान का  
नाम है—
- 91 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा सम्पूर्ण जिनम  
सर्वाधिक ज्ञान विद्यमान है।
- 92 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा सम्पूर्ण जिनम  
सर्वाधिक ज्ञान विद्यमान है।
- 93 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा ज्ञान विद्यमान  
है। जैन मन्त्रादि ज्ञान विद्यमान है।
- 94 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा ज्ञान विद्यमान  
है। जैन मन्त्रादि ज्ञान विद्यमान है।
- 95 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा ज्ञान विद्यमान  
है। जैन मन्त्रादि ज्ञान विद्यमान है।

## रिवाज का उत्तर

- 87 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा प्रथम जैन-  
गृहस्थिनी कायस्थ मन्त्र साधु मन्त्रादि ज्ञान न  
मोक्षन किया है।
- 88 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा कायस्थ जिनम  
सर्वाधिक भक्ति एवम्भित है।
- 89 सम्पूर्ण जैन समान में प्रथम मन्त्र मन्त्र जैन  
आचार्यजी मन्त्री आचार्यों में सर्वोत्तम आचार्य  
आचार्य है।
- 90 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा स्वाध्याय मन्त्र  
(जा पृथक्)। वसु शास्त्र कायस्थ मन्त्र प्रथम कथ  
जगत जगत स्वाध्याय भोजन है। जिसकी स्थापना  
नाम मन्त्र प्रथम है। मन्त्र मन्त्र स्थान का  
नाम है—
- 91 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा सम्पूर्ण जिनम  
सर्वाधिक ज्ञान विद्यमान है।
- 92 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा सम्पूर्ण जिनम  
सर्वाधिक ज्ञान विद्यमान है।
- 93 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा ज्ञान विद्यमान  
है। जैन मन्त्रादि ज्ञान विद्यमान है।
- 94 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा ज्ञान विद्यमान  
है। जैन मन्त्रादि ज्ञान विद्यमान है।
- 95 सम्पूर्ण जैन समान में एक मात्र ऐसा ज्ञान विद्यमान  
है। जैन मन्त्रादि ज्ञान विद्यमान है।

रिकार्डस् का विवरण

रिकार्डस् का उत्तर

- |  |   |
|--|---|
| <p>96. सम्पूर्ण जैन समाज मे एका मात्र ऐसा ग्रह/क्षेत्र जहाँ वर्तमान में सर्वाधिक साधु-साध्वियों के चातुर्मास होते है एव साधु-साध्वी विराजते है वह क्षेत्र है ।</p> <p>97. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसके नाम के आगे तप सम्राट लगता हो ।</p> <p>98. सम्पूर्ण जैन समाज मे एका मात्र ऐसी समुदाय जिसमे सर्वाधिक युवाचार्य विद्यमान हों ।</p> <p>99. सम्पूर्ण जैन समाज मे एका मात्र ऐसी समुदाय जिसमे सर्वाधिक उपाध्याय विद्यमान हो ।</p> <p>100. सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमे सर्वाधिक पन्यास विद्यमान हो ।</p> <p>101. सम्पूर्ण जैन समाज के चारो जैन समुदायों मे से एक मात्र ऐसा समुदाय जिसमे सर्वाधिक गच्छाधिपति विद्यमान हो ।</p> <p>102. सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमे सर्वाधिक प्रवर्तक - प्रवर्तिनियों - उपप्रवर्तक - उप-प्रवर्तिनियों विद्यमान हो ।</p> <p>103. सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमे सर्वाधिक गणिवर्य विद्यमान हो ।</p> <p>104. सम्पूर्ण भारत के सम्पूर्ण जैन समाज के चारो सम्प्रदायों मे एकमात्र ऐसा समुदाय जिसमे सर्वाधिक सत-सतिया हो ।</p> <p>105. सम्पूर्ण जैन समाज के चारो समुदायों मे एक मात्र ऐसा समुदाय जिसमे सर्वाधिक साधु-साध्वियाँ विद्यमान हो ।</p> <p>106. सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसे आचार्य जिसके सर्वाधिक आजानुवर्ती साधु-साध्वियाँ विद्यमान हो ।</p> <p>107. सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसा राज्य जिसमें सर्वाधिक आचार्य विचरण करते है एव चातुर्मास करते है ।</p> | <p>96. गत वर्षों तक यह स्थान दमगई महानगर के पास था परन्तु उस वर्ष यह स्थान अहमदाबाद ने प्राप्त कर लिया है ।</p> <p>97. श्वे. स्था. गोंडल पक्ष समुदाय के श्री रतिलालजी म सा. ही एकमात्र ऐसे संघ नायक संत है जिनके आगे तप सम्राट की पदवी लगती है ।</p> <p>98. दिगवर समुदाय मे हो सकते है इसके अलावा श्वे. स्थानकवासी समुदाय मे भी दो युवाचार्य विद्यमान है ।</p> <p>99. एवं मूर्तिपूजक समुदाय मे सर्वाधिक (15) उपाध्याय विद्यमान है ।</p> <p>100. श्वे. मूर्ति पूजक समुदाय मे सर्वाधिक 81 पन्यास विद्यमान है ।</p> <p>101. श्वे मूर्तिपूजक समुदाय सर्वाधिक (16) गच्छाधिपति है जो अन्य तीनों समुदायों से सर्वाधिक है ।</p> <p>102. श्वे स्थानकवासी श्रमण संघ समुदाय मे सर्वाधिक (40) प्रवर्तक, प्रवर्तिनियों, उपप्रवर्तक-उपप्रवर्तिनियों विद्यमान है ।</p> <p>103. श्वे मूर्तिपूजक समुदाय मे (30) सर्वाधिक गणिवर्य है ।</p> <p>104. सम्पूर्ण जैन समाज के चारो समुदायों मे श्वे मूर्ति. समुदाय ही एक मात्र विशाल समुदाय है जिसमे सर्वाधिक लगभग 6 (छ) हजार साधु साध्विया है ।</p> <p>105. श्वे स्थानकवासी श्रमण संघ समुदाय मे सर्वाधिक 1050 साधु-साध्वियाँ विद्यमान है ।</p> <p>106. श्वे स्थानकवासी श्रमण संघ के आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म सा के सर्वाधिक 1050 आजानुवर्ती साधु-साध्वियाँ विद्यमान है ।</p> <p>107. गुजरात प्रान्त मे सर्वाधिक (लगभग 105) आचार्य विचरण एव चातुर्मास करते है ।</p> |
|--|---|

## रिवाइज्ड का विवरण :

## रिवाइज्ड का उत्तर

- 108 वतमान के १११ म सम्पूर्ण जैन समाज म एक मात्र ऐम माधु-माध्विया जिनने महाप्रयाण (वान धम) हाने १२ अन्तिम सम्मेलन के समय महाप्रिया स्वया की बानी लयायी गया हा वट्ट ह—
- 109 सम्पूर्ण जैन समाज मे दीक्षाभजन व समय दीक्षाया की बिभी वस्तु की बानी म महाप्रिया स्वया की बानी दगायी गयी हा वट्ट स्थान एक बानी की स्वय—
- 110 सम्पूर्ण जन समाज म एक मात्र ऐम माधु-माध्विया जा मन म जयावुद्ध हा ।
- 111 सम्पूर्ण जैन समाज म एक मात्र ऐम माधु-माध्विया जिनकी इस रम मजितित स्विति म जम जनाष्टि वष का जयानन मिया गया हा ।
- 112 सम्पूर्ण जैन समाज म एक मात्र ऐम जाचार जिनका म वष अपनी मानार्जा माध्वी के मान एक ही स्थान पर चानुमास हो ।
- 113 सम्पूर्ण जन समाज मे एक मात्र ऐम जाचार जिनकी उन्न सनी जाचारों के सवम वष ह ।
- 114 सम्पूर्ण भारत व जैन समाज म एक मात्र ऐम जैन स्थानव जिनका निमाण अष्ट बाण जिजाइन म बनया गया हा यामि जा आठ कला का बना हुआ हा ।
- 115 सम्पूर्ण दश म एक मात्र ऐम गांव/लेन जहाँ कई पीढिया वषों म राजपूत जाति के राज हान के पञ्चात भी पूर गांव म काठ नी मानाहारी या शाही नहीं ह पूरा गांव शाही ही एक जिना शरवा हा ।
- 116 सम्पूर्ण जैन समाज की महा समुदाय म एक मात्र ऐम समुदाय निमज स्वय व जमन महामय मनाया गया हा ।
- 108 वतमान के १११ म सम्पूर्ण जैन समाज मे गच्छाप्रिया राज व श्री प्रिया राम चन्द्रश्रीजी मगा के बाल घम 10-8 १1 के अवम १ उतनी बाली म एक कराड गच्छीम साथ मये की जाली नगी जा मगाप्रिया रिवाड ह ।
- 109 गमाचार पना स जात हुआ ह वि स्था निमापुरी समुदाय म राजमारी (मुजगत) म एक बहिन का दीक्षा 1991 मे हुई उमम चार्दी के मारियन का जाली 21 साथ स्वय मे पूर्ण हुई जा महाप्रिया रिवाड ह ।
- 110 उत्तर की प्रतीक्षा म ।
- 111 श्र स्वाराधनी ममण मच की महामती श्री जिघीवुवजा मभा पिपलगाव बनवत (महा)
- 112 दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री पुण्डित सागरजी महाराज का अपनी सामागि माताजी जो वतमान मे माध्वी जायानी ह उनके साथ कृष्णपुरा इंदार म एक ही जगह चानुमास ह ।
- 113 उत्तर की प्रतीक्षा म, ममव ह दिगम्बर समुदाय म ही यह स्थान ह मवता ह ।
- 114 श्र स्वारा छ बाटा जैन सब द्वाण-कच्छ म नव निमित्त जैन स्वारा अष्ट बाणीय ह जो सम्पूर्ण भारत मे एक मात्र आठ कोणी वाला अडितीय स्थान रखता ह ।
- 115 राजस्थान भारत के जिना मुमुनू के पाग गाडराडा नामक रेस। गाव ह जहाँ जजिवाण परिधार राजपूता व हान के पञ्चात भी पूरे गाव म नत। कोई मानाहारी ह न बाट्ट शरवा । यहा तक नि शादी बाल उक्त भी इस नियम का पहन रखा जाता है ।
- 116 श्र मूर्ति जन काफेन्स चम्पई एन अय कई सम्भारा के मालिनीय जयन्त एक गुप्तसिद्ध दानवीर श्रष्टीय श्री दीपचन्दनाई गार्डो ना इस वष अमृा महोत्सव मनाया गया ह ।

रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

117. सम्पूर्ण भारत के सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा मंदिर जो सब से पहले बनाया गया हो सब से अधिक वर्षों का सबसे पुराना हो।
118. सम्पूर्ण भारत के जैन समाज में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जिसके सर्वाधिक दर्शनार्थी दर्शन करने जाते रहते हैं।
119. सम्पूर्ण देश के जैन समाज में एक मात्र ऐसे रचनाकार लेखक जिन्होंने जैन धर्म के मौलिक इतिहास की रचना की हो।
120. सम्पूर्ण देश में एक मात्र ऐसा 'मुख्य मंत्री' जो जैन समाज का हो।
121. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिन्होंने आज से 100 वर्ष पूर्व बम्बई महानगर में प्रथम बार पदार्पण किया हो।
122. सम्पूर्ण भारत के स्थानकवासी समुदाय में एक मात्र ऐसा स्थानक भवन जो सम्पूर्ण देश में सब से बड़ा एवं विशाल हो।
123. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा दिगम्बर जैन मंदिर जो सब से बड़ा एवं विशाल हो।
124. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा जैन तैश्वंथी गभा भवन जो सब से बड़ा एवं विशाल हो।
125. सम्पूर्ण जैन समाज के एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी दीक्षा पर्याय अन्य आचार्यों से सर्वाधिक हो।
126. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वियों जिनकी दीक्षा पर्याय अन्य साधु-साध्वियों से सर्वाधिक हो।
127. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी दादावाड़ी जो सब से पुरानी यानि सर्वाधिक वर्षों की बनी हुई हो।
128. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी पहुँच भारत के बड़े बड़े नेताओं तक है एवं जिनका सभी राजनेताओं से अच्छा सम्पर्क है।

117. उत्तर की प्रतीक्षा में
118. गुजरात राज्य में पालीताणा का श्री गज्जय तीर्थ-धिराज तीर्थ। द्वितीय स्थान श्री सम्मत्त शिखर जी (विहार) का आना है।
119. सम्पूर्ण जैन समाज में स्व. आचार्य प्रवर श्री हस्ती-मलजी म.सा. ही एकमात्र ऐसे आचार्य थे जिन्होंने जैन धर्म का मौलिक इतिहास चार भागों में प्रकाशित किया।
120. सम्पूर्ण भारत में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मुन्दरलाल पटवा ही एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो जैन समाज के हैं।
121. श्वे मूर्ति समुदाय के श्री मोहनलालजी म. सा. ही एकमात्र ऐसे प्रथम साधु थे जिन्होंने 100 वर्ष पूर्व बम्बई नगर में सर्वप्रथम बार पदार्पण किया।
122. पाली-मारवाड़ या नागिका मिंटी।
123. श्री सम्मत्त शिखरजी दिगम्बर जैन मंदिर (विहार)
124. राजस्थान प्रान्त में जैन विश्व भारती लाहौर।
125. उत्तर की प्रतीक्षा में।
126. उत्तर की प्रतीक्षा में।
127. उत्तर की प्रतीक्षा में।
128. श्वे तैश्वंथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी ही एकमात्र सभी आचार्यों में ऐसे आचार्य हैं जिनकी पहुँच सम्पूर्ण देश के बड़े बड़े राजनेताओं तक पहुँची हुई है एवं राजनीतिक क्षेत्रों तक सम्पर्क एवं प्रभाव भी काफी अच्छा है।



रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

154. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी महिमा से प्रभावित होकर उनके महाप्रयाण अन्तिम यात्रा के अवसर पर शासन द्वारा बहुत बड़े शहर का नाम बदल कर आचार्य श्री के नाम पर शहर का नया नाम घोषित किया गया हो ।
155. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनके महाप्रयास के अवसर पर कई तरह के चमत्कार एवं विशेषताएँ मिली ।
156. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ वर्तमान में किसी मूर्ति ने प्रत्यक्ष में कई देर तक कई बार अपनी आँखें खोली वन्द की फिर खोली का दृश्य देखने को मिले । ऐसा दृश्य कई व्यक्तियों पत्रकारों ने प्रत्यक्ष में देखा हो ।
157. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा जैन समाज का भेठ व्यापारी जिसके सद्कार्यों-गुणों की महिमा के स्मरणार्थ पूरे शहर के सभी व्यापारियों, स्नेहीजनों, सभी जैन परिवारों में विशाल रूप से अपने अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों में उनका फोटो लगा हुआ हो ।
158. सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा व्यक्ति जो मांस-हार एवं मदिरा कुव्यसन छुड़वाने हेतु अकेला ही किसी राज्य में सर्वाधिक गांवों के स्कूलों में प्रति वर्ष जाकर प्रचार-प्रसार करता हो एवं मांसहार मदिरा त्याग करने वालों के स्कूल के बच्चों को विज्ञान मन्थन में पुस्तकें एवं कपड़े वितरित करता हो ।
154. श्रमण संघ के आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषीजी म सा जिनके महाप्रयाण पर अन्तिम यात्रा पर शासन द्वारा अहमदनगर का नया नाम आनन्द नगर करने की शासन द्वारा घोषणा 30-3-92 को की गयी ।
155. श्वे. स्था., रत्न वंश समुदाय के आचार्य श्री हस्ती-मलजी म सा के महाप्रयाण पर कई चमत्कार हुए— संथारा एवं अन्तिम संस्कार के दिन ही बरसात उसी गांव में होना ( गर्मी में आगे पीछे के दिनों में नहीं ) नाग के दर्शनार्थ आना, आम के पेड़ पर आम आना, केसर की बरसात होना शासन द्वारा सम्पूर्ण राज्य में कसाईखाने बन्द करना 313 बकरों का अभयदान, आचार्य का 13 दिनों का संथारा होना, इनके अलावा 10 अन्य चमत्कार प्रभाव के उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलते ।
156. पालीताणा स्थित जैन साहित्य मंदिर जहाँ आचार्य श्री विजय यशोदेव सूर्यश्वरजी म. विशाजमान है वहाँ श्री पद्मवती देवी की मूर्ति में ऐसा प्रत्यक्ष दृश्य चमत्कार इस वर्ष देखने को मिला ऐसा दृश्य— लगभग 5-6 घंटे तक चला एवं हजारों व्यक्तियों, पत्रकारों ने देखा ।
157. जलगांव एवं जामनेर के सुप्रसिद्ध सेठ श्री राजमलजी लखीचन्दजी जैन, जिनका जामनेर शहर के सभी जैन परिवारों, व्यापारियों एवं स्नेहीजनों के यहाँ अपने-अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों में सेठ साहब का फोटो लगा हुआ है इतनी संख्या में अन्यत्र कहीं भी किसी का कोई फोटो कहीं नहीं मिलेगा ।
158. जलगांव के सुप्रसिद्ध जौहरी एवं समाज सेवक संघ रत्न श्री रत्नलालजी बाफला सराफ जो हर वर्ष महाराष्ट्र प्रान्त के लगभग 300 गांवों के स्कूलों में जाकर वहाँ के लोगों को मांस मदिरा त्याग करने का नियम करवाकर गरीब बच्चों को एक टुक मांस पुस्तकें एवं कपड़े निःशुल्क बाँटते हैं यह कार्य विगत चार वर्ष से कर रहे हैं एवं उन्हें इस कार्य में सफलता भी मिली है । सम्पूर्ण देश में आप एक मात्र ऐसे व्यक्ति हैं ।



## रिवाज का विवरण

## रिवाज का उद्गार

- 159 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन परिवार का व्यक्ति, जिसने टाइपिंग कायम में विश्व विजेता का पुरस्कार प्राप्त किया है।
- 160 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसके पिता एक पुत्र दाना आचायक हैं।
- 161 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ किसी सत मुनिराजों के जन्म अतः अविश्वसनीय प्रथम का विवाचन एक ही दिन एक साथ कई स्थानों पर सम्पन्न हुआ है।
- 162 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी विश्वस्त समुदाय जिसके सभी नायक सहित अथ मंत्री गांधी-साध्वियों वाले ब्रह्मचारी हैं।
- 163 सम्पूर्ण जैन समाज की एक मात्र ऐसी समुदाय जो सभी अपने राज्य में से भी अपने क्षेत्र के अलावा तो सभी राज्य के दूसरे क्षेत्रों में (अन्य राज्यों में तो नहीं) विवरण करने हैं और न ही सभी चातुर्मास करने हैं।
- 164 सम्पूर्ण जैन समाज में वर्तमान में एक मात्र ऐसा आचार्यजिहोंने सर्वाधिक स्थानों पर जैन मंदिरों की प्रतिष्ठाएं करवायी हैं।
- 165 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें आचार्यजी की आमंत्रण पत्रिकाएँ विशाल रूप में सब से ज्यादा महंगी होती हैं। एवं सब से कम एक मस्ती किम समुदाय की होती है।
- 166 सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा जैन मंदिर जिसके गुजर के भाग के नीचे का चौक लम्बाई चौड़ाई आकार में सब से बड़ा हो मंदिर के बीच में सब गुजर के निचे सर्वाधिक आकार का चौक है।
- 159 उत्तर भारत का 13 वर्षीय मिशाल मास्टर अभिषेक जैन ने गांधी मोदरेज की मनीनके द्वारा बुनेला में सम्पूर्ण दुई बट टाइपिंग मेमोरियल में 109 अक्षर प्रति घंटे की स्पीड से टाइप करने विश्व विजेता का पुरस्कार प्राप्त किया है।
- 160 श्वे सपाणच्छ समुदाय के मच्छाधिपति आचार्य स्व श्री रामचंद्र गुरीश्वरजी म की समुदाय में पिता एक पुत्र दोनों आचार्य हैं जिनके नाम आचार्य श्री जयगुंजर गुरीजी म (पिता) एवं आचार्य श्री पूरणचंद्र गुरीजी म हैं।
- 161 श्वे स्या अमण मण के उपाध्याय स्व श्री मन्मथराज जी म मा के जन्म शताब्दि स्मारिका प्रथम का विवाचन इस वर्ष देश के चार नगरों में एक भाग सम्पन्न हुआ यह प्रथम जयसर है जहाँ एक ही दिन चार जगह विवाचन हुआ है।
- 162 श्वे स्या समुदाय के सपनायक शासन प्रभावक श्री सुदशनराजजी म मा की समुदाय में मण नायक सहित कुल 25 मुनिराज विद्यमान हैं (मनियोजी नहीं है) के सभी 25 सब नायक एक मुनिराज वाले ब्रह्मचारी हैं।
- 163 श्वे स्या समुदाय के बच्छा अठ काटि नावी (छाटा) पक्ष के सभी आधिपतियों गुजरात प्रांत में बच्छा क्षेत्रों के अलावा वही भी नहीं जाते यहाँ तक कि गुजरात प्रांत के अथ क्षेत्रों तक भी नहीं जाते।
- 164 श्वे मूर्ति सपाणच्छ समुदाय के आचार्य श्री विजय गजयश गुरीश्वरजी म मा का प्रभाव प्रथम आ मकता है। अन्य उत्तर की प्रतीक्षा।
- 165 श्वे मूर्ति समुदाय में किसी भी प्रकार का कोई भी कार्यक्रम हो उसकी आमंत्रण पत्रिकाएँ सबसे ज्यादा मात्रा एवं सबसे महंगी होती हैं। सबसे सस्ती एवं कम सख्या की पत्रिकाएँ श्वे तेरापयी समुदाय की होती हैं।
- 166 श्वे मूर्ति सपाणच्छीय आचार्य श्री विजयचंद्र गुरीजी म की मद्देरणा से सब निमित्त श्री सबसम जैन मंदिर, नाचथी तीर्थ बावना (गुजरात) का जैन मंदिर।

## रिकार्ड्स का विवरण

## रिकार्ड्स का उत्तर

167. सम्पूर्ण जैन समाज की एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सम्पन्न होने वाले कार्यक्रमों में वे ही सदस्य अध्यक्ष समापति मुख्य अतिथि विशेष रूप से बनाये जाते हैं जो धार्मिक प्रवृत्ति, दीक्षार्थी के पिता, तपस्वी, बारह व्रतधारी श्रावक आदि हो वहाँ किसी राजनेता या धनवानों को कोई स्थान न मिलता हो।
168. सम्पूर्ण जैन समाज में वर्तमान में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी दीक्षा की रजत, स्वर्ण, अमृत वर्ष महोत्सव पर सर्वाधिक संख्या में दीक्षाएँ सम्पन्न हुई हैं।
169. सम्पूर्ण विश्व में एक मात्र ऐसा स्थान जहाँ जैन म्युजियम की स्थापना की है वहाँ जैन म्युजियम है।
170. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा सिंघाड़ा (आदि ठाणा) जहाँ सर्वाधिक साधु-साध्वियाँ उच्च शिक्षा M.A. Phd वाले हो।
171. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसने सर्व प्रथम उच्च शिक्षा M.A. Phd उत्तीर्ण की हो।
172. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसने एक दिन में सर्वाधिक लम्बा विहार किया हो।
173. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य साधु-साध्वी जिसकी प्रेरणा से वर्तमान में सर्वाधिक नवपद की आयविल ओलीया सम्पन्न हुई एवं कहाँ हुई। एवं ओलीया के ऊपर सर्वाधिक तेले किये हो।
174. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी पुरानी संस्था जिसको उसके संस्थापक ट्रस्टी जब से संस्था की स्थापना हुई तब से हर वर्ष आर्थिक सहयोग निरन्तर देते आये हो अब तक बीच में कभी बन्द नहीं किया ऐसा व्यक्ति है।
167. श्वे. स्थानकवासी समुदाय के संघ नायक शासन प्रभावक श्री सुदर्शनलालजी म.सा. (उत्तर भारत) की समुदाय में केवल संत-सतियों, दीक्षार्थियों के माता-पिता, तपस्वी बारह व्रतधारी श्रावक ही कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथी बनाये जाते हैं।
168. संभव है दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्रीविद्या-सागरजी म.सा. का क्रमांक प्रथम आ जावे उनके इस वर्ष मुनि दीक्षा रजत जयंती वर्ष महोत्सव के अवसर पर एक साथ 15 आर्थिकाओं की एक साथ दीक्षाएँ सम्पन्न हुई हैं।
169. पालीताणा स्थित विनाल जैन म्युजियम।
170. श्वे. स्था. श्रमण संघ समुदाय में महासती श्री मुक्ति-प्रभाजी म.सा. श्री दिव्य प्रभाजी म.सा. आदि ठाणा (11) का ऐसा सिंघाड़ा है जिनमें तीन साध्वियाँ उच्च शिक्षा M.A. Phd हैं इतने अन्य कहीं भी एक साथ नहीं है।
171. उत्तर की प्रतीक्षा में,
172. उत्तर की प्रतीक्षा में (हमारे पास 52 कि.मी. का रिकार्ड्स है)
173. श्वे. मूर्ति तपागच्छ समुदाय के आचार्य श्री गुण रत्न सूरिजी म. की शुभ निश्चा में जीरावाला तीर्थ में वि. सं. 2047 में एक साथ तीन हजार तपस्वियों ने नवपदजी की आयविल ओलीया की एवं 2500 व्यक्तियों ने ओलीयो के ऊपर तेले की तपस्या पूर्ण की।
174. पालीताणा स्थित श्री सिद्ध क्षेत्र जैन मोटी टोली जैन पाठशाला के संस्थापक ट्रस्टी राय बहादुर बाबू साहब श्री बुद्धिसिंहजी ने एवं वर्तमान में उनके वंशज विगत 113 वर्षों से पाठशाला को 1200/- वार्षिक देते आये हैं बीच में कभी बन्द नहीं किया एक बार लाखों देने वाले बहुत मिलेंगे लेकिन ऐसे नहीं।

## गिराह का विवरण

## गिराह का उद्देश

- |   |   |
|---|---|
| <p>175 सम्पूर्ण भारत का एक मात्र ऐसा तीर्थ एवं व्यक्ति जहाँ वि. मंदिर की अवस्था 1 25 लाख परिवारों-पदक्षिणा एवं व्यक्ति द्वारा की गयी है।</p> <p>176 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा गांधी-माधवी त्रिमूर्ति जिसे विभिन्न जैनमूर्ति प्रभु प्रतिमा के समान छंदे खूब हावर 1 25 लाख समाजवादी (वन्दनार्थि) पूजा किया है।</p> <p>177 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा गांधी-माधवी त्रिमूर्ति जिनमें सब प्रथम बार जैन धर्म के बारे में उपवास की रचना की है। एवं जिनके भवोद्योग जैन उपवास प्रकाशित भी हो गये हैं।</p> <p>178 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा गांधी-माधवी त्रिमूर्ति जिनमें सब से ज्यादा सहायक साहित्य का लेखन कार्य किया है।</p> <p>179 सम्पूर्ण स्वतंत्रता की समुदाय में एक मात्र ऐसा गांधी-माधवी त्रिमूर्ति जिनमें सब से ज्यादा सहायक साहित्य की रचना की है।</p> <p>180 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा पदवीधारक गांधी-माधवी जो पहले आचार्य एवं पर के बाद में फिर युवाचार्य (द्वितीय प्रमाण) पद पर नियुक्त हुए।</p> <p>181 सम्पूर्ण भारत में एक मात्र ऐसा आचार्य जिनके अनेक नामों से सम्मानित की पदवी उनके समय एवं वर्तमान में भी लगी जाती है। एवं उन्हें उसी नाम से जाना जाता है।</p> <p>182 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिनका सब से पहले आचार्य सम्मान की पदवी प्रदान की गयी थी। एवं वर्तमान में भी इसी नाम से पुकारा जाता है।</p> <p>183 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा गांधी-माधवी त्रिमूर्ति जिनको सम्पूर्ण 32 ही आचार्य कलठ प्राप्त है।</p> <p>184 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा गांधी-माधवी त्रिमूर्ति जिन्होंने महाविधि वर्धमान अवधि में आती तप की सम्पत्ति की है।</p> | <p>175 लखनऊ धर्ममंडल का जैन एवं मंदिर त्रिमूर्ति 1 25 लाख परिवारों मा भूमि श्री विद्या विभूति (अचरमण्ड) ने पूजा की है।</p> <p>176 उपर्युक्त प्रमाण (175) अनुसार</p> <p>177 एवं स्या श्रमण मधीय उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म मा एवं इनके भवोद्योग जैन उपवास एवं तत् प्रकाशित हो गये हैं।</p> <p>178 एवं जैन तैत्तिरीय समुदाय के युवाचार्य श्री महाप्रज्जी म मा</p> <p>179 एवं रत्न वर समुदाय के इतिहास मार्गण्ड आचार्य श्री हस्तीमनजी म मा</p> <p>180 एवं स्या समुदाय के स्व श्री मिश्रीमनजी म मा मधुकर जा पहले जयमल सम्प्रदाय के आचार्य के बाद में श्रमण गुण के युवाचार्य बनाये गये।</p> <p>181 एवं मूर्ति नवागच्छ के आचार्य श्री विजय नमा मूरीश्वरजी म मा उनके समय एवं वर्तमान में भी शासन सम्राट के नाम से जाना जाता है।</p> <p>182 एवं स्या श्रमण मध के स्व आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषीजी म मा एवं सभ्य है आचार्य श्री आरमारामजी म मा भी है। मकते हैं।</p> <p>183 एवं स्यानवर्तसी समुदाय के विदुषी महामती श्री लक्ष्मी वार्डे म मा जिनका सम्पूर्ण 32 ही आचार्य कलठ प्राप्त है।</p> <p>184 एवं मूर्ति आचार्य श्री प्रेममूरीजी समुदाय के आचार्य श्री राजतिलक मूरीजी म ने एवं तत् 300 वर्षमान अवधि में तप की आरंभ पूजा की है एवं नाम की प्रतीक्षा है।</p> |
|---|---|

रिकार्ड्स का विवरण

रिकार्ड्स का उत्तर

185. सम्पूर्ण देश का एक मात्र राष्ट्रीय स्तर का ऐसा जैन नेता जो किसी भी धार्मिक विशाल कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में पधारते हो तब वहाँ स्टेज पर नहीं बैठकर साधारण लोगों में ही फर्ण जमीन पर बैठता हो ।

186. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिन्होंने काश्मीर से कन्याकुमारी तक पद विहार करते हुए जो दोनो जगह गये हो ।

187. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा बालक-बालिका जिसने सब से कम उम्र में प्रतिक्रमण का पाठ कठस्थ कर लिया हो ।

188. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे श्रावक-श्राविका जिन्होंने अपने जीवन में सर्वाधिक मास खमण की तपस्या एवं सर्वाधिक लड़ी की तपस्या पूर्ण की हो ।

189. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे साधु-साध्वी जिन्होंने विश्वविद्यालय एवं धार्मिक स्तर की सर्वाधिक सभी परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये हो एवं विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाधिक स्वर्ण पदक प्राप्त किया हो ।

190. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा व्यक्ति जिसने गम जल के आधार पर सर्वाधिक निर्मा तक लम्बी तपस्या उपवास पूर्ण किये हो ।

191. सम्पूर्ण जैन समाज की एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें साधु समुदाय में कम से कम मुनियज्ञ हो ।

192. सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सब से ज्यादा मुनियज्ञ हो ।

185. मध्यप्रदेश के गौरवशाली मुख्यमंत्री श्री गुन्डरलालजी पटवा जो जैन समाज के ही हैं एक मात्र ऐसे भारतीय नेता हैं जो किसी भी धार्मिक विशेष कार्यक्रमों में विशेष अतिथि के रूप में स्टेज पर नहीं बैठकर आम लोगों की तरह ही जमीन फर्ण पर बैठ जाते हैं ।

186. संघ प्रवर्तिनी साध्वी श्री मंजुला श्रीजी म.या. ने काश्मीर से कन्याकुमारी तक की पाद विहार यात्रा 1978 में की थी जो दोनों स्थानों तक की थी । कोई काश्मीर जाता है तो कन्याकुमारी नहीं इन्होंने दोनों जगहों की यात्राएँ की हैं ।

187. बालकेश्वर बम्बई में मेमर्स अफ्फा ज्यूस सेंटर धर्म श्री जयती भाई शाह का गुपुत्र किरण मेहता जिसने 6 वर्ष की वय में पूरा प्रतिक्रमण कंठस्थ कर लिया है ।

188. राजस्थान प्रान्त के चुरू जिला के डूंगरगढ़ जट्ट की महान उग्र तपस्वीनी बहिन श्रीमती सनेहरदेवी आंचनिया ने अपने जीवन में सर्वाधिक 37 मास खमण पूर्ण कर लिये हैं एवं एक से 36 की लड़ी भी पूर्ण कर चुकी है ।

189. श्वे. ग्या. खमण संयोग विद्युपी साध्वी श्री विजय श्रीजी म.या. ने विश्वविद्यालय एवं धार्मिक स्तर की लगभग 8-10 परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये हैं एवं मैसूर विश्वविद्यालय एवं हैदराबाद आदि स्थानों में अब तक 6 स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुकी है ।

190. उमर की प्रतीक्षा में

191. ग्या.कदासी संजय संघर्षी समुदाय की एक मात्र ऐसी समुदाय है जिसमें कम से कम मुनियज्ञ है जिसका संख्या केवल एक की है तथा वह मुनियज्ञ ही संघ नायक भी है जिसका नाम श्री नरेंद्र मुनिजी म.या. है ।

192. श्वे. ग्या.कदासी समुदाय के रघु. आचार्य श्री रामचन्द्र गुरुप्रसाद म. के समुदाय में सर्वाधिक लगभग 250 मुनियज्ञ हैं ।

## रिवाज का विवरण

## रिवाज का विवरण

- 193 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसी समुदाय जिसमें सब से ज्यादा माध्वियों समुदाय विद्यमान है।
- 194 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा समुदाय जिसमें 77 में कम माध्वियों समुदाय विद्यमान हैं।
- 195 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा आचार्य जिसके महाधियन गिर्य धाम श्रावस्ती है।
- 196 सम्पूर्ण स्वतन्त्रवासी समुदाय में एक मात्र ऐसा साधु-साध्वी जिसने स्या समुदाय में रहने हुए दूसरे समुदाय की मंत्र प्रथा मंत्र मन्त्रि की प्रतिष्ठा कराई है।
- 197 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा स्वतन्त्र स्वाध्यायी जो मंत्र में रहने समुदाय में मन्त्राध्याय करता गया है।
- 198 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा जीवन्त्या का पाजसमान जिसकी स्थापना मंत्र में रहने हुई है।
- 199 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा भाई बहिन जिन्होंने भीषण गर्मी में महाधियन उपासी की है।
- 200 सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसा जैन समाज का व्यक्ति जिसने धर्म के सर्वाधिक धर्मों का पूर्ण अध्ययन कर परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं और सभी धर्मों की महत्वाका स महाधियन प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।
- 201 सम्पूर्ण जैन समाज का एक मात्र ऐसा महाधियन पत्रकार जिस सम्पूर्ण भारत के 10 हजार माधु माध्वी, जैन श्री मधु एवम् हर का के महाधियन उसका नाम न परिचित है, जानते हैं।
- 193 धर्म मधु में लगभग 750 सर्वाधिक साध्वियों विद्यमान है।
- 194 सब स्या समुदाय के हावारी समुदाय में सब से कम केवल चार साध्वियों ही विद्यमान है।
- 195 उत्तर की प्रतीक्षा में
- 196 स्वतन्त्रवासी समुदाय के रिवाज में जैन धर्म प्रचार आचार्य श्री गुणीनगुमारजी म गा जिन्होंने अमेरिका में मंत्र प्रथम बार मन्त्रि की प्रतिष्ठा कराई।
- 197 सब स्या समुदाय के धनमान म प्रवक्तृ श्री माहन सावजी म सा जे वि स 1994 में समुदाय (अनमर) में सब प्रथम बार स्वाध्यायी बन कर गये थे।
- 198 उत्तर की प्रतीक्षा में।
- 199 दानोव के यमोद श्री मेपराजजी साधुलिया (83) यम (33) साधु एव श्रीमती गरी बार्द नाहटा उत्तर (77) यम (31) उपवास इष्ट यम जून 1992 में पूरा किया।
- 200 मेपराज के श्री जैन जवाहर मदन के सहजरी श्री घडवन्जी S/o श्री रावनमलजी बूचा द्वारा विरज के लगभग 20 धर्मों का अध्ययन कर उत्तीर्ण हुए एव उत्तापना के सर्वाधिक प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।
- 201 समग्र जैन चेतुर्नाम सूची के सम्पादन का उत्तापन उत्तर जिनके हर यम चेतुर्नाम सूची के काम करने में सम्पूर्ण जैन समाज का हर यम जानता है।

नाद-समयाभाव के कारण लगभग 150 रिवाज तैयार किए हुए यहाँ सम्मिलित करने में सक्षम थे। यम जागामी उत्तर म प्रकाशित किया जायेगा।

—संपादक

भाग-अष्टम्

विज्ञापन

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ :

Phones 3437323/3436072

# NOBLE STORES

*Manufacturers & Dealers of*

Air Pillows \* Shopping Bags \* Air Bags \* School Bags  
Ladies & Gents Money Purses \* Plastic Raincoats &  
Presentation Articles

231/233, Janjekar Street, BOMBAY-2



## TOHFA

TEL 3433544/3439214

Presentation Articles, Imitation Jewellery,  
Ladies & Gents Money Purse & Plastic Raincoats

204/242, Janjekar Street,  
Near Jumma Masjid, BOMBAY-400002



शुभेच्छुक

रमणिकलाल छाड़वा  
बम्बई

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म संघ (श्री श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी छः कोटि लिम्बड़ी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजो एवं महासतियांजी म.सा. आदि ठाणाओ का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास मय वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य एवं तप की आराधनाओ से ओत-प्रोत यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

**समाजसेवी डी. टी. नीसर (भचाऊ वाले)**

मंत्री : अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद, बम्बई

अध्यक्ष : श्रीयुत् मित्र मण्डल, भचाऊ-बम्बई संचालित

**C/o विसामो**

(लेटेस्ट सुविधापूर्ण जैन गेस्ट हाउस)

P.O. भचाऊ (कच्छ) 370 140



Tel. No 357755

**KWALITY GARMENT**

Family Shop far Readymade Garments

119-121, Jagannath Shankarsheth Road, Mantri Bldg., Opp. Majestic Cinema,  
BOMBAY-400 004



जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म सभ (श्री श्वेताम्बर जैन म्यानकवासी छ कोटि लिम्बडी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजो एवं महासत्तियाजो मत्ता आदि ठाणजो का सन 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोन्नाम मय वातावरण मे ज्ञान, दर्शन, चारित्र एक तप की आराधनाजो मे जोन-योन व्रजम्बी एवं ऐतिहासिक बनने की मगन वामनाएँ करत हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—



पू मातुश्री शान्तावहन नेमचन्द न्यालचद मेहता  
(खेडोई वाला)

अरिहन्त ट्रेडिंग कं.

हाइवेअर, लोहा, पेन्ट, मशीनरी विक्रेता

PO मुन्ना (फच्छ) 370 130

टेलि दुकान 169 निवास 191

बिहार ड्रेसेस

रेडिमेड कपडे के विक्रेता

PO मुन्ना (फच्छ) 370 130

टेलि दुकान 111

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म संघ (श्री श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी छः कोटी लिम्बड़ी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजो एवं महासतियांजी म.सा. आदि ठाणाओ का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास मय वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की आराधनाओ से ओत-प्रोत यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएं करते हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित—



Tel- OFFICE : 24090  
Resi. : 23070

सुरेश कलॉथ सेन्टर

(कपड़े के व्यापारी)

जवाहर रोड,

सुरेन्द्रनगर-363001 (गुजरात)

सुरेशकुमार नरोत्तमदास दोशी

13, चेतना सोसायटी,

सुरेन्द्रनगर-363001

(गुजरात)

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धम मध (श्री श्वेताम्बर जन स्थानकवासी छ कोटि लिम्बडी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजा एव महासतिषाजी ममा यादि ठाणाओ का मन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोन्लास मय वातावरण मे ज्ञान, दशन, चारित्र्य एव तप की आराधनाओ से ओत प्रात यशस्वी एव ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

पुण्यवता आचार्य भगवत श्री रूपचन्द्रजी स्वामी के अन्तेवासी

तरवन प श्री नवलचन्द्रजी स्वामी के शिष्य मुनिश्री भास्करजी स्वामी द्वारा सम्पादित

इंग्लिश लिपि व हिन्दी लिपि में सामायिक सूत्र एव मोटा टाईप गुजराती सामायिक प्रतिक्रमण की पुस्तकें निम्नोक्त पते पर भेगावें ।

श्रीन	आफिस	49
	निवास	21

**संघपति श्री देवजी मुरजी सतरा**

(अध्यक्ष श्री गुन्डाला स्थानकवासी छ कोटि जैन सघ)

मू पो गुन्डाला (कच्छ) 370 410 (गुज) .



शा दामजी प्रेमजी क 卐 भरतकुमार एण्ड क.  
(छाला चुनीवाला)

273/77, अनतदीप चम्बर, भात बाजार, बम्बई-400 009

टेलि निवाम 864184, 4142187 आफिस 8552551, 8551314

तपागच्छीय परम प्रभावक, परम पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री विजय कलापूर्ण सूरेश्वरजी म सा.  
आदि ठाणाओ का सूरत (गुजरात) मे सन् 1992 का चातुर्मास सानन्द सम्पन्न होने की  
मंगल कामनाएँ करते हुए—

शुभकामनाओं के साथ—

# PLAZA TRADERS

## TOBU BRAND

### PEN, BALL PEN & REFILLS

Plaza Shopping Centre, Shop No. 101,  
76-78 Sutar Chawl, BOMBAY-400002 (M.P.)

शुभेच्छुक ।

ढखमशी सूरजी गाला

धनजी सूरजी गाला

बम्बई

सभी पूज्य आचार्यों, सत-सतियो को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित-

फोन नम्बर—6495067  
जयपुर—47300

**करमचंद मोदी**

21, स्वर्णदीप,

34, एस. बी. रोड, शांताक्रुझ (वेस्ट)

बम्बई-400 054 (महाराष्ट्र)



बी-47-ए-प्रभु मार्ग, तिलक नगर,

जयपुर-302004 (राजस्थान)

ॐ उपभ ८

जश्रमण संघ के पूज्य आचार्य सम्राट 1008 श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. युवाचार्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा. उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.सा., श्री पुष्कर मुनिजी म.सा., श्री विशाल मुनिजी म.सा., श्री मनोहर मुनिजी म.सा., प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा., श्री रूपचंदजी म.सा., श्री कल्याण ऋषिजी म.सा., श्री भंडारी पद्मचंदजी, म.सा., श्री अम्बालालजी म.सा., श्री उमेश मुनिजी, म.सा., श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा. 'कमल' एवं सभी मुनिवरो एवं महासत्तियो के वर्ष 1992 के वर्षावास मे मंगलमय सभी प्रकार के धार्मिक, सामाजिक, गतिविधियो सहित श्रमण संघ, संगठन उत्तरोत्तर प्रगति की कामना एवं भावना से ओत-प्रोत हो इस हेतु हमारी हार्दिक शुभकामनाओ सहित

सभी संत-सत्तियो को हमारी कोटि-कोटि वंदन !

## श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (रजिस्टर्ड)

इपंजीयन क्रमांक 11795

20, नीम चौक, रतलाम (म.प्र.) 457001

अध्यक्ष

इंदरमल जैन

35/8, मित्र निवास रोड, रतलाम-457001 (म.प्र.)

दूरभाष . 21680, 22337

मंत्री

मांगीलाल कटारिया

19/3, पेलेस रोड, रतलाम 457001 (म.प्र.)

दूरभाष : 20288, 22754, 22681

कार्यकारिणी सदस्यगण :

उपाध्यक्ष

माणकलाल बाफना

कोषाध्यक्ष

समरथमल कटारिया

सहमंत्री

दलपतसिंह चौरडिया

सदस्य :

धूलचंद ओरा

मनोहरलाल श्रीमाल चंचल

शांतिलाल रांका

पन्नालाल कटारिया

मानकमल तरसिंग

श्रीलाल मालवी

सूज्य गुरुदेव घोर तण  
इंदोर (२)

५  
क

15

ज्ञा ॥

, जेना, ममीमण ध्यान योगी परम श्रद्धेय आचार्य  
ट युवाचार्य श्री जमनालर्जा मसा आदि  
ज्ञानान चारित्र्य व तप की अमिबद्धि हा

सामय हा सारा देस !

हादिक शुभकामनाओं के साथ

# स्वैतमल राणीदान बोथरा

वरतनो के थोक व्यापारी

शनीचरी बाजार, दुर्ग (म प्र.) 491 001

शुभेच्छुक रावलमल, धर्मपाल, प्रदीपकुमार बोथरा

रावल बोथरा

वाप्याध्यक्ष

वन व्यापारी सभ, दुर्ग

समता विभूति, समीक्षण ध्यान योगी, धर्मपाल प्रतिबोधक परम पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म.सा युवा तपस्वी परम पूज्य युवाचार्य श्री रामलालजी म.सा आदि ठाणाओ (12) का उदयराममर, परम पूज्य सघ संरक्षण श्री इन्द्रचन्दजी म.सा आदि ठाणाओ (6) का बीकानेर एवं विदुषी महासती श्री वसुमती जी म.सा आदि ठाणाओ (5) का भायन्दर-बम्बई में सन् 1992 का चातुर्मास सानन्द सम्पन्न होने की मंगल कामनाएं करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन } ऑफिस-3860652, 3862915  
निवास-354612, 3886575

## सुरेन्द्र दस्सानी

मंत्री-श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन समता युवा संघ, रतलाम

सहमंत्री-श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ, बीकानेर

कोषाध्यक्ष-समता चेरिटेबल ट्रस्ट, बम्बई

संस्थापक-बीकानेर ओसवाल मित्र मण्डल, बम्बई

# P. P. JAIN & CO.

Mfg. Exporters - Importers of Diamonds

901, MEJESTIC SHOPPING CENTRE,

144, Girgaon Road, J. S. Road,

BOMBAY - 400004

Associated Firm :

**DASSANI BROS. BOMBAY**

**PREMSUKHDAS PARATAPMAL**

Sarafa Bazar, BIKANER - 334 001 (Raj.)

Tel. No. : 26034



जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म सघ (श्री श्वेताम्बर जन म्यात्रवासी छ कोटी निम्बडी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजा एवं महान्तियोंजी ममा आदि टाणाआ का भा 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोत्सव मय वातावरण में ज्ञान, दान, चारित्र्य एवं तप की आराधनाओं से आप प्राप्त यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएं करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

# संघरत्न जयवंतभाई मेहता

4, जयराज प्लोट,  
राजकोट-360 001 (गुजरात)

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म सघ (श्री श्वेताम्बर जैन स्थानववासी छ कोटी निम्बडी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजा एवं महान्तियोंजी ममा आदि टाणाओ का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोत्सव मय वातावरण में ज्ञान, दान, चारित्र्य एवं तप की आराधनाओं से आप प्राप्त यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएं करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

# श्री चांपशीभाई मालशीभाई बौवा परिवार

(प्रागपुर-कच्छ)

Tel 437 7516

## SHREE BOOK CENTRE

Distributors of Books Magazines &amp; Comics

9, Himgiri, T H Kataria Marg, Matunga (w), BOMBAY-400 916

जय महावीर

जय अजरामर

## युगपुरुष आचार्य श्री अजरामरजी स्वामी

कभी-कभी मेरे मन में विचार उठता है। काश! इन्सान को तीन आँखें होतीं! इन्सान की दो आँखें होती हैं, वह सिर्फ वर्तमान को देख सकता है। लेकिन अगर पीछे की ओर एक आँख ओर होती तो इन्सान भूत और भविष्य को भी जानने में सक्षम हो जाता। नीतिकारों का कहना है कि इस धरती पर कुछ इन्सान ऐसे हैं, जिनके तीसरा नेत्र भी होता है। लेकिन तीसरा नेत्र उन्हीं सत्पुरुषों के होता है, जो विवेकपूर्ण तप, त्याग और साधना में रत रहते हैं। परम पूज्य जैनआचार्य श्री अजरामरजी स्वामीजी ऐसे ही तीसरे नेत्र वाले धर्मगुरु थे। उन्होंने ज्ञान व क्रिया में सामंजस्य स्थापित किया।

पू. अजरामरजी स्वामी अपनी आत्मा के कल्याण के लिए संसार से विरक्त हुए, लेकिन प्राणी-मात्र का कल्याण भी उनके जीवन का महान लक्ष्य था। वे संयम, तप, त्याग और साधना की प्रतिमूर्ति थे। विवेकवान, निडर और साहसी थे। उन्होंने न केवल कच्छ-गुजरात क्षेत्र ही अपितु देशभर में पादविहार करते हुए मानव समाज को जो शिक्षाएँ दी, वे डेढ़-दो सौ वर्ष पूर्व ही नहीं, आज के युग में भी सार्थक सिद्ध हो रही हैं। उनका उपदेश था, संयम का पालन करते हुए प्रतिफल जागरूक रहो, प्रमाद से विरक्त रहो, धर्म-सिद्धान्तों की वृद्धि करो, विनय व अनुशासन को नहीं भूलो, सौजन्यशील बनो, धर्म की मर्यादाओं का पालन करो, सत्प्रवृत्तियों में लीन रहो, समाज को संस्कारशील बनाओ आदि-आदि।

परम पूज्य आचार्य अजरामरजी स्वामी हमारे बीच न होते हुए भी अपने महान उपदेशों के कारण अजर-अमर हैं। अगर वर्तमान साधु-संत, मुनिगज, साध्वीजी, श्रावक-श्राविकाओं पूज्य स्वामीजी के उपदेशों को स्वीकार कर उनके महान आदर्शों पर चले तो पाप और दुखों का क्षय हो सकता है।

ऐसे महान आचार्य, महान गुरु और महान मानव के गुणों का वखान करने के लिए वृहद शब्दकोश के शब्द भी कम पड़ते हैं। जैन समाजियों को गर्व होना चाहिए कि उन्हें पूज्य अजरामरजी स्वामी जैसे सद्गुरु का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, और उन्हीं के निर्देशित मार्ग पर चलते हुए अनेक साधु-मुनिगज और आर्थिकाजी हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं।

पूज्य आचार्य अजरामरजी स्वामी के 178वें चरमोत्सव (श्रावण (भाद्रपद) कृष्ण-द्वितीय) के अवसर पर शत-शत अभिनन्दन-अभिनन्दन !



—सौजन्य—

फोन - ऑफिस-21631 निवास-21208

नरिच स्वीच गियर्स इन्डस्ट्रीज

प्रो. पंकजकुमार चन्दुलाल कळमादवाला

जीनतान रोड, उद्योगनगर,

सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363001

समी पूज्य आचार्यो एव साधु-साध्वियो को कोटि-कोटि वन्दन

शुभकामनाओ सहित

Tel 343 95 47

# VICKY PURSES

*Whole Sale Dealers in*

**Gents & Ladies Money Purses, Hand Bags,  
Pouches & Complimentry Items Etc.**

31/33, SUTAR CHAWL, GR FLOOR,  
SHOP No. 101, CENTRAL MARKET,

**BOMBAY-400002**



— शुभेच्छुक —

**P. D. SHAH**

**(LAKADIA-KUTCH), BOMBAY**

सभी संत सतियों को कोटि-कोटि वन्दन !

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ :

**OSWAL**

Tel. : 310056 317458

House of Readymade Garments

276, KALBADEVI ROAD,

**Bombay-400 002**

**NANDU**

**FASHION**

Tel. : 6731355

Mfg. High Fashion Shirts

Gala No. 6, Vakil Industrial Estate 2nd Floor,

Walbhat Road, Goregaon (East),

**Bombay-400 063**

**NANDU**

**KNITWEAR**

Tel. : 6143398

Mfg. High Fashion T. Shirts

Devraj Niwas, Gr. Fl. 7th Road, Santacruz (East)

**Bombay-400 055**

**CARNIVAL**

Tel. : 6428237

39, HILL ROAD, BANDRA (East),

**Bombay-400 050**

— शुभेच्छुक —

शंभुलाल रुपसी नंदु

मणीलाल रुपसी नंदु

हरखचंद रुपसी नंदु

अविचल रुपसी नंदु

सभी पूज्य आचार्यों एवं साधु-माध्वियों को कोटि-वोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

फोन नं ३१३ ८४ ८३ / ३४२ ०१ ००

# SONY PLASTICS

*SPECIALIST IN*

COMPLIMENTARY ARTICLES  
(House of Gifts & Novelties)

311, Abdul Rehman Street,

BOMBAY - 400 003



— शुभेच्छुक —

मोतीलाल हीरजी गाला

(मनफरा-कच्छ) बम्बई

जय आनन्द

जय महावीर

जय देवेन्द्र

आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. को शत शतः वन्दन करते हुए आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी म.सा. आदि ठाणाओं का गढ़सिवाणा (राज.) में एवं श्रमण संघीय सलाहकार पं. रत्न श्री मूलचन्दजी म.सा. ठाणा 2 का उज्जैन में 1992 का चातुर्मास ज्ञान दर्शन, चारित्र्य एवं तप की आराधनाओं से परिपूर्ण होने की मंगल कामना करते हुए !

शुभकामनाओं के साथ—

फोन नं. दु.-412116 नि.-412372

## महेन्द्र सैव भण्डार

महेन्द्र के नमकीन

उत्तम सामग्री से निर्मित

विशेषता.—लोग की सेव, रतलामी सेव, खट्टा मीठा मिक्चर, हरे धनिये युक्त चिक्का मिलने का एक मात्र स्थान ।

63, मालगंज चौराहा जवाहर मार्ग, इन्दौर (म.प्र.) 452009



संबन्धित प्रतिष्ठान :

फोन नं.—412372

प्रकाश एण्ड कम्पनी

स्टोन, गिट्टी, मेन्यूफेक्चर एण्ड सेलर

जवाहर टेकरी, धार रोड, इन्दौर (म.प्र.)

महेन्द्र के नमकीन

सपना-संगीता मेनरोड, टॉवर चौराहा, इन्दौर (म.प्र.)



—शुभेच्छुक—

गंगाधर भंवरलाल जैन, इन्दौर (म. प्र.)

सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजा, साध्वियाजी म सा व चरणों म एव जाचाय सञ्जाट पूज्य श्री आनन्द ऋषिजी म सा का वाटि-कोटि वन्दन । आचाय प्रवर श्री दवेन्द्र मुनिजी म सा उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी म सा गदनिवाना, प्रवनक श्री मूयमुनिजी म सा के मुशिष्य प रत्न-श्री रूपद्र मुनिजी म सा प्रवतक श्री उमेश मुनिजी म सा , ठागा 6 छाचरोद, म्व-मालव केशरीजी म सा के मुशिष्य श्रमण मर्षीय प रत्न श्री जीवनमुनिजी म सा ठागा 4 करही, श्रमण सधीय महामत्री श्री माभाग्य मुनिजी कुमुद गावा मरदारगढ, प्रवनक श्री रूपचन्द्रजी म सा बीजाजी कागुडा, ५ रत्न तपस्वी श्री माहन मुनिजी म सा इंदौर मर्षी का 1992 का चातुर्मास, पान, दशन, चारित्र एव तप की आराधनाओं में परिपूर्ण, यशस्वी, चिर स्मरणीय एव ऐतिहासिक बने ऐसी मंगल कामना करते हुए ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन न { दुकान 431282  
निवास 411197

## सियाल ब्रदर्स

कपड़ के थाक व्यापारी

एम टी क्लाय मार्केट, इंदौर (मप्र) 452002



—सम्बोधित कम—

फोन न 430274

## शुभम् टेक्सटाइल्स

पापलोन के थाक व्यापारी

एम टी क्लाय मार्केट, इंदौर (मप्र)



फोन न { दुकान 30241  
निवास 412007

## कमल स्पोर्ट्स

पैन एन प्रिंटेड पोस्टर्स के थाक व्यापारी

50, एम टी क्लाय मार्केट, इंदौर-452002 (मप्र)



— शुभेच्छुक —

सागरमल सियाल नागदा (धार) मप्र फोन 231

सभी पूज्य आचार्यों व संत-सतियों को कोटि-कोटि वन्दन ! आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. ठाणा आदि का गढ़ सिवाना में, महासती डॉ. अर्चनाजी म.सा. ठाणा-4 इन्दौर, महासती श्री शाताकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा शुजालपुर, महासती श्री रमणीक कुंवरजी म.सा. ठाणा 6 इन्दौर एवं आचार्य श्री तुलसी लाड़नू, आचार्य श्री तुलसी के मुशिष्य श्री रविन्द्र मुनिजी म.सा. रतलाम एवं आचार्य श्री तुलसी की मुशिष्या महासती श्री सूरज कुमारीजी म.सा. जगमपुरा इन्दौर में 1992 के चातुर्मास, ज्ञान दर्शन, चारित्र्य एवं तप की आराधनाओं से ओत-प्रोत, सफल, यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनाने की मंगल कामनाओं सहित !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन . ऑफिस—39649, निवास—61743

**शान्तिलाल कर्नावट ❀ श्रीमती इन्द्रा कर्नावट**

50, इन्दिरा गांधी नगर, इन्दौर (म.प्र.)



फोन—नि. : 67480

**हस्तीमल विरेन्द्रकुमार कर्नावट**

102, शिवम् अपार्टमेंट्स वियावानी, इन्दौर-452002



शुभेच्छुक ।

शान्तिलाल कर्नावट, हस्तीमल विरेन्द्रकुमार कर्नावट, कु. ज्योति कर्नावट, कु. चेतना कर्नावट, कु. सपना कर्नावट



॥ जय महावीर ॥

॥ जय अजरामर ॥

टेली-2220

# जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हाईस्कूल

महालक्ष्मी दी भूज इंग्लिश स्कूल ट्रस्ट  
अजरामरजी चौक, होम्पीटल रोड,  
पोस्ट भूज (जिला-कच्छ) गुजरात 370001

श्री भूज इंग्लिश स्कूल ट्रस्ट संचालित हाईस्कूल का नामकरण व उद्घाटन शुभ्रुपा चैंगटेबल ट्रस्ट-रापर (कच्छ) के सौजन्य म 15 जनवरी 1989 व दिन हुआ।

स्कूल ट्रस्ट की स्थापना 1967 म हुई। तब से महापुराण के आजीर्ण म यह प्रगत के पय पर है। 55 शिक्षिका म्हना रा म्हाफ है। गुजराती व टम्बीश माध्यम के डम स्कूल म बालमन्दिर मे कम्पा-10 व कुल मिलाकर 38 वर्ग म 2200 छात्र-छात्राण अध्ययन कर रह है। भूज शहर म यत्न समय बढा सुप्रसिद्ध शिक्षण गस्था है।

## —नम्र अपील—

मुकुट म 24 वनाम-रूम है। तैबिन मुकुट-दुपहर राजाना 38 वनाम बँटाना पटना है। अत 10 नय वनाम रूमएव 3000+1000 बार हजार फीट का विशाल प्रार्थना हान का निर्माण नाय जारी है। 12000 फीट व गाय काम म करीव 20 लाख के खच का जडाज है। जैन उपासितधर श्री अजरामरजी स्वामी के प्रति उदासील शिष्याप्रेमी पाठका म नम्र निवेदन है कि वे अपना महयाय प्रदान कर दादागुरु के प्रति अपनी भक्ति-भावना अवय प्रदर्शिन करें। उनके लिए यह उत्तम अवसर है।

सध्या मे निम्नोक्त शक्षणिक विभाग जारी है।

### 1 जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हाईस्कूल

० निम्नोक्त चार विभागा व साथ पू अजरामरजी स्वामी का नामकरण करने के लिए सौजन्यदाता के रूप म इन दाताओं ने अपने मातबर अनुदान की ओपर प्रदान की है।

2 प्राथमिक गाला (गुजराती)—मठ श्री चुरालाल वेनजी म्हना-माइवी (कच्छ)

3 प्राथमिक स्कूल (टम्बीश)—मठ श्री चुरालाल वेनजी म्हना-माइवी (कच्छ)

4 बालमन्दिर (गुजराती)—मठ श्री गायजी कुवरजी बार-समाधोधा (कच्छ)

5 केजी स्कूल (इंग्लिश)—स्व पदमगो खत्री शाह परिवार-साकडीआ (कच्छ)

० निम्नोक्त विभागा के साथ पू अजरामरजी स्वामी का नामकरण करने के लिए सौजन्यदाता की ओर से अनुदान की ओपर अपेक्षित है।

1 प्राथमिक-होल—(3000+1000=4000 फीट) छ लाख रु का जडाजित खच है। एक एक लाख के कम म कम तीन सौजन्यदाता की अपर अपेक्षित है।

2 लाइब्रेरी—एक लाख व एक सौजन्यदाता की अपेक्षा है।

उपरोक्त अनुदान प्रदान कर अपन स्वजन का तैरचित रखवा सकत है।

3 क्लास रूम—(450 फीट)—अनुदान-30 हजार (10 रूम के लिए 10 दाता चाहिए।)

4 फर्नीचर दाता—रु 15000 व दम दाता अपेक्षित है।

0 उपरोक्त सभी अनुदान-दाताओं के नाम स्वतंत्र शिलालेखों मे मद्धित किये जाएंगे।

जैनान्चार्य अजरामरजी स्कूल कायमी निभाव-फंड  
तिथि योजना

- 0 एक तिथि के 2501/- . पच्चीस सौ एक प्रदान कर अपने स्वजन की स्मृति कायम बनाए रखें। और शिक्षा जैसे पवित्र कार्य में सहयोग प्रदान कर पू. अजरामरजी स्वामी के प्रति अपनी भक्ति-भावना प्रदर्शित करें।
- 0 उपरोक्त चार विभागों का नामकरण एवं प्रार्थना होल और लाइब्रेरी आदि का उद्घाटन-समारोह आगामी नवम्बर माह में आयोजित किया जाएगा।
- 0 चेक या ड्राफ्ट "धी भुज इंग्लीश स्कूल ट्रस्ट" के नाम का भुज की किसी भी बैंक के नाम पर उपरोक्त पते पर भेज सकते हैं।
- 0 वम्बई में सम्पर्क सूत्र — डी टी नीसर (भचाऊ-कच्छ वाले)  
द्वारा क्वालिटी गारमेन्ट, 119-121, जे. शंकर सेठ रोड, गिरगांव, वम्बई-400004 (फोन-357755)
- 0 उदारमना दानदाताओं से सहयोग के लिए हार्दिक प्रार्थना करते हैं।

—निवेदक—

प्रिन्सीपाल  
श्रीमती रमणबाला मोरवीआ

मानद मन्त्री  
डॉ. हिमंत मोरवीआ  
दाँत के सर्जन

अध्यक्ष  
प्रवीणचन्द्र डी. ठक्कर  
एडवोकेट

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म सब ऋथी ज्वेताम्बर जैन स्थानकवासी छ. कोटी लिम्बड़ी सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजो एवं महासतिर्याजी मसा आदि ठाणाओ का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास मय वातावरण मे ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य एवं तप की ओराधनाओ से ओत-प्रोत यशस्वी एवं ऐतिहासिक वनने की मंगल कामनाएं करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

दोशी मनसुखलाल खीमजीभाई

(बोर्ड शाइट)

पो. भचाऊ (कच्छ) 370 140 (गुजरात)

जय महावीर

जय अजरामर

श्री अजरामर धर्म मण (श्री ज्वेनाम्बर जैन स्यान्तवास, छ काटी लिम्बदा मम्पनाय) व सभी पूज्य मुनिराजा एवं महामतियोंजी ममा आदि ठाणाया का मन् 1992 यप वा चातुर्मास हर्षोल्लास मय वातावरण मे ज्ञान, दर्शन, चार्ित्र एवं नप की जागृघनाया मे ओत प्रान यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनने की मगव कामनाएँ करल हए—

**हार्दिक शुभकामनाओं के साथ :**



फोन 357755

**अजरामर जैन युवा संघ—बम्बई**

अध्यक्ष डी.टी. नीसर (भचारु वाला)

**C/o. क्वोलिटो गारमेटन्ट्स**

**119-121, जे शंकर सेठ रोड, मन्त्री बिल्डींग,**

**मेजेस्टिक सिनेमा के सामने, गिरगाम**

**बम्बई-400004 (महाराष्ट्र)**

जय महावीर !

जय अजरामर !!

श्री अजरामर धर्म संघ (श्री श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी छः कोटि निम्बडों सम्प्रदाय) के सभी पूज्य मुनिराजों एवं महामतिशंजी म.मा. आदि ठाणाओं का सन् 1992 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास मय व्रतावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य एवं तप की आराधनाओं में ओत-प्रोत यशस्वी एवं ऐतिहासिक बनने की मंगल कामनाएं करते हुए—

**हार्दिक शुभकामनाओं सहित :**



**संघपति करसन देवराज कारीआ**

(श्री स्व स्थानकवासी छः कोटि जैन संघ)

मु.पो. रव RAV (ता. रापर) जिला भुज-कच्छ

पिन-370165 (गुजरात)

# जैन विश्व भारती, लाडनू (राजस्थान) 341306

(प्राच्य विद्या शिक्षण प्रसिद्धि, पाठ्य, सेवा और साधना का अद्वितीय प्रांतस्थान)  
जैन विश्व भारती की आगमनना व प्रेरणा-प्राप्त है-आशा अनुपाम्ना आतापनी पुनगी

इस सत्या की गलविधियाँ स्थापन हैं।  
सत्या की प्रमुख प्रवृत्तियाँ -

- विभाग-1 (1) जय जिज्ञा विभाग (2) सागरना पंचियाणा (3) जीवन विभाग अकार्थी (4) प्रायश्चित्त विभाग विभाग विमल जिज्ञा विभाग (5) गार्हपत्य-विभाग-मयाय व महत्त्वपूर्ण मर्वातराग मयप्रणाय मय  
पठनीय मय आगम-एव आगमन प्रकाशन  
2 अनकार्थी मय पोट - (1) उद्गमन प्रकाश (2) माय विश्वविद्यालय  
3 नुलमी अध्यात्म नोल्म -माधना विभाग  
4 ममन मयनति मकाय -जैन विद्या पनोभाभा रा नववर्षीय पाठ्यक्रम मय पनाकार पाठमारा का दि-  
वार्षिक पाठ्यक्रम।  
5 मका भावा कल्याण-वन्त्र -आत्म्य एव मका विभाग।

माय विश्वविद्यालय परिचय अंतरम और महिरम -

मन 1970 म न्यायिन जैन विश्व भारती व उद्देशा कायममा एव प्रवृत्तियाँ का मूल्यावन करन हुए  
विश्वविद्यालय अनदान आयाग (यू जी सी) का मनाह पर मगन मयका (मानव समाग्रन मयनय) न दिनाक  
20 माच 1991 का जैन विश्व भारती इन्स्टीट्यूट का माय विश्वविद्यालय (इन्स्टीट्यूट) का रूप म पानिदि विद्या।  
राजस्थान की मयममि व बीच शाहन (OASIS) के ममान हन मर परिमर मे स्थिन यह विश्व-  
विद्यालय जिना नागाय व एव मय लानू का मयाभिधन कर रहा है।

- विश्व विद्यालय के अनुसास्ता -

प्रस्तुत माय विश्वविद्यालय म मयिधारा म "अनुपाम्ना" म का प्रायधान है। विश्वविद्यालय पर नका  
आध्यात्मिक अनुशासन हागा। आशापथी पुनगी मय एव का अनुग्रह कर रहे हैं।  
वतमान म ऐसा काई विश्व विद्यालय नहीं है जहाँ मय माय जै विद्या, शासन, अहिंसा शास्त्र, माय और जीवन  
विज्ञान का प्रशिक्षण एव माय काय चरना है। जैन विद्या म अधुनिव मयमयायी का मयमधान है, इगतिग उमरा  
अध्ययन आनयक है। जैन आगम एव अय विमिष्ट वन प्राशन माया म रचिा है, इगतिग प्राइत का अध्ययन भी अपगित  
है। हिता के ववन बानाकरण म अहिंसा और शास्त्र का माय मा अपगित है। मयुनिना यमिना विभाग के लिए जीवन  
विज्ञान पद्धति का प्रशिक्षण, पाठ्य और प्रयाग अनिवार्य है। एन मयरी कियानिनि व लिए दूरा मयमान की  
अनिवार्य उपपानिता स्पष्ट परिचालन हाती है।

- लक्ष्य और उद्देश्य -

- (1) निम्नलिखित रिपय) म जिज्ञा, प्रशिक्षण, माय, विस्तार एव प्रयाग का प्रायधान है-  
(क) प्राच्य माया एव माहित  
(ख) जैन विद्या एव तुलनतमन धम एव दशन  
(ग) मय, ज्योतिष आयुर्वेद आदि सुप्त प्राय प्राचीन भारतीय विद्याएँ  
(घ) प्राच्य एव पाश्चात्य मनविज्ञान, आयुर्वेद तथा आयुविज्ञान व सन्धम म भारतीय माय एव ध्यान-  
माधना का जीवन विज्ञान एव प्रशिक्षण के रूप म मूल्यावन।  
(ङ) सोमिन इच्छाया के अध्यासत्र के मदम म अपरिग्रह अहिंसा और विश्वशास्त्र।

- (2) मौलिक ग्रन्थों का अध्ययन, सम्पादन, अनुवादन और प्रकाशन।
- (3) आगम कोश, शब्द कोश, विश्वकोश, शब्दसूची, विषयसूची आदि के रूप में प्राच्य विद्याओं के सन्दर्भ-ग्रन्थों का निर्माण एवं प्रकाशन।
- (4) सन्तुलित जीवन-शैली के विकास हेतु आधुनिक विज्ञान के साथ आध्यात्मिक विज्ञान का समन्वयन।
- (5) शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए मानव-समाज की सेवा।

—: पाठ्य विषय एवं विभाग :—

प्रस्तुत विश्वविद्यालय में निम्नांकित विभागों के माध्यम से तत्सम्बन्धी विषयों का प्रशिक्षण एवं शोध कार्य चलेगा—

विभाग	विषय
1. जैन विद्या	जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म एवं दर्शन
2. प्राकृत	प्राकृत और भाषा विज्ञान
3. अहिंसा और शान्ति शोध	अर्थशास्त्र और अहिंसक समाज संरचना
4. जीवन विज्ञान और प्रेक्षाध्यान	जीवन विज्ञान और व्यक्तित्व मनोविज्ञान

उपर्युक्त विषयों में एम.ए. डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों तथा शोध का प्रावधान है। प्रेक्षाध्यान और अहिंसा का प्रशिक्षण पत्येक पाठ्य विषय के साथ अनिवार्य रूप से जोड़ा गया है।

पर्याप्त छात्रवृत्तियों की व्यवस्था है।

श्री वर्धमान वीतराग संघ के सूत्रधार कुशल सेवा मूर्ति पं. रत्न श्री शीतलराजजी म मा आदि ठाणा 3 का 1992 वर्ष का चातुर्मास चौथ का बरवाड़ा (राज) में ज्ञान दर्शन चारित्र एवं तप की आराधनाओं से परिपूर्ण होने की मंगल कामना करते हुए।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—



**समीरमल पवनकुमार जैन**

बलाथ मर्वेन्टस

अलीगढ़—रामपुरा, जिला टोंक (राज.) 304023

जय महावीर !

जय अन्नगर !

श्री अन्नगर धर्म मण्ड (श्री अन्नगर जैन स्थानरवामा छ कोटि निम्नरी मध्मरा) के सभी पूज्य मन्त्रिगण एवं महामन्त्रिगणों मन्त्रा आदि डाकाला का मल 1992 वष का चातुर्मास हर्षोत्सव मय वातावरण म आन, दमन, चारित्र्य एवं तप की आराधना ॥ म आन प्राप्ति मन्त्रों एवं ऐतिहासिक वनों की मगन रामनाए करन हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित—



बृहत् कच्छ

स्थानकवासी छ कोटि जैन लीम्बडी सम्प्रदाय के श्रुतपूर्व सघपति,  
संघरत्न

श्री चुनीलाल बेलजीभाई मेहता

पो. माडवी (कच्छ) 370465 (गुजरात)

(वर्तमान में न्यूयॉर्क-अमरीका)

# हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



जीवन परस्पर सहयोग पर आधारित है। सहयोग और सेवा ही जीवन की सुगन्ध है जिसे सभी धर्मों ने स्वीकार किया है। अपने लिए सभी जीते हैं किन्तु दूसरों के निराशा भरे जीवन में आशा की किरण फैलाना, शिक्षा-चिकित्सा आदि के लिए सहयोग करना मानवीय गुण है।

पूज्य स्व. पिताश्री सागरमलजी एवं पूज्य स्व. मातुश्री रुक्मणीबाई लुंकड़ के द्वारा सेवा और सहयोग की प्रेरणा सदा मिली। अ.भा.स्वे.स्था. जैन कांग्रेस दिल्ली द्वारा 'जीवन प्रकाश' योजना जब प्रारम्भ की और सेवा में जुड़ा तो लगा कि सही और सच्चा कार्य सेवा ही है। मैंने इस शुभ प्रेरणा को अपने परिवार द्वारा स्थायी करने की भावना बनाई जिसके फलस्वरूप पी.एस. लुंकड़ एण्ड सन्स चरिटेबल ट्रस्ट एवं श्रीमती सुलोचना पुखराजमल लुंकड़ चरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सेवा और सहयोग की स्थायी रचनात्मक 'सागर कल्याण योजना' प्रारम्भ कर रहे हैं।

मानव कल्याण की यह योजना चिकित्सा, शिक्षा और विभिन्न प्रकार के सहयोग के लिए है जिसमें धर्म, जाति, सम्प्रदाय के भेदभाव से ऊपर विशुद्ध मानवता के दृष्टिकोण से सहयोग किया जायेगा। हमारे परिवार की यह विनम्र सेवा भावना यदि किसी के दुख दर्द को कम कर सकी, किसी के आसू पोछ कर मुस्कान प्रदान कर सकी तो हमे आत्मानन्द प्राप्त होगा।

विनीत, ट्रस्टी

पी.एस. लुंकड़ एण्ड सन्स  
चरिटेबल ट्रस्ट

श्रीमती सुलोचना पी. लुंकड़ ट्रस्ट

पुखराजमल एस. लुंकड़, श्रीमती सुलोचना पी लुंकड़,  
देवकुमार पी. लुंकड़, राजेन्द्रकुमार पी. लुंकड़



उत्तर भारतीय प्रवर्तक भण्डारी श्री पद्मचन्द्रजी महाराज के  
होरक जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य पर शीघ्र प्रकाशमान

2500 वर्ष के इतिहास में पहली बार एक मनमोहक प्रकाशन

भगवान महावीर की अन्तिम वाणी

उत्तराध्ययन सूत्र

का रंगीन चित्रमय भण्य प्रकाशन

## सचित्र उत्तराध्ययन सूत्र

उत्तराध्ययन सूत्र के कथानक, दृष्टांत, रूपक, उपमा आदि के भाव को अत्यंत कुशलता के साथ भागीदारों  
स्वरूप में अभिव्यक्त करने वाले बहुमूल्य मनमोहक 48 चित्र एवं अनवरत रंगे रेखाचित्र। मूल गायार्ण, हिन्दू  
एवं अंग्रेजी अनुवाद तथा विषय को स्पष्ट करने वाले उपाध्याय और विशेष स्पष्टीकरण। सम्पूर्ण सूत्र दो रंगी छपाई में।

सम्पादक उप प्रवर्तक श्री अमर मुनि

मह सम्पादक श्रीचन्द मुराना 'सरत'

प्रकाशक आत्मज्ञान पीठ, मानसा मंडी (पंजाब)

मूल्य 351/- रुपये मात्र

उत्तराध्ययन सूत्र का इतिहास, तुलनात्मक अध्ययन तथा  
मूल सूत्र में संकेतित उत्तराध्ययन की व्यापक, वर्गीकृत विवेचन आदि

## उत्तराध्ययन महिमा

सम्पादक श्री सुप्रभा मुनि

मूल्य 51/- रुपये मात्र

दोनों पुस्तकें सप्तसती वर्ष तक प्रकाशित होने की प्रतीक्षा करें।

अग्रिम बुकिंग के लिए इन्फो तथा एम ओ भेजने का पता

दिवाकर प्रकाशन

ए-7, अवागड़ हाउस, अजना सिनेमा के सामने,  
एम जी रोड, आगरा-282 002 दूरभाष 68328

With Best Compliments From :

# WE HAVE RANGE OF Products

We all...Men, Machines and Management of Jain Group of Industries  
Synchronized to produce high quality, diverse range of  
products to suit Indian and overseas requirements.

- Refined Papain (I. P.), ◦ Regid PVC Pipes, ◦ PVC Fittings, PVC Footvalve
- PVC Windows, ◦ Ribloc Pipes, ◦ Micro Irrigation, Systems,
- Industrial Transformers ◦ Engineering & Toolroom

## JAIN GROUP OF INDUSTRIES

Jain Industrial Complex, Jain Pipe Nagar, P. O. Box 20 JALGAON 425 001 (M S),  
Tlx - 753 201 Jain In, Fax - 257-4602.

### PLANTS :

Jalgaon (MS) (257-3132, 4603) Bambhori (MS) (257-6906/6515)  
Sendhwa (M.P.) (321-5 Lines), Gummidipoondi (TN) (4121-2214),  
Thane (MS) (022-593547-3 Lines)

### OFFICE ;

New York (212-696-1393), Bombay (022-2620011, Delhi (011-6833875),  
Madras (044-613812), Calcutta (033-264447), Pune (212-340555),  
Indore (731-36202), Ahmedabad (272-77920), Bangalore (812-577181),  
Amrawati (721-4737), Nasik (253-73718), Nagar (241-5780),  
Sangli (245-5497), Nanded (2462-25558), Jabalpur (761-24467).

श्रमण सभ के मधुर व्याख्यानी प रत्न श्री रोगनलानजी मू मा आदि ठाणाओ (2) वा हरमाडा (अजमेर राज) मे सन् 1992 वा चातुर्मास जान दशन चारित्र्य एव तप की आराधनाओं मे यशस्वी एतिहासिक बनने की मंगल कामनाएँ करते हुए—

**हार्दिक शुभकामनाओं सहित :**

**धर्मोचंद गौतमचंद मेहता**

मू पो हरमाडा बापा भदनगज विगतगठ  
जिला अजमेर (राज)

— शुभेच्छुक —

**गौतमचन्द मेहता**

**C/o मेसर्स : रा. कमल राउ कम्पनी**

626 पचखल, आपरा, हाउस, रम्बर्ड-400 004 (महा.)

फोन 3628825

नम्र निवेदन—सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से नम्र निवेदन है कि आप सभी अधिक से अधिक सख्या में हरमाडा पधार कर गुरुदेवों के दर्शना वा लाभ लेकर हमें सेवा वा अवसर अवश्य प्रदान करने की कृपा करें।

हरमाडा पहुँचने के साधन—भदनगज से हर समय एव अजमेर, विजयनगर, जयपुर, आदि, स्थानों से समय समय पर बसे उपलब्ध मिलती है। भदनगज से समीप पड़ता है।

जय महावीर

जय अजरामर

# चौक नामकरण भव्य समारोह



भुज (कच्छ) के सुप्रसिद्ध जैनचार्य श्री अजरामरजी स्कूल संकुल के पास चार रास्ता चौक को "जैनचार्य अजरामरजी चौक" नाम देने के लिए दिनांक 26-4-92, रविवार को नामाभिधान समारोह लिम्बड़ी सम्प्रदाय के पूज्य गादीपति श्री नृसिंह मुनिजी म.सा. की पावन मंगल निश्चा में आयोजित किया गया। इस प्रसंग पर समुपस्थित गुजरात राज्य के आरोग्य मंत्री श्री बाबूभाई वासणवाला, धारा सम्य श्री ताराचंद भाई छेड़ा, स्कूल के ट्रस्टी श्री ए. डी. मेहता व भुज (कच्छ) छ. कोटि जैन संघ के अध्यक्ष श्री वनेचंद भाई मीरवीआ चित्र में दिखाई दे रहे हैं (चित्र उसी अवसर का)।

नोट:—चौक संकुल का निर्माण:—चौक संकुल 25'—25' एरिया में ससपूर्ण संगमरमर-मार्बल का संकुल मांडवी कच्छ छ. कोटि जैन संघ के भूतपूर्व संधपति संधरत्न सेठ श्री चन्नीलाल वेलजीभाई मेहता (यूयार्क-अमेरिका) के सौजन्य से बनाया गया है।

## हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन : निवास 21382

## एडवोकेट प्रवीणचन्द्र डी. ठक्कर

अध्यक्ष—जैनचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हार्डस्कूल भुज-कच्छ 370 001 (गुजरात)

सभी पूज्य आचार्यों, साधु-साध्वियों को कोटि-कोटि वन्दन  
 हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Tel 350239  
 3884658  
 358861

## Goodluck Provision Stores VENEET STORES

159/161, Khetwadi Main Road,  
 Nanu Bhai Desai Road,  
 Opp. Cinema Restaurant,  
 Bombay-400004

रमणिकलाल प्रेमजी देड़िया

न्यू समीर बिल्डिंग, 193/95 खेतवाडी वेव रोड, 13 लेन, 4 माला, ब्लॉक 13 मुंबई-400004  
 फोन नं. - 3880215



- ★ स्व पाचीबेन प्रेमजी देड़िया (भचाऊ)
- ★ रमणिकलाल प्रेमजी देड़िया (भचाऊ)
- ★ लालजी वीरजी देड़िया (भचाऊ)
- ★ शातीलाल डी शाह (गुन्दावा)

जय महावीर

जय अजरामर

## भव्य उद्घाटन



भुज-कच्छ के सुप्रसिद्ध जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्कूल-संकुल के पास चार रास्ता चौक को "जैनाचार्य अजरामरजी चौक" नाम दिनांक 26-4-92, रविवार को प्रदान किया गया। लिम्बड़ी सम्प्रदाय के पूज्य गादीपति श्री नृसिंह मुनिजी मसा. की पावन शुभ निश्रा में आयोजित समारोह के दौरान गुजरात प्रान्त के आरोग्य मंत्री श्री बाबूभाई वासणवाला ने उद्घाटन किया। उस समय धारा सम्य श्री ताराचन्दगभाई छेड़ा, स्कूल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री प्रवीण भाई ठक्कर, सचिव डॉ. हिम्मतभाई मोरबीआ, श्री ए.डी. मेहता आदि महानुभाव उपस्थित हैं। (चित्र उसी अवसर का)।

नोट:-चौक संकुल:-25'--25' एरिया में पूरे संगमरमर मार्बल का मांडवी (कच्छ) छ. कोटि जैन संघ के भूतपूर्व संघपति सेठ श्री चुन्नीलाल वेलजी भाई-मेहता के सौजन्य से बनाया गया है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

**डॉ. हिम्मत भाई मोरबीआ**

मानद सचिव

जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी हाईस्कूल

अजरामरजी चौक, भुज-कच्छ (गुजरात) 370 001

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

महाराष्ट्र की पावन भूमि की पुण्यवती

पूना शहर की पावन धरा पर

अवभूत !

अद्वितीय !

अलौकिक !!!

साकार लेता नूतन तीर्थ

श्री शत्रुंजय महातीर्थ

एक परिचय

शाम्बना श्री शत्रुंजय तीर्थ का नाम लन मात्र न अनन्त पुण्य का लाभ मिलता है, जिसकी महिमा श्री मिमघ्न परमात्मा ने श्री ईश्वर भगवान के समूह अपने मुखारविन्द में की थी। सौराष्ट्र की धरती ऊपर यह तीर्थ शामायमान है, उर्मी तरह महाराष्ट्र की धरती के ऊपर भी नूतन शत्रुंजय तीर्थ का निर्माण हो रहा है। जिनके दशन करने से शायबता शत्रुंजय महातीर्थ की याद आये जिना नहीं रहे मवर्तते। ऐसा अवभूत, अद्वितीय, अलौकिक भक्तामर मंदिर के साथ शत्रुंजय तीर्थ के निर्माण की याचना बना रहे हैं। यह तीर्थ शत्रुंजय टेम्पल ट्रस्ट के द्वारा एवं परम पूज्य चाकण तीर्थीद्वारक आचार्य देवश्री यशोधर मूर्गेश्वरजी मना आदि ठाणाओं के मांग दशन, प्रेरणा एवं आशीर्वाद से ही साकार रूप ग्रहण कर रही है। बंगलौर, सोलापुर, बंगलौर हाईवे ऊपर पूना सनारा कोठवा हाईवे रोड के पास यह नूतन तीर्थ बन रहा है। इस तीर्थ के आस-पास 1200 जैन घरों का बसाने की योजना है। अतः ऐसे अद्वितीय तीर्थ में प्रत्येक भाम्यशाली महानुभावों को लाभ लेने की नम्र विनती है।

इस नवनिर्मित तीर्थ की योजना निम्नलिखित तरह में है। जो भी भाम्यशाली इस योजना में भाग लेता चाहे वह पूना गोडीजी टेम्पल ट्रस्ट फान न-444767 पर सम्पर्क कर सकत है।

नूतन शत्रुंजय तीर्थ में लाभ लेने की शुक्रवती योजनाएं

परिकर के साथ चीमुपजी प्रतिमा भराने की राशि (नक़्का)

- |   |            |
|---|------------|
| 1 मून नायक श्री नूतन शत्रुंजय तीर्थीधिपति श्री आदिनाथ भगवान   | र 3,51,111 |
| 2 मनमाह्व महामहिमावत श्री महावीर स्वामी भगवान   | र 2,51,111 |
| 3 सचल शांति मुखकर शांतिदायक श्री शांतिनाथ भगवान   | र 2,51,111 |
| 4 जगज्य आत्मनाथ अनन्त मुखदायक श्री अभिनव दत्त स्वामी भगवान  | र 2,51,111 |
| 5 पुण्यवता लक्ष्मी ग्रहण करता देरासर पद्मी ऊपर नाम अन्वित करने  | र 1,51,111 |
| 6 अनन्तलब्धि निधान श्री गुरु गौतम स्वामी भगवान  | र 2,51,111 |
| 7 आराधना साधना में लीन ऐसे पूज्य साधु भगवता का उपास्य के ऊपर नाम अन्वित करने<br>(आदेश प्राप्त हो चुका है) | र 3,51,111 |
| 8 तप जप तान ध्यान में लीन पूज्य साध्वीजी का उपास्य के ऊपर नाम अन्वित करने<br>(आदेश प्राप्त हो चुका है)    | र 2,51,111 |

9. परमात्मा की वाणी सुनने हेतु व्याख्यान हाल के ऊपर नाम अंकित करने	रु. 3,51,111
10. व्याख्यान हाल के अंदर नाम अंकित करने का	रु. 2,51,111
11. तन की तंदरुस्ती रखने हेतु भोजनशाला के मकान ऊपर नाम अंकित करने हेतु	रु. 5,51,111
12. भोजनालय के अन्दर नाम अंकित करने हेतु	रु. 3,51,111
13. तन को आराम पहुँचाने वाली धर्मशाला, अतिथिगृह, 24 रुम जिसमे एक रुम के ऊपर नाम अंकित करना	रु. 51,111
14. भव्य भाव के हृदय आह्लाद प्रदान करने वाला भक्तामर महास्त्रोत का 44 गाथाओं का 44 आरस के चित्र पट के लिए एक चित्रपट की राशि	रु. 21,111
15. अद्भूत मंत्र वेत्ता चमत्कारिक दिव्य महापुरुष श्रीमान तुगा सूरेश्वरजी म.सा. की मूर्ति पधाराने की राशि (नकरा)	रु. 2,51,111
16. पूज्य अप्रतिम प्रतिभाशाली आचार्य श्री सुरेन्द्र सूरेश्वरजी म.सा. की मूर्ति पधाराने की राशि (नकरा)	रु. 2,11,111
17. शत्रुजय तीर्थ के आजीवन संरक्षक बनने का शुल्क (नकरा)	रु. 5,555
18. धर्मशाला ऊपर मुख्य नाम प्रदान करने का लक्की ड्रा टिकिट	रु. 1,111

जैन शासन रक्षक, तीर्थ रक्षक, धर्म रक्षक, श्री आधिष्ठायक देवों की मूर्ति भराने का नकरा

1. श्री मणिभद्रवीर	रु. 1,51,111	6. श्री सरस्वतीदेवी	रु. 1,51,111
2. श्री नाकोडा भैरवजी	रु. 1,51,111	7. श्री अंबिकादेवी	रु. 1,51,111
3. श्री घंटा कर्णवीर	रु. 1,51,111	8. श्री लक्ष्मीदेवी	रु. 1,51,111
4. श्री चक्रेश्वरी देवी	रु. 1,51,111	9. श्री भोमियाजी देव	रु. 1,51,111
5. श्री पद्मावती देवी	रु. 1,51,111		

(आदेश प्राप्त हो गया है)

—निवेदक—

श्री शत्रुजय टेम्पल ट्रस्ट, ट्रस्टीगण

सभी पूज्य आचार्यों, साधु-साध्वियों को कोटि-कोटि वन्दन  
हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

**PADAMCHAND D. NAHAR**  
**JEWELLERS**

**134, Bhawani Peth, Subhash Chowk,**  
**JALGAON-425001**

Phone : Resi.—6547



शामन सम्राट, महा तपस्वी, राष्ट्रसत् भाग्य दिवाकर कलिवाले अचलगच्छाधिपति  
आचार्य प्रवर स्व श्री गुण नागर सूरेश्वरजी म सा को कोटि-कोटि वन्दन ।

एव

साहित्य दिवाकर, राजस्थान दीप आचार्य प्रवर श्री कृष्णप्रभ सूरेश्वरजी म सा  
आदि ठाणाओ (8) का चिचवन्दर बम्बई में सन् 1992 का चातुर्मास  
सानद सौत्ताम सम्पन्न होने की मंगल कामनाए करते हुए—



हार्दिक शुभकामनाओ सहित :

**श्री कच्छी वीसा ओसवाल**

**जैन महाजन वाड़ी**

**99/101, न्यू चिच वंदर रोड,**

**केशवजी नाथक रोड, (मांडवी.)**

**बम्बई-400 009 (महा.)**

आचार्य सभ्राट श्री आनन्दकृपिजी म.सा. को शतःशत वन्दन ! 'तृतीय पट्टधर आचार्य प्रवर श्री पं. रत्न श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. उपाध्याय पं. रत्न श्री पुष्कर मुनिजी म.सा. आदि ठाणा का गढ़सिवाजी, आगम अनुयोग प्रवर्तक प. रत्न आगम रत्नाकर पूज्य गुरुदेव श्री कन्हैयालालजी म.सा. "कमल" आदि ठाणाओं सूरसागर जोधपुर एवं श्री तिलोक मुनिजी म.सा. का माऊण्ट आबू का 1992 का चातुर्मास पूर्ण होने एवं गुरुदेव के स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



फोन 34826

आफिस-34826

निवास-35451

**कुन्दनमल मूलचन्द साकरिया**

(साण्डेराव वाले)

**पी. के. प्लास्टिकस**

प्लास्टिक सामान के थोक विक्रेता एवं वितरक—

5, खातीपुरा (जेल रोड), इन्दौर-452001 (म.प्र.)

मध्यप्रदेश के वितरक.

मारवल प्लास्टिक प्रा. लि.

ब्राइट ब्रदर्स लिमिटेड

कूलकिंग आईस बॉक्स

सभी पूज्य आचार्यों एवं सत्त-सत्तियों  
को कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

**श्री वर्धमान स्थानकवासी**  
**जैन श्रावक संघ,**  
**जयपुर**

लाल भवन, चौड़ा रास्ता,  
जयपुर-302003 (राज)

सभी पूज्य आचार्यों, माधुसाध्वियों को  
कोटि-कोटि वन्दन

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

फोन 75221

**श्री लक्ष्मी क्लोथ सेंटर**  
कपड़े के व्यापारी

905/1 बाहर पट्टी, (रविवार बारजा के पास)  
नामिक गिटी-422001 (महाराष्ट्र)

शुभेष्टद्वय—

लक्ष्मीचंद जयकुमार विजयकुमार ब्रह्मोबा  
नामिक गिटी

जय आनंद

जय गुरु मिर्या

जय देवेन्द्र

श्रमण मधीय प्रवचक श्री रूपचंदजी भभा 'रजन', श्रमण मधीय महाह्वार उपप्रवचक श्री सुवन मुनिजी  
मसा आदि टाशाभावा जीजाजी का गुडा (राज) मसन 1992 का चातुर्मास सान्नागमय बानावरण  
मे मान्य पूवक सम्पन्न हान की भमल बामनाए करेले हुए !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

**श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ**  
**जैन स्थानक,**  
मु. पो. बीजाजी का गुडा  
वाया बगडी शहर जिला पाली (राजस्थान)

# णाणं नरस्स सारो !

मनुष्य जीवन का सार ज्ञान है ।

अपने जीवन के मूल्यवान समय को प्रमाद में नष्ट न करें ।

संकल्प करें—

मैं प्रतिदिन कम से कम एक घंटा अवश्य स्वाध्याय करूंगा !

## सुरुचिपूर्ण ललित साहित्य

(स्तोत्र साहित्य)

भक्तामर स्तोत्र (भाषा पद्यानुवाद  
भावार्थ सहित)

—मुनि रामकृष्ण

कल्याण मंदिर स्तोत्र (भाषा  
पद्यानुवाद, भावार्थ सहित)

चिन्तामणि पार्श्वनाथ स्तोत्र (भाषा  
पद्यानुवाद, भावार्थ सहित)

वीर-स्तुति (भाषा पद्यानुवाद,  
भावार्थ सहित)

उपासना (स्वाध्याय-संकलन)

(काव्य)

मन्दाकिनी

ऋतुम्भरा

(जीवन-चरित्र)

भगवान् पार्श्वनाथ

विश्ववन्ध महावीर

महाप्राण मुनि मायाराम

महावीर का बेटा

तपकेसरी श्री केसरीसिंह महाराज

अद्भुत तपस्वी

अनहद मे अनुगुजित आचार्य

श्रमण धर्म के मुकुट

योगिराज श्री रामजीलालजी महाराज

प्रजापुरुषोत्तम मुनि रामकृष्ण

(अभिनन्दन ग्रन्थ)

—सुभद्र मुनि

” ”

” ”

” ”

” ”

” ”

” ”

” ”

(कथा साहित्य)

गुरुदेव योगिराज की कहानियाँ

गुरुदेव योगिराज की बोधकथाएँ

महामन्त्र नमोकार के चमत्कार

धर्म नाव के बाल यात्री

धार्मिक कहानियाँ

गुरुदेव योगिराज के देशना-स्वर

—0—

प्राप्ति स्थल :

मुनि मायाराम स्मारक प्रकाशन

के.डी. ब्लाक,

प्रीतमपुरा, दिल्ली-110034

ट्रस्ट रजि न बकाई/143

करमुक्तन H Q 11/P 33-212/89-90

## बनासकांठा जिला सहायक फण्ड ट्रस्ट

मनेजिंग ट्रस्टी श्री बहेयालाल दुलभराम भणमाली,  
प्रधान कार्यालय—जीवन विहार 2 भागा, ऑफिस नं. 4, गेयर बाजार के सामने,  
—फोर्ट, बम्बई 400023 (महाराष्ट्र) फोन—291310-3073686  
शाखा कार्यालय—श्री पोपटलाल जोगी (कायालय मंत्री) मम्बर सावायटी, मन्तरागन के पास,  
पावनपुर-395001 (गुजरात) फोन—2906

### जीवन की क्षण भंगुरता समक्ष "हाथों से साथे"

न मालूम यह शरीर कहां और कब समाप्त हो जाये, वन जाये, किसी को भी मालूम नहीं है, आज अभी है आर आज ही कुछ वर के बाद या कल यह शरीर इस दुनिया में रहेगा या नहीं, किसी का पता नहीं है यह जीवन, पानी के बूँदों के समान क्षणभंगुर है। यह मेरा मेरा करते-करते धन के पीछे दिवने रहने वाले एक दिन खाली हाथ चले जाएंगे। गेयर बाजार के बोमाडा, जैको में बोमाडा, पाप लानाजो, करोड़ों रुपये के बगला, कारो, एयरकंडीशनन रहने वाले, धन के त्विने होकर एकाग्रता करने वाले आखिर सभी को एक दिन खाली हाथ जाना है। आखिर आपन कभी यह सोचा है कि हमारा वन क्या होगा। पाप के पीछे की, यह क्षण-भंगुरता। जीवन का सुखी बनाने के लिए पुण्य के नाथ की ओर विचार करा, हमारे व दुखों में सहभागी बनकर मायक जीवन जीना। एक दिन यहाँ का मारा एकाग्रता, ईश्वर-मुख राधा-नारायण की पूजा छोड़कर सभी को खाली हाथ जाना है। जीवन की क्षण भंगुरता का समन्वय।

पुण्य आत्माओं के साथ पर चलना सीखो। "नरवीर भामोसाह" जैन, बनकर कदम उठावो। नर रत्नकण" जैन दानवीरों के पावन चरण चिह्नों पर चरण का निचार कर पुण्यवत बनने के लिए अपनी दान गंगा का बहावा एव परभव का लाभ बमाओ।

बनासकांठा जिला सहायक फण्ड ट्रस्ट भी परापूर्वक के कई कार्य कर सवा में तत्पर है। कुछ भावी योजनाएँ इस प्रकार हैं।

### ट्रस्ट की सेवाकीय प्रवृत्तियाँ

#### 25 जल प्रपा गृह निर्माण कार्य—एक सकल

111 जलपान धामा का निम्न मजान का सव-पूण होने जा रहा है। इसके पश्चात जिले में 25 आरस व अनाई जल प्रपा गृहा के उन्नान का समाप्ता है। त्रम्बद के एक उदारदिल जवैरी अथ श्री पालनपुर म गाँव मात जल प्रपा गृहा बनाने की इच्छा है। जनहिताथ पालनपुर नगरपालिका इस कार्य के लिए जमीन एवं अन्य सुविधाएँ भी प्रदान कर रही है। एक विर स्थायी रमणीय जल प्रपा गृह का खचा सभी के जन प्रपा गृहों के बराबर एक जैसा आवेगा। इस दिशा में हम कार्य कर रहे हैं।

कबूतर दत्तक लो, अनुकृपा धर्म बजाओ।

आय सञ्चति एव जैन परम्परा में कबूतरों का स्थान उनकी भावनात्मक स्थापत्य एवं अनुकृपा की पीठ सुषी के कारण अग्रिम है। 15-1-1987 म ममयाणो जैनतीय में कबूतरों की दत्तक लेकर यह प्रवृत्ति प्रारम्भ की गयी। उस समय लगभग 50 कबूतर दत्तक लिये थे। इस पश्चात इस प्रवृत्ति में काफी अच्छी प्रगति की एवं सम्पूर्ण बनासकांठा जिले में वतमान में लगभग दो हजार कबूतर दत्तक लिये हुए हैं। सुविधानुसार कबूतर दत्तक लिये जात हैं। प्रत्येक कबूतर को प्रतिदिन तीन चित्रों चना दानन की मुख्यवस्था है, स्थानीय तीन व्यक्तियों की कमटी इस कार्य की देखरेख करती है। इस वर्ष 2-50 लाख रुपये का चना डाला गया है।

आपका ईश्वर ने बहुत ही सुंदर रिडि मिडि प्रदान की है उसमें म आप जा जीवदया म कुछ खर्चा कराये तो वह मानवता दयाधर्म के बहुमूल्य फल खिन उठेंगे।

#### 111 जलपान धाम चिरेस्थायी स्मारक—रुपये 8500/-

उत्तर गुजरात के नितन ही गाँवा में अबोध पशुओं के लिए निमल पानी, हवा उपलब्ध नहीं है, मुख्यतया पिछड़े हुए आदिवासी विस्तारा म पशु-पक्षी पीन व पानी के लिए इधर-उधर भटकते फिरते हैं। गुजरात-गच्छ एवं सोराष्ट्र में लगभग 500 जितनी पाजरापाल बने हैं। उनमें से जितनी ही पाजरापोला के लिए पर्याप्त सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। हमने यह प्रवृत्ति विगत पाँच वर्ष पूर्व प्रारम्भ की थी।

65 जलपान धामों का कार्य पूर्ण हो चुका है। गुजरात प्रान्त के दाता तालूका के आदिवासियों के इलाके में भी बहुत ही अथाग मेहनत करके बहुत ही गहरे पानी के 29 जलपान धाम का निर्माण कार्य किया है। वहाँ के स्थानीय व्यक्तियों की एक समिति भी गठित की गयी जो वहाँ की समुचित व्यवस्था की देखरेख करे। जिसका संचालन ग्राम की किसी नियमित संस्था या ग्राम पंचायत के सुपुर्द की गयी। इन जलपान धामों के निर्माणकर्ता का नाम फोटो भी लगाया जाता है।

— सैकड़ों वर्षों तक टिके रहने वाले बढ़िया सीमेन्ट पत्थर एवं लोहे से निर्मित इन जलपान धामों का कार्य हमारे पालनपुर शाखा कार्यालय की देखरेख में ही होता है। हमारी कार्यकारिणी एकदम स्वच्छ है। हिसाब-किताब भी सही रखा जाता है। इनको कोई भी दानदाता आकर कभी भी देख सकता है। हमारे इन निर्माणाधीन जलपान गृहों के द्वारा वर्तमान में हजारों लाखों पशु अपनी प्यास बुझाकर तृप्त होते हैं।

— आगामी वर्षों में 111 जलपान धाम बनाने का हमारा उद्देश्य है। इसे पूर्ण करने के लिए हम पूर्ण रूप से प्रयत्नशील हैं। आपसे विनम्र निवेदन है कि निम्नलिखित प्रसंगों को चिर-स्मरणीय बनाने के लिए इन जलपान धामों में अपना सहयोग प्रदान कर पुण्योर्पाजन का लाभ प्राप्त करें।

#### जलपान धामों के स्थायी स्मारक

जीवन में एक अधिक प्रसंग को चिरस्थायी रखने हेतु जलपान धामों में अपना योगदान प्रदान करें।

- (1) सिद्धी तप, अट्टाई, 16 उपवास या मास खमण के कठिन तप की स्मृति में।
  - (2) जीवन के किसी एक श्रेष्ठ प्रसंग की स्मृति में।
  - (4) दाम्पत्य जीवन प्रवेश दिवस की खुशी की स्मृति में।
  - (5) लग्न जीवन—रजत जयन्ती, वर्ष समारोह के उपलक्ष्य में।
  - (6) व्यापारिक क्षेत्र की दशाब्दि-विदशाब्दि, रजत-स्वर्ण महोत्सव की स्मृति में।
  - (7) स्नेहीजनों के जन्म-वेहावसान की स्मृति में।
  - (8) देव-देवियों की रोहनी स्तुति स्वरूप में।
- प्याऊ-परबों चालू करो—पुण्य कमाओ

छः दम्यकाओं से हमारे द्वारा की जा रही लोकांसेवा की प्रवृत्तियों का मुख्य केन्द्र बनासकांठा जिला ही है।

बनासकांठा मतलब बहता हुआ रेतीला क्षेत्र एवं बनासकांठा मतलब पानी की कमी का क्षेत्र और उन क्षेत्रों में प्याऊ-परब का होना मतलब अमृत तुल्य।

पानी मतलब जीवन—हमारे द्वारा रोजाना हजारों-लाखों प्यासे यात्रियों की शीतल जल के द्वारा प्याम बुझाकर संतोष प्राप्त करने हेतु प्रतिवर्ष लगभग 250 स्थानों पर प्याऊ-परब बैठाने का प्रबंध किया जाता है। तीर्थस्थलों, धर्मशालाओं, रुग्णालयों, एस.टी. स्टैंड या जहाँ आवागमन अधिक रहता है वहाँ पर वारह महीने ही जनहितार्थ जनसेवार्थ प्याऊ-परब बैठाने का कार्य किया जाता है।

- (2) शंखेश्वर जैन महातीर्थ में शुद्ध मीठे पानी की दो प्याऊ-परब वारह महीने ही चालू रहती है। एक प्याऊ-परब का वार्षिक खर्च 5,000/- (पाँच हजार रुपये) है।
- (2) भारत के प्रसिद्ध श्री अम्बाजी तीर्थ धाम में वारह महीने ही लगभग दस-प्याऊ-परब चालू रहती है। एक प्याऊ-परब का वार्षिक खर्च 2,500/- है।
- (3) कच्छ प्रदेश के रण क्षेत्रों में लगभग पन्द्रह प्याऊ-परब चालू है। एक परब-प्याऊ का रुपये 2,000/- है।
- (4) वस स्टैंड या हॉस्पिटल के पास एक प्याऊ-परब को चलाने का 1,500 है। लगभग 50 प्याऊ लगी हुई है।

सम्पूर्ण भारत में यही एक मात्र ऐसी संस्था है जहाँ विगत 50 से भी अधिक वर्षों से इतनी अधिक मात्रा में ऐसी प्रवृत्ति चल रही है। मार्च 1992 तक के पूरे हिसाब ऑडिट हो चुके हैं। सभी दानदाता पालनपुर के कार्यालय में पते पर देख सकते हैं।

जिसकी स्मृति में यह प्याऊ-परब चालू की जाती है उसका नाम व गाँव-शहर का नाम बोर्ड पर तख्ती में लिखा जाता है। प्याऊ के स्थल एवं प्रवृत्ति की जानकारी दानदाताओं को सूचित कर दी जाती है।

निवेदक ट्रस्टीगण—

# कृषी गो सेवा ट्रस्ट

फोन-पी पी 71450

पचवटी-नाशिक 422 003 (महाराष्ट्र)

ट्रस्ट रजि न ड 539 नाशिक दि 7-1-1989

(इन-रजिस्ट्रेशन फी नः NSK/TECH/80-G/88 89/141-W E F 20-1-89)

विद्युत बोर्डि द्वार टले वाछित फले तत्वात् । गो सेवा सेवे सदा तम पर भगत मात ॥

-0 आपिम 0-

शेठ इंगरसी नागजी ट्रस्ट, तपोवन, वृद्धाश्रम, पचवटी नाशिक-422003

फोन 76388

हम चाहिए ।

हम चाहिए ।।

हम चाहिए ।।।

मूक, निःसहाय, वंशारिस्त, दर्द से अजिन जीवो के पुनर्वसन हेतु ।

नाशिक शहर में जीवदया कार्यालय के लिए मध्यवर्ती जगह

आपका आशीर्वाद, सहयोग, एवं सहभाग अनिवार्य, अनुमोदनीय एवं अभिन्नानीय है ।

आपकी संपत्ति (आधिक-अनुदान-जगह आदि) आपकी मर्माति (आशीर्वाद)

आपकी सतति (कायकलात्मक) उपरोक्त तीनों के समग्र संयोग में स्वप्न पूरा होगा ।

एवं अतिशय, आत्मा प्रेरणादायी नाशिक का आभारण निम्न हेतुनाल

जीवदया मंदिर का पशु-पक्षी पुनर्वसन केन्द्र (गो सबन)

जीवदया ।

-0 नम्र निवेदन 0-

जीवदया ।।

कृषि गो सेवा ट्रस्ट की ओर में मन्ना दाताआ म नम्र निवेदन करते हैं कि, "गाय...हमार भारत" वष की माता है एवं कृषियोग की सजनकर्ता है। हम सभी की बहु रक्षणकर्ता है। गुरुदेव, गुरुदेव एवं सभी ग्रंथों में गाय का अत्यंत साधारण महत्व विषद किया गया है। "गो दान" का सभी दानों में सर्वश्रेष्ठ समझा जाता है।

हम जीवदया के उदात्त हेतु में बर्माईयो में मुक्त कराई गई गायें, बंस, बछड़ों का पालन कर उनके रक्षा का काम ट्रस्ट की ओर से करते हैं। गो-मदन निमाण हेतु दानेश्वर श्रीमती बनारसीनाई लक्ष्मीनारायण इंदानी, नाशिक, इन्होंने पचवटी में बड़ी कीमती 2 एकड़ जमीन सत्त्या को दान में दी है। सत्त्या उनकी हमेशा खुशी रहेगी। आप भी इस सत्ता में पर्याचित दान देकर शामिल हो सकते हैं एवं पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। ट्रस्ट आज नाशिक शहर की सर्वोत्तम आदर्श सेवाभावी सत्त्या मानी जाती है। आपका सहयोग पर सत्त्या का भवितव्य निरभर है। सभी हिंदू, मिश्र, जैन भाईयो तथा जैन माताआ में हम नम्रनामस्कृत प्रार्थना करते हैं कि आप अपना मन पूर्वक सहयोग देन की कृपा करें क्योंकि यह धार्मिक काय आप जैन भाईयो के और बहना के महायत्ता से ही चल रहा है। तथा आपने सहयोग से ही इस कार्य की वृद्धि हो मनेगी।

## दान का विवरण

(1) गो दान माता के लिये 5001 रुपये

(3) एक बैल के लिये 2501 रुपये

(2) एक बछड़े के लिये 3501 रुपये

(4) कायम तिथि के लिये 1111 रुपये

उपरोक्त दाताआ का नाम सत्त्या के नाम पत्र पर लिखा जावेगा एवं "गो दान" करने वाले दाताआ का फोटो देने से कार्यालय में सजाया जायेगा।

इस सत्त्या के आश्रयदाता बनना चाहें हो तो रुपये 1501 दें एवं रुपये 1001 देने पर प्राणिओं को आपने नाम पर चारा खिलाया जायेगा, सा आपस नम्र निवेदन है कि, आप अपने शक्ति अनुसार अधिक से अधिक दान देकर हम आपने सेवाभावी काय में उपकृत करें और सत्त्या के काय को विकसित करें गेती आपसे प्रार्थना है।

एक दिन के चारे के लिए रुपये 501/-

सभी दानदाताओं से नम्र विनती है कि गो सदन बाधना है उसके लिये मदद करने को कृपा करें।

आपके विनीत,

कृषी गो सेवा ट्रस्ट के लिए भोजराज लोकमत लोकवाणी

निधि प्रमुख, नाशिक

कृपा दान की राशि "कृषि गो सेवा ट्रस्ट-नाशिक (रजि)" के नाम से नगद/बैंक/डिमांड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर से भेजें।  
"तन पवित्र सेवा किए, धन पवित्र किए दान। मन पवित्र हरिध्यान धर, होवे त्रिविध कल्याण।"

**हादिक शुभकामनाओं सहित :**

**चाँदी के प्रजेंटेशन आर्टिकल्स का भव्य शोरूम**

## **SILVER HOUSE**

शुभ प्रसंगों के अवसर पर स्नेहीजनों को भेट स्वरूप देने के लिए एवं घर में बमाने के लिए 100% टंच शुद्ध चाँदी के वर्तन—

सभी मंगल मूर्तों एवं मुप्रसंगों के लिए तथा लग्न प्रसंगों स्मरणार्थ, तपस्या, आदि के लिए शुद्ध चाँदी के सिक्के तथा लगडी 2½, 5, 10, 15, 20, 25, 40, 50, 100, 150, 200, 250 ग्राम में मिलेगी।

शुद्ध चाँदी की 999 टंच चाँदी की लगडियाँ, 2½, 5, 10, 15, 20, 25, 50, 100, 200, 250 ग्राम में मिलेगी।

वैकों, लिमिटेड कम्पनियों, संस्थाओं, केट्रेड मार्क के अनुसार चाँदी के सिक्के बनाकर दिये जाते हैं।

महावीर स्वामी, घंटाकर्ण महावीर, शंखेश्वर पार्श्वनाथ, नवपदजी, आदिनाथ भगवान, पदमावती देवी, सिमंधर स्वामी, सरस्वती देवी, लक्ष्मीजी, गणपति, अम्बाजी, श्रीनाथजी, गायत्री देवी, स्वामीनारायण, जरथोस, मक्का, साईबाबा, संतोपी माता, दत्तात्रेय, त्रिमूर्ति, गणेश लक्ष्मी, कृष्ण भगवान, शंकर भगवान, राधाकृष्ण, रामदरवार, ईश्वरु क्रिश्च, आदि 55 भगवान देवी-देवताओं के सिक्के सही मूल्य पर मिलेंगे।

प्रजेंटेशन आर्टिकल्स चाँदी के कलात्मक नोवेल्टीज, एवं अधतन अलंकारों के खरीदने का भरोसा मात्र स्थान !

फोन नं. दुकान 3429459, 3420128

**Any Thing & Every Thing In Silver**

**प्रताप ब्रदर्स चाँदीवाला**

**235, जवेंरी बाजार, बम्बई-400002 (महाराष्ट्र)**

प्रतापभाई, निवास :	3678516, 3621491	अनन्तराय भाई, निवास :	4946717
विजय भाई, निवास :	3621960, 3616769	हंसमुखभाई, निवास :	3634128, 3616509
प्राणलाल भाई, निवास :	3621317, 3621904		

**NO BRANCH**

नोट—उद्घाटन शुभप्रसंगों के लिए चाँदी का ताला, चाबी, कंची, क्रसकेट आदि सामान भी तैयार मिलता है।



॥ शहिमा परमोपम ॥

॥ श्री गोटो जी वास्वनाय स्यामिने नमः ॥

"फिआ गार जिने दो"

भारतीय जीवजगत् इन्डिया बोर्ड, धारा (प्रांति एवं दन मन्त्रालय, भारत सरकार) मन्त्रालय प्राज मन्त्रालय  
मन्त्रालयों की यात्राज जटिलताओं एवं मन्त्रालय मन्त्रालय

श्री जीवदया महामंडल, पुणे (रजि.) (हृद गज १ ई १२२४)

आत्मश्रेयार्थ, आत्मीय स्वज्ञान के स्मरणार्थ, मांगलिक प्रसंग, उद्घाटन, जन्मदिन, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, राष्ट्रीय-स्थानीय, धार्मिक अनुष्ठान, उज्जमणा, पूजन, प्रतिष्ठा, अंजन शान्ताका, छ'री पालिन संघ आदि प्रसंग पर अवश्य यादकर "जीवदया" के वक्ता में योगदान "श्री जीवदया महामंडल-पुणे (रजि.) के नाम से चेक-ड्राफ्ट से सहायता भेजें। दान की राशि आयकर अधिनियम, 80-जी के अंतर्गत भाग है।

मूक, निःसहाय, बेघारिन, दर्द से जर्जरित जीवों के पुनर्वसन हेतु !

आपका आशीर्वाद, सहयोग एवं सहभाग अनिवार्य, अनुमोदनीय एवं अतिमहनीय है। आपकी संपत्ति (आर्थिक-जगह आदि) आपकी सम्पत्ति (आशीर्वाद) आपकी संतति (कार्यकर्तागण) उमरोवत तीनों के सुख से स्वप्न पूरा होगा एक आदर्श, प्रेरणादायी, पुणे का शान्तिपूर्ण मित्र होनेवाले श्री जीवदया मंदिर का (पशु-पक्षी पुनर्वसन केन्द्र (पांजरापोल) का निर्माण नवनिर्मित जीवदया मंदिर के लिये नवीनतम योजनाएँ—

1. श्री जीवदया कार्यालय के आंग जेठ— सौजन्यदाता	रुपये 1,51,101	8. श्री जीवदया—प्रबन्धनाधीन भवन सौजन्यदाता	रुपये 1,11,501
2. श्री जीवदया चिकित्सालय सौजन्यदाता	1,51,101	9. श्री जीवदया—चिकित्सालय सौजन्यदाता	1,11,501
3. श्री जीवदया घामचारा भंडार सौजन्यदाता	1,11,501	10. श्री जीवदया—घामचारा भंडार सौजन्यदाता	1,11,501
4. श्री जीवदया मंदिर सौजन्यदाता	1,11,501	11. श्री जीवदया—संरक्षणी आवास सौजन्यदाता	51,111
5. श्री जीवदया आवास सौजन्यदाता (एक जीव का स्थायी आवास...)	11,511	12. श्री जीवदया—संरक्षणी आवास सौजन्यदाता	31,131
6. श्री जीवदया—वैज्ञकीय गुग्गुला केन्द्र सौजन्यदाता	1,11,501	13. श्री जीवदया पानी की टंकी (प्याऊ) सौजन्यदाता	5,454
7. श्री जीवदया—स्वागतकक्ष सौजन्यदाता	1,11,501	14. श्री जीवदया—द्वार बाजना	108

जीवन अभगदाता एवं दान (घामचारा आदि) दान बनाने की अभिन्न योजनाएँ—

1. बड़े जीव छुटवाने एवं गुग्गुला के लिए	1,008	7. श्री जीवदया मिष्ठान तिथि दो समय	5,454
2. मध्यम जीव छुटवाने एवं गुग्गुला के लिए	531	8. श्री जीवदया काष्ठ निर्मित दो समय	5,454
3. छोटे जीव छुटवाने एवं गुग्गुला के लिए	261	9. श्री जीवदया काष्ठ घामचारा तिथि एक समय	2,511
4. घामचारा एक दिन—दो समय	1,008	10. श्री जीवदया आशीर्वाद, गुग्गुला एवं उपहारदि कायमों तिथि	1,521
5. घामचारा एक दिन—एक समय	531		
6. श्री जीवदया मिष्ठान तिथि दो समय	11,151		

श्री जीवदया मंदिर के (पांजरापोल) आदेश देने वाली हैं—

1. श्री जीवदया मंदिर पटकोंनी प्याऊ मंडल का नामकरण आदेश	51,111	6. श्री मुख्य कलश के लिए वाजू का कलशारोपण का आदेश	11,511
2. श्री जीवदया मंदिर का मुख्यांगिकर का आदेश	51,111	7. श्री जीवदया मंदिर के प्रवेशद्वार के पिछले तरफ का आदेश	11,511
3. श्री जीवदया मंदिर का मुख्यांगिकर का दाहिने वाजू का आदेश	41,111	8. श्री जैन दर्शन प्रतीक/श्री जैन ओम् जैन ह्रीं-नमः शान्ति आदि का	11,511
4. श्री जीवदया मंदिर का मुख्यांगिकर का बाएँ वाजू गिखर का आदेश	41,211	9. तीन अलग-अलग धर्मचक्र-नमः प्रणि एक का	11,511
5. श्री जीवदया मंदिर कीर्तिस्तंभ का आदेश	31,311		

\* संपूर्ण शोध को सौजन्यदाता के नाम प्रदान किया जाएगा। 0 बोर्ड पर नाम आएगा। 0 संस्मरण की तहती पर नाम अंकित किया जाएगा। 0 संस्मरण के बोर्ड पर नाम आएगा। 0 शिलालेख में नाम सम्मिलित किया जाएगा।

\* पच्चीस ईट या ज्यादा सौजन्यदाता का नाम बोर्ड पर आएगा।

कृपया दान की राशि "श्री जीवदया महामंडल-पुणे (रजि.)" के नाम नगद/चेक/डिमांड ड्राफ्ट से भेजें।

"तन-पवित्र सेवा किए, धन पवित्र किए दान। मन पवित्र हरिध्यान घर, होवे त्रिविध फलप्राप्त।"



NON VIOLENCE IS THE GREATEST RELIGION

श्री सायला महाजन पाजरापोल

(रजि न 66)

सायला जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363430

स्थापना 255 वर्ष पूर्व, इस पिछड़े क्षेत्र में अबोल निराधार पशुओं की सहाय्य लगभग 800 से 1000 है।

(दान की रकम इनकम टैक्स 80-जी के अनुसार माफ़ी मिलती है)

प्रायः कर दुष्काल प्रस्त भूमि में अठ्ठाई शताब्दी पुरानी एक पशु सहाय्य

जीवदया

जीवदया

### - नम्र निवेदन -

माराष्ट्र प्रांत का एक मध्यम मूल्य का दुग्ध या तामरे वष भयानक दुष्काल पटना रहता है। मरवाही भाकटा के मुताबिक 100 वर्षों के सर्वेक्षण में 36 दुष्काल अथवा दुष्काल जैसी स्थिति रही है। उन क्षेत्र में रोजगार व कुछ भी साधन उपलब्ध नहीं है। यहाँ का जीवन केवल पानी में उपलब्ध खेतीबाड़ी के ऊपर ही निर्भर है। जब दुष्काल अथवा वर्षा पड़ती है तो तब वहाँ शूयायबाम हा जाता है। गरीबी की रक्षा के नीचे जीवन वान व्यक्त निम्नलिखित तीन कारणों से अपने प्यारे पशुओं का महाजन सभा का भट करत है।

- (1) दुष्काल अथवा वर्षा प्रकाश के समय गरीब विमान मालगारिया, पशुपालना की तरफ ग छाटे गय निराधार जन हुए पशु।
- (2) कमाउग्राना में वध हान के लिए बंध गय पशुओं का वधाकर हमशा-हमशा व निरप पाजरापोल में आश्रय देते हैं।
- (3) मूल, गड रागमस्त, निबल, रोमार, गूढ जम विना उपयुक्त ज्ञानवरा का आज्ञावन आश्रय प्रदान करते उनका पालन-पोषण उपरोक्त सभा के द्वारा किया जाता है।

ऐसे अन्याय, अनाज, अमकन जीवा का वधान एवं उनकी सेवा करत हनु इस सभा का भी आप एवं आपका स्नेहीजन के द्वारा दान प्रदान करत की विनती करत है।

### सहयोग-अनुकम्पा की कायमी तिथि

- |  |           |
|--|-----------|
| (1) दुष्काल अथवा दुष्काल जैसी परिस्थिति के समय मातिका की ओर म त्यागे हुए अनाज वतनग्राना में म वचाये हुए जीवा (पाजरापोल में जायय वन वाये ममा पशु-पक्षी) की सामूहिक कायमी तिथि | रु 3351/- |
| (2) या माता एवं अन्य प्राणियों का घास खिलाने का कायमी तिथि   | रु 1251/- |
| (3) कैमर जैसा जीवन लवा व्याधिया, पीठित, बीमार जीवों का दवा इजेक्शन तथा डाक्टर की सेवा सहित कायमी तिथि  | रु 1001/- |
| (4) दिन नफाकारक छुटे-छोटे दूध रीने शिशु जा मात प्रेम स वचा हा गय ह ऐसे वछडे, पाडा वरु, आदि को दूध पिलाने की कायमी तिथि   | रु 751/-  |
| (5) शक्तिहीन, गोमाता एवं अन्य प्राणियों का पाष्टिक भोजन, अनाज शुद्ध घा, गुट आदि स लापसी खिलाने की कायमी तिथि   | रु 601/-  |
| (6) मम्पुण गाँव में सभा चर्चत्ररा पर पशुधिया का बना चूसा डाटा की कायमी तिथि  | रु 651/-  |
| (7) कुत्ता को रोजाना राटिया खिलाने की कायमी तिथि   | रु 601/-  |
| (8) कीटा-मकाड़ी को आटा शक्कर, घी मिक्क कर खिलाने का कायमी तिथि   | रु 501/-  |

पढ़ो

दानदाताओं से नम्र निवेदन

अवश्य पढ़ो

**दानदाताओं से नम्र निवेदन**

आपथी के अनंत उपकारी पुण्य श्लोक, जननी पिता, वडील, लघु स्नेहाल वंधु, भगिनी, जीवन साथिनी या प्रिय पुत्र-पुत्री या स्नेहीजनो की पुण्य स्मृति रूप में कायमी तिथि में नाम लिखवाकर उनके प्रति ऋण अथवा आंतरिक प्रेम प्रदर्शित करें। इसके साथ-साथ सर्जनहारें सर्जिला अवोल, निर्दोष, दयनीय जीवों के अन्दर हृदय के शुभाशिप प्राप्त कर अपना जीवन धन्य एवं सार्थक बनावे एवं परम गति के अधिकारी बनें यही विनम्र प्रार्थना है !

**छोटे से दान में आप भी पुण्य प्राप्त करें**

- |   |           |
|---|-----------|
| 0 कृर कसाई के पास से गाय माता अथवा एक बड़े जीव को छुड़ाकर जिन्दगी भर, पंजिरापोल में पालन-पोषण करने मात्र का | रु. 221/- |
| 0 ऊपर मुजब एक जीव को छुड़ाने का   | रु. 111/- |

**विशेष सूचना:-**

प्रभु महावीर का अमृतमय सदेश को घर-घर तक पहुँचाने वाले, ग्राम-ग्राम में विचरण करने वाले पूज्य साधु-साध्वियों विद्वान मुनिराजों आप सभी इस अभयदान के कार्य में सभी जन सहयोग देने वास्तव प्रेरणा प्रदान करें; कार्य को अग्रसर बढ़ावे। इसके अलावा संघ समाज, मंडल, ट्रस्टी, कार्यकर्ताओं तथा जीवदया प्रेमियों आप सभी भी इस कार्य में जितना हो सके सहयोग प्रदान करावे, ऐसी नम्र विनती है। सभी का कल्याण हो ऐसी भावना के साथ !

आप अपना दान निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं—

- |  |   |
|--|---|
| (1) ज्योतिर्विद नरोत्तमदास गुलाबचंद शाह, ट्रस्टी,<br>6, औंकारवाडी, नवरोजी लेन, घाटकोपर (वेस्ट),<br>बम्बई-400086 (महा.) फोन नं. 5139720 | (2) सोनेक्स ट्रेडर्स,<br>हार्डवेयर मर्चेन्ट, 39, कोलसा स्ट्रीट, ग्राउण्ड फ्लोर,<br>पापधुनी, बम्बई-400003 (महा.) |
|--|---|

राष्ट्र संत, प्रवचन प्रभाविक, आचार्य प्रवर श्रीमद् पदम सागर सूरिस्वरजी म सा आदि ठाणाओं का कोवा (गांधी नगर -गुजरात) में सन् 1992 का चातुर्मास सानन्द सम्पन्न होने की मंगल कामनाएं करते हुऐ—

**हार्दिक शुभकामनाओं सहित :-****महावीर जैन आराधना केन्द्र****कोवा****वाया जिला गांधीनगर (गुजरात)**

परम धर्मेय, प रत्न श्री म्पद मुनिजी मगा, प्रवक्त, प रत्न श्री उमा मुनिजी मगा जादि ठाणाभा (८)

का खाबगोद (मध्यप्रदेश) म सन् 1992 का जातुर्मास जान, दशन चारिय एव तप री आराधनाआ

मे आन प्रान जने ऐमी शुभ भवन नामनाआ व माथ ।

हाबिर शुभनामनाआ सहित ।



## ज्ञानचंद खूबचंद वुपकया

173, जवाहर मार्ग, छांचरोद

जिला उज्जैन (म प्र) 456224

### प्रथम जैन विडियो पत्रिका का शुभारंभ

जा मस्मृति आर गन जाणन रहिमा अनवा जा अपरिग्रह का उद्देश्य जन-जन तक पहुँचान व उद्देश्य म आध्यात्म आ भक्ति अनुशासन मस्मान द्वारा प्रथम जन वीडियो पत्रिका का शुभारंभ किया गया है।

प्रस्तुत है ६ म याचना का स्वरूप

विश्व की प्रथम जैन वीडियो पत्रिका धर्म जन निमक है जन म जाण पावेगे

ममाचार

— देश विदेश म जैन उमव दीक्षा समाराह प्रमुख घटनाओं की रपट।

तीथ दर्शन

— किसी एक प्रमुख तीथ की यात्रा, सम्पूर्ण जानकारी व माथ।

गंगा ममाधान

— दर्शना की वम व प्रति जिताना एक सनत निचाग व शराआ का ममाधान प्रमुख जैन आचार्यों एवं माधु-माधिया द्वारा।

इसमें अलावा भक्ति संगीत कहानी, प्राण्डल धार्मिक प्रस्तावना जैनधर्म व इतिहास का परिचय आदि। यह पत्रिका अपन तरह की विश्व की प्रथम विडियो पत्रिका होगी जो हर दूरग माह आपने हाथ म होगी। मवत्र उठे शहर म प्राप्त।

नोट—सम्पूर्ण जैन समाज व सभी जाचार्यों, माधु-माधिया व गुरु म सम्पूर्ण जानकारीयों एवं मागदर्शन, समग्र जैन जातुर्मास सूचीक सम्पादन वाक्ताव जैन 'उज्जैन' सम्बद्ध द्वारा प्राप्त का भयो एवं वे कई जाचार्यों, माधु-माधिया के जालालप हनु भी माथ म गय।

निम्नत जानकारी टन सम्भव करें --

श्री सुनील साई

आध्यात्मिक आर भक्ति अनुशासन मस्मान

अनता वाष्पलेखम, 8, जुहुनारा राट, शातानुज (वेस्ट),

उम्पई-400019 (मरा)

फोन-6130528 6124890

# तपागच्छ का ऐतिहासिक उद्गम स्थल (आयड़) उदयपुर

उदयपुर (आयड़) श्वे. मंदिर जैन जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ—राजस्थान प्रान्त के उदयपुर आयड़ स्थित तपागच्छ जैन समुदाय का ऐतिहासिक उद्गम स्थल आयड़ जैन मंदिर की सस्कृति ईसा पूर्व 2000 वर्ष से भी अधिक पुरानी रही है। राज्य सरकार के आर्चोलोजिकल विभाग द्वारा खनन कार्य करवाने से यह प्रमाणित भी हो चुका है। उत्खनन से प्राप्त मूर्तियाँ, भाँडे मणियाँ, पाषाणकालीन औजार इत्यादि का संग्रहालय यहीं पर स्थित है। पूर्व में इस स्थान को ताम्बावती नगरी, आटपुर, भाघाटपुर इत्यादि नामों से जाना जाता था।

इसी पावन भूमि पर आचार्य श्री जगन्नाथ सूरजी म.सा. बारह वर्ष तक आंयग्विल तप की उग्र तपस्या के दौरान विहार करते हुए यहाँ पधारे। उस समय उग्र तप विद्वता एवं उत्कृष्ट संयम कि आराधना से प्रभावित होकर मेवाड़ के राणा जैत्रसिंह ने वैसाख शुक्ला 3 वि.सं. 1285 को आपको तपा विरुद्ध में सम्मानित कर अपने आपको धन्य माना था। तभी से भगवान महावीर की परम्परा से चला आ रहा बड़ा गच्छ तपागच्छ के नाम से चला आ रहा है। उसी तपागच्छ की ऐतिहासिक उद्गम स्थली आयड़-उदयपुर के श्वे. जैन मंदिर का जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ होने जा रहा है।

अतः तपागच्छ के चतुर्विध श्री संघों के माननीय ट्रस्टियों कार्यकर्ताओं आदि से विनम्र प्रार्थना निवेदन है कि तपागच्छ की प्राण सभा यह पितृ मातृ भूमि के जिन मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य में सहयोग प्रदान कर अपने ऋण से उत्कृण वने।



—निवेदक—

श्री जैन श्वेताम्बर आयड़-मंदिर जीर्णोद्धारक कमेटी,  
आयड़-उदयपुर-313002 (राज.)



—सौजन्य—

दिवानसिंह सम्पतकुमार बाफना  
होटल पायल

केन्द्रीय बस स्टेण्ड के सामने, सिटी स्टेणन रोड, उदयपुर-313001 (राजस्थान)

(यहाँ ठहरने की आधुनिक सुविधा उपलब्ध है)

ममय जन चातुर्मास सूचो, 1992

## हार्दिक अभिनन्दन

अत्यन्त प्रसन्नता एवं हृष्यता विद्यमान है कि श्रमा मय र महाशया — पाठ्यमन्त्र, आचार्य मन्त्र, स्व पू श्री आनन्दरूपिणी म के आगतुवन्ति जैन शासन चन्द्रिका म्य पू श्री उज्जयन्त मुमारीजी म की गुणवत्ता प्रशस्तता—उज्जयन्त मय प्रमुखा धर्मणी—आ—पू श्री प्रमा मुमारी म का परिणत निम्नी म प्रशस्ति एवं महत्वपूर्ण विचार 'स्फूर्ति एशिया' के वर 7 म पृष्ठ 4 पर दिया गया है। यह सुभा जैन समाज के लिए गांव का विषय है।

'स्फूर्ति एशिया' विचार म एशिया म्य व महत्वपूर्ण व्यक्तियों का ही उल्लेख किया जाता है। महा-मनीजी श्री प्रमाद मुमारी म का प्रचुर वक्तव्य है। अपनी आत्मबोधांग जो नित्य मानव सेवा के, अनन्त काय संपन्न विषय है। मन म मधुरता तन म तन्मयिता, वन म ध्वजहार गुणवत्ता आदि अनन्त गुणा ने शासन पूज्य श्री प्रमाद मुमारी म जिनशासन की गरिमा म चार चाद लगा दी है। हम शासन म यही अनुत्तम प्रायणा करने हैं कि पूज्य श्री प्रमाद मुमारी म का उनी तरह जिनशासन तथा श्रमण सय का ग्रामा म अभिवृद्धि करें तथा मानवता के काय आपत्त दाय मुमपन्न हान रहे।

गत रह 1992 का चातुर्मास पूना शहर र आन्तारा मानावृष्टा म संपन्न करने के बाद महामनी श्री प्रमाद मुमारी म का अपन विचार मावी पत्रिका के माय अभिषेक की तरह विचार करने के भाव रखन है।

—शुभेच्छक—

मुसीलकुमार भवरलाल चारडिया (मन्त्रात)

गत 135 वर्षों से बढ़िया डिजाईन और कलापूर्ण अलंकार  
माय ही अच्छी गुणवत्ता के लिये सम्पूर्ण महाराष्ट्र में—एकमात्र विश्वासपात्र पेढो

★ मे. राजमल लखीचंद सराफ ★

सोने चांदी के आभूषणों के प्रसिद्ध विक्रेता और निर्माता

192 बाताजी पेठ, जलगांव-452001 (महाराष्ट्र)

२६६८१

२६६८२

२६६८३

तार-मानगाज

ॐ

ॐ

कचनसी काया पर हो  
सदियोंसे सबको भाया है

कचन मनपसंद ।  
राजमल लखीचंद ॥

जय आत्म

जय शिव

जय आनन्द

श्रमण सघीय अनुशास्ता, शासन दिवाकर, परमश्रद्धेय, पूज्य युवाचार्य प्रवर डॉ. शिव मुनिजी म.सा. M.A. Phd., श्री जितेन्द्र मुनिजी म.सा., श्री शैलेश मुनिजी म.सा., श्री शिरीष मुनिजी म.सा. आदि ठाणाओ (4) का मन् 1992 वर्ष का पुरानी धोबी पेट मद्रास मे यशस्वी चातुर्मास ऐतिहासिक रूप मे होने की मंगल कामनाएं करते हुए कोटी वन्दन ।



हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

**श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन  
श्रावक संघ**

**जैन स्थानक,**

67, मुत्तय्या मुदली स्ट्रीट, पुरानी धोबी पेट,  
मद्रास-600021 (तमिलनाडू)

फोन नं.-552473, 553557, 554333



सभी आचार्यों साधु साध्वियों को कोटि कोटि वन्दन ।

Tel No—Off 252165 295172, 257064  
Resi 297842

Cable LUCK SAREES

## M. K. Textiles

Fancy Saree Mfg & Wholesale Marchant

105/107, Old Hanuman Lane, 2nd Floor P B No 2865  
Kalbadvi Road, BOMBAY 400 002

OUR SISTER CONCERN

Kishore Trading Co. BOMBAY

Nakodaji Textiles Pvt Ltd, BOMBAY



## M. K. Fabrics

PH 620992

Fancy Saree Mfg & Wholesale Merehant

1026 Mahavir Market, Ground Floor Ring Road  
SURAT 395001 (Gujarat)

With best compliments from :

pick a **PINKY** and let your writing sparkle

**LION PINKY**

The Prettiest Pencil in Town

Now from Lion Pencils

here's another novelty.....

the Pearl finished LION PINKY Pencil

a pretty pencil to behold.

Superb in looks, super smooth in writing with its

H. B. Lead strongly bonded to give you unbreakable points.

*Also available with rubber tip and hexagonal :*

Other popular brands of Lion Pencil are :

**Lion Moto, Lion Turbo, Lion Sweety**

**Lion Concord, Lion Executive and**

**Lion Gematic Drawing Pencil**

**LION PENCILS LTD.**

(1) Parijat, 95, Marine Drive. BOMBAY-400 002 (INDIA)

(2) 23, Nariman Bhawan, 2nd Floor Nariman Point,  
BOMBAY-400021 (INDIA)

Tel—Off. 2020005, 2021765

Telex—11.84065 CHTN IN

Fact. : 661237-38-39

Fax - 022-8552856

## सुसंस्कृत जैन घर की पहचान



(4 कॅसेट का एल्बम)

केवल 140/- रु में

पूरी पाठशाला आपके घर में ...

प्रातः स्मरणीय प्रार्थना और सदावहार भजन

पार्श्व गायको की आवाज में

सजे व स्वरवद्ध ।

‘प्रतिक्रमण’ आसानी से पठन हेतु,  
सुबह फेरने के लिए भक्तामर स्तोत्र

एव

ग्राम को फेरने के लिए

कल्याणमन्दिर स्तोत्र



सम्पर्क सूत्र-फोन नं 78490

दर्शन ऑडिओ एण्ड विडिओ

16 बौरा विल्डिंग रविवार कारजा

नाशिक सिटी-422001 (महाराष्ट्र)

# वैसे तो आप छत्तीसगढ़के रहवासी! भला चांदी-सोनेकी खरीदी हेतु जलगांव कैसे पहुँच जाते बारबार?

सीधा एवं सरल कारण

आर.सी. बाफना ज्वेलर्स!

वैसे जलगांव में ना इनका कोई नाता, ना कोई रिश्ता!

पर कटक से कन्याकुमारी तक फैली विख्यात ज्वेलर्स

आर.सी.बाफना की विश्वास

पर आधारित

रिश्तेदारी उन



तक कभी की पहुँच गयी है! पास-पड़ोसी, सखा-सहेलियों की,

नाते रिश्तेवालों की अब बस यही धारणा हो चुकी है कि आप

चांदी सोने की खरीदी में वाकई दक्ष हैं। और लाना पड़ता

है इन्हें इधर 'नयनतारा' शोरूम में! किंतु हर बार

आनेपर बिलकुल नयी नवेली दुल्हन ही लगती है ये

शोरूम! बिलकुल नये अंदाज, नवीनतम डिजाइन,

नया झौक! आप भी आइये .... विश्वास के साथ!



खान्देशका मुकुटमणी

**रतनलाल सी. बाफना ज्वेलर्स**

'नयनतारा', सुभाष चौक, जलगांव ४२५००१ महाराष्ट्र फोन: २३९०३.२५९०३ इतवार को बंद